अतिरिक्तांक

प्रतियोगिता दर्पण

मूल्य: ₹ 135.00

संशोधित एवं
परिवर्द्धित संस्करण

गत कई वर्षों से टॉपर्स
द्वारा सर्वाधिक
सराही जाने वाली सीरीज

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

परीक्षोपयोगी सीरीज-20

हिन्दी भाषा

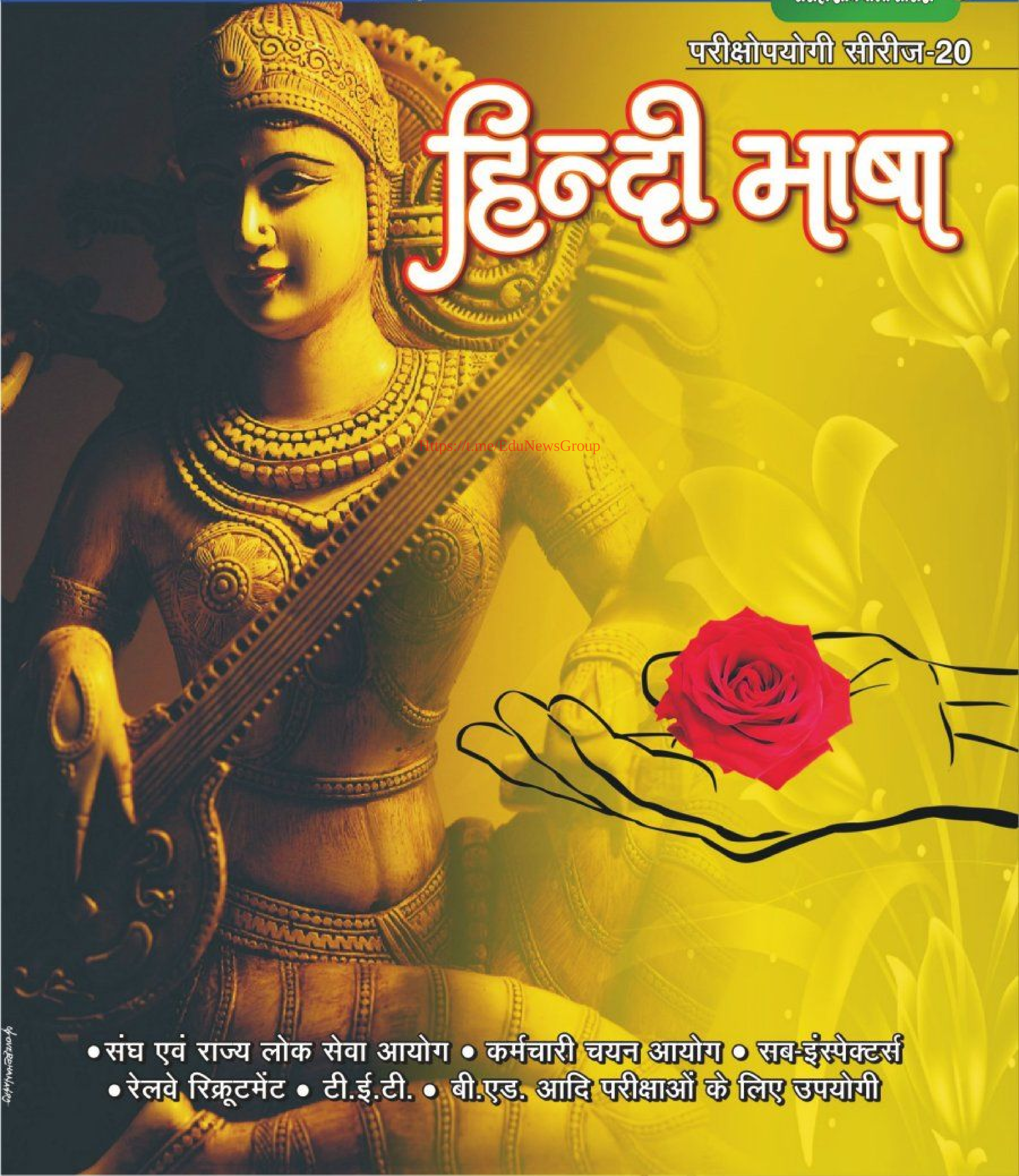

• संघ एवं राज्य लोक सेवा आयोग • कर्मचारी चयन आयोग • सब-इंस्पेक्टर्स
• रेलवे रिक्रूटमेंट • टी.ई.टी. • बी.एड. आदि परीक्षाओं के लिए उपयोगी

VISIT…

LANZAROTE
Caliente.com

These Magazines are our
TORCH BEARERS
for Successful Careers

Price ₹ 70/-

Price ₹ 70/-

PRATIYOGITA DARPAN HINDI & ENGLISH MONTHLY

India's No. 1 magazine for Central and State Civil Services, SSC, Railways, Defence, MBA, UGC/NET, Bank P.O. and other equivalent competitive examinations.

SUBSCRIPTION RATES

	1 Year	2 Years
Pratiyogita Darpan *(Hindi)*		
By Ordinary Post	*635/-*	*1180/-*
By Registered Post	*855/-*	*1620/-*
Pratiyogita Darpan *(English)*		
By Ordinary Post	*630/-*	*1175/-*
By Registered Post	*850/-*	*1615/-*
Samanya Gyan Darpan *(Hindi)*		
By Ordinary Post	*405/-*	*755/-*
By Registered Post	*620/-*	*1185/-*
Success Mirror *(Hindi)*		
By Ordinary Post	*180/-*	*335/-*
By Registered Post	*395/-*	*765/-*
Success Mirror *(English)*		
By Ordinary Post	*315/-*	*590/-*
By Registered Post	*540/-*	*1040/-*

SAMANYA GYAN DARPAN HINDI MONTHLY

A very popular and uprising magazine for SSC, Banks, Railway, B.Ed. and such other competitive examinations.

Price ₹ 45/-

Price ₹ 20/-

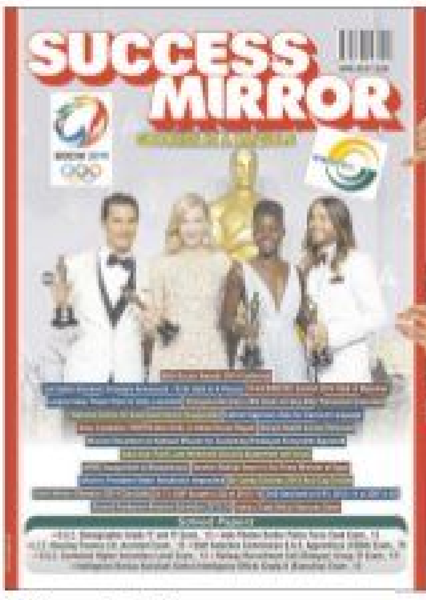

Price ₹ 35/-

Think As Toppers Do!

SO, START READING THEM TODAY; TOMORROW MAY BE TOO LATE

M/s. PRATIYOGITA DARPAN
2/11A, Swadeshi Bima Nagar, **AGRA-282 002**
Ph. : 4053333, 2530966, 2531101; **Fax :** (0562) 4053330
E-mail : care@pdgroup.in
Branch Offices :
- 4845, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110 002 **Ph. :** 011-23251844/66
- 1-8-1/B, R.R. Complex (Near Sundaraiah Park), Bagh Lingampally, Hyderabad-500 044 (A.P.) **Ph. :** 040-66753330
- Pirmohani Chowk, Kadamkuan, Patna-800 003 **Ph. :** 0612-2673340
- 28, Chowdhury Lane, Shyam Bazar (Near Metro Station) Kolkata- 700 004 (W.B.) **Ph. :** 033-25551510
- B-33, Blunt Square, Kanpur Taxi Stand Lane, Mawaiya, Lucknow-226 004. **Ph. :** 0522-4109080

For online subscription log on to www.pdgroup.in

प्रतियोगिता दर्पण

अतिरिक्तांक

इस अंक में

5 सम्पादकीय
6 हिन्दी भाषा और नागरी लिपि
9 हिन्दी व्याकरण
14 शब्दकोश में शब्दों का क्रम
16 वर्ण, उच्चारण और वर्तनी
23 विराम चिह्नों का प्रयोग
24 पारिभाषिक शब्दावली
29 पर्यायवाची शब्द
45 विलोमार्थक शब्द
55 अनेकार्थक शब्द
56 समूहार्थक शब्द
58 अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द
71 तत्सम और तद्भव शब्द
74 उपसर्ग
78 प्रत्यय
82 संधि
91 समास
95 मुहावरे
104 लोकोक्तियाँ या कहावतें
111 वाक्य के भेद
113 वाक्य-शोधन
123 वाक्य में रिक्त स्थानों की पूर्ति
126 अनुच्छेद में रिक्त स्थानों की पूर्ति
128 पल्लवन (विशदीकरण)
129 पाठ बोधन
134 अपठित पद्यांश
135 रस
138 छन्द
140 अलंकार
144 हिन्दी साहित्य का इतिहास
154 साहित्यिक (पद्य) रचनाएँ और उनके रचयिता
160 हिन्दी (गद्य साहित्य) पुस्तकें और उनके लेखक
168 भारतीय काव्यशास्त्र और आलोचना
177 कार्यालयी-पत्र

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है.
–सम्पादक

प्रतियोगिता दर्पण के पाठकों से

दो शब्द

प्रिय पाठको,

वर्तमान में प्रतियोगिता परीक्षाओं में हिन्दी के निरन्तर बढ़ते हुए महत्व को दृष्टिगत रखते हुए प्रतियोगिता दर्पण के प्रस्तुत अतिरिक्तांक में परीक्षोपयोगी विशेष सामग्री प्रस्तुत की जा रही है. यह तथ्य निर्विवाद है कि सफलता के लिए सामान्य हिन्दी के प्रश्न-पत्र में परीक्षार्थी अपने विचारों को सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए सरल, प्रवाहमय एवं शुद्ध हिन्दी का उपयोग करें. इसी दिशा में परीक्षार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए विषय-विशेषज्ञों द्वारा इस अतिरिक्तांक को तैयार कराया गया है तथा इस तथ्य का विशेष ध्यान रखा गया है कि प्रश्न-पत्र के प्रत्येक अंग के अनुरूप मार्गदर्शन के लिए यथेष्ट अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाए.

अतिरिक्तांक की विषय-सूची पर दृष्टिपात करके ही आप इसकी विषय व्यापकता एवं उपादेयता से आश्वस्त हो जाएंगे. इसमें उपयुक्त शब्दों का चयन, मुहावरेदार एवं लोकोक्तिपूर्ण भाषा, समास, सन्धि-विग्रह, रस, छन्द, अलंकार, हिन्दी साहित्य का इतिहास, भारतीय काव्यशास्त्र और आलोचना आदि सभी आवश्यक विषयों पर साधिकार सामग्री का प्रचुर मात्रा में संकलन किया गया है जो परीक्षा में आपके लिए साधारण सफलता ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि की सफलता के लिए प्रतिबद्ध है. इसमें विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के सामान्य हिन्दी के प्रश्नों को सम्मिलित करके इसकी उपयोगिता को और भी अधिक व्यापक कर दिया गया है.

प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती (प्रत्यक्षे किं प्रमाणं). अतिरिक्तांक आपके हाथ में है. इसकी उपादेयता का निर्णय तो आप स्वयं कर सकते हैं.

आपकी चतुर्दिक सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

महेन्द्र जैन
(सम्पादक)

सम्पादकीय

सद्बुद्धि विकसित कीजिए

जब बुद्धि विवेकानुकूल कर्म करने का संकल्प करती है, तो विवेकानुकूल अहंकार तथा नैतिक शक्ति दोनों ही इसे क्रियाशील करते हैं. ऐसी स्थिति में यह सद्बुद्धि कही जाती है, किन्तु जब बुद्धि विवेक के अनुकूल न होकर या विवेक के प्रतिकूल क्रियाशील होने का विकल्प चुनती है तब इसका शक्ति स्रोत केवल अहंकार होता है. ऐसी स्थिति में वह दुर्बुद्धि का अभिधान धारण करती है.

एक संत प्रवचन करते हुए कह रहे थे– विज्ञान के इस युग में बौद्धिकता का अतिशय विकास हुआ है– इसमें कोई संदेह नहीं है, परन्तु इसके साथ यह भी एक कठोर यथार्थ है कि बुद्धि बहुत पीछे रह गई है. दोनों का समान्तर सम्यक् विकास होने पर ही मानव जीवन सुखी हो सकता है,..........आदि.

मुझे यकायक जयशंकर प्रसाद प्रणीत 'कामायनी' के कथानक का स्मरण हो आया. जब तक मनु बौद्धिकता स्वरूपा इड़ा के अधीन रहते हैं, वह दु:ख भोगते हैं, देवताओं के कोप भाजन बनते हैं. श्रद्धा को अपना लेने के उपरान्त उनका जीवन समरसता को प्राप्त होकर अखण्ड आनन्द का अधिकारी बन जाता है.

बौद्धिकता वस्तुत: विश्लेषणात्मक की वृत्ति है, जबकि बुद्धि अन्त:करण के संश्लेषणात्मक मन की वृत्ति है. हिन्दी शब्दकोश के अनुसार बुद्धि को अन्त:करण की निश्चयात्मक वृत्ति बताया गया है. बौद्धिकता का सम्बन्ध चिन्तनमनन, द्वैतता से है, बुद्धि का सम्बन्ध अनुभूति से, अद्वैतता से है. श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने अर्जुन से कहा है कि वह बुद्धि द्वारा अपने मन की चंचलता पर विजय प्राप्त करे.

अपने अमर काव्य-ग्रंथ 'पद्मावत्' का उपसंहार करते हुए मलिक मुहम्मद जायसी ने पद्मावती को बुद्धि का प्रतीक बताया है. 'पद्मावत्' में सिंहलद्वीप की राजकुमारी पद्मावती हकीकत स्वरूपा परम माशूका के रूप में चित्रित की गई है, यथा–

चौदह भुवन जो तर उपराहीं।
ते सब मानुष के घर माहीं।।
तन चितउर मन राजा कीन्हा।
हिय सिंहल बुधि पदमिनि चीन्हा।।

आदि।

जे. आर. लॉविल (J.R. Lowell) नामक विद्वान् ने बौद्धिकता के विषय में लिखा है कि बौद्धिकता में एक दुर्बलता होती है, वह बहुत महत्वपूर्ण है. इसके अन्त:करण/विवेक नहीं होता है, जबकि बुद्धि सदैव विवेक के साथ चलती है. अतएव प्रकृति की सत्ता में बुद्धि, मनुष्य की सेवा के लिए मानव की सबसे अद्भुत एवं हितकारी शक्ति है. यह तीन तत्वों के साथ सक्रिय होने पर क्रियाशील होती है. वे हैं–(1) मस्तिष्क, (2) विचार शक्ति और (3) विवेक अथवा अहंकार. विवेक और अहंकार में तीन और छ: का सम्बन्ध होता है. मस्तिष्क एवं विचार शक्ति कार्यशीलता के समय या तो विवेक से संयुक्त होते हैं अथवा अहंकार से सम्बद्ध होते हैं. यह असम्भव है कि विवेक और विवेक प्रतिकूल अहंकार दोनों को एक साथ लेकर मस्तिष्क एवं विचार शक्ति एक साथ क्रियाशील हों. कहने का सारांश यह है कि बुद्धि अहंकार के साथ कभी सक्रिय नहीं रह सकती है. स्पष्ट है कि मस्तिष्क का काम करने वाले अध्येताओं को अहंकार से दूर रहने का पूरा प्रयत्न करना चाहिए. वर्तमान में हमारे बुद्धिजीवी अपने कर्तव्य से च्युत हो गए हैं. मुख्य कारण यही है कि वे केवल अपनी निगरानी में सीमित हो गए हैं. यह प्रत्यक्ष रूप में बौद्धिकता का और परोक्ष रूप में अहंकार का प्रभाव है. परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग की प्रेरणा बौद्धिकता देती है, क्योंकि वह अहंकार के वशीभूत रहती है. इस कार्य से विलग रहने का परामर्श बुद्धि देती है जो सदैव विवेक से संयुक्त रह कर क्रियाशील होती है. अनुचित साधनों का प्रयोग न करने पर हम किस प्रकार लाभान्वित होते हैं. हम इसकी अनुभूति तो करते हैं, परन्तु इसको शब्दों द्वारा कह नहीं सकते हैं. जब विचार शब्दों का चोला ओढ़ लेते हैं, तब मस्तिष्क भी उनको लेकर तर्क-वितर्क, विश्लेषण, निर्णय आदि करने में समर्थ हो जाता है, पर अनुभूतियों के विचार शब्दों में परिणत नहीं हो पाते हैं. उनके संदर्भ में मस्तिष्क असहाय हो जाता है. उनके सम्बन्ध में निर्णय का कार्य चेतना के स्तर पर सम्भव होता है. इस अवसर पर विवेक शक्ति क्रियाशील हो जाती है. इस संदर्भ में यह निवेदन कर देना आवश्यक प्रतीत होता है कि चेतना के स्तर पर किया गया निर्णय भी मस्तिष्क के माध्यम से वाणी में अवतरित होता है.

इतना अवश्य है कि चाहे अहंकार और तर्क-वितर्क के बाद लिया गया कोई निर्णय हो, या स्मृति कोश से प्राप्त विचारों को प्रकट करना हो, अथवा विचारोपरान्त किसी कर्म को करने के लिए कर्मेन्द्रियों को दिए गए आदेश हों, सभी सन्देश मस्तिष्क के माध्यम से ही आते हैं. मस्तिष्क वस्तुत: अहंकार तथा विवेक के बीच होने वाले मतभेदों तथा मतभेदों से होने वाले तनावों को अनुभव करता है. अन्तत: जो भी निर्णय विजयी होता है, उसके अनुरूप मस्तिष्क कर्मेन्द्रियों को आदेश भेजता है. इस संदर्भ में द्रष्टव्य यह है कि चेतना के स्तर पर की गई अनुभूति की यह अभिव्यक्ति अपूर्ण ही रहती है. उदाहरण के लिए आप चार घण्टे तक पूर्ण तत्परता एवं निष्ठा के साथ अध्ययन करने के बाद एक विशेष प्रकार के आनन्द की अनुभूति करते हैं. आप अधिक-से-अधिक यह कह सकते हैं कि भाई मजा आ गया, परन्तु वह मजा कैसा था, किस समय आया, आदि प्रश्नों के उत्तर आप या हम अथवा अन्य व्यक्ति न दे सकेंगे. आत्मसन्तोष एवं आनन्द की अनुभूति के लिए यह आवश्यक है कि हमारे युवक-युवतियाँ बुद्धि की शरण में जाएं, विवेक का अवलम्बन ग्रहण करें और अध्ययन की भागीरथी में दत्तचित्त होकर अवगाहन करें.

जीवन में घटित होने वाली अनेकानेक घटनाओं के विश्लेषण के निष्कर्ष स्वरूप यह कहा जा सकता है कि मस्तिष्क और बुद्धि को एक ठौर बैठा किसी भी दृष्टि से तर्कसम्मत नहीं है. बुद्धि केवल मस्तिष्क की सामर्थ्य नहीं है, उसमें विचार शक्ति तथा विवेक का योगदान अनिवार्य है. बुद्धि और विवेक की सफल क्रियाशीलता के लिए विवेक का सहयोग आवश्यक है. बुद्धि के स्तर पर ही विवेक अपनी सार्थकता प्रमाणित करता है, क्योंकि यह प्रक्रिया चेतना के विज्ञानमय स्तर पर घटित होती है, जहाँ व्यक्ति अहंकार एवं तज्जन्य मोह से उपराम हो जाता है.

बुद्धि की क्रियाशीलता के लिए जिन तीन तत्वों की आवश्यकता होती है उनमें एक तत्व मस्तिष्क भी है. मस्तिष्क का कार्य तर्क-वितर्क है. तर्क विरुद्ध बात स्वीकार करने में बुद्धि असमर्थ रहती है.

बुद्धि विवेक की पक्षधर है. इस नाते वह व्यक्ति के अपने स्वीकार किए गए मानदण्डों, आस्थाओं, मान्यताओं तथा मूल्यों का उपयोग करती है. विचार मंथन, तर्क-वितर्क तथा निर्णय पर कार्यवाही करना बुद्धि की क्रियाशीलता की पहचान है.

सद्बुद्धि एवं दुर्बुद्धि की सापेक्ष क्षमता के निदर्शन के लिए खरगोश और दुर्दांत सिंह की कहानी पर्याप्त होनी चाहिए–

बुद्धिर्यस्य बलम् तस्य निर्बुद्धेस्तु कुतो बलम्।
पश्च सिंह हि दुर्दान्त: शशिकेन निपातित।।

हमारे युवा पाठक जीवन में सफल होने के लिए, सर्वत्र विजयी होने के लिए विवेक सम्मत् सद्बुद्धि के विकास का संकल्प कर लें. व्यष्टि और समष्टि के हित का यही मार्ग है.

जहाँ सुमति तहाँ सम्पति नाना।
जहाँ कुमति तहाँ विपति निधाना।।

●●●

सामान्य हिन्दी

हिन्दी भाषा और नागरी लिपि

हिन्दी के सम्बन्ध में उल्लेखनीय तथ्य

हिन्दी भारोपीय परिवार की आर्यभाषा है. भारतीय आर्यभाषाकाल को तीन उपवर्गों में बाँटा गया है—

1. **प्राचीन भारतीय आर्यभाषाकाल** (1500 ई. पू. से 500 ई. पूर्व तक)—इसके अन्तर्गत दो भाषाएं हैं—

(अ) वैदिक संस्कृत (1500 ई.पू.–800 ई. पू. तक)

(ब) लौकिक संस्कृत (800 ई. पू.–500 ई. पू. तक)

2. **मध्य भारतीय आर्यभाषाकाल** (500 ई. पू. से 1000 ई. तक)—इसके अन्तर्गत तीन भाषाएं आती हैं—

(अ) पालि (500 ई. पू. से 1 ई. तक)

(ब) प्राकृत (1 ई. से 500 ई. तक)

(स) अपभ्रंश (500 ई. से 1000 ई. तक)

3. **आधुनिक भारतीय आर्यभाषाकाल** (1000 ई. से अब तक)—इसके अन्तर्गत हिन्दी एवं अन्य आधुनिक आर्यभाषाएं आती हैं—

(अ) हिन्दी, (ब) सिंधी, (स) पंजाबी, (द) बिहारी, (य) बंगला, (र) उड़िया (ल) असमिया, (व) गुजराती, (श) मराठी

हिन्दी का विकास

हिन्दी भाषा का विकास 1000 ई. के आसपास अपभ्रंश से हुआ. भाषाओं का विकास इस क्रम से हुआ—

संस्कृत > पालि > प्राकृत > अपभ्रंश > हिन्दी

हिन्दी की बोलियाँ—हिन्दी के अन्तर्गत 5 उपभाषाएँ एवं 18 बोलियाँ हैं, जिनका विवरण निम्न प्रकार है—

उपभाषा	बोलियाँ
1. **पश्चिमी हिन्दी**	(i) ब्रजभाषा, (ii) कन्नौजी, (iii) खड़ीबोली (कौरवी), (iv) बुंदेली, (v) बाँगरू (हरियाणवी)
2. **पूर्वी हिन्दी**	(i) अवधी, (ii) बघेली, (ii) छत्तीसगढ़ी
3. **राजस्थानी**	(i) मेवाती, (ii) मालवी, (iii) मारवाड़ी, (iv) जयपुरी (ढूंढाणी)
4. **बिहारी**	(i) भोजपुरी, (ii) मैथिली, (iii) मगही
5. **पहाड़ी**	(i) गढ़वाली, (ii) कुमायुँनी, (iii) नेपाली

हिन्दी और अपभ्रंश का सम्बन्ध

अपभ्रंश के विभिन्न क्षेत्रीय रूप थे जिनसे हिन्दी और उसकी बोलियों का विकास हुआ यथा—

1. **शौरसेनी अपभ्रंश**—पश्चिमी हिन्दी राज-स्थानी, गुजराती, पहाड़ी.

2. **कैकय अपभ्रंश**—लहँदा (वर्तमान में यह भाषा पाकिस्तान के कुछ भाग में बोली जाती है.)

3. **टक्क अपभ्रंश**—पंजाबी

4. **ब्राचड़ अपभ्रंश**—सिंधी

5. **महाराष्ट्री अपभ्रंश**—मराठी

6. **मागधी अपभ्रंश**—बिहारी, बंगला, उड़िया, असमिया.

7. **अर्द्धमागधी अपभ्रंश**—पूर्वी हिन्दी

हिन्दी (खड़ी बोली पर आधृत) भाषा का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से 1000 ई. के आसपास हुआ. इस प्रकार हिन्दी लगभग एक हजार वर्ष पुरानी भाषा है.

देवनागरी लिपि

भाषा को लिखने के लिए जिन ध्वनि संकेतों का प्रयोग किया जाता है उन्हें लिपि कहते हैं. प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है. देवनागरी लिपि का प्रयोग हिन्दी, संस्कृत, मराठी, नेपाली भाषाओं को लिखने में किया जाता है. देवनागरी लिपि का विकास 'ब्राह्मी लिपि' से हुआ. स्थापत्य की एक शैली नागर शैली कहलाती थी जिसमें चतुर्भुजी आकृतियाँ होती थीं. नागरी लिपि में भी चतुर्भुजी अक्षर हैं इस कारण इसका नाम नागरी पड़ा और फिर देव भाषा संस्कृत के लिए प्रयुक्त होने से यह देवनागरी कही जाने लगी.

देवनागरी वर्णमाला

स्वर—अ, आ, इ, ई, उ ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ = 11

अनुस्वार—ं = 1

विसर्ग— : = 1

व्यंजन

कंठ्य—क, ख, ग, घ, ङ = 5

तालव्य—च, छ, ज, झ, ञ = 5

मूर्धन्य—ट, ठ, ड, ढ, ण = 5

दंत्य—त, थ, द, ध, न = 5

ओष्ठ्य—प, फ, ब, भ, म = 5

अन्तस्थ—य, र, ल, व = 4

ऊष्म—श, ष, स, ह = 4

संयुक्त व्यंजन—क्ष, त्र, ज्ञ, श्र = 4

द्विगुण व्यंजन—ड़, ढ़ = 2

नोट—1. देवनागरी वर्णमाला में कुल 52 वर्ण हैं. स्वर 11 व्यंजन = 41

2. अनुस्वार और विसर्ग को किशोरी दास वाजपेयी ने 'अयोगवाह' कहा है और इन्हें स्वर न मानकर व्यंजन कहा है.

3. सरकारी किताबों में जो वर्णमाला उपलब्ध होती है उसमें द्विगुण व्यंजन नहीं है तथा संयुक्त व्यंजनों में श्र नहीं है. यहाँ जो वर्णमाला दी गई है वह देवनागरी का व्यावहारिक रूप है. इसमें प्रयुक्त सभी वर्ण हिन्दी लेखन में प्रयुक्त होते हैं. देवनागरी लिपि रोमन लिपि (अंग्रेजी भाषा की लिपि) से अधिक वैज्ञानिक है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौनसा कथन भाषा को परिभाषित करता है?
   (A) भाषा विचार-विनिमय का माध्यम है
   (B) भाषा योग्यता प्रदर्शन का साधन है
   (C) भाषा में नए-नए विचारों या अनुभवों को व्यक्त करने की क्षमता होती है
   (D) भाषा में दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता होती है

2. निम्नलिखित में से सर्वाधिक व्यक्तियों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है—
   (A) हिन्दी (B) अंग्रेजी
   (C) मंदारिन (D) स्पेनी

3. संसार की भाषाओं में हिन्दी का कौनसा स्थान है?
   (A) पहला (B) दूसरा
   (C) तीसरा (D) चौथा

4. बोलियों पर सर्वाधिक प्रामाणिक और व्यापक कार्य किसका है?
   (A) मैक्समूलर (B) गिलक्राइस्ट
   (C) केटलर (D) ग्रियर्सन

5. 'बुंदेली' हिन्दी की एक बोली है, तो 'पँवारी' और 'राठौरी' क्या है?
(A) उपबोली (B) अपभाषा
(C) उपभाषा (D) भाषा

6. हिन्दी किस परिवार की भाषा है?
(A) सामी (B) भारोपीय
(C) तूरानी (D) पापुई

7. भारोपीय भाषा परिवार का एक अन्य 'इण्डो-जर्मनिक' किसने दिया है?
(A) मैक्समूलर ने (B) ग्रियर्सन ने
(C) केटलर ने (D) गिलक्राइस्ट ने

8. अशोक ने अपने सभी अभिलेखों में एकरूपता हेतु किस 'प्राकृत' का प्रयोग किया है?
(A) अर्ध-मागधी (B) शौरसेनी
(C) मागधी (D) अंगिका

9. अपभ्रंश के निम्नलिखित भेदों में से कौनसा भेद नमि साधु ने नहीं किया है?
(A) ब्राचड़ (B) उपनागर
(C) आभीर (D) ग्राम्य

10. 'पद्मावत' की भाषा है—
(A) मैथिली (B) अवधी
(C) भोजपुरी (D) बुन्देली

11. 'विनयपत्रिका' की भाषा है—
(A) अवधी (B) कन्नौजी
(C) ब्रज (D) ब्रजबुलि

12. बिहारी, बंगाली, ओडिया और असमिया भाषाओं का विकास निम्नलिखित में से किससे हुआ?
(A) शौरसेनी (B) ब्राचड़
(C) अर्धमागधी (D) मागधी

13. 'भोजपुरी' का क्षेत्र क्या है?
(A) आरा (B) भागलपुर
(C) दरभंगा (D) गया

14. ब्रजभाषा का विकास किससे हुआ?
(A) उपनागर (B) मागधी
(C) शौरसेनी (D) पैशाची

15. हिन्दी की विशिष्ट बोली ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है?
(A) राजभाषा (B) तकनीकी भाषा
(C) राष्ट्र भाषा (D) काव्य भाषा

16. विद्यापति कृत 'कीर्तिलता' की भाषा है—
(A) भोजपुरी (B) डिंगल
(C) मगही (D) अवहट्ट

17. अमीर खुसरो के काव्य में निम्नलिखित में से किस भाषा का परिनिष्ठित रूप दृष्टिगोचर होता है?
(A) ब्रजभाषा (B) अवधी
(C) अर्धमागधी (D) कन्नौजी

18. पूर्वी हिन्दी किस अपभ्रंश से निकली है?
(A) शौरसेनी (B) महाराष्ट्री
(C) मागधी (D) अर्ध-मागधी

19. भारत सरकार का कौनसा विभाग हिन्दी को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और कम्प्यूटर की सक्षम भाषा बनाने हेतु सतत् प्रयत्नशील है?
(A) राजभाषा विभाग
(B) शिक्षा विभाग
(C) इलेक्ट्रॉनिकी विभाग
(D) संचार विभाग

20. निम्नलिखित में से 'बांगरू' किसकी उपबोली है?
(A) पूर्वी हिन्दी (B) राजस्थानी
(C) पश्चिमी हिन्दी (D) बिहारी

21. निम्नलिखित में से किस भाषा को 'पैशाची' कहते हैं?
(A) लहँदा (B) दरद
(C) कुमाऊँनी (D) गढ़वाली

22. पैशाची कहाँ बोली जाती है?
(A) कश्मीर (B) ईरान
(C) पोलैण्ड (D) मेवाड़

23. निम्नलिखित में से किस बोली को 'लरिया' या 'खल्हाटी' भी कहते हैं?
(A) अवधी (B) बघेली
(C) छत्तीसगढ़ी (D) कन्नौजी

24. निम्नलिखित में से 'कृत्रिम हिन्दी' किसे कहा गया है?
(A) रेख्ता (B) हिन्दवी
(C) बांगरू (D) दरद

25. 'साज-ज-हिन्दी' का क्या अर्थ है?
(A) आभूषण (B) सौन्दर्य प्रसाधन
(C) तेजपत्ता (D) इमली

26. आर्य (Aryn) शब्द इंगित करता है—
(A) नृजाति समूह को
(B) यायावरी जन को
(C) भाषा समूह को
(D) श्रेष्ठ वंश को

27. शब्द टाइकून (Tycoon) किस भाषा का है?
(A) फ़ारसी (B) अंग्रेजी
(C) जापानी (D) संस्कृत

28. काव्याभिव्यक्ति (Poetic Expression) के रूप में उर्दू का प्रयोग करने वाला पहला लेखक था?
(A) अमीर खुसरो
(B) मिर्जा गालिब
(C) बहादुर शाह जफर
(D) फ़ैज

29. निम्नलिखित भाषाओं में से 'हिन्दी की ही एक शैली' किसे कहा जाता है?
(A) अरबी को (B) फ़ारसी को
(C) तुर्की को (D) उर्दू को

30. 'भाषा' या 'भाखा' के स्थान पर 'हिन्दी' या 'हिन्दवी' का सबसे पहले प्रयोग किसने किया था?
(A) मलिक मुहम्मद जायसी
(B) मंझन
(C) इंशा अल्ला खाँ
(D) अमीर खुसरो

31. निम्नलिखित में से कौन एक सूफी कवि नहीं था?
(A) कुतुबन (B) जायसी
(C) अमीर हसन (D) अमीर खुसरो

32. हिन्दी का प्राचीनतम रूप मिलता है—
(A) ऋग्वेद में (B) सामवेद में
(C) यजुर्वेद में (D) अथर्ववेद में

33. निम्नलिखित में से फोर्ट विलियम कॉलेज में 'भाखा मुंशी' कौन था?
(A) इंशा अल्ला खाँ (B) गिलक्राइस्ट
(C) हेमचन्द्र (D) लल्लू लाल

34. 'सिद्ध हेमचन्द्र' की भाषा है—
(A) खड़ी बोली (B) मैथिली
(C) शौरसेनी अपभ्रंश (D) मगही

35. लल्लू लालजी ने अपने 'प्रेमसागर' की भूमिका में भाषा के अर्थ में किस शब्द का प्रयोग किया है?
(A) हिन्दुस्तानी (B) देवनागरी
(C) भाखा (D) खड़ी बोली

36. हिन्दी का पहला समाचार-पत्र है—
(A) बंगदूत (B) उदंत मार्त्तण्ड
(C) लोकमित्र (D) प्रजाहितैषी

37. भारतेन्दु ने 'बालाबोधिनी' पत्रिका कब निकाली थी?
(A) 1870 में (B) 1874 में
(C) 1880 में (D) 1884 में

38. 'बालाबोधिनी' पत्रिका का मुख्य उद्देश्य क्या था?
(A) वर्तनी सुधार
(B) देवनागरी लिपि सुधार
(C) नारी शिक्षा
(D) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार

39. शुक्लयुग (छायावादी युग) की समय-सीमा है—
(A) 1920 से 1936 तक
(B) 1936 से 1950 तक
(C) 1900 से 1920 तक
(D) 1950 से 1970 तक

40. निम्नलिखित लेखकों में से कौन शुक्ल युग के अन्तर्गत नहीं है?
(A) जयशंकर 'प्रसाद'
(B) मुंशी प्रेमचन्द
(C) सेठ गोविन्ददास
(D) फणीश्वरनाथ रेणु

41. बिहारी किस राजा के दरबारी कवि थे?
(A) राजा जयसिंह
(B) राजा मानसिंह
(C) राजा बिहारी मल
(D) राणा अमर सिंह

42. कामायनी को वृहत् फैंटसी किसने कहा था?
(A) मुक्तिबोध
(B) डॉ. देवराज
(C) डॉ. नामवरसिंह
(D) डॉ. रामविलास शर्मा

43. प्रगतिवादी युग की विशेषता है—
(A) व्यक्तिवादी विचारधारा तथा मध्यम वर्ग की समस्याओं का चित्रण
(B) आध्यात्म चिंतन और समाज सुधार
(C) प्रकृतिवादी विचारधारा और लोकतन्त्र में विश्वास
(D) साम्यवादी विचारधारा तथा शोषित वर्ग की पीड़ा का चित्रण

44. राजभाषा का सही अर्थ है—
(A) किसी राज्य विशेष की मातृभाषा
(B) सर्वसाधारण की मातृभाषा
(C) शुद्ध और साहित्यिक भाषा
(D) सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली भाषा

45. संविधान की आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट 18 भाषाओं में कौनसी भाषा नहीं है?
(A) नेपाली (B) मणिपुरी
(C) मैथिली (D) कोंकणी

46. संविधान के अनुच्छेद 344(1) के अनुपालन में भारत के राष्ट्रपति ने 'राजभाषा आयोग' का गठन कब किया था?
(A) 1955 में (B) 1960 में
(C) 1965 में (D) 1970 में

47. आधुनिक देवनागरी का प्राचीन रूप है—
(A) खरोष्ठी (B) ब्राह्मी
(C) देवप्रि (D) पालि

48. देवनागरी का सर्वप्रथम प्रयोग कहाँ हुआ है?
(A) गुजरात के राजा जयभट्ट (7वीं-8वीं शती ई.) के शिलालेख में
(B) अशोक के शिलालेख में
(C) बड़ौदा नरेश ध्रुवराज की राजाज्ञाओं में
(D) राष्ट्रकूट नरेशों की राजाज्ञाओं में

49. सिन्धु लिपि को बाएं से दाएं पढ़ने और उसे तमिल भाषा में परिवर्तित करने वाले विद्वान् थे—
(A) रैवरेण्ड हैरस
(B) बैडल
(C) जी. आर. हण्टर
(D) डैविड डिरिंगर

50. निम्नलिखित में से कौनसी लिपि सर्वश्रेष्ठ, सुन्दर और वैज्ञानिक है?
(A) रोमन (B) गुरुमुखी
(C) देवनागरी (D) सैन्धव

51. देवनागरी लिपि में सुधारों का आरम्भिक प्रयत्न किसने किया था?
(A) राहुल सांकृत्यायन
(B) सुनीति कुमार चटर्जी
(C) बाल गंगाधर तिलक
(D) महादेव गोविन्द राना डे

52. नागरी प्रचारिणी सभा के प्रथम सभापति कौन थे?
(A) बाबू श्यामसुन्दर दास
(B) भारतेन्दु बाबू हरिश्चन्द्र
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(D) राधाकृष्ण दास

53. 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग' की स्थापना कब हुई थी?
(A) 1910 ई. (B) 1915 ई.
(C) 1920 ई. (D) 1925 ई.

54. हिन्दी साहित्य सम्मेलन का संस्थापक कौन था?
(A) मदन मोहन मालवीय
(B) पुरुषोत्तम दास टंडन
(C) श्यामसुन्दर दास
(D) प्रभात शास्त्री

55. हिन्दी से ठीक पहले की भाषा थी—
(A) संस्कृत (B) पालि
(C) प्राकृत (D) अपभ्रंश

56. इनमें से कौनसी बोली बिहारी उपभाषा वर्ग की है ?
(A) मगही (B) अवधी
(C) बुंदेली (D) मेवाती

57. हिन्दी का विकास अपभ्रंश के किस रूप से हुआ ?
(A) टक्क अपभ्रंश
(B) शौरसेनी अपभ्रंश
(C) ब्राचड़ अपभ्रंश
(D) कैकय अपभ्रंश

58. पालि किस धर्म की भाषा है ?
(A) हिन्दू धर्म (B) जैन धर्म
(C) बौद्ध धर्म (D) सिख धर्म

59. देवनागरी वर्णमाला में कुल कितने वर्ण हैं ?
(A) 48 (B) 49
(C) 52 (D) 55

60. देवनागरी वर्णमाला में स्वरों की संख्या है—
(A) 9 (B) 10
(C) 11 (D) 13

61. 'प' वर्ण किस वर्ग में आएगा ?
(A) कंठ्य (B) दंत्य
(C) ऊष्म (D) ओष्ठ्य

62. इनमें से ऊष्म ध्वनि है—
(A) य (B) श
(C) अं (D) क

63. देवनागरी का उपयोग किस भाषा को लिखने में नहीं होता ?
(A) पंजाबी (B) हिन्दी
(C) मराठी (D) नेपाली

64. विसर्ग को आप किस वर्ग में रखेंगे ?
(A) स्वर
(B) व्यंजन
(C) संयुक्त व्यंजन
(D) इनमें से कोई नहीं

65. इनमें से महाप्राय ध्वनि कौनसी है ?
(A) क (B) ख
(C) ग (D) ये सभी

66. इनमें से घोष ध्वनि कौनसी है ?
(A) क (B) ख
(C) ग (D) प

67. कौनसी बोली पूर्वी हिन्दी की नहीं है ?
(A) अवधी (B) मगही
(C) बघेली (D) छत्तीसगढ़ी

68. कौरवी किस बोली का दूसरा नाम है ?
(A) बुंदेली (B) बांगरू
(C) खड़ीबोली (D) जयपुरी

69. राजस्थानी उपभाषा वर्ग में कुल कितनी बोलियाँ हैं ?
(A) चार (B) पाँच
(C) तीन (D) छह

70. ब्रजभाषा किस उपभाषा वर्ग में आती है ?
(A) पूर्वी हिन्दी (B) पश्चिमी हिन्दी
(C) राजस्थानी (D) बिहारी

उत्तरमाला

1. (A) 2. (C) 3. (C) 4. (D) 5. (A)
6. (B) 7. (A) 8. (C) 9. (A) 10. (B)
11. (C) 12. (D) 13. (A) 14. (C) 15. (D)
16. (D) 17. (A) 18. (D) 19. (C) 20. (C)
21. (B) 22. (A) 23. (C) 24. (A) 25. (C)
26. (D) 27. (C) 28. (A) 29. (D) 30. (D)
31. (D) 32. (A) 33. (D) 34. (C) 35. (D)
36. (B) 37. (B) 38. (C) 39. (A) 40. (D)
41. (A) 42. (A) 43. (D) 44. (D) 45. (C)
46. (A) 47. (B) 48. (A) 49. (A) 50. (C)
51. (C) 52. (D) 53. (A) 54. (B) 55. (D)
56. (A) 57. (B) 58. (C) 59. (C) 60. (C)
61. (D) 62. (B) 63. (A) 64. (B) 65. (B)
66. (C) 67. (B) 68. (C) 69. (A) 70. (B)

●●●

हिन्दी व्याकरण

व्याकरण का अर्थ है—व्याकृत या विश्लेषण करने वाला शास्त्र. 'व्याकरोति भाषामिति व्याकरणम्' अर्थात् जो भाषा को विश्लेषित करता है वह व्याकरण है. दूसरे शब्दों में वह विद्या या शास्त्र जो भाषा के पदों (अंग-प्रत्यंग) का विश्लेषण कर प्रकृति प्रत्यय द्वारा शब्द निर्माण की प्रक्रिया बताकर उसके स्वरूप को स्पष्ट करता है और शुद्ध उच्चारण करने, समझने तथा लिखने की रीति का नियमन करता है, 'व्याकरण' कहलाता है. व्याकरण भाषा का नियमन (अनुशासन) करता है.

हिन्दी व्याकरण का संक्षिप्त इतिहास

1. जे. जे. केटेलर कृत 'हिन्दुस्तानी ग्रामर' सन् 1668
2. जॉन बोर्थविक गिलक्राइस्ट कृत 'हिन्दुस्तानी ग्रामर' सन् 1790
3. लल्लूजी लाल (भाखा मुंशी) कृत 'हिन्दी कवायद' सन् 1804. यह कृति अब तक उपलब्ध नहीं हो सकी है.
4. येट्स कृत 'हिन्दुस्तानी ग्रामर' सन् 1824
5. पादरी आदम कृत 'हिन्दी व्याकरण' सन् 1827 (हिन्दी भाषा में)

   [इसके उपरान्त 1955 तक जितने भी व्याकरण लिखे गए, उनका मूल उद्देश्य विदेशियों को हिन्दी का सामान्य ज्ञान कराना था. ये सभी व्याकरण यूरोपियन भाषाओं के व्याकरणों के अनुकरण पर लिखे गए थे. सन् 1696 से 1921 तक अंग्रेजी में लगभग 40 व्याकरण लिखे जा चुके थे]
6. पं. श्रीलाल कृत 'भाषा चन्द्रोदय' सन् 1855 संस्कृत व्याकरण पर आधारित.
7. पं. रामजसन कृत 'भाषा तत्वबोधिनी' सन् 1858.
8. सर मोनियर विलियम्स कृत 'ए प्रैक्टिकल हिन्दुस्तानी ग्रामर' सन् 1862
9. नवीनचन्द्र राय कृत 'नवीन चन्द्रोदय' सन् 1868
10. पादरी विलियम एथरिंगटन कृत स्टूडेन्टस ग्रामर ऑफ द हिन्दी लैंग्वेज सन् 1870

    [पं विष्णुदत्त शर्मा से सहयोग लेकर एथरिंगटन ने थोड़े परिवर्तन के साथ इस ग्रंथ का हिन्दी अनुवाद **'भाषा भास्कर'** नाम से प्रकाशित कराया. यह बहुत लोकप्रिय हुआ]
11. जॉन बीम्स कृत 'ग्रामर ऑफ द माडर्न आर्यन लैंग्वेज ऑफ इण्डिया' सन् 1872
12. राजा शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द' कृत 'हिन्दी व्याकरण' सन् 1875
13. केलॉग कृत 'ए ग्रामर ऑफ दि हिन्दी लैंग्वेज' सन् 1876
14. बाबू रामचरण सिंह कृत 'भाषा प्रभाकर' सन् 1885

    [हिन्दी व्याकरण निर्माण के अगले सोपान में भारतेन्दु, अम्बिकादत्त व्यास, दामोदर शास्त्री, केशवराम भट्ट, सुधाकर द्विवेदी, माधवप्रसाद पाठक, सूर्यप्रसाद मिश्र प्रभृति विद्वानों ने छात्रोपयोगी हिन्दी व्याकरणों की रचना की]
15. पं. कामताप्रसाद गुरु कृत 'हिन्दी व्याकरण' सन् 1921
16. पं. किशोरीदास वाजपेयी कृत 'राष्ट्रभाषा का प्रथम व्याकरण' सन् 1949
17. अध्यापक दुलीचन्द कृत 'हिन्दी व्याकरण' सन् 1950

18. पं. किशोरीदास वाजपेयी कृत 'हिन्दी शब्दानुशासन' सन् 1958
19. भारत सरकार द्वारा प्रकाशित 'ए बेसिक ग्रामर ऑफ मॉडर्न हिन्दी' सन् 1958
20. रूसी विद्वान् ज. स. दीमशित्स कृत 'हिन्दी व्याकरण' सन् 1966
21. डॉ. हरदेव बाहरी कृत 'व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण' सन् 1980

व्याकरण के अंग हैं

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय.

(अ) **संज्ञा**—किसी प्राणी, वस्तु, भाव या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं. संज्ञा के पाँच भेद माने गए हैं—व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा, समूहवाचक संज्ञा और द्रव्यवाचक संज्ञा.

व्यक्तिवाचक—जो किसी एक व्यक्ति, स्थान या वस्तु का बोध कराती है उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं. जैसे—राधा, आगरा, यमुना, विनयपत्रिका.

जातिवाचक—जो संज्ञाएं एक ही प्रकार की वस्तुओं का बोध कराती हैं, यथा—नदी, पर्वत, लड़का, पुस्तक, लड़की, नगर आदि.

भाववाचक—किसी भाव, गुण, दशा का बोध कराने वाले शब्द भाववाचक संज्ञा कहे जाते हैं. जैसे—प्रेम, मिठास, यौवन, लालिमा, आदि.

समूहवाचक—समूह का बोध कराने वाली संज्ञाएं, समूहवाचक होती हैं, यथा—दल, गिरोह, सभा, गुच्छा, कुंज आदि.

द्रव्यवाचक—किसी द्रव्य या नाप-तौल वाली वस्तु का बोध द्रव्यवाचक संज्ञा से होता है. यथा—सोना, लोहा, दूध, तेल, पानी आदि.

जातिवाचक संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाने के लिए प्रत्यय का प्रयोग होता है. यथा—

जातिवाचक	**भाववाचक**
पुरुष	पुरुषत्व
गुरु	गुरुत्व
नारी	नारीत्व

विशेषण से भाववाचक संज्ञा भी प्रत्ययों के योग से बनती है—

विशेषण	**भाववाचक संज्ञा**
सुन्दर	सुन्दरता, सौन्दर्य
ललित	लालित्य
वीर	वीरता

लिंग—शब्द के जिस रूप से यह जाना जाए कि वह स्त्री जाति का है या पुरुष जाति का उसे लिंग कहते हैं. हिन्दी में दो लिंग हैं—स्त्रीलिंग, पुल्लिंग.

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के लिए प्रयुक्त होने वाले प्रत्यय हैं—

ई—बड़ा-बड़ी, छोटा-छोटी, काला-काली
इनी—योगी-योगिनी
इन—धोबी-धोबिन, माली-मालिन
नी—मोर-मोरनी
आनी—जेठ-जेठानी
आइन—ठाकुर-ठकुराइन
इया—बेटा-बिटिया

नोट

1. युग्म शब्दों का लिंग निर्धारण अन्तिम शब्द के लिंग के अनुसार होता है. यथा—

   दाल-चावल—पुल्लिंग हैं
   आटा-दाल—स्त्रीलिंग
2. अर्थ की दृष्टि से समान होने पर भी कुछ शब्द लिंग की दृष्टि से भिन्न होते हैं. यथा—

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**
विद्वान्	विदुषी
कवि	कवयित्री
महान्	महती
सौन्दर्य	सुन्दरता
साधु	साध्वी
पूजनीय	पूजनीया

वचन—वचन से संख्या का पता चलता है. हिन्दी में दो वचन हैं—एकवचन, बहुवचन.

नोट—1. कुछ शब्द नित्य (सदैव) बहुवचन है. यथा—प्राण, दर्शन, आँसू, हस्ताक्षर, बाल

2. कुछ शब्द नित्य एकवचन हैं. यथा—माल, जनता, सामान, सामग्री, सोना, चाँदी.

3. आदरणीय व्यक्ति के लिए बहुवचन का प्रयोग होता है.

4. एक का बहुवचन अनेक है अतः अनेकों का प्रयोग अशुद्ध माना जाता है. अनेक शुद्ध है.

5. पदार्थसूचक शब्द सदैव एकवचन में प्रयुक्त होते हैं.

6. यदि वाक्य में कर्ता और कर्म दोनों कारक चिह्नों से युक्त हों, तो क्रिया सदैव पुल्लिंग एकवचन में होती. यथा—

मैंने वहाँ राधा को देखा.

लड़कों ने लड़कियों को पीटा.

कारक—हिन्दी में आठ कारक हैं—कर्ता, कर्म, करण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सम्बोधन.

कर्ता—क्रिया को सम्पन्न करने वाला.

कर्म—क्रिया से प्रभावित होने वाला.

करण—जिस उपकरण से क्रिया सम्पन्न की जाए. अर्थात् क्रिया का साधन.

सम्प्रदान—जिसके लिए कोई क्रिया सम्पन्न की जाए.

अपादान—जहाँ अपाय (अलगाव) हो वहाँ ध्रुव (स्थिर) रहने वाली संज्ञा में अपादान कारक होता है.

सम्बन्ध—दो पदों का पारस्परिक सम्बन्ध बताया गया हो.

अधिकरण—जो क्रिया का आधार (स्थान, समय, अवसर) आदि का बोध कराए.

सम्बोधन—जहाँ किसी को पुकारने के लिए कोई शब्द प्रयुक्त हो.

(ब) सर्वनाम—संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहे जाते हैं. सर्वनाम के छः भेद माने गए हैं—

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम**—मैं, तुम, वह
2. **निश्चयवाचक सर्वनाम**—यह, ये, वह, वे
3. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम**—कोई, कुछ
4. **सम्बन्धवाचक सर्वनाम**—जो, सो
5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम**—कौन, क्या
6. **निजवाचक सर्वनाम**—आप

(स) विशेषण—संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहा जाता है. विशेषण चार प्रकार के होते हैं—

1. **गुणवाचक विशेषण**—नया, पुराना, लाल, पीला, मोटा, पतला, अच्छा, बुरा, गोल
2. **संख्यावाचक विशेषण**—बीस, पचास, कुछ, कई, एक, दो, तिगुना, चौगुना, चारों, आठों, पाँचों.
3. **सार्वनामिक विशेषण**—यह, वह, कोई, ऐसा, जैसा, कैसा.
4. **परिमाणवाचक विशेषण**—दस किलो, पाँच क्विंटल, बहुत, थोड़ा.

विशेषणार्थक प्रत्यय—संज्ञा शब्दों को विशेषण बनाने के लिए उनमें जिन प्रत्ययों को जोड़ा जाता है. वे विशेषणार्थक प्रत्यय कहे जाते हैं. यथा—

प्रत्यय	संज्ञा शब्द	निर्मित विशेषण शब्द
इक	अर्थ	आर्थिक
	व्यवहार	व्यावहारिक
	व्यवसाय	व्यावसायिक
	समाज	सामाजिक
	धर्म	धार्मिक
ई	धन	धनी
	दान	दानी
ईला	चमक	चमकीला
ईय	भारत	भारतीय
वान	दया	दयावान
	धन	धनवान
मान	बुद्धि	बुद्धिमान
	श्री	श्रीमान

(द) क्रिया—जिस शब्द से किसी कार्य का होना या करना समझा जाए उसे क्रिया कहते हैं—जैसे—खाना, पीना, रोना, पढ़ना, जाना आदि.

क्रिया का मूलरूप **धातु** कहा जाता है. इसमें ना जोड़कर क्रिया बनती है. 'खा' धातु है, खाना क्रिया है.

क्रिया के भेद—रचना की दृष्टि से क्रिया के दो भेद हैं—

1. अकर्मक क्रिया
2. सकर्मक क्रिया

अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता है. जैसे—सीता **रोती है**,, राधा **हँसती है**, बालक **दौड़ा**. काले छपे शब्द अकर्मक क्रिया के उदाहरण हैं.

सकर्मक क्रिया कर्म के साथ आती है. जैसे—राधा पुस्तक **पढ़ती है**, मोहन फल **खाता है**. पढ़ना, खाना सकर्मक क्रियाएं हैं.

क्रिया के कुछ अन्य भेद इस प्रकार हैं—

1. **सहायक क्रिया**—सहायक क्रिया मुख्य क्रिया के साथ प्रयुक्त होकर अर्थ को स्पष्ट करने में सहायता देती है. यथा—मैं पुस्तक पढ़ता **हूँ**. काले छपे सहायक क्रिया हैं.

2. **पूर्वकालिक क्रिया**—जब कर्ता एक क्रिया सम्पन्न करके दूसरी क्रिया करना प्रारम्भ करता है, तब पहली क्रिया को पूर्वकालिक क्रिया कहते हैं जैसे—वह खाना **खाकर** सो गया. खाकर पूर्वकालिक क्रिया है.

3. **नामबोधक क्रिया**—संज्ञा अथवा विशेषण के साथ क्रिया शब्द जुड़ने से नामबोधक क्रिया बनती है. जैसे—लाठी चलाना, रक्त खौलना, पीला पड़ना.

4. **द्विकर्मक क्रिया**—जिस क्रिया के दो कर्म हों जैसे—मैंने **छात्रों** को **गणित** पढ़ाया. दो कर्म होने से पढ़ाया क्रिया द्विकर्मक है.

5. **संयुक्त क्रिया**—दो क्रियाओं के संयोग से बनती है—वह **खाने लगा**. मैं **उठ बैठा**. मुझे **पढ़ने दो.**

6. **क्रियार्थक संज्ञा**—जब कोई क्रिया संज्ञा की भाँति काम करती है, तब उसे क्रियार्थक संज्ञा कहा जाता है. जैसे—**टहलना** स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है.

काल—क्रिया के जिस रूप से कार्य व्यापार के समय तथा उसकी पूर्णता-अपूर्णता का बोध होता है उसे काल कहते हैं. काल के तीन भेद होते हैं—

(I) वर्तमानकाल

(II) भूतकाल

(III) भविष्यत्‌काल

वर्तमान काल के पाँच भेद बताए गए हैं—

(i) **सामान्य वर्तमान**—राधा पढ़ती है.

(ii) **तात्कालिक वर्तमान**—राधा पढ़ रही है.

(iii) **पूर्ण वर्तमान**—राधा पढ़ चुकी है.

(iv) **संदिग्ध वर्तमान**—राधा पढ़ती होगी.

(v) **संभाव्य वर्तमान**—राधा पढ़ती हो.

भूतकाल के छः भेद हैं—

(i) **सामान्य भूत**—वह गया.

(ii) **आसन्न भूत**—वह गया है.

(iii) **पूर्ण भूत**—वह गया था.

(iv) **अपूर्ण भूत**—वह जा रहा था.

(v) **संदिग्ध भूत**—वह गया होगा.

(vi) **हेतुहेतुमद् भूत**—वह जाता (क्रिया होने वाली थी, पर हुई नहीं)

भविष्यत्‌काल इसके तीन भेद हैं—

(i) **सामान्य भविष्यत्**—मोहन पढ़ेगा

(ii) **संभाव्य भविष्यत्**—सम्भव है कि मोहन पढ़े.

(iii) **हेतुहेतुमद् भविष्यत्**—छात्रवृत्ति मिले, तो मोहन पढ़े. (पहली क्रिया होने पर दूसरी क्रिया होगी)

वाच्य—वाच्य क्रिया का रूपान्तरण है जिससे यह पता चलता है कि वाक्य में कर्ता, कर्म या भाव में से किसकी प्रधानता है. वाच्य तीन प्रकार के होते हैं—

1. **कर्तृवाच्य**—जिसमें कर्ता की प्रधानता होती है. जैसे—**सीता** गाती है.

2. **कर्मवाच्य**—जिसमें कर्म की प्रधानता होती है. जैसे—**पत्र** पढ़ा गया.

3. **भाववाच्य**—जिसमें भाव की प्रधानता होती है. जैसे—मुझसे **बोला** नहीं जा रहा है.

प्रयोग—वाक्य की क्रिया कर्ता, कर्म या भाव में से किसका अनुसरण कर रही है इस आधार पर तीन प्रकार के प्रयोग माने गए हैं.

1. **कर्तरि प्रयोग**—क्रिया के लिंग वचन कर्तानुसारी होते हैं. जैसे—**राम** पुस्तक **पढ़ता है**., **सीता** गीत **गाती** है.

2. **कर्मणि प्रयोग**—क्रिया के लिंग वचन कर्म का अनुसरण करते हैं. जैसे—सीता ने **गीत गाया,** राम ने **पुस्तक पढ़ी**.

3. **भावे प्रयोग**—वाक्य में क्रिया के लिंग वचन सदैव पुल्लिंग अन्य पुरुष में होते हैं. जैसे—राम से गाया नहीं जाता. सीता से गाया नहीं जाता., लड़कों से गाया नहीं जाता. यहाँ कर्ता बदलने से भी क्रिया अपरिवर्तित है.

(य) अव्यय—अविकारी शब्दों को अव्यय कहते हैं. ये किसी भी स्थिति में बदलते नहीं हैं और ज्यों के त्यों रहते हैं. जैसे—आज, कल, कब, क्यों, किन्तु, परन्तु, तब और अतः

अव्यय चार प्रकार के होते हैं—

(I) **क्रिया विशेषण**—क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण अव्यय होते हैं. ये स्थानवाचक, कालवाचक, परिमाण-वाचक हो सकते हैं. यथा—यहाँ, वहाँ, इधर, उधर, आज, कल, बहुत, थोड़ा, बस, यथेष्ट, कम, अधिक.

(II) **रीतिवाचक**—ऐसे, वैसे, धीरे, अचानक, कदाचित्, इसलिए, तक.

(III) **सम्बन्धबोधक**—यथा—वह दिन **भर** सोता रहा, मैं अस्पताल **तक** गया.

(IV) **समुच्चयबोधक**—किन्तु, परन्तु, इसलिए, और, तथा, एवम्, क्योंकि, अतः, अतएवं, अर्थात्, कि, जो, मगर, लेकिन आदि.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. वर्णों, शब्दों, पदों और वाक्यों का क्या रूप और क्या प्रयोग है, इन तत्वों का निरीक्षण करके जो शास्त्र किसी भाषा के नियम निर्धारित करता है, उसे क्या कहते हैं?
(A) भाषा विज्ञान (B) ध्वनि विज्ञान
(C) लिपि (D) व्याकरण

2. हिन्दी का पाणिनि किसे कहा गया है?
(A) पं कामता प्रसाद गुरु
(B) आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
(C) अम्बिका दत्त व्यास
(D) राहुल सांकृत्यायन

3. पं. कामता प्रसाद गुरु कृत 'हिन्दी व्याकरण' का प्रकाशन हुआ—
(A) साहित्य अकादमी
(B) हिन्दी साहित्य सम्मेलन
(C) नागरी प्रचारिणी सभा
(D) सस्ता साहित्य मंडल

4. 'हिन्दी शब्दानुशासन' किसकी कृति है?
(A) राहुल सांकृत्यायन
(B) पं. कामता प्रसाद गुरु
(C) बाबू रामचरण सिंह
(D) आचार्य किशोरीदास वाजपेयी

पद

5. कोई शब्द जब तक किसी वाक्य का अंश नहीं बन जाता, तब तक शब्द रहता है, जब वह वाक्य में प्रयुक्त हो जाता है, तो उसे क्या कहते हैं?
(A) वाक्य (B) पद
(C) संयुक्त शब्द (D) संयुक्त वाक्य

6. विभक्तियुक्त शब्द को क्या कहते हैं?
(A) पद (B) वाक्य
(C) प्रतिशब्द (D) शब्द

7. उस प्रत्यय विशेष को जो प्रतिपादिक (शब्द या धातु) में संलग्न होकर वाक्य में व्याकरणिक सम्बन्धों (अर्थों) को स्पष्ट करने में सहायक होता है. उसे क्या कहते हैं?
(A) प्रत्यय (B) प्रत्याहार
(C) विभक्ति (D) उपसर्ग

संज्ञा

8. जिसका अस्तित्व होता है या होने की कल्पना की जा सकती है, उसे क्या कहते हैं?
(A) संज्ञा (B) वस्तु
(C) क्रिया (D) विशेषण

9. वस्तुओं के नाम बताने वाले शब्द को क्या कहा जाता है?
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) विशेषण (D) अव्यय

10. राम, कृष्ण, बुद्ध, कलकत्ता, कामायनी, सूर्य आदि हैं—
(A) व्यक्तिवाचक
(B) भाववाचक
(C) जातिवाचक
(D) समूहवाचक

11. जब व्यक्तिवाचक संज्ञा एक से अधिक का बोध कराने लगती है, तब वह कौनसी संज्ञा हो जाती है?
(A) भाववाचक
(B) जातिवाचक
(C) समूहवाचक
(D) व्यक्तिवाचक

12. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द 'जाति-वाचक संज्ञा' के अन्तर्गत रखा जाएगा?
(A) कामायनी (B) सुशील
(C) डॉक्टर (D) बुढ़ापा

13. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'भाववाचक संज्ञा' के अन्तर्गत रखा जाएगा?
(A) मोहन (B) नदी
(C) हरियाली (D) अयोध्या

14. अमीरी, गरीबी, जवानी, बुढ़ापा आदि शब्द किस संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं?
(A) जातिवाचक
(B) व्यक्तिवाचक
(C) परिस्थितिवाचक
(D) भाववाचक

15. जिन शब्दों से किसी ऐसे पदार्थ का बोध होता है, जिसे हम नाप-तौल सकते हैं लेकिन गिन नहीं सकते, उन्हें क्या कहते हैं?
(A) द्रव्यवाचक संज्ञा
(B) समूहवाचक संज्ञा
(C) जातिवाचक संज्ञा
(D) भाववाचक संज्ञा

16. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'द्रव्यवाचक संज्ञा' के अन्तर्गत रखा जाएगा?
(A) सुन्दरता (B) अर्थशास्त्र
(C) सोना (D) गिरोह

17. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'संज्ञा' है?
(A) क्रोधी (B) क्रोधित
(C) क्रोध (D) क्रुद्ध

लिंग

18. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द सदा 'स्त्रीलिंग' में ही प्रयुक्त होता है?
(A) बुढ़ापा (B) हिमालय
(C) बनावट (D) लड़कपन

19. निम्नलिखित शब्दों में से कौन शब्द पुल्लिंग है ?
(A) दया (B) घटना
(C) जड़ता (D) बुढ़ापा

20. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'स्त्रीलिंग' है?
(A) नगर (B) ऋतु
(C) सोमवार (D) चैत्र

वचन

21. शब्द के जिस रूप से एकत्व या अनेकत्व का बोध होता है, उसे कहते हैं—
(A) एकार्थक (B) अनेकार्थक
(C) कारक (D) वचन

22. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द सदा 'बहुवचन' में प्रयुक्त होता है?
(A) प्राण (B) शिशु
(C) भक्ति (D) पुस्तक

23. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में वचन का सही प्रयोग हुआ है?
(A) मेरी होश उड़ गई
(B) हमारे होश उड़ गई
(C) मेरे होश उड़ गए
(D) मैं होश उड़ गए

कारक

24. 'कर्त्ता-कारक' की विभक्ति है—
(A) प्रथमा (B) द्वितीया
(C) तृतीया (D) चतुर्थी

25. 'कर्त्ता-कारक' का विभक्ति बोधक चिह्न है—
(A) के लिए (B) के वास्ते
(C) ने (D) को

26. 'कर्म-कारक' की विभक्ति है—
(A) प्रथमा (B) द्वितीया
(C) तृतीया (D) चतुर्थी

27. 'कर्म-कारक' का विभक्ति बोधक चिह्न है—
(A) ने (B) को
(C) से (D) के द्वारा

28. 'सम्प्रदान कारक' का विभक्ति बोधक चिह्न है—
(A) से, के, द्वारा, द्वारा
(B) को, के लिए, के वास्ते
(C) अरे, ओ
(D) में, पर

29. श्री राम ने **बाण से** बाली को मारा. इस वाक्य में 'बाण से' में कौनसा कारक है?
(A) कर्म कारक
(B) संप्रदान कारक
(C) करण कारक
(D) अपादान कारक

30. अधिकारी ने चपरासी को बुलाया. इस वाक्य में **'चपरासी को'** में कौनसा कारक है?
(A) कर्त्ता कारक
(B) कर्म कारक
(C) करण कारक
(D) सम्प्रदान कारक

31. उसने विद्यार्थी को पुस्तक दिया. इस वाक्य में **'विद्यार्थी को'** में कौनसा कारक है?
(A) कर्त्ता कारक
(B) कर्म कारक
(C) करण कारक
(D) सम्प्रदान कारक

32. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में 'अपादान कारक' है?
(A) हिरन शेर से डरता है
(B) रामू ने लाठी से कुत्ते को मारा
(C) राजा ने ब्राह्मण को भोजन कराया
(D) इनमें से कोई नहीं

33. **'आपका'** पत्र मिला.' वाक्य में कौनसा कारक है?
(A) सम्प्रदान कारक
(B) अपादान कारक
(C) सम्बन्ध कारक
(D) अधिकरण कारक

34. 'कमल **फूलों में'** सुन्दरतम है' वाक्य में कौनसा कारक है?
(A) सम्बन्ध कारक
(B) अधिकरण कारक
(C) सम्बोधन कारक
(D) करण कारक

सर्वनाम

35. जो शब्द सभी संज्ञाओं के बदले पूर्वापर सम्बन्ध के साथ प्रयुक्त होते हैं, उन्हें कहते हैं—
(A) समानार्थक (B) सर्वनाम
(C) संज्ञा (D) अव्यय

36. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'पुरुष वाचक सर्वनाम' के अन्तर्गत रखा जा सकता है?
(A) राम (B) यह
(C) हम (D) कोई

37. "मैं **अपने आप** काम कर लूँगा." में 'आप' शब्द कौनसा सर्वनाम है?
(A) पुरुषवाचक
(B) निजवाचक
(C) सम्बन्धवाचक
(D) निश्चयवाचक

38. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द प्रश्नवाचक सर्वनाम है?
(A) कौन (B) कोई
(C) आप (D) यह

39. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द अनिश्चयवाचक सर्वनाम है?
(A) क्या (B) कुछ
(C) कौन (D) वही

40. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में सर्वनाम का अशुद्ध प्रयोग हुआ है?
(A) मुझे इस बैठक की सूचना नहीं थी
(B) मैं तेरे को एक घड़ी दूँगा
(C) आपके आग्रह पर मैं दिल्ली जा सकता हूँ
(D) वह स्वयं यहाँ नहीं आना चाहती

विशेषण

41. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'विशेषण' है?
(A) नम्रता (B) मिठास
(C) शीतलता (D) सच्चा

42. **'अच्छा विद्यार्थी'** में विद्यार्थी शब्द क्या है?
(A) संज्ञा (B) विशेषण
(C) गुण (D) विशेष्य

43. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द गुणवाचक विशेषण है?
(A) बलवान (B) थोड़ा
(C) पाँच (D) आप

44. निम्नलिखित वाक्यों में से एक वाक्य में विशेषण सम्बन्धी अशुद्धि नहीं है. वह कौनसा है?
(A) उसमें एक गोपनीय रहस्य है
(B) आप जैसा अच्छा सज्जन कौन होगा
(C) कहीं से खूब ठण्डा बर्फ लाओ
(D) वहाँ ज्वर की सर्वोत्कृष्ट चिकित्सा होती है

45. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण' है?
(A) कहाँ (B) थोड़ा
(C) साप्ताहिक (D) पुराना

क्रिया

46. काम का नाम बताने वाले शब्द को क्या कहते हैं?
(A) संज्ञा (B) सर्वनाम
(C) क्रिया (D) क्रिया विशेषण

47. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में **'सकर्मक क्रिया'** है?
(A) बालक पढ़ता है
(B) राम खाना खा चुका
(C) गोपाल पानी लाओ
(D) अध्यापक ने लड़के को पढ़ाया

48. कौनसा शब्द सकर्मक क्रिया है?
(A) सोना (B) हँसना
(C) रोना (D) लिखना

49. जिन क्रियाओं के कार्य-व्यापार का फल कर्त्ता में ही रहता है, उन्हें कहते हैं—
(A) सकर्मक क्रिया
(B) अकर्मक क्रिया
(C) संयुक्त क्रिया
(D) नामधातु क्रिया

50. 'राम लिपिक से पत्र लिखवाता है' इस वाक्य में 'लिखवाता है' क्रिया का कौनसा रूप है?
(A) अपूर्ण क्रिया
(B) संयुक्त क्रिया
(C) प्रेरणार्थक क्रिया
(D) पूर्वकालिक क्रिया

51. 'वह खाना खाकर सो गया.' इस वाक्य में 'खाकर' क्रिया का कौनसा रूप है?
(A) प्रेरणार्थक (B) पूर्वकालिक
(C) संयुक्त (D) नाम धातु

52. 'लिखा नहीं जाता.' इस वाक्य में कौनसा वाच्य है?
(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य
(C) भाववाच्य
(D) इनमें से कोई नहीं

53. 'मयंक चाय लाओ.' इस वाक्य में क्रिया का रूप है—
(A) निश्चयार्थ (B) आज्ञार्थ
(C) संभावनार्थ (D) उपर्युक्त सभी

54. निम्नलिखित वाक्यों में से किस वाक्य में क्रिया का 'संदेहार्थक' रूप में प्रयोग हुआ है?
(A) सदा सच बोलो
(B) वह जाना चाहता है
(C) तुमने अखबार पढ़ा होगा
(D) तुम नहीं लिखोगे

55. निम्नलिखित क्रियाओं में से कौनसी क्रिया 'अनुकरणात्मक' नहीं है?
(A) हिन-हिनाना
(B) झुठलाना
(C) मिमियाना
(D) फड़फड़ाना

काल

56. भूतकाल के कितने भेद हैं?
(A) चार (B) छः
(C) आठ (D) दस

57. 'मैं खाना खा चुका हूँ.' वाक्य में कौनसा भूत है?
(A) सामान्य (B) आसन्न
(C) संदिग्ध (D) अपूर्ण

58. वर्तमानकाल के कितने भेद हैं?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छः

59. 'वह पढ़ रहा है.' वाक्य में है—
(A) सामान्य वर्तमान
(B) संदिग्ध वर्तमान
(C) अपूर्ण वर्तमान
(D) इनमें से कोई नहीं

60. 'संभव है कि वह कल आ जाएगा.' इस वाक्य में काल का कौनसा रूप है?
(A) सामान्य भविष्यत्
(B) संभाव्य भविष्यत्
(C) हेतुहेतुमद् भविष्यत्
(D) उपर्युक्त सभी

अव्यय

61. जिन शब्दों में किसी प्रकार का विकार नहीं हो सकता उन्हें कहते हैं—
(A) अविकारी शब्द
(B) विकारी शब्द
(C) निर्मित शब्द
(D) इनमें से कोई नहीं

62. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'कालवाचक क्रिया विशेषण' है?
(A) अब (B) जहाँ
(C) पर्याप्त (D) आगे

63. 'वह किधर गया?' इस वाक्य में 'किधर' शब्द है—
(A) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
(B) प्रश्नवाचक सर्वनाम
(C) स्थानवाचक क्रिया विशेषण
(D) गुणवाचक विशेषण

64. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द क्रिया-विशेषण है?
(A) सूर्योदय (B) नीला
(C) विगत (D) धीरे-धीरे

65. 'मैं गोपाल के बिना नहीं जाऊँगा.' इस वाक्य में कौनसा अव्यय है?
(A) समुच्चय बोधक
(B) सम्बन्ध बोधक
(C) विस्मयादि बोधक
(D) क्रिया विशेषण

66. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'सादृश्यवाचक अव्यय' है?
(A) माध्यम (B) पश्चात्
(C) समान (D) पर्यन्त

67. 'अंकित और अंकुर विद्यालय जाते हैं.' इस वाक्य में 'और' शब्द अव्यय है—
(A) क्रिया विशेषण
(B) सम्बन्ध बोधक
(C) विस्मयादि बोधक
(D) समुच्चय बोधक

68. निम्नलिखित शब्दों में से कौनसा शब्द 'विस्मयादि बोधक अव्यय' है?
(A) इसलिए
(B) क्योंकि
(C) धन्य-धान्य
(D) अर्थात्

उत्तरमाला

1. (D) 2. (B) 3. (C) 4. (D) 5. (B)
6. (A) 7. (C) 8. (B) 9. (A) 10. (A)
11. (B) 12. (C) 13. (C) 14. (D) 15. (A)
16. (C) 17. (C) 18. (C) 19. (D) 20. (B)
21. (D) 22. (A) 23. (C) 24. (A) 25. (C)
26. (B) 27. (B) 28. (B) 29. (C) 30. (B)
31. (D) 32. (A) 33. (C) 34. (B) 35. (B)
36. (C) 37. (B) 38. (A) 39. (B) 40. (B)
41. (D) 42. (D) 43. (A) 44. (D) 45. (B)
46. (C) 47. (D) 48. (D) 49. (B) 50. (C)
51. (B) 52. (C) 53. (B) 54. (C) 55. (B)
56. (B) 57. (B) 58. (A) 59. (C) 60. (B)
61. (A) 62. (A) 63. (C) 64. (D) 65. (B)
66. (C) 67. (D) 68. (C)

●●●

शब्दकोश में शब्दों का क्रम

हिन्दी के सभी प्रकार के कोशों में शब्दों का क्रम देवनागरी वर्णमाला के क्रम के अनुसार है, अतएव कोश निर्माता और कोश-प्रयोक्ता दोनों को अनिवार्यतः वर्णमाला के क्रम का ज्ञान होना प्रथम शर्त है. हिन्दी (देवनागरी) वर्णमाला का सर्वविदित क्रम निम्नांकित है—

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः
क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह

इसके अतिरिक्त आधुनिक हिन्दी में अर्ध अनुस्वार/ ँ/ अंग्रेजी से आगत/ऑ/स्वर तथा नवविकसित ड़ ढ़ का भी स्वनिमिक महत्व है। संयुक्त व्यंजन क्ष त्र ज्ञ से अनेक शब्द आरम्भ होते हैं, अतः वर्णमाला में इनका स्थान निर्धारित करना आवश्यक है. ध्यातव्य है कि ङ ञ ण से कोई शब्द आरम्भ नहीं होते.

मानक शब्दकोश में दूसरे अक्षर के रूप में निम्नलिखित क्रम होगा—

अं/अँ, अः, अक, अख, अग, अघ, अच, अछ, अज, अझ, अट, अठ, अड, अढ, अत, अथ, अद, अध, अन, अप, अफ, अब, अभ, अम, अय, अर, अल, अव, अश, अष, अस, अह. इस क्रम के उपरान्त उस आदि अक्षर के साथ मात्राएं लगाने का क्रम होगा, जैसे—

का, कि, की, कु, कू, कृ, के, कै, को, कौ.

मात्राओं के बाद संयुक्त अक्षर अपने क्रम में होंगे; जैसे—

क्क, क्ख, क्च, क्त, क्थ, क्न, क्प, क्म, क्य, क्र, क्ल, क्व, क्श, क्ष, कष (क्ष), क्स.

क्ष, त्र, ज्ञ संयुक्त व्यंजन हैं अतः क्ष को क के साथ, त्र को त के साथ और ज्ञ को ज के साथ स्थान निर्धारित किया गया है. शब्द के तीसरे, चौथे, पाँचवें आदि अक्षरों का क्रम दूसरे अक्षर के क्रम के समान ही होता है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. शब्दकोश में 'अं' किस वर्ण के पहले आता है?
(A) अः (B) अ
(C) आ (D) औ

2. शब्दकोश में 'अँ' किस वर्ण के पहले आता है?
(A) अ (B) अः
(C) ऑ (D) ओ

3. शब्दकोश में 'ऑ' किसके बाद में आता है?
(A) अ (B) आ
(C) ओ (D) औ

4. शब्दकोश में 'क्ष' किस वर्ण के बाद आता है?
(A) ख (B) ज
(C) क (D) त्र

5. शब्दकोश में 'त्र' किस वर्ण के बाद आता है?
(A) क्ष (B) ज्ञ
(C) त (D) ध

6. शब्दकोश में 'ज्ञ' किस वर्ण के बाद आता है?
(A) त्र (B) तृ
(C) ग (D) ज

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार शब्द दिए गए हैं. शब्दकोश में इनमें से कौनसा शब्द सबसे पहले आएगा?

7. (A) अंक (B) अंकन
(C) अंक पत्र (D) अंकनीय
8. (A) अंधानुकरण (B) अंधानुकृत
(C) अंधानुगामी (D) अंधानुयायी
9. (A) अकारण (B) अकाल
(C) अकल्पनीय (D) अकिंचन
10. (A) अक्षम (B) अक्लिष्ट
(C) अक्षम्य (D) अक्षय
11. (A) अजित (B) अजेय
(C) अजीर्ण (D) अज्ञ
12. (A) अज्ञेय (B) अज्ञान
(C) अटूट (D) अटैची
13. (A) अतएव (B) अतर्क
(C) अणिमा (D) अतिकृत
14. (A) अद्वेष (B) अद्वैध्य
(C) अद्वैध (D) अद्वितीय
15. (A) अधिवक्ता (B) अधिवाचन
(C) अधिवेशन (D) अधिष्ठात्री
16. (A) अमित (B) अनिल
(C) अमिय (D) अभय
17. (A) अरविंद (B) अराजक
(C) अरण्य (D) अरिष्ट
18. (A) अरुणोदय (B) अर्जक
(C) अर्णव (D) अरुचि
19. (A) अलिखित (B) अलौकिक
(C) अल्पावधि (D) अल्पांश
20. (A) अश्रु (B) अशोक
(C) अश्लील (D) अश्लेष
21. (A) असंभव (B) असफल
(C) असंदिग्ध (D) असंयमित
22. (A) असम्यक् (B) असमर्थ
(C) असहमति (D) असमंजस
23. (A) अस्पृश्य (B) अस्मिता
(C) अस्वस्थ (D) अहर्निश
24. (A) आकार (B) आँख
(C) आग (D) आँच
25. (A) आगाह (B) आघात
(C) आगमन (D) आचमन
26. (A) आमुख (B) आयुक्त
(C) आमिष (D) आरक्षण
27. (A) आहरण (B) आहट
(C) आहत (D) आहूट
28. (A) इक्षु (B) इच्छापूर्वक
(C) इत्यादि (D) इड़ा
29. (A) इश्तहार (B) इशारा
(C) इष्ट (D) इहतियात
30. (A) ईंट (B) ईक्षा
(C) ईंगुर (D) ईति
31. (A) ईश्वर (B) ईषत्
(C) ईहा (D) ईसाई
32. (A) उखड़ना (B) उक्ति
(C) उक्षित (D) उचित
33. (A) उच्छल (B) उच्छृंखल
(C) उच्चरित (D) उच्छ्वास
34. (A) उत्तेजित (B) उत्थान
(C) उत्पादन (D) उत्प्रेक्षण
35. (A) ऊर्जस्वी (B) ऊमस
(C) ऊपर (D) ऊँचाई
36. (A) ऋग्वेद (B) ऋक्ष
(C) ऋजु (D) ऋण
37. (A) ऋतु (B) ऋद्धि
(C) ऋतंभरा (D) ऋषभ
38. (A) एकांत (B) एकाग्र
(C) एकात्मक (D) एकत्र
39. (A) एषणा (B) एषा
(C) एहसास (D) एसेंस
40. (A) ऐंद्रिय (B) ऐंठना
(C) ऐकपद्य (D) ऐकिक
41. (A) ऐनक (B) ऐसा
(C) ऐतिहासिक (D) ऐश्वर्य

42. (A) ओज (B) ओक
(C) ओकार (D) ओंकार

43. (A) ओजस्वी (B) ओढ़ना
(C) ओम (D) ओह

44. (A) औत्कंठ्य (B) औजार
(C) औदुंबर (D) औपचारिक

45. (A) औरत (B) औरस
(C) और (D) औसत

46. (A) कंचन (B) कंटक
(C) कंचुकी (D) कंकण

47. (A) कच्छप (B) कक्षीय
(C) कक्षोन्नति (D) कच्छा

48. (A) कार्याकार्य (B) कार्याधिकारी
(C) कार्यानुक्रम (D) कार्यान्वित

49. (A) काव्यांग (B) काव्यत्व
(C) काव्यात्मक (D) काव्याचार्य

50. (A) कुँवारा (B) कुंठा
(C) कुँआरा (D) कुंदन

51. (A) खँजड़ी (B) खग
(C) खंडिता (D) खराब

52. (A) खाद्यान्न (B) खाद्योत्पादन
(C) खाविंद (D) खासियत

53. (A) गांधार (B) गाँधी
(C) गांधर्व (D) गात

54. (A) गृहस्थाश्रम (B) गृहाक्ष
(C) गृहासक्त (D) गृहणी

55. (A) घंटा (B) घटना
(C) घटनात्मक (D) घड़ियाल

56. (A) घृणास्पद (B) घूर्णन
(C) घोंसला (D) घोषणा

57. (A) चंचला (B) चंचरीक
(C) चंक्रमण (D) चन्द्रायतन

58. (A) चक्षु (B) चक्रावर्त
(C) चक्रांकित (D) चक्रवर्ती

59. (A) चित्राक्षर (B) चित्रांकन
(C) चित्राक्ष (D) चित्राधार

60. (A) छंदक (B) छंदोगति
(C) छँटनी (D) छंदोबद्ध

61. (A) छिद्रान्वेषण (B) छिद्रित
(C) छिद्रान्वेषी (D) छिद्रात्मा

62. (A) जंजाल (B) जंजीर
(C) जख्मी (D) जगत्

63. (A) ज्ञानार्जन (B) ज्ञानावरण
(C) ज्ञानात्मक (D) ज्ञानाश्रयी

64. (A) ज्योतिर्मय (B) ज्योतिर्विज्ञान
(C) ज्योतिर्विद (D) ज्योतिमंडल

65. (A) झूलना (B) झूमर
(C) झोंकना (D) झोंपड़ी

66. (A) टकराना (B) टकसाल
(C) टंकण (D) टक्कर

67. (A) ठग (B) ठकुरसुहाती
(C) ठहरना (D) ठंडक

68. (A) डंकदार (B) डकारना
(C) डरावना (D) डलिया

69. (A) ढकोसला (B) ढँकना
(C) ढोलक (D) ढोला

70. (A) तंदुरुस्त (B) तंद्राछन्न
(C) तंत्राचार्य (D) तंबू

71. (A) तत्काल (B) तत्क्षण
(C) तत्पश्चात् (D) तत्पर

72. (A) तपोभूमि (B) तपोधन
(C) तपोधाम (D) तमोगुण

73. (A) तितिक्षु (B) तितिक्षा
(C) तितीर्षा (D) तितीर्षु

74. (A) तृष्णा (B) तृणमय
(C) तृणावर्त (D) तृणत्व

75. (A) तेजस्विता (B) तेजस्विनी
(C) तेजोमूर्ति (D) तेजस्वी

76. (A) त्र्यंबक (B) त्रैविद्य
(C) त्र्यध्वगा (D) त्रैलोक्य

77. (A) थंभ (B) थकान
(C) थक्का (D) थारू

78. (A) दंडवत् (B) दंडनीय
(C) दंडात्मक (D) दंडाधिकारी

79. (A) दग्धांकित (B) दक्षिणी
(C) दक्षिणाभिमुख (D) दक्षिणावर्त

80. (A) दुर्जेय (B) दुर्जन
(C) दुर्ज्ञेय (D) दुर्दम्य

81. (A) दौर्बल्य (B) द्रवित
(C) दौर्जन्य (D) द्रवीभूत

82. (A) धड़कना (B) धड़काना
(C) धनवंत (D) धनार्चित

83. (A) ध्वंसन (B) ध्वंसात्मक
(C) ध्वंसक (D) ध्वंसावशेष

84. (A) नंदिनी (B) नक्शा
(C) नक्षत्र (D) नंदीश

85. (A) नगण्य (B) नग्न
(C) नमस्कार (D) नवागंतुक

86. (A) निष्कर्ष (B) निष्क्रमण
(C) निष्कंटक (D) निष्ठावान

87. (A) पंचायत (B) पंजाबी
(C) पंजीकरण (D) पंचांग

88. (A) परस्पर (B) परमानन्द
(C) परछिद्रान्वेषण (D) परमार्थी

89. (A) परावलम्बी (B) पराश्रय
(C) परिकल्पित (D) परावर्तन

90. (A) पारणीय (B) पारतंत्र्य
(C) पारमार्थिक (D) पारमार्थ्य

91. (A) पुनर्प्रेषण (B) पुनरावृत्ति
(C) पुनर्गठन (D) पुनर्निर्माण

92. (A) प्रागैतिहासिक (B) प्राचुर्य
(C) प्रातिकूल्य (D) प्राप्त्याशा

93. (A) फर्नीचर (B) फरोख्त
(C) फलतः (D) फलितार्थ

94. (A) बख्तर (B) बहुत
(C) बँगला (D) बत्तीसी

95. (A) बनावट (B) बबूल
(C) बरसात (D) बनारसी

96. (A) बाहुल्य (B) बाह्यतः
(C) बाह्यांतर (D) बाह्यावरण

97. (A) ब्रह्मांड (B) ब्रह्माक्षर
(C) बौद्धिक (D) ब्राह्मी

98. (A) भंडारी (B) भक्ति
(C) भगिनी (D) भंगिमा

99. (A) भयावह (B) भारद्वाज
(C) भर्तव्य (D) भर्त्सना

100. (A) भौतिकी (B) भौगर्भिक
(C) भ्रमित (D) भ्रकुटि

101. (A) मंजूषा (B) मंत्रालय
(C) मंगलाचरण (D) मंत्रित्व

102. (A) मदयंती (B) मधुप
(C) मधुर (D) मत्सर

103. (A) महर्षि (B) महत्वाकांक्षा
(C) महाधिवक्ता (D) महात्मा

104. (A) मार्मिक (B) माल्यार्पण
(C) मार्दव (D) माहेश्वर

105. (A) मूर्तिमान (B) मूर्द्धन्य
(C) मूलतः (D) मूलोच्छेद

106. (A) यकीन (B) यकृत
(C) यंत्रणा (D) यजुर्वेद

107. (A) यति (B) यत्किंचित्
(C) यथातथ्य (D) यज्ञशाला

108. (A) युयुत्सा (B) युधिष्ठिर
(C) युवावस्था (D) युवराज

109. (A) रक्ताक्ष (B) रक्षक
(C) रंगभूमि (D) रक्षा

110. (A) रत्नाकर (B) रमणीय
(C) रतौंधी (D) रचना

111. (A) रोजगार (B) रोकड़
(C) रोपड़ (D) रौनक

112. (A) लवलीन (B) ललित
(C) लहर (D) लांछन

113. (A) वंचित (B) वंशागत
(C) वक्तव्य (D) वक्रोक्ति

114. (A) वयस्क (B) वत्सल
(C) वरुण (D) वर्चस्व

115. (A) वार्द्धक्य (B) वार्षिकी
(C) वास्तव्य (D) वाङ्मय

116. (A) विज्ञप्ति (B) वितंडा
(C) विच्छेद (D) विच्युत

117. (A) विनियंत्रण (B) विनिमय
(C) विनियोग (D) विनियोजक

118. (A) शकुन (B) संशनीय
(C) शंभु (D) शकर

119. (A) शब्दांश (B) शब्दाडम्बर
(C) शब्दायमान (D) शब्दशः

120. (A) शिक्षक (B) शिकायत
(C) शिक्षार्थी (D) शिष्टाचार

121. (A) शुभारम्भ (B) शुभाकांक्षा
(C) शुभेच्छा (D) शुभैषी

122. (A) षष्टि (B) षाण्मासिक
(C) षाड्यंत्रिक (D) षोडश

123. (A) संकल्पना (B) संकल्प
(C) संकेत (D) संक्षेप

124. (A) संप्रदाय (B) संभ्रान्ति
(C) संप्रवृत्ति (D) संपृष्ट

125. (A) संरक्षण (B) संवत्सर
(C) संविधान (D) संसद

126. (A) सजीवन (B) सज्ञान
(C) सच्चरित्र (D) सज्जन

127. (A) सत्कार (B) सत्कीर्ति
(C) सत्यांश (D) सक्षम

128. (A) समर्थक (B) समष्टि
(C) समस्त (D) समांतर

129. (A) सुकर्म (B) सुंदर
(C) सुकृति (D) सुगंध

130. (A) सृष्टि (B) सृज्य
(C) सृजनात्मक (D) सेकेण्ड

131. (A) हंसराज (B) हठात्
(C) हजरत (D) हजार

132. (A) हड़बड़ी (B) हड़प्पा
(C) हताश्रय (D) हताशा

133. (A) हर्ष (B) हर्षण
(C) हर्षाश्रु (D) हर्तव्य

134. (A) हस्तक्षेप (B) हस्तांतरित
(C) हस्ताक्षरित (D) हस्तावलंबन

उत्तरमाला

1. (B) 2. (A) 3. (B) 4. (C) 5. (C)
6. (D) 7. (A) 8. (A) 9. (C) 10. (A)
11. (A) 12. (B) 13. (C) 14. (D) 15. (A)
16. (B) 17. (C) 18. (C) 19. (A) 20. (B)
21. (C) 22. (D) 23. (A) 24. (B) 25. (C)
26. (C) 27. (B) 28. (A) 29. (B) 30. (C)
31. (A) 32. (B) 33. (C) 34. (A) 35. (D)
36. (B) 37. (C) 38. (D) 39. (A) 40. (B)
41. (C) 42. (D) 43. (A) 44. (B) 45. (C)
46. (D) 47. (B) 48. (A) 49. (B) 50. (C)
51. (A) 52. (A) 53. (C) 54. (D) 55. (A)
56. (B) 57. (C) 58. (D) 59. (B) 60. (C)
61. (D) 62. (A) 63. (C) 64. (D) 65. (B)
66. (C) 67. (D) 68. (A) 69. (B) 70. (C)
71. (A) 72. (A) 73. (B) 74. (D) 75. (A)
76. (D) 77. (A) 78. (B) 79. (C) 80. (B)
81. (C) 82. (A) 83. (C) 84. (A) 85. (A)
86. (C) 87. (D) 88. (C) 89. (D) 90. (A)
91. (B) 92. (A) 93. (B) 94. (C) 95. (D)
96. (A) 97. (C) 98. (D) 99. (A) 100. (B)
101. (C) 102. (D) 103. (B) 104. (C) 105. (A)
106. (C) 107. (D) 108. (B) 109. (C) 110. (D)
111. (B) 112. (B) 113. (A) 114. (B) 115. (D)
116. (C) 117. (B) 118. (C) 119. (D) 120. (B)
121. (B) 122. (A) 123. (B) 124. (D) 125. (A)
126. (C) 127. (D) 128. (A) 129. (B) 130. (C)
131. (A) 132. (B) 133. (D) 134. (A) ●●●

वर्ण, उच्चारण और वर्तनी

किसी भी भाषा में प्रयुक्त होने वाली मूल ध्वनि को वर्ण कहते हैं. वर्णों के समूह या समुदाय को वर्णमाला कहते हैं. हिन्दी वर्णमाला दो भागों में विभक्त है—स्वर और व्यंजन.

स्वर—जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा मुख-विवर से अबाध गति से निकलती है, उन्हें स्वर कहते हैं. स्वर दो प्रकार के होते हैं—

1. मूल स्वर 2. संधि स्वर

(1) **मूल स्वर**—जिन स्वरों के उच्चारण में अन्य स्वरों की सहायता नहीं लेनी पड़ती है. उन्हें मूल स्वर या ह्रस्व स्वर कहते हैं; जैसे—अ, इ, उ.

(2) **संधि स्वर**—जिन स्वरों के उच्चारण में मूल स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें संधि स्वर कहते हैं. ये दो प्रकार के होते हैं—

(क) दीर्घ स्वर (ख) संयुक्त स्वर.

(क) **दीर्घ स्वर**—जो सजातीय स्वरों के संयोग से निर्मित हुए हैं, वे दीर्घ स्वर कहलाते हैं; जैसे—

अ + अ = आ
इ + इ = ई
उ + उ = ऊ

(ख) **संयुक्त स्वर**—जो विजातीय स्वरों के संयोग से निर्मित हुए हैं. संयुक्त स्वर कहलाते हैं. जैसे—

अ + इ = ए
अ + ए = ऐ
अ + उ = ओ
अ + ओ = औ

व्यंजन—जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा मुख-विवर से अबाध गति से नहीं निकलती, वरन् उसमें पूर्ण या अपूर्ण अवरोध होता है, व्यंजन कहलाती है. व्यंजन सामान्यत: 6 प्रकार के होते हैं—

(1) **स्पर्श व्यंजन**—क से म तक 25 व्यंजन स्पर्श हैं. इनमें **क वर्ग** को कंठ्य या कोमल तालव्य, **च वर्ग** को तालव्य व्यंजन, **ट वर्ग** का मूर्धन्य व्यंजन, **त वर्ग** को दन्त्य व्यंजन, **प वर्ग** को ओष्ठ्य व्यंजन कहते हैं. व दन्त्योष्ठ, न, र, ल वर्त्स्या और 'ह' स्वरयन्त्र मुखी या काकल्य कहलाते हैं.

(2) **अनुनासिक व्यंजन**—ङ, ञ, ण, न, म अनुनासिक व्यंजन हैं.

(3) **अंतस्थ व्यंजन**—य, र, ल, व अंतस्थ व्यंजन हैं.

(4) **ऊष्म व्यंजन**— श, ष, स और ह ऊष्म व्यंजन हैं.

(5) **उत्क्षिप्त व्यंजन**—ड़ और ढ़ उत्क्षिप्त व्यंजन हैं.

(6) **संयुक्त व्यंजन**—क्ष, त्र, ज्ञ, श्र संयुक्त व्यंजन हैं.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. जिन ध्वनियों के संयोग से शब्दों का निर्माण होता है, उन्हें कहते हैं—
(A) ध्वनि (B) प्रतिध्वनि
(C) वाणी (D) वर्ण

2. यदि हिन्दी वर्णमाला में 'ऋ' को सम्मिलित कर दिया जाए, तो वर्णों की कुल संख्या कितनी हो जाएगी?
(A) 45 (B) 52
(C) 56 (D) 57

3. हिन्दी की देवनागरी वर्णमाला में स्पर्श व्यंजन हैं–
(A) 25 (B) 28
(C) 26 (D) 27

4. स्वरों के दो प्रकार कौन-कौन हैं?
(A) स्वर और व्यंजन
(B) ध्वनि और वर्ण
(C) मूलस्वर और संधि
(D) उपर्युक्त सभी

5. जिन स्वरों के उच्चारण में कम-से-कम समय लगता है, अर्थात् जिनके उच्चारण में अन्य स्वरों की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, उन्हें कहते हैं—
(A) अल्प स्वर (B) मूल स्वर
(C) व्यंजन (D) संधि स्वर

6. जिन स्वरों के उच्चारण में मूल स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें कहते हैं—
(A) मूल स्वर (B) दीर्घ स्वर
(C) संधि स्वर (D) संयुक्त स्वर

7. जो स्वर सजातीय स्वरों के संयोग से बने हैं उन्हें कहते हैं—
(A) दीर्घ स्वर (B) ह्रस्व स्वर
(C) मूल स्वर (D) अल्प स्वर

8. दीर्घ स्वर के सही उदाहरण हैं—
(A) आ, ई, ऊ
(B) अ, इ, उ
(C) ए, ऐ, ओ
(D) इनमें से कोई नहीं

9. जो स्वर विजातीय स्वरों के मेल से बने हैं उन्हें कहते हैं—
(A) दीर्घ स्वर
(B) महास्वर
(C) संयुक्त स्वर
(D) उपर्युक्त सभी

10. 'संयुक्त स्वर' के उदाहरण हैं—
(A) अ, इ, उ
(B) आ, ई, ऊ
(C) ए, ऐ, ओ, औ
(D) उपर्युक्त सभी

11. जिन ध्वनियों के उच्चारण में हवा मुख-विवर से अबाध गति से नहीं निकल पाती है. उसमें पूर्ण या अपूर्ण अवरोध होता है, ऐसी ध्वनियों को कहते हैं—
(A) व्यंजन (B) स्वर
(C) ऊष्म व्यंजन (D) दीर्घ स्वर

12. व्यंजन कितने प्रकार के होते हैं?
(A) 4 (B) 6
(C) 7 (D) 8

13. जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा का कोई-न-कोई भाग मुख के किसी-न-किसी भाग से स्पर्श करता है ऐसे व्यंजनों को क्या कहते हैं?
(A) स्पर्श व्यंजन
(B) उत्क्षिप्त व्यंजन
(C) अंतस्थ व्यंजन
(D) ऊष्म व्यंजन

14. तालव्य व्यंजन हैं—
(A) च छ ज झ
(B) ट ठ ड ढ
(C) त थ द ध
(D) प फ ब भ

15. मूर्धन्य ध्वनियाँ कौनसी हैं?
(A) च छ ज झ
(B) ट ठ ड ढ
(C) त थ द ध
(D) प फ ब भ म

16. जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा की नोंक ऊपरी दाँतों का स्पर्श करती है उन्हें कहते हैं—
(A) कोमल तालव्य व्यंजन
(B) तालव्य व्यंजन
(C) मूर्धन्य व्यंजन
(D) दन्त्य व्यंजन

17. जिन व्यंजनों के उच्चारण में जिह्वा ऊपरी मसूढ़ों को स्पर्श करती है…… कहलाते हैं—
(A) वर्त्स्य व्यंजन
(B) जिह्वामूलक व्यंजन
(C) दन्त्य व्यंजन
(D) कंठ्य व्यंजन

18. 'व' कैसा व्यंजन है?
(A) ओष्ठ्य (B) दन्त्य
(C) दन्त्योष्ठि (D) तालव्य

19. जिन व्यंजनों के उच्चारण में अन्दर से आती हुई श्वास तीव्र गति से स्वर यन्त्र मुख पर संघर्ष उत्पन्न करती है…… कहलाते हैं—
(A) वर्त्स्य व्यंजन
(B) स्वरयंत्रमुखी या काकल्य व्यंजन
(C) ओष्ठ्य व्यंजन
(D) मूर्धन्य व्यंजन

20. य, र, ल, व किस प्रकार के व्यंजन हैं?
(A) अनुनासिक व्यंजन
(B) अंतस्थ व्यंजन
(C) ऊष्म व्यंजन
(D) स्पर्श व्यंजन

21. जिन व्यंजनों में एक प्रकार की गरमाहट या सुरसुराहट जैसी होती है……… कहलाते हैं—
(A) उत्क्षिप्त व्यंजन
(B) ऊष्म व्यंजन
(C) संयुक्त व्यंजन
(D) अनुनासिक व्यंजन

उत्तरमाला

1. (D) 2. (B) 3. (A) 4. (C) 5. (B)
6. (C) 7. (A) 8. (A) 9. (C) 10. (C)
11. (A) 12. (B) 13. (A) 14. (A) 15. (B)
16. (D) 17. (A) 18. (C) 19. (B) 20. (B)
21. (B)

वर्तनी

किसी भाषा में शब्दों की ध्वनियों को जिस क्रम और जिस रूप से उच्चारित किया जाता है, उसी क्रम और उसी रूप में लेखन की रीति को वर्तनी (Spelling) कहते हैं. जो जैसा उच्चारण करता है वैसा ही लिखना चाहता है. अतः उच्चारण और वर्तनी में घनिष्ठ सम्बन्ध है. शुद्ध वर्तनी के लिए शुद्ध उच्चारण अपेक्षित है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में वर्तनी सम्बन्धी जो वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं यहाँ पर उन सभी प्रकार के प्रश्नों को प्रस्तुत किया जा रहा है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक शब्द की वर्तनी के चार-चार रूप दिए जा रहे हैं, इनमें से एक शुद्ध वर्तनी है, आपको शुद्ध वर्तनी का ही चयन करना है.

1. (A) अन्गूर (B) अगूँर
(C) अंगूर (D) अगुरं

2. (A) अंलकार (B) अलँकार
(C) अलकार (D) अलंकार

3. (A) अनजलि (B) अँजली
(C) अंजलि (D) अजलि

4. (A) अतिश्योक्ति (B) अतिशयोक्ति
(C) अतिश्योक्ती (D) अतिष्योक्ति

5. (A) आधिकारी (B) अधिकारी
(C) आधकारी (D) अधिकरी

6. (A) आनेक (B) अनेक
(C) अनेकों (D) अन्को

7. (A) अगामी (B) आगमी
(C) आगामी (D) अगमी

8. (A) आहूती (B) आहुति
(C) आहुती (D) आहूति

9. (A) अहार (B) आहार
(C) आहर (D) अहर

10. (A) आशीरवाद (B) आशिर्वाद
(C) आर्शीवाद (D) आशीर्वाद

11. (A) अकास (B) आकास
(C) अकाश (D) आकाश

12. (A) अतिशयोक्ति (B) अतिश्योक्ति
(C) अतिस्योकिती (D) अतिष्योक्ति

13. (A) अंत्यच्छरी (B) अंत्याच्छरी
(C) अंत्याक्षरी (D) आंत्याक्षरी

14. (A) अध्यापका (B) आध्यापका
(C) अध्यिपका (D) अध्यापिका

15. (A) अद्वितीय (B) अद्वितिय
(C) अद्वीतीय (D) अद्वीतिय

16. (A) अबिराम (B) अभिराम
(C) अभराम (D) अभीराम

17. (A) अंगरखा (B) अँगरखा
(C) अगरखा (D) आगरखा

18. (A) अर्थात् (B) अर्थात
(C) अर्थाति (D) अर्थति

19. (A) इच्छा (B) इक्षा
(C) ईक्षा (D) ईच्छा

20. (A) इष्ट (B) इष्ठ
(C) इष्ठि (D) इष्टि

21. (A) ईशान (B) ईसान
(C) इशनि (D) इशानि

22. (A) ईमान (B) इमान
(C) ईमन (D) ईमनि

23. (A) उरिन (B) उरिण
(C) उऋण (D) उऋिण

24. (A) उदासीनता (B) उदासीणता
(C) उदासणिता (D) उदासिन्य

25. (A) उपरीलिखित (B) ऊपरीलिखित
(C) उपरिलिखित (D) उपर्यलिखित

26. (A) उत्सूक (B) उत्सक
(C) उत्सुक (D) उतसूक

27. (A) उतेजना (B) उतेज्जना
(C) उत्तेजना (D) ऊत्तेजना

28. (A) उलेख (B) ऊल्लेख
(C) उल्लेख (D) ऊलेख

29. (A) उंगली (B) उँगली
(C) ऊगली (D) ऊंगली

30. (A) ऊँचा (B) ऊंचा
(C) ऊचा (D) ऊचाँ

31. (A) उरिण (B) ऊरिण
(C) उऋण (D) ऊऋण

32. (A) उर्ध्व (B) ऊर्ध्व
(C) उधर्व (D) ऊर्धव

33. (A) उत्पत्ती (B) उत्पत्ति
(C) ऊत्पति (D) उतपति

34. (A) ऋषि (B) ऋशि
(C) रिषि (D) ऋषी

35. (A) ऐकता (B) एकता
(C) एक्ता (D) एकत्ता

36. (A) एकांत (B) ऐकांत
(C) एकानत (D) एकन्त

37. (A) एसा (B) ऐसा
(C) ऐशा (D) ऐषा

38. (A) ऐतिहासिक (B) इतिहासीक
(C) एतिहासिक (D) ऐतहिसीक

39. (A) एक (B) ऐक
(C) ऐकु (D) एक्य

40. (A) एश्वर्य (B) एस्वर्य
(C) एष्वर्य (D) ऐश्वर्य

41. (A) औषधालय (B) औशधालय
(C) औसधालय (D) ओषधालय

42. (A) अवलाद (B) औलाद
(C) ओलाद (D) औलादि

43. (A) कन्घा (B) कंघा
(C) कनघा (D) कान्घा

44. (A) कन्बु (B) कँबु
(C) कंबु (D) कंबि

45. (A) कंया (B) कँया
(C) कन्या (D) कनया

46. (A) कन्हय्या (B) कान्हया
(C) कन्हैया (D) कँधई

47. (A) कियारी (B) क्यारी
(C) क्यारि (D) कियारि

48. (A) क्रिसमस (B) कृसमस
(C) क्रिस्मश (D) कृस्मस

49. (A) क्योंकि (B) क्योकि
(C) क्वोंकि (D) कओकि

50. (A) क्रुद्‌ध (B) कुरुध
(C) क्रुद्ध (D) क्रुध

51. (A) कैलास (B) कैलाष
(C) कैलाश (D) कयलाश

52. (A) कोमांगना (B) कोमलाँगी
(C) कोमलांगिनी (D) कौमलांगनी

53. (A) खैल (B) खेल
(C) खएल (D) खइल

54. (A) खयाति (B) खियाति
(C) ख्याति (D) ख्याती

55. (A) खातिरदारी (B) खतिरदारी
(C) खतीरदारी (D) खातीरदारि

56. (A) गंधर्व (B) गन्धव्र
(C) गांधारव (D) गंधारवि

57. (A) गजमुता (B) गजमूत्ता
(C) गजमुक्ता (D) गजमोतिया

58. (A) गार्हहस्थ्य (B) गार्हस्थ्य
(C) गृहसथी (D) ग्राहस्थ्य

59. (A) गुरुत्व (B) गरुत्व
(C) गुरूत्त्व (D) गुरुवाई

60. (A) ग्रामुन्नति (B) ग्रमोन्नती
(C) ग्रामोन्नति (D) गृमून्नति

61. (A) घनचकर (B) घनचकार
(C) घनचक्कर (D) घानचक्कर

62. (A) घनिष्ट (B) घनिष्ठ
(C) घनीस्ट (D) घनिस्ठ

63. (A) घोसड़ा (B) घोषड़ा
(C) घोषणा (D) घोशड़ा

64. (A) चन्दृवार (B) चनद्रवार
(C) चंर्दवार (D) चंद्रवार

65. (A) चाँद्रहास (B) चंद्रहास
(C) चदृहास्य (D) चंदृहाश्य

66. (A) चतुरंगनी (B) चत्रुगिनी
(C) चतुरंगिनी (D) चतुरंगीणी

67. (A) चतुर्मास (B) चतुरमाष
(C) चतुम्रास (D) चतुमृास

68. (A) चिकित्सक (B) चकित्सक
(C) चिकत्सिक (D) चकित्सिक

69. (A) चिविलास (B) चिद्विलास
(C) चद्विलाष (D) चिद्वविलास

70. (A) छत्रपति (B) क्षत्रपति
(C) क्षातृपति (D) छात्रपति

71. (A) जजमान (B) जयमान
(C) यजमान (D) जेजमान

72. (A) जठराग्न (B) जठराग्नि
(C) जठराग्नि (D) जठरागिन

73. (A) जनसन्ख्या (B) जनसंखया
(C) जनसखिया (D) जनसंख्या

74. (A) जिजीविषा (B) जिजीवषा
(C) जजीवषा (D) जिजिवीषा

75 (A) ज्योंतिस (B) ज्योतिष
(C) ज्योतिश (D) ज्योतिस

76. (A) ज्ञानेंद्रिय (B) ज्ञानिदृय
(C) ज्ञानिदृी (D) ज्ञनीन्द्रय

77. (A) झुंझलाहट (B) झूझंलाहट
(C) झझुलाहट (D) झिंझलाहट

78. (A) टिपणी (B) टिप्पणी
(C) टिप्पड़ी (D) टिप्पणि

79. (A) ठँडा
(B) ठन्डा
(C) ठण्डा
(D) इनमें से कोई नहीं

80. (A) डांका (B) डाका
(C) डांकां (D) डाकां

81. (A) ढाढ़स (B) ढाडस
(C) डाढ़स (D) डाडस

82. (A) तंद्रालस (B) तंद्रास
(C) तंदृलास (D) तंद्रावस

83. (A) ततपुरुष (B) तत्परुष
(C) तात्पुरुष (D) तत्परुष

84. (A) तद्नुसार (B) तदनुसार
(C) तदानुसार (D) तादानुसार

85. (A) तन्मनस्क (B) तनमन्श्क
(C) तनमनसक (D) तन्मंष्क

86. (A) तपोनिष्ट (B) तपोनिष्ठ
(C) तापोनिष्ठ (D) तपोनिस्ठ

87. (A) तापुपचार (B) तपोप्चार
(C) तापोपचार (D) तपुचार

88. (A) त्रियक (B) तिर्यक
(C) तिरियिक (D) तरीयक

89. (A) तुच्छतितुच्छ (B) तुच्छातितुच्छ
(C) तुक्षतितुक्ष (D) तुच्छतिक्ष

90. (A) तेजस्तिा (B) तेजश्विता
(C) तेजष्विता (D) तेजस्विता

91. (A) दमनत्मक (B) दमन्तमक
(C) दामनात्मक (D) दमनात्मक

92. (A) दर्शनाभिलासी
(B) दर्शनाभिलाषी
(C) दर्शनभिलाशी
(D) दार्शनभिलासी

93. (A) दीर्धायू (B) दीर्घायु
(C) दीघृायु (D) दीघ्रायु

94. (A) दुर्दमनीय (B) दुदर्मनीय
(C) द्रुदनीय (D) दुदृमनीय

95. (A) दुष्प्रृवृत्ति (B) दुष्प्रवृत्ति
(C) दुश्प्रवृत्ति (D) दुस्पृव्रति

96. (A) धर्नुविद्या (B) धनुर्विद्या
(C) धनुव्रिद्या (D) धनुवृद्या

97. (A) धर्मुन्माद (B) धर्मोनमद
(C) धर्मुनमाद (D) धर्मोन्माद

98. (A) नाइका (B) नायका
(C) नायिका (D) नायेका

99. (A) निक्षिप्त (B) निच्छिप्त
(C) नीच्छिपत (D) नीक्ष्प्ति

100. (A) निष्कर्ष (B) निस्कर्ष
(C) निश्कर्स (D) निस्कर्श

101. (A) निष्पक्ष (B) निश्पच्छ
(C) निस्पच्छ (D) निपक्ष

102. (A) परस्थिति (B) परिस्थिति
(C) परिस्थति (D) प्रस्थिति

103. (A) पुर्नविचार (B) पुर्निवचार
(C) पुनर्विचार (D) पनव्रिचार

104. (A) प्रतिग्रहीत (B) पृतग्रहीत
(C) प्रतिगृहीत (D) प्रतगृहित

105. (A) प्रत्यावेदन (B) पृत्यावेदन
(C) प्रतिवेद्धन (D) प्रतीयवेदन

106. (A) प्रालभध (B) प्रालब्ध
(C) प्रारब्ध (D) परालब्ध

107. (A) फलानवेसी (B) फलानेशी
(C) फलनवेषी (D) फलान्वेषी

108. (A) बलीदान (B) बलिदन
(C) बलिदान (D) बलिदीन

109. (A) ब्रहस्पती (B) बृहसपति
(C) बृहस्पति (D) ब्रिहस्पति

110. (A) बोधिसत्त्व (B) बौधसित्व
(C) बौद्धस्तव (D) बोधिसत

111. (A) भविष्यद्बाड़ी
(B) भाविष्यतवाणी
(C) भविष्यद्वाणी
(D) भविष्यबाड़ी

112. (A) भावोत्कर्ष (B) भावोतकर्स
(C) भावोत्कर्श (D) भावोद्कृस

113. (A) भास्कर (B) भाषकृ
(C) भाश्कर (D) भाशकर

114. (A) भैषजीय (B) भैंसजीय
(C) भैंशजीय (D) भेषजिय

115. (A) मंत्रीमंडल (B) मंत्रमंडल
(C) मंत्रयमंडल (D) मंत्रिमंडल

116. (A) महातम (B) माहातम
(C) महात्म्य (D) माहात्म्य

117. (A) मनोदुर्बल (B) मनदुर्बल्य
(C) मनोदौर्बल्य (D) मनदौर्बल्य

118. (A) मर्मान्वेषण (B) मर्मानुविषण
(C) मर्मानुवेषा (D) मर्मन्वेशणा

119. (A) मौदृक (B) मोद्रिक
(C) मौद्रिक (D) मैदृक

120. (A) यथार्थुमुख (B) यथार्थमुख
(C) यथार्थोन्मुख (D) यथार्थनमुख

121. (A) यादृच्छा (B) यद्रक्षा
(C) याद्रक्षया (D) यादृक्षा

122. (A) रहस्योद्घाटन (B) रहश्योदघाटन
(C) रहस्युदघाटन (D) रहष्युघाटन

123. (A) राजकुवँर (B) राजकुँवर
(C) राजकुअर (D) राजकुंमर

124. (A) राष्ट्रत्थान (B) राष्ट्रुतथान
(C) राष्ट्रोत्थान (D) राश्ट्रोथान

125. (A) लच्छितव्य (B) लाच्छितव
(C) लक्षितव्य (D) लाक्षित्वय

126. (A) लोकाभ्युदय (B) लोकभिद्वय
(C) लोकाभियुद (D) लोकभ्युदय

127. (A) लवंग (B) लभंग
(C) लबंग (D) लँवग

128. (A) लोभावना (B) लुभावना
(C) लूभवाना (D) लुभवाना

129. (A) लोकैषणा (B) लोकेसणा
(C) लोकैशड़ा (D) लोकैस्णा

130. (A) वक्तृता (B) व्रक्तता
(C) वक्त्रता (D) वृक्तत्ता

131. (A) वर्चश्व (B) वृचष्व
(C) वृचस्व (D) वर्चस्व

132. (A) वाणिजयक (B) वाणीज्यक
(C) वाणिज्यिक (D) वाणिजयिक

133. (A) विगर्हणा (B) विग्रहणा
(C) विगृहड़ा (D) विगर्हड़ा

134. (A) विजीगीषा (B) विजिगीषा
(C) विजिगिसा (D) वेजिगीशा

135. (A) विद्वतस्माज (B) विद्वत्समाज
(C) विद्वित्समाज (D) विद्युत्समाज

136. (A) विष्कंभक (B) विस्कंभक
(C) विषकुभक (D) विश्कंभक

137. (A) वृक्षाक्षादित (B) वृच्छाक्षादित
(C) वृक्षाच्छादित (D) व्रक्षाच्छिदत

138. (A) वृहतषभा (B) वृहत्शभा
(C) वृहतसभा (D) वृहत्सभा

139. (A) व्यावर्तन (B) वैविर्तन
(C) व्याविर्तन (D) व्यावतृन

140. (A) शताधान (B) शतावधान
(C) शातविधान्य (D) सतविधान

141. (A) शनैस्चर (B) शनिश्चर
(C) सनीचर (D) सनिष्चर

142. (A) शल्यचिकत्सा
(B) शल्यचकित्शा
(C) शाल्यचकित्षा
(D) शल्यचिकित्सा

143. (A) शस्यागार (B) सश्यागार
(C) षस्यागार (D) शष्यागार

144. (A) शिरोधार्य (B) शिरुधार्य
(C) सिरोधार्य (D) षिरोधार्य

145. (A) शृंगार (B) श्रांगर
(C) स्रंगार (D) षंगार

146. (A) शैच्छणिक (B) शैच्छिणिक
(C) सैक्षणिक (D) शैक्षणिक

147. (A) शयाम (B) सियाम
(C) स्याम (D) श्याम

148. (A) स्रद्धावनत (B) षृद्धावनत
(C) श्रद्धावनत (D) सृिधावनत

149 (A) षोडस (B) षोडष
(C) षोडश (D) शोड्स

150. (A) शंकृमण (B) संकृमड़
(C) संक्रमण (D) षंक्रमड़

151. (A) संपति (B) संपत्ति
(C) सम्पती (D) शंपती

152. (A) संस्क्रति (B) संस्कृती
(C) संसकरीत (D) संस्कृति

153. (A) सन्मान् (B) संमान
(C) सम्मान (D) सँमान

154. (A) सर्वतोमुखी (B) शर्वतुमुखी
(C) सर्वतुमुखि (D) सवृतमुखी

155. (A) सार्वजनक (B) सार्वजनिक
(C) सार्वजनीक (D) सृवजनिक

156. (A) सिन्ह (B) सिंघ
(C) सिंह (D) शिन्घ

157. (A) सुवासित (B) सुवाशित
(C) सुवाषित (D) शुवाषित

158. (A) सुसम्रध (B) सुशमृध
(C) सुसमृद्ध (D) सुसृमद्ध

159. (A) स्थिविर (B) स्थविर
(C) सिथविर (D) स्थिवीर

160. (A) स्मिृति (B) स्मृति
(C) स्रमृति (D) सम्रति

161. (A) स्वाभमनि (B) स्वाभिमानी
(C) सवाभिमानी (D) श्वाभिमानि

162. (A) हथिनी (B) हाथिनी
(C) हाथीनि (D) हथनी

163. (A) हिताकांछी (B) हिताकांक्षी
(C) हितकाँच्छी (D) हतिकांक्षी

164. (A) हिद्रय (B) हिदय
(C) हिदृय (D) हृदय

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (C) 4. (A) 5. (B)
6. (B) 7. (C) 8. (B) 9. (B) 10. (D)
11. (D) 12. (A) 13. (C) 14. (D) 15. (A)
16. (B) 17. (B) 18. (A) 19. (A) 20. (A)
21. (A) 22. (A) 23. (C) 24. (A) 25. (C)
26. (C) 27. (C) 28. (C) 29. (B) 30. (A)
31. (C) 32. (B) 33. (B) 34. (A) 35. (B)
36. (A) 37. (B) 38. (A) 39. (A) 40. (D)
41. (A) 42. (B) 43. (B) 44. (C) 45. (C)
46. (C) 47. (B) 48. (A) 49. (A) 50. (C)
51. (C) 52. (C) 53. (B) 54. (C) 55. (A)
56. (A) 57. (C) 58. (B) 59. (A) 60. (C)
61. (C) 62. (B) 63. (C) 64. (D) 65. (B)
66. (C) 67. (A) 68. (A) 69. (B) 70. (A)
71. (C) 72. (C) 73. (D) 74. (A) 75. (B)
76. (A) 77. (A) 78. (B) 79. (C) 80. (B)
81. (A) 82. (A) 83. (D) 84. (B) 85. (A)
86. (B) 87. (C) 88. (B) 89. (B) 90. (D)
91. (D) 92. (B) 93. (B) 94. (A) 95. (B)
96. (B) 97. (D) 98. (C) 99. (A) 100. (A)
101. (A) 102. (B) 103. (C) 104. (A) 105. (A)
106. (C) 107. (D) 108. (C) 109. (C) 110. (A)
111. (C) 112. (A) 113. (A) 114. (A) 115. (D)
116. (C) 117. (C) 118. (A) 119. (C) 120. (C)
121. (A) 122. (A) 123. (B) 124. (C) 125. (C)
126. (A) 127. (A) 128. (B) 129. (A) 130. (A)
131. (D) 132. (C) 133. (A) 134. (B) 135. (B)
136. (A) 137. (C) 138. (D) 139. (A) 140. (B)
141. (B) 142. (D) 143. (A) 144. (A) 145. (A)
146. (D) 147. (D) 148. (C) 149. (C) 150. (C)
151. (B) 152. (D) 153. (C) 154. (A) 155. (B)
156. (C) 157. (A) 158. (C) 159. (B) 160. (B)
161. (B) 162. (A) 163. (B) 164. (D)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार शब्द दिए गए हैं, जिनके प्रत्येक चतुष्क में एक शब्द की वर्तनी अशुद्ध है. आपको अशुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करना है.

1. (A) अंतरात्मा (B) अंतरिक्ष
(C) अंतरंग (D) अंतरगत
2. (A) अंतर्रात्मा (B) अंतर्राष्ट्रीय
(C) अंतर्वर्ती (D) अंतरंग
3. (A) अधर्म (B) अधवोस्ठ
(C) अधोगति (D) अधोपतन
4. (A) अन्यथ: (B) विशेषत:
(C) सामान्यत: (D) परिणामत:
5. (A) अधिकता (B) विषमता
(C) उपयोगता (D) मानवता
6. (A) आवश्यक (B) आर्शीवाद
(C) उच्चारण (D) उत्सुक
7. (A) आस्तिक (B) निर्गुण
(C) सरगुण (D) सत्त्वगुण
8. (A) आपस्तंब (B) आमिश
(C) आमुक्ति (D) आभ्यंतर
9. (A) आरक्षण (B) आयुर्वेदाचार्य
(C) आयुष्मान (D) कल्याण
10. (A) इंकार (B) आलोक
(C) आवेष्ठित (D) आश्चर्य
11. (A) इंद्रायुध (B) प्रस्न
(C) वज्र (D) धनुष
12. (A) ईश्वर (B) प्रमेश्वर
(C) प्रभु (D) प्रेम
13. (A) ईसान (B) इस्तीफा
(C) इन्कलाब (D) उंछवृत्ति
14. (A) ईशित्व (B) ईक्षण
(C) क्षोरालय (D) क्षोणि
15. (A) ईहामृग (B) अनुसंधान
(C) अवलक्षना (D) इहलोक
16. (A) उन्नति (B) अवन्नति
(C) पदोन्नति (D) उन्नयन
17. (A) उदर (B) उदारता
(C) उदघाटन (D) उदयाचल
18. (A) उत्साह (B) उचाट
(C) शृंखला (D) उशृंखल
19. (A) उत्पादन (B) सम्पादन
(C) उपादान (D) अनुदान
20. (A) उऋण (B) ईति
(C) अवांक्षनीय (D) अनुसंधान
21. (A) उच्चाकांक्षा (B) आक्षेपक
(C) गृहीत (D) अख्यान
22. (A) उपलक्ष (B) व्यावसायिक
(C) भौगोलिक (D) क्रांतिकारी
23. (A) उन्नमुख (B) सामर्थ्य
(C) वास्तविक (D) कवियित्री
24. (A) उद्विग्न (B) विशेषज्ञ
(C) स्वावलम्बी (D) कौटिल्य
25. (A) उपस्थिति (B) सामर्थ्य
(C) अन्तय (D) अभिषेक
26. (A) उज्ज्वल (B) ध्वन्यात्मकता
(C) संतुष्ट (D) दुघ्रटना
27. (A) उत्पत्ति (B) उपजाऊ
(C) यथार्थ (D) कृषि
28. (A) उतेजना (B) उत्थान
(C) निर्मल (D) आत्मा
29. (A) उद्घाटन (B) उदगम
(C) उत्सव (D) जलपान
30. (A) उद्वहन (B) उद्घात
(C) उद्घोषित (D) उद्भव
31. (A) उनयन (B) उनिद्र
(C) ईर्ष्या (D) द्वेष
32. (A) उपंयास (B) निर्वाचन
(C) जीविका (D) उपदिष्ट
33. (A) ऊपहास्य (B) उपलक्ष्य
(C) राज्यपाल (D) प्रतिकूल
34. (A) उपाध्या (B) अध्ययन
(C) तिरस्कृत (D) उपेक्ष्य
35. (A) उपेच्छित (B) तिरस्कृत
(C) पुरस्कृत (D) दुर्घटना
36. (A) उलेखनीय (B) लक्ष्य
(C) प्रसन्नता (D) प्रकाश
37. (A) ऊर्जस्वित (B) उरमि
(C) समृद्ध (D) सशंक
38. (A) ऋगवेद (B) ऋचा
(C) ऋतुस्नान (D) ऋद्धि
39. (A) ऋजुता (B) ऋष
(C) उद्दंड (D) कोदंड
40. (A) ऋणगृाही (B) ऋतुचर्या
(C) ऋणात्मक (D) त्रिकोणात्मक
41. (A) ऋतविज (B) ऋद्धि-सिद्धि
(C) आपादमस्तक (D) व्यावहारिक
42. (A) एकांत (B) ऐकड़
(C) इकट्ठा (D) सम्बन्धित
43. (A) एकागृता (B) एकाक्ष
(C) उद्विग्न (D) ऊनार्थक
44. (A) एकधिपत्य (B) एकस्व
(C) एकांतवास (D) अंत्याक्षरी
45. (A) एकीश्वरवाद (B) ईश्वरवाद
(C) अद्वैतवाद (D) द्वैतवाद
46. (A) एषणा (B) निश्चेष्ट
(C) अन्यमनस्क (D) कवयत्री
47. (A) ऐतिहासिक (B) प्रागैतिहासिक
(C) कंविदंती (D) व्यवस्थापक
48. (A) ओजस्विता (B) गिरस्थी
(C) उद्धवर्धन (D) उद्भासन
49. (A) ओजस्विनी (B) उद्योत
(C) छिनभर (D) उद्योतन
50. (A) ओष्ठ्य (B) उद्रिक्त
(C) उद्भुज (D) असपर्श
51. (A) ओष्ण (B) इस्थिति
(C) उद्रेवक (D) उद्धर्त
52. (A) ओहदा (B) उत्सव
(C) उधारण (D) उत्सर्पी
53. (A) औदार्य (B) परायण
(C) उद्योतन (D) केंदर
54. (A) औपचारिकता (B) उन्निद्र
(C) उन्नीत (D) जबरजस्ती
55. (A) औपधर्म्य (B) उन्मर्दन
(C) उन्मार्ग (D) नखलऊ
56. (A) औपनिषिदक (B) बैकुंठ
(C) ब्रजभाषा (D) विभाषा

57. (A) औपन्यिासक (B) त्योहार
(C) पैतृक (D) मुश्किल

58. (A) औपबंधीक (B) भवन्निष्ठ
(C) बच्चा (D) उत्पत्ति

59. (A) औपशमीक (B) मुश्किल
(C) विशेष (D) सिर्फ

60. (A) औपस्थ्य (B) बँगला
(C) मुँह (D) सम्पन्न

61. (A) औपाधिक (B) उपाधियुक्त
(C) उत्तीर्ण (D) अइसा

62. (A) और्णीक (B) मुल्क
(C) व्यवहार (D) क्योंकि

63. (A) औषधीय (B) साँकल
(C) अँगरखा (D) आँगन

64. (A) कन्गाल (B) कंकरीट
(C) सर्वसाधारण (D) निघंटु

65. (A) कंचन (B) कन्चुक
(C) स्रोत (D) सृजन

66. (A) कन्जूस (B) कंठ
(C) कंद (D) सम्राट

67. (A) कंदर्प (B) अंतःकृण
(C) अध्याय (D) अभिप्राय

68. (A) कक्षीय (B) कच्छोन्नति
(C) श्याम (D) न्यायालय

69. (A) कथोपकथन (B) शकठ
(C) शशिधर (D) व्रत्ताकार

70. (A) कदर्य (B) कदली
(C) परसंद (D) उत्तिष्ठ

71. (A) कष्टकारक (B) कर्त्ताकारक
(C) हितकारक (D) पुष्टीकारक

72. (A) कर्मणा (B) नाम्ना
(C) मानसा (D) वाचा

73. (A) कर्मचारी (B) कर्मण्य
(C) कौतुक (D) कालीदास

74. (A) कष्ट (B) दुष्ट
(C) नष्ट (D) पृष्ट

75. (A) कृति (B) दुरगति
(C) निर्यात (D) प्राप्ति

76. (A) क्योंकी (B) झाँकी
(C) जाति (D) शक्ति

77 (A) कर्शण (B) गूँगा
(C) चाँद (D) छँटाक

78. (A) कल्कि (B) कल्मष
(C) जहाँ (D) वहा

79. (A) कल्याणी (B) अस्टम्
(C) दशम (D) प्राचीनतम

80. (A) कषाकु (B) कषाय
(C) कसमसाहट (D) कवाऐद

81. (A) कादम्बिनी (B) कातर्य
(C) कोकिला (D) काठिन्य

82. (A) कार्मिक (B) कार्येक्षण
(C) कार्यानक्रम (D) प्रस्ताव

83. (A) क्राषायण (B) संचालन
(C) संचालक (D) विभाजन

84. (A) किंकणी (B) किन्गिरी
(C) इत्वर (D) इत्यादिक

85. (A) किण्वन (B) शुभेच्छु
(C) इक्षाशक्ति (D) इच्छार्थक

86. (A) किल्विष (B) क्मूनिस्ट
(C) इच्छान्वित (D) इच्छानुकूल

87. (A) कीर्तित (B) उत्तरित
(C) अनोत्तरित (D) प्रसारित

88. (A) कुतूहल (B) उत्कट
(C) अभिलासा (D) जिज्ञासा

89. (A) कुत्सा (B) क्रांति
(C) आन्दोलन (D) अदेश

90. (A) कुलंघर (B) सम्मानित
(C) हितकांक्षी (D) सामुदायिक

91. (A) कुलाचार्य (B) सत्तात्मक
(C) चार्वाक (D) चतुर्य

92. (A) कूटाख्यान (B) कुसुमांजलि
(C) चरितव्य (D) चत्मकारक

93. (A) क्रशोद्री (B) कृषक
(C) कृत्प्रत्यय (D) कृंतक

94. (A) कोलहल (B) कोंपल

(C) पुष्प (D) फल

95. (A) कोस्ठागार (B) क्रियान्वित
(C) संक्रांति (D) वयस्क

96. (A) क्षुद्रात्मा (B) क्षालित
(C) पृच्छालित (D) क्षीरालय

97. (A) क्षुधाग्नि (B) क्षुधतुर
(C) क्षुद्रात्मा (D) दुरात्मा

98. (A) खण्जन (B) त्याग
(C) तरीका (D) एकेश्वरवाद

99. (A) खगोल (B) भूगोल
(C) तरकोल (D) कपोल

100. (A) खद्यौत (B) उदारता
(C) परित्याग (D) महानता

101. (A) खेचर (B) जालचर
(C) नभचर (D) अनुचर

102. (A) गन्भीर (B) गंधर्व
(C) पूजित (D) घृणित

103. (A) गद्यात्मिक
(B) पद्यात्मक
(C) आलोचनात्मक
(D) दमनात्मक

104. (A) गिरिफ्तार (B) फरिश्ता
(C) शब्दकोश (D) अभिकल्प

105. (A) गीतात्मक (B) गुंजएस
(C) न्यायाधिकरण (D) गीतांजलि

106. (A) गुणान्वित (B) गुणेस्वर
(C) उत्कृष्ट (D) कृत्रिम

107. (A) गृहस्थास्रम (B) गृहाक्ष
(C) परिकल्पना (D) परिरूप

108. (A) ग्रामांतिक (B) ग्रामधिकारी
(C) तारलेख (D) प्रालेख

109. (A) घन्टा (B) मिनट
(C) घड़ी (D) समय

110. (A) घोषीत (B) बर्ताव
(C) स्थानान्तरण (D) रूपान्तरण

111. (A) चंद्रमा (B) अग्रिम
(C) साहसिक (D) विद्युतधारा

112. (A) चक्षुस्य (B) गैरहाजिर
(C) अनुपस्थित (D) दुर्घटना

113. (A) चातुर्दशी (B) समझौता
(C) समवाय (D) रूढ़िवादी

114. (A) चत्वारिंशत (B) क्षतिपूर्ति
(C) अनुपलन (D) परिचालक

115. (A) चरितर्थ (B) बाध्य
(C) समादेश (D) नियन्त्रण

116. (A) चिर्चत (B) अतिवादी
(C) समाजवादी (D) आतंकवादी

117 (A) चतुराई (B) दवाई
(C) सिलाई (D) उत्तरदायी

118. (A) चितरंजन (B) चिरंजीव
(C) चिरंजीवी (D) चिरंकाल

119. (A) चुस्ती (B) सप्ती
(C) मस्ती (D) गृहस्थी

120. (A) छँदमुक्त (B) छंदोगति
(C) छलछंद (D) छंदशास्त्र

121. (A) छात्राध्यापक (B) चंडिका
(C) क्षतृाध्यक्ष (D) चंदा

122. (A) छिद्र (B) छुद्र
(C) छीछालेदर (D) चादर

123. (A) जगद्विख्यात (B) जगद्विजेता
(C) जगद्विनाश (D) जगतव्यापी

124. (A) जड़त्व (B) जड़ात्मवाद
(C) जणित (D) जड़ावर्त

125. (A) जनश्रुति (B) जनसंकुल
(C) जन्संघर्ष (D) जनसंपत्ति

126. (A) जाज्वलित (B) जाज्वल्य
(C) जाज्वलमान (D) जागृति

127. (A) जीवत्पितृक (B) जीवत्तोका
(C) जनार्दन (D) ज्योतीयता

128. (A) जीवकोपार्जन (B) जीवकार्थ
(C) जीविकाश (D) जीविकार्जन

129. (A) जुगुप्सा (B) जुगप्सित
(C) जुगुप्सन (D) जीवाश्म

130. (A) ज्ञातव्य (B) ज्ञप्ति
(C) ज्ञनपिपासा (D) ज्ञानाश्रयी

131. (A) झूमर (B) सहस्राब्दि
(C) सुव्यवस्थित (D) रचनात्क

132. (A) ठन्डक (B) शङ्कर
(C) चुम्बन (D) गुञ्जन

133. (A) ड्योढ़ा (B) द्योतक
(C) उद्यान (D) धनाड्य

134. (A) डिबेचर (B) डिपाजिट
(C) पब्लिशिंग (D) माध्यमिक

135. (A) ढिठाई (B) ढिंडोरा
(C) ढिल्लर (D) ढिबरी

136. (A) तंत्रण (B) तदुंरुश्त
(C) तंत्री (D) तंदूर

137. (A) तच्छक (B) भक्षक
(C) रक्षक (D) भिक्षा

138. (A) तग्य (B) तटक
(C) तज्जन्य (D) कृतज्ञता

139. (A) तटस्थ (B) तटस्थीकरण
(C) तटस्तवृत्ति (D) ततोधिक

140. (A) तत्रत्य (B) ततृापि
(C) तत्त्वचिंतक (D) तत्तवान्वेषी

141. (A) तथ्यान्वेषी (B) तथ्यातथ्य
(C) तत्नंतर (D) तदनुरूप

142. (A) तदाकार (B) तदोपरांत
(C) तद्धित (D) तद्‌भव

143. (A) तपोभूमि (B) तपोनिष्ठ
(C) तपुलोक (D) तपोवृद्ध

144. (A) तात्कालिक (B) तात्छणिक
(C) तात्पर्य (D) तात्त्विक

145. (A) तितिक्षु (B) तितीर्षा
(C) तिथित (D) तिन्का

146. (A) तृषित (B) तृणोलका
(C) तृष्नालु (D) तृष्य

147. (A) तेजस्विनी
(B) तेजष्ठि
(C) महाज्योतिष्मती
(D) कांतिमान

148. (A) दरकार (B) अविश्कार
(C) दुष्कर्म (D) निष्क्रिय

149. (A) दारिद्रता (B) निपुणता
(C) सहायता (D) विषमता

150. (A) दुरात्मा (B) दुरगति
(C) दुरूह (D) द्विरेफ

151. (A) धार्मिकोत्सव (B) धारणी
(C) धारित्र (D) धारिता

152. (A) नत्वर्थक (B) निरर्थक
(C) सारथक (D) उपयोगिता

153. (A) निश्वास (B) नि:संदिग्ध
(C) नि:संकोच (D) नि:संदेह

154. (A) निरोग (B) निरिश्वर
(C) निराला (D) निर्भय

155. (A) नैर्गुण (B) नैर्मल्य
(C) नैर्लज्य (D) नैष्कर्म्य

156. (A) परिपार्श्व (B) परिपक्व
(C) परनिष्ठित (D) परिनिर्वाण

157. (A) परित्याग (B) परित्राण
(C) परत्राता (D) परिधान

158. (A) परिश्रांत (B) परिषक्ति
(C) परिष्कृत (D) परिवृज्या

159. (A) पित्रात्मा (B) पशमीना
(C) पशुत्व (D) पश्मोत्तर

160. (A) पारितोषक (B) पारिभाषिक
(C) पारिश्रमिक (D) पारिपार्श्विक

161. (A) पुनरुक्ति (B) पुर्नग्रहण
(C) पुनर्जागरण (D) पुनर्जागृति

162. (A) पैतृक (B) पोषणीय
(C) पुनर्वाद (D) पौर्वात्

163. (A) परिग्रहीत (B) प्रगल्भ
(C) प्रगल्भित (D) प्रचारात्मक

164. (A) प्रतिस्पर्द्धा (B) प्रत्याक्रमण
(C) प्रत्यालोचन (D) प्रफुलित

165. (A) प्रायश्चित (B) प्रार्थीत
(C) प्रेमाख्यान (D) प्रेरणात्मक

166. (A) फलकांक्षा (B) फलान्वेषी
(C) फार्मेसी (D) फासिज्म

167. (A) बलाधिकृत (B) बलाबल
(C) बलिष्ट (D) बलाघात

168. (A) बुद्धिमान (B) बुभुच्छा
(C) बेतकुल्लफी (D) बोधव्य

169. (A) भाग्याधीन (B) भामनी
(C) भावना (D) भारोत्तोलन

170. (A) भ्रमणार्थी (B) भ्रमरी
(C) भात्रजा (D) भ्रातृत्व

171. (A) मंगलेक्षु (B) मंगलाचार
(C) भ्रष्टाचार (D) भ्रांतिमूलक

172. (A) मनीषित (B) मनुष्याकृति
(C) मनुष्युचित (D) मनोनिग्रह

173. (A) महत्वाकांक्षी
(B) महाव्यावहारिक
(C) महामहोप्ध्याय
(D) महाधिवक्ता

174. (A) मातसर्य (B) माध्यमिक
(C) मातुलेय (D) मानवोचित

175. (A) मिथ्यापवाद (B) मिताचरण
(C) मित्रुचित (D) मिलिंद

176. (A) मिष्ठान्न (B) मिमांसक
(C) मुशायरा (D) मुंसरिम

177. (A) मौल्कि (B) मौलिमणि
(C) मौनावलम्बन (D) मौक्तिक

178. (A) यत्किंचत् (B) यज्ञोपवीत
(C) यथातथ्यात्मक (D) यथाख्यान

179. (A) यथार्थोन्मुख (B) यथाश्यक
(C) यथेच्छाचार (D) यथार्थ

180. (A) यशस्वनी (B) यशस्वी
(C) यदृच्छा (D) यथेच्छित

181. (A) रत्नवली (B) रत्नाधिपति
(C) रत्नाभूषण (D) रद्दोबदल

182. (A) रसानुभूति (B) रसूल्लास
(C) रसास्वादन (D) रसानुभूति

183. (A) राष्ट्रोथान (B) राष्ट्रोन्नति
(C) रुग्णावकाश (D) रुचिमय

184. (A) लाक्षण्य (B) लाक्षिक
(C) लाजबंती (D) लाइब्रेरियन

185. (A) लोकानुगृह (B) लोकानुरंजन
(C) लोकापवाद (D) लोकाभ्युदय

186. (A) लोकैशणा (B) लोकोक्ति
(C) लोकोपयोगी (D) लोभनीय

187. (A) वक्रोक्ति (B) वचनान्राग
(C) वचस्वी (D) वचस्कर

188. (A) वत्सल (B) वज्राघात
(C) वटुक (D) बणिक

189. (A) व्यस्क (B) वयोवृद्ध
(C) वज्राघात (D) वतनपरस्त

190. (A) वसितव्य (B) बसंतोत्सिव
(C) वसुंधरा (D) वांछनीय

191. (A) वाङ्मय (B) वाचस्पति
(C) वाजिब (D) वातानुकुलित

192. (A) वामांगी (B) वादानुवाद
(C) वारुणी (D) वात्रालाप

193. (A) विजिगीषा (B) विक्षेदक
(C) विच्छेदन (D) विचाराधीन

194. (A) विनियंत्रण (B) विध्वंसक
(C) विनयवनत (D) विनीत

195. (A) विस्मित (B) वीक्षणीय
(C) विस्फूर्जन (D) वीभत्ष

196. (A) शंषित (B) शक्ति
(C) शंबूक (D) व्रज्या

197. (A) शिच्छोन्नति (B) शिखरस्थ
(C) शिरोमणि (D) शिल्पत्व

198. (A) शुक्तिका (B) शीर्षक
(C) शुद्धीकरण (D) सुश्रूशा

199. (A) शैथिल्य (B) शृंखला
(C) श्रृंगारिक (D) शेशांष

200. (A) संत्रास (B) संदृष्ट
(C) संदिघत्व (D) संदिग्धार्य

201. (A) सन्पादक (B) संप्रत्यय
(C) संप्रदान (D) संप्रज्ञात

202. (A) सच्वित् (B) सर्चचिदानंद
(C) सच्चरित्र (D) सच्चाई

203. (A) समुन्नत (B) समस्थानिक
(C) समाजिक (D) समाधिस्थ

204. (A) साचिव्य (B) साच्छीगण
(C) साक्षात्कृत (D) सात्विक

205. (A) साद्रश्य (B) सामंजस्य
(C) सापेक्ष्यवाद (D) साम्राज्यवाद

206. (A) सीमांतवर्ती (B) सीमोलंघन
(C) सुख-सम्रद्धि (D) सुगंधित

207. (A) सुरमण्य (B) सुरार्चन
(C) सुह्रदय (D) सौभागशाली

208. (A) सुषुप्तावस्था (B) सूक्ष्मांकन
(C) सूच्छमातिसूक्ष्म (D) सूचकांक

209. (A) स्वस्त्यन
(B) स्वादिष्ट
(C) स्वाभाविक
(D) स्वामिवात्सलय

210. (A) हिताकांक्षी
(B) हिंगाष्टक चूर्ण
(C) हितैषिता
(D) हिमाक्षादित

211. (A) हिमांशु (B) हैमंतिक
(C) ह्रदयाश्वरी (D) हस्तांतरित

212. (A) ह्रितपिंड (B) हत्स्पंद
(C) हिमीकरण (D) हितेक्षुक

213. (A) ह्रदयाकाश
(B) हेतुमद् भूतकाल
(C) हिल्लोलित
(D) हस्तोद्योग

उत्तरमाला

1. (D) 2. (A) 3. (B) 4. (A) 5. (C)
6. (B) 7. (C) 8. (B) 9. (B) 10. (A)
11. (B) 12. (B) 13. (A) 14. (C) 15. (C)
16. (B) 17. (C) 18. (D) 19. (B) 20. (C)
21. (D) 22. (A) 23. (A) 24. (A) 25. (C)
26. (D) 27. (B) 28. (A) 29. (B) 30. (B)
31. (A) 32. (A) 33. (A) 34. (A) 35. (A)
36. (A) 37. (B) 38. (A) 39. (B) 40. (A)
41. (A) 42. (B) 43. (A) 44. (A) 45. (A)
46. (D) 47. (C) 48. (B) 49. (C) 50. (D)
51. (B) 52. (C) 53. (D) 54. (D) 55. (D)
56. (A) 57. (A) 58. (A) 59. (A) 60. (A)
61. (D) 62. (A) 63. (C) 64. (A) 65. (B)
66. (A) 67. (B) 68. (B) 69. (D) 70. (C)
71. (D) 72. (C) 73. (D) 74. (D) 75. (B)
76. (A) 77. (A) 78. (D) 79. (B) 80. (D)
81. (A) 82. (C) 83. (A) 84. (B) 85. (C)
86. (B) 87. (C) 88. (C) 89. (D) 90. (C)
91. (D) 92. (D) 93. (A) 94. (A) 95. (A)
96. (C) 97. (B) 98. (A) 99. (C) 100. (A)
101. (B) 102. (A) 103. (A) 104. (A) 105. (B)
106. (B) 107. (A) 108. (B) 109. (A) 110. (A)
111. (A) 112. (A) 113. (A) 114. (C) 115. (A)
116. (A) 117. (D) 118. (D) 119. (B) 120. (A)
121. (C) 122. (B) 123. (D) 124. (C) 125. (C)
126. (C) 127. (D) 128. (A) 129. (B) 130. (C)
131. (D) 132. (A) 133. (D) 134. (A) 135. (B)
136. (B) 137. (A) 138. (A) 139. (C) 140. (B)
141. (C) 142. (B) 143. (C) 144. (B) 145. (D)
146. (C) 147. (B) 148. (B) 149. (A) 150. (B)
151. (B) 152. (C) 153. (A) 154. (B) 155. (A)
156. (C) 157. (C) 158. (D) 159. (D) 160. (A)
161. (B) 162. (D) 163. (A) 164. (D) 165. (B)
166. (A) 167. (C) 168. (B) 169. (B) 170. (C)
171. (A) 172. (C) 173. (C) 174. (A) 175. (C)
176. (B) 177. (A) 178. (A) 179. (B) 180. (A)
181. (A) 182. (B) 183. (A) 184. (C) 185. (A)
186. (A) 187. (B) 188. (D) 189. (A) 190. (B)
191. (D) 192. (D) 193. (B) 194. (C) 195. (D)
196. (A) 197. (A) 198. (D) 199. (D) 200. (C)
201. (A) 202. (B) 203. (C) 204. (B) 205. (A)
206. (C) 207. (D) 208. (C) 209. (D) 210. (D)
211. (C) 212. (A) 213. (A)

विराम चिह्नों का प्रयोग

लिखित भाषा में विराम चिह्नों का प्रयोग अनिवार्य है. यदि भाषा में विराम चिह्नों का उचित स्थान पर प्रयोग नहीं किया गया है, तो अर्थ स्पष्ट नहीं हो सकेगा. हिन्दी में विराम चिह्नों का प्रयोग महावीर प्रसाद द्विवेदी की प्रेरणा से प्रारम्भ हुआ.

हिन्दी में प्रयुक्त विराम चिह्न

1.	अल्प विराम	,	(Comma)
2.	अर्द्ध विराम	;	(Semi Colon)
3.	पूर्ण विराम	।	(Full Stop)
4.	प्रश्नवाचक चिह्न	?	(Sign of Interogation)
5.	विस्मयादिबोधक चिह्न	!	(Sign of Exclamation)
6.	योजक चिह्न	-	(Hyphen)
7.	निर्देशक चिह्न	—	(Dash)
8.	विवरण चिह्न	:—	(Colon Dash)
9.	कोष्ठक चिह्न	( )	(Brackets)
10.	संक्षेप चिह्न	.	(Abrebiation)
11.	उद्धरण चिह्न	‘ ’	(Inverted Commas)
12.	हंसपद चिह्न	‸	—
13.	लोपसूचक चिह्न	XXX	(Cross)
14.	पुनरुक्ति चिह्न	” ”	(As on)
15.	तारक चिह्न	*	(Star)

विराम चिह्नों के प्रयोग की कतिपय सावधानियाँ

1. पूर्ण विराम का प्रयोग तभी किया जाता है जब वाक्य अर्थ की दृष्टि से पूर्ण हो जाए.
2. किसी भी संयोजक से पूर्व पूर्ण विराम का प्रयोग नहीं किया जाता.
3. प्रश्नवाचक वाक्य वह होता है जिसमें किसी उत्तर की अपेक्षा की गई है, केवल प्रश्नवाचक शब्द देखकर वाक्य के अन्त में प्रश्नवाचक का प्रयोग करना ठीक नहीं है.
4. अल्प विराम में कम ठहरना होता है, जबकि अर्द्धविराम में अधिक.
5. सम्बोधन विस्मय, हर्ष, घृणा, भय, व्यंग्य आदि की सूचना देने वाले वाक्यों में विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग किया जाता है.
6. योजक चिह्न का प्रयोग दो शब्दों के सम्बन्ध को दिखाने हेतु किया जाता है. द्वन्द्व समास में इसका प्रयोग होता है साथ ही विपरीतार्थक शब्द जब एक साथ प्रयुक्त हों, तब बीच में योजक चिह्न लगता है.
7. जब लिखते समय कोई शब्द छूट जाता है, तो जिन दो शब्दों के बीच शब्द छूटा हो वहाँ हंसपद चिह्न लगाकर उनके ऊपर बीच में वह शब्द लिख दिया जाता है.

विराम चिह्न भावभिव्यक्ति को स्पष्ट कर अर्थ को मुखरता एवं स्पष्टता प्रदान करते हैं. इसलिए उनका प्रयोग आवश्यक है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश—निम्नलिखित वाक्यों में विराम चिह्नों का प्रयोग कीजिए–

1. हाय वह मर गया. इस वाक्य में हाय के बाद कौनसा विराम चिह्न लगेगा ?
(A) अल्प विराम
(B) पूर्ण विराम
(C) विस्मयादिबोधक
(D) अर्द्धविराम

2. आपने अपना खेत बेच दिया–इस वाक्य में कौनसा चिह्न उपयुक्त है ?
   - (A) पूर्ण विराम
   - (B) निर्देशक चिह्न
   - (C) विस्मयादिबोधक चिह्न
   - (D) अर्द्ध विराम

3. 'रोको मत जाने दो' इस वाक्य में यदि वक्ता का तात्पर्य रोकने का है, तो अल्प विराम का प्रयोग कहाँ करना चाहिए ?
   - (A) रोको के बाद
   - (B) मत के बाद
   - (C) वाक्य के अन्त में
   - (D) जहाँ चाहें वहाँ

4. आपके पिताजी क्या करते हैं इस वाक्य में उचित विराम चिह्न कौनसा लगेगा ?
   - (A) वाक्य के अन्त में पूर्ण विराम
   - (B) वाक्य के अन्त में प्रश्नवाचक चिह्न
   - (C) वाक्य के अन्त में विस्मयादि बोधक
   - (D) इनमें से कोई नहीं

5. छिः कितनी गंदी जगह है. इस वाक्य में छिः के बाद किस चिह्न का प्रयोग होगा ?
   - (A) पूर्ण विराम
   - (B) विस्मयादिबोधक चिह्न
   - (C) निर्देशक चिह्न
   - (D) कोष्ठक चिह्न

6. और से पहले वाक्य में कौनसा चिह्न लगता है ?
   - (A) पूर्ण विराम (B) अल्प विराम
   - (C) अर्द्ध विराम (D) कोई नहीं

7. अरे भाई तुम बैठे बैठे क्यों रो रहे हो में उचित विराम चिह्नों से युक्त वाक्य कौनसा है ?
   - (A) अरे भाई ! तुम बैठे-बैठे क्यों रो रहे हो ।
   - (B) अरे भाई ! तुम बैठे-बैठे क्यों रो रहे हो ?
   - (C) अरे भाई तुम बैठे-बैठे क्यों रो रहे हो ।
   - (D) अरे भाई ! तुम बैठे बैठे क्यों रो रहे हो ?

8. रामचन्द्र शुक्ल का कथन है बैर, क्रोध का अचार या मुरब्बा है सही विराम चिह्नों से युक्त वाक्य इनमें से कौनसा है ?
   - (A) रामचन्द्र शुक्ल का कथन है–"बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है."
   - (B) रामचंद्र शुक्ल का कथन है "बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है."
   - (C) रामचंद्र शुक्ल का कथन है "बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है."
   - (D) इनमें से कोई नहीं

9. तुम्हारी निष्ठुरता तुम्हारी निर्लज्जता तुम्हारा अविवेक अन्याय विगर्हणीय है तुम धन्य हो तुम्हें धिक्कार है–इस वाक्य में सही स्थानों पर विराम चिह्न लगाने से कौनसा वाक्य बनेगा?
   - (A) तुम्हारी निष्ठुरता; तुम्हारी निर्लज्जता; तुम्हारा अविवेक; अन्याय विगर्हणीय है। तुम धन्य हो, तुम्हें धिक्कार है।
   - (B) तुम्हारी निष्ठुरता, तुम्हारी निर्लज्जता, तुम्हारा अविवेक-अन्याय विगर्हणीय है। तुम धन्य हो! तुम्हें धिक्कार है!
   - (C) तुम्हारी निष्ठुरता, तुम्हारी निर्लज्जता; तुम्हारा अविवेक, अन्याय विगर्हणीय है। तुम धन्य हो, तुम्हें धिक्कार है।
   - (D) इनमें से कोई नहीं

10. 'भाइयो बिना परिचय का यह प्रेम कैसा' वाक्य का सही रूप है–
    - (A) भाइयो ! बिना परिचय का यह प्रेम कैसा ?
    - (B) भाइयो, बिना परिचय का यह प्रेम कैसा ?
    - (C) भाइयो, बिना परिचय का यह प्रेम कैसा ।
    - (D) भाइयो; बिना परिचय का यह प्रेम कैसा !

उत्तरमाला

1. (C) 2. (A) 3. (A) 4. (B) 5. (B)
6. (D) 7. (B) 8. (A) 9. (B) 10. (A)

पारिभाषिक शब्दावली

वे शब्द जो किसी सुनिश्चित अर्थ में प्रयुक्त होते हैं, पारिभाषिक शब्द कहे जाते हैं. डॉ. गोपाल शर्मा के अनुसार–"किसी ज्ञान विशेष के क्षेत्र में एक निश्चित अर्थ में प्रयुक्त शब्द पारिभाषिक शब्द कहलाते हैं. इनका अर्थ एक परिभाषा द्वारा स्थिर कर दिया जाता है."

पारिभाषिक शब्दों का अर्थ नियत एवं सुनिश्चित होता है तथा एक अर्थ को व्यक्त करने वाला एक ही शब्द होता है. पारिभाषिक शब्दों के अर्थ में अस्पष्टता, संदिग्धता नहीं होनी चाहिए. यथासम्भव ये शब्द संक्षिप्त सरल एवं व्याकरणिक नियमों के अनुसार होने चाहिए.

पारिभाषिक शब्दों की रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, संधि के द्वारा की जाती है. यहाँ विविध क्षेत्रों में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली दी जा रही है–

अंग्रेजी शब्द	उच्चारण	हिन्दी पर्याय
Abstract	एब्सट्रेक्ट	सार
Abode	एबोड	आवास
Abbreviation	एब्रीविएशन	संक्षेप
Academic	एकेडेमिक	शैक्षणिक
Acceptance	एक्सपटेंस	स्वीकृति
Act	एक्ट	अधिनियम
Adjourn	एडजोर्न	स्थगित
Abscond	एब्सकोंड	फरार
Amended	एमेण्डिड	संशोधित
Award	एवार्ड	पंचनिर्णय
Adverse	एडवर्स	प्रतिकूल
Adopt	एडोप्ट	अंगीकृत
Affirm	एफर्म	पुष्टि
Authentic	अथेन्टिक	प्रामाणिक
Acting	एक्टिंग	कार्यकारी
Accused	एक्यूज्ड	अभियुक्त
Accident	एक्सीडेंट	दुर्घटना
Administration	एडमिनिस्ट्रेशन	प्रशासन
Agenda	एजेण्डा	कार्यवृत्त
Acord	एकॉर्ड	अभिसन्धि
Affidavit	एफीडेविट	शपथ-पत्र
Action	एक्शन	कार्यवाही
Accountability	एकाउंटेबिलिटी	जवाबदेही
Ability	एबिलिटी	योग्यता
Attested	एटेस्टड	प्रमाणित
Admissible	एडमिसिबिल	स्वीकार्य
Avoidable	एवॉयडेबल	परिहार्य
Admitted	एडमिटेड	प्रविष्ट
Account	एकाउंट	लेखा
Accountant	एकाउटेंट	लेखाकार
Accountant-General	एकाउंटेंट-जनरल	महालेखाकार
Activity	एक्टीविटी	गतिविधि
Adhoc	एडहॉक	तदर्थ
Additional	एडीशनल	अतिरिक्त
Allegation	एलीगेशन	आरोप
Article	आर्टीकिल	अनुच्छेद
Annual	एनुअल	वार्षिक
Approved	एप्रूव्ड	स्वीकृत
Assets	एसेट्स	परिसम्पत्ति
Allowance	एलाउंस	भत्ता
Allotment	एलौटमेंट	आवंटन
Anarchy	एनार्की	अराजकता
Appendix	एपेंडिक्स	परिशिष्ट
Accused	एक्यूज्ड	अभियुक्त
Adequate	एडीक्वेट	पर्याप्त
Annual	एनुअल	वार्षिक
Atpar	एटपार	सममूल्य पर
Audit	ऑडिट	लेखा परीक्षा
Auditer	ऑडीटर	लेखा परीक्षक

Assign	एसाइन	नियत करना
Acknowledge	एकनोलिज	अभिस्वीकृति
Assent	एसेंट	अनुमति
Adult	एडल्ट	वयस्क
Addition	एडीशन	परिवर्द्धन
Alteration	अल्ट्रेशन	परिवर्तन
Agency	एजेंसी	अभिकरण
Agent	एजेंट	अभिकर्ता
Alternate	अल्टरनेट	विकल्प
Amendment	एमेण्डमेंट	संशोधन
Arbitration	आर्बीट्रेशन	विवाचन
Bail	बेल	जमानत
Bench	बेंच	न्यायपीठ
Brief	ब्रीफ	संक्षिप्त
Ballot	बैलट	मतपत्र
Brive	ब्राइव	रिश्वत
Ban	बैन	प्रतिबंध
Bilateral	बाइलेटरल	द्विपक्षीय
Basic Pay	बेसिक पे	मूल वेतन
Brokerage	ब्रोकरेज	दलाली
Bonus	बोनस	अधिलाभांश
Bequest	बीक्वेस्ट	जमानत
Byorder	बाइऑर्डर	आदेशानुसार
Bill	बिल	विधेयक
Bond	बॉण्ड	बंधपत्र
Bearer	बीयरर	धारक
Bid	बिड	नीलामी
ByLaw	बाइलॉ	उपविधि
Back ground	बैकग्राउण्ड	पृष्ठभूमि
Body	बॉडी	निकाय
Cadre	केडर	संवर्ग
Census	सेंसश	जनगणना
Cabinet	कैबिनेट	मंत्रिमण्डल
Confidential	कॉन्फीडेंशियल	गोपनीय
Cartage	कार्टेज	मालभाड़ा
Comment	कमेन्ट	टीका-टिप्पणी
Consent	कन्सेन्ट	सम्मति
Campus	कैम्पस	परिसर
Culprit	कल्प्रिट	अपराधी
Concise	कन्साइज	संक्षेप
Calculator	कैलकूलेटर	संगणक
Customs	कस्टम्स	सीमा शुल्क
Counter	काउंटर	पटल
Custody	कस्टडी	अभिरक्षा
Capital Sentence	कैपीटल सेंटेंस	मृत्यु दण्ड
Chief Justic	चीफ जस्टिस	मुख्य न्यायाधीश
Campaign	कैम्पेन	अभियान
Credibility	क्रेडीबिलटी	विश्वसनीयता
Chargesheet	चार्जशीट	आरोप-पत्र
Chief Engineer	चीफ इंजीनियर	मुख्य अभियंता
Convention	कन्वेंशन	रूढ़ि
Convene	कन्वीन	संयोजन
Competent	कॉम्पीटेंट	सक्षम
Controversy	कन्ट्रोवर्सी	विवाद
Demolish	डिमोलिश	नष्ट करना
Defender	डिफेंडर	प्रतिरक्षक

Detention	डिटेंशन	अवरोधक
Dissolution	डिजोल्यूशन	विघटन
Division	डिवीजन	मण्डल
Ditto	डिटो	यथोपरि
Dissent	डिसेन्ट	विमति
Duly	ड्यूली	यथाविधि
Deed	डीड	अनुबंध-पत्र
Directory	डाइरेक्टरी	निर्देशिका
Duplicate	डुप्लीकेट	अनुलिपि
Deponent	डिपोनेंट	अभिसाक्षी
Data	डाटा	आँकड़े
Duty	ड्यूटी	कर्तव्य, शुल्क
Dismiss	डिसमिस	निरस्त
Defecto	डिफेक्टो	वस्तुत:
Deprived	डिप्राइव्ड	वंचित
Disobidience	डिसओबीडिएंस	अवज्ञा
Eviction	इविक्शन	बेदखली
Executive	एक्जीक्यूटिव	अधिशासी
Estimate	एस्टीमेट	प्राकलन
Endorsement	एंडोर्समेंट	पृष्ठांकन
Embezzlement	एंबेजलमेंट	गबन
Elimination	एलीमिनेशन	निष्कासन
Earned leave	अर्न्ड लीव	अर्जित अवकाश
Extract	एक्सट्रेक्ट	सार
Escort	एस्कोर्ट	अनुरक्षक
Exgratia	एक्सग्रेसिया	अनुग्रह राशि
Indent	इण्डेंट	माँगपत्र
Implement	इम्पलीमेंट	कार्यान्वित
Initials	इनीशियल्स	आद्यक्षर (हस्ताक्षर)
Identity	आइडेंटिटी	पहचान
Identity Card	आइडेंटिटी कार्ड	पहचान-पत्र
Institute	इंस्टीट्यूट	संस्थान
Injuction	इंजक्शन	निषेधाज्ञा
Issue	इशू	निर्गम
Integrity	इंटेग्रिटी	सत्यनिष्ठा
Intoto	इनटोटो	समग्रत:
Invoice	इनवॉइस	बीजक
Interim	इन्टरिम	अन्तरिम
Inforce	इन्फोर्स	लागू
Interrogation	इण्टेरोगेशन	प्रति प्रश्न
Irrelevant	इर्रिलेवेण्ट	असम्बद्ध
Isolation	आइसोलेशन	पृथक्करण
Invalid	इनवैलिड	अविधिमान्य
Judgement	जजमेण्ट	निर्णय
Judicial	जुडीशियल	न्यायिक
Justify	जस्टीफाई	उचित सिद्ध करना
Joined Duty	जोइण्ड ड्यूटी	कार्यभार ग्रहण करना
Judgement in Appeal	जजमेण्ट इन अपील	अपील का निर्णय
Judge	जज	न्यायाधीश

Judiciary	जुडीशियरी	न्यायपालिका
Joint	ज्वाइंट	संयुक्त
Junior	जूनियर	कनिष्ठ
Jurisdiction	जर्सिडिक्शन	अधिकार क्षेत्र
Jail	जेल	कारागार
Juvenile Court	जुबेनाइल कोर्ट	बाल न्यायालय
Justice	जस्टिस	न्यायमूर्ति
Kidnapping	किडनैपिंग	अपहरण
Kidnapper	किडनेपर	अपहरणकर्ता
Kidnapped	किडनेप्ड	अपहृत
Kept pending	केप्ट पैंडिंग	निलम्बित रखो
Keep	कीप	रखैल
Lapse	लैप्स	समापन
Legal	लीगल	विधिक
Licence	लाइसेंस	अनुज्ञप्ति
Lien	लियन	ग्रहणाधिकार
File	फाइल	पत्रावली
Fair Copy	फेयर कॉपी	स्वच्छ प्रति
Fresh Receipt	फ्रेश रिसीप्ट	तुरन्त प्राप्त
Finger Print	फिंगर प्रिन्ट	उँगलियों की छाप
False	फाल्स	झूठा
Forbidden	फोरबिडिन	निषिद्ध
Forego	फोरगो	छोड़ना
Forced	फोर्स्ड	बलयुक्त
Forfeited	फोरफिटिड	जब्त
Forgery	फोर्जरी	जालसाजी
Forged	फोर्ज्ड	जाली
Formal	फॉर्मल	औपचारिक
Fraud	फ्रॉड	धोखा
Fund	फन्ड	निधि
Foot note	फुटनोट	पाद टिप्पणी
Finance	फाइनेंस	वित्त
Forged	फोर्ज्ड	जाली
Freight	फ्रेट	मालभाड़ा
Grant	ग्रांट	अनुदान
Gazzette	गजेट	राजपत्र
Government	गवर्नमेंट	सरकार
Governor	गवर्नर	राज्यपाल
Grievance	ग्रीवांस	शिकायत
Guilty	गिल्टी	अपराधी
Grace Period	ग्रेस पीरियड	अनुग्रहकाल
Guardian	गार्जियन	संरक्षक (अभिभावक)
Guarantee	गारण्टी	प्रत्याभूति
Gift Tax	गिफ्ट टैक्स	उपहार कर
His Majesty	हिजमैजेस्टी	महामहिम
Head Quarter	हैडक्वार्टर	मुख्यालय
High Commission	हाईकमीशन	राजदूतावास
High Commissioner	हाईकमिश्नर	राजदूत
Hard and Fast Rule	हार्ड एण्ड फास्ट रूल	पक्का नियम
Here With	हियर विद	इसके साथ

Enclosed	एनक्लोज्ड	संलग्न
High Court	हाईकोर्ट	उच्च न्यायालय
Heir at Law	हेयर एट लॉ	वैधानिक उत्तराधिकारी
Heritage	हैरीटैज	पैतृक सम्पत्ति
Hindrance	हिण्ड्रेन्स	बाधा
Hostile	होस्टाइल	विद्रोही
Hypothecate	हाइपोथिकेट	गिरवी
Habeus Corpus	हैबियस कार्पस	बन्दी प्रत्यक्षीकरण
House Rent Allowance	हाउस रेण्ट एलाउन्स	मकान किराया भत्ता
Legislature	लेजिस्लेचर	विधानमण्डल
Liasion	लायजन	सम्पर्क
Local Body	लोकलबॉडी	स्थानीय निकाय
Legitimate	लेजिटीमेट	तर्कसंगत, वैध
Levy	लेवी	उद्ग्रहण
Labour	लेवर	श्रम, श्रमिक
Liable	लाइएबिल	देनदार
Litigation	लिटीगेशन	मुकदमेबाजी
Liability	लाइबिलटी	देनदारी
Lockup	लॉकअप	हवालात
Lockout	लॉकआउट	तालाबन्दी
Local Tax	लोकल टैक्स	स्थानीय कर
Ledger	लेजर	खाता
Leter of Attorney	लेटर ऑफ अटार्नी	मुख्तारनामा
Legal Action	लीगल एक्शन	कानूनी कार्यवाही
Minor	माइनर	अवयस्क
Malafied	मैलाफाइड	दुर्भावना पूर्ण
Major	मेजर	वयस्क
Murder	मर्डर	कत्ल, हत्या
Mal Practice	मेल प्रैक्टिस	दुराचार
Matured Claim	मैच्योर्ड क्लेम	परिपक्व दावा
Misconduct	मिसकण्डक्ट	दुर्व्यवहार
Manual	मेनुअल	नियमपुस्तिका
Misuse	मिसयूज	दुरुपयोग
Mystic Will	मिस्टिक विल	गोपनीय वसीयत
Motive	मोटिव	प्रयोजन
MassMedia	मासमीडिया	जनसंचार
Minthouse	मिंटहाउस	टकसाल
Manifesto	मेनीफेस्टो	घोषणा-पत्र
Merger	मर्जर	विलयन
Mortgage	मॉर्गेज	बंधक
Mandatory	मैंडेटरी	अनिवार्य
Monetary Fund	मोनेटरी फंड	मुद्राकोष
Ministry	मिनिस्ट्री	मंत्रालय
Minister	मिनिस्टर	मंत्री
Museum	म्यूजियम	संग्रहालय
Migration	माइग्रेशन	प्रव्रजनन
Minute Book	मिनट बुक	कार्य विवरण पुस्तिका
Nul and Void	नल एण्ड वोयड	व्यर्थ और विफल
Notified	नोटीफाइड	अधिसूचित
Nomination	नोमीनेशन	नामांकन
Norms	नॉर्म्स	परिनियम
Natural Justic	नेचुरल जस्टिस	प्राकृतिक न्याय
Negligence	नेगलीजेन्स	उपेक्षा
No Objection	नो ऑब्जेक्शन	आपत्ति नहीं
Non-Statutory	नॉन-स्टेट्यूटरी	अविधिमान्य
Nepotism	नेपोटिज्म	भाईभतीजावाद
Nonviolent	नॉनवायलेंट	अहिंसात्मक
Nominee	नॉमिनी	नामित
Note of dissent	नोट ऑफ डिसेंट	विमति
Naval	नेवल	नौसेना
Headquarters	हैडक्वार्टर्स	मुख्यालय
Negotiations	नेगोशिएशंस	बातचीत
Nationalisation	नेशनलाइजेशन	राष्ट्रीयकरण
Obligatory	ऑब्लीगेटरी	बाध्यकारी
Obliged	ऑब्लाइज्ड	कृतज्ञ
Official	ऑफीशियल	शासकीय
Officiating	ऑफीसियेटिंग	स्थानापन्न
Oath	ओथ	शपथ
Offender	अफेंडर	अपराधी
Octroi Duty	ऑक्ट्रॉय ड्यूटी	चुंगीकर
On Probation	ऑन प्रोबेशन	परिवीक्षा कर
Ordinance	ऑर्डिनेन्स	अध्यादेश
Operation	ऑपरेशन	शल्य क्रिया
Office	ऑफिस	कार्यालय
Offence	ऑफेन्स	अपराध
Organiser	ऑर्गनाइजर	आयोजक
Original	ऑरिजिनल	मौलिक
Objection	ऑब्जेक्शन	आपत्ति
Order	ऑर्डर	आदेश
Opponent	अपोनेण्ट	प्रतिवादी
Objectionable	ऑब्जेक्शनेबल	आपत्तिजनक
Occupant	ऑक्यूपेण्ट	कब्जादार
Original	ऑरिजिनल	मूल
Opinion	ओपीनियन	अभिमत
Petitioner	पिटीशनर	प्रार्थी
Post Script	पोस्ट स्क्रिप्ट	पुनश्च
Patron	पैट्रन	संरक्षक
Penal Code	पीनल कोड	दण्ड संहिता
Prima Facie	प्राइमा-फेसी	प्रथम दृष्ट्या
Process	प्रोसेस	प्रक्रिया
Pending	पेण्डिंग	अनिर्णीत
Procecuter	प्रौसीक्यूटर	अभियोजक
Procecution	प्रौसीक्यूशन	अभियोजन
Permission	परमीशन	अनुज्ञा
Prohibited	प्रोहिबिटेड	निषिद्ध
Provision	प्रोवीजन	उपबन्ध
Petition	पिटीशन	याचिका
Record	रिकॉर्ड	अभिलेख
Regret	रिग्रेट	खेद
Remark	रिमार्क	अभ्युक्ति
Relieved	रिलीव्ड	कार्यमुक्त
Routine	रुटीन	नैत्यिक
Receipent	रिसीपेंट	आदाता
Reject	रिजेक्ट	अस्वीकृत
Retrial	रिट्राइल	पुन:विचार
Respondent	रेस्पोण्डेण्ट	प्रतिवादी
Reserved	रिजर्व्ड	सुरक्षित
Rustication	रस्टीकेशन	निष्कासन
Ruling	रूलिंग	व्यवस्था
Resign	रिजाइन	पदत्याग
Restrain	रिस्ट्रेन	अवरुद्ध
Relevent-Question	रिलेवेण्ट-क्वैश्चन	संगत-प्रश्न
Requisition	रिक्विजीशन	अभियाचन
Requisitioner	रिक्विजिशनर	अभियाचक
Regulation	रेगुलेशन	अधिनियम
Relaxed	रिलेक्सड	शिथिलीकृत
Regulation	रिगुलेशन	विनियम
Regulated	रेगुलेटिड	विनियमित
Redical-Changes	रेडीकल-चेन्चेज	आमूल-परिवर्तन
Registration	रजिस्ट्रेशन	पंजीकरण
Report	रिपोर्ट	प्रतिवेदन
Raid	रेड	छापा
Review	रिव्यू	समीक्षा
Rectification	रेक्टीफिकेशन	संशोधन
Reassessment	रिएसेसमेण्ट	पुनर्निर्धारण
Revenue	रिवेन्यू	राजस्व
Recognition	रिकॉगानेशन	मान्यता
Revert	रिवर्ट	पदावनत
Revenue Board	रिवेन्यू बोर्ड	राजस्व परिषद्
Return	रिटर्न	विवरणी, प्रतिलाभ
Statics	स्टेटिक्स	सांख्यिकी
Security	सीक्यूरिटी	सुरक्षा
Officer	ऑफीसर	अधिकारी
Standard	स्टैण्डर्ड	मानक
Suspend	सस्पैंड	निलम्बित
Sabotage	सेबोटेज	अधिध्वंस
Surveyer	सर्वेयर	सर्वेक्षक
Survey	सर्वे	सर्वेक्षण
Seen and Passed	सीन एण्ड पास्ड	देखा ओर अनुमोदित किया
Safe Custody	सेफ कस्टडी	अभिरक्षा
Session	सेशन	सत्र
Surrender	सरेण्डर	समर्पण
Statement	स्टेटमेण्ट	बयान
Schedule	शिड्यूल	अनुसूची
Schedule-Cast	शिड्यूल-कास्ट	अनुसूचित-जाति
Served	सर्व्ड	तामील हुई
Sovereign	सोवरिन	प्रभुता सम्पन्न
Section	सेक्शन	धारा
Supplementary	सप्लीमेण्टरी	अनुपूरक
Sedition	सेडीशन	राजद्रोह
Secondary-Evidences	सेकेण्डरी-एवीडेन्स	गौण-साक्ष्य
Security Bond	सिक्योरिटी बॉण्ड	प्रतिभूति प्रतिज्ञा-पत्र
Sentence of Death	सेण्टेन्स ऑफ डैथ	प्राणदण्ड

Summary Trial	समरी ट्राइल	संक्षिप्त वाद
Surveilance	सर्वेलैंस	निगरानी
Supreme Court	सुप्रीम कोर्ट	सर्वोच्च न्यायालय
Sole Trustee	सोल ट्रस्टी	एकल न्यासी
Suspension	सस्पेंशन	निलम्बन
Scholrship	स्कॉलरशिप	छात्रवृत्ति
Search Warrant	सर्चवारंट	तलाशी अधिपत्र
Solution	सोल्यूशन	हल
Superintendent	सुपरिंटेंडेंट	अधीक्षक
Senior	सीनियर	वरिष्ठ
Social Welfare	सोशल वेलफेयर	समाज-कल्याण
Stay Order	स्टे ऑर्डर	स्थगन आदेश
Signature	सिगनेचर	हस्ताक्षर
Specimen	स्पेसीमेन	नमूना
Scientific	साइंटिफिक	वैज्ञानिक
Secretariate	सेक्रेटेरिएट	सचिवालय
Secrctary	सेक्रेटरी	सचिव
Statute	स्टेट्यूट	विधान
Substiture	सबस्टीट्यूट	प्रतिस्थानी
Surcharge	सरचार्ज	अधिभार
Supersead	सुपरसीड	अतिक्रमण
Sole Trustee	सोल ट्रस्टी	एकल न्यासी
Suit	सूट	वाद
Statement	स्टेटमेंट	अभिकथन
Surrender	सरेंडर	समर्पण
Submitted	सबमिटिड	प्रस्तुत किया
Sanctioned	सेंक्शण्ड	स्वीकृत
Time Barred	टाइम बार्ड	कालातीत
Top Secret	टॉप सीक्रेट	अत्यधिक गुप्त
Trade Mark	ट्रेडमार्क	व्यापार चिह्न
Tax-Free	टैक्स-फ्री	कर मुक्त
Territorial	टेरीटोरियल	प्रादेशिक
Integrity	इण्टीग्रिटी	अखण्डन
Town Area	टाउन एरिया	नगर क्षेत्र
Trabal Area	ट्राइबल एरिया	आदिवासी क्षेत्र
Trial Period	ट्राइल-पीरियड	परीक्षण-काल
True Copy	ट्रू कॉपी	सत्य प्रतिलिपि
Trade Union	ट्रेड यूनियन	श्रमिक संघ
Translation	ट्रान्सलेशन	अनुवाद
Tribal Welfare	ट्राइबल-वेलफेयर	आदिवासी कल्याण-
Tender	टेण्डर	निविदा
Treasury	ट्रेजरी	कोषागार
Tracer	ट्रेसर	अनुरेखक
Testimony	टेस्टीमनी	अभिसाक्ष्य
Trial	ट्रायल	वाद
Tribunal	ट्रिब्यूनल	न्यायाधिकरण
Toll Tax	टोलटैक्स	पथकर
Testimonial	टेस्टीमोनियल	प्रशस्तिपत्र
Technician	टेकनीशियन	तकनीक विशेषज्ञ
Tabulator	टेबुलेटर	सारणीकार
Tabulation	टेबुलेशन	सरणीयन
Transition	ट्रांजीशन	संक्रमण
Unavoidable	अनएवोइडेबल	अपरिहार्य
Ununimously	अनयूनीमसली	सर्वसम्मति से
Unco-operative	अनकोपरेटिव	असहयोगी
Unconfirmed	अनकन्फर्म्ड	अपुष्ट
Undignified	अनडिग्नीफाइड	अभद्र
Union-Territory	यूनियन-टैरीटरी	संघ-शासित क्षेत्र
Under-consideration	अण्डर-कन्सीडरेश्न	विचाराधीन
Unbalanced	अनबेलेन्स्ड	असन्तुलित
Underage	अण्डरएज	अवयस्क
Union Public Service Commission	यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन	संघ लोक सेवा आयोग
Unparliamentary Word	अनपार्लियामेण्टरी वर्ड	असंसदीय शब्द
Upper Division Clerk	अपर डिवीजन क्लर्क	उच्च श्रेणी लिपिक
Unusual	अन यूजुअल	असामान्य
Undue	अनड्यू	अनुचित
Unavoidable	अनअवायडेबल	अपरिहार्य
Urban	अरबन	नगरीय
Unilateral	यूनीलेटरल	एकपक्षीय
Unregistered	अनरजिस्टर्ड	अपंजीकृत
Ultimately	अल्टीमेटली	अंततोगत्वा
Under Trial	अन्डरट्रायल	विचाराधीन
Undersigned	अंडरसाइंड	अधोहस्ताक्षरी
Undelieverd	अनडिलीवर्ड	अवितरित
Undertaking	अण्डरटेकिंग	वचनबद्धता
Urgent	अर्जेंट	आवश्यक
Unit	यूनिट	इकाई
Uptodate	अपटूडेट	अद्यावधि
Ultimatum	अल्टीमेटम	चेतावनी
Unofficial	अनऑफीसियल	अनौपचारिक
Visa	वीसा	पारपत्र
Veto	वीटो	निषेधाधिकार
Validity	वैलेडिटी	वैधता
Vaccancy	वैकेंसी	रिक्ति
Vigilant	विजीलेंट	सतर्क
Verified	वैरीफाइड	सत्यापित
Valid	वैलिड	वैध
Violation	वायलेशन	उल्लंघन (अतिक्रमण)
Verdict	वर्डिक्ट	अभिमत
Venue	वेन्यू	स्थान
Vindicative	विंडीकेटिव	दण्डात्मक
Vague	वेग	अस्पष्ट
Ward	वार्ड	पाल्य
Will	विल	वसीयत (इच्छापत्र)
Writt	रिट	याचिका
Working Plan	वर्किंगप्लान	कार्ययोजना
Warrant	वारंट	अधिपत्र
Yours	योर्स	आपका
Faithfully	फेथफुली	विश्वासपात्र
Yours	योर्स	आपका
Sincerly	सिन्सयरली	सद्भावी
Zone	जोन	मण्डल
Zonal	जोनल	मण्डलीय
Zero hour	जीरोआवर	शून्यकाल

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश—निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी पर्याय बताइए—

1. **Administration**
(A) शासन (B) प्रशासन
(C) अनुशासन (D) स्वशासन

2. **Department**
(A) विभाग (B) अनुभाग
(C) प्रभाग (D) सौभाग्य

3. **Procedure**
(A) प्रविधि
(B) कार्यविधि
(C) उपाय
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. **Government**
(A) शासन (B) प्रशासन
(C) सरकार (D) उपर्युक्त सभी

5. **Literacy**
(A) साक्षर (B) साक्षरता
(C) शिक्षा (D) शैक्षिक

6. **Foot Note**
(A) पाद टिप्पणी
(B) टिप्पणी
(C) पुनश्च
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. **Gazette**
(A) शासकीय-पत्र (B) समाचार-पत्र
(C) राजपत्र (D) राजपत्रित

8. **Manifesto**
(A) अधिघोषणा
(B) वायदा-पत्र
(C) घोषणा-पत्र
(D) चुनाव अधिघोषणा

9. **Alleged**
(A) आरोपी (B) अभियोग
(C) अपराधी (D) मुजरिम

10. **Veto**
(A) विशेषाधिकार
(B) अधिकार
(C) निषेधाकार
(D) इनमें से कोई नहीं

11. **Sedition**
(A) आत्महत्या (B) राजद्रोह
(C) धर्मद्रोह (D) द्रोह

12. **Scholarship**
(A) छात्रवृत्ति (B) अनुदान
(C) अभिवृत्ति (D) जीविका

13. **Grant**
(A) सहायता (B) अनुदान
(C) राजकोष (D) वित्तीय

14. **Affidavit**
(A) एफीडेविट (B) शपथ-पत्र
(C) घोषणा-पत्र (D) कानूनी-पत्र

निर्देश–निम्नलिखित हिन्दी शब्दों के लिए पारिभाषिक अंग्रेजी शब्द चुनिए–

15. **जमानत**
(A) Bail
(B) Well
(C) Avail
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

16. **तर्क**
(A) Argument (B) Adjourn
(C) Judgement (D) उपर्युक्त सभी

17. **संक्षेप**
(A) Summary
(B) Brief
(C) Precie
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. **वसीयत**
(A) Bill
(B) Bequest
(C) Bribe
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. **प्रमाणित**
(A) Attested
(B) Certified
(C) Notified
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

निर्देश–निम्नलिखित शब्दों के समुचित हिन्दी पर्याय बताइए–

20. **Evasion**
(A) अपवंचन
(B) करावंचन
(C) वंचन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

21. **Constitution**
(A) प्रावधान
(B) विधान
(C) संविधान
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. **Guarantee**
(A) प्रत्याभूति (B) अनुभूति
(C) सहानुभूति (D) संरक्षण

23. **Formal**
(A) अनौपचारिक
(B) औपचारिक
(C) औपचारिकता
(D) अनौपचारिकता

24. **Trustee**
(A) ट्रस्टी (B) न्याय
(C) न्यासी (D) उपर्युक्त सभी

25. **Zonal**
(A) मण्डल (B) मण्डलीय
(C) स्थानीय (D) विदेशी

26. **Writt**
(A) याचिका (B) विशेषाधिकार
(C) वादी (D) प्रतिवादी

27. **Validity**
(A) वैध
(B) अवैध
(C) वैधता
(D) इनमें से कोई नहीं

28. **Amended**
(A) संशोधन (B) संशोधित
(C) परिवर्द्धन (D) परिवर्द्धित

29. **Agenda**
(A) कार्यवृत्त (B) सूची
(C) अभिसंधि (D) दुर्घटना

30. **Attested**
(A) सत्य प्रतिलिपि (B) हस्ताक्षरित
(C) प्रमाणित (D) उपयुक्त

31. **Accused**
(A) आरोपी (B) अभियुक्त
(C) वादी (D) प्रतिवादी

32. **Cabinet**
(A) अलमारी (B) मंत्री
(C) मंत्रिमण्डल (D) मुख्य सचिव

33. **Secretary**
(A) सचिव (B) मंत्री
(C) आयुक्त (D) जिलाधीश

34. **Confidential**
(A) विचारणीय
(B) गोपनीय
(C) अनुज्ञप्ति
(D) इनमें से कोई नहीं

35. **Counter**
(A) गणक (B) पटल
(C) पंजिका (D) त्वरित

36. **Registration**
(A) पंजीकृत
(B) पंजीकार
(C) पंजीकरण
(D) इनमें से कोई नहीं

37. **Bilateral**
(A) द्विपक्षीय
(B) द्विविध
(C) प्रतिपक्षी
(D) इनमें से कोई नहीं

38. **Body**
(A) चुंगी (B) सीमाशुल्क
(C) निकाय (D) शरीर

39. **Commissioner**
(A) आयोग (B) आयुक्त
(C) उपसचिव (D) मण्डलाधीश

40. **Senior**
(A) कनिष्ठ (B) ज्येष्ठ
(C) बड़ा (D) वरिष्ठ

41. **Citizen**
(A) नागरिक (B) नगरीय
(C) शहरी (D) ग्रामीण

42. **Appendix**
(A) अवशिष्ट (B) परिशिष्ट
(C) अनुसूची (D) कार्यसूची

43. **Campus**
(A) क्षेत्र (B) आवासीय
(C) परिसर (D) अनुकूलन

44. **Justice**
(A) न्यायालय (B) न्यायमूर्ति
(C) न्यायपालिका (D) मजिस्ट्रेट

45. **District Magistrate**
(A) जिलाधिकारी
(B) जिला पंचायत
(C) सचिव
(D) कलक्टर

46. **Issue**
(A) नियम (B) निर्गम
(C) बीमा (D) बच्चा

47. **Direction**
(A) निर्देशन (B) निर्देशक
(C) अनुदेशक (D) संवीक्षक

48. **Licence**
(A) विज्ञप्ति
(B) अनुज्ञप्ति
(C) अनुज्ञापन
(D) इनमें से कोई नहीं

49. **Supreme Court**
(A) न्यायालय
(B) उच्च न्यायालय
(C) उच्चतम न्यायालय
(D) हाईकोर्ट

50. **Misuse**
(A) दुरुपयोग (B) कदाचार
(C) सदाचार (D) दुरभिसंधि

उत्तरमाला

1. (B) 2. (A) 3. (B) 4. (C) 5. (B)
6. (A) 7. (C) 8. (C) 9. (A) 10. (C)
11. (B) 12. (A) 13. (B) 14. (B) 15. (A)
16. (A) 17. (B) 18. (B) 19. (B) 20. (A)
21. (C) 22. (A) 23. (B) 24. (C) 25. (B)
26. (A) 27. (C) 28. (B) 29. (A) 30. (C)
31. (B) 32. (C) 33. (A) 34. (B) 35. (B)
36. (C) 37. (A) 38. (C) 39. (B) 40. (D)
41. (A) 42. (B) 43. (C) 44. (B) 45. (A)
46. (B) 47. (A) 48. (B) 49. (C) 50. (A)

●●●

पर्यायवाची शब्द

अंग्रेजी विद्वान् **Nesfield** के अनुसार—'A word having the same or nearly the same meaning as another.' अर्थात् किसी शब्द के समान अथवा लगभग समान अर्थ का बोध कराने वाले शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते हैं; जैसे—नारी, औरत, महिला, वामा, वनिता, स्त्री इत्यादि. पर्यायवाची शब्दों को 'प्रतिशब्द' या 'समानार्थी शब्द' भी कहते हैं, क्योंकि ये समान अर्थ (लगभग समान अर्थ) व्यक्त करते हैं.

पर्यायवाची शब्द किसी भी भाषा की सबलता के प्रतीक हैं जिस भाषा में जितने ही अधिक पर्यायवाची शब्द होंगे वह भाषा उतनी ही अधिक समृद्ध होगी. इस दृष्टिकोण से हिन्दी सम्पन्न भाषा है.

पर्यायवाची शब्दों की सूची

1. **अग्नि**–अनल, वह्नि, हुताशन, पावक, कृशानु, आग, वैश्वानर.
2. **अमृत**–सुधा, पीयूष, अमिय, सुरभोग, मधु, अमी, सोम.
3. **अश्व**–सुरंग, सैन्धव, घोटक, हय, बाजि, घोड़ा आदि.
4. **असुर**–राक्षस, निशाचर, निशिचर, दानव, दनुज, सुररि, दैत्य आदि.
5. **आकाश**–नभ, गगन, अम्बर, व्योम, तारापथ, अभ्र, अनन्त, अन्तरिक्ष, शून्य आदि.
6. **आँख**–चक्षु, लोचन, दृग, नेत्र, नयन, अक्षि आदि.
7. **इन्द्र**–शक्र, सुरन्दर, सुरपति, देवेन्द्र, सुरेश, शचीपति, महेन्द्र, देवराज, मघवा आदि.
8. **ईश्वर**–परमेश्वर, परमात्मा, पारब्रह्म, परमेश, प्रभु, जगत्पिता, जगन्नाथ, जगदीश आदि.
9. **कमल**–जलज, वारिज, नीरज, अम्बुज, अपंकरूह, सरोज, पंकज, सरसिज, नलिन, कुबलय, अरविन्द, पद्म, उत्पल, पुण्डरीक, कंज, राजीव आदि.
10. **कामदेव**–मदन, मनसिजा, मन्मथ, अनंग, मार, काम, मनोज, सन्दर्प, पंचशर, स्मर, पुष्पधन्वा, मीनकेतु, रतिपति आदि.
11. **गंगा**–सुरसरि, मन्दाकिनी, भागीरथी, देवनदी, देवपगा, सुरसरिता, ब्रह्मद्रव, चिपथगा, जाह्नवी, विष्णु पदी आदि.
12. **गृह**–सदन, आगार, आलय, निलय, निकेत, निकेतन, मन्दिर, भवन, आवास धाम, आयतन आदि.
13. **चन्द्रमा**–शशि, सुधाकर, राकापति, रजनीपति, ओषधीश, निशाकर, सुधांशु, हिमांशु, मृगांक, शशांक, हिमकर, कलाधर, क्षपाकर, इन्दु, सोम, चन्द्र, विधु, राकेश, द्विजराज आदि.
14. **जल**–नीर, वारि, अम्बु, सलिल, तोय, उदक, जीवन, पय, अप आदि.
15. **जंगल**–कानन, अरण्य, विपिन, वन आदि.
16. **तालाब**–सर, सरोवर, सरसी, जलाशय, तड़ाग, ह्रद, हद, ताल, पुष्कर, पद्माकर आदि.
17. **दिन**–दिवस, वासर, दिवा, अहः, अहनू आदि.
18. **देवता**–सुर, अमर, देव, विवुध, त्रिदश, दिवौकस, वृन्दारक, अदिति, नन्दन आदि.
19. **नदी**–सरिता, नद, तटिनी, तरंगिणी, निम्नगा, निर्झरिणी आदि.
20. **पर्वत**–गिरि, भूधर, भूमिधर, धरातल, महीधर, अद्रि, नग, शैल, अचल आदि.
21. **पवन**–वात, वायु, अनिल, समीर, मरूत आदि.

22. **पृथ्वी**–भू, भूमि, मही, धरा, धारणी, मेदिनी, अचला, वसुधा, वसुन्धरा, अवनि आदि.
23. **फूल**–पुष्प, सुमन, प्रसून, पुहुप, कुसुम, लतान्त आदि.
24. **वाण**–शर, विशिख, नाराच, आयुध, सायक, शिलीमुखी आदि.
25. **मेघ**–नीरद, वारिद, जलज, अम्बुद, पयोद, जलधर, पयोधर, जग-जीवन, घन आदि.
26. **यमुना**–अकंजा, तरणितनूजा, तरणिजा, कालिन्दी, कृष्ण, रविसुत आदि.
27. **राजा**–भूपति, महीपति, भूप, महीप, भूपाल, महीपाल, नरेश, नरेन्द्र, नृप आदि.
28. **रात**–निशा, विभावरी, क्षणदा, क्षपा, रजनी, राका, रैन, रात्रि, यामिनी, कादम्बरी आदि.
29. **लक्ष्मी**–कमला, श्री, इन्दिरा, हरिप्रिया, विष्णुप्रिया, पद्मासना, रमा, समुद्रजा, पद्मा आदि.
30. **विष्णु**–रमापति, लक्ष्मीपति, हरि, नारायण, कमलापति, चतुर्भुज, हृषीकेश, जनार्दन, अच्युत, विश्वम्भर आदि.
31. **सतुद्र**–नीरधि, वारिधि, जलधि, अम्बुधि, पयोनिधि, पयोधि, जलनिधि, रत्नाकर, नदीश, उदधि, पारावार, सागर, सिन्धु आदि.
32. **सूर्य**–दिनकर, दिवाकर, रवि, अर्क, भास्कर, सविता, भानु, हँस, आदित्य आदि.
33. **सोना**–स्वर्ण, कंचन, हाटक, हिरण्य, सुवर्ण, कनक, हेम, जातरूप आदि.
34. **स्त्री**–अबला, कान्ता, रमणी, मानिनी, वनिता, कामिनी, कलत्र, प्रमदा, अंगना, नारी, ललना आदि.
35. **हाथी**–जग, नाग, हस्ती, कुञ्जर, सिन्धुर, द्विरद, वारण आदि.
36. **आम**–रसाल, सहकार, आम्र, पिंक, बन्धु, अतिसौरभ आदि.
37. **पेड़**–द्रुम, तरु, वृक्ष, पादप, पिटप, रूख आदि.
38. **पंडित**–बुध, सुधी, विद्वान, कोविंद, धीर, मनीषी, प्राज्ञ, विचक्षण आदि.
39. **पत्नी**–भार्या, अर्द्धांगिनी, वामांगी, वामा, दारा, गृहिणी, प्राणप्रिया, बल्लभा, जाया, तिय आदि.
40. **बिजली**–दामिनी, तड़ित, विद्युत, चपला, चंचला, सौदामिनी आदि.
41. **मोर**–मयूर, केकी, कलापी, शिखण्डी, शिखी, नीलकण्ठ.
42. **सिंह**–शेर, मृगेन्द्र, मृगराज, शार्दूल, व्याघ्र, केहरी, केशरी, मृगारि, खायुध आदि.
43. **इच्छा**–अभिलाषा, चाह, मनोरथ, कामथ, आकाञ्छा, वाञ्छा, स्पृहा आदि.
44. **कृष्ण**–केशव, मोहन, माधव, मधुसूदन, रणछोड़, द्वारिकाधीश, नन्दनलाल, वासुदेव, गोपाल, मुरारी, वंशीधर, गोवर्धनधारी, कंसारि, राधा रमन आदि.
45. **गणेश**–गजानन, गजवदन, गिरिजा, नन्दन, एकदन्त, विनायक, मूषकावाहन, गौरीसुत, लम्बोदर, गणपति आदि.
46. **गरूड़**–खगेश, पन्नगारि, पन्नागाशन, हरियान, विष्णुरथ आदि.
47. **दुर्गा**–सिंह वाहिनी, चण्डिका, वागीश्चरी, कालिका, कामाक्षी, महागौरी, अमया आदि.
48. **पार्वती**–गिरिजा, शैलजा, शैलसुता, शिवा, भवानी, गौरा, उमा, अपर्णा, अम्बिका आदि.
49. **ब्रह्मा**–विधि, विधाता, प्रजापति, चतुरानन, हिरण्यगर्भ, कमलासन, अज, कर्त्तार आदि.
50. **महादेव**–शंभु, शिव, पशुपति, शंकर, महेश्वर, भूतेश, चन्द्रशेखर, त्रिलोचन, नीलकण्ठ, कैलाशनाथ, गिरिजापति, गिरीश आदि.

51. **यम**–कृतांत, अन्तक, धर्मराज, जीवनपति, जीवितेश, सूर्यपुत्र, अर्कज, तरणिज, रविसुत आदि.

52. **रामचन्द्र**–रघुनाथ, रघुपति, रघुनन्दन, अवधेश, रावणारि, जानकी, वल्लभ, सीतापति, कौशल्यानन्दन, दशरथनन्दन आदि.

53. **सरस्वती**–भारती, शारदा, वाणी, वीणापाणि, वीणावादिनी, महाश्वेता, ब्राह्मी, गिरा, वाक्र, वागीश आदि.

54. **हनुमान**–वज्रांग, बजरंगी, पवनसुत, आंजनेय, कपीश, रामदूत, पवनपुत्र, मारुतनंदन.

55. **राधा**–कृष्णप्रिया, वृषभानु दुलारी, वृषभानुनंदिनी, राधे, ब्रजरानी.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक शब्द के साथ चार अन्य शब्द दिए गए हैं, इनमें तीन पर्यायवाची हैं और एक शब्द पर्यायवाची नहीं है. जो शब्द पर्यायवाची नहीं है, उसका चयन कीजिए—

1. **अंकुर** :
(A) अंखुआ (B) कोंपल
(C) नवोद्भिद (D) आरंभ

2. **अंकुश** :
(A) प्रतिबंध (B) रोक
(C) अंखुआ (D) दबाव

3. **अंत** :
(A) अवसान (B) समाप्ति
(C) अंदर (D) उपसंहार

4. **अदृष्ट** :
(A) अंधा (B) प्रारब्ध
(C) भाग्य (D) नसीब

5. **अधम** :
(A) शांत (B) पापी
(C) कुत्सित (D) निंद्य

6. **अक्षि** :
(A) धुरी (B) चक्षु
(C) आँख (D) लोचन

7. **अगाध** :
(A) अथाह (B) गंभीर
(C) गहन (D) गहना

8. **अग्नि** :
(A) पावक (B) अनिल
(C) अनल (D) आग

9. **अघ** :
(A) पापी (B) पाप
(C) पातक (D) कलुष

10. **अचला** :
(A) अचल (B) पृथ्वी
(C) इला (D) धरती

11. **अचानक** :
(A) सायास (B) अनायास
(C) अकस्मात् (D) एकाएक

12. **अतीत** :
(A) भूतकाल (B) पूर्वकाल
(C) भविष्य काल (D) विगत

13. **अनाज** :
(A) धन (B) धान्य
(C) शस्य (D) अन्न

14. **अनिष्ट** :
(A) अपकार (B) उपकार
(C) अनहित (D) अहित

15. **अनुमान** :
(A) अटकल (B) अंदाजा
(C) कयास (D) पूर्वज्ञान

16. **अनूठा** :
(A) आश्चर्यजनक (B) अद्वितीय
(C) बेजोड़ (D) अनोखा

17. **अन्वेषण** :
(A) शोध (B) खोज
(C) अनुसंधान (D) छिद्रान्वेषण

18. **अपमान** :

(A) निरादर (B) उपमान
(C) अनादर (D) तिरस्कार

19. **अबला** :
(A) सबला (B) नारी
(C) गृहिणी (D) औरत

20. **अभय** :
(A) भयानक (B) निर्भीक
(C) निर्भय (D) निडर

21. **अभागा** :
(A) भाग्यहीन (B) बदनसीब
(C) बदकिस्मत (D) विभागा

22. **अभिजात** :
(A) कुलीन (B) सुजात
(C) खानदानी (D) प्रवीण

23. **अभिज्ञ** :
(A) अज्ञ (B) विज्ञ
(C) जानकार (D) परिचित

24. **अभिमान** :
(A) घमंड (B) गौरव
(C) गर्व (D) महानता

25. **अभियोग** :
(A) वियोग (B) दोष
(C) अपराध (D) कसूर

26. **अभिवादन** :
(A) साक्षात्कार (B) प्रणाम
(C) नमस्कार (D) नमस्ते

27. **अभ्यास** :
(A) परिश्रम (B) पुनरावृत्ति
(C) रियाज (D) मश्क

28. **अमृत** :
(A) पीयूष (B) सुधा
(C) अंबुज (D) अमी

29. **अर्चना** :
(A) अवरोध (B) आराधना
(C) स्तुति (D) पूजा

30. **अवस्था** :
(A) दशा (B) उम्र
(C) आयु (D) वय

31. **अविलम्ब** :
(A) सत्वर (B) सहारा
(C) तत्क्षण (D) तत्काल

32. **अवज्ञा** :
(A) अनादर (B) अपमान
(C) तिरस्कार (D) आज्ञा

33. **अवदात** :
(A) गन्दा (B) साफ
(C) धवल (D) गोरा

34. **अश्रु** :
(A) आँसू (B) चक्षु-जल
(C) आँसूगैस (D) नेत्राम्बु

35. **असल** :
(A) शुद्ध (B) खरा
(C) सच्चा (D) असलहा

36. **आँख** :
(A) क्रोध (B) नयन
(C) नेत्र (D) चक्षु

37. **आँचल** :
(A) स्तन (B) अँचल
(C) पल्लू (D) पल्ला

38. **आँधी** :
(A) तूफान (B) अंधड़
(C) बवंडर (D) भयंकर

39. **आडम्बर** :
(A) संन्यास (B) दिखावा
(C) पाखंड (D) ढोंग

40. **आदमी** :
(A) मानुष (B) मनुज
(C) मनोज (D) इंसान

41. **आनन्द** :
(A) तथागत (B) उल्लास
(C) हर्ष (D) मोद

42. **आदर** :
(A) सम्मान (B) सत्कार
(C) श्रद्धाभाव (D) श्राद्ध

43. **आधुनिक** :
(A) नवीन (B) नवनीत
(C) नया (D) नवल

44. **आभा :**
(A) कांति (B) क्रांति
(C) दीप्ति (D) प्रकाश

45. **आराम :**
(A) विश्राम (B) विराम
(C) विश्रांति (D) राहत

46. **आर्त्त :**
(A) उद्विग्न (B) संतप्त
(C) संतृप्त (D) क्षुब्ध

47. **आशा :**
(A) किरण (B) उम्मीद
(C) तवक्को (D) आस

48. **आश्चर्य :**
(A) अचंभा (B) विडंबना
(C) अचरज (D) विस्मय

49. **आस्था :**
(A) सम्मान (B) आदर
(C) महत्त्व (D) महानता

50. **आहट :**
(A) चुपचाप (B) शब्द
(C) आवाज (D) ध्वनि

51. **इंदिरा :**
(A) रमा (B) कमला
(C) लक्ष्मी (D) सरस्वती

52. **इंदीवर :**
(A) नीरज (B) नीरद
(C) राजीव (D) उत्पल

53. **इंद्र :**
(A) मेघराज (B) मामराज
(C) देवराज (D) सुरेन्द्र

54. **ईमानदार :**
(A) सत्यनिष्ठ (B) सत्यपरायण
(C) निष्कपट (D) आज्ञाकारी

55. **ईर्ष्या :**
(A) जलन (B) मत्सर
(C) मत्स्य (D) डाह

56. **ईहा :**
(A) ईप्सा (B) एषणा
(C) स्पृहा (D) अनिच्छा

57. **उचित :**
(A) सम्यक् (B) उपर्युक्त
(C) उपयुक्त (D) ठीक

58. **उजाला :**
(A) आलोक (B) विलोक
(C) दीप्ति (D) प्रकाश

59. **उत्पात :**
(A) उपद्रव (B) द्रवण
(C) फसाद (D) दंगा

60. **उत्सव :**
(A) समारोह (B) शमांरूह
(C) जलसा (D) आयोजन

61. **उत्सुक :**
(A) उत्कंठित (B) उत्कुंठित
(C) व्यंग्र (D) आतुर

62. **उदधि :**
(A) अण्वि (B) पयोधि
(C) जलधि (D) दही

63. **उद्यत :**
(A) तत्पर (B) तत्काल
(C) तैयार (D) प्रस्तुत

64. **उद्यम :**
(A) ऊधम (B) उद्योग
(C) परिश्रम (D) वृत्य

65. **उद्यान :**
(A) उपवन (B) वाटिका
(C) उद्यापन (D) बाग

66. **उपस्थित :**
(A) प्रस्तुत (B) मौजूद
(C) अव्यवस्थित (D) विद्यमान

67. **उपालंभ :**
(A) उलाहना (B) झगड़ा
(C) शिकायत (D) शिकवा

68. **ऊँचा :**
(A) उत्तुंग (B) उच्च
(C) विशाल (D) शीर्षस्थ

69. **ऋण :**
(A) उद्धार (B) उधार
(C) कर्ज (D) बकाया

70. **ऋषि :**
(A) ऋतु (B) मनीषी
(C) मुनि (D) महात्मा

71. **एकांत :**
(A) विजन (B) निर्जन
(C) अकेला (D) अनेक

72. **एहसान :**
(A) कृतज्ञता (B) कृतघ्नता
(C) आभार (D) अनुग्रह

73. **ओस :**
(A) नीहार (B) विहार
(C) तुहिन (D) शबनम

74. **औषध :**
(A) भेषज (B) भेषक
(C) दवा (D) औषधि

75. **कंचन :**
(A) हिरण्य (B) विश्वरूप
(C) हेम (D) हाटक

76. **कंजूस :**
(A) कृपण (B) कृपाण
(C) सूम (D) अनुदार

77. **कंदरा :**
(A) गुहा (B) गुफा
(C) खोल (D) खोह

78. **कड़वा :**
(A) कटु (B) तिक्त
(C) तीता (D) कठोर

79. **कपड़ा :**
(A) अम्बर (B) वस्त्र
(C) वसन (D) विस्तर

80. **कर्ण :**
(A) अंकराज (B) कान
(C) अर्कनंदन (D) राधेय

81. **कली :**
(A) नवपल्लव (B) कोंपल
(C) मुकुल (D) अंकुर

82. **कवि :**
(A) रचयिता (B) रचनाकार
(C) शायर (D) गायक

83. **कामदेव :**
(A) मनोज (B) कन्दर्प
(C) पुरुषार्थ (D) आत्मभू

84. **कायर :**
(A) डरपोक (B) डरावना
(C) भीरू (D) बुजदिल

85. **काला :**
(A) अशीत (B) असित
(C) कृष्ण (D) श्याम

86. **काष्ठ :**
(A) काठी (B) काठ
(C) लकड़ी (D) दारु

87. **किताब :**
(A) पुस्तक (B) पोथी
(C) ग्रंथ (D) गीता

88. **किनारा :**
(A) तट (B) तटनी
(C) कूल (D) तीर

89. **किरण :**
(A) रश्मि (B) अंशु
(C) मयूख (D) प्रकाश

90. **कुच :**
(A) कूची (B) उरोज
(C) उरसिज (D) स्तन

91. **कुत्सित :**
(A) बुरा (B) निन्दित
(C) निकृष्ट (D) निकम्मा

92. **कुबेर :**
(A) असमय (B) धनद
(C) धनाधिप (D) धनेश्वर

93. **कृतज्ञ :**
(A) कृतघ्न (B) कृतार्थ
(C) अनुगृहीत (D) उपकृत

94. **कृपा :**
(A) दया (B) क्षमा
(C) एहसान (D) मेहरबानी

95. **केशरी :**
(A) धनेश (B) मृगेंद्र
(C) शार्दुल (D) सिंह

96. **कोमल :**
(A) मुलायम (B) सुकुमार
(C) नाजुक (D) नवीन

97. **कौमुदी :**
(A) चाँदनी (B) ज्योत्सना
(C) कमलिनी (D) जुन्हाई

98. **क्लेश :**
(A) कष्ट (B) संकट
(C) दुःख (D) बीमारी

99. **क्षपा :**
(A) कादम्बरी (B) विभावरी
(C) क्षत्रक (D) निशा

100. **खंजन :**
(A) नीलकंठ (B) कलकंठ
(C) सारंग (D) मृग

101. **खग :**
(A) पक्षी (B) विहंग
(C) खरगोश (D) चिड़िया

102. **खल :**
(A) दुर्जन (B) धूर्त
(C) उधम (D) अधम

103. **खुशी :**
(A) आनन्द (B) उल्लास
(C) हर्ष (D) अमर्ष

104. **गंगा :**
(A) मंदाकिनी (B) सरस्वती
(C) भगीरथी (D) सुरसरि

105. **गज :**
(A) कुंजर (B) करी
(C) द्विप (D) दीप

106. **गति :**
(A) चाल (B) वेग
(C) मोक्ष (D) रफ्तार

107. **गहन :**
(A) अगाध (B) अथाह
(C) अगाह (D) घना

108. **गहना :**
(A) आभूषण (B) अलंकरण
(C) परिधान (D) जेवर

109. **गाय :**
(A) सुरभि (B) गौ
(C) धनु (D) पयस्विनी

110. **चंदन :**
(A) मलयज (B) बाला
(C) श्रीखंड (D) गंधराज

111. **चतुर :**
(A) प्रवीण (B) प्रगल्भ
(C) दग्ध (D) दक्ष

112. **चपला :**
(A) बिजली (B) तड़ित
(C) दामिनी (D) लक्ष्मी

113. **चाटुकारिता :**
(A) मिथ्याप्रशंसा (B) आत्मप्रशंसा
(C) चापलूसी (D) खुशामद

114. **छिद्र :**
(A) दरार (B) सुराख
(C) छेद (D) रंध्र

115. **जंग :**
(A) युद्ध (B) लड़ाई
(C) मोर्चा (D) संग्राम

116. **जंगल :**
(A) विपिन (B) कानन
(C) अरण्य (D) निर्जन

117. **जग :**
(A) दुनिया (B) संसार
(C) विश्व (D) जाग्रत

118. **झंडा :**
(A) ध्वजा (B) केतु
(C) शान (D) पताका

119. **झेंप :**
(A) संकोच (B) हया
(C) मया (D) खिसी

120. **टेढ़ा :**
(A) वक्र (B) कुटिल
(C) बंक (D) कठिन

121. **ठेस :**
(A) आघात (B) प्रतिघात
(C) ठोकर (D) धक्का

122. **डंडा :**
(A) छड़ी (B) लाठी
(C) दंड (D) सजा

123. **ढिठाई :**
(A) धृष्टता (B) उद्दंडता
(C) गलती (D) गुस्ताखी

124. **तंग :**
(A) गरीबी (B) सँकरा
(C) संकीर्ण (D) संकुचित

125. **तड़ाग :**
(A) अरण्य (B) पुष्कर
(C) सरोवर (D) जलाशय

126. **तन :**
(A) काया (B) चेहरा
(C) देह (D) शरीर

127. **तरु :**
(A) विटप (B) पादप
(C) तड़ाग (D) द्रुम

128. **तलाश :**
(A) खोज (B) ढूँढ़
(C) जाँच (D) पड़ताल

129. **ताप :**
(A) गर्मी (B) आतप
(C) तपन (D) सेंकना

130. **तारा :**
(A) दुलारा (B) सितारा
(C) नक्षत्र (D) तारिका

131. **तारीफ :**
(A) प्रशंसा (B) बड़ाई
(C) प्रशस्ति (D) चापलूसी

132. **तिक्त :**
(A) तीखा (B) तीक्ष्ण
(C) नुकीला (D) कड़वा

133. **तीर :**
(A) शायक (B) विशिख
(C) वाण (D) निकट

134. **तुरन्त :**
(A) सत्वर (B) तत्क्षण
(C) अविलम्ब (D) अवलम्ब

135. **तेज :**
(A) तीव्रगति (B) तीक्ष्ण
(C) पैना (D) नुकीला

136. **तैयार :**
(A) प्रस्तुत (B) उद्यत
(C) तत्पर (D) पका हुआ

137. **थोड़ा :**
(A) जरा (B) तनिक
(C) स्वल्प (D) तंग

138. **दरिद्र :**
(A) गरीब (B) भिखारी
(C) निर्धन (D) अकिंचन

139. **दर्जा :**
(A) श्रेणी (B) कोटि
(C) वर्ग (D) वर्ण

140. **दर्पण :**
(A) आइना (B) शीशा
(C) दर्शन (D) आरसी

141. **दाँत :**
(A) दसन (B) द्विज
(C) रदन (D) रुदन

142. **दास :**
(A) गुलाम (B) नौकर
(C) परिचायक (D) परिचारक

143. **दुःख :**
(A) क्लेश (B) व्यथा
(C) विषाद (D) पीड़ा

144. **दूसरा :**
(A) अन्य (B) इत्र
(C) पराया (D) गैर

145. **देवता :**
(A) सुर (B) भूसुर
(C) देव (D) विबुध

146. **देहात** :
(A) गाँव (B) ग्राम
(C) ग्रामीण (D) मौजा

147. **दोष** :
(A) अवगुण (B) दुर्गुण
(C) खोट (D) अपराध

148. **दोस्त** :
(A) मित्र (B) हितैषी
(C) सखा (D) सहायक

149. **धन** :
(A) द्रव्य (B) अर्थ
(C) वित्त (D) तात्पर्य

150. **धनुष** :
(A) शरासन (B) सरासर
(C) चाप (D) पिनाक

151. **धीमा** :
(A) मन्द (B) मंथर
(C) मन्मथ (D) मद्धम

152. **धूर्त** :
(A) खल (B) खरल
(C) दुष्ट (D) शठ

153. **धेनु** :
(A) धनुर्धर (B) सुरभि
(C) गौ (D) गाय

154. **नजर** :
(A) निगाह (B) दृष्टि
(C) दीठ (D) ढीठ

155. **ननद** :
(A) नदारद (B) नन्द
(C) ननँद (D) नंदिनी

156. **नभ** :
(A) खग (B) अंबर
(C) व्योम (D) अंतरिक्ष

157. **नमूना** :
(A) उदाहरण (B) मिसाल
(C) मशाल (D) दृष्टांत

158. **नर** :
(A) पुरुष (B) लिंग
(C) मर्द (D) आदमी

159. **नस** :
(A) नली (B) धमनी
(C) रग (D) शिरा

160. **नाटा** :
(A) ठिगना (B) बछड़ा
(C) बौना (D) वामन

161. **नायक** :
(A) प्रमुख पात्र (B) अगुवा
(C) नवयुवक (D) अभिनेता

162. **नारी** :
(A) महिला (B) स्त्री
(C) नाड़ी (D) वनिता

163. **नाविक** :
(A) धीवर (B) केवट
(C) मल्लाह (D) माँझी

164. **नाश** :
(A) ध्वंस (B) व्यर्थ
(C) संहार (D) विनाश

165. **नियम** :
(A) विधि (B) विधान
(C) संयम (D) कानून

166 **निर्मल** :
(A) स्वच्छ (B) सफेद
(C) अम्लान (D) परिष्कृत

167. **पंख** :
(A) साधन (B) डैना
(C) पर (D) पाँख

168. **पड़ाव** :
(A) डेरा (B) खेमा
(C) गिरा हुआ (D) शिविर

169. **पतिव्रता** :
(A) पतिपरायण (B) सधवा
(C) साध्वी (D) सती

170. **पत्ता** :
(A) पत् (B) पर्ण
(C) पत्ती (D) पत्र

171. **पत्नी** :
(A) भार्या (B) भगिनी
(C) कलत्र (D) अर्धांगिनी

172. **परन्तु** :
(A) किन्तु (B) लेकिन
(C) अगर (D) मगर

173. **परिवेश** :
(A) परिधान (B) वातावरण
(C) पर्यावरण (D) माहौल

174. **परिषद्** :
(A) संघ (B) संगठन
(C) समिति (D) कार्यशाला

175. **पर्वत** :
(A) गिरि (B) भूधर
(C) अद्रि (D) आर्द्र

176. **पल** :
(A) क्षण (B) तत्क्षण
(C) निमिष (D) लम्हा

177. **पवन** :
(A) अनिल (B) अनल
(C) मारुत (D) समीर

178. **पाप** :
(A) अघ (B) कलुष
(C) अत्याचार (D) पातक

179. **पिता** :
(A) जनक (B) बाप
(C) तात (D) अभिभावक

180. **पिशाच** :
(A) भूत (B) प्रेत
(C) राकापति (D) बेताल

181. **पुत्री** :
(A) छाया (B) सुता
(C) तनया (D) आत्मजा

182. **प्यास** :
(A) क्षुधा (B) तृषा
(C) तृष्णा (D) पिपासा

183. **प्रकाश** :
(A) आलोक (B) प्रभा
(C) दीप्ति (D) दीप

184. **प्रतिष्ठा** :
(A) कीर्ति (B) गौरव
(C) सम्मान (D) आलोक

185. **प्रत्यूष** :
(A) ऊषा (B) अरुणोदय
(C) प्रारब्ध (D) सबेरा

186. **पृथ्वी** :
(A) मही (B) रसा
(C) क्षितिज (D) धरा

187. **प्रभात** :
(A) विहान (B) प्रातः
(C) सबेरा (D) शीघ्रता

188. **प्रार्थना** :
(A) विनय (B) अनुरोध
(C) अभ्यर्थना (D) पढ़ना

189. **प्रिय** :
(A) प्रेमी (B) स्नेही
(C) प्यारा (D) रिश्तेदार

190. **प्रेत** :
(A) भूत (B) पिशाच
(C) मसान (D) मचान

191. **फूल** :
(A) पुष्प (B) कुसुम
(C) गुलशन (D) सुमन

192. **बंदर** :
(A) कपि (B) वानर
(C) मर्कट (D) खग

193. **बेवकूफ** :
(A) मूढ़ (B) मूर्ख
(C) शैतान (D) हतबुद्धि

194. **ब्रह्मा** :
(A) विधि (B) विधाता
(C) पशुपति (D) स्वयंभू

195. **भाग्य** :
(A) नसीब (B) तकदीर
(C) प्रारब्ध (D) उपलब्धि

196. **मछली** :
(A) मीन (B) मत्स्य
(C) नेही (D) सफरी

197. **मजाक :**
(A) दिल-लगी (B) मसखरी
(C) मखौल (D) उपहास

198. **मलिन :**
(A) गंदा (B) दूषित
(C) बासी (D) मैला

199. **महेन्द्र :**
(A) राजा (B) सुरेश
(C) इन्द्र (D) देवेन्द्र

200. **मेघ :**
(A) अभ्रक (B) वारिद
(C) नीरद (D) अभ्र

201. **यात्रा :**
(A) पर्यटन (B) तीर्थाटन
(C) भ्रमण (D) सफर

202. **याद :**
(A) सुध (B) स्मरण
(C) ख्याल (D) ध्यान

203. **युवक :**
(A) तरणि (B) तरुण
(C) युवा (D) जवान

204. **रक्त :**
(A) रुधिर (B) अधर
(C) खून (D) लहू

205. **रजक :**
(A) राजी (B) नेजक
(C) शौचेय (D) धोबी

206. **रमा :**
(A) कमला (B) सरस्वती
(C) लक्ष्मी (D) पद्मा

207. **राजपुत्र :**
(A) राजकुमार (B) युवानृप
(C) युवराज (D) शहजादा

208. **राजीव :**
(A) सरोज (B) मयंक
(C) अम्बुज (D) उत्पल

209. **रात्रि :**
(A) क्षपा (B) शशक
(C) शर्वरी (D) विभावरी

210. **रास्ता :**
(A) डगर (B) बाट
(C) बटोही (D) पथ

उत्तरमाला

1. (D) 2. (C) 3. (C) 4. (A) 5. (A)
6. (A) 7. (D) 8. (B) 9. (A) 10. (A)
11. (A) 12. (C) 13. (A) 14. (B) 15. (D)
16. (A) 17. (D) 18. (B) 19. (A) 20. (A)
21. (D) 22. (D) 23. (A) 24. (D) 25. (A)
26. (A) 27. (A) 28. (C) 29. (A) 30. (A)
31. (B) 32. (D) 33. (A) 34. (C) 35. (D)
36. (A) 37. (A) 38. (D) 39. (A) 40. (C)
41. (A) 42. (D) 43. (B) 44. (B) 45. (B)
46. (C) 47. (A) 48. (B) 49. (D) 50. (A)
51. (D) 52. (B) 53. (B) 54. (D) 55. (C)
56. (D) 57. (B) 58. (B) 59. (B) 60. (B)
61. (B) 62. (D) 63. (B) 64. (A) 65. (C)
66. (C) 67. (B) 68. (C) 69. (A) 70. (A)
71. (D) 72. (B) 73. (B) 74. (B) 75. (B)
76. (B) 77. (C) 78. (D) 79. (D) 80. (B)
81. (D) 82. (D) 83. (C) 84. (B) 85. (A)
86. (A) 87. (D) 88. (B) 89. (D) 90. (A)
91. (D) 92. (A) 93. (A) 94. (B) 95. (A)
96. (D) 97. (C) 98. (D) 99. (C) 100. (D)
101. (C) 102. (C) 103. (D) 104. (B) 105. (D)
106. (C) 107. (D) 108. (C) 109. (C) 110. (B)
111. (C) 112. (D) 113. (B) 114. (A) 115. (C)
116. (D) 117. (D) 118. (C) 119. (C) 120. (D)
121. (B) 122. (D) 123. (C) 124. (A) 125. (A)
126. (B) 127. (C) 128. (C) 129. (D) 130. (A)
131. (D) 132. (C) 133. (D) 134. (D) 135. (A)
136. (D) 137. (D) 138. (B) 139. (D) 140. (C)
141. (D) 142. (C) 143. (D) 144. (B) 145. (B)
146. (C) 147. (D) 148. (D) 149. (D) 150. (B)
151. (C) 152. (B) 153. (A) 154. (D) 155. (A)
156. (A) 157. (C) 158. (B) 159. (A) 160. (B)
161. (C) 162. (C) 163. (A) 164. (B) 165. (C)
166. (B) 167. (A) 168. (C) 169. (B) 170. (A)
171. (B) 172. (C) 173. (A) 174. (D) 175. (D)
176. (B) 177. (B) 178. (C) 179. (D) 180. (C)
181. (A) 182. (A) 183. (D) 184. (D) 185. (C)
186. (C) 187. (D) 188. (D) 189. (D) 190. (D)
191. (C) 192. (D) 193. (C) 194. (C) 195. (D)
196. (C) 197. (A) 198. (C) 199. (A) 200. (A)
201. (B) 202. (D) 203. (A) 204. (B) 205. (A)
206. (B) 207. (B) 208. (B) 209. (B) 210. (C)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—प्रत्येक शब्द के साथ पर्यायवाची रूप में चार विकल्प दिए गए हैं, इनमें केवल एक सही है, आपको सही विकल्प चुनना है—

1. **अंबर :**
(A) पानी (B) बादल
(C) आकाश (D) मेघ

2. **अक्ष :**
(A) नाक (B) कान
(C) आँख (D) गला

3. **अग्नि :**
(A) अंगारा (B) ज्वाला
(C) पावक (D) लपट

4. **अचल :**
(A) स्थिर (B) अवरुद्ध
(C) विकृत (D) विद्रूप

5. **अज :**
(A) स्त्री (B) बकरा
(C) पशु (D) प्रारम्भ

6. **अनल :**
(A) आग (B) हवा
(C) पानी (D) ज्वाला

7. **अपकार :**
(A) बुराई (B) कृपा
(C) व्यर्थ (D) दान

8. **आंतर :**
(A) अनंतर (B) क्षुधा
(C) हृदय (D) भिन्नता

9. **आईन :**
(A) शीशा (B) दर्पण
(C) पारदर्शी (D) नियम

10. **आकर :**
(A) कोष (B) आकृति
(C) संकुचित (D) प्रत्यागत

11. **आकर्ष :**
(A) मुग्ध (B) खींचना
(C) मंत्र (D) प्रेम

12. **आक्रुष्ट :**
(A) आकर्षित (B) दुर्वचन
(C) आशीर्वाद (D) कर्मठ

13. **आख्येय :**
(A) कथनीय (B) प्रवक्ता
(C) शिक्षक (D) अध्यापक

14. **आगार :**
(A) अंगार (B) आगामी
(C) मकान (D) किनारा

15. **आचित :**
(A) भिखारी (B) उचित
(C) व्याप्त (D) व्यापक

16. **आज्ञप्ति :**
(A) आपत्ति (B) समझना
(C) जानना (D) आज्ञा

17. **आटोप :**
(A) मूर्ख (B) आरक्षी
(C) घमंड (D) कंगाल

18. **आढ्य :**
(A) आढ़त (B) अढ़ाती
(C) संपन्न (D) शरारती

19. **आत्मानुभूति :**
(A) मिलन
(B) संपर्क
(C) आत्म-साक्षात्कार
(D) चिंतन

20. **आत्मोत्सर्ग :**
(A) आत्म-संस्कार (B) आत्मसम्मान
(C) आत्म-त्याग (D) आत्मचिंतन

21. **आद्य :**
(A) आज (B) नवीन
(C) ताजा (D) आरम्भ

22. **आधि :**
(A) आधा (B) कमी
(C) अपूर्ण (D) विपत्ति

23. **आनत :**
(A) विनम्र (B) सरल
(C) ज्ञानी (D) सीधा

24. **आभा :**
(A) कांति (B) आभार
(C) आभूषण (D) चेहरा

25. **आभार :**
(A) कृतज्ञता (B) कृतघ्नता
(C) हल्का (D) भारी

26. **आमद :**
(A) आमदनी (B) घमंड
(C) नशा (D) मदहोश

27. **आमिष :**
(A) वनस्पति (B) मांस
(C) पशु (D) पक्षी

28. **आमुख :**
(A) प्रत्यक्ष (B) सामने
(C) प्रस्तावना (D) साक्षात्कार

29. **आमोदित :**
(A) अप्रसन्न (B) प्रसन्न
(C) सन्न (D) अँगूठी

30. **आयत :**
(A) विशाल (B) लाभ
(C) आश्रित (D) भविष्य काल

31. **आया :**
(A) धात्री (B) आय
(C) उपाय (D) विधि

32. **आयुध :**
(A) हथियार (B) लाठी
(C) युद्ध (D) लड़ाई

33. **आयुष्मान :**
(A) पुत्र (B) शिष्य
(C) चिरंजीव (D) धनवान

34. **आरक्षक :**
(A) प्रहरी (B) जवान
(C) बलवान (D) मजबूत

35. **आरस्य :**
(A) नीरसता (B) शीशा
(C) प्रमादी (D) कुटिल

36. **आराइश :**
(A) सजावट (B) लिखावट
(C) बनावट (D) बिगाड़ना

37. **आरोग्य :**
(A) रोगी (B) रोग
(C) स्वस्थता (D) अस्वस्थता

38. **आर्त्त :**
(A) दुःख (B) आरती
(C) पुकार (D) चीख

39. **आर्द्र :**
(A) रूखा (B) सूखा
(C) तरल (D) ठोस

40. **आलंब :**
(A) लम्बा (B) बड़ा
(C) मजबूत (D) सहारा

41. **आवाहन :**
(A) बुलाना (B) भेजना
(C) रोकना (D) ध्यान

42. **आवृत्ति :**
(A) दोहराना (B) वृत्ताकार
(C) आवरण (D) आजीविका

43. **अशौच :**
(A) त्रुटि (B) भूल
(C) अशुद्धि (D) गलती

44. **आसंगी :**
(A) शिष्य (B) पुत्र
(C) मित्र (D) साथी

45. **आहत :**
(A) अपमानित (B) तिरस्कृत
(C) घायल (D) स्वस्थ

46. **आहुति :**
(A) चोट (B) बलिदान
(C) सुरक्षा (D) बचाव

47. **इंद्रपुरी :**
(A) मानसरोवर (B) कैलाश
(C) अमरावती (D) क्षीरसागर

48. **इंद्राणी :**
(A) इन्दिरा (B) कमला
(C) इन्द्रा (D) विधात्री

49. **इंद्रिय :**
(A) कपिला (B) हृषीक
(C) अतीन्द्रिय (D) गोचर

50. **इज्जत :**
(A) आदरणीय (B) सम्मानित
(C) प्रतिष्ठित (D) मान-मर्यादा

51. **इति :**
(A) पूर्ण (B) बाधा
(C) समाप्ति (D) उपद्रव

52. **इष्टि :**
(A) अभिलाषा (B) कुल देवता
(C) आराध्यदेव (D) प्रियजन

53. **ईजाद :**
(A) विवेचित (B) विचार
(C) आविष्कारक (D) आविष्कार

54. **ईडा :**
(A) प्रशंसा (B) विचार
(C) इडली (D) आविष्कारक

55. **ईप्सा :**
(A) इच्छा (B) लालच
(C) ईर्ष्या (D) द्वेष

56. **ईमा :**
(A) ईमान (B) संकेत
(C) विश्वास (D) धारणा

57. **ईश्वर :**
(A) परमेश्वर (B) विधाता
(C) विष्णु (D) स्वामी

58. **उंदुर :**
(A) मेढक (B) बिल्ली
(C) जीव (D) चूहा

59. **उक्ति :**
(A) मुहावरा (B) लोकोक्ति
(C) प्रचलन (D) कथन

60. **उगाही :**
(A) तलाशी (B) वसूली
(C) राजस्व (D) चन्दा

61. **उचित :**
(A) उपयोगी (B) ग्राह्य
(C) ठीक (D) पतित

62. **उच्छिति :**
(A) विनाश (B) इच्छित
(C) परीक्षित (D) वांछित

63. **उच्छेदन :**
(A) निराकरण (B) अध्ययन
(C) छान-बीन (D) कोई नहीं

64. **उछक्का :**
(A) कुलटा (B) सधवा
(C) निशाना (D) लक्ष्य

65. **उछाह :**
(A) छाया (B) प्रतिछाया
(C) परछाई (D) उत्साह

66. **उजाला :**
(A) प्रदीप (B) तप्त
(C) द्युति (D) प्रकाश

67. **उतावला :**
(A) जल्दबाज (B) बावला
(C) उजड्ड (D) धूर्त

68. **उत्कर्ष :**
(A) खींचना (B) कृषि-कार्य
(C) उन्नति (D) उठना

69. **उत्कोच :**
(A) निर्देशन (B) मार्ग दर्शन
(C) पढ़ाना (D) रिश्वत

70. **उत्पल :**
(A) नीलकमल (B) नीलगगन
(C) ओला (D) विपत्ति

71. **उत्पीड़न :**
(A) दर्द (B) पीटना
(C) सताना (D) हिंसा

72. **उद्धत :**
(A) तैयार (B) शैतान
(C) मनचला (D) परिश्रमी

73. **उदीची :**
(A) उत्तर (B) दक्षिण
(C) पूरब (D) पश्चिम

74. **उपकृत :**
(A) उपकार (B) भलाई
(C) कृतज्ञ (D) कल्याण

75. **उपेक्षा :**
(A) तुलना (B) तिरस्कार
(C) अंतर (D) त्याग

76. **उभय :**
(A) उजागर (B) दोनों
(C) निर्भय (D) डरपोक

77. **ऊर्जा :**
(A) ऊर्ध्वांग (B) उदग्र
(C) शक्ति (D) ईंधन

78. **ऊष्मा :**
(A) जलन (B) ऊर्जा
(C) ताप (D) दाब

79. **ऋक् :**
(A) ऋषि (B) द्रष्टा
(C) स्तुति (D) यज्ञ

80. **ऋत :**
(A) मौसम (B) निंदा
(C) सत्य (D) स्पर्द्धा

81. **ऋद्ध :**
(A) सम्पन्न (B) पूर्ण
(C) गौरव (D) लक्ष्मी

82. **ऋषभ :**
(A) शंकर (B) मुनि
(C) मंत्रद्रष्टा (D) बैल

83. **एकत्व :**
(A) अकेलापन (B) अपनापन
(C) आबद्ध (D) एकता

84. **एतदर्थ :**
(A) इसलिए (B) अपने लिए
(C) उनके लिए (D) सबके लिए

85. **एवं :**
(A) इसी प्रकार (B) अनेक प्रकार
(C) एक प्रकार (D) आकार-प्रकार

86. **एषणा :**
(A) लोभ (B) अभिलाषा
(C) लालच (D) प्यार

87. **एषा :**
(A) इच्छा (B) प्यार
(C) लोभ (D) लालच

88. **ऐयारी :**
(A) दोस्ती (B) मित्रता
(C) धूर्तता (D) वफादारी

89. **ऐश्वर्य :**
(A) आधिपत्य (B) वैभव
(C) पराभव (D) मस्ती

90. **ओंकार :**
(A) विष्णु (B) ब्रह्मा
(C) शिव (D) ओम्

91. **ओदन :**
(A) धान्य (B) धान
(C) चावल (D) भात

92. **औत्कंठ्य :**
(A) सुग्रीव (B) जिराफ
(C) उत्कंठा (D) गायक

93. **औत्कर्ष्य :**
(A) कृषिकर्म (B) तपस्या
(C) परिश्रम (D) उत्कर्षता

94. **कंदुक :**
(A) भाड़ (B) खेल
(C) गेंद (D) कदम्ब

95. **कच्छप :**
(A) जांघिया (B) नेकर
(C) कछुआ (D) कछार

96. **कजा :**
(A) दुराग्रह (B) मृत्यु
(C) लुटेरा (D) धोखेबाज

97. **कनिष्ठ :**
(A) श्रेष्ठ (B) छोटा
(C) अग्रज (D) पूज्य

98. **कपट :**
(A) दरवाजा (B) किवाड़
(C) धोखा (D) वरुण

99. **कपि :**
(A) हनुमान (B) सुग्रीव
(C) बालि (D) मर्कट

100. **कपोत :**
(A) नाव (B) नाविक
(C) जलधारा (D) कबूतर

101. **कफ़श :**
(A) जमानतदार (B) जिम्मेदार
(C) जूता (D) बलगम

102. **कमल :**
(A) सरिता (B) पंकज
(C) वारिद (D) पुष्प
(E) दिवाकर

103. **कमला :**
(A) लक्ष्मी (B) सरस्वती
(C) पार्वती (D) संतरा

104. **कयास :**
(A) अनायास (B) आयास
(C) अनुमान (D) कषैला

105. **कलि :**
(A) कलयुग (B) कली
(C) केला (D) कलिक

106. **कल्याण :**
(A) भलाई (B) सफलता
(C) प्रगति (D) अवनति

107. **कवन :**
(A) कौन (B) क्यों
(C) कैसे (D) पानी

108. **कांति :**
(A) शोभा (B) उथल-पुथल
(C) कालापन (D) क्रांति

109. **कांतार :**
(A) सुंदर स्त्री (B) मनोहर
(C) भीषण जंगल (D) चमक

110. **कातर :**
(A) नीचे (B) लम्बी लकड़ी
(C) भयभीत (D) पतला

111. **कादम्बरी :**
(A) शराब (B) सुन्दरी
(C) वर्षा (D) मेघमाला

112. **कापुरुष :**
(A) कायर (B) चोर
(C) कंजूस (D) नपुंसक

113. **काल :**
(A) दण्डधर (B) विष्णु
(C) बुलावा (D) यमराज

114. **किल्विष :**
(A) विषैला (B) भयंकर
(C) पाप (D) महाविष

115. **कुक्षि :**
(A) आँख (B) धुरी
(C) पेट (D) कुछ

116. **कुलीन :**
(A) हीरा (B) ब्राह्मण
(C) अभिजात (D) कुली

117. **कृति :**
(A) पुण्यात्मा (B) विभक्त
(C) मृगचर्म (D) रचना

118. **कोयल :**
(A) कोकिल (B) प्रभूत
(C) अतंक (D) वसन्तयूव

119. **क्लिष्ट :**
(A) बोध (B) सुबोध
(C) दुर्बोध (D) अबोध

120 **क्वण :**
(A) कौन (B) कहाँ
(C) ध्वनि (D) कर्कश ध्वनि

121. **क्षपा :**
(A) रात्रि (B) निशा
(C) जल (D) ध्वनि

122. **क्षुधा :**
(A) तृप्त (B) अतृप्ति
(C) संतृप्त (D) वितृप्त

123. **खग :**
(A) कमल (B) मन
(C) विहंग (D) मयूर

124. **खग्रास :**
(A) भोज्य (B) पक्षिभोज
(C) घास (D) पूर्ण ग्रहण

125. **खद्योत :**
(A) बिजली (B) जुगनू
(C) चिंगारी (D) अग्नि

126. **खनक :**
(A) मुद्रा (B) ध्वनि
(C) चोर (D) उल्लू

127. **गात :**
(A) गाना (B) घात
(C) चेहरा (D) शरीर

128. **गीर्वाण :**
(A) वचन (B) देवता
(C) दुर्वचन (D) सरस्वती

129. **गृहाक्ष :**
(A) गृहस्थ (B) फाटक
(C) खिड़की (D) दरवाजा

130. **ग्लान :**
(A) गंदा (B) सड़ा हुआ
(C) रोगी (D) प्रायश्चित

131. **घट :**
(A) क्षुद्रता (B) घटाना
(C) शरीर (D) धोखा

132. **घमंड :**
(A) खुशबू (B) धुआं
(C) अहंकार (D) तीव्रगंध

133. **घातक :**
(A) चोट (B) दाँव-पेंच
(C) हिंसक (D) विश्वासघात

134. **चंचला :**
(A) पाजीपन (B) भ्रमरी
(C) लक्ष्मी (D) टोकरी

135. **छटा :**
(A) छठा (B) छवि
(C) बिजली (D) स्वच्छता

136. **छद्म :**
(A) कपट (B) सिक्का
(C) छाता (D) आवरण

137. **जगत्साक्षी :**
(A) गवाह (B) सार्वदेशिक
(C) सूर्य (D) सार्वभौमिक

138. **जलद :**
(A) कमल (B) बादल
(C) समुद्र (D) सीप

139. **जिजीविषा :**
(A) विजय की इच्छा
(B) जीने की इच्छा
(C) धन की इच्छा
(D) शक्ति की इच्छा

140 **झंझट :**
(A) दुःख (B) परेशानी
(C) बवाल (D) आसानी

141. **झोपड़ी :**
(A) मकान (B) घर
(C) कुटी (D) सदन

142. **टक्कर :**
(A) समाघात (B) प्रतिघात
(C) आघात (D) विघात

143. **टीस :**
(A) पुष्प (B) कली
(C) शूल (D) धक्का

144. **ठीक :**
(A) स्थल (B) स्थान
(C) सुन्दर (D) उचित

145. **डाह :**
(A) आकृति (B) बनावट
(C) जलन (D) दर्द

146 **ढीठ :**
(A) पुंज (B) प्रगल्भ
(C) राशि (D) ओघ

147. **तंग :**
(A) कठोर (B) पतला
(C) संकीर्ण (D) सघन

148. **तटस्थ :**
(A) तट (B) किनारा
(C) कूल (D) निष्पक्ष

149. **तनिक :**
(A) किंचित (B) दुबला
(C) कृश (D) पतला

150. **तसल्ली :**
(A) सांत्वना (B) विश्वास
(C) शांति (D) सुख

151. **त्रास :**
(A) रक्षा (B) बचाव
(C) भय (D) सुरक्षा

152. **थकान :**
(A) विश्रान्ति (B) श्रान्ति
(C) ऊब (D) कमजोरी

153. **दर्प :**
(A) दंभ (B) यातना
(C) व्यथा (D) दर्द

154. **दावा :**
(A) अग्नि (B) शिकार
(C) अभियोग (D) अभियोजन

155. **दिष्टि :**
(A) दिशा (B) निशाना
(C) भाग्य (D) लक्ष्य

156. **दीप्ति :**
(A) भाग्य (B) आभा
(C) भूख (D) दीपक

157. **दुकूल :**
(A) किनारा (B) दुष्ट
(C) दुपट्टा (D) नदी

158. **दुर्दम :**
(A) साहसी (B) प्रचंड
(C) कमजोर (D) अक्षम

159. **दुर्दैव :**
(A) राक्षस (B) दुर्भाग्य
(C) डाकू (D) हत्यारा

160. **दुस्थित :**
(A) दूरी (B) ऊंचाई
(C) दुर्दशाग्रस्त (D) लम्बाई

161. **दूरंदेश :**
(A) खबर (B) सूचना
(C) दूरदर्शी (D) अनिश्चय

162. **दूहा :**
(A) पति (B) दूल्हा
(C) दुगना (D) दोहा

163. **द्वेष :**
(A) दोष (B) अवगुण
(C) वैमनस्यता (D) ईर्ष्यालु

164. **धनंजय :**
(A) श्रीकृष्ण (B) कुबेर
(C) कौन्तेय (D) धनवान

165. **धार :**
(A) वेग (B) चाल
(C) प्रवाह (D) दूरी

166. **धूमकेतु :**
(A) अनिल (B) अनल
(C) झंडा (D) निशान

167. **नंबर :**
(A) बारी (B) क्रम
(C) अंक (D) भाग्य

168. **नग :**
(A) हीरा (B) अद्रि
(C) शीशा (D) नाग

169. **नरम :**
(A) विनीत (B) कमजोर
(C) कोमल (D) सहनशील

170. **निग्रह :**
(A) विग्रह (B) संयम
(C) त्याग (D) संग्रह

171. **नियति :**
(A) आदत (B) इच्छा
(C) किस्मत (D) मंशा

172. **निराला :**
(A) नया (B) विलक्षण
(C) अलग (D) श्रेष्ठ

173. **निशीथ :**
(A) निष्कासन (B) दर्द
(C) विभावरी (D) निर्वासन

174. **पायस :**
(A) सम्मान (B) बड़ाई
(C) पालन (D) खीर

175. **पार्थ :**
(A) अर्जुन (B) युधिष्ठिर
(C) नकुल (D) दुर्योधन

176. **पारेषण :**
(A) छोड़ना (B) त्यागना
(C) भेजना (D) उपेक्षित

177. **पिक :**
(A) वसंत (B) गुलाबी
(C) कोयल (D) कौआ

178. **पीयूष :**
(A) जीवन (B) जल
(C) सुधा (D) दूध

179. **पुष्कर :**
(A) तालाब (B) तीर्थ
(C) पवित्र (D) पुष्प

180. **पैशुन्य :**
(A) चुगलखोरी (B) दासता
(C) मूर्खता (D) अज्ञानता

181. **प्रगल्भ :**
(A) सम्पन्न (B) सक्षम
(C) समर्थ (D) घमंडी

182. **प्राणिधान :**
(A) प्रियतम
(B) प्रियतमा
(C) ध्यान
(D) उपर्युक्त सभी

183. **फणीन्द्र :**
(A) नागफनी (B) सेपरा
(C) शेषनाग (D) बिल्वकंटक

184. **फ़साद :**
(A) उलझाव (B) उत्पात
(C) उलझन (D) गुत्थी

185. **फ़िराक़ :**
(A) वियोग (B) लगन
(C) चक्कर (D) प्रेम

186. **बंजर :**
(A) अनुर्वर (B) सपाट
(C) श्यामल (D) बंजारा

187. **बट्टा :**
(A) साबुन (B) टिक्की
(C) हानि (D) चोट

188. **बवंडर :**
(A) चक्रवात
(B) चाक
(C) झंझावत
(D) लड़ाई-झगड़ा

189. **बादल :**
(A) नीरद (B) अम्बुज
(C) दामिनी (D) जलज

190. **बेचैन :**
(A) बेडौल (B) बेताप
(C) बेताब (D) बेदाब

191. **बोध :**
(A) बौद्ध (B) निश्चेष्ट
(C) विवेक (D) नासमझ

192. **भट :**
(A) भाट (B) बैंगन
(C) वीर (D) कमजोर

193. **भयभीत :**
(A) व्याकुल (B) व्यग्र
(C) संत्रस्त (D) वित्रस्त

194. **भांड :**

(A) विदूषक (B) भुजी
(C) किराया (D) खल

195. **भास्कर :**
(A) सूरज (B) दर्शनीय
(C) काल्पनिक (D) पूजनीय

196. **भीरु :**
(A) भीषण (B) आतंक
(C) डरपोक (D) भीड़

197. **भेषज :**
(A) बकरा
(B) आडम्बरी
(C) औषधि
(D) इनमें से कोई नहीं

198. **मंतव्य :**
(A) सम्मति (B) सन्मति
(C) कुमति (D) मतद्वैध

199. **मसौदा :**
(A) आकार (B) रूप
(C) प्रारूप (D) आकृति

200. **माँझी :**
(A) नाव (B) मध्यस्थ
(C) नाविक (D) यात्री

201. **मानक :**
(A) सुन्दर (B) माणिक्य
(C) प्रतिमान (D) लाल

202. **माहात्म्य :**
(A) महात्मा (B) ऋषि
(C) ज्ञानी (D) महिमा

203. **मुग्धमति :**
(A) प्रेमी (B) दयालु
(C) मूढ़ (D) मोहित

204. **यथेप्सित :**
(A) अनिच्छा (B) वेदना
(C) इच्छित (D) कोशिश

205. **यूथ :**
(A) समूह (B) जोड़ा
(C) किशोर (D) अभ्यर्थी

206. **रंक :**
(A) अकिंचन
(B) चेहरा
(C) गंदा
(D) उपर्युक्त सभी

207. **रोष :**
(A) व्यग्र (B) अमर्ष
(C) व्याकुल (D) असंतुष्ट

208. **लंघन :**
(A) लांघना (B) फांदना
(C) कूदना (D) उपवास

209. **लिप्सा :**
(A) वासना (B) चाटुकारिता
(C) प्रगल्भता (D) तल्लीनता

210. **लुब्धक :**
(A) लालची (B) शिकारी
(C) विद्रोही (D) द्रोही

211. **वंचक :**
(A) महरूम (B) रहित
(C) ठग (D) हीन

212. **वांछा :**
(A) स्वच्छ (B) सुन्दर
(C) स्वस्थ (D) अभिलाषा

213. **वारीश :**
(A) वृष्टि (B) कपीश
(C) वाण (D) सिन्धु

214. **विज्ञ :**
(A) वैज्ञानिक (B) बुद्धिजीवी
(C) बुद्धिमान (D) शिक्षक

215. **विनायक :**
(A) सुर (B) पुत्र
(C) शत्रु (D) गणेश

216. **विभूति :**
(A) राख (B) प्रसाद
(C) ऐश्वर्य (D) प्रासाद

217. **विलोचन :**
(A) आँख (B) दूत
(C) हनुमान (D) गजेन्द्र

218. **विक्षुब्ध :**
(A) क्रोधित (B) व्यग्र
(C) उग्र (D) आवेशित

219. **व्यसन :**
(A) आसक्ति (B) नशा
(C) आदत (D) दुर्वचन

220. **व्रीड़ा :**
(A) संकल्प (B) लज्जा
(C) विकल्प (D) प्रतिज्ञा

221. **शंका :**
(A) सँकरा (B) संकुचित
(C) संशय (D) विस्मय

222. **शस्य :**
(A) हरियाली (B) कृषि
(C) उपज (D) धरती

223. **शालीन :**
(A) चादर (B) बिछावन
(C) सौम्य (D) सुन्दर

224. **षड्यंत्र :**
(A) ताबीज (B) प्रलेख
(C) दुरभिसंधि (D) अनुलेख

225. **संकर :**
(A) शिव (B) इन्द्र
(C) नारद (D) दोगला

226. **संतप्त :**
(A) गाढ़ा (B) गर्म
(C) क्लेशित (D) तृप्त

227. **संदिग्ध :**
(A) वर्णित प्रसंग
(B) संदेहयुक्त
(C) शंकालु
(D) ईर्ष्या

228. **सख्य :**
(A) सँखिया (B) सौंफ
(C) मित्रता (D) क्षमता

229. **सुंदर :**
(A) उपयोगी (B) कमनीय
(C) उत्तम (D) श्रेष्ठ

230. **स्तुति :**
(A) उपासना
(B) पूजा
(C) प्रशंसा
(D) आराधना

231. **स्वत्व :**
(A) सत् (B) अस्तित्व
(C) स्वामित्व (D) सम्मान

232. **हंस :**
(A) प्राणी (B) संत
(C) मराल (D) ईश्वर

233. **हीन :**
(A) छोटा (B) वंचित
(C) कमजोर (D) वंचक

234. **हेय :**
(A) घोड़ा (B) तुच्छ
(C) उपहास (D) रिक्त

उत्तरमाला

1. (C) 2. (C) 3. (C) 4. (A) 5. (B)
6. (A) 7. (A) 8. (C) 9. (D) 10. (A)
11. (B) 12. (B) 13. (A) 14. (C) 15. (C)
16. (D) 17. (C) 18. (C) 19. (C) 20. (C)
21. (D) 22. (D) 23. (A) 24. (A) 25. (A)
26. (A) 27. (B) 28. (C) 29. (B) 30. (A)
31. (A) 32. (A) 33. (C) 34. (A) 35. (A)
36. (A) 37. (C) 38. (A) 39. (C) 40. (D)
41. (A) 42. (A) 43. (C) 44. (D) 45. (C)
46. (B) 47. (C) 48. (C) 49. (B) 50. (D)
51. (C) 52. (A) 53. (D) 54. (A) 55. (A)
56. (B) 57. (A) 58. (D) 59. (D) 60. (B)
61. (C) 62. (A) 63. (A) 64. (A) 65. (D)
66. (D) 67. (A) 68. (A) 69. (D) 70. (A)
71. (C) 72. (A) 73. (A) 74. (C) 75. (B)
76. (B) 77. (C) 78. (C) 79. (B) 80. (C)
81. (A) 82. (D) 83. (D) 84. (A) 85. (A)
86. (B) 87. (A) 88. (C) 89. (B) 90. (D)
91. (D) 92. (C) 93. (D) 94. (C) 95. (C)
96. (B) 97. (B) 98. (C) 99. (D) 100. (D)
101. (C) 102. (A) 103. (D) 104. (C) 105. (A)
106. (A) 107. (D) 108. (A) 109. (C) 110. (C)
111. (A) 112. (A) 113. (D) 114. (C) 115. (C)
116. (C) 117. (D) 118. (A) 119. (C) 120. (C)
121. (B) 122. (B) 123. (C) 124. (D) 125. (B)
126. (C) 127. (D) 128. (B) 129. (C) 130. (C)
131. (C) 132. (C) 133. (C) 134. (C) 135. (B)
136. (A) 137. (C) 138. (B) 139. (B) 140. (C)
141. (C) 142. (A) 143. (C) 144. (D) 145. (C)
146. (B) 147. (C) 148. (D) 149. (A) 150. (A)
151. (C) 152. (B) 153. (A) 154. (C) 155. (C)
156. (B) 157. (C) 158. (B) 159. (B) 160. (C)
161. (C) 162. (D) 163. (C) 164. (C) 165. (C)
166. (B) 167. (C) 168. (B) 169. (C) 170. (B)
171. (C) 172. (B) 173. (C) 174. (D) 175. (A)
176. (C) 177. (C) 178. (C) 179. (A) 180. (A)
181. (D) 182. (C) 183. (C) 184. (B) 185. (A)
186. (A) 187. (C) 188. (A) 189. (A) 190. (C)
191. (C) 192. (C) 193. (C) 194. (A) 195. (A)
196. (C) 197. (C) 198. (A) 199. (C) 200. (C)
201. (C) 202. (D) 203. (C) 204. (C) 205. (A)
206. (A) 207. (B) 208. (D) 209. (A) 210. (B)
211. (C) 212. (D) 213. (D) 214. (C) 215. (D)
216. (C) 217. (A) 218. (B) 219. (A) 220. (B)
221. (C) 222. (C) 223. (C) 224. (C) 225. (D)
226. (C) 227. (C) 228. (C) 229. (B) 230. (C)
231. (C) 232. (C) 233. (B) 234. (B)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ग]

निर्देश—निम्नलिखित वाक्यों में स्थूलांकित शब्दों के चार संभावित अर्थ दिए गए हैं, इनमें से एक सही है. सही अर्थ का चयन कीजिए—

1. '**अंतःपुर** को ले गए जहाँ और नहिं जाय'—
(A) गुप्त स्थान (B) रनिवास
(C) हृदय (D) भोगपुरी

2. '**अंधकार** है वहाँ जहाँ आदित्य नहीं है'—
(A) रात्रि (B) अन्याय
(C) अँधेरा (D) अज्ञान

3. '**अतिथि** सत्कार भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषता है'—
(A) विप्र (B) अनुयायी
(C) मेहमान (D) साधु

4. कर्ण को **अधिरथ** सूत कहा जाता है—
(A) रथ बनाने वाला
(B) रथ हाँकने वाला
(C) कोषाध्यक्ष
(D) चौकीदार

5. तृतीय योजना में सरकार को **अन्न** आयात करना पड़ा—
(A) भोजन (B) खाद्य सामग्री
(C) शस्य (D) अनाज

6. 'यह आपका **अनुग्रह** है कि आप मुझ अकिंचन के यहाँ पधारे—
(A) अनुभूति (B) दया
(C) समर्थन (D) आग्रह

7. '**अबला** जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी'—
(A) निर्बल (B) नारी
(C) दरिद्र (D) रोगी

8. 'वह अपने विद्यालय में ही नहीं **अपितु** सम्पूर्ण प्रांत में प्रथम आता है'—
(A) यद्यपि (B) किन्तु
(C) बल्कि (D) अन्यथा

9. '**अमिय** हलाहल मद भरे अरुन सेत रतनार'—
(A) अमृत (B) महाविष
(C) महाकाल (D) व्याल

10. 'रमा ने स्वयं को जमाने के **अनुरूप** ढाल लिया है'—
(A) हिसाब (B) अनुसार
(C) स्वीकार्य (D) विचार

11. 'यह **असंदिग्ध** सत्य है कि देश अनेक क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है'—
(A) निष्पक्ष (B) निर्विवाद
(C) निःसंदेह (D) असंदेहास्पद

12. ‘**आकाश** में तारे चमक रहे हैं’—
(A) शून्य (B) बादल
(C) आसमान (D) घन

13. इस पेड़ के **आम** बहुत मीठे हैं—
(A) मंजरी (B) रसाल
(C) सौरभ (D) साधारण

14. ‘कबीर साहब **आडम्बर** के विरोधी थे’—
(A) झूठ (B) दिग्दर्शन
(C) मिथ्या (D) दिखावा

15. ‘आप मेरी बात का **आशय** नहीं समझे’—
(A) सार (B) परिणाम
(C) तात्पर्य/अर्थ (D) संक्षेप

16. हाथ के कंगन को **आरसी** क्या ?
(A) प्रमाण (B) आलस्य
(C) चश्मा/ऐनक (D) शीशा

17. मनुष्य का सबसे बड़ा और निकटवर्ती शत्रु **आलस्य** है’—
(A) प्रमाद (B) विस्मृति
(C) नासमझी (D) निकम्मापन

18. बरसात की उस रात में मुझे कहीं **आश्रय** न मिला—
(A) सहारा (B) विश्राम
(C) सहयोग (D) ठिकाना

19. ‘**इन्द्र** के अनुज उपेन्द्र (विष्णु) माने जाते हैं’—
(A) नृपित (B) महीपति
(C) देवराज (D) सम्राट

20. ‘अब क्षय जैसी प्राणघातक बीमारी का **इलाज** भी संभव है’—
(A) उपाय (B) निदान
(C) उपचार (D) समाधान

21. **ईश्वर** अंश जीव अविनाशी—
(A) शिव (B) विष्णु
(C) ब्रह्म (D) श्रीराम

22. ‘पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि **उत्पादन** बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है’—
(A) सृजन (B) उपज
(C) उद्‌भव (D) प्रसूत

23. शरारती तत्त्व **उपद्रव** के अवसर ढूँढ़ते रहते हैं—
(A) दुर्घटना (B) दंगा
(C) परिघटना (D) अशांति

24. ‘परसेवा **पर उपकार** में हम जग जीवन सफल बना जावें’—
(A) भलाई (B) नेकी
(C) परहित (D) अच्छाई

25. ‘माता-पिता अपनी संतानों के लिए सब सुविधाएं जुटाने हेतु **उद्धत** रहते हैं’—
(A) उद्विग्न (B) उत्कर्ण
(C) तत्पर (D) बेचैन

26. ‘अपनी बात के स्पष्टीकरण के लिए कोई **उदाहरण** दीजिए—
(A) नमूना (B) प्रमाण
(C) दृष्टांत (D) घटना

27. दीनानाथ शिव जी के **उपासक** हैं—
(A) आस्तिक (B) आराधक
(C) अवरोधक (D) आराध्य

28. ‘**ऊषाकाल** में टहलना स्वास्थ्य के लिए उत्तम है’—
(A) तड़के (B) सुबह
(C) भोर (D) प्रभात

29. ‘मैंने **एकान्त** में बैठकर चिंतन किया’—
(A) सुनसान (B) बीहड़
(C) जंगल (D) निर्जन

30. कुछ दिन बाद उसे अपनी गलती का **एहसास** हुआ—
(A) अनुभव/प्रतीति (B) ख्याल
(C) प्रायश्चित (D) विश्वास

31. प्रतियोगी परीक्षाओं में **ऐच्छिक** विषयों का चयन महत्वपूर्ण होता है—
(A) सरल (B) आवश्यक
(C) वैकल्पिक (D) गौड़

32. **ऐश्वर्य** सम्पन्न लोग प्रायः मदान्ध हो जाते हैं—
(A) वैभवशाली
(B) समृद्ध
(C) धनी
(D) साधन सम्पन्न

33. अधिकांश महिलाएं अपने **ओष्ठ** रक्तिम रखना पसंद करती हैं—
(A) अधर (B) दशनच्छद
(C) रदनच्छद (D) दोनों होठ

34. **ओस** पड़ने से तृण गीले हो जाते हैं—
(A) नीहार कण (B) शबनम
(C) हिमकण (D) निशाकण

35. आजकल ऊँचे **ओहदेदार** भी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं—
(A) अधिकारी (B) कर्मचारी
(C) पदाधिकारी (D) मंत्री

36. ‘**औंधी** खोपड़ी का एक प्रसिद्ध मुहावरा है’—
(A) मूर्ख (B) उल्टा/नीचा
(C) अज्ञानी (D) ज्ञानी

37. ‘आश्रम के **औदीच्य** एक सुंदर सरोबर है’—
(A) उत्तर (B) निकट
(C) पूर्व (D) कुछ दूर

38. कुछ साधु अपने को **औघड़** समुदाय का अनुयायी बताते हैं—
(A) फूहड़ (B) अनाड़ी
(C) अघोरी (D) अघोर पंथी

39. ‘उस **औरत** ने घर कर लिया है’—
(A) महिला (B) स्त्री
(C) नारी (D) पत्नी

40. गुंडे ने व्यापारी के अकारण ही **कंटाप** मार दिया—
(A) घूँसा (B) थप्पड़
(C) थपेड़ (D) धक्का

41. ‘अनुराधा का **कंठ** मधुर है’—
(A) गला (B) स्वर
(C) ग्रीवा (D) घींच

42. ‘मधुर वचन है औषधी, **कटुक** वचन है तीर’—
(A) कष्टकारी (B) पीड़ादायक
(C) अप्रिय (D) दुर्भावना

43. ‘राखी मेलि **कपूर** में हींग न होत सुगंध’—
(A) सुगंधित पदार्थ (B) तीव्र गंध
(C) उग्र गंध (D) कर्पूर

44. ‘गुरुजी ने अपने **कर** कमलों से मुझे प्रसाद दिया’—
(A) पाणि (B) हथेली
(C) बाँह (D) हाथ

45. ‘अली **कली** से ही बिंध्यो आगे कौन हवाल’—
(A) नायिका (B) अल्पवयस्क
(C) मुकुल (D) कमसिन

46. कृपया एक दिन का अवकाश देने का **कष्ट** करें—
(A) तकलीफ (B) कृपा
(C) वेदना (D) पीड़ा

47. ‘जानि पड़त है **काक** पिक ऋतु वसंत के माँहि’—
(A) वायस (B) द्रोण
(C) कोयल (D) कौआ

48. **कालपाश** से आज तक कोई बच नहीं पाया—
(A) काल के पास
(B) मृत्यु का जाल
(C) ब्रह्मास्त्र
(D) दुर्भाग्य

49. ‘अलकापुरी **कुबेर** की राजधानी कही जाती है’—
(A) धनाधिप (B) यक्षराज
(C) धन के देवता (D) असमय

50. शीतकाल में प्रातः **कुहरा** छा जाता है—
(A) अँधेरा (B) पाला
(C) कुहासा (D) प्रालेय

51. **केला** तबहि न चेतिया जब डिग लागी बेर—
(A) कुंजरासन (B) रंभाफल
(C) कदली (D) मोचा

52. आपकी अहेतुक **कृपा** के लिए आभारी हूँ—
(A) दया (B) प्रेम
(C) करुणा (D) अनुग्रह

53. कंस एक **क्रूर** शासक था—
(A) निर्दय (B) नीच
(C) दुष्ट (D) हृदयहीन

54. **कोयल** की मीठी कूक से वातावरण गुंजायमान हो उठा—
(A) काक (B) मयूख
(C) कोकिल (D) विहंग

55. एक कर्मठ प्रधानाचार्य के जाने से विद्यालय की बहुत **क्षति** हुई है—
(A) ग्लानि (B) भ्रांति
(C) अवनति (D) हानि

56. '**खग** जाने खग ही की भाषा'—
(A) पशु-पक्षी (B) तारा
(C) ग्रह (D) पक्षिगण

57. '**खल** की प्रीति यथा थिर नाही'—
(A) मूर्ख (B) गधा
(C) खच्चर (D) दुष्ट

58. वृहस्पति अपने मन की **खुशी** से सबको अवगत कराना चाहता था—
(A) संतोष (B) सुख
(C) प्रसन्नता (D) आह्लाद

59. छोटे-छोटे जमींदार भी अपना **खिदमतगार** रखने लगे थे—
(A) सेवक (B) नौकर
(C) परिचारक (D) दास

60. जिन **खोजा** तिन्ह पाइयां गहरे पानी पैठ—
(A) आविष्कार करना
(B) ढूँढ़ना
(C) तलाश करना
(D) पता लगाना

61. **गरुड़** पक्षी ने सीता को ले जाने से रोकने के लिए जी-जान से प्रयत्न किया—
(A) पक्षिराज (B) उरगारि
(C) मयूर (D) गिद्धराज

62. **गाय** का दूध स्वास्थ्यवर्द्धक होता है—
(A) भद्रा (B) अम्बा
(C) सुरभि (D) अजा

63. '**गुरु** गोविंद दोऊ खड़े काके लागूँ पांय'—
(A) वाचस्पति (B) वृहस्पति
(C) पूज्य पुरुष (D) शिक्षक

64. 'मैं राज्य का **गुरु** भार उठाने में समर्थ हूँ'—
(A) आचार्य (B) शिक्षक
(C) भारी/बड़ा (D) वाचस्पति

65. जिराफ **ग्रीवी** पशु है—
(A) सुंदर गर्दन वाला
(B) लम्बी गरदन वाला
(C) बड़ी गरदन वाला
(D) भारी गरदन वाला

66. जिसको न निज **गौरव** तथा निज देश का अभिमान है—
(A) स्वाभिमान (B) महत्त्व
(C) बड़प्पन (D) अहंकार

67. 'यह **घट** कांचा कुंभ है लिए चल्या था साथ।
ढवका लागा फूटिगा कछू न आया हाथ।।'
(A) घड़ा (B) कुंभ
(C) कलश (D) शरीर

68. हवन की **घमंड** चारों ओर फैल गई—
(A) अहंकार (B) चर्चा
(C) खुशबू/गंध (D) चंदा वसूली

69. '**चंदन** विष व्यापत नहीं लपटे रहत भुजंग'—
(A) दारुसार (B) दिव्य गंध
(C) मलय (D) हरिगंध

70. फूल की **चाह** नहीं है कि वह किसी सुरबाला के कंठ का हार बने—
(A) जिज्ञासा (B) अभिलाषा
(C) लिप्सा (D) उत्सुकता

71. 'वह **चितवन** औरै कछू जहि बस होत सुजान'—
(A) कटाक्ष (B) निगाह
(C) दृष्टि (D) चित्रकारिता

72. **च्यवन** क्रिया द्वारा दही से श्रीखंड तैयार किया जाता है—
(A) एक ऋषि
(B) टपकना/चूना
(C) धारा
(D) प्रवाह

73. 'मोहि कपट **छलछिद्र** न भावा'—
(A) बहाना (B) धोखा
(C) छलकना (D) ईर्ष्या

74. 'ईश्वर की माया कहीं धूप कहीं **छाया**'—
(A) प्रतिकृति (B) प्रतिबिम्ब
(C) छाँव (D) साया

75. प्रेमचन्द्र की कहानियों में एक **छिपा** संदेश भी है—
(A) गुप्त (B) रहस्यमय
(C) अप्रकट (D) लुप्त

76. अंशुल ने कुछ **जटिल** प्रश्न भी हल करके दिखाए—
(A) दुष्कर (B) दुर्निवार
(C) कठिन (D) विरल

77. 'ज्यों हरदी **जरदी** तजै, तजै सफेदी चून'—
(A) स्वाद
(B) औषधीय गुण
(C) विशेषता
(D) पीलापन

78. **जन-सेवा** है प्रभु की, यही पुण्य है, यही धर्म है—
(A) जनहितकारी कार्य
(B) नेतागिरी
(C) चिकित्सासेवा
(D) दान

79. '**जीवन** में मृत्यु बसी है, जैसे बिजली हो घन में'—
(A) उम्र (B) आयु
(C) जिंदगी (D) अवस्था

80. 'राष्ट्र **झंडे** का सम्मान करना हमारा कर्त्तव्य है'—
(A) निशान (B) केतु
(C) ध्वज (D) पताका

81. चाची अपने कार्य में एकदम **टंच** हैं—
(A) धूर्त्त (B) चालाक
(C) ठीक-ठाक (D) झगड़ालू

82. सुधा अपनी **टेव** नहीं छोड़ पा रही है—
(A) बैसाखी (B) टेक
(C) आलस्य (D) आदत

83. घनघोर वर्षा से सारा काम **ठप** हो गया—
(A) बंद (B) शुरू
(C) पूर्ण (D) अधूरा

84. कुछ लोग बड़ी **ठसक** में रहते हैं—
(A) अभिमान
(B) आडम्बर
(C) ऐंठ
(D) ओवर एक्टिंग

85. **डरपोक** लोग साहसिक कार्य नहीं कर पाते—
(A) कायर (B) आलसी
(C) भीरु (D) भयभीत

86. 'मैं बौरी डूबन **डरी** रही किनारे बैठ'—
(A) भयभीत (B) सहमी
(C) विस्मित (D) उत्कंठित

87. टंकण करने के दो **ढंग** हैं—
(A) प्रक्रिया (B) प्रणाली
(C) युक्ति (D) फार्मूला

88. **ढाक** के पत्तों से पत्तलें बनाई जाती हैं—
(A) टेसू (B) किंशुक
(C) छपला (D) कदली

89. वह हमेशा **तंद्रा** के माध्यम से अपनी नींद पूरी कर लेता था—
(A) अर्धनिंद्रा (B) निंद्रा
(C) सुषुप्ति (D) आलस्य

90. वह बुढ़िया दस रुपए लिहाफ की **तगाई** लेती है—
(A) तकादा
(B) तकाजा
(C) तागने की क्रिया
(D) तागने की मजदूरी

91. जीवन की कठिनाइयों में **तनिक** भी विचलित नहीं होना चाहिए—
(A) कदाचित् (B) किंचित
(C) यथासंभव (D) आंशिक

92. मदारी का करतब देखने के लिए **तमाम** लोग एकत्रित हो गए—
(A) सर्वत्र (B) सर्वदा
(C) समग्र (D) सर्वस्व

93. पुलिस चोरों की **तलाश** में थी—
(A) लालसा (B) प्राप्ति
(C) उत्कंठा (D) खोज

94. '**तरनि** तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए—
(A) नाव (B) नदी
(C) सूर्य (D) मल्लाह

95. तुम्हारी बातों का **तत्त्व** जब समझ में आया तो मैं बहुत खुश हुआ—
(A) भावार्थ (B) मुख्यार्थ
(C) वाच्यार्थ (D) सार

96. **तोता** एक सुन्दर और पालतू पक्षी है—
(A) कपोत (B) वाचाल
(C) होरिल (D) शुक

97. धूम्रपान **त्यक्तव्य** है—
(A) व्यक्तिगत शौक
(B) हानिकारक
(C) त्यागने योग्य
(D) छोड़ने योग्य

98. पूर्वजों की **थाती** उसके पास थी—
(A) जमीन जायदाद
(B) सम्पत्ति
(C) धरोहर
(D) सोना-चाँदी

99. ऋचा के पास पाँच **थान** स्वर्णाभूषण हैं—
(A) टुकड़ा
(B) देवस्थान
(C) पशुओं का स्थान
(D) गहनों की संख्या

100. 'सार-सार को गहि रहै, **थोथा** देय उड़ाय'—
(A) धूल (B) खोखलापन
(C) तत्त्वरहित (D) निकम्मा

101 'राजनीति में कौन किसको कब **दगा** दे जाए कहा नहीं जा सकता'—
(A) विस्फोट (B) जलाना
(C) धोखा (D) सीख

102. 'मनुज दुग्ध से **दनुज** रुधिर से अमर सुधा से जीते हैं'—मैथिलीशरण गुप्त
(A) राक्षस (B) दानव
(C) असुर (D) निशाचर

103. '**द्विज** देवता घरहि के बाढ़े'—तुलसी—
(A) पक्षी (B) ब्राह्मण
(C) दाँत (D) चंद्रमा

104. उन दिनों बादशाह से मिल पाना लगभग **दुर्लभ** था—
(A) दुष्वार (B) दुष्कर्म
(C) कठिन (D) दुर्दम्य

105. हनुमान जी भगवान श्रीराम के **दूत** थे—
(A) पापक (B) अनुचर
(C) हरकारा (D) पदाति

106. किसी के प्रति **द्वेष** भाव नहीं रखना चाहिए—
(A) वैमनस्य (B) ईर्ष्या
(C) स्पर्द्धा (D) जलन

107. 'यहि **धनु** पर ममता केहि हेतू'—
(A) धनुष (B) चाप
(C) धन्वा (D) कमान

108. **धर्म** मनुष्य की भावात्मक वृत्ति है—
(A) सम्प्रदाय
(B) ईश्वरीय श्रद्धा
(C) नीति
(D) सदाचार

109. **ध्रुव** अपनी लगन के पक्के थे—
(A) एक तारा (नक्षत्र)
(B) दृढ़ निश्चयी
(C) महाराज उत्तानपाद के पुत्र
(D) विष्णु

110. 'आज सुनीता कुछ विशेष **नंदित** थी'—
(A) अलसाई (B) प्रमादी
(C) प्रसन्न (D) मुस्काई

111. यह बालक बड़ा **नक्षत्री** है—
(A) भाग्यशाली
(B) नक्षत्र में उत्पन्न
(C) अच्छे कुल में उत्पन्न
(D) धनवान घर में उत्पन्न

112. पुराने जमाने में मुलाकाती लोग राजा को **नजर** देकर प्रणाम करते थे—
(A) निगाह दृष्टि (B) कृपा
(C) उपहार (D) ध्यान

113. व्यापारी बहुत **नदीदा** और धूर्त था—
(A) चालाक
(B) लालची
(C) मुनाफाखोर
(D) मिलावटी करने वाला

114. 'दुकानदार ने **नाना** प्रकार की वस्तुएं दिखायीं'—
(A) विविध (B) सुन्दर
(C) बहुत (D) दुर्लभ

115. वह अपने कार्य क्षेत्र में **निपुण** है—
(A) होशियार (B) दक्ष
(C) व्यावहारिक (D) योग्य

116. '**निर्मल** मन जन सो मोहि पावा, मोहि कपट छल छिद्र न भावा'—
(A) पावन (B) निश्छल
(C) स्वच्छ (D) निर्दोष

117. वैद्य की वह **निस्स्वादु** औषधि चमत्कारिक प्रभाव वाली है—
(A) पसीना बंद करने वाली
(B) पसीना लाने वाली
(C) बुरे स्वाद वाली
(D) अच्छे स्वाद वाली

118. '**नीम** न मीठा होय सींचो गुड़ घी से'—
(A) अधपका
(B) आधीरात
(C) स्वस्थ/निरोग
(D) एक औषधीय पेड़

119. 'बातें इनकी प्यारी-प्यारी **नीयत** इनकी बड़ी बुरी'—
(A) इरादा (B) स्पर्द्धा
(C) ईर्ष्या (D) द्वेष

120. 'कोयल का स्वर **पंचम** का प्रतीक माना जाता है'—
(A) पाँचवाँ
(B) संगीत का सबसे सुरीला स्वर
(C) सरगम का पंचम स्वर
(D) मधुर

121. 'संकटपूर्ण **पथ** पर चलना साहसी लोगों का काम है'—
(A) सन्मार्ग (B) कुमार्ग
(C) रास्ता (D) सड़क

122. 'वर-वधू **परिणय** पर्व पर एक-दूसरे को माला पहनाते हैं'—
(A) गठबंधन (B) शादी
(C) पाणिग्रहण (D) विवाहोत्सव

123. जीवन में **प्रफुल्लित** रहना सीखो—
(A) हर्षित (B) परिमित
(C) उल्लासित (D) उत्तेजित

124. 'शिक्षित-जन **पाशविकता** से दूर रहते हैं'—
(A) अज्ञानता
(B) दुष्कर्म
(C) पशुवत् आचरण
(D) बंधन

125. 'वह **पुख्ता** इंसान है'—
(A) पक्का (B) चतुर
(C) धनाढ्य (D) वयस्क

126. सरकार **बंजर** भूमि-सुधार पर विशेष जोर दे रही है—
(A) ऊसर (B) रेहमय
(C) अनुर्वर (D) अनुपजाऊ

127. 'मूर्खों से **बहस** मत करो'—
(A) लड़ाई (B) जिद
(C) सवाल-जवाब (D) शास्त्रार्थ

128. **बहुत** बोलना अच्छा नहीं होता—
(A) उचित से अधिक
(B) यथेष्ट
(C) अधिक से भी अधिक
(D) बकवास

129. 'नगर में एक **बालिका** विद्यालय की महती आवश्यकता है'—
(A) लड़की (B) नारी
(C) कन्या (D) जननी

130. 'उसका हिसाब **बिलकुल** साफ हो गया है'—
(A) सारा (B) एकदम
(C) तनिक (D) कुछ

131. '**बीती** ताहि विसारि दे आगे की सुधि लेय'—
(A) वृतांत (B) घटित घटना
(C) समाप्ति (D) भूतकालिक

132. 'सुशील पर सारे परिवार का **बोझ** है'—
(A) वजन (B) कार्य
(C) उत्तरदायित्व (D) खर्चा

133. शहर में नेताजी का **बोल-बाला** है—
(A) ओजस्वी वक्ता
(B) मधुर वक्ता
(C) मान-प्रतिष्ठा
(D) सर्वोपरि महत्त्व

134. 'भगवान कृष्ण की भाव **भंगिमा** मनमोहक थी'—
(A) कुटिलता (B) चतुरता
(C) कलापूर्ण मुद्रा (D) वक्रता

135. '**भक्ति** द्वारा भगवान और मोक्ष की प्राप्ति संभव है'—
(A) श्रद्धा
(B) आराधना/अनुराग
(C) विश्वास
(D) भजन

136. 'नेताजी का **भड़काऊ** भाषण ही दंगा का कारण है'—
(A) उबाने वाला
(B) ओजस्वी
(C) उत्तेजित करने वाला
(D) भड़काने वाला

137. राधा ने उस विषम परिस्थिति को पहले ही **भाँप** लिया था—
(A) समझना (B) अनुमान करना
(C) पता लगाना (D) भेद समझना

138. 'काग के **भाग** बड़े सजनी हरि हाथ से लै गयो माखन रोटी'—
(A) हिस्सा (B) टुकड़ा
(C) अंश (D) भाग्य

139. 'बुद्ध वचन सुनकर सभी के हृदय करुणा से **भीग** गए'—
(A) गीला होना
(B) दयार्द्र होना
(C) खो जाना
(D) सब कुछ भूल जाना

140. प्रदर्शनकारियों की **भीड़** से आवागमन अवरुद्ध हो गया'—
(A) रैली (B) धक्कम धक्का
(C) जनसमूह (D) शोरगुल

141. 'रहिमन बहु **भेषज** करत, व्याधि न छाँड़ति साथ'—
(A) आडम्बर (B) उपाय
(C) औषधि (D) विधि

142. 'दैहिक, दैविक **भौतिक** तापा'—
(A) सांसारिक (B) प्राकृतिक
(C) शारीरिक (D) वास्तविक

143. 'दादा जी **भौमवार** को व्रत रखते हैं'—
(A) रविवार (B) सोमवार
(C) वृहस्पतिवार (D) मंगलवार

144. 'लोक **मंगल** की भावना से बहुत कम लोग काम करते हैं'—
(A) मंगलवार (B) कुशलक्षेम
(C) कल्याण/हित (D) शुभकार्य

145 'हमें मजबूत नहीं, **मजबूर** सरकार चाहिए'—
(A) कमजोर (B) अस्थिर
(C) लाचार (D) दुर्बल

146. हनुमान को **मरुत** नंदन भी कहते हैं—
(A) वायु/पवन (B) जल
(C) अग्नि (D) आँधी

147. 'उसके **मस्तिष्क** में सहसा ही एक विचार कौंधा'—
(A) दिमाग (B) अक्ल
(C) बुद्धि (D) प्रज्ञा

148. उस होटल में **मांसाहारी** लोग भोजन कर रहे थे—
(A) सामिष (B) निरामिष
(C) विसंगत (D) विशुद्ध

149. 'उसने अपने **मित्र** को हवेली का रहस्य बताकर बहुत बड़ी गलती की'—
(A) सहचर (B) सहपाठी
(C) सहयोगी (D) सहभागी

150. 'मानव सेवा ही **मोक्ष** का मार्ग है'—
(A) निर्वाण (B) स्वर्ग
(C) मुक्ति (D) विरक्ति

151. 'राम और लक्ष्मण ने **यज्ञ** की रक्षा की थी'—
(A) अनुष्ठान (B) हवन
(C) ऋत (D) मख

152. उन दिनों भारतीय जनमानस **यवनों** के आक्रमण से भयभीत था—
(A) म्लेच्छ
(B) मुसलमान/यूनानी
(C) तेज घोड़ा
(D) लुटेरे

153. हिरन तेजी से **याम्या** की ओर सघन झाड़ी में घुस गया—
(A) अंधेरा (B) रात्रि
(C) दक्षिण दिशा (D) उत्तर दिशा

154. 'दो और चार का **योग** छः हुआ'—
(A) साधना (B) सम्बन्ध
(C) जोड़ (D) ध्यान

155. सूर्योदय से पूर्व दिशा **रंजित** थी—
(A) सुशोभित (B) लालिमायुक्त
(C) आलोकित (D) मंडित

156. दीवाली के दिन नगर का **रंग** देखने लायक होता है—
(A) सौन्दर्य (B) छटा
(C) रूप (D) स्वरूप

157. 'राम **रमा** पति कर धनु लेहू'—
(A) विष्णु (B) भगवान
(C) भगवती (D) लक्ष्मी

158. 'वह देर रात तक अपनी **राम कहानी** सुनाता रहा'—
(A) व्यथा
(B) रामायण
(C) घटनाओं का विस्तृत वर्णन
(D) दुःखभरी बातें

159. 'हमें उचित **रीति** से कार्य करना चाहिए'—
(A) प्रणाली (B) व्यवस्था
(C) ढंग (D) परम्परा

160. 'अध्ययन के लिए **रुचि** पैदा करना अध्यापक का प्रमुख कार्य है'—
(A) इच्छा/अनुराग (B) विराग
(C) जिज्ञासा (D) पिपासा

161. शाम को बाजार की **रौनक** बढ़ जाती है—
(A) भीड़ (B) चमक
(C) सुन्दरता (D) क्रय-विक्रय

162. मेरा उच्च अधिकारी बनने का **लक्ष्य** है—
(A) निशाना (B) लक्षण
(C) उद्देश्य/ध्येय (D) ध्यान

163. **लक्ष्मीवान** व्यक्तियों का दर्प उनके पतन का कारण बनता है—
(A) सम्पन्न (B) अमीर
(C) धनी (D) समृद्ध

164. उसको एक साधारण दवा से ही **लाभ** होने लगा—
(A) प्राप्ति (B) वृद्धि
(C) उपकार (D) फायदा

165. गुस्से में चेहरा **लाल** हो जाता है—
(A) दुलारा (B) एक रत्न
(C) सुर्ख (D) गुलाबी

166. 'लीक-लीक गाड़ी चलै, **लीकै** चले कपूत'—
(A) पगडंडी
(B) लम्बी रेखा
(C) रास्ता
(D) पुरानी रीति रस्म

167. सृष्टि तो ईश्वर की एक **लीला** है—
(A) खेलवाड़
(B) अभिनय
(C) विलास
(D) रहस्ययुक्त कार्य

168. 'मधुर **वचन** है औषधी कटुक वचन है तीर'—
(A) बात (B) वाणी
(C) वाचाल (D) वचसा

169. 'वंदे **वाणी** विनायकौ'—
(A) भाषा (B) जिह्वा
(C) सरस्वती (D) बोली

170 भूषन बिन न विराजई कविता **बनिता** मित्त'
(A) महिला (B) बालिका
(C) नारी (D) सुंदरी

171. 'यह घटना उस समय की है जब भारत-पाकिस्तान का **विभाजन** हुआ था'—
(A) विच्छेद (B) विग्रह
(C) वियोग (D) बँटवारा

''बीती **विभावरी** जागरी
172. अंबर पनघट में डिबो रही तारा घट ऊषा नागरी''
(A) पनिहारा (B) सुन्दरी
(C) नवयौवना (D) निशा

173. 'नाम **वियोगी** ना जिए, जिए तो बाउर होय'—
(A) गृहत्यागी (B) संन्यासी
(C) विरही (D) संत्रस्त

174. ''होय **विवेक** मोह भ्रम भागा, तब रघुनाथ चरन अनुरागा।''
(A) भले-बुरे का ज्ञान
(B) बुद्धि
(C) प्रज्ञा
(D) नई सोच

175. 'प्रतिवर्ष 17 सितम्बर को **विश्वकर्मा** पूजा होती है'—
(A) सांसारिक कर्म
(B) देवताओं के शिल्पी का नाम
(C) सभी कार्यों का करने वाला
(D) संसार को बनाने वाला

176 'सुंदर है **विहंग** सुमन सुंदर, मानव तुम सबसे सुंदरतम्'—
(A) पक्षी
(B) जहाज
(C) सुंदरतम् दृश्य
(D) खिला हुआ कमल

177. हिन्दी भाषा में **बिहार** का अर्थ है—
(A) बौद्ध मठ
(B) पर्यटन
(C) क्षितिज
(D) इनमें से कोई नहीं

178. 'को जानिए **शंभु** तजि आन'—
(A) शंकर (B) धनुर्धर
(C) ईश्वर (D) ब्रह्मा

179. 'स्वस्थ **शरीर** में स्वस्थ मन का वास होता है'—
(A) प्राणी (B) जिस्म
(C) मिट्टी (D) घट

180. '**शर्मदार** व्यक्ति के लिए इतना काफी है'—
(A) इज्जतदार (B) अपमानित
(C) तिरस्कृत (D) उपकृत

181. 'रुपए मिलने पर वह **शांत** हो गया'—
(A) नि:शब्द (B) विनम्र
(C) संतुष्ट (D) तसल्ली

182. 'उस पुस्तक में मुगल **शासनकाल** की गौरव गाथा है'—
(A) शासन का समय
(B) राज्य के विरोधी
(C) हुकूमत का कार्य
(D) नियंत्रण का कार्य

183. '**शिक्षक** हीं सिगरे जग को तिय ताको कहा अब देति है शिक्षा'—
(A) दिग्दर्शक
(B) उपदेशक
(C) शिक्षा देने वाला
(D) पथ प्रदर्शक

184. '**शुक्ल** पक्ष की नवमी दिन रविवार को यज्ञ होना है'—
(A) सफेद (B) स्वच्छ
(C) चांदनी (D) शुभ्र

185. '**शैतान** के मुँह लगना समझदारी नहीं है'—
(A) राक्षस (B) प्रेत
(C) दुष्टजन (D) उपद्रवी

186. '**संकट** आने पर मित्र की सहायता करना धर्म है'—
(A) विपत्ति (B) आपत्ति
(C) कमजोरी (D) दुर्दिन

187. 'उसने शराब न पीने का **संकल्प** किया'—
(A) इरादा (B) दृढ़ निश्चय
(C) विचार (D) सोच

188. 'दोनों दलों में **संघर्ष** जारी है'—
(A) टकराव (B) झगड़ा
(C) मारपीट (D) प्रयत्न

189. 'राम ने रावण का **संहार** किया'—
(A) हत्या (B) सत्यानाश
(C) वध (D) विनाश

190. '**सकल** पदारथ हैं जग माँही, करमहीन नर पावत नाहीं'—
(A) हवन सामग्री (B) समूचा
(C) सम्पूर्ण (D) सब कुछ

191. नेताजी को लगभग सभी सांसदों का **समर्थन** प्राप्त है—
(A) सहभागिता (B) सानिध्य
(C) अनुमोदन (D) सहयोग

192. 'भगवान बुद्ध के **समान** महापुरुष होना मुश्किल है'—
(A) साम्य (B) अतुलनीय
(C) सदृश (D) प्रकार

193. 'अभी दो नए पदों का **सृजन** हुआ है'—
(A) उत्पत्ति (B) पैदावार
(C) जन्म (D) निर्मित

194. 'अपनी कक्षा में सदैव प्रथम **स्थान** रहा'—
(A) स्थल (B) जगह
(C) पद (D) सम्मान

195. 'कक्षा के विद्यार्थियों में **स्पर्द्धा** है कि कौन अधिक अंक प्राप्त करता है'—
(A) लगन (B) द्वन्द्व
(C) होड़ (D) ईर्ष्या

196. 'आपको भ्रमित करने के लिए उन लोगों ने **स्वांग** रचा'—
(A) झूठ (B) षड्यंत्र
(C) भेद (D) नाटक

197. 'लेखनकार्य में बुद्धि और हृदय का **सामंजस्य** होना आवश्यक है'—
(A) समुदाय (B) मिश्रण
(C) समन्वय (D) सौष्ठव

198. 'वक्त आने पर आपका **सितारा** चमकेगा'—
(A) तारा (B) नक्षत्र
(C) भाग्य (D) तरक्की

199. 'सभी कार्यक्रम **सिलसिलेवार** ही संपन्न होंगे'—
(A) लगातार (B) सुविधानुसार
(C) क्रमानुसार (D) अनवरत

200. 'प्रत्येक चीज की एक **सीमा** होती है'—
(A) किनारा (B) मर्यादा
(C) चरम बिन्दु (D) हद/सरहद

201. मांगलिक कार्य **सुंदर** महूर्त में किए जाते हैं—
(A) अच्छे (B) खूबसूरत
(C) प्रियदर्शी (D) शुभ

202. **हजारों** लोगों ने राष्ट्रपिता के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की'—
(A) एक हजार (B) अधिक
(C) अनेक (D) विपुल

203. '**हठधर्म** का त्याग करना विवेकी का गुण है'—
(A) दुराग्रह (B) प्रतिज्ञा
(C) संकल्प (D) हेकड़ी

204. **हिन्दी** हैं हम, वतन है हिन्दोस्तां हमारा'—
(A) राजभाषा (B) राष्ट्रभाषा
(C) भारतीय (D) भारती

205. '**हित** अनहित पशु-पक्षी जाना'—
(A) अपकार (B) भलाई
(C) अच्छाई (D) सुंदरता

206. 'क्या गुरु दे संतोषिए **हौस** रही मन मांहि'—
(A) उत्कंठा/प्रबल इच्छा
(B) जिज्ञासा
(C) पिपासा
(D) क्षुधा

उत्तरमाला

1. (B) 2. (C) 3. (C) 4. (B) 5. (D)
6. (B) 7. (B) 8. (C) 9. (A) 10. (B)
11. (B) 12. (C) 13. (B) 14. (D) 15. (C)
16. (D) 17. (D) 18. (D) 19. (C) 20. (C)
21. (C) 22. (B) 23. (B) 24. (C) 25. (C)
26. (C) 27. (B) 28. (A) 29. (D) 30. (A)
31. (C) 32. (A) 33. (D) 34. (B) 35. (C)
36. (B) 37. (A) 38. (D) 39. (B) 40. (B)
41. (B) 42. (C) 43. (D) 44. (D) 45. (C)
46. (A) 47. (D) 48. (B) 49. (C) 50. (C)
51. (C) 52. (D) 53. (A) 54. (C) 55. (D)
56. (D) 57. (D) 58. (C) 59. (A) 60. (B)
61. (A) 62. (C) 63. (C) 64. (C) 65. (B)
66. (A) 67. (D) 68. (C) 69. (C) 70. (B)
71. (A) 72. (B) 73. (B) 74. (C) 75. (C)
76. (C) 77. (D) 78. (A) 79. (C) 80. (C)
81. (C) 82. (D) 83. (A) 84. (A) 85. (A)
86. (A) 87. (B) 88. (A) 89. (A) 90. (D)
91. (C) 92. (C) 93. (D) 94. (C) 95. (D)
96. (A) 97. (C) 98. (C) 99. (D) 100. (C)
101. (C) 102. (B) 103. (B) 104. (C) 105. (C)
106. (A) 107. (A) 108. (B) 109. (C) 110. (B)
111. (A) 112. (C) 113. (B) 114. (A) 115. (B)
116. (C) 117. (C) 118. (D) 119. (A) 120. (C)
121. (C) 122. (C) 123. (A) 124. (C) 125. (C)
126. (C) 127. (C) 128. (A) 129. (C) 130. (A)
131. (B) 132. (C) 133. (C) 134. (C) 135. (B)
136. (D) 137. (B) 138. (D) 139. (B) 140. (C)
141. (C) 142. (A) 143. (D) 144. (C) 145. (C)
146. (A) 147. (A) 148. (A) 149. (A) 150. (A)
151. (D) 152. (B) 153. (C) 154. (C) 155. (B)
156. (A) 157. (D) 158. (C) 159. (C) 160. (A)
161. (C) 162. (C) 163. (C) 164. (D) 165. (C)
166. (D) 167. (D) 168. (B) 169. (C) 170. (C)
171. (D) 172. (D) 173. (C) 174. (A) 175. (A)
176. (A) 177. (A) 178. (A) 179. (D) 180. (A)
181. (C) 182. (A) 183. (C) 184. (C) 185. (C)
186. (A) 187. (B) 188. (A) 189. (B) 190. (C)
191. (C) 192. (C) 193. (A) 194. (D) 195. (C)
196. (D) 197. (C) 198. (C) 199. (C) 200. (D)
201. (D) 202. (C) 203. (A) 204. (C) 205. (B)
206. (A)

●●●

विलोमार्थक शब्द

विलोम का अर्थ है—उल्टा या विपरीत. उल्टे या विपरीत अर्थ में प्रयुक्त होने वाले शब्दों को **विलोम** या विपरीतार्थक शब्द कहते हैं; जैसे—'धर्म', 'अधर्म' शब्द. यहाँ 'अधर्म' शब्द 'धर्म' का विलोम है, क्योंकि यह 'धर्म' शब्द का ठीक उल्टा अर्थ व्यक्त कर रहा है, और 'धर्म' शब्द 'अधर्म' का ठीक उल्टा अर्थ व्यक्त कर रहा है, अतः ये दोनों शब्द परस्पर विलोम हैं. 'विलोम' शब्दों को विलोमार्थक, विपर्याय, विपरीतार्थक, प्रतिलोमार्थक शब्द भी कहते हैं.

किसी भाषा की सम्पन्नता का मूल्यांकन उसकी 'शब्द-संपदा' से किया जाता है. नित नए विचारों, खोजों, आविष्कारों के समावेश से नवीनतम शब्दों का सृजन अनवरत् गति से चलता रहता है और भाषा की शब्द संपदा निरन्तर बढ़ती रहती है. इस दृष्टि से हिन्दी हमारी समृद्ध और संपन्न भाषा है.

भाषा में भावों-विचारों की स्पष्टता के लिए विलोम शब्दों का ज्ञान उपयोगी होता है. जैसे—**'अवरोह'** शब्द का विलोम 'पतन' 'नीचे गिरना' की अपेक्षा **'आरोह'** कहने से अर्थ की प्रतीति और भी स्पष्टता से हो जाती है. विलोमार्थक शब्द किन्हीं दो वस्तुओं की तुलना करने के लिए भी काफी उपादेय सिद्ध होते हैं. इन शब्दों के प्रयोग से भाषा में निखार आ जाता है, जिससे कथन/लेखन प्रभावशाली बन जाता है. स्पष्ट है कि विलोम शब्दों के प्रयोग से अभिव्यक्ति शक्ति बढ़ जाती है. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों के 'भाषा-ज्ञान' का मूल्यांकन करने हेतु विलोमार्थक शब्द पूछे जाते हैं.

विलोम शब्द चयन सम्बन्धी ध्यातव्य बातें—

1. संज्ञा शब्द का विलोम कोई संज्ञा शब्द ही होगा; इसी प्रकार विशेषण का विलोम विशेषण, क्रिया का क्रिया, क्रिया विशेषण का क्रिया विशेषण शब्द ही बताना/लिखना चाहिए.
2. तत्सम शब्द का विलोम तत्सम, तद्भव का तद्भव, देशज का विलोम देशज और विदेशी शब्द का विलोम विदेशी ही बताना/लिखना चाहिए.
3. विलोम शब्दों के सही चयन के लिए विलोम शब्द रचना का ज्ञान होना आवश्यक है. विलोम शब्दों की रचना अनेक प्रकार से की जाती है; यथा—उपसर्ग लगाकर, उपसर्गों के परिवर्तन से, लिंग परिवर्तन से, इसके अलावा कुछ स्वतन्त्र शब्द होते हैं, जिनका आपस में कोई सम्बन्ध नहीं होता है. कुछ उदाहरण द्रष्टव्य हैं—

उपसर्ग	**निर्मित विलोम शब्द**
अ	न्याय से अन्याय, धर्म से अधर्म, प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष, हिंसा से अहिंसा, सामान्य से असामान्य इत्यादि.
अन्	अस्तित्व से अनस्तित्व, अंगीकार से अनंगीकार, औपचारिक से अनौपचारिक, उदात्त से अनुदात्त, उत्तरित—अनुत्तरित इत्यादि.
अप	कीर्ति से अपकीर्ति, यश से अपयश, उत्कर्ष से अपकर्ष, मान से अपमान, उपकार से अपकार इत्यादि.
निर्	आदर से निरादर, सामिष से निरामिष, साकार से निराकार, सापेक्ष से निरपेक्ष, सलज्ज से निर्लज्ज इत्यादि.
प्रति	वादी से प्रतिवादी, आगत से प्रत्यागत, आगमन से प्रत्यागमन् आदि.
वि	सम्मुख से विमुख, योजन से वियोजन, राग से विराग आदि.

उपसर्गों के परिवर्तन से

स उपसर्ग के स्थान पर निस्, उपसर्ग लगाने से—	सचेष्ट से निश्चेष्ट, सक्रिय से निष्क्रिय, सशुल्क से निःशुल्क, सत्कर्म से दुष्कर्म इत्यादि.
सु उपसर्ग के स्थान पर दुर्, दुस् लगाने से—	सुव्यवस्थित से दुर्व्यवस्थित, सुबोध से दुर्बोध, सत्कर्म से दुष्कर्म, सज्जन से दुर्जन, सच्चरित्र से दुश्चरित्र इत्यादि.
सु उपसर्ग के स्थान पर कु उपसर्ग लगाने से—	सुपुत्र से कुपुत्र, सुपात्र से कुपात्र, सुपाच्य से कुपाच्य इत्यादि.
बा उपसर्ग के स्थान पर बे उपसर्ग लगाने से—	बाइज्जत से बेइज्जत, बारोजगार से बेरोजगार, बाकायदा से बेकायदा इत्यादि.
लिंग परिवर्तन से	लड़का से लड़की, कुत्ता से कुतिया, हाथी से हथिनी, घोड़ा से घोड़ी इत्यादि.

स्वतन्त्र विलोम—निंदा-प्रशंसा, कृतज्ञ-कृतघ्न आदि.

प्रतियोगी परीक्षाओं में विलोम शब्द चयन के लिए जो विकल्प दिए जाते हैं उनमें एक ही सही होता है शेष या तो गलत होते हैं अथवा सही के निकट होते हैं. कभी-कभी कुछ ऐसे विकल्प होते हैं जिन्हें गलत नहीं कहा जा सकता है फिर भी वे सही नहीं होते हैं. जैसे—

जय का विलोम है–(A) हार (B) **पराजय**. इसमें दोनों विकल्प सही हैं, लेकिन **जय** शब्द का ठीक (उपयुक्त) विलोम **पराजय** ही है. इसी प्रकार **लाभ** शब्द का विलोम है—(A) अलाभ (B) हानि, यहाँ भी दोनों विकल्प सही हैं, लेकिन **लाभ** का उपयुक्त विलोम **हानि** ही है. अतः परीक्षा में विलोम शब्द का समुचित चयन आवश्यक है.

प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखकर कोश क्रम में शब्द और उनके विलोम विकल्पों सहित दिए जा रहे हैं. आशा है शब्दों का चयन, क्रम तथा उनका सही विलोम परीक्षार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक शब्द के चार-चार विलोमार्थक शब्द दिए गए हैं. इनमें से एक ही विकल्प सही है. आपको सही उत्तर का चयन करना है—

1. **अंत :**
(A) शुरू (B) आदि
(C) अनादि (D) चालू

2. **अंतरंग :**
(A) विरंग (B) बाहरी
(C) बहिरंग (D) ऊपरी

3. **अंदर :**
(A) भीतर (B) बाहर
(C) ऊपर (D) अलग

4. **अक्षत :**
(A) चावल (B) दाल
(C) संपूर्ण (D) विक्षत

5. **अग्नि :**
(A) पवन (B) समीर
(C) जल (D) जलधि

6. **अग्र :**
(A) शांत (B) पश्च
(C) मध्यम (D) अधम

7. **अग्रज :**
(A) मँझला (B) बड़ा
(C) अनुज (D) विग्रंज

8. **अच्युत :**
(A) च्युत (B) पतित
(C) द्रवण (D) संलग्न

9. **अज्ञ :**
(A) प्रज्ञ (B) समझदार
(C) चतुर (D) प्रवीण

10. **अति :**
(A) अधिक (B) बहुत
(C) निम्न (D) न्यून

11. **अतिथि :**
(A) आगन्तुक (B) मेहमान
(C) अतिथेय (D) अनुज

12. **अतुल :**
(A) सुंदर (B) अनुपम
(C) तुल्य (D) समरूप

13. **अथ :**
(A) इति (B) समाप्त
(C) संपूर्ण (D) खत्म

14. **अधिक :**
(A) अल्प (B) गौण
(C) अकिंचन (D) असक्षम

15. **अधुनातन :**
(A) प्राचीन
(B) पुरातन
(C) आदिकालीन
(D) पाषाणकालीन

16. **अधृष्ट :**
(A) निर्लज्ज (B) बेशर्म
(C) धृष्ट (D) बेहया

17. **अनपत्य :**
(A) पत्य (B) संततिवान
(C) कुटुम्बी (D) सनाथ

18. **अनादर :**
(A) सम्मान (B) आदर
(C) सत्कार (D) मान

19. **अनुकूल :**

(A) विपरीत (B) माकूल
(C) विरुद्ध (D) प्रतिकूल

20. **अनुकृति :**
(A) प्रतिकृति (B) वास्तविक
(C) तथ्यपरक (D) अग्रकृति

21. **अनुशासित :**
(A) शासित (B) स्वच्छंद
(C) उच्छृंखल (D) अनियंत्रित

22. **अन्यमनस्क :**
(A) स्वस्थ (B) सतर्क
(C) सजग (D) प्रसन्न

23. **अपकार :**
(A) परमार्थ (B) परस्वार्थ
(C) उपकार (D) भलाई

24. **अपमान :**
(A) आदर (B) सम्मान
(C) मान (D) अभिनन्दन

25. **अपवित्र :**
(A) पवित्र (B) शुद्ध
(C) स्वच्छ (D) निर्मल

26. **अबला :**
(A) पुरुष (B) नर
(C) शक्तिरूपा (D) सबला

27. **अभिज्ञ :**
(A) अज्ञानी (B) मूर्ख
(C) अनिपुण (D) अनभिज्ञ

28. **अभिमान :**
(A) गर्व (B) स्पर्धा
(C) निरभिमान (D) अपमान

29. **अभिशाप :**
(A) अवांछित (B) अनिच्छित
(C) अग्राह्य (D) वरदान

30. **अर्जन :**
(A) वर्जन (B) प्राप्ति
(C) उपलब्धि (D) त्याग

31. **अर्वाचीन :**
(A) नवीन (B) नव्य
(C) पुराना (D) प्राचीन

32. **अल्पज्ञ :**
(A) बहुज्ञ (B) ज्ञानी
(C) विद्वान् (D) महाविद्वान

33. **अल्पायु :**
(A) वृद्धावस्था (B) युवावस्था
(C) किशोरावस्था (D) दीर्घायु

34. **अवकाश :**
(A) छुट्टी (B) अनवकाश
(C) आराम (D) विश्राम

35. **अवनि :**
(A) बादल (B) आसमान
(C) अंबर (D) आकाश

36. **असमान :**
(A) बराबर (B) समान
(C) समतुल्य (D) भिन्नता

37. **असुर :**
(A) देवता (B) सुर
(C) यक्ष (D) मानव

38. **आकर्षक :**
(A) भद्दा (B) कुरूप
(C) अनाकर्षक (D) घृणास्पद

39. **आकाश :**
(A) अंबर (B) द्यौ
(C) पाताल (D) नभ

40. **आकुंचन :**
(A) सिकुड़ना (B) असीमित
(C) संकुचन (D) प्रसारण

41. **आग :**
(A) अनल (B) पानी
(C) पत्थर (D) वैश्वान

42. **आगत :**
(A) अनागत (B) अतिथि
(C) आगन्तुक (D) विगत

43. **आग्रह :**
(A) विग्रह (B) अनुरोध
(C) याचना (D) निवेदन

44. **आचार :**
(A) स्वभाव (B) विचार
(C) अनाचार (D) आदत

45. **आजादी :**
(A) गुलामी   (B) स्वतंत्रता
(C) बंधुआ   (D) शोषित

46. **आत्मा :**
(A) अनात्मा   (B) पक्षी
(C) प्राण   (D) हंस

47. **आदर :**
(A) शोषण   (B) सम्मान
(C) अनादर   (D) स्वागत

48. **आदि :**
(A) आरंभ   (B) अंत
(C) श्रीगणेश   (D) समापन

49. **आधार :**
(A) निराधार   (B) अजीविका
(C) रोजी   (D) रोजगार

50. **आध्यात्मिक :**
(A) लौकिक   (B) सांसारिक
(C) पारिवारिक   (D) भौतिक

51. **आमिष :**
(A) सामिष   (B) निरामिष
(C) मांसाहारी   (D) अल्पाहारी

52. **आयात :**
(A) मँगाना   (B) खरीदना
(C) निर्यात   (D) बेचना

53. **आरंभ :**
(A) पूर्णत्व   (B) खत्म
(C) संपूर्ण   (D) अंत

54. **आरूढ़ :**
(A) सवार   (B) अनारूढ़
(C) च्युत   (D) पतित

55. **आरोह :**
(A) अवरोह   (B) क्रमबद्ध
(C) क्रमानुसार   (D) लगातार

56. **आलोक :**
(A) प्रकाश   (B) तेज
(C) अंधकार   (D) लोक

57. **आवरण :**
(A) पर्दा   (B) कपड़ा
(C) संरक्षण   (D) अनावरण

58. **आवाहन :**
(A) आवर्तन   (B) विसर्जन
(C) निमंत्रण   (D) निवेदन

59. **आश्चर्य :**
(A) स्वभाविक   (B) सामान्य
(C) अनाश्चर्य   (D) विस्मय

60. **आसक्त :**
(A) विरक्त   (B) विराग
(C) संन्यास   (D) सक्षम

61. **आस्था :**
(A) विश्वास   (B) तत्परता
(C) अनास्था   (D) लगन

62. **आहत :**
(A) स्वस्थ   (B) सुरक्षित
(C) घायल   (D) अनाहत

63. **आहूत :**
(A) निमंत्रित   (B) आमंत्रित
(C) अनाहूत   (D) बुलावा

64. **इंसान :**
(A) राक्षस   (B) पिशाच
(C) शैतान   (D) प्रेतात्मा

65. **इंसाफ :**
(A) न्याय   (B) अन्याय
(C) नाइंसाफ   (D) बाइंसाफ

66. **इकाई :**
(A) दहाई   (B) अनेकता
(C) बहुमत   (D) सैकड़ा

67. **इति :**
(A) समाप्त   (B) पूर्ण
(C) अंत   (D) अथ, आदि

68. **इनाम :**
(A) तिरस्कार   (B) उपेक्षा
(C) जुर्माना   (D) लाटरी

69. **इष्ट :**
(A) अनिष्ट   (B) आशंका
(C) शत्रु   (D) विरोधी

70. **इहलोक :**
(A) आकाश   (B) पाताल
(C) परलोक   (D) स्वर्ग

71. **इहतियात :**
(A) असावधानी   (B) सावधानी
(C) लापरवाही   (D) आलस्य

72. **ईमानदार :**
(A) शरीफ   (B) बेईमान
(C) भलामानुष   (D) बाईमान

73. **ईश्वर :**
(A) परमात्मा   (B) जातुधान
(C) अनीश्वर   (D) अर्धनारीश्वर

74. **ईहा :**
(A) स्पृहा   (B) द्वेष
(C) प्रेम   (D) प्रसन्नता

75. **उगलना :**
(A) थूकना   (B) खालेना
(C) निगलना   (D) चबाना

76. **उग्र :**
(A) उदंड   (B) सुस्त
(C) सौम्य   (D) सहनशील

77. **उचित :**
(A) अन्यायपूर्ण   (B) गलत
(C) न्यायपूर्ण   (D) अनुचित

78. **उत्कर्ष :**
(A) अपकर्ष   (B) उन्नति
(C) प्रगति   (D) उत्कर्ण

79. **उत्तम :**
(A) अधम   (B) ऊँचा
(C) ऊपर   (D) सर्वोच्च

80. **उत्तीर्ण :**
(A) फेल   (B) असफल
(C) नाकामयाबी   (D) अनुत्तीर्ण

81. **उत्थान :**
(A) प्रगति   (B) उन्नति
(C) वृद्धि   (D) पतन

82. **उत्पल :**
(A) नीलकमल   (B) दुबला-पतला
(C) स्थूल   (D) कोमल

83. **उत्सुक :**
(A) जिज्ञासु   (B) अनुत्सुक
(C) दर्शनार्थी   (D) पिपासु

84. **उतार :**
(A) चढ़ाव   (B) अधोमुख
(C) अधोगामी   (D) उभयगामी

85. **उथला :**
(A) गहरा   (B) समरूप
(C) ऊँचा   (D) समतल

86. **उदय :**
(A) अवसान   (B) नाश
(C) विनाश   (D) अस्त

87. **उदात्त :**
(A) अनुदात्त   (B) धीरत्त्व
(C) वीरोचित   (D) धीरज

88. **उदास :**
(A) मलिन   (B) सुस्त
(C) प्रसन्न   (D) मुदित

89. **उदासीन :**
(A) शिथिल   (B) तटस्थ
(C) निष्क्रिय   (D) सक्रिय

90. **उधार :**
(A) त्वरित   (B) नकद
(C) शीघ्र   (D) द्रुत

91. **उन्नयन :**
(A) पलायन   (B) अनयन
(C) ऊर्ध्वगमन   (D) तिर्यकगमन

92. **उन्मीलन :**
(A) सम्मेलन   (B) निमीलन
(C) आवाहन   (D) प्रत्यागमन

93. **उन्मूलन :**
(A) काटना   (B) नष्ट करना
(C) समाप्त करना   (D) रोपण

94. **उपचार :**
(A) कदाचार (B) अपचार
(C) दुराचार (D) भ्रष्टाचार

95. **उपजाऊ :**
(A) अनुपजाऊ (B) उर्वर
(C) शस्यश्यामलता (D) ऊसर

96. **उपद्रवी :**
(A) शांत (B) सीधा
(C) सज्जन (D) शरीफ

97. **उपयुक्त :**
(A) गलत (B) त्रुटिपूर्ण
(C) अनुचित (D) अनुपयुक्त

98. **उपयोग :**
(A) अनुपयोग (B) सदुपयोग
(C) अनावश्यक (D) अनुचित

99. **उपार्जित :**
(A) विसर्जित (B) अर्जित
(C) सृजित (D) अनुपार्जित

100. **ऊँच :**
(A) प्रमुख (B) नीच
(C) गौड़ (D) मध्यम

101. **ऊढ़ा :**
(A) कुमारी (B) बालिका
(C) छात्रा (D) महिला

102. **ऊमस :**
(A) ठंडक (B) नमी
(C) उत्थान (D) गर्मी

103. **ऊषा :**
(A) रात्रि (B) अर्द्धरात्रि
(C) संध्या (D) मधुराका

104. **ऊसर :**
(A) रिक्त (B) उपजाऊ
(C) उपयोगी (D) अनुपजाऊ

105. **ऋजु :**
(A) सरल (B) सीधा
(C) तिर्यक (D) वक्र

106. **ऋणी :**
(A) कर्जदार (B) धनी
(C) दानी (D) परोपकारी

107. **ऋत :**
(A) अनृत (B) सत्य
(C) श्रेष्ठ (D) पवित्र

108. **ऋद्ध :**
(A) सम्पन्न (B) कृपण
(C) विपन्न (D) फकीर

109. **एकत्र :**
(A) विकीर्ण (B) अनेक
(C) विपुल (D) विस्तार

110. **एकत्व :**
(A) प्रसार (B) संचार
(C) अल्पत्व (D) अनेकत्त्व

111. **एकाग्र :**
(A) ध्यानमग्न (B) व्यग्र
(C) समाधिस्थ (D) उग्र

112. **एकाधिकार :**
(A) सर्वाधिकार (B) कर्त्तव्य
(C) स्वामित्व (D) अपनत्व

113. **एकांत :**
(A) भीड़ (B) निर्जन
(C) वन (D) शांत

114. **एड़ी :**
(A) चोटी (B) पाद
(C) सिर (D) मस्तक

115. **एहतियात :**
(A) प्रमाद (B) आलस्य
(C) असावधानी (D) निद्रा

116. **ऐक्य :**
(A) अनैक्य (B) संगठन
(C) संघ (D) एकता

117. **ऐब :**
(A) अवगुण (B) विशेषता
(C) गुण (D) सरलता

118. **ऐश्वर्य :**
(A) विलासिता (B) प्रसन्नता
(C) अनैश्वर्य (D) कष्ट

119. **ऐहिक :**
(A) लौकिक (B) पारलौकिक
(C) भौतिक (D) सांसारिक

120. **ओछा :**
(A) गंभीर (B) लम्बा
(C) ऊँचा (D) छोटा

121. **ओजस्वी :**
(A) मंद (B) कायर
(C) भीरू (D) निस्तेज

122. **ओढ़ना :**
(A) पहनना
(B) धारण करना
(C) उतारना
(D) स्वीकार करना

123. **औचित्य :**
(A) अचित्य (B) अनौचित्य
(C) चित्य (D) सचेत

124. **औद्धत्य :**
(A) शिष्टता (B) अशिष्टता
(C) सभ्यता (D) मानवता

125. **औपचारिक :**
(A) परंपरागत (B) सत्कार
(C) अनौपचारिक (D) उपाय

126. **औषधि :**
(A) वैद्य (B) हकीम
(C) उपचार (D) अनौषधि

127. **औहत :**
(A) सुरक्षित (B) सद्‌गति
(C) हत (D) बेकार

128. **कंजूस :**
(A) दाता (B) दानवीर
(C) खर्चीला (D) कृपण

129. **कच्चा :**
(A) प्रौढ़ (B) मजबूत
(C) सख्त (D) पक्का

130. **कठिन :**
(A) सरल (B) दुर्गम
(C) लचीला (D) निकट

131. **कठोर :**
(A) कुसुम (B) कली
(C) मुकुल (D) कोमल

132. **कड़ा :**
(A) मुलायम (B) छल्ला
(C) सख्त (D) पाषाण

133. **कब :**
(A) किधर (B) कहाँ
(C) इधर (D) अब

134. **कमाना :**
(A) खर्च करना (B) दान देना
(C) मौज करना (D) गँवाना

135. **कमी :**
(A) न्यूनता (B) बराबरी
(C) अधिकता (D) विशेषता

136. **कमीना :**
(A) बदमाश (B) लफंगा
(C) सीधा (D) सदाचारी

137. **करणीय :**
(A) अपकर्म (B) दुष्कर्म
(C) कर्त्तव्य (D) अकरणीय

138. **करुण :**
(A) निष्ठुर (B) निर्दय
(C) कठोर (D) कोमल

139. **कर्त्तव्य :**
(A) अपकर्म (B) दुष्कर्म
(C) त्याज्य (D) अकर्त्तव्य

140. **कर्म :**
(A) आलस्य (B) नींद
(C) प्रमाद (D) अकर्म

141. **कलंक :**
(A) बदनामी (B) लंक
(C) सलंक (D) निष्कलंक

142. **कल्याण :**
(A) निंदा (B) अमंगल
(C) मंगल (D) भलाई

143. **कसर :**
(A) अधिकता (B) न्यूनता
(C) शिकायत (D) कमी

144. **काटना :**
(A) त्यागना (B) उपेक्षा
(C) जोड़ना (D) घटाना

145. **कानूनी :**
(A) विधान (B) न्याय
(C) गैरकानूनी (D) गलत

146. **कार्य :**
(A) स्वार्थ (B) अकार्य
(C) परमार्थ (D) स्वहित

147. **कुटिल :**
(A) सरल (B) अशांत
(C) शांत (D) दुराचारी

148. **कुत्सा :**
(A) पाप (B) प्रशंसा
(C) अघ (D) ओघ

149. **कुसुम :**
(A) कोमल (B) सुकुमार
(C) कठोर (D) वज्र

150. **कृतज्ञ :**
(A) स्वार्थी (B) अकृज्ञता
(C) कृतघ्न (D) नालायक

151. **कृष्ण :**
(A) श्याम (B) श्वेत
(C) सुंदर (D) स्वरूप

152. **कोकिल :**
(A) मोर (B) कबूतर
(C) तोता (D) कौआ

153. **क्रम :**
(A) अनुक्रम (B) व्यतिक्रम
(C) क्रमिक (D) क्रमवार

154. **क्रांति :**
(A) हलचल (B) आंदोलन
(C) प्राप्ति (D) शांति

155. **क्रोध :**
(A) खुशी (B) अमर्ष
(C) रुग्ण (D) रुदन

156. **खंडन :**
(A) समर्थन (B) संपूर्णन
(C) सहमति (D) सन्मति

157. **खटाई :**
(A) कटु (B) तिक्त
(C) कसैला (D) मिठाई

158. **खल :**
(A) दुर्जन (B) सज्जन
(C) कपटी (D) धूर्त

159. **खाद्य :**
(A) पेय (B) विष
(C) अखाद्य (D) अमृत

160. **खास :**
(A) विशेष (B) आम
(C) प्रमुख (D) विशिष्ट

161. **खिलना :**
(A) मुरझाना (B) सूखना
(C) जलना (D) समाप्ति

162. **खून :**
(A) जल (B) हड्डी
(C) पसीना (D) केश

163. **खेद :**
(A) संतुष्टि (B) नाराजगी
(C) रुग्णता (D) प्रसन्नता

164. **गंभीर :**
(A) वाचाल (B) जंजाल
(C) मितभाषी (D) मृदुभाषी

165. **गगन :**
(A) आकाश (B) पृथ्वी
(C) अंतरिक्ष (D) आसमान

166. **गड़बड़ :**
(A) सुन्दर (B) सटीक
(C) सुव्यवस्थित (D) त्रुटिपूर्ण

167. **गत :**
(A) गम् (B) आगत
(C) आगमन (D) सद्‌गति

168. **गति :**
(A) अवरोध (B) सद्‌गति
(C) दुर्गति (D) गतिमान

169. **गद्य :**
(A) गीत (B) कीर्तन
(C) पद्य (D) भजन

170. **गया :**
(A) तीर्थ (B) आया
(C) पर्यटन (D) भ्रमण

171. **गरल :**
(A) मीठा (B) सुधा
(C) खट्टा (D) विष

172. **गरीब :**
(A) अमीर (B) पूँजीपति
(C) राजा (D) उद्योगपति

173. **गुप्त :**
(A) छिपा (B) रहस्य
(C) प्रकट (D) खुला

174. **गुरु :**
(A) शिक्षक (B) बड़ा
(C) पूज्य (D) शिष्य

175. **गृही :**
(A) त्यागी (B) साधु
(C) महात्मा (D) बुद्धिजीवी

176. **गृहस्थ :**
(A) महात्मा (B) संन्यासी
(C) संत (D) विद्वान्

177. **ग्राम्य :**
(A) देहाती (B) नगरीय
(C) ग्रामीण (D) अशिक्षित

178. **गोचर :**
(A) स्थिर (B) सचराचर
(C) चराचर (D) अगोचर

179. **घटाना :**
(A) लाभ (B) जोड़ना
(C) प्रगति (D) तरक्की

180. **घटक :**
(A) समुदाय (B) अकेला
(C) एकत्व (D) अनेकत्व

181. **घर :**
(A) बाहर (B) विदेश
(C) प्रदेश (D) दूरस्थ

182. **घाटा :**
(A) हानि (B) लाभ
(C) ऋण (D) उऋण

183. **घृणा :**
(A) वैमनस्य (B) मतैक्य
(C) प्रेम (D) समरसता

184. **घोष :**
(A) उद्‌घोष (B) अघोष
(C) सघोष (D) शांत

185. **चंचल :**
(A) शरारती (B) नटखट
(C) स्थिर (D) मंद

186. **चंद्रमा :**
(A) राकेश (B) राहु
(C) सूर्य (D) अग्नि

187. **चट :**
(A) विलंब (B) शीघ्र
(C) जल्दी (D) त्वरित

188. **चढ़ना :**
(A) बढ़ना (B) दौड़ना
(C) भागना (D) उतरना

189. **चर :**
(A) सचर (B) अचर
(C) शांत (D) अशांत

190. **चल :**
(A) सचल (B) अचल
(C) अटल (D) अतल

191. **चारु :**
(A) विचार (B) गलत
(C) अचारु (D) अनुचित

192. **चाहा :**
(A) ईप्सा (B) अनचाहा
(C) इच्छा (D) कामना

193. **चिरंतन :**
(A) प्राकृतिक (B) नश्वर
(C) कायिक (D) शाश्वत

194. **चेष्ट :**
(A) विचेष्ट (B) सचेष्ट
(C) निश्चेष्ट (D) बेहोश

195. **चोटी :**
(A) एड़ी (B) पैर
(C) धरती (D) अधित्यका

196. **छल :**
(A) कपट (B) निश्छल
(C) धोखा (D) ठगी

197. **छात्र :**
(A) शिक्षक (B) सहपाठी
(C) प्रशिक्षार्थी (D) परीक्षार्थी

198. **छिछला :**
(A) गंभीर (B) भावुक
(C) गहरा (D) बड़ा

199. **छोटा :**
(A) लघु (B) लाघव
(C) अल्प (D) बड़ा

200. **जंग :**
(A) लौह (B) प्रेम
(C) लड़ाई (D) युद्ध

201. **जंगली :**
(A) तपस्वी (B) गृहस्थ
(C) घरेलू (D) आवारा

202. **जटिल :**
(A) कठिन (B) सरल
(C) उलझाव (D) दुष्कर

203. **जड़ :**
(A) पत्ती (B) चेतन
(C) फूल (D) पेड़

204. **जन्म :**
(A) सृष्टि (B) मृत्यु
(C) उद्भव (D) उत्पत्ति

205. **जब :**
(A) तब (B) कभी
(C) जभी (D) कहीं

206. **जमीन :**
(A) स्थल (B) धरती
(C) मैदान (D) आसमान

207. **जय :**
(A) विजय (B) सफलता
(C) जीत (D) पराजय

208. **जल्दी :**
(A) तुरंत (B) विलम्ब
(C) शीघ्र (D) त्वरित

209. **जवाब :**
(A) उत्तर (B) हल
(C) प्रत्युत्तर (D) सवाल

210. **जहर :**
(A) विष (B) अमृत
(C) प्राणघातक (D) प्राणान्तक

211. **जागृत :**
(A) सतर्क (B) चौकस
(C) विश्राम (D) सुप्त

212. **जाति :**
(A) स्वजाति (B) नस्ल
(C) विजाति (D) सुजात

213. **जाना :**
(A) चलना (B) पहुँचना
(C) आराम (D) आना

214. **जिम्मेदार :**
(A) आलस्य (B) लापरवाह
(C) प्रमाद (D) अचेत

215. **जेय :**
(A) विजेता (B) सरल
(C) अजेय (D) दुष्कर

216. **ज्येष्ठ :**
(A) गुरु (B) बड़ा
(C) कनिष्ठ (D) वरिष्ठ

217. **ज्ञान :**
(A) मेधा (B) विद्या
(C) अज्ञान (D) बुद्धि

218. **झंकृत :**
(A) हलचल (B) शब्द
(C) कंपन (D) निस्तब्ध

219. **झंझा :**
(A) तूफान (B) झंकार
(C) टंकार (D) हलचल

220. **झोपड़ी :**
(A) कुटी (B) महल
(C) शिविर (D) वन

221. **टकसाली :**
(A) अप्रमाणिक (B) कृत्रिम
(C) नकली (D) अवैध

222. **टिप्पस :**
(A) जुगाड़ (B) तिकड़म
(C) उपाय (D) अनुपाय

223. **टूटना :**
(A) घुलना (B) जुड़ना
(C) वलय (D) विलयन

224. **टोली :**
(A) समूह (B) एकता
(C) अकेला (D) अनेकता

225. **ठंडा :**
(A) समताप (B) असमताप
(C) गर्म (D) दग्ध

226. **ठहरना :**
(A) स्थायित्व (B) विश्राम
(C) रुकना (D) चलना

227. **ठीक :**
(A) उचित (B) अवैध
(C) अनुपयुक्त (D) गलत

228. **ठोस :**
(A) जैली (B) तरल
(C) अर्धद्रव (D) अर्धगैस

229. **डरना :**
(A) साहस (B) निश्चिंत
(C) डराना (D) डरावना

230. **ढंग :**
(A) सुडौल (B) कुढंग
(C) गलत (D) विपरीत

231. **ढाढ़स :**
(A) त्रास (B) सांत्वना
(C) सहानुभूति (D) अपनत्व

232. **तंदरुस्त :**
(A) आराम (B) स्वस्थ
(C) रोगी (D) बीमार

233. **तब :**
(A) कब (B) अब
(C) जब (D) जभी

234. **तरक्की :**
(A) बेतरक्की (B) अवनति
(C) पतन (D) हानि

235. **तरजीह :**
(A) बातरजीह (B) बेतरजीह
(C) उपेक्षा (D) अपेक्षा

236. **तरुण :**
(A) यौवन (B) नवयौवन
(C) वृद्ध (D) बचपन

237. **तल :**
(A) रसातल (B) तलातल
(C) अतल (D) समतल

238. **तहलका :**
(A) आन्दोलन (B) हलचल
(C) अशांति (D) शांति

239. **ताप :**
(A) ऊष्मा (B) शीत
(C) संताप (D) ठिठुरन

240. **तामसिक :**
(A) सात्विक (B) क्रोधित
(C) कुपित (D) राजविक

241. **तिमिर :**
(A) प्रकाश (B) तम
(C) अंधकार (D) अदृश्य

242. **तीक्ष्ण :**
(A) कुंठित (B) नुकीला
(C) चटकीला (D) कँटीला

243. **तीखा :**
(A) तीव्र (B) मीठा
(C) तिक्त (D) चरपरा

244. **तुच्छ :**
(A) अल्प (B) न्यून
(C) महान् (D) जरा

245. **तृषा :**
(A) तृप्ति (B) अतृप्ति
(C) हवस (D) ईप्सा

246. **त्यागी :**
(A) संन्यासी (B) भोगी
(C) साधु (D) महात्मा

247. **थकान :**
(A) स्फूर्ति (B) क्लान्ति
(C) राहत (D) शैथिल्य

248. **थिर :**
(A) स्वच्छ (B) हाथी
(C) चंचल (D) स्थिर

249. **थोक :**
(A) कम (B) फुटकर
(C) न्यून (D) अल्प

250. **दंड :**
(A) पुरस्कार (B) सजा
(C) प्रताड़ना (D) शिक्षा

251. **दंभ :**
(A) गर्व (B) निर्दंभ
(C) अहंकार (D) स्वाभिमान

252. **दगाबाज :**
(A) विश्वासघाती (B) विश्वसनीय
(C) मित्र (D) शत्रु

253. **दयालु :**
(A) सख्त (B) देवता
(C) कठोर (D) निर्दय

254. **दल :**
(A) अकेला (B) एकता
(C) संगठन (D) अक्षत

255. **दलित :**
(A) ब्राह्मण (B) शोषक
(C) क्षत्रिय (D) शोषित

256. **दहशत :**
(A) निडरता (B) आनन्द
(C) शांति (D) क्लांति

257. **दास :**
(A) स्वामी (B) साधु
(C) भक्त (D) अनुचर

258. **दीक्षक :**
(A) शिक्षक (B) प्रशिक्षक
(C) गुरु (D) शिष्य

259. **दीर्घ :**
(A) बड़ा (B) लघु
(C) गुरु (D) वरिष्ठ

260. **दुआ :**
(A) आशीष (B) बद्दुआ
(C) फटकार (D) दुत्कार

261. **दुर्जन :**
(A) असुर (B) सज्जन
(C) दनुज (D) मनुज

262. **दुर्बल :**
(A) पहलवान (B) सबल
(C) विराट् (D) भयंकर

263. **दुर्भाव :**
(A) भेदभाव (B) बद्नीयत
(C) सद्भाव (D) सदाचार

264. **दुराचार :**
(A) शोषण (B) भलाई
(C) अच्छाई (D) सदाचार

265. **दुष्कर्म :**
(A) पूजन (B) यज्ञ
(C) विद्याध्ययन (D) सत्कर्म

266. **दुहिता :**
(A) कुमारी (B) श्रीमती
(C) पुत्री (D) पुत्र

267. **देना :**
(A) लेना (B) त्याग
(C) अर्पण (D) खरीदना

268. **देय :**
(A) कर्ज (B) ऋण
(C) अदेय (D) हानि

269. **देर :**
(A) विलंब (B) जल्दी
(C) पूर्व (D) सबेर

270. **धनी :**
(A) साहूकार (B) निर्धन
(C) सेठ (D) दाता

271. **धरती :**
(A) प्रकृति (B) पर्वत
(C) आकाश (D) पाताल

272. **धरा :**
(A) गगन (B) चंचल
(C) ऊपर (D) ऊँचा

273. **धवली :**
(A) कृष्णा (B) ज्योत्सना
(C) चंद्रिका (D) पतली

274. **धाँधली :**
(A) ईमानदारी (B) बेईमानी
(C) चोरी (D) छीना-झपटी

275. **धूप :**
(A) छाँव (B) प्रकाश
(C) आतप (D) ताप

276. **धृष्ट :**
(A) सदाचारी (B) ईमानदार
(C) सहयोगी (D) विनीत

277. **धौंस :**
(A) विनय (B) चेतावनी
(C) फटकार (D) उपहास

278. **नकल :**
(A) असल (B) प्रतिलिपि
(C) फोटोकापी (D) अनुकृति

279. **नख :**
(A) उँगली (B) शिख
(C) हाथ-पैर (D) बदन

280. **नफरत :**
(A) घृणा (B) उपेक्षा
(C) तिरस्कार (D) प्रेम

281. **नया :**
(A) नूतन (B) नया
(C) पुराना (D) नवीन

282. **नवीन :**
(A) जर्जर (B) प्राचीन
(C) जीर्ण (D) कृशकाय

283. **नश्वर :**
(A) चिरंतन (B) अस्थाई
(C) दुर्बल (D) जर्जर

284. **नाजायज :**
(A) ठीक (B) जायज
(C) उचित (D) अवैध

285. **नामंजूर :**
(A) मंजूर (B) स्वीकार
(C) स्वीकृति (D) सहमति

286. **नायक :**
(A) प्रमुखपात्र (B) नायिका
(C) अभिनेता (D) कलाकार

287. **निंदा :**
(A) अपशब्द (B) बुराई
(C) स्तुति (D) कमजोरी

288. **निकट :**
(A) दूर (B) तटस्थ
(C) समीप (D) पास

289. **नित्य :**
(A) प्रतिदिन (B) निरंतर
(C) प्रतिपल (D) अनित्य

290. **निम्न :**
(A) साधारण (B) मध्यम
(C) उच्च (D) उच्चतम

291. **निरर्थक :**
(A) सार्थक (B) आवश्यक
(C) उपयोगी (D) कार्यशील

292. **निर्जीव :**
(A) वनस्पति (B) सजीव
(C) प्राणी (D) चंचल

293. **निर्णय :**
(A) अनिर्णय (B) राय
(C) फैसला (D) न्याय

294. **निर्दोष :**
(A) दोषी (B) अवगुण
(C) सदोष (D) दस्यु

295. **निर्माण :**
(A) ध्वंस (B) कृती
(C) कुकृति (D) सुकृति

296. **निर्यात :**
(A) यातायात (B) प्रतिघात
(C) आयात (D) आघात

297. **नियमित :**
(A) निरंतर (B) प्रतिदिन
(C) अपेक्षित (D) अनियमित

298. **निश्चय :**
(A) अनिश्चय (B) संशय
(C) शंका (D) असंशय

299. **निष्क्रिय :**
(A) तटस्थ (B) निरपेक्ष
(C) सक्रिय (D) सापेक्ष

300. **निषिद्ध :**
(A) विहित (B) संदिग्ध
(C) अनुपयोगी (D) प्रतिबंधित

301. **नीति :**
(A) अनीति (B) सदाचार
(C) ज्ञान (D) सुभाषित

302. **नेकी :**
(A) परोपकार (B) बदी
(C) सदाचार (D) बदनीयत

303. **नैसर्गिक :**
(A) कृत्रिम (B) पारंपरिक
(C) वास्तविक (D) कायिक

304. **नौकर :**
(A) सेवक (B) स्वामी
(C) परिचर (D) भृत्य

305. **पंडित :**
(A) मूर्ख (B) नीच/शूद्र
(C) क्षत्रिय (D) वैश्य

306. **पक्ष :**
(A) विपक्ष (B) तरफदारी
(C) पखवारा (D) वादी

307. **पतला :**
(A) मोटा (B) स्थूल
(C) भीम (D) भारी

308. **पति :**
(A) पत्नी (B) बनिता
(C) नारी (D) स्त्री

309. **परिचित :**
(A) रिश्तेदार (B) अपरिचित
(C) नवीन (D) अर्वाचीन

310. **परिणीता :**
(A) अपरिग्रह (B) पत्नी
(C) अपरिणीता (D) विवाहिता

311. **परिवर्तन :**
(A) प्रतिकर्षण (B) अपरिवर्तन
(C) परावर्तन (D) आवर्तन

312. **परिशुद्ध :**
(A) अपरिशुद्ध (B) दूषित
(C) मिलावटी (D) अशुद्ध

313. **परोक्ष :**
(A) प्रत्यक्ष (B) हस्तामलक
(C) कूटनीति (D) गवाक्ष

314. **पर्याप्त :**
(A) न्यून (B) संतुष्टि
(C) पूर्णत्व (D) आधिक्य

315. **पलायमन :**
(A) स्थिर (B) चंचल
(C) प्रवाह (D) गतिमान

316. **पश्च :**
(A) मध्य (B) अग्र
(C) ऊपर (D) शीर्षस्थ

317. **पसंद :**
(A) चित्ताकर्षक (B) नापसंद
(C) मोहक (D) रोचक

318. **पाताल :**
(A) पृथ्वी (B) समुद्र
(C) आकाश (D) पर्वत

319. **पाना :**
(A) देना (B) अनुदान
(C) उपहार (D) प्राप्ति

320. **पीछे :**
(A) आगे (B) मध्यम
(C) मंद (D) सुस्त

321. **पीड़ा :**
(A) कष्ट (B) आराम
(C) तकलीफ (D) दर्द

322. **पुण्य :**
(A) अध्यापन (B) दान
(C) उपकार (D) पाप

323. **पुरातन :**
(A) प्राचीन (B) अधुनातन
(C) जीर्ण (D) जर्जर

324. **पूरब :**
(A) पश्चिम (B) उत्तर
(C) दक्षिण (D) अपूर्व

325. **पूर्ण :**
(A) पर्याप्त (B) प्रचुर
(C) अपूर्ण (D) संतुष्टि

326. **पोषक :**
(A) सृजक (B) मालिक
(C) पालक (D) नाशक

327. **प्रज्ञ :**
(A) अवसादी (B) मूर्ख
(C) व्यग्र (D) उद्विग्न

328. **प्रतिकूल :**
(A) प्रत्याकुल (B) प्रतिवाद
(C) अनुकूल (D) विवाद

329. **प्रतिवाद :**
(A) वार्ता (B) विरोध
(C) वाद (D) विवाद

330. **प्रत्यय :**
(A) संधि (B) समास
(C) उपसर्ग (D) सर्ग

331. **प्रदान :**
(A) अनुदान (B) आदान
(C) अर्पण (D) समर्पण

332. **प्रमुख :**
(A) मुख्य (B) गौड़
(C) असाधारण (D) विलग

333. **प्रयोज्य :**
(A) निष्प्रयोज्य (B) प्रयोजन
(C) अभियोजन (D) संयोजन

334. **प्रवेश :**
(A) आना (B) निकास
(C) आगत (D) प्रत्यागत

335. **प्रश्न :**
(A) उत्तर (B) परीक्षा
(C) प्रशिक्षार्थी (D) परीक्षक

336. **प्रसन्न :**
(A) असंतुष्ट (B) नाराज
(C) व्याकुल (D) उद्विग्न

337. **प्रस्थान :**
(A) स्थानान्तरण (B) आगमन
(C) विनिमय (D) स्थानापन्न

338. **प्राकृतिक :**
(A) कृत्रिम (B) ईश्वरीय
(C) स्वचालित (D) विद्युतचालित

339. **प्रिय :**
(A) प्रतिद्वन्द्वी (B) ईर्ष्यालु
(C) विरोधी (D) अप्रिय

340. **फँसाना :**
(A) पकड़ना (B) निकालना
(C) उबारना (D) त्यागना

341. **फ़जीलत :**
(A) फ़जीहत (B) बेइज्जती
(C) बदसलूकी (D) शर्मिन्दगी

342. **फटकार :**
(A) प्रेम (B) दुलार
(C) समझाना (D) सिखाना

343. **फरोख्त :**
(A) विक्रय (B) नीलामी
(C) खरीद (D) दलाली

344. **फायदा :**
(A) नुकसान (B) हानि
(C) असंतोष (D) न्यूनता

345. **फिक्र :**
(A) बाफिक्र (B) बेफिक्र
(C) निश्चिंत (D) नि:संकोच

346. **फूँकना :**
(A) जलाना (B) बुझाना
(C) नष्ट करना (D) बचाना

347. **बंधन :**
(A) मोक्ष (B) कैद
(C) न्याय (D) रस्सी

348. **बंधुत्व :**
(A) पितृत्व (B) शत्रुत्व
(C) मित्रत्व (D) भातृत्व

349. **बड़प्पन :**
(A) महत्व (B) गुरुत्व
(C) विद्वत्व (D) ओछापन

350. **बद :**
(A) बदनाम (B) नेक
(C) सरलता (D) बुराई

351. **बलवान :**
(A) कमजोर (B) ओजस्वी
(C) शक्तिशाली (D) बलिष्ठ

352. **बहादुर :**
(A) कायर (B) कर्कश
(C) दुर्बल (D) अशक्त

353. **बाढ़ :**
(A) वर्षा (B) सूखा
(C) अतिवृष्टि (D) अनावृष्टि

354. **बाहर :**
(A) खंदक (B) ऊपरी
(C) सतह (D) अंदर

355. **बीमार :**
(A) रोगी (B) रुग्ण
(C) अस्वस्थ (D) स्वस्थ

356. **बुद्धिमान :**
(A) मूर्ख (B) समझदार
(C) ज्ञानी (D) होशियार

357. **बुलंद :**
(A) बाहर (B) ऊपर
(C) निम्न (D) उच्च

358. **बैठना :**
(A) उठना (B) चलना
(C) दौड़ना (D) खेलना

359. **बोध :**
(A) सुबोध
(B) अबोध
(C) सद्बोध
(D) इनमें से कोई नहीं

360. **भंजक :**
(A) विध्वंसक (B) योजक
(C) तोड़क (D) प्रहारक

361. **भक्षक :**
(A) शोषक (B) उपवासी
(C) रक्षक (D) निराहार

362. **भद्र :**
(A) सदाचारी (B) शांत
(C) अभद्र (D) शालीन

363. **भविष्य :**
(A) भूत (B) वर्तमान
(C) आगामी (D) संभाव्य

364. **भाषण :**
(A) व्याख्यान (B) वाचन
(C) वक्तव्य (D) श्रवण

365. **भीरु :**
(A) साहसी (B) बलवान
(C) बलिष्ठ (D) शक्तिशाली

366. **भोगी :**
(A) कामी (B) त्यागी
(C) संन्यासी (D) साधु

367. **भोला :**
(A) सभ्य (B) सज्जन
(C) चालाक (D) सरल

368. **मंगल :**
(A) सुमंगल (B) अमंगल
(C) विमंगल (D) अपमंगल

369. **मंजूर :**
(A) अस्वीकृत (B) स्वीकृत
(C) बामंजूर (D) नामंजूर

370. **मंद :**
(A) तीव्र (B) चंचल
(C) कुटिल (D) धूर्त

371. **मतलब :**
(A) अर्थ (B) तात्पर्य
(C) स्वार्थ (D) बेमतलब

372. **मधुर :**
(A) मृदुभाषी (B) मिठाई
(C) सुरीला (D) कटु

373. **ममता :**
(A) निर्ममता (B) ममत्त्व
(C) दुलार (D) वात्सल्य

374. **मरण :**
(A) परेशानी (B) घुटन
(C) आराम (D) जीवन

375. **मरीज :**
(A) रोगी (B) सहायक
(C) स्वस्थ (D) नर्स

376. **मलिन :**
(A) उद्विग्न (B) स्वच्छ
(C) खिन्न (D) व्यग्र

377. **महान :**
(A) कम (B) तुच्छ
(C) अल्प (D) बराबर

378. **मान :**
(A) सम्मान (B) सन्मान
(C) अमान (D) अपमान

379. **मानव :**
(A) महिला (B) स्त्री
(C) पत्नी (D) दानव

380. **मित्र :**
(A) धोखेबाज (B) धूर्त
(C) कपटी (D) शत्रु

381. **मिथ्याचार :**
(A) सदाचार (B) आचार
(C) सद्विचार (D) सन्मार्ग

382. **मिलना :**
(A) बिछुड़ना (B) त्यागना
(C) सौंपना (D) प्राप्ति

383. **मुदित :**
(A) प्रसन्न (B) खिन्न
(C) प्रमोद (D) आमोद

384. **मुश्किल :**
(A) आराम (B) आसान
(C) कष्ट (D) परेशानी

385. **मूल :**
(A) अमूल्य (B) समूल
(C) निर्मूल (D) मुख्य

386. **मृदु :**
(A) कटु (B) नमकीन
(C) खट्टा (D) मीठा

387. **मौजूदगी :**
(A) उपस्थिति (B) विद्यमान
(C) निर्मौजूदगी (D) गैरमौजूदगी

388. **यजमान :**
(A) पुरोहित (B) पंडा
(C) ऋषि (D) त्यागी

389. **यदा :**
(A) कदा (B) जब
(C) तब (D) अब

390. **यश :**
(A) बड़ाई (B) सम्मान
(C) सुयश (D) अपयश

391. **याचक :**
(A) राजा (B) साहूकार
(C) दाता (D) भिखारी

392. **यामा :**
(A) रजनी (B) निशा
(C) महिला (D) वासर

393. **यायावर :**
(A) पथिक (B) स्थिर
(C) पर्यटक (D) भिखारी

394. **युद्ध :**
(A) दोस्ती (B) मिलाप
(C) क्रांति (D) शांति

395. **योजक :**
(A) विभाजक (B) सम्बन्धी
(C) कड़ी (D) तारतम्य

396. **रंक :**
(A) फ़कीर (B) भिखारी
(C) उद्योगपति (D) राजा

397. **रँगीला :**
(A) सजीला (B) सुंदर
(C) रूखा (D) हँसमुख

398. **रंजिश :**
(A) नफ़रत (B) लड़ाई
(C) झगड़ा (D) प्रेम

399. **रचना :**
(A) विध्वंस (B) कर्म
(C) कौशल (D) लाघव

400. **रजनी :**
(A) दिन (B) रात
(C) नायिका (D) निशा

401. **रद्दी :**
(A) बेकार (B) कूड़ा
(C) उपयोगी (D) अनुपयुक्त

402. **राक्षस :**
(A) शैतान (B) क्रूर
(C) निर्दयी (D) देवता

403. **राजा :**
(A) प्रजा (B) सेना
(C) कर्मचारी (D) अनुचर

404. **रोना :**
(A) हँसना (B) रुदन
(C) विलाप (D) प्रलाप

405. **रोपना :**
(A) नष्ट करना (B) उखाड़ना
(C) बोना (D) स्थापना

406. **लगना :**
(A) छूटना (B) चिपकना
(C) संलग्न (D) कलंक

407. **लघिमा :**
(A) महिमा (B) बड़प्पना
(C) गुरु (D) कमजोरी

408. **लचीला :**
(A) कठोर (B) नम्य
(C) नरम (D) मुलायम

409. **लाचार :**
(A) समर्थ (B) असमर्थ
(C) असक्षम (D) अशक्त

410. **लाभ :**
(A) हानि (B) कटौती
(C) न्यून (D) अधिक

411. **लिखित :**
(A) श्रवणीय (B) मौखिक
(C) दर्शनीय (D) पठनीय

412. **लुप्त :**
(A) गुप्त (B) गायब
(C) सार्थक (D) प्रकट

413. **लोप :**
(A) निर्लोप (B) सलोप
(C) नालोप (D) बालोप

414. **वंक :**
(A) सरल (B) कुटिल
(C) वक्र (D) तिर्यक

415. **वजह :**
(A) बावजह (B) बेवजह
(C) उपयुक्त (D) कारण

416. **वधू :**
(A) पत्नी (B) विवाहिता
(C) दुलहिन (D) वर

417. **वाह :**
(A) शाबाश (B) धन्य-धन्य
(C) हाय (D) खूब

418. **विजय :**
(A) पराजय (B) जय
(C) जेय (D) सफलता

419. **वितरक :**
(A) दाता (B) दायक
(C) दानी (D) एकत्रक

420. **विद्वान् :**
(A) मूर्ख (B) पंडित
(C) ज्ञानी (D) त्यागी

421. **विधि :**
(A) तरीका (B) कानून
(C) आज्ञा (D) निषेध

422. **विनीत :**
(A) उग्र (B) भद्र
(C) आकुल (D) परेशान

423. **विपक्ष :**
(A) अपक्ष (B) तटस्थ
(C) पक्ष (D) परोक्ष

उत्तरमाला

1. (B) 2. (C) 3. (B) 4. (D) 5. (C)
6. (B) 7. (C) 8. (A) 9. (A) 10. (D)
11. (C) 12. (C) 13. (A) 14. (A) 15. (B)
16. (C) 17. (A) 18. (B) 19. (D) 20. (A)
21. (D) 22. (B) 23. (C) 24. (C) 25. (A)
26. (D) 27. (D) 28. (C) 29. (D) 30. (A)
31. (D) 32. (A) 33. (D) 34. (B) 35. (C)
36. (B) 37. (B) 38. (C) 39. (C) 40. (D)
41. (B) 42. (A) 43. (A) 44. (C) 45. (A)
46. (A) 47. (C) 48. (B) 49. (A) 50. (D)
51. (B) 52. (C) 53. (D) 54. (B) 55. (A)
56. (C) 57. (D) 58. (B) 59. (C) 60. (A)
61. (C) 62. (D) 63. (C) 64. (C) 65. (C)
66. (A) 67. (D) 68. (C) 69. (A) 70. (C)
71. (C) 72. (B) 73. (C) 74. (A) 75. (C)
76. (C) 77. (D) 78. (A) 79. (A) 80. (D)
81. (D) 82. (C) 83. (B) 84. (A) 85. (A)
86. (D) 87. (A) 88. (C) 89. (D) 90. (B)
91. (A) 92. (B) 93. (D) 94. (B) 95. (A)
96. (A) 97. (D) 98. (A) 99. (D) 100. (B)
101. (A) 102. (A) 103. (C) 104. (B) 105. (D)
106. (B) 107. (A) 108. (C) 109. (A) 110. (D)
111. (B) 112. (A) 113. (A) 114. (A) 115. (C)
116. (A) 117. (C) 118. (C) 119. (B) 120. (A)
121. (D) 122. (C) 123. (B) 124. (A) 125. (C)
126. (D) 127. (B) 128. (C) 129. (D) 130. (A)
131. (D) 132. (A) 133. (D) 134. (D) 135. (C)
136. (D) 137. (D) 138. (B) 139. (D) 140. (D)
141. (D) 142. (B) 143. (A) 144. (C) 145. (C)
146. (B) 147. (A) 148. (B) 149. (D) 150. (C)
151. (B) 152. (D) 153. (B) 154. (D) 155. (A)
156. (A) 157. (D) 158. (B) 159. (C) 160. (B)
161. (A) 162. (C) 163. (D) 164. (A) 165. (B)
166. (C) 167. (B) 168. (A) 169. (C) 170. (B)
171. (B) 172. (A) 173. (C) 174. (D) 175. (A)
176. (B) 177. (B) 178. (D) 179. (B) 180. (A)
181. (A) 182. (B) 183. (C) 184. (B) 185. (C)
186. (C) 187. (A) 188. (D) 189. (B) 190. (B)
191. (C) 192. (B) 193. (B) 194. (C) 195. (A)
196. (B) 197. (A) 198. (C) 199. (D) 200. (B)
201. (C) 202. (B) 203. (B) 204. (B) 205. (A)
206. (D) 207. (D) 208. (B) 209. (D) 210. (B)
211. (D) 212. (C) 213. (D) 214. (B) 215. (C)
216. (C) 217. (C) 218. (C) 219. (A) 220. (B)
221. (A) 222. (D) 223. (B) 224. (C) 225. (C)
226. (D) 227. (D) 228. (B) 229. (C) 230. (B)
231. (A) 232. (D) 233. (B) 234. (A) 235. (B)
236. (C) 237. (C) 238. (D) 239. (B) 240. (A)
241. (A) 242. (A) 243. (B) 244. (C) 245. (A)
246. (B) 247. (A) 248. (C) 249. (B) 250. (A)
251. (B) 252. (B) 253. (D) 254. (A) 255. (B)
256. (A) 257. (A) 258. (D) 259. (B) 260. (B)
261. (B) 262. (B) 263. (C) 264. (D) 265. (D)
266. (D) 267. (A) 268. (C) 269. (D) 270. (B)
271. (C) 272. (A) 273. (A) 274. (A) 275. (A)
276. (D) 277. (A) 278. (A) 279. (B) 280. (D)
281. (C) 282. (B) 283. (A) 284. (B) 285. (A)
286. (B) 287. (C) 288. (A) 289. (D) 290. (C)
291. (A) 292. (B) 293. (A) 294. (C) 295. (A)
296. (C) 297. (D) 298. (A) 299. (C) 300. (A)
301. (A) 302. (B) 303. (A) 304. (B) 305. (A)
306. (A) 307. (A) 308. (A) 309. (B) 310. (C)
311. (B) 312. (A) 313. (A) 314. (A) 315. (A)
316. (B) 317. (B) 318. (C) 319. (A) 320. (A)
321. (B) 322. (D) 323. (B) 324. (A) 325. (C)
326. (D) 327. (B) 328. (C) 329. (C) 330. (C)
331. (B) 332. (B) 333. (A) 334. (B) 335. (C)
336. (B) 337. (B) 338. (A) 339. (D) 340. (C)
341. (A) 342. (B) 343. (C) 344. (A) 345. (B)
346. (B) 347. (A) 348. (B) 349. (D) 350. (B)
351. (A) 352. (A) 353. (B) 354. (D) 355. (D)
356. (A) 357. (C) 358. (A) 359. (B) 360. (B)
361. (C) 362. (C) 363. (B) 364. (D) 365. (A)
366. (B) 367. (C) 368. (B) 369. (D) 370. (A)
371. (D) 372. (D) 373. (A) 374. (D) 375. (C)
376. (B) 377. (B) 378. (D) 379. (D) 380. (D)
381. (A) 382. (A) 383. (B) 384. (B) 385. (C)
386. (A) 387. (D) 388. (A) 389. (A) 390. (D)
391. (C) 392. (D) 393. (B) 394. (D) 395. (A)
396. (D) 397. (C) 398. (D) 399. (A) 400. (A)
401. (C) 402. (D) 403. (A) 404. (A) 405. (B)
406. (A) 407. (A) 408. (A) 409. (A) 410. (A)
411. (B) 412. (D) 413. (A) 414. (A) 415. (A)
416. (D) 417. (C) 418. (A) 419. (D) 420. (A)
421. (D) 422. (A) 423. (C)

●●●

अनेकार्थक शब्द

अनेक अर्थ व्यक्त करने वाले शब्दों को अनेकार्थक शब्द कहते हैं, जैसे—**'अर्थ'** शब्द का प्रयोग धन, तात्पर्य, स्वार्थ, लाभ, अभिप्राय: आदि अर्थों में होता है. **'सारंग'** शब्द 25 से अधिक अर्थों में प्रयुक्त होता है. इसी प्रकार हरि, गुरु, राजा, घर आदि शब्द अनेक अर्थों का बोध कराते हैं अतः ये सभी अनेकार्थी शब्द हैं. पर्यायवाची और अनेकार्थी शब्दों में अन्तर यह है कि जब किसी एक संज्ञा शब्द को अनेक नामों से पुकारा जाता है, तो उन्हें पर्यायवाची शब्द कहते हैं और जब कोई संज्ञा शब्द प्रसंगानुसार अनेक अर्थों में प्रयुक्त होता है, तो उसे अनेकार्थी शब्द कहते हैं.

हिन्दी साहित्य में अनेकार्थी शब्दों का प्रयोग अधिकतर काव्य में ही मिलता है, अतः काव्य के रसास्वादन के लिए अनेकार्थी शब्दों का ज्ञान आवश्यक है. इन्हीं शब्दों के द्वारा कवियों ने यमक और श्लेष अलंकारों का भरपूर प्रयोग किया है.

प्रतियोगी परीक्षाओं में 'हिन्दी शब्द सम्पदा' के अन्तर्गत अनेकार्थी शब्दों से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं अतः प्रत्येक परीक्षार्थी के लिए अनेकार्थी शब्दों का ज्ञान होना आवश्यक है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में अनेकार्थक शब्दों के चार-चार अर्थ विकल्प स्वरूप दिए गए हैं इनमें से कोई एक विकल्प गलत है, आपको गलत विकल्प अर्थात् जो सम्बन्धित शब्द का अर्थ नहीं है, का चयन करना है.

1. **अंक :**
(A) गोद (B) भाग्य
(C) संख्या (D) दैनंदिनी

2. **अंग :**
(A) अवयव (B) टुकड़ा
(C) शरीर (D) भाग्य

3. **अंतर :**
(A) समय (B) चापलूसी
(C) भेद (D) भीतर

4. **अधर :**
(A) होंठ (B) अनाधार
(C) पाताल (D) आकाश

5. **अपेक्षा :**
(A) आशा (B) निराशा
(C) आवश्यकता (D) इच्छा

6. **अर्क :**
(A) सूर्य (B) सत्त्व
(C) ताँबा (D) बुध

7. **अर्थ :**
(A) धन (B) प्रयोजन
(C) कारण (D) अन्न

8. **आतुर :**
(A) उत्सुक (B) रोगी
(C) प्रसन्न (D) कमजोर

9. **आन :**
(A) अकेला (B) दूसरा
(C) क्षण (D) शपथ

10. **आम :**
(A) अप्रचलित
(B) सामान्य
(C) एक फल का नाम
(D) व्यापक

11. **इतर :**
(A) ऊँच (B) नीच
(C) अन्य (D) चरस

12. **उत्तर :**
(A) बाद में (B) उत्तर दिशा
(C) प्रश्न (D) श्रेष्ठ

13. **कंद :**
(A) जड़ (B) मिश्री
(C) समूह (D) धीमा

14. **कपि :**
(A) बंदर (B) घोड़ा
(C) हाथी (D) हनुमान

15. **कर :**
(A) टैक्स (B) हाथ
(C) सूँड़ (D) सत्कर्म

16. **कल :**
(A) मशीन
(B) शांति
(C) अशांति
(D) आने वाला/बीता हुआ कल

17. **कुशल :**
(A) योग्य (B) चतुर
(C) क्षेम (D) क्षमा

18. **कृष्ण :**
(A) काला (B) कौन्तेय
(C) वेदव्यास (D) मधुसूदन

19. **कौशिक :**
(A) दुर्वासा (B) इन्द्र
(C) विश्वामित्र (D) नेवला

20. **खर :**
(A) तिनका (B) दुष्ट
(C) गधा (D) शृंगाल

21. **खल :**
(A) दवा कूटने का पात्र
(B) दुष्ट
(C) मिश्रण
(D) धतूरा

22. **गोपाल :**
(A) कृष्ण
(B) गाय पालने वाला
(C) ग्वाला
(D) बटुक

23. **गोली :**
(A) कारतूस
(B) औषधि की गोली
(C) खेल में गोल रक्षक
(D) धोखेबाज

24. **गौतमी :**
(A) हल्दी (B) गोरोचन
(C) कोई वृद्धा (D) गोदावरी नदी

25. **घुटना :**
(A) कष्ट सहना
(B) सहनशीलता
(C) साँस लेन में कठिनाई
(D) पाँव का मध्य भाग

26. **जड़ :**
(A) मूल (B) मूर्ख
(C) चेतन (D) हठी

27. **जरा :**
(A) खाँसी (B) बुढ़ापा
(C) थोड़ा (D) कमजोरी

28. **जीवन :**
(A) प्राण (B) जिंदगी
(C) वायु (D) कर्त्तव्य

29. **ठाकुर :**
(A) भगवान (B) जाति विशेष
(C) स्वामी (D) सेवक

30. **ढाल :**
(A) रक्षक
(B) उतार
(C) धातुओं की ढलाई
(D) ऊर्ध्वपथ

31. **ताल :**
(A) सरोवर (B) लय
(C) वटवृक्ष (D) ताड़ का वृक्ष

32. **द्विज :**
(A) दाँत (B) पक्षी
(C) ब्राह्मण (D) गौना

33. **धन :**
(A) सम्पत्ति (B) जोड़
(C) स्त्री (D) नरेश

34. **नाक :**
(A) स्वर्ग (B) इज्जत
(C) नासिका (D) सर्प

35. **नाग :**
(A) सर्प (B) हाथी
(C) नागवल्ली (D) नासिका

36. **पानी :**
(A) इज्जत (B) चमक
(C) संजीवनी (D) जल

37. **पास :**
(A) निकट (B) पीतक
(C) उत्तीर्ण (D) पसंद

38. **फल :**
(A) परिणाम (B) लाभ
(C) आमुख (D) खाद्य फल

39. **बलि :**
(A) एक राजा
(B) पितरों को दिया गया भाग
(C) न्योछावर
(D) याचना

40. **बहार :**
(A) बसंत (B) एक किरण
(C) आनन्द (D) बाहर

41. **रंग :**
(A) आनन्द (B) बिलास
(C) राग (D) सातों रंग

42. **विधि :**
(A) रीति (B) भाग्य
(C) विष्णु (D) विधाता

43. **विषय :**
(A) भोग
(B) विचारणीय भाव
(C) बारे में
(D) अध्ययन

44. **सार :**
(A) लोहा (B) सारांश
(C) व्याख्या (D) निचोड़

45. **सारंग :**
(A) हिरन (B) बादल
(C) लोहा (D) पानी

46. **हंस :**
(A) आत्मा (B) योगी
(C) कुंजर (D) सूर्य

47. **हरि :**
(A) विष्णु (B) इन्द्र
(C) बंदर (D) प्रत्येक

48. **हीन :**
(A) नीचा (B) तुच्छ
(C) कम (D) अधिक

उत्तरमाला

1. (D) 2. (D) 3. (B) 4. (C) 5. (B)
6. (D) 7. (D) 8. (C) 9. (A) 10. (A)
11. (A) 12. (C) 13. (D) 14. (B) 15. (D)
16. (C) 17. (D) 18. (B) 19. (A) 20. (D)
21. (C) 22. (D) 23. (D) 24. (C) 25. (B)
26. (C) 27. (A) 28. (D) 29. (D) 30. (D)
31. (C) 32. (D) 33. (D) 34. (D) 35. (D)
36. (C) 37. (B) 38. (C) 39. (D) 40. (D)
41. (C) 42. (C) 43. (D) 44. (C) 45. (C)
46. (C) 47. (D) 48. (D)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित विकल्पों में से अनेकार्थक शब्द का चयन कीजिए—

1. (A) लेखक (B) संपादक
(C) समाचार पत्र (D) अंक

2. (A) नासिका (B) कान
(C) अंग (D) नेत्र

3. (A) आम (B) अमरूद
(C) केला (D) संतरा

4. (A) मृगांक (B) शशांक
(C) इंदु (D) चंद्रमा

5. (A) उत्तर (B) शिक्षक
(C) विद्यार्थी (D) परीक्षार्थी

6. (A) गेहूँ (B) चावल
(C) दालें (D) कनक

7. (A) निद्रा (B) विश्राम
(C) कल (D) करवट

8. (A) काम (B) कार्य
(C) परिश्रम (D) चुस्ती

9. (A) घण्टा (B) मिनट
(C) सेकण्ड (D) काल

10. (A) मोर (B) बाज
(C) कबूतर (D) खग

उत्तरमाला

1. (D) 2. (C) 3. (A) 4. (C) 5. (A)
6. (D) 7. (C) 8. (A) 9. (D) 10. (D)

समूहार्थक शब्द

जिन शब्दों से किसी समूह या समुदाय का बोध होता है उन्हें समूहार्थक शब्द कहते हैं. दूसरे शब्दों में वे विकारी शब्द जिनसे अनेक व्यक्तियों, जीवों और जड़ पदार्थों के समूह या समुदाय का बोध होता है, समूहार्थक शब्द (Collective words) कहलाते हैं. समूहार्थक शब्दों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है—

(अ) चेतन प्राणियों का वर्ग—इस वर्ग में सभी चेतन प्राणियों के समूहवाची शब्द आते हैं; जैसे—कक्षा, सेना, गिरोह, यूथ इत्यादि.

(ब) अचेतन वस्तुओं का वर्ग—इस वर्ग में सभी जड़ पदार्थों के समूहवाची शब्द आते हैं; जैसे–अंबार, ढेर, गुच्छा, राशि, कुंज इत्यादि.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में समूहार्थक शब्दों से बनने वाले चार-चार विकल्प शब्द दिए गए हैं. इनमें एक विकल्प गलत है. आपको गलत अर्थात् जो शब्द समूहार्थी नहीं है, का चयन करना है—

1. **अवलि :**
(A) नामावलि (B) कँवलि
(C) दोहावलि (D) प्रश्नावलि

2. **कुंज :**
(A) वानीर कुंज (B) लता कुंज
(C) बेंतस कुंज (D) शक्ति कुंज

3. **कुल :**
(A) नकुल (B) क्षत्रिय कुल
(C) गुरुकुल (D) ब्राह्मण कुल

4. **गुच्छ :**
(A) गलमुच्छ (B) रत्नगुच्छ
(C) पुष्पगुच्छ (D) अंगूरगुच्छ

5. **पुंज :**
(A) प्रकाश पुंज (B) लुंजपुंज
(C) तारापुंज (D) आशापुंज

6. **मंडल :**
(A) मंत्रिमंडल (B) शिष्टमंडल
(C) प्रभामंडल (D) गीतमंडल

7. **यूथ :**
(A) गजयूथ (B) ग्रंथयूथ
(C) मृगयूथ (D) वराहयूथ

8. **राजि :**
(A) वृक्षराजि (B) पुष्पराजि
(C) मानवराजि (D) तारकराजि

9. **वर्ग :**
(A) पुष्प वर्ग
(B) छात्र वर्ग
(C) कर्मचारी वर्ग
(D) अध्यापक वर्ग

10. **शतक :**
(A) क्रिकेट का शतक
(B) कविताओं का शतक
(C) रुपयों का शतक
(D) सप्तक

11. **संग्रह :**
(A) निबंध संग्रह (B) काव्य संग्रह
(C) विचार संग्रह (D) साग्रह

12. **संचयन :**
(A) कविताओं का संचयन
(B) पुस्तकों का संचयन
(C) लेखों का संचयन
(D) मनुष्य का संचयन

13. **समूह :**
(A) मानव समूह (B) छात्र समूह
(C) वानर समूह (D) उपसमूह

14. **गुच्छा :**
(A) चाबियों का गुच्छा
(B) अंगूर का गुच्छा
(C) वानरों का गुच्छा
(D) फूलों का गुच्छा

15. **घौद :**
(A) जामुन का घौद
(B) आमों का घौद
(C) केलों का घौद
(D) कलमों का घौद

16. **जत्था :**
(A) छात्रों का जत्था
(B) चोरों का जत्था
(C) छड़ियों का जत्था
(D) लुटेरों का जत्था

17. **टोली :**
(A) प्रचारकों की टोली
(B) छात्रों की टोली
(C) परीक्षकों की टोली
(D) कुर्सियों की टोली

18. **ताँता :**
(A) दर्शकों का ताँता
(B) सवारियों का ताँता
(C) पुस्तकों का ताँता
(D) आने-जाने वालों का ताँता

19. **काफिला :**
(A) ऊँटों का काफिला
(B) राहगीरों का काफिला
(C) कलमों का काफिला
(D) शरणार्थियों का काफिला

उत्तरमाला

1. (B) 2. (D) 3. (A) 4. (A) 5. (B)
6. (D) 7. (B) 8. (C) 9. (A) 10. (D)
11. (D) 12. (D) 13. (D) 14. (C) 15. (D)
16. (C) 17. (D) 18. (C) 19. (C)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार शब्द प्रत्येक प्रश्न में कोई एक शब्द समूहार्थक है. आपको समूहार्थक शब्द को चिह्नित करना है—

1. (A) छात्र (B) शिक्षक
(C) कक्षा (D) पुस्तक

2. (A) नेता (B) अध्यापक
(C) विद्यार्थी (D) जनता

3. (A) राजा (B) मंत्री
(C) प्रजा (D) सेवक

4. (A) प्रातः (B) दोपहर
(C) शाम (D) वर्ष

5. (A) पर्वत (B) पेड़
(C) शृंखला (D) नदी

6. (A) कार्य (B) आवश्यकता
(C) समवाय (D) पूर्ति

7. (A) प्राणी (B) मनुष्य
(C) समाज (D) निर्जन

8. (A) सैनिक (B) युवा
(C) छात्र (D) टुकड़ी

9. (A) नाव (B) जहाज
(C) केवट (D) बेड़ा

10. (A) मनुष्य (B) स्त्री
(C) पुरुष (D) भीड़

11. (A) फूल (B) तागा
(C) माली (D) हार

12. (A) गिरोह (B) सिपाही
(C) चोर (D) लुटेरा

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (C) 4. (D) 5. (C)
6. (C) 7. (C) 8. (D) 9. (D) 10. (D)
11. (D) 12. (A)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ग]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में कुछ समूहों के नाम दिए गए हैं, प्रत्येक समूह को व्यक्त करने के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं. इनमें केवल एक ही विकल्प सही है. आपको सही विकल्प का चयन करना है—

1. **बादलों का समूह :**
(A) गुच्छा (B) राशि
(C) घटा (D) अंबार

2. **फलों का समूह :**
(A) घौद (B) राशि
(C) गुच्छा (D) अस्तवक

3. **समुद्र का अग्नि समूह :**
(A) ढाव (B) बाड़व
(C) अनल (D) जठर

4. **पर्वतों की पंक्ति :**
(A) पंक्ति (B) राशि
(C) माला (D) टुकड़ी

5. **सभ्यजन का समूह :**
(A) वृन्द (B) गिरोह
(C) दल (D) मंडली

6. **समाज का एक भाग :**
(A) अंश (B) वर्ग
(C) बिरादरी (D) गिरोह

7. **सौ वर्षों का नाम :**
(A) सौ वर्ष (B) सैकड़ा
(C) दशक (D) शताब्दी

8. **यात्रियों का समूह :**
(A) गिरोह (B) झुण्ड
(C) कारवां (D) कतार

9. **सैनिकों का समूह :**
(A) फौज (B) टोली
(C) झुण्ड (D) मंडल

10. **असामाजिक व्यक्तियों का समूह :**
(A) समुदाय (B) संगठन
(C) जत्था (D) गिरोह

11. **नारियों का समूह :**
(A) वृन्द (B) यूथ
(C) पुंज (D) गण

12. **ईंटों का ढेर :**
(A) बट्टा (B) राशि
(C) चट्टा (D) स्तवक

13. **बर्रो/मधुमक्खियों का समूह :**
(A) टोली (B) दल
(C) मंडली (D) छत्ता

14. **सत्याग्रहियों का समूह :**
(A) टुकड़ी (B) फौज
(C) टोली (D) जत्था

15. **एक साथ अनेक पशु :**
(A) दल (B) संघ
(C) समूह (D) संग्रह

16. **साहित्यिक रचनाओं का प्रकाशित संकलन :**
(A) संग्रह (B) संगठन
(C) संपादन (D) ढेर

17. **अधिकारों की प्राप्ति के लिए बनाया गया संगठन :**
(A) सम्मेलन (B) समिति
(C) संघ (D) समवाय

18. **एकत्र नोट/ताश :**
(A) पुलिंदा (B) गठ्ठर
(C) गड्डी (D) संचयन

19. **बाँधे हुए फूलों के लिए प्रयुक्त शब्द :**
(A) गुच्छा
(B) गमला
(C) स्तवक/गुलदस्ता
(D) राजि

20. **एकत्र गुण्डों के लिए प्रयुक्त शब्द :**
(A) जत्था (B) समूह
(C) गिरोह (D) संघ

21. **व्यक्तियों / वाहनों का लगातार आते रहना :**
(A) ताँता (B) प्रवाह
(C) भीड़ (D) जत्था

22. **कूड़े का समूह :**
(A) राशि (B) अंबार
(C) ढेर (D) आगार

23. **जलपोतों का समूह :**
(A) जत्था (B) टुकड़ी
(C) दल (D) बेड़ा

24. **आदमियों का समूह :**
(A) समुदाय (B) झुण्ड
(C) दल (D) भीड़

25. **फूलों/मोतियों की माला :**
(A) हार (B) गुच्छा
(C) गुलदस्ता (D) कतार

26. **लता-गुल्म से घिरा हुआ स्थान :**
(A) कुंज (B) पुंज
(C) हरीतिमा (D) वन

27. **सेना/पुलिस का एक समूह :**
(A) मंडल (B) गिरोह
(C) दस्ता (D) भीड़

28. **वृक्षों का बड़ा समूह :**
(A) अवली (B) आगार
(C) अंबार (D) वन

29. **बालों का समूह :**
(A) लट (B) गुच्छा
(C) ढेर (D) अवलि

30. **वस्तुओं का समूह :**
(A) समवाय (B) गट्ठर
(C) गड्डी (D) ढेर

31. **पर्वतों का समूह :**
(A) शृंखला (B) टुकड़ी
(C) संग्रह (D) आगार

32. **प्रकाश की किरणों का समूह :**
(A) पुंज (B) ज्योति
(C) ज्वाला (D) अग्नि

33. **मेघों का समूह :**
(A) अंबार (B) आगार
(C) माला (D) संग्रह

उत्तरमाला

1. (C) 2. (A) 3. (B) 4. (C) 5. (A)
6. (B) 7. (D) 8. (C) 9. (A) 10. (D)
11. (A) 12. (C) 13. (D) 14. (D) 15. (C)
16. (A) 17. (C) 18. (C) 19. (C) 20. (C)
21. (A) 22. (C) 23. (D) 24. (D) 25. (A)
26. (A) 27. (C) 28. (D) 29. (A) 30. (A)
31. (A) 32. (A) 33. (C)

अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द

कम-से-कम शब्दों में अधिक-से-अधिक भावों को व्यक्त करना भाषा या वाणी का सर्वश्रेष्ठ गुण माना जाता है; क्योंकि ऐसी भाषा सौष्ठवयुक्त और प्रभावशाली होती है. भाषा के सुगठित और संयत रूप का अपना आकर्षण होता है. इसके विपरीत विस्तृत कथन के अन्तर्गत भाषा में ढीलापन और बिखराव सा रहता है जो पाठक या श्रोता के लिए उबाऊ होता है, जबकि संक्षिप्त चुस्त और सारगर्भित भाषा पाठक या श्रोता को आकर्षित किए रहती है. अतएव कम शब्दों में अधिक अभिव्यक्ति प्रतिभा का प्रतीक मानी जाती है.

अपठित सम्बन्धी—सारांश, भावार्थ, आशय, मुख्यार्थ और संक्षेपण के लिए अनेक शब्दों/वाक्यांशों के लिए 'एक शब्द' का ज्ञान बहुपयोगी होता है, क्योंकि इनमें संक्षिप्तता बहुत आवश्यक है. अनेक शब्दों/वाक्यांशों के लिए एक शब्द सूत्रात्मक या समास शैली पर आधारित होते हैं. कुशलवक्ता/लेखक के लिए इन शब्दों का ज्ञान बहुउपयोगी होता है विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाषा ज्ञान परीक्षण के अन्तर्गत इससे सम्बन्धित अनेक प्रश्न आते हैं. अतः प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए अनेक शब्दों/वाक्यांशों के लिए एक शब्द का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में वाक्यांशों/अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं, इनमें कोई एक विकल्प सही है. आपको सही विकल्प का चयन करना है

1. **गोद में सोने वाला :**
(A) बालक (B) पुत्र
(C) अंकशायी (D) अंकस्थ

2. **हाथी आँकने का लोहे का डंडेदार हुक :**
(A) तबली (B) फरसा
(C) अंकड़ा (D) अंकुश

3. **अंडे से उत्पन्न होने वाला :**
(A) पक्षी (B) अंडज
(C) पिंडज (D) स्वदेज

4. **गुरु के समीप रहने वाला विद्यार्थी :**
(A) वज्रबटुक (B) ब्रह्मचारी
(C) अंतेवासी (D) गुरुकुल

5. **अपने आप (मन में) उत्पन्न होने वाली प्रेरणा :**
(A) अंतःप्रेरणा (B) स्वानुभूति
(C) अंतर्मनीय (D) अंतर्ज्ञान

6. **किसी देश के अंदर होने वाला या उससे सम्बन्ध रखने वाला :**
(A) अंतर्देशीय (B) स्वदेशीय
(C) अंतर्निर्दिष्ट (D) अंतर्प्रान्तीय

7. **जो किसी वस्तु के अंदर दृढ़तापूर्वक मौजूद है :**
(A) अंतर्ज्ञान (B) अंतर्निविष्ट
(C) अंतःकरण (D) अंतेवासी

8. **जिसका जन्म अन्तिम वर्ण में हुआ हो :**
(A) दनुज (B) अग्रज
(C) अंत्यज (D) अनुज

9. **किसी पद्य के अन्तिम अक्षर से नया पद्य आरम्भ करने की प्रतियोगिता :**
(A) काव्यपाठ
(B) गायन प्रतियोगिता
(C) संगीतपाठ
(D) अंत्याक्षरी

10. **जिसमें किसी प्रकार की विघ्न बाधा न हो:**
(A) अकंटक (B) अवरोध
(C) सरल (D) स्वच्छ

11. **जो कहा न जा सके :**
(A) अकथित (B) अकथनीय
(C) शांत (D) चुपचाप

12. **जिसके पास कुछ भी न हो :**
(A) रंक (B) भिखारी
(C) दरिद्र (D) अकिंचन

13. **जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो :**
(A) अक्षम (B) अक्षम्य
(C) मरीज (D) काहिल

14. **जिसके अंदर या पास न पहुँचा जा सके :**
(A) अगम्य (B) कठिन
(C) अभेद (D) तेजस्वी

15. **किसी आदरणीय का स्वागत करने के लिए चलकर कुछ आगे पहुँचना :**
(A) स्वागत (B) आदर
(C) सम्मान (D) अगवानी

16. **जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा न हो :**
(A) इन्द्रियतीत (B) अतीन्द्रिय
(C) गोचर (D) अगोचर

17. **जिसका जन्म पहले हुआ हो (बड़ा भाई) :**
(A) बड़ा (B) पूर्वज
(C) अग्रज (D) अनुज

18. **जो करने या होने वाली बात को पहले ही सोच ले :**
(A) दूरदर्शी (B) अंतर्यामी
(C) समझदार (D) अग्रसोची

19. **जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो :**
(A) अजातशत्रु (B) निर्बैर
(C) अजेय (D) अजीत

20. **जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो :**
(A) आगन्तुक (B) अहेतुक
(C) अतिथि (D) आकस्मिक

21. **जिसकी तुलना न की जा सके :**
(A) अतुल (B) अनुपम
(C) अद्वितीय (D) सर्वश्रेष्ठ

22. **जिसके समान कोई दूसरा न हो :**
(A) अद्वितीय (B) सर्वश्रेष्ठ
(C) अतुलनीय (D) अनुपम

23. **जिसे अधिकार दिया गया है :**
(A) अधिकारी (B) अधिकृत
(C) कर्मचारी (D) इंचार्ज

24. **राज्य के प्रधान शासक द्वारा दिया या निकाला गया आधिकारिक आदेश :**
(A) सूचना (B) विज्ञप्ति
(C) सख्त आदेश (D) अध्यादेश

25. **जिसका कहीं कोई अंत न होता हो :**
(A) अनंत (B) अनादि
(C) अखंड (D) अनश्वर

26. **जिसका एक के बिना किसी दूसरे से सम्बन्ध न होता हो :**
(A) अनंत (B) घनिष्ठ
(C) अनन्य (D) सामीप्य

27. **जिसका वर्णन वाणी द्वारा न हो सके :**
(A) अवर्णन (B) मूकसंदेश
(C) अनंत (D) अनिर्वचनीय

28. **जिसे बुलाया न गया हो :**
(A) आगन्तुक (B) अतिथि
(C) स्वतःगामी (D) अनाहूत

29. **जिसका अनुभव किया गया हो :**
(A) अनुभूत (B) अननुभूत
(C) विचार (D) ज्ञान

30. **जिसका मन दूसरी ओर हो :**
(A) चंचल (B) उद्विग्न
(C) व्यग्र (D) अन्यमनस्क

31. **जिसके फलस्वरूप अपमान होता हो :**
(A) दुराचरण
(B) अपमानजनक
(C) कदाचार
(D) भ्रष्टाचार

32. **जिसकी आशा न की जा सकती हो :**
(A) निराशा (B) निरुत्साह
(C) अप्रत्याशित (D) प्रत्याशित

33. **जिसे पराजित न किया जा सके :**
(A) अपराजित् (B) अपराजेय
(C) अजातशत्रु (D) विजेता

34. **जो बाँटा न जा सके :**

(A) अपूर्ण (B) अतुलनीय
(C) विभाजित (D) अभाज्य
(E) अपरिहार्य

35. **सौ करोड़ की संख्या :**
(A) एक सौ करोड़ (B) अरब
(C) शतम् करोड़ (D) करोड़ शतक

36. **जो सोच करने योग्य न हो :**
(A) विशोक (B) अशोक
(C) अशोच्य (D) निश्चिन्त

37. **एक-एक अक्षर तक :**
(A) संपूर्ण (B) आपादमस्तक
(C) नखशिख (D) अक्षरश:

38. **वह नायिका जिसका पति प्रदेश से लौटा हो :**
(A) सुहागिन (B) वियोगिनी
(C) खंडिता (D) आगतपतिका

39. **रुपए-पैसे से सम्बन्ध रखने वाला प्रकरण :**
(A) कैशियर (B) खजांची
(C) आर्थिक (D) वाणिज्यिक

40. **इतिहास को जानने वाला :**
(A) ऐतिहासिक (B) इतिहासज्ञ
(C) विशेषज्ञ (D) पुरातत्त्ववेत्ता

41. **जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो सके :**
(A) इन्द्रियातीत (B) इन्द्रियजित्
(C) इन्द्रजीत (D) परमेश्वर

42. **जिसका चित्त स्थिर हो :**
(A) शांत (B) सुधी
(C) एकाग्रचित्त (D) तपस्वी

43. **जहाँ कोई दूसरा न हो :**
(A) निर्जन (B) विजन
(C) एकान्त (D) तपोस्थल

44. **जिसका करना या न करना अपनी इच्छा पर निर्भर हो :**
(A) मनमानी (B) स्वेच्छाचारी
(C) वैकल्पिक (D) ऐच्छिक

45. **किसी की कृपा से परमसंतुष्ट :**
(A) मनभावन (B) कृतार्थ
(C) गृहीत (D) कृतज्ञ

46. **किसी वस्तु या बात के विषय में जानने की प्रबल इच्छा :**
(A) कौतूहल (B) उत्कंठा
(C) आकुलता (D) छटपटाहट

47. **शीघ्र ही नष्ट होने टूट-फूट जाने वाला :**
(A) नाजुक (B) दुर्बल
(C) क्षणभंगुर (D) नश्वर

48. **जिसका हाथ बहुत तेज चलता हो :**
(A) फुर्तीला (B) क्षिप्रहस्त
(C) हस्तलाघव (D) हस्तामलक

49. **जो खाने योग्य हो :**
(A) शुद्ध (B) स्वच्छ
(C) खाद्य (D) ग्रहणीय

50. **ऐसा जो अन्दर से खाली हो :**
(A) सारहीन (B) खोखला
(C) रिक्त (D) दरिद्र

51. **घर बसाकर रहने वाला :**
(A) पराक्रमी (B) गृहस्थ
(C) स्वामी (D) गृहस्वामी

52. **जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा हो सके :**
(A) अगोचर (B) गोचर
(C) स्वानुभूति (D) अनुभूति

53. **गायों को पालने और रखने का स्थान :**
(A) थान (B) पशुपालन
(C) गोशाला (D) हाता

54. **वह व्यक्ति जो दूसरों के घरों में फूट डालता हो :**
(A) चुगलखोर (B) घरफोड़ा
(C) राजनीतिज्ञ (D) कूटनीतिज्ञ

55. **रिश्वत (घूस) लेने वाला :**
(A) घूसखोर (B) भ्रष्ट
(C) हरामखोर (D) निकम्मा

56. **घृणा किए जाने योग्य :**
(A) घृण्य (B) घृणित
(C) दूषित (D) सड़ांध

57. **जिसके बालों में चंद्रमा है :**
(A) शंकर (B) चंद्रशेखर
(C) चंद्रचूड़ (D) चंद्रधारी

58. **जिसके सिर पर चंद्रमा है :**
(A) चंद्रशेखर (B) चंद्रेश
(C) रजनीश (D) चंद्रप्रभा

59. **जिसके हाथ में चक्र (सुदर्शन) है :**
(A) प्रभु (B) विष्णु
(C) सरस्वती (D) चक्रपाणि

60. **एक प्रकार का ब्याज जिसमें मूल के ब्याज पर भी ब्याज लगता है :**
(A) दरब्याज
(B) ब्याजदर
(C) चक्रवृद्धि ब्याज
(D) ब्याजवृद्धि

61. **जो आँखों से सम्बन्धित हो :**
(A) प्रज्ञाचक्षु
(B) चक्षुवान
(C) चाक्षुष
(D) ऐनक (चश्मा)

62. **जिसकी चिंता करना उचित हो :**
(A) चिंतनशील (B) चिंता
(C) चिंतनीय (D) चिंतातुर

63. **जिसकी चिकित्सा की जा सके :**
(A) चिकित्स्य (B) रोगी
(C) वैद्य (D) औपचारिक

64. **कर्मचारी आदि को छाँटकर निकाल देने का कार्य :**
(A) निलंबन (B) कार्यमुक्त
(C) दोषयुक्त (D) छँटनी

65. **जो दूसरों के दोष ढूँढ़ा करता हो :**
(A) आलोचक (B) दोषदर्शी
(C) छिद्रान्वेषी (D) निंदक

66. **जन्म से सौ वर्ष का समय :**
(A) पूर्णायु (B) जन्मशती
(C) जयन्ती (D) जीवनकाल

67. **जल के बदले में दिया जाने वाला टैक्स :**
(A) जलानुदान (B) जलमूल्य
(C) जलकर (D) जलीय धन

68. **किसी को जीतने की चाह :**
(A) जिगीषा (B) जेय
(C) विजेता (D) विजेता

69. **कुछ जानने या ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा :**
(A) जिजीविषा (B) जिज्ञासा
(C) उत्कंठा (D) शिक्षार्थी

70. **जिसने इन्द्रियों पर विजय पा ली हो :**
(A) ब्रह्मचारी (B) वज्रबटुक
(C) जितेन्द्रिय (D) महात्मा

71. **जिसे जानना आवश्यक हो :**
(A) ध्यातव्य (B) ध्येय
(C) ज्ञेय (D) ज्ञान

72. **चारों ओर जल से घिरा हुआ भू-भाग :**
(A) जलमग्न (B) तट
(C) टापू (D) किनारा

73. **किसी ग्रंथ या रचना की टीका करने वाला :**
(A) वाचक (B) वक्ता
(C) आलोचक (D) टीकाकार

74. **घर-घर जाकर लोगों की डाक पहुँचाने वाला कर्मचारी :**
(A) हरकारा (B) संदेशवाहक
(C) डाकिया (D) राजदूत

75. **किसानों को सरकार द्वारा दी गई ऋण के रूप में आर्थिक सहायता :**
(A) ऋण (B) उद्धार
(C) सहायता (D) तकाबी

76. **तत्त्व को जानने वाला :**
(A) रसायनशास्त्री (B) रसमर्मज्ञ
(C) तत्त्वविद् (D) तत्वचिंतक

77. **वह जो बराबर तपस्या करता है :**
(A) तपस्वी (B) योगी
(C) ध्यानी (D) ज्ञानी

78. **जो तर्क के द्वारा सही माना गया हो :**

(A) तार्किक (B) तर्कसम्मत
(C) तर्क-वितर्क (D) तर्कशास्त्र

79. **चोरी-छिपे और चुंगी शुल्कादि दिए बिना माल बेचने वाला :**
(A) मोषक (B) कमिज
(C) तस्कर (D) करचोर

80. **कोई काम या पद छोड़ देने के लिए लिखा गया पत्र :**
(A) स्पष्टीकरण (B) व्यथापत्र
(C) असंतुष्टिलेख (D) त्यागपत्र

81. **पति-पत्नी का जोड़ा :**
(A) दंपती (B) युगल
(C) नर-नारी (D) जोड़ा

82. **जिसका मुख दक्षिण की ओर हो :**
(A) दक्षिणमार्गी (B) दक्षिणाभिमुख
(C) दक्षिण (D) दक्षिणगामी

83. **किसी काम को चित्त लगाकर करने वाला :**
(A) ध्यानपूर्वक (B) गोदनामा
(C) दत्तचित्त (D) दत्तक

84. **चांद्रमास के किसी पक्ष की दसवीं तिथि :**
(A) दशमी (B) पूर्णिमा
(C) अमावस्या (D) एकादशी

85. **जिस पर तारीख की संख्या लिखी गई होः**
(A) अंकित (B) क्रमबद्ध
(C) संख्याबद्ध (D) दिनांकित

86. **जो व्यक्ति अपने ऋणों को चुकता करने में असमर्थ हो गया हो :**
(A) महाऋणी (B) दिवालिया
(C) दरिद्र (D) रंक

87. **दुःख देने वाला :**
(A) अधम (B) शोषक
(C) पातकी (D) दुःखद

88. **जिसका चित्त किसी एक बात पर स्थिर न हो :**
(A) डाँवाडोल (B) मनमौजी
(C) मदान्ध (D) दुचित्तता

89. **अनुचित बात के लिए आग्रह करना :**
(A) जिद् (B) हठ
(C) अनुरोध (D) दुराग्रह

90. **जिसे प्रसन्न/आराधित करना कठिन है :**
(A) दुराराध्य (B) दुःसाध्य
(C) मनहूस (D) रूखा

91. **जिसमें जाना या जिसे समझना कठिन हो :**
(A) दुर्दम्य (B) दुर्लभ
(C) दुर्गम (D) दुष्कर

92. **जिस पर विजय पाना कठिन हो :**
(A) दुर्जेय (B) दुष्कर
(C) दुर्लभ (D) दुर्दम्य

93. **जिसका रोकना या निवारण करना कठिन हो :**
(A) दुर्जेय (B) दुराराध्य
(C) दुर्निवार्य (D) दुर्दम्य

94. **जिसकी समझ या बोध कठिनाई से हो सके :**
(A) दुर्बोध (B) दुर्दम्य
(C) दुर्जेय (D) दुराराध्य

95. **ऐसा अकाल कि भिक्षा देना/लेना भी कठिन हो :**
(A) दुर्बल्य (B) दुःसाध्य
(C) दुर्भिक्ष (D) भुखमरी

96. **वह व्यक्ति जो दूर तक की बातों को पहले सोच लेता है :**
(A) अनुभवी (B) दूरदर्शी
(C) ज्ञानी (D) त्रिकालज्ञ

97. **वह जो अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहे :**
(A) दृढ़प्रतिज्ञ (B) धीर
(C) वीर (D) अटल

98. **तीव्रगति से जाने वाला :**
(A) फुर्तीला (B) त्वरागति
(C) सुगमगति (D) द्रुतगामी

99. **धनुष धारण करने वाला :**
(A) शिकारी (B) अर्जुन
(C) राम (D) धनुर्धर

100. **धार्मिक सिद्धान्तों के अनुसार आचरण करने वाला :**
(A) सात्त्विक (B) धार्मिक
(C) धर्मात्मा (D) महात्मा

101. **आकाश में विचरण करने वाला :**
(A) अगोचर (B) गोचर
(C) नभचर (D) पवन

102. **जिसका जन्म हाल ही में हुआ हो :**
(A) शिशु (B) बच्चा
(C) नवांकुर (D) नवजात

103. **वह स्त्री जिसका विवाह हाल ही में हुआ हो :**
(A) विवाहिता (B) नवोढ़ा
(C) ऊढ़ा (D) सुहागिन

104. **जो धर्म और ईश्वर में विश्वास न रखता हो :**
(A) आस्तिक (B) नास्तिक
(C) दुराचारी (D) चर्वाक

105. **जिसमें शब्द न हो रहा हो :**
(A) निःशब्द (B) प्रतिशब्द
(C) अनुगूंज (D) प्रतिध्वनि

106. **नाक से बाहर निकलने वाली श्वास :**
(A) अशुद्ध वायु (B) अपानवायु
(C) निःश्वास (D) उच्छवास

107. **जिसमें स्वार्थ की भावना न हो :**
(A) परमार्थ (B) निःस्पृह
(C) निःस्वार्थ (D) निःशुल्क

108. **जिस पर किसी प्रकार का कोई नियंत्रण/अंकुश न हो :**
(A) बेरोक-टोक
(B) उद्‌दंड
(C) निरंकुश
(D) अनुशासनहीन

109. **वह जिसका कोई आकार न हो :**
(A) मायावी (B) छली/कपटी
(C) विकार (D) निराकार

110. **जिसमें सत् रज तम आदि कोई गुण न हों :**
(A) ओंकार (B) अविनाशी
(C) प्रेममार्गी (D) निर्गुण

111. **जिसके मन में दया का अभाव हो :**
(A) निर्भय (B) निर्दय
(C) क्रूर (D) हत्यारा

112. **एक देश से दूसरे देश में माल भेजना :**
(A) निर्यात (B) आयात
(C) प्रेषण (D) संप्रेषण

113. **रात्रि में विचरण करने वाला :**
(A) चोर (B) डाकू
(C) लुटेरा (D) निशाचर

114. **जिसकी सहायता करने वाला कोई न हो :**
(A) अनाथ (B) अकेला
(C) निस्सहाय (D) अबोध

115. **नीति का ज्ञान रखने वाला :**
(A) राजनीतिज्ञ (B) नीतिज्ञ
(C) ज्ञानी (D) मंत्री

116. **गाँव की वह सभा जिसमें लोग झगड़ों का निपटारा करते हैं :**
(A) ग्राम्य बैठक (B) आमसभा
(C) पंचायत (D) प्रधानमंडल

117. **अगुवा बनकर रास्ता दिखाने वाला :**
(A) निर्देशक (B) शिक्षक
(C) पथ-प्रदर्शक (D) अनुदेशक

118. **जो किसी दूसरे के आश्रय में रहता हो :**
(A) पराधीन (B) पराश्रित
(C) निराश्रित (D) आश्रित

119. **जो किसी बात या उक्ति को तुरंत सोच ले :**
(A) कुशल
(B) कुशाग्रबुद्धि
(C) प्रत्युत्पन्नमति
(D) किंकर्त्तव्यविमूढ़

120. **वह स्त्री जिसके पति ने छोड़ दिया है :**
(A) परित्यक्ता (B) स्वकीया
(C) परकीया (D) अभागिन

121. **पूर्ण रूप से पका या पचा हुआ :**
(A) परिपक्व (B) परिपुष्ट
(C) सुपाच्य (D) प्रौढ़ा

122. **जो तौला या मापा जा सके :**
(A) तुलनीय (B) मापीय
(C) परिमेय (D) अपरिमेय

123. **पांचाल प्रदेश की राजकुमारी :**
(A) पांचाली (B) पंचप्रांतीय
(C) कुंती (D) गांधारी

124. **किसी स्त्री को पत्नी के रूप में ग्रहण करने के साथ उसका हाथ पकड़ना :**
(A) गोदभराई (B) पसंद करना
(C) अंकग्रहण (D) पाणिग्रहण

125. **जिसमें इस पार से उस पार की वस्तुएं दिखाई देती हों :**
(A) झिल्ली (B) झीना
(C) बरसाती (D) पारदर्शक

126. **परलोक से सम्बन्धित :**
(A) अध्यात्मिक (B) आत्मिक
(C) पारलौकिक (D) लौकिक

127. **किए हुए परिश्रम के बदले में मिलने वाला धन :**
(A) पारिश्रमिक (B) वेतन
(C) बोनस (D) अनुदान

128. **पशुओं जैसा आचरण :**
(A) अज्ञान (B) पाशविक
(C) पैशुन्य (D) हिंसात्मक

129. **अपने पिता की हर तरह से सेवा करने वाला :**
(A) श्रवण कुमार
(B) पितृज्ञापालक
(C) पितृभक्त
(D) मातृभक्त

130. **किसी बड़े आदमी के निधन की वार्षिक तिथि :**
(A) पुण्यतिथि (B) स्मारक तिथि
(C) दानदिवस (D) उद्धार दिवस

131. **जिसकी कामना पूरी हो गई हो :**
(A) पूर्णकाम (B) पूर्णकामी
(C) पूर्णांक (D) पूर्णत्व

132. **दिन का पहला भाग सवेरे से दोपहर तक :**
(A) अपराह्न (B) पूर्वाह्न
(C) प्रातः (D) अध्यदिवस

133. **जो अपने पैरों से चल रहा हो :**
(A) पैदल (B) चौपाया
(C) मृग (D) पशु

134. **केवल फल खाकर रहने वाला :**
(A) कपि (B) तोता
(C) फलाहारी (D) व्रतधारी

135. **फल (परिणाम) की आकांक्षा वाला :**
(A) फलासक्त (B) फलाहारी
(C) शाकाहारी (D) व्रतधारी

136. **जिसे समाज या जाति से बाहर निकाल दिया गया हो :**
(A) तिरस्कृत (B) बहिष्कृत
(C) अपमानित (D) त्यक्त

137. **बहुत सी भाषाओं को जानने वाला :**
(A) बहुज्ञ
(B) बहुभाषाविद्
(C) भाषा-वैज्ञानिक
(D) तत्त्वचिंतक

138. **अनेक धंधों से सम्बन्ध रखने वाला :**
(A) कामकाजी (B) कार्य निपुण
(C) प्रवीण (D) बहुधंधी

139. **बुद्धि द्वारा ग्रहण किए जाने योग्य :**
(A) पठनीय (B) उपयोगी
(C) बुद्धिग्राह्य (D) कंठस्थ

140. **जिसको किसी बात की खबर न हो :**
(A) मदहोश (B) बेहोश
(C) बेखबर (D) पागल

141. **जिसका कोई रोजगार नहीं है अर्थात् जो बेकार है :**
(A) बारोजगार (B) बेरोजगार
(C) विद्यार्थी (D) प्रतियोगी

142. सूर्योदय से पहले दो घड़ी तक का पवित्र समय :
(A) प्रातःकाल (B) प्रभात
(C) ब्रह्ममुहूर्त (D) स्वास्थ्य काल

143. जो भय से घबराया हुआ हो :
(A) भयातुर (B) भयानक
(C) सहमा (D) विक्षिप्त

144. भारत देश से सम्बन्धित/भारत में उत्पन्न :
(A) भारतीय (B) स्वदेशी
(C) आर्य (D) अनार्य

145. जो किसी पद पर पहले रहा हो :
(A) पदारूढ़ (B) सत्तासीन
(C) भूतपूर्व (D) पदवीदार

146. भूगोल से सम्बन्धित या भूगोल का :
(A) भौगोलिक (B) मानचित्र
(C) मानचित्रावली (D) उपकरण

147. किसी विषय में एक का दूसरे या दूसरों से मत न मिलना :
(A) मतभेद (B) विपक्ष
(C) विरोध (D) शत्रुता

148. मतिमंद होने की अवस्था :
(A) अल्पबुद्धि (B) दुर्बुद्धि
(C) मतिमांद्य (D) पागल

149. दो विरोधी मार्गों के बीच का मार्ग :
(A) मध्यम वर्ग (B) मध्य मार्ग
(C) तटस्थ (D) निरपेक्ष

150. मध्य रात्रि का समय :
(A) शृंगारकाल (B) विश्रामकाल
(C) मधुराका (D) मध्यरात्रि

151. मन को मोह लेने वाला :
(A) मनमोहक (B) मनोहर
(C) मनोरम (D) मनोवृत्ति

152. मन के दुर्बल होने की स्थिति या भाव :
(A) मनोवृत्ति (B) मनोदौर्बल्य
(C) मनोमालिन्य (D) निराशा

153. मन को हर लेने वाला :
(A) मनमोहक (B) मनोहर
(C) चित्ताकर्षक (D) सुंदर

154. जो मृत्यु के समीप हो :
(A) जर्जर (B) अतिवृद्ध
(C) मरणासन्न (D) अचेत

155. किसी बात के मर्म (गूढ़ रहस्य) को जानने वाला :
(A) मर्मज्ञ (B) अंतर्यामी
(C) ज्ञानी (D) मनोवैज्ञानिक

156. जिसके हृदय को चोट पहुँची हो :
(A) प्राणघातक (B) मर्मघातक
(C) मर्मभेदी (D) हृदयविदारक

157. माया सम्बन्धी या माया के रूप में होने वाला :
(A) भौतिक (B) दैविक
(C) मायाधीन (D) मायावी

158. कम या नपा-तुला खर्च करने वाला :
(A) कंजूस (B) कृपण
(C) मितव्ययी (D) मितभाषी

159. थोड़ा और नपा-तुला भोजन करने वाला :
(A) अल्पभोगी (B) संयमी
(C) मिताहारी (D) मितव्ययी

160. प्रदेश या राज्य के मंत्रियों में सबसे बड़ा मंत्री :
(A) राज्यपाल
(B) मुख्यमंत्री
(C) मुख्य सचिव
(D) विधान सभाध्यक्ष

161. जिसे मोक्ष पाने की कामना हो/जो मोक्ष पाना चाहता हो :
(A) मुमूर्षा (B) मुमुक्षु
(C) अरिहंत (D) निर्वाण

162. जिसे मरने की कामना हो :
(A) मुमूर्षा (B) मुमुक्षु
(C) आत्मघाती (D) मरणासन्न

163. जो मेघ के समान गरजता हो :
(A) मेघनाद (B) तीव्रनाद
(C) क्रोधित (D) कुपित

164. जैसा पहले था वैसा ही :
(A) पूर्वत् (B) यथापूर्व
(C) यथोचित (D) समान

165. जहाँ तक और जितना संभव हो :
(A) यथास्थिति (B) यथाशक्ति
(C) यथासंभव (D) यथोचित

166. जैसा उचित हो वैसा :
(A) यथासंभव (B) यथोचित
(C) यथास्थिति (D) यथासाध्य

167. जो कोई वस्तु या भिक्षा माँगता है :
(A) याचक (B) त्यागी
(C) साधु (D) संन्यासी

168. समुद्री जहाज जिस पर से सैनिक युद्ध करते हैं :
(A) जलयान (B) युद्धपोत
(C) नौसेना (D) संरक्षितयान

169. युद्ध करने की प्रबल इच्छा :
(A) उत्कंठा (B) जिज्ञासा
(C) पिपासा (D) युयुत्सा

170. राजगद्दी का उत्तराधिकारी/सबसे बड़ा राजकुमार :
(A) युवराज (B) राजकुमार
(C) उत्तराधिकारी (D) राजपुत्र

171. ऊँचा उठा हुआ वह स्थान जहाँ पर पात्र अभिनय करते हैं :
(A) मंच (B) चबूतरा
(C) रंगमंच (D) रंगशाला

172. रक्त के दबाव का मात्रक/अनुपात से घट-बढ़ जाने का रोग :
(A) रक्तचाप (B) वायुदाब
(C) वायुप्रकोप (D) हृदयरोग

173. जिसकी रक्षा करना उचित या आवश्यक हो :
(A) रक्षणीय (B) सुरक्षित
(C) आरक्षित (D) संरक्षित

174. बड़े-बड़े खम्भों में लोहे के रस्से बाँधकर बनाया गया मार्ग :
(A) लक्ष्मनझूला (B) रामझूला
(C) रज्जुमार्ग (D) पुल

175. किसानों से भूमिकर लेने वाला विभाग :
(A) तहसील (B) परगना
(C) राजस्व विभाग (D) सरकारी

176. जिसके रोंगटे खड़े हो गए हों :
(A) रोमांचित (B) विस्मित
(C) भयभीत (D) अंधविश्वासी

177. जो कोई उत्तर (जवाब) न दे सके :
(A) लाजवाब (B) वाचाल
(C) मूर्ख (D) मूढ़

178. वह शासन प्रणाली जो लोक द्वारा लोक (जनता) के लिए निश्चित होती है :
(A) ममता (B) भाई-चारा
(C) लोकतन्त्र (D) लौकिक

179. जन-प्रचलित वस्तुओं से अधिक बढ़कर :
(A) लोकोत्तर (B) लौकिक
(C) लाजवाब (D) सुंदर

180. वह स्त्री या मादा पशु जो संतान उत्पन्न करने में असफल हो :
(A) नपुंसक (B) वंशज
(C) वंध्या (D) विंध्या

181. किसी वंश में उत्पन्न व्यक्ति :
(A) वंशज (B) कुलीन
(C) संस्कारित (D) संस्करण

182. बहुत ही कठोर और बड़ा आघात :
(A) वज्राघात (B) वज्रपात
(C) वज्रपाणि (D) घायल

183. बचपन और जवानी की उम्र के बीच की अवस्था :
(A) नवयुवक (B) वयःसंधि
(C) वयस्क (D) परिपक्वता

184. जो वर्णन करने से परे या जिसका वर्णन करना असंभव हो :
(A) वर्णनातीत (B) अगोचर
(C) वर्णनीय (D) गोचर

185. जो निरंतर कई वर्षों से होता रहे/चलता रहे :
(A) वर्षानुवर्ष (B) दिनोंदिन
(C) आयोजित (D) निरंतर

186. **वसंत पंचमी के दिन मनाया जाने वाला उत्सव :**
(A) सरस्वती पूजा (B) पतंगबाजी
(C) काव्यपाठ (D) वसंतोत्सव

187. **जो बहुत बातें करता है :**
(A) बहुभाषी (B) बहुभाषी
(C) वाचाल (D) वाक्पटु

188. **जो किसी के विरुद्ध वाद (मुकदमा) पेश करे :**
(A) मुकदमेबाज (B) प्रत्यावादी
(C) प्रतिवादी (D) वादी

189. **प्रतिवर्ष दी जाने वाली वृत्ति या अनुदान :**
(A) परंपरा (B) वृत्ति
(C) वार्षिकी (D) अनुदान

190. **एक से अधिक बातों में से कोई एक :**
(A) चयनित (B) वांछित
(C) विकल्प (D) महत्वपूर्ण

191. **जिसको/जिसे जानकारी बहुत अधिक हो :**
(A) विज्ञ (B) अज्ञ
(C) मेधावी (D) प्रज्ञा

192. **जो स्त्री विद्वान् हो :**
(A) शिक्षिता (B) पंडिता
(C) महिषी (D) विदुषी

193. **कानून का रूप देने के लिए प्रस्तुत किया गया प्रस्ताव या मसौदा :**
(A) प्रारूप (B) मसौदा
(C) विधेयक (D) प्रश्नोत्तर

194. **अनुरक्ति न रहने की अवस्था या भाव :**
(A) विरक्ति (B) वियोगी
(C) विवेक (D) विरोधी

195. **किसी वस्तु या विषय के अंगों को अलग-अलग करके देखना :**
(A) विभाजन (B) विश्लेषण
(C) जाँचना (D) विचारण

196. **जो संसार का संहार करता हो :**
(A) संहारक (B) विश्वसंहारक
(C) विनाशक (D) मोचक

197. **विदेश का या विदेश में होने वाला :**
(A) स्वदेशी (B) वैदेशिक
(C) प्रदेशीय (D) प्रांतीय

198. **जो विधि की दृष्टि से ठीक हो :**
(A) उचित (B) सही
(C) सत्य (D) वैध

199. **व्याकरण का ज्ञान रखने वाला :**
(A) वैयाकरण (B) व्याख्याता
(C) पंडित (D) विद्वान्

200. **सौ वर्ष की अवधि या समय :**
(A) शताब्दी (B) पूर्णायु
(C) ईसवीं (D) ईसवींपूर्व

201. **शरण में आया हुआ :**
(A) शरणागत (B) शरणालय
(C) शिष्य (D) शरणार्थी

202. **जो किसी की या किसी स्थान में शरण चाहता हो :**
(A) शरणागत (B) शरणार्थी
(C) शरणागम (D) शरणालय

203. **आदरपूर्वक स्वीकार करने के योग्य :**
(A) स्वीकृति (B) सहमति
(C) शिरोधार्य (D) अनुमति

204. **शिशुओं की अवस्था से सम्बन्धित :**
(A) बचपन (B) लड़कपन
(C) बाल्यकाल (D) शैशव

205. **किसी रोगी द्वारा दूसरे जो निकट आएं, पर फैलने वाला रोग :**
(A) छुआछूत (B) महामारी
(C) संक्रामक (D) प्रसरणरोग

206. **संचय किया हुआ :**
(A) संचित (B) व्यवस्थित
(C) सामूहिक (D) यौगिक

207. **जिसके सम्बन्ध में संदेह हो :**
(A) संदिग्ध (B) भ्रमात्मक
(C) रहस्यमय (D) अप्रामाणिक

208. **अलग-अलग अवयवों को एक में जोड़ना :**
(A) योजन (B) वियोजन
(C) विश्लेषण (D) संश्लेषण

209. **किसी सत्ता के विरुद्ध अपना सत्य मनवाने के लिए किया गया आन्दोलनात्मक आग्रह :**
(A) सत्याग्रह (B) अपरिग्रह
(C) आन्दोलन (D) हड़ताल

210. **वह स्त्री जिसका पति जीवित हो :**
(A) सधवा
(B) विवाहिता
(C) कृष्णाभिसारिका
(D) आगतपतिका

211. **जो सदा साथ रहने वाला हो :**
(A) सनातन (B) सहयोगी
(C) घनिष्ठ (D) आत्मिक

212. **जो अपनी पत्नी के साथ हो :**
(A) युगल (B) दम्पत्ति
(C) सपत्नीक (D) जोड़ा

213 **सात दिनों की अवधि :**
(A) पक्ष (B) सप्तक
(C) सप्ताह (D) रविवार

214. **सभ्य होने की अवस्था/गुण या भाव :**
(A) सदाचार (B) सत्कर्म
(C) सभ्यता (D) संस्कृति

215. **जो सबको समान भाव से देखता/समझता हो :**
(A) राजधर्मा (B) समरूपी
(C) समदर्शी (D) न्यायप्रिय

216. **सम्बन्ध की दृष्टि से किसी के पुत्र अथवा पुत्री का ससुर :**
(A) रिश्तेदार (B) भ्राता
(C) समधी (D) आत्मीयजन

217. **जो समान उम्र का हो :**
(A) सहपाठी (B) समर्थित
(C) समवयस्क (D) समरूप

218. **जो सब कुछ जानता हो/जिसे सारी बातों का ज्ञान हो :**
(A) विद्वान् (B) सर्वज्ञ
(C) विज्ञ (D) ज्ञानी

219. **सब कुछ पाने वाला :**
(A) सर्वलब्ध (B) सम्पन्न
(C) सर्वज्ञ (D) सर्वसाधन

220. **पति या पत्नी के पिता का घर :**
(A) ननिहाल (B) ससुराल
(C) पितृगृह (D) स्वगृह

221. **जिसका सम्बन्ध संसार या संसार के विषयों से हो :**
(A) सांसारिक (B) भौतिक
(C) प्राकृतिक (D) कृत्रिम

222. **जो सिद्ध या पूरा किया जा सके :**
(A) सिद्धहस्त (B) सरल
(C) साध्य (D) प्रमेय

223. **जिसका गला या गले का स्वर अच्छा हो :**
(A) गायक (B) सुरीला
(C) रंगीला (D) सुकंठ

224. **जिसकी ग्रीवा सुन्दर हो :**
(A) सुकंठ (B) सुग्रीव
(C) सुरीला (D) गायक

225. **सौर जगत् का सबसे बड़ा ग्रह, अन्य ग्रह जिसकी परिक्रमा करते हैं :**
(A) सूर्य (B) चन्द्रमा
(C) पृथ्वी (D) वृहस्पति

226. **स्त्री का सा या स्त्री के वश में रहने वाला :**
(A) नपुंसक (B) पत्नीभक्त
(C) स्त्रैण (D) हिजड़ा

227. **जो एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर भेज दिया गया हो :**
(A) स्थानापन्न (B) स्थानान्तरित
(C) संचरित (D) प्रसारित

228. **जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके :**
(A) स्थावर (B) जंगम
(C) भारी (D) वजन

229. **जो स्वयं भोजन पकाकर खाता हो :**
(A) भंडारी (B) विद्यार्थी
(C) रसोइया (D) स्वयंपाकी

230. **अपने आप बनने वाला/उत्पन्न होने वाला :**
(A) स्वयंभू (B) सौजन्य
(C) उत्पत्ति (D) आविष्कार

231. **वह स्त्री जिसकी हंस जैसी चाल हो :**
(A) पद्‌मनी (B) मीनाक्षी
(C) गजगामिनी (D) हंसगामिनी

232. **सेना का वह भाग जो सबसे आगे रहता है :**
(A) हरावल (B) टुकड़ी
(C) तोपखाना (D) घुड़सवार

233. **दूसरे के काम में दखल देना :**
(A) शरारत (B) हरकत
(C) हस्तक्षेप (D) मूर्खता

234. **वह चीज या बात जिसके सभी अंग सामने आने पर स्पष्ट हो जाएं :**
(A) प्रत्यक्षदर्शी (B) पारदर्शी
(C) हस्तामलक (D) हस्तलाघव

235. **हृदय को विदीर्ण करने वाला :**
(A) हृदयविदारक (B) कष्टकारी
(C) हृदयंगम (D) चित्तविकार

236. **जो हृदय को आकृष्ट करे :**
(A) सुंदर (B) हृदयावर्जक
(C) हृदयारंजक (D) हृदयंगम

237. **सोने के समान चोटियों वाला पहाड़ :**
(A) हेमाद्रि (B) कनक
(C) स्वर्णमय (D) हिमालय

238. **अवश्यंभावी घटना/भाग्याधीन/न टलने वाली घटना :**
(A) होनहार (B) अनिवार्य
(C) अपरिहार (D) आवश्यक

239. **फाल्गुन की पूर्णिमा में होने वाला हिन्दुओं का प्रसिद्ध त्योहार :**
(A) गुरुपूर्णिमा (B) बुद्धपूर्णिमा
(C) वसंतोत्सव (D) होली

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (B) 4. (C) 5. (A)
6. (A) 7. (B) 8. (C) 9. (D) 10. (A)
11. (B) 12. (D) 13. (A) 14. (A) 15. (D)
16. (D) 17. (C) 18. (D) 19. (A) 20. (C)
21. (A) 22. (A) 23. (B) 24. (D) 25. (A)
26. (C) 27. (D) 28. (D) 29. (A) 30. (D)
31. (B) 32. (C) 33. (B) 34. (D) 35. (B)
36. (C) 37. (D) 38. (B) 39. (C) 40. (B)
41. (A) 42. (C) 43. (C) 44. (D) 45. (B)
46. (A) 47. (C) 48. (B) 49. (C) 50. (B)
51. (B) 52. (B) 53. (C) 54. (B) 55. (A)
56. (A) 57. (C) 58. (A) 59. (D) 60. (C)
61. (C) 62. (C) 63. (A) 64. (D) 65. (C)
66. (B) 67. (C) 68. (A) 69. (B) 70. (C)
71. (C) 72. (C) 73. (D) 74. (C) 75. (D)
76. (C) 77. (A) 78. (B) 79. (C) 80. (D)
81. (A) 82. (B) 83. (C) 84. (A) 85. (D)
86. (B) 87. (D) 88. (D) 89. (D) 90. (A)
91. (C) 92. (A) 93. (C) 94. (A) 95. (C)
96. (B) 97. (A) 98. (D) 99. (D) 100. (C)
101. (C) 102. (D) 103. (B) 104. (B) 105. (C)
106. (C) 107. (C) 108. (C) 109. (D) 110. (D)
111. (B) 112. (A) 113. (D) 114. (C) 115. (B)
116. (C) 117. (C) 118. (B) 119. (C) 120. (A)
121. (A) 122. (C) 123. (A) 124. (D) 125. (D)
126. (C) 127. (A) 128. (B) 129. (C) 130. (A)
131. (A) 132. (B) 133. (A) 134. (C) 135. (A)
136. (B) 137. (B) 138. (D) 139. (C) 140. (C)
141. (B) 142. (C) 143. (A) 144. (A) 145. (C)
146. (A) 147. (A) 148. (C) 149. (B) 150. (D)
151. (A) 152. (B) 153. (B) 154. (C) 155. (A)
156. (C) 157. (D) 158. (C) 159. (C) 160. (B)
161. (B) 162. (A) 163. (A) 164. (B) 165. (C)
166. (B) 167. (A) 168. (B) 169. (D) 170. (A)
171. (C) 172. (A) 173. (A) 174. (C) 175. (C)
176. (A) 177. (A) 178. (C) 179. (A) 180. (C)
181. (A) 182. (A) 183. (B) 184. (A) 185. (A)
186. (D) 187. (C) 188. (D) 189. (C) 190. (C)
191. (A) 192. (D) 193. (C) 194. (A) 195. (B)
196. (B) 197. (B) 198. (D) 199. (A) 200. (A)
201. (A) 202. (B) 203. (C) 204. (D) 205. (C)
206. (A) 207. (A) 208. (D) 209. (A) 210. (A)
211. (A) 212. (C) 213. (C) 214. (C) 215. (C)
216. (C) 217. (C) 218. (B) 219. (A) 220. (B)
221. (A) 222. (C) 223. (D) 224. (B) 225. (A)
226. (C) 227. (B) 228. (A) 229. (D) 230. (A)
231. (D) 232. (A) 233. (C) 234. (C) 235. (A)
236. (B) 237. (A) 238. (A) 239. (D)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

वाक्यांशों/अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द के अन्तर्गत कभी-कभी इस प्रकार के प्रश्न आते हैं, जिनमें परीक्षार्थी को दिए गए शब्द के अर्थ को पूर्णतः स्पष्ट करने वाले वाक्यांश/अनेक शब्द स्वरूप चार-चार विकल्प दिए रहते हैं, इनमें से सही वाक्यांश का चयन करना होता है, जैसे—

कृपा :
(A) किसी के लिए कोई कार्य करना
(B) आवश्यकता पड़ने पर आर्थिक सहायता
(C) दीन व्यक्ति की सहायता
(D) दुःख में सहानुभूति

हल : कृपा शब्द का सही अर्थ है—'दीन व्यक्ति की सहायता'

अतः सही उत्तर (C) है.

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए शब्द के लिए वाक्यांश/अनेक शब्द सम्बन्धी चार-चार विकल्प दिए गए हैं. इनमें से एक विकल्प शब्द के अर्थ को पूर्णतः व्यक्त करने वाला है. आपको सही विकल्प का चयन करना है—

1. **अंकुश :**
(A) किसी पर लगाया गया प्रतिबन्ध
(B) हाथी को हाँकने का लोहे का डंडेदार हुक
(C) किसी कार्य पर लगाया गया प्रतिबन्ध
(D) छात्रों को अनुशासित रखना

2. **अंडज :**
(A) अंडे बेचने वाला
(B) अंडा खाने वाला
(C) अंडे से उत्पन्न होने वाला
(D) एक बीमारी का नाम

3. **अंतेवासी :**
(A) गुरु के समीप रहने वाला विद्यार्थी
(B) राजभवन का भीतरी भाग
(C) गुप्त स्थान पर रहने वाला
(D) जो अपना रहस्य किसी को नहीं बताता है

4. **अकथनीय :**
(A) जो कहा न गया हो
(B) न कहने योग्य
(C) किसी को चुप रहने का निर्देश
(D) संकेतों द्वारा भाव प्रकट करना

5. **अग्रणी :**
(A) नेतृत्व करने वाला
(B) नियंत्रण करने वाला
(C) आगे (भविष्य) का विचार करने वाला
(D) अनुशासन पसन्द करने वाला

6. **अजेय :**
(A) जिसका कोई शत्रु न हो
(B) जिसका कभी जन्म न हुआ हो
(C) जिसे जीता न जा सके
(D) जिसका शत्रु पैदा ही न हुआ हो

7. **अज्ञ :**
(A) जो सब कुछ जानता हो
(B) जो कुछ न जानता हो
(C) कई भाषाओं को जानने वाला
(D) आज्ञाकारी शिष्य

8. **अतीन्द्रिय :**
(A) जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा न हो सकता हो
(B) जिसका अनुभव इन्द्रियों द्वारा हो सकता हो
(C) काम, क्रोध, मद लोभ को जीतने वाला
(D) जिसने अपनी इन्द्रियों को अपने वश में कर लिया हो

9. **अनुगामी :**
(A) जो अनुकरण करने योग्य हो
(B) जिस पर अनुग्रह किया गया हो
(C) जो किसी के प्रति आसक्त हो
(D) किसी के पीछे-पीछे चलने वाला

10. **अपठनीय :**
(A) जो पढ़ा न गया हो
(B) जो पढ़ा न जा सके
(C) जो पढ़ा-लिखा न हो
(D) अन्यमनस्क होकर पढ़ना

11. **आक्रांत :**
(A) जिस पर आक्रमण हो
(B) आक्रमण करने वाला
(C) आतंकवादियों का सलाहकार
(D) आक्रमणकारियों का प्रशिक्षक

12. **आधिभौतिक :**
(A) दैव अथवा प्रकृति द्वारा होने वाला (दु:ख)
(B) जीवों द्वारा होने वाला (दु:ख)
(C) अधिकारपूर्वक कहा गया
(D) गृहस्थी की वस्तुएं न जुटा पाना

13. **इंद्रियजित् :**
(A) इंद्रियों को वश में रखने वाला
(B) जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा हो सके
(C) जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा न हो
(D) पूर्ण ब्रह्मचारी

14. **ईर्ष्यालु :**
(A) दूसरों की बुराई करने वाला
(B) दूसरों का अनिष्ट करने वाला
(C) दूसरों की उन्नति देखकर जलने वाला
(D) दूसरों को नीचा दिखाने की प्रवृत्ति वाला

15. **उच्छ्वास :**
(A) बहुत आगे बढ़ने की आकांक्षा
(B) ऊपर की ओर उछाला हुआ
(C) नीचे की ओर फेंका हुआ
(D) ऊपर आने वाला श्वास

16. **उत्क्षिप्त :**
(A) ऊपर की ओर उछाला या फेंका हुआ
(B) जिससे बढ़कर कोई ऊँचा न हो
(C) क्रोधित व्यक्ति की मन:स्थिति
(D) किंकर्त्तव्यविमूढ़ता की स्थिति

17. **ऊर्ध्वगामी :**
(A) आकाश में विचरण करने वाला
(B) निरंतर सम्पन्न होने वाला
(C) ऊपर की ओर जाने वाला
(D) आगे की ओर जाने वाला

18. **ऐंद्रिक :**
(A) इंद्र से सम्बन्धित
(B) इंद्रियों से सम्बन्धित
(C) इंदिरा से सम्बन्धित
(D) इंद्राणी से सम्बन्धित

19. **औपचारिक :**
(A) ऊपरी दिखावे के रूप में होने वाला
(B) आतिथ्य सत्कार करना
(C) सहानुभूति या सहायता करना
(D) जनसेवा में लगे रहना

20. **कर्णपाली :**
(A) कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग
(B) सुन्दर कर्ण वाली नायिका
(C) जिसके नेत्र कानों तक हों
(D) कर्ण के नीचे की भुजा

21. **क्षिप्रहस्त :**
(A) प्रसन्नचित्त होकर दान देने वाला
(B) गरीबों की सहायता करने वाला
(C) जिसका हाथ बहुत तेज चलता हो
(D) बहुत ही कंजूस व्यक्ति

22. **खग्रास :**
(A) सम्पूर्ण भूमण्डल को निगल जाने वाली विपत्ति
(B) बड़ी-बड़ी ग्रास खाने वाला
(C) एक ही ग्रास में सारा भोजन समाप्त करने वाला
(D) ऐसा ग्रहण जो पूरे भूमण्डल को घेर ले

23. **खल्वाट :**
(A) दुष्ट व्यक्ति
(B) दूसरों की हत्या करने वाला
(C) गंजे सिर वाला
(D) मूर्ख व्यक्ति

24. **गंतव्य :**
(A) अस्थायी निवास स्थान
(B) जीवन का अन्तिम लक्ष्य
(C) स्थान जहाँ स्थायी रूप से निवास करते हैं
(D) लक्ष्य जहाँ जाना है

25. **गद्दीनशीन :**
(A) धार्मिक पंथ/आश्रय का महंत
(B) जो किसी की गद्दी पर (आकर) बैठा हो
(C) घर का मुखिया
(D) किसी के अधूरे कार्यों को पूरा करने वाला

26. **गोचर :**
(A) जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा हो सके
(B) जिसका ज्ञान इंद्रियों द्वारा न हो सके
(C) आकाश में विचरण करने वाला
(D) इन्द्रियों को वश में रखने वाला

27. **घृण्य :**
(A) घृणा किए जाने योग्य
(B) घृणा करने वाला
(C) घृणा से दूर रहने वाला
(D) जिसे देखकर घृणा उत्पन्न होती है

28. **चतुरानन :**
(A) जो बुद्धि से चतुर हो
(B) जिसके चार मुख हों
(C) जो चतुराई से दूसरों को ठगता हो
(D) जो स्वयं को बहुत चतुर समझता हो

29. **चयनिका :**
(A) चुनी हुई वस्तुओं का संग्रह
(B) अपने लिए प्रत्येक वस्तु का चयन स्वयं करने वाली स्त्री
(C) चुनी हुई विश्वासपात्र महिला
(D) वह नायिका जिसने अपने पति का स्वयं चयन किया हो

30. **छिद्रान्वेषी :**
(A) दूसरों की निन्दा करने वाला
(B) दूसरों के किसी काम में त्रुटियों एवं दोषों को खोजने वाला
(C) अंधविश्वासी व्यक्ति
(D) ज्योतिष पर विश्वास करने वाला

31. **जन्मांध :**
(A) जन्म-जन्म का अंधा
(B) जो जन्म लेने के बाद अंधा हो गया हो
(C) जो जन्म से अंधा हो
(D) अंधविश्वासी व्यक्ति

32. **जलचर :**
(A) जल में तैरने वाला
(B) जल में गोता लगाने वाला
(C) जल समाधि लेने वाला महात्मा
(D) जल में रहने वाले प्राणी

33. **जिगीषा :**
(A) किसी को जीतने की चाह
(B) किसी की जीत से उत्पन्न ईर्ष्या
(C) अधिक समय तक जीवित रहने की इच्छा
(D) ज्ञान प्राप्त करने की चाह

34. **जिजीविषु :**
(A) अधिक समय तक जीवित रहने का इच्छुक
(B) ज्ञान प्राप्त करने की चाह
(C) विजय पाने की चाह
(D) अधिक धन-प्राप्ति की चाह

35. **टापू :**
(A) घोड़े की टाप में लगाई जाने वाली लोहे की पत्ती
(B) खड़ाऊँ के नीचे की टाप
(C) नदी में नाव रोकने का स्थान
(D) चारों ओर से जल से घिरा हुआ भू-भाग

36. **डिंगल :**
(A) गाय आदि के गले में बाँधी जाने वाली लकड़ी
(B) टिटहरी की तरह एक जलीय पक्षी
(C) भाटों या चारणों की पुरानी काव्य-भाषा
(D) अनुकरणात्मक ध्वनि

37. **तंत्रण :**
(A) तंत्र के अनुसार चलाना/शासन में रखना
(B) चमड़े की डोरी या ताँत
(C) तंदूरी रोटियाँ पकाने की विधि
(D) तंद्रा के कारण होने वाला आलस्य

38. **तकावी :**
(A) किसानों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला ऋण
(B) एक प्रकार का प्राचीन सिक्का
(C) तकलीफ के दिनों में गरीबों को दिया जाने वाला भोजन
(D) तकलीफ के समय दी गई सांत्वना

39. **तगण :**
(A) लकड़ी का लम्बा और कम मोटा चौकोर टुकड़ा
(B) राजसिंहासन और राजमुकुट
(C) दो गुरु और एक लघु मात्रा का गण
(D) मजबूत एवं हट्टा-कट्टा व्यक्ति

40. **तटस्थ :**
(A) किसी नदी के किनारे पर बसा गाँव
(B) किसी नदी के किनारे पर बना मंदिर
(C) विवाद या गुटबाजी से अलग रहने वाला
(D) अध्यात्म तत्वों को जानने वाला

41. **तर्कसम्मत :**
(A) केवल अपने तर्क को मानने वाला
(B) जो तर्क द्वारा माना जा चुका हो
(C) दूसरों के तर्क से सहमत
(D) तर्क सहित विचारों का आदान-प्रदान

42. **त्राता :**
(A) छुटकारा दिलाने वाला
(B) प्रताड़ित करने वाला
(C) शोषण करने वाला
(D) तीनों कालों को जानने वाला

43. **त्रिकालदर्शी :**
(A) दूर-दूर तक देखने वाला
(B) भविष्य को जानने वाला
(C) जिसे भूत, वर्तमान और भविष्य में होने वाली घटनाएं दिखाई देती हों
(D) तीनों कालों को जानने वाला

44. **दत्तक :**
(A) विधिवत् पुत्र बनाया गया लड़का
(B) गोद लेने वाला
(C) किसी ओर ध्यान देने वाला
(D) दान में प्राप्त वस्तु

45. **दत्तात्मा :**
(A) ससुर का पिता
(B) भक्तिवश समर्पित व्यक्ति
(C) स्वयं को किसी का दत्तक पुत्र कहलाने वाला बालक
(D) किसी महात्मा को दिया गया दान

46. **दरियादिल :**
(A) नदी हटने से निकली जमीन
(B) खुले दिलवाला व्यक्ति
(C) अधिक खर्च करने वाला व्यक्ति
(D) जिसे किसी चीज की चिंता न हो

47. **दशाब्दी :**

(A) परिस्थितियों का अवलोकन
(B) दस प्रकार के सुगंधित द्रव्यों से बनाया गया धूप
(C) जीवन की कालगति के अनुसार अवस्था
(D) दस वर्ष का समय

48. **दामासाही :**
(A) दिवालिए की सम्पत्ति का पावनेदारों में बँटवारा
(B) ससुराल का धन खर्च करना
(C) आकाश में चमकने वाली बिजली
(D) धनी व्यक्ति की आदत

49. **दायागत :**
(A) शरण में आया हुआ
(B) पैतृक सम्पत्ति में मिला हुआ
(C) दया की याचना करने वाला
(D) इनमें से कोई नहीं

50. **दावानल :**
(A) पेट की अग्नि
(B) समुद्र की अग्नि
(C) जंगल की अग्नि
(D) मुकदमेबाजी से उत्पन्न क्रोध

51. **दुरत्यय :**
(A) जिससे पार पाना कठिन हो/जिसका उल्लंघन कठिन हो
(B) तिरस्कारपूर्वक भगाना
(C) बुराई का त्याग
(D) उपेक्षित होकर भागना

52. **दुर्ज्ञेय :**
(A) जिस पर विजय पाना कठिन हो
(B) जिसे जानना कठिन हो
(C) जिसका दमन करना कठिन हो
(D) संकटग्रस्त परिस्थिति

53. **दुर्बोध :**
(A) जहाँ पहुँचना कठिन हो
(B) जिसे सरलता से न जाना जा सके
(C) जो किसी को न पहचाने
(D) उपर्युक्त सभी

54. **दुर्मति :**
(A) जिसका चाल-चलन सही न हो
(B) जो समझ में न आए
(C) बुरी मति वाला
(D) बुरी गति वाला

55. **दुर्लक्ष्य :**
(A) जिसे कठिनाई से देखा जा सके
(B) एक लाख से कम संख्या
(C) बुरे लक्षणों से युक्त
(D) उपर्युक्त सभी

56. **दुर्विभाव्य :**
(A) जिसका विभाजन न हो सके
(B) अमंगल की आशंका
(C) जिसका अनुमान कठिनाई से हो सके
(D) उपर्युक्त सभी

57. **दौर्हार्द :**
(A) बुरे स्वभाव (हृदय) वाला व्यक्ति
(B) मन में उठने वाले विचार
(C) हृदय की चंचलता
(D) इनमें से कोई नहीं

58. **द्रवणांक :**
(A) किसी वस्तु को पिघलाकर नई आकृति देना
(B) ताप की वह मात्रा जिस पर वस्तु पिघलती है
(C) द्रोही होने का भाव
(D) किसी वस्तु के पिघलने की क्रिया

59. **द्विरागमन :**
(A) दो विचारधाराओं का पालन करने वाला
(B) एक साथ दो कार्यों का संपादन
(C) वर द्वारा दूसरी बार ससुराल जाना
(D) वधू का पति के साथ दूसरी बार ससुराल जाना

60. **धर्मोन्माद :**
(A) धर्म सम्बन्धी सभी कार्य

(B) धार्मिक सद्‌विचार
(C) धर्मान्धता में धर्म के नाम पर अनुचित कार्य कर जाना
(D) धर्म के नाम पर चंदा माँगना

61. **धारिता :**
(A) धारण किया हुआ
(B) धारण करने की योग्यता
(C) धारण करने का उपकरण
(D) उपर्युक्त सभी

62. **ध्वंसावशेष :**
(A) टूट-फूट के उपरांत अवशेष टुकड़े
(B) विनाश करने वाला
(C) विध्वंसात्मक विचार
(D) ध्वंस किया हुआ

63. **नक्काश :**
(A) सुन्दर रंग-बिरंगी डिजाइन
(B) पत्थर पर खोदी गई डिजाइन
(C) बेल-बूटे बनाने का कार्य
(D) नक्काशी का काम करने वाला कारीगर

64. **नक्षत्री :**
(A) छोटे-छोटे तारागण
(B) सत्ताइस मोती की माला
(C) नक्षत्रों के स्वामी चन्द्रमा
(D) शुभ नक्षत्र में जन्म लेने वाला

65. **नयनाभिराम :**
(A) जिसके नेत्र सुन्दर हों
(B) नेत्रों को सुन्दर लगने वाला
(C) प्राकृतिक सौन्दर्य
(D) नेत्रों की चपलता

66. **नवाभ्युत्थान :**
(A) नए सिरे से उठना
(B) पदोन्नति प्राप्त करना
(C) लाभ कमाना
(D) निरंतर लाभ होना

67. **नामापराध :**
(A) सम्मानित व्यक्ति को अपशब्द कहना
(B) ईश्वर का नाम न लेना
(C) ईश-स्मरण में विलंब करना
(D) इनमें से कोई नहीं

68. **नास्तिक :**
(A) जिसका कोई अस्तित्व न हो
(B) ईश्वर की सत्ता पर विश्वास करने वाला
(C) ईश्वर की सत्ता को न मानने वाला
(D) उपर्युक्त सभी

69. **निंदनीय :**
(A) बुराई करने वाला
(B) आलोचना करने वाला
(C) निंदा करने वाला
(D) निंदा किए जाने योग्य

70. **निगृहीत :**
(A) स्वीकार करना
(B) ग्रहण करना
(C) वश में किया हुआ
(D) इच्छा करना

71. **निध्यात :**
(A) ध्यानपूर्वक सुनना
(B) मनन किया गया
(C) अध्ययन करना
(D) उपर्युक्त सभी

72. **निरीश्वर :**
(A) अर्धनारीश्वर भगवान शंकर
(B) ईश्वर के अस्तित्व को मानने वाला
(C) ईश्वर के अस्तित्व को न मानने वाला
(D) इच्छा एवं तृष्णा से रहित

73. **निर्मूल :**
(A) जिसका कोई मूल्य न हो
(B) जिसकी जड़ न हो
(C) जिसका कोई अस्तित्व न हो
(D) जिसके पास कुछ भी न हो

74. **निर्वाण :**
(A) शून्य की स्थिति को प्राप्त होना
(B) निवारण करना
(C) निर्वाचन के योग्य
(D) सफलता प्राप्त करना

75. **निर्वासन :**
(A) बलपूर्वक निकाल देना
(B) संन्यासी होकर तप करना
(C) जिसके पास वस्त्र न हो
(D) उपर्युक्त सभी

76. **नियतकालिक :**
(A) निश्चित तिथि पर आने वाला
(B) जिसका न्याय निश्चित एवं दृढ़ हो
(C) निश्चित नियम बनाने वाला
(D) नियत समय पर कार्य पूर्ण करने वाला

77. **निवृत्तात्मा :**
(A) दैनिक कार्यों से निवृत्त
(B) जिसका मन वृत्ति (रोजगार) में लगा हो
(C) विषयों से अलग रहने वाला
(D) इनमें से कोई नहीं

78. **निवेश :**
(A) सज-धज कर रहना
(B) किसी कालोनी में निवास करना
(C) बैंक में पैसा जमा करना
(D) किसी कम्पनी आदि में लाभ हेतु रकम लगाना

79. **निश्चेष्ट :**
(A) जिसमें चेष्टा करने की आवश्यकता न रह गई हो
(B) जो कोई चेष्टा न करे
(C) जिसके लिए चेष्टा करना व्यर्थ हो
(D) जो चेष्टा करते-करते हार गया हो

80. **नैरुक्त :**
(A) शब्द व्युत्पत्ति से सम्बन्ध रखने वाला
(B) न रुकने वाला
(C) कालचक्र की गति
(D) अबाध रूप से जुड़ा हुआ

81. **पंचक :**
(A) पंचों का निर्णय
(B) चान्द्रमास के प्रत्येक पक्ष की पाँचवीं तिथि
(C) जिसमें पाँच चीजों का मिश्रण हो
(D) मांगलिक कार्य न करने से संबद्ध पाँच नक्षत्रों वाला दिन

82. **पगोड़ा :**
(A) जैन मंदिर
(B) बौद्ध मंदिर
(C) शिव-पार्वती मंदिर
(D) गिरिजाघर

83. **पदच्युत :**
(A) अपना पद छोड़ने वाला
(B) अपने पद से हटाया गया
(C) उच्चपद का मोह छोड़ देने वाला
(D) उच्च पद प्राप्त करके छोड़ देने वाला

84. **परामृत :**
(A) जिसने मृत्यु को जीत लिया हो
(B) अच्छी सलाह
(C) जो मृत्यु से नहीं डरता
(D) उपर्युक्त सभी

85. **परावर्ती :**
(A) अपनी बात पर अटल न रहना
(B) दूसरों को शिक्षा देने वाला
(C) पुनः अपने स्थान पर लौटकर आने वाला
(D) किसी वस्तु का तेजी से फैलना

86. **पराश्रित :**
(A) जो दूसरों को आश्रय देता हो
(B) आश्रम का अनुचर
(C) दूसरों से शिक्षा पाने वाला
(D) दूसरों के सहारे पर रहने वाला

87. **परितुष्ट :**
(A) हर प्रकार से संतुष्ट
(B) हर प्रकार से सम्पन्न
(C) अच्छी तरह विचार करना
(D) परिवर्तनशील होने की अवस्था

88. **परित्यक्त :**
(A) जिसका परित्याग किया जा सके
(B) जिसे उपेक्षापूर्वक छोड़ दिया गया हो
(C) जो दान में दिया गया हो
(D) जिसका परित्याग आवश्यक हो

89. **परिप्रेक्षण :**
(A) प्रयोगशाला में शोध करना
(B) सावधानीपूर्वक कार्य करना
(C) चारों ओर अच्छी तरह देखना
(D) परिणाम का निरीक्षण करना

90. **परिलब्धि :**
(A) परिश्रमपूर्वक एकत्र किया गया धन
(B) बचत करके एकत्र किया गया धन
(C) पुरस्कार आदि से प्राप्त धन
(D) वेतन के अतिरिक्त दिया जाने वाला धन

91. **परिषद्य :**
(A) वैदिक युग में राजा द्वारा बुलाई जाने वाली सभा
(B) जुलूस में चलने वाले अनुचर
(C) परिषद् का सदस्य
(D) राजा का प्रिय सेवक

92. **परिषिक्त :**
(A) अच्छी तरह से सींचा गया
(B) अच्छी तरह से स्वच्छ किया गया
(C) साफ एवं सुंदर बनाने की क्रिया
(D) अच्छी तरह शुद्ध करने का कार्य

93. **परिसंघ :**
(A) वफादार साथियों का समूह
(B) इकट्ठा किया हुआ
(C) तर्क-संगत वाद-विवाद
(D) स्वतंत्र राष्ट्र के सदस्यों से निर्मित अंतर्राष्ट्रीय संगठन

94. **परोक्ष :**
(A) जो सामने न हो
(B) जो सामने हो
(C) जो दिखाई न दे
(D) रहस्यपूर्ण अर्थवाला

95. **पार्श्वस्थ :**
(A) सगा सम्बन्धी
(B) पार्श्व सम्बन्धी
(C) सदैव पास रहने वाला
(D) जो पार्श्व में स्थित हो

96. **पीठासीन :**
(A) जो अध्यक्ष के आसन पर बैठा हो
(B) किसी की पीठ पर बैठा हुआ
(C) शोषण करने वाला
(D) किसी की सम्पत्ति पर कब्जा करने वाला

97. **पृथक्करण :**
(A) अलग करने की क्रिया
(B) अलग करने वाला
(C) अलगाववादी विचारधारा
(D) उपर्युक्त सभी

98. **पौर्वात्य :**
(A) पूर्व-जन्म सम्बन्धी
(B) नगर के समीप का स्थान
(C) पूर्व पद से सम्बन्ध रखने वाला
(D) 'पाश्चात्य' के अनुकरण पर बना हुआ

99. **प्रगल्भ :**
(A) उन्नति करने वाला
(B) आत्मीयता का उदय
(C) चतुर और प्रतिभाशाली व्यक्ति
(D) मूर्ख और मंदबुद्धि वाला

100. **प्रजल्पना :**
(A) अपने स्थान से गिरने की अवस्था
(B) टुकड़े-टुकड़े करना
(C) जलाकर राख बनाना
(D) इधर-उधर की बातें (गप) करना

101. **प्रतिपाद्य :**
(A) भली-भाँति ज्ञात करना
(B) प्रतिपक्षी द्वारा दाँव पर लगाया गया धन
(C) जो दिया जा चुका हो
(D) जो दिए जाने योग्य हो

102. **प्रतिश्रुत :**
(A) अच्छी तरह समझा हुआ
(B) अच्छी तरह सुना हुआ
(C) अच्छी तरह पढ़ा हुआ
(D) अच्छी तरह जाना हुआ

103. **प्रतिषिद्ध :**
(A) जिसे करने से किसी को रोका गया हो
(B) जिसने सफलता प्राप्त की हो
(C) किसी सिद्धान्त को सिद्ध करना
(D) सिद्ध किया हुआ कथन

104. **प्रतीपोक्ति :**
(A) किसी कथन के विरुद्ध कहा गया कथन
(B) पीछे की ओर होने वाला
(C) परोक्ष में किया जाने वाला षड्यंत्र
(D) कूटनीति द्वारा किसी को नीचा दिखाना

105. **प्रतीक्षित :**
(A) जिसकी प्रतीक्षा की गई हो
(B) किसी की प्रतीक्षा करने वाला
(C) प्रतीक्षा करने योग्य
(D) उपर्युक्त सभी

106. **प्रज्ञाचक्षु :**
(A) जो अत्यन्त बुद्धिमान है
(B) जो मन की बात देख लेता है
(C) जो बुद्धि का सर्वाधिक प्रयोग करे
(D) अंतर्ज्ञानी होना

107. **प्रत्याहार :**
(A) वर्णों को संक्षेप में ग्रहण करना
(B) व्याकरण का ज्ञान रखने वाला
(C) शब्द रचना का ज्ञान
(D) वर्तनी का ज्ञान

108. **प्रमिताशन :**
(A) नाप-तौल का कार्य
(B) ध्यान लगाना
(C) योगासन करना
(D) नपा-तुला भोजन

109. **प्राकृतीभूत :**
(A) जो अप्राकृतिक हो
(B) जो प्राकृतिक अवस्था में हो
(C) जो कृत्रिम हो
(D) जो अदृश्य हो

110. **प्रागैतिहासिक :**
(A) सभ्यता के विकास का इतिहास
(B) आदिमानव की संस्कृति
(C) लिखित इतिहास के बाद का
(D) लिखित इतिहास के पहले का

111. **प्राणाबाध :**
(A) प्राण जाने की आशंका
(B) प्राण बच जाने की आशंका
(C) पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्ति की आशा
(D) इनमें से कोई नहीं

112. **प्रावसादन :**
(A) अकर्मण्य एवं निरुत्साह होने की अवस्था
(B) नए मकान में रहने के पूर्व किया जाने वाला भोज
(C) मानसिक कष्ट
(D) शारीरिक कष्ट

113. **प्रेप्सु :**
(A) प्राप्त करने की इच्छा
(B) प्राप्त करने का इच्छुक
(C) प्राप्त करने हेतु प्रयत्न
(D) इनमें से कोई नहीं

114. **फलाहारी :**
(A) केवल फल खाकर रहने वाला

(B) कभी-कभी फल खाने वाला
(C) जो फलाहार को उचित मानता हो
(D) उपर्युक्त सभी

115. **बलात्सत्तापहरण :**
(A) हवाई जहाज का हठात् भूमि पर उतरना
(B) सत्ता के लिए संघर्ष
(C) बलपूर्वक सत्ता छीनना
(D) सत्ता हेतु लोलुपता

116. **बाह्यांतर :**
(A) बाहर और अंदर दोनों ओर
(B) ऊपरी (दिखावटी) अंतर
(C) विभिन्नता में एकता
(D) इनमें से कोई नहीं

117. **बहुज्ञ :**
(A) जिसे बहुत से लोग जानते हैं
(B) जिसे बहुत से लोग सम्मान देते हैं
(C) जिसने बहुत सी पुस्तकें पढ़ी हैं
(D) जो बहुत से विषयों का जानकार है

118. **बृहस्पति :**
(A) बहुत भारी संपत्ति वाला
(B) लम्बी उम्रवाला शिक्षक
(C) ज्ञानी अध्यापक
(D) देवताओं के गुरु

119. **भृंगराज :**
(A) ढोल के ताल पर होने वाला लोकनृत्य
(B) कोयल के तरह की एक प्रकार की चिड़िया
(C) पत्तियों को खाने वाला कीड़ा
(D) उपर्युक्त सभी

120. **भर्त्सना :**
(A) डाँट-फटकार (लानत-मलामत)
(B) चेतावनी/मारने की धमकी
(C) भरण-पोषण करना
(D) भरण-पोषण के योग्य

121. **भयानक :**
(A) जो भयभीत हो
(B) जिससे भय उत्पन्न हो
(C) भय दूर करने वाला
(D) इनमें से कोई नहीं

122. **मंदाग्नि :**
(A) सुस्ती, शिथिलता
(B) स्वर्ग की गंगा
(C) पाचन शक्ति का कमजोर होना
(D) मंद होने का भाव

123. **मनोगत :**
(A) मन की गति
(B) मन की चंचलता
(C) मन की एकाग्रता
(D) मन में आया हुआ

124. **मनोविश्लेषक :**
(A) मानसिक रोगों के उपचार सम्बन्धी विवेचन
(B) मन का विश्लेषण करने वाला
(C) मन की स्वाभाविक स्थिति
(D) मन के संकल्प-विकल्प

125. **महाधिवक्ता :**
(A) सबसे अच्छा व्याख्यान देने वाला
(B) बड़ा और धनी वकील
(C) सरकार की पैरवी करने वाला वकील
(D) राज्य का प्रमुख अधिकारी (एडवोकेट जनरल)

126. **माधुर्य :**
(A) प्रिय और हितकारी वचन
(B) गन्ने का रस
(C) मधुर होने का भाव
(D) बसंत ऋतु की हरियाली

127. **मिलीभगत :**
(A) सत्संग से उत्पन्न ज्ञान
(B) आशीर्वाद स्वरूप भक्ति की प्राप्ति
(C) आपस में किसी के विरुद्ध रचा गया षड्यंत्र
(D) इनमें से कोई नहीं

128. **मौनत्व :**
(A) मौन व्रतधारी
(B) चुप्पी साधना
(C) मौन भाव
(D) उपर्युक्त सभी

129. **यथेच्छ :**
(A) इच्छा के अनुरूप
(B) अवसर के अनुसार
(C) समय के अनुसार
(D) उपर्युक्त सभी

130. **याथार्थ्य :**
(A) यथार्थ होने का भाव
(B) यथार्थ न होने का भाव
(C) वास्तविकता से परे
(D) इनमें से कोई नहीं

131. **यायावर :**
(A) इधर-उधर निरुद्देश्य घूमने वाला
(B) एक स्थान पर टिक कर न रहने वाला
(C) जिसके जीवन का निश्चित उद्देश्य न हो
(D) किसी भी वस्तु को अकस्मात् प्रस्तुत कर देने वाला

132. **युधिष्ठिर :**
(A) जो युद्ध न करे
(B) जो युद्ध में स्थिर रहता हो
(C) युद्ध जीतने वाला
(D) अस्थिर मन (चित्त) वाला

133. **रोमांच :**
(A) भय के कारण शरीर के रोओं का खड़ा होना
(B) आश्चर्य के कारण शरीर के रोओं का खड़ा होना
(C) हर्ष के कारण शरीर के रोओं का खड़ा होना
(D) हर्ष, आश्चर्य, भय के कारण रोओं का खड़ा होना

134. **लक्षितव्य :**
(A) लक्ष्य करने योग्य
(B) अच्छे लक्षणों से युक्त
(C) अनुमान योग्य वस्तु
(D) कल्याणकारी कार्य

135. **लांछना :**
(A) कलंक लगाना
(B) धब्बा छुड़ाना/सफाई करना
(C) कलंकित होना
(D) इनमें से कोई नहीं

136. **लाघव :**
(A) विनम्र भाव से भक्ति करना
(B) लघुरूप में लाया हुआ
(C) लघु होने का भाव/लघुता
(D) संक्षेप में अपनी बात कहना

137. **लोकाचार :**
(A) सांसारिक चाल-चलन
(B) सीमा के अंदर होने वाला
(C) विशेष नगर, गाँव आदि से सम्बन्धित
(D) परम्पराओं को मानने वाला

138. **लोकायत :**
(A) दूसरे लोक से आया हुआ
(B) दूसरे लोक को न मानने वाला
(C) संसार की उन्नति
(D) लौकिक परंपराएं

139. **वंक्षण :**
(A) नदी का मोड़
(B) पेड़ और जाँघ के बीच का भाग
(C) नाक और मुख के मध्य का भाग
(D) इनमें से कोई नहीं

140. **वंचित :**
(A) विवादित प्रकरण
(B) सामान्य प्रकरण
(C) जिसने किसी को धोखा दिया हो
(D) ठगा हुआ/धोखा खाया हुआ

141. **वक्तृत्व :**
(A) अच्छा (प्रभावशाली) वक्ता होने का भाव

(B) प्रभावशाली भाषण देने की कला
(C) उत्तर देने का दायित्व
(D) उपर्युक्त सभी

142. **वांछनीय :**
(A) जिसकी अभिलाषा न की जा सके
(B) अभिलाषा करने वाला
(C) इच्छा करना
(D) चाहने योग्य

143. **वाग्दत्ता :**
(A) वह कन्या जिसकी शादी तय हो चुकी हो
(B) वाक् चातुर्य
(C) बहुत अधिक कहा-सुनी हो जाना
(D) आनन्दपूर्वक बातचीत करना

144. **वाचनाभिरुचि :**
(A) कथा सुनाने वाला
(B) व्याख्या करने वाला
(C) पढ़ने की अभिरुचि
(D) इनमें से कोई नहीं

145. **वानस्पत्य :**
(A) वानप्रस्थ धारण करने वाला
(B) वानप्रस्थ की अवस्था
(C) वनस्पति घी द्वारा निर्मित
(D) वृक्षों से प्राप्त होने वाला

146. **विजिगीषा :**
(A) जिसकी कभी पराजय न हुई हो
(B) विजय प्राप्त करने वाला
(C) विजय पाने की इच्छा
(D) इनमें से कोई नहीं

147. **व्योम :**
(A) प्राची दिशा की प्रातःकालीन लालिमा
(B) राकापति का आभामंडल
(C) रात्रि में निकलने वाला
(D) आकाश

148. **शतावधान :**
(A) सौ काम एक साथ करने वाला व्यक्ति
(B) सौ वर्ष के बाद उत्पन्न होने वाला
(C) सौ वर्ष में पूरा होने वाला
(D) सौ वर्ष बाद का उत्सव

149. **शिक्ष्यमाण :**
(A) सिखाया जाने वाला
(B) शिक्षा देने वाला
(C) दीक्षा देने वाला
(D) शिक्षण की रीतियाँ

150. **शिलोत्कीर्ण :**
(A) जो जमकर पत्थर हो गया हो
(B) चट्टान पर उकेरा हुआ
(C) पत्थर का बना हुआ मकान
(D) पर्वतीय सौन्दर्य

151. **शुश्रूषण :**
(A) परिचर्या करने की कला
(B) परिचर्या में लगा हुआ
(C) परिचर्या का इच्छुक व्यक्ति
(D) इनमें से कोई नहीं

152. **श्रद्धा :**
(A) आदरपूर्वक आस्था या विश्वास
(B) कृतज्ञ भव से झुका हुआ
(C) अंधविश्वास होने का भाव
(D) इनमें से कोई नहीं

153 **संक्षुब्ध :**
(A) किसी से प्रसन्न होना
(B) सहमति न होना
(C) बहुत बेचैन (अशांत) होना
(D) नाराजगी मोल लेना

154. **संजीदगी :**
(A) बहादुरी का जीवन
(B) अच्छी तरह जीवन बिताना
(C) आचरण और विचार की गंभीरता
(D) स्वभाव की कुटिलता

155. **संतुष्टि :**
(A) संतुलित विचार और भावना
(B) पूर्णतः तृप्त होने का भाव
(C) संतोष किया गया
(D) संतुष्ट होने का भाव

156. **संपुष्टि :**
(A) अच्छी तरह भरा हुआ
(B) सम्पूर्ण रूप में
(C) अच्छी तरह होने वाली पुष्टि
(D) उपर्युक्त सभी

157. **संबोध :**
(A) सम्बन्ध रखने वाला
(B) किसी को पुकारने के लिए प्रयुक्त शब्द
(C) जागृति कराने वाला गीत
(D) अच्छी और पूर्ण जानकारी

158. **सत्यानृत :**
(A) झूठ और सत्य का मेल
(B) सत्य और साधु वचन
(C) चिरंतन सत्य
(D) सत्य हेतु किया गया हठ

159. **समर्थनीय :**
(A) समर्थन के योग्य
(B) समर्थन किया हुआ
(C) समर्थन करने वाला
(D) उपर्युक्त सभी

160. **समालोचन :**
(A) गुण-दोष का किया जाने वाला विवेचन
(B) आलोचना करना
(C) कमियाँ/त्रुटियाँ निकालना
(D) बुराई करना

161. **सम्मिति :**
(A) ऊँची और बड़ी कामना
(B) वैचारिक एकता
(C) मेल-मिलाप करना
(D) अच्छा समय

162. **सर्वतोदक्ष :**
(A) सभी दिशाओं में जाने वाला
(B) हर प्रकार से कल्याणप्रद
(C) सम्पूर्ण रूप से
(D) अनेक कार्यों/बातों में प्रवीण

163. **सुविदा :**
(A) विद्वान् या चतुर व्यक्ति
(B) चतुर या गुणवती स्त्री
(C) अच्छे स्वभाव वाला
(D) अच्छी तरह से सोचा/समझा हुआ

164. **स्थगन :**
(A) थका हुआ
(B) कुछ समय के लिए रोकना
(C) अनुमति न देना
(D) इनमें से कोई नहीं

165. **स्पृहणीय :**
(A) जिसे छुआ जा सके
(B) जिससे घृणा की जाए
(C) जिसके लिए कामना की जाए
(D) प्रेम करने योग्य

166. **हताहत :**
(A) घायल होने की अवस्था
(B) जिसका कोई सहारा न हो
(C) जिसका वध किया गया हो
(D) मारे गए और घायल

167. **हरावल :**
(A) किसी को परास्त करना
(B) बैलों से खेत जोतना
(C) जो हरा-भरा हो
(D) सेना का अगला भाग

168. **हितैषिता :**
(A) हितैषी होने का भाव
(B) भलाई करने वाला
(C) निकट का सम्बन्धी
(D) अच्छा उपदेश देना

169. **हृदयावसादक :**
(A) हृदय के चारों ओर की झिल्ली
(B) हृदय को उन्मत्त करने वाला
(C) हृदय को निचेष्ट करने वाला
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला

1. (B) 2. (C) 3. (A) 4. (B) 5. (A)
6. (C) 7. (B) 8. (A) 9. (D) 10. (B)
11. (A) 12. (B) 13. (A) 14. (C) 15. (D)
16. (A) 17. (C) 18. (B) 19. (A) 20. (A)
21. (C) 22. (D) 23. (C) 24. (D) 25. (B)
26. (A) 27. (A) 28. (B) 29. (A) 30. (B)
31. (C) 32. (D) 33. (A) 34. (A) 35. (D)
36. (C) 37. (A) 38. (A) 39. (C) 40. (C)
41. (B) 42. (A) 43. (C) 44. (A) 45. (C)
46. (B) 47. (D) 48. (A) 49. (B) 50. (C)
51. (A) 52. (A) 53. (B) 54. (C) 55. (A)
56. (C) 57. (A) 58. (B) 59. (D) 60. (C)
61. (B) 62. (A) 63. (D) 64. (D) 65. (B)
66. (A) 67. (A) 68. (C) 69. (D) 70. (C)
71. (B) 72. (C) 73. (B) 74. (A) 75. (A)
76. (A) 77. (C) 78. (D) 79. (B) 80. (A)
81. (D) 82. (B) 83. (B) 84. (A) 85. (C)
86. (D) 87. (A) 88. (B) 89. (C) 90. (D)
91. (C) 92. (A) 93. (D) 94. (A) 95. (D)
96. (A) 97. (A) 98. (D) 99. (C) 100. (D)
101. (D) 102. (B) 103. (A) 104. (A) 105. (A)
106. (D) 107. (A) 108. (D) 109. (B) 110. (D)
111. (A) 112. (A) 113. (B) 114. (A) 115. (C)
116. (A) 117. (D) 118. (D) 119. (B) 120. (A)
121. (B) 122. (C) 123. (D) 124. (B) 125. (D)
126. (C) 127. (C) 128. (C) 129. (A) 130. (A)
131. (B) 132. (B) 133. (D) 134. (A) 135. (A)
136. (C) 137. (A) 138. (B) 139. (B) 140. (D)
141. (A) 142. (D) 143. (A) 144. (C) 145. (D)
146. (C) 147. (D) 148. (A) 149. (A) 150. (B)
151. (A) 152. (A) 153. (C) 154. (C) 155. (D)
156. (C) 157. (D) 158. (A) 159. (A) 160. (A)
161. (A) 162. (D) 163. (B) 164. (B) 165. (C)
166. (D) 167. (D) 168. (A) 169. (C)

तत्सम और तद्भव शब्द

तत्सम शब्द 'तत्' + 'सम' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है, उसके समान; अर्थात् संस्कृत के समान. जो शब्द संस्कृत से आए हैं और ज्यों-के-त्यों प्रयुक्त हो रहे हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं. दूसरे शब्दों में, संस्कृत के शुद्ध शब्दों को तत्सम शब्द कहते हैं. तत्सम शब्द दो प्रकार के हैं—परंपरागत और निर्मित. **परंपरागत तत्सम** वे हैं, जो संस्कृत वाङ्मय में उपलब्ध हैं. **निर्मित तत्सम** शब्द वे हैं जो नए विचारों और व्यापारों को अभिव्यक्त करने के लिए संस्कृत व्याकरण के अनुसार समय-समय पर गढ़ लिए गए हैं. वैज्ञानिकों की माँग को पूरा करने के लिए हजारों पारिभाषिक शब्द संस्कृत स्रोतों से बनाए गए हैं. यद्यपि वे संस्कृत अभिधानों से नहीं मिलते. साहित्यकारों (छायावादी युग और उसके बाद आज तक) ने हजारों शब्द बनाए हैं. आज भी अनेक विचारकों, लेखकों, कवियों, विद्वानों द्वारा आवश्यकता के अनुसार तत्सम शब्दों का निर्माण किया जा रहा है.

प्राकृत-अपभ्रंशकाल में या आधुनिक भाषाकाल में कुछ शब्द ऐसे हैं जो संस्कृत से लिए गए हैं. सामान्य भाषा में प्रयुक्त होने के कारण इनमें थोड़ा सा परिवर्तन हुआ है ऐसे शब्दों को '**अर्धतत्सम शब्द**' कहते हैं. जैसे—कृष्ण > **किशन**, अग्नि > **अगिन**, ज्ञान > **ग्यान**, वर्षा > बरसा, श्लोक > सलोक, यथायोग्य > **जथाजोग**, यात्री > **जात्री**, कार्य > **कारज**, अक्षर > **अच्छर**, कृपा > **किरपा**, दर्शन > दरसन इत्यादि में स्थूलांकित शब्द **अर्धतत्सम** हैं.

तद्भव शब्द 'तत्' + 'भव' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है—उससे उत्पन्न या विकसित; अर्थात् वे शब्द जो संस्कृत से उत्पन्न या विकसित हुए हैं '**तद्भव**' शब्द कहलाते हैं. दूसरे शब्दों में तद्भव शब्द वे हैं, जो पालि, प्राकृत, अपभ्रंश से होते हुए परिवर्तित (विकृत) होकर हिन्दी में आए हैं. जैसे—कृष्ण > **कान्हा, कन्हैया**, पंच > **पाँच**, हस्त > **हाथ**, नृत्य > **नाच**, चक्र > **चाक** इत्यादि स्थूलांकित शब्द तद्भव हैं.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में तत्सम, तद्भव शब्दों से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं. परीक्षार्थियों की सुविधा एवं जानकारी के लिए नमूने प्रस्तुत हैं—

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में किसी शब्द के चार-चार विकल्प दिए गए हैं. इनमें एक ही विकल्प **तत्सम** शब्द वाला है. आपको तत्सम शब्द का चयन करना है—

1. (A) अँगरखा (B) अंगरक्षक
(C) अंगरच्छक (D) अंरक्षक
2. (A) अँगीठी (B) अँगूठी
(C) अग्निष्ठिका (D) अग्निईठी
3. (A) अंडी (B) ऐंडी
(C) एरंडी (D) अंड़ी
4. (A) अक्षर (B) अच्छर
(C) आखर (D) अक्खर
5. (A) अनाड़ी (B) अनार्य
(C) अनीर्य (D) अनीआड़ी
6. (A) अँधेरा (B) अंधकार
(C) अंधाधुंध (D) अंधाकुप्प
7. (A) अकाज (B) अकार्य
(C) अकारज (D) अकाज्य
8. (A) आँवला (B) आँवलक
(C) आमलक (D) अँवला
9. (A) आग (B) अगिन
(C) अग्नि (D) आगि
10. (A) अपाहिज (B) अपादहस्त
(C) अपहिजा (D) आपाहिस्त
11. (A) आध (B) आधा
(C) अर्द्ध (D) अद्विभाज्य
12. (A) ईख (B) ऊख
(C) इच्छु (D) इक्षु
13. (A) उबटन (B) उबटिका
(C) उद्विवर्तन (D) अबटन
14. (A) उछाह (B) उच्छाह
(C) उत्साह (D) उछोह
15. (A) उलाहन (B) उलाहना
(C) उपालंभ (D) उपलंभिका
16. (A) उच्छ्वास (B) उक्षास
(C) उछास (D) उँहाह
17. (A) ऊन (B) ऊनी
(C) उर्णा (D) ऊर्णा
18. (A) ओंठ (B) होंठ
(C) औष्ठि (D) ओष्ठ
19. (A) औंधा (B) ऊँधा
(C) अऊँधा (D) अवमूर्ध
20. (A) कंधा (B) स्कंधा
(C) स्कंध (D) स्कन्धि
21. (A) कपूत (B) कुपूत
(C) कपुत्र (D) कुपुत्र
22. (A) कब (B) कभी
(C) कहाँ (D) कदा
23. (A) कुम्हड़ा (B) कुम्हणा
(C) कुष्मांडा (D) कूष्माण्ड
24. (A) कीदृश (B) कीदृश्य
(C) कऐसा (D) कैसा
25. (A) कहाँ (B) तदा
(C) कुत्रस्थ (D) कब
26. (A) कान्ह (B) कन्हैया
(C) किशन (D) कृष्ण
27. (A) क्या (B) किम्
(C) कैसा (D) क्यों
28. (A) कोयल (B) कोइली
(C) कूकित (D) कोकिल
29. (A) कउड़ी (B) कौड़ी
(C) कपर्दिका (D) कदर्पिका

30. (A) खंडहर (B) कंडगृह
(C) खड़हर (D) खंडगृह
31. (A) खारा (B) खार
(C) क्षार (D) छेर
32. (A) गुफा (B) गुफिका
(C) गम्पिका (D) गुहा
33. (A) ग्वाल (B) गवलि
(C) गोचारी (D) गोपाल
34. (A) गृह (B) गिरह
(C) गेह (D) गृह
35. (A) घुँघची (B) घुँमची
(C) घुंजा (D) गुञ्जा
36. (A) घोड़ा (B) घोड़
(C) घुड़ा (D) घोटक
37. (A) चक्का (B) चक्क
(C) चक्कि (D) चक्र
38. (A) चत्वारि (B) चात्वार
(C) चारि (D) चार
39. (A) चैत (B) चैत्र
(C) चैतुवा (D) चैत्त
40. (A) चौबीस (B) चौबिष्
(C) चबीश (D) चतुर्विंशति
41. (A) उछाँह (B) छाँही
(C) छइयाँ (D) छाया
42. (A) छकड़ा (B) छेकड़ी
(C) षष्ठी (D) शकट
43. (A) छत्तीस (B) छत्तिस
(C) षष्ठम् (D) षट्त्रिशंत
44. (A) छिलका (B) छिकला
(C) षलक् (D) शकल
45. (A) छूरी (B) छुरिका
(C) क्षुरिका (D) छुरिया
46. (A) जूथ (B) जथा
(C) यूथ (D) जातक
47. (A) जब (B) जबही
(C) जभी (D) यदा
48. (A) जहाँ (B) यत्र
(C) जैसा (D) जहीं
49. (A) जिजमान (B) जजमान
(C) जमान (D) यजमान
50. (A) जैसा (B) जइसा
(C) जायस (D) यादृश
51. (A) जोगी (B) योगी
(C) यौगिक (D) याचक
52. (A) झीना (B) जीर्ण
(C) झंझरी (D) झींण
53. (A) टकसाल (B) टकाल
(C) टंकिका (D) टंकशाला
54. (A) ठाँव (B) ठाम
(C) ठाँय (D) स्थान
55. (A) ढीठ (B) ढेठ
(C) धृट (D) धृष्ट
56. (A) तमोली (B) तँबोली
(C) तम्मूली (D) ताम्बूलिक
57. (A) तिगुना (B) तीन गुना
(C) त्रिगुणा (D) त्रिगुण
58. (A) तिनका (B) किनका
(C) तृण (D) तिनमूलक
59. (A) तीसरा (B) तीन
(C) त्रीणि (D) तिहाई
60. (A) तोड़ना (B) टोड़ना
(C) तोरना (D) त्रोटन
61. (A) तिथिवार (B) त्योहार
(C) तिउहार (D) त्रैहार
62. (A) खंभ (B) खंभा
(C) थंभा (D) स्तम्भ
63. (A) थल (B) तल
(C) स्थल (D) स्थान
64. (A) दबना (B) दबाना
(C) दंबन (D) दमन
65. (A) दसवाँ (B) दस
(C) दशम् (D) दंशम्
66. (A) दूजा (B) दुइज
(C) दूसरा (D) द्वितीय

67. (A) दूना (B) दुगना
(C) द्विगुना (D) द्विगुण
68. (A) दो (B) द्विइ
(C) दुई (D) द्वौ
69. (A) धीरज (B) धीरता
(C) धीरत्त्व (D) धैर्य
70. (A) धूम्र (B) धुआँ
(C) धुम्म (D) धूमिल
71. (A) नया (B) नवा
(C) नव (D) नवीन
72. (A) नाई (B) नापित
(C) नाऊ (D) नुपित
73. (A) नाच (B) नाचु
(C) निरत (D) नृत्य
74. (A) नीबू (B) निम्बू
(C) नीमू (D) निम्बूक
75. (A) लुंचन (B) नुचना
(C) नोचना (D) नुचाना
76. (A) पंगत (B) पंगति
(C) पंक्ति (D) पंगती
77. (A) पछतावा (B) पछिताउ
(C) पश्चाताप (D) पश्चाताव
78. (A) पन्ना (B) पेज
(C) पर्ण (D) पणा
79. (A) पांव (B) पाँऊ
(C) पादुक (D) पाद
80. (A) पीठ (B) पीठि
(C) पृष्ठ (D) पस्ठ
81. (A) पीढ़ी (B) पीढ़ा
(C) पाठा (D) पीठिका
82. (A) पुत्र
(B) पुत
(C) पुत्तर
(D) इनमें से कोई नहीं
83. (A) पोखर (B) पोखरा
(C) पुखर (D) पुष्कर
84. (A) पिपासा (B) पियास
(C) प्यास (D) पीयास
85. (A) फरुआ (B) फावड़ा
(C) फरसा (D) परशु
86. (A) फाल्गुन
(B) फागुन
(C) फागुण
(D) इनमें से कोई नहीं
87. (A) बंदर (B) वानर
(C) बानर (D) बनरा
88. (A) बच्चा (B) बच्चू
(C) बतस् (D) वत्स
89. (A) बनिआँ (B) बनिया
(C) बनिक (D) वणिक
90. (A) बहनोई (B) बहिनउँइ
(C) भाग्नेय (D) भगिनीपति
91. (A) भाई (B) भइया
(C) भात्त (D) भ्रातृ
92. (A) भालू (B) भालु
(C) भल्लुक (D) भल्लू
93. (A) भौंरा (B) भँवरा
(C) भ्रमर (D) भँउरा
94. (A) मौर (B) मौरा
(C) मौटक (D) मुकुट
95. (A) लोयन (B) लोचन
(C) नयन (D) नैंना
96. (A) सून (B) सूना
(C) शूना (D) शून्य
97. (A) सोंध (B) सोंधा
(C) सोंधि (D) सुगंध
98. (A) सोना (B) सुबरन
(C) स्वर्ण (D) सवर्ण
99. (A) सिक्ख (B) सिख
(C) सिष (D) शिष्य
100. (A) सांकल (B) सांकर
(C) शाकर (D) शृंखला

उत्तरमाला

1. (B) 2. (C) 3. (C) 4. (A) 5. (B)
6. (B) 7. (B) 8. (C) 9. (C) 10. (B)
11. (C) 12. (D) 13. (C) 14. (C) 15. (C)
16. (A) 17. (D) 18. (D) 19. (D) 20. (C)
21. (D) 22. (D) 23. (D) 24. (A) 25. (C)
26. (D) 27. (B) 28. (D) 29. (C) 30. (D)
31. (C) 32. (D) 33. (D) 34. (D) 35. (D)
36. (C) 37. (D) 38. (A) 39. (B) 40. (D)
41. (D) 42. (D) 43. (D) 44. (D) 45. (C)
46. (C) 47. (D) 48. (B) 49. (D) 50. (D)
51. (B) 52. (B) 53. (D) 54. (D) 55. (D)
56. (D) 57. (D) 58. (C) 59. (C) 60. (D)
61. (A) 62. (D) 63. (C) 64. (D) 65. (C)
66. (D) 67. (D) 68. (D) 69. (D) 70. (A)
71. (C) 72. (B) 73. (D) 74. (D) 75. (A)
76. (C) 77. (C) 78. (C) 79. (D) 80. (C)
81. (D) 82. (A) 83. (D) 84. (A) 85. (D)
86. (A) 87. (B) 88. (D) 89. (D) 90. (D)
91. (D) 92. (C) 93. (C) 94. (D) 95. (B)
96. (D) 97. (D) 98. (C) 99. (D) 100. (D)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार विकल्प दिए गए हैं, इनमें एक तद्भव शब्द है, आपको '**तद्भव शब्द**' का चयन करना है—

1. (A) अंगरक्षक (B) अंगुष्ठ
(C) अँगौछा (D) अंगप्रौछा
2. (A) अर्धतृतीय (B) आर्द्रक
(C) अदरक (D) अर्धपूरक
3. (A) अनी (B) अणि
(C) अनुत्थ (D) आत्मनः
4. (A) अंधकार (B) अँधेरा
(C) आकड़न (D) अकार्य
5. (A) अग्रहायन (B) अट्टालिका
(C) आश्चर्य (D) अचरज
6. (A) अपाहिज (B) अपाद हस्त
(C) आम्रचूर्ण (D) अमृत
7. (A) आशीष (B) आशीत्ति
(C) अहीर (D) आभीर
8. (A) अक्षि (B) अर्चि
(C) आँच (D) आंत्र
9. (A) आम्र (B) आदर्शिका
(C) आलस्य (D) आलस
10. (A) आपाक (B) आशा
(C) आसरा (D) आश्रय
11. (A) अंगुलि (B) उद्गात
(C) उद्गलन (D) उगलना
12. (A) उपजना (B) उत्पद्यते
(C) उद्वर्तन (D) उद्वालन
13. (A) उज्ज्वल (B) उत्तिष्ठ
(C) उच्च (D) ऊँचा
14. (A) ओंठ (B) ओष्ठ
(C) उपाध्याय (D) अवमूर्द्ध
15. (A) कंकण (B) कंकती
(C) कंधा (D) स्कंध
16. (A) कृत्यगृह (B) कच्छप
(C) काष्ठगृह (D) कटहरा
17. (A) कड़ाह (B) कटाह
(C) कटुक (D) कर्पट
18. (A) कर्पास (B) कुपुत्र
(C) कपूत (D) कर्पट
19. (A) कुंजी (B) कुञ्जिका
(C) कुमारकः (D) कूप
20. (A) कुठार (B) कुल्हाड़ा
(C) कूर्चिका (D) कूट
21. (A) कूदना (B) कूर्दन
(C) कर्कट (D) कृते
22. (A) कल (B) कल्प
(C) कांस्यकार (D) कुत्रस्थ
23. (A) स्कंधभार (B) कहार
(C) कंटक (D) कार्य
24. (A) कैवर्त्त (B) केवट
(C) कपित्थ (D) कीदृश
25. (A) कुत्रस्थ (B) कहाँ
(C) कथानिका (D) कृत
26. (A) कृष्ण (B) कर्म
(C) काम (D) किंपुनः
27. (A) खर्जूर (B) खजूर
(C) क्षत्रिय (D) खर्पर
28. (A) ग्रामकार (B) गँवार
(C) गर्त (D) गुहा
29. (A) गुफा (B) गुहा
(C) गोस्वामी (D) गुञ्जन
30. (A) गर्गर (B) गागर
(C) गो (D) ग्राहक
31. (A) घाव (B) घात
(C) घृणा (D) धर्म
32. (A) ज्ञान (B) जानना
(C) यजमान (D) यस्य
33. (A) जैसा (B) यादृश
(C) योगी (D) युक्त
34. (A) ठंडा (B) स्तब्ध
(C) स्थान (D) स्थल
35. (A) ढीला (B) शिथिल
(C) धृष्ट (D) अर्द्धपंच
36. (A) तरवारि (B) ताम्र
(C) तांबा (D) तड़ाग
37. (A) ताप (B) त्रिगुण
(C) तृण (D) तिनका
38. (A) तिक्त (B) त्रीणि
(C) त्वरित (D) तुरन्त
39. (A) त्रयोदश (B) तैल
(C) तंद (D) तोंद
40. (A) पंचाशत (B) पंद्रह
(C) पक्व (D) पक्षवार
41. (A) पश्चाताप (B) पतन
(C) प्रतिपदा (D) परेवा
42. (A) पर्पट (B) पाद
(C) पार्श्व (D) पास
43. (A) पाषाण (B) पाथर
(C) प्राघूर्ण (D) पिटक
44. (A) पृष्ठ (B) पीठ
(C) पिष्ठिका (D) पीठिका
45. (A) पिप्पल (B) पीपल
(C) पूप (D) पर्ण
46. (A) परपौत्र (B) परपौत्री
(C) परपोता (D) परश्व
47. (A) मंडप (B) मक्षिका
(C) मक्खी (D) मत्सर
48. (A) मंडन (B) मंत्रकारी
(C) मदारी (D) मरण
49. (A) महार्घ (B) महँगा
(C) महापात्र (D) मधूक
50. (A) मार्ग (B) माँग
(C) मार्गव (D) मातृ
51. (A) भ्रक्षण (B) मक्खन
(C) मिष्ट (D) मित्र
52. (A) मंडूक (B) मेढक
(C) मौक्तिक (D) मुकुट
53. (A) रात्रि (B) राज्ञी
(C) रानी (D) राशि
54. (A) अरिष्ठ (B) रीठा
(C) रिक्त (D) ईर्ष्या
55. (A) रूक्ष (B) वृक्ष
(C) रुष्ट (D) रूठा
56. (A) लवगुच्छ (B) लशुन
(C) लहसुन (D) लक्ष

57. (A) लिप्त (B) लिक्षा
(C) लेपिका (D) लेई

58. (A) लोहार (B) लौहकार
(C) लवंग (D) लाक्षा

59. (A) संतापन (B) सत्व
(C) सप्तविंशत (D) सत्ताईस

60. (A) स्वप्न (B) सपूत
(C) सुपुत्र (D) संबुद्धि

61. (A) शुण्डा (B) शूकर
(C) सुअर (D) सूचिका

62. (A) सूत्र (B) शून्य
(C) सूर्य (D) सूरज

63. (A) संधि (B) शय्या
(C) श्रेष्ठी (D) सेठ

64. (A) शुष्ठि (B) सोंठ
(C) सुगंध (D) स्रोत

65. (A) साहू (B) साधु
(C) शृंखला (D) शिष्य

66. (A) श्यामल (B) सांवला
(C) श्वास (D) शाक

67. (A) हास्य (B) हँसी
(C) अस्थि (D) हस्त

68. (A) हरिद्रा (B) हस्त
(C) हाथ (D) हस्ती

69. (A) हिंगु (B) हींग
(C) हीरक (D) हरित

70. (A) हेठी (B) अधस्थित
(C) ओष्ठ (D) हस्त

उत्तरमाला

1. (C) 2. (C) 3. (A) 4. (B) 5. (D)
6. (A) 7. (C) 8. (C) 9. (D) 10. (C)
11. (D) 12. (A) 13. (D) 14. (A) 15. (C)
16. (D) 17. (A) 18. (C) 19. (A) 20. (B)
21. (A) 22. (A) 23. (B) 24. (B) 25. (B)
26. (C) 27. (B) 28. (B) 29. (A) 30. (B)
31. (A) 32. (B) 33. (A) 34. (A) 35. (A)
36. (C) 37. (D) 38. (D) 39. (D) 40. (B)
41. (D) 42. (B) 43. (B) 44. (B) 45. (B)
46. (C) 47. (C) 48. (C) 49. (B) 50. (B)
51. (B) 52. (B) 53. (C) 54. (B) 55. (D)
56. (C) 57. (D) 58. (A) 59. (D) 60. (B)
61. (C) 62. (D) 63. (D) 64. (B) 65. (A)
66. (A) 67. (B) 68. (C) 69. (B) 70. (A)

●●●

उपसर्ग

'उपसर्ग' एक ऐसी भाषिक इकाई है जिसका भाषा में स्वतंत्र प्रयोग सामान्यतः नहीं होता है, किन्तु जब इसे किसी शब्द के आरम्भ में जोड़ दिया जाता है, तो उस शब्द का अर्थ और स्वरूप बदल जाता है अर्थात् नया शब्द निर्मित हो जाता है.

उदाहरणार्थ— **'ज्ञान' शब्द से पूर्व 'वि'** उपसर्ग जोड़कर **'विज्ञान'** शब्द निष्पन्न होता है. **'वि'** जुड़ने से **'ज्ञान'** शब्द का मूल अर्थ सुरक्षित रहते हुए भी 'विज्ञान' शब्द में अर्थगत विशिष्टता आ गई है. उसका अर्थ सामान्य ज्ञान न होकर **'विशिष्ट ज्ञान'** हो गया है. यह आवश्यक नहीं है कि शब्द-प्रकृति पर एक ही उपसर्ग संलग्न हो, कभी-कभी एकाधिक उपसर्ग भी एक साथ संलग्न हो सकते हैं; जैसे— वि + आ + करण = व्याकरण, सु + आ + गत = स्वागत आदि. हिन्दी में तकनीकी, वैज्ञानिक एवं आधुनिक पारिभाषिक शब्दावली आदि बनाने में उपसर्गों से बड़ी सहायता मिल रही है. ध्यान रहे कि कुछ शब्दों में संधि होती है, उपसर्ग नहीं, क्योंकि संधि दो सार्थक शब्दों का मेल है, जबकि उपसर्ग शब्द न होकर शब्दार्थ होता है, जिसका स्वतंत्र प्रयोग नहीं होता. हिन्दी के कुछ शब्द ऐसे हैं, जो उपसर्गों से बने प्रतीत होते हैं, पर वास्तव में उनमें उपसर्ग प्रयुक्त नहीं होता. जैसे—अधोगति = अधः + गति. यह संधि का उदाहरण है. अधः कोई उपसर्ग नहीं है. हिन्दी में तीन प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग हो रहा है—तत्सम, तद्‌भव और विदेशी.

तत्सम उपसर्ग—यौगिक शब्द रचना के लिए संस्कृत में 22 उपसर्गों का प्रयोग होता है. जिन्हें हिन्दी में भी ग्रहण कर लिया गया है. इनका प्रयोग तत्सम शब्दों की रचना में होता है. तत्सम उपसर्ग हैं. अति, अधि, अनु, अप, अपि, अभि, अव, आ, उत्, उप, दुर्, दुस्, नि, निः, निर्, परा, परि, प्र, प्रति, वि, सम, सु.

तद्‌भव उपसर्ग—संस्कृत उपसर्गों से कुछ परिवर्तित ध्वनियों वाले उपसर्गों को तद्‌भव उपसर्ग कहते हैं. हिन्दी में तद्‌भव उपसर्ग अपेक्षाकृत कम हैं. इनका प्रयोग तद्‌भव शब्दों की रचना में होता है. प्रमुख तद्‌भव उपसर्ग हैं—अ, अन, अध, उन. औ. क, कु, दु, नि, पर, स, सु, इत्यादि.

विदेशी उपसर्ग— विदेशी भाषाओं से हिन्दी में आए हुए उपसर्गों को विदेशी उपसर्ग कहते हैं. अरबी, फ़ारसी और अंग्रेजी के कुछ उपसर्ग हिन्दी में इतना घुल-मिल गए हैं कि अब वे हिन्दी की संपदा बन चुके हैं. प्रमुख विदेशी उपसर्ग इस प्रकार हैं—

(क) अरबी उपसर्ग

उपसर्ग	**उदाहरण**
अल	अलमस्त
गैर	गैरजिम्मेदार, गैरहाजिर, गैरवाजिब, गैरसरकारी,
बिला	बिलारूओरियायत, बिलावजह, बिलापसोपेश, बिलाइरादा.
ला	लाजवाब, लाचार, लापरवाह, लावारिश, लाइल्म.

(ख) फारसी उपसर्ग

कम	कमसिन, कमबख्त, कमजोर, कमहिम्मत.
खुश	खुशमिजाज, खुशकिस्मत, खुशखबरी, खुशबू.
दर	दरअसल, दरहकीकत.
ना	नालायक. नापसंद, नाउम्मीद, नाइंसाफ, नाकाबिल, नाकाम, नाकामी, नाकद्र, नाकबूल, इत्यादि.
ब	बअदब, बआजादी, बतकल्लुफ, बदस्तूर, बआराम,
बा	बाअदब, बाआराम, बाईमान, बारोज़गार, बाआबरू, बाइख्तियार, बाशऊर, बाअसर.
बे	बेरोजगार, बेईमान, बेक़ाबू, बेकार, बेखबर, बेशऊर, बेचारा, बेहद, बेहिसाब, बेहोश इत्यादि. (बे उपसर्ग न केवल अरबी-फारसी शब्दों से संलग्न होकर शब्द रचना करता है, अपितु कुछ हिन्दी शब्दों से जुड़कर भी यौगिक शब्द रचना करता है; जैसे—बेधड़क, बेरोकटोक, बेडौल, बेढंगा, बेखटके इत्यादि.
बद	बदकिस्मत, बदमाश, बदनाम, बदनसीब, बदतर, बदजात.
सर	सरपरस्त, सरनाम, सरकार, सरताज, सरहम्मान.
हम	हमशक्ल, हमदम, हमउम्र, हमसूरत, हमदर्द, हमकदम, हमजोली, हमकीमत, हमकौम.
हर	हरदम, हररोज, हरवक्त, हरसमय, हरएक.

अंग्रेजी उपसर्ग

डिप्टी	डिप्टीकलेक्टर, डिप्टीइन्सपेक्टर, डिप्टीजेलर.
हाफ	हाफटाइम, हाफपैंट, हाफडे.
हेड	हेडमास्टर, हेडआफिस, हेडक्लर्क, हैडमजिस्ट्रेट.
सब	सबकमेटी, सबइन्सपेक्टर, सबडिप्टीकमिश्नर.
वाइस	वाइसप्रिंसिपल, वाइसचांसलर.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—नीचे दिए गए प्रश्नों में दिए गए शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग के चार-चार विकल्प दिए गए हैं, इनमें से सही उपसर्ग का चयन करना है.

1. **अबोध :**
(A) अ   (B) अव
(C) आ   (D) अब

2. **अत्यन्त :**
(A) अ   (B) अत्य
(C) उत   (D) अति

3. **अतिशय :**
(A) आ   (B) अ
(C) अति   (D) अत्

4. **अधिकार :**
(A) अ   (B) अति
(C) अधि   (D) अव्

5. **अनुचित :**
(A) अन्   (B) अनु
(C) अ   (D) आ

6. **अनुचर :**
(A) अन्   (B) अनु
(C) अ   (D) आ

7. **अपयश :**
(A) अ   (B) अन्
(C) अव्   (D) अप

8. **अभिप्राय :**
(A) अ   (B) अव्
(C) अभि   (D) अप

9. **अभिमान :**
(A) अभि   (B) अप
(C) अ   (D) आ

10. **अवगत :**
(A) अ   (B) अभि
(C) आ   (D) अव

11. **अवगुण :**
(A) अ   (B) अव
(C) आ   (D) औ

12. **आजन्म :**
(A) आ   (B) अ
(C) अव   (D) अन

13. **उत्कर्ण :**
(A) उत्   (B) उद्
(C) उप   (D) अ

14. **उत्कर्ष :**
(A) उद्   (B) उत्
(C) अधि   (D) अति

15. **उत्प्रेक्षण :**
(A) उत्   (B) उद्
(C) उर्   (D) उस्

16. **उद्गम :**
(A) उद्   (B) उत्
(C) अति   (D) आ

17. **उपचार :**
(A) अप   (B) उप
(C) उद्   (D) उत्

18. **उपदेश :**
(A) उप   (B) उपद्
(C) उत्   (D) उद्

19. **दुराचार :**
(A) दु   (B) दुर्
(C) उ   (D) दुरा

20. **दुर्निवार :**
(A) दु   (B) उ
(C) दुन   (D) दुर

21. **दुष्कर्म :**
(A) दुर्
(B) दुस्
(C) दुष्क
(D) उपर्युक्त सभी

22. **निष्काम :**
(A) नि   (B) नष
(C) निस्   (D) न

23. **निकम्मा :**
(A) नि
(B) निर्
(C) निस्
(D) उपर्युक्त सभी

24. **पराजय :**
(A) परि   (B) परा
(C) प्रति   (D) प्र

25. **प्रवक्ता :**
(A) प्र   (B) परा
(C) परि   (D) प्रति

26. **प्रहार :**
(A) परि   (B) प्र
(C) प्रति   (D) परा

27. **प्रतिकर्षण :**
(A) प्रति   (B) परा
(C) परि   (D) प्र

28. **प्रतिकूल :**
(A) प्र   (B) परा
(C) परि   (D) प्रति

29. **प्रतिवाद :**
(A) प्रति   (B) परि
(C) परा   (D) प्र

30. **वियोग :**
(A) विय   (B) वय
(C) वि   (D) व

31. **संपूर्ण :**
(A) स   (B) सत्
(C) सह   (D) सम्

32. **संवाद :**
(A) स   (B) सम्
(C) सु   (D) सत्

33. **सुशील :**
(A) सम   (B) सु
(C) सत्   (D) स

34. **सुकर्म :**
(A) सत्   (B) सम्
(C) सु   (D) स

35. **अधिनायक :**
(A) अधि   (B) अ
(C) अन्   (D) अध

36. **प्रत्यक्ष :**
(A) अ   (B) प्रति
(C) अति   (D) अधि

37. **अभ्युक्ति :**
(A) अभि   (B) अ
(C) अल्   (D) अन्

38. **कुकर्म :**
(A) क   (B) कु
(C) अ   (D) अप

39. **आरोहण :**
(A) अ   (B) आर
(C) अव्   (D) आ

40. **विकल :**
(A) वि्
(B) वि
(C) कल
(D) उपर्युक्त सभी

41. **प्रत्यावेदन :**
(A) प्रति   (B) प्र
(C) अन   (D) प्रत्य

42. **विज्ञान :**
(A) न   (B) ना
(C) आ   (D) वि

43. **बेमतलब :**
(A) बे
(B) लब
(C) बेमत
(D) उपर्युक्त सभी

44. **परामर्श :**
(A) अर्श
(B) मर्श
(C) परा
(D) उपर्युक्त सभी

45. **दुर्योधन :**
(A) दुः (B) दुर्
(C) दुस (D) दुरम्

46. **प्रतिबंध :**
(A) प्र (B) परा
(C) प्रति (D) परि

47. **प्रत्यक्ष :**
(A) प्र (B) परा
(C) परि (D) प्रति

48. **प्रगाढ़ :**
(A) प्रति (B) प्रा
(C) प्र (D) परा

49. **सगोत्र :**
(A) सगा (B) सग
(C) सा (D) स

50. **सुकर्म :**
(A) स (B) सत्
(C) सु (D) सत्य

51. **सुलेख :**
(A) सु (B) श्रुत
(C) स (D) सुल्

52. **सपूत :**
(A) स (B) पूत
(C) सह (D) सहित

53. **सहित :**
(A) सह (B) स
(C) सत् (D) सा

54. **स्वदेश :**
(A) सु (B) स
(C) स्व (D) स्वयं

55. अधयका :
(A) अध (B) अ
(C) यका (D) का

56. **नीरोग :**
(A) निस् (B) निर्
(C) नी (D) ओग

57. **निश्चल :**
(A) निर् (B) निः
(C) सत (D) निस्

58. **अधखिला :**
(A) अधि (B) अध
(C) अ (D) अध्य

59. **अधजल :**
(A) अत् (B) अति
(C) अधि (D) अध

60. **उन्तीस :**
(A) उत् (B) उद्
(C) उप् (D) उन

61. **दुविधा :**
(A) दु (B) दुवि
(C) दुर (D) दुस्

62. **निकम्मा :**
(A) नि (B) निर्
(C) निस् (D) निह

63. **निगोड़ा :**
(A) निर् (B) निस्
(C) निग् (D) नि

64. **विनफढ़ा :**
(A) बा (B) बद
(C) बे (D) बिन

65. **बिनचला :**
(A) बिन (B) बिला
(C) बा (D) बे

66. **भरपेट :**
(A) भ
(B) भर्
(C) भरप्
(D) इनमें से कोई नहीं

67. **भरमार :**
(A) भ्रम्
(B) भर्
(C) भ
(D) उपर्युक्त सभी

68. **अलबत्ता :**
(A) अ (B) आ
(C) अल (D) अलम्

69. **ऐनवक्त :**
(A) ए (B) ऐ
(C) अस (D) ऐन

70. **फीआदमी :**
(A) फी
(B) फिल्
(C) फीआ
(D) उपर्युक्त सभी

71. **बिलावजह :**
(A) बिला (B) बिल
(C) बि (D) उपर्युक्त सभी

72. **बिलाकसूर :**
(A) बे (B) बा
(C) बिन (D) बिला

73. **बेरोजगार :**
(A) ब (B) बे
(C) बेरो (D) उपर्युक्त सभी

74. **बेइज्जत :**
(A) बे (B) बा
(C) बिन (D) बिना

75. **कमनसीब :**
(A) क
(B) कम
(C) कमन्
(D) इनमें से कोई नहीं

76. **कमअक्ल :**
(A) कम (B) कमअ
(C) क (D) उपर्युक्त सभी

77. **खुशबू :**
(A) खुश
(B) खु
(C) ख
(D) इनमें से कोई नहीं

78. **नापसन्द :**
(A) न (B) ना
(C) निः (D) निस्

79. **नाउम्मीद :**
(A) ना (B) न
(C) नाउ (D) नाइ

80. **बदनसीब :**
(A) बद (B) बे
(C) बिन (D) ब

81. **बाइज्जत :**
(A) बे (B) बा
(C) बिना (D) बिला

82. **बारोजगार :**
(A) बा (B) बे
(C) बिन (D) बिना

83. **हरएक :**
(A) हर (B) ह
(C) प्रति (D) परा

84. **हरपल :**
(A) ह
(B) अ
(C) हर
(D) कोई उपसर्ग नहीं

85. **डिप्टीजेलर :**
(A) डि (B) डिप्टी
(C) डिप् (D) उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला

1. (A) 2. (D) 3. (C) 4. (C) 5. (A)
6. (B) 7. (D) 8. (C) 9. (A) 10. (D)
11. (B) 12. (A) 13. (A) 14. (B) 15. (A)
16. (A) 17. (B) 18. (A) 19. (B) 20. (D)
21. (B) 22. (C) 23. (A) 24. (B) 25. (A)
26. (B) 27. (A) 28. (D) 29. (A) 30. (C)
31. (D) 32. (B) 33. (B) 34. (C) 35. (A)
36. (B) 37. (A) 38. (B) 39. (D) 40. (B)
41. (A) 42. (D) 43. (A) 44. (C) 45. (B)
46. (C) 47. (D) 48. (C) 49. (D) 50. (C)
51. (A) 52. (A) 53. (B) 54. (C) 55. (A)
56. (B) 57. (D) 58. (B) 59. (D) 60. (D)
61. (A) 62. (A) 63. (D) 64. (D) 65. (A)
66. (B) 67. (B) 68. (C) 69. (D) 70. (A)
71. (A) 72. (D) 73. (B) 74. (A) 75. (B)
76. (A) 77. (A) 78. (B) 79. (A) 80. (A)
81. (B) 82. (A) 83. (A) 84. (C) 85. (B)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित में से उपसर्ग रहित शब्द कौनसा है?

1. (A) अगम (B) अटल
(C) अमावस्या (D) प्रथमा

2. (A) अछत (B) अजान
(C) अच्छा (D) अभाव

3. (A) अनुकरण (B) अनुसरण
(C) अनुज (D) धात्वर्थ

4. (A) अलमारी (B) अलबत्ता
(C) अलग़रज (D) अलमस्त

5. (A) अवगत (B) अवगाह
(C) अवतार (D) आगाह

6. (A) अवतार (B) अधिकार
(C) मूर्ख (D) प्रयोग

7. (A) अतिबल (B) अतिभार
(C) अकलमंद (D) अतिप्रभंजन

8. (A) अध्यापक (B) अधश्चर
(C) अधोलिखित (D) अधोमुख

9. (A) अधखिला (B) अध्ययन
(C) अधपका (D) अधखुला

10. (A) अपराध (B) तीक्ष्ण
(C) अभिलेख (D) अगाध

11. (A) अंब (B) अवगुण
(C) अनमोल (D) अनमेल

12. (A) अवदीर्ण (B) प्रथा
(C) अवसन्न (D) अवरोध

13. (A) आकर्षण (B) अकिंचन
(C) अपव्यय (D) राजा

14. (A) अनुपूरक (B) अंकित
(C) अभिशाप (D) अंतःकरण

15. (A) चक्षु (B) अनुभूति
(C) अध्यक्ष (D) अवगुण

16. (A) उलूक (B) उद्‌भव
(C) अवमूल्यन (D) उपसंहार

17. (A) अवरोहण (B) उपवन
(C) चांस (D) उत्तेजना

18. (A) एटलस (B) विभाषा
(C) उपाख्यान (D) निरंजन

19. (A) विजय (B) नाकाम
(C) निरक्षर (D) आउंस

20. (A) निरर्थक (B) ऑडीटर
(C) उच्चारण (D) नाकदर

21. (A) नाखुश (B) ऑडिटर
(C) उच्छ्वास (D) अवशोषण

22. (A) उत्कर्ष (B) नाचीज
(C) अटेंड (D) आकलन

23. (A) उत्तोलक (B) मिठास
(C) आगंतुक (D) नापसंद

24. (A) उत्पात (B) नामंजूर
(C) आगत (D) थकावट

25. (A) उत्प्रेरक (B) आघात
(C) फैलाव (D) नामालूम

26. (A) बचाव (B) नामुनासिब
(C) आघूर्णन (D) उद्‌गार

27. (A) उद्‌गार (B) रुचि
(C) नालायक (D) आज्ञप्ति

28. (A) निरंतर (B) उज्ज्वल
(C) चिरंजीव (D) शक्ति

29. (A) उत्पादन (B) चिरकुमार
(C) निरवधि (D) स्वर्णित

30. (A) चिरजीवी (B) स्पर्श
(C) उत्पीड़न (D) निर्गुण

31. (A) चिरनूतन (B) निर्जीव
(C) आदर्शन (D) लोभी

32. (A) पंकिल (B) चिरप्रतीक्षित
(C) आदान (D) निर्दलीय

33. (A) निर्दोष (B) आपात
(C) चिरयुवा (D) कनिष्ठ

34. (A) उद्धार (B) निर्धन
(C) श्रेष्ठ (D) चिररोगी

35. (A) चिरायु (B) किसान
(C) निर्भय (D) उन्नति

36. (A) खेती (B) उन्नीस
(C) अवच्छेदन (D) निर्मम

37. (A) निर्मल (B) अवसन्न
(C) किशोरी (D) उन्तीस

38. (A) आमोद (B) उन्सठ
(C) मेहमान (D) निर्लज्ज

39. (A) निर्लिप्त (B) आयात
(C) उनहत्तर (D) पढ़ाई

40. (A) लोभी (B) आरक्षण
(C) निर्विकार (D) उपकार

41. (A) उपकरण (B) आरूढ़
(C) सुखी (D) निर्विरोध

42. (A) निर्विवाद (B) आरोहण
(C) युवती (D) उपहार

43. (A) उपदेश (B) कपूत
(C) ऐतिहासिक (D) तद्‌भव

44. (A) तद्रूप (B) उपनिवेश
(C) भवानी (D) कुकर्म

45. (A) नासमझ (B) रोजाना
(C) कुचक्र (D) उपवर्णन

46. (A) कुचेष्टा (B) उपसर्ग
(C) नाखुश (D) मिलान

47. (A) नागवार (B) कुरूप
(C) उपस्तरण (D) नौकरानी

48. (A) उपक्रमण (B) कुमंत्रणा
(C) दुःस्वप्न (D) घुमाव

49. (A) लुभावना (B) कुगाँव
(C) उपचरण (D) दुर्घटना

50. (A) उपनिषद् (B) कुदृष्टि
(C) तदुपरांत (D) जैविक

51. (A) बौखलाहट (B) कपूत
(C) उपभोग (D) तत्सम

52. (A) उपवसन (B) तत्पश्चात्
(C) कुप्रबंध (D) शैक्षिक

53. (A) तत्काल (B) खंडित
(C) कुमंत्रणा (D) उपहरण

54. (A) उपधारा (B) कुमार्ग
(C) उपस्थिति (D) पुष्पित

55. (A) राष्ट्रीय (B) उपभेद
(C) उपनदी (D) उन्नति

56. (A) उन्नयन (B) छलावा
(C) उपमंत्री (D) उपनायक

57. (A) निर्विकार (B) परदेश
(C) हरआदमी (D) पंजाबी

58. (A) हरतरह (B) परलोक
(C) निर्विवाद (D) दोस्ती

59. (A) निश्चय (B) पराक्रम
(C) सफेदी (D) स्वचालित

60. (A) परिकलन (B) निश्छल
(C) स्वदत्त (D) बंगाली

61. (A) परिक्रमा (B) हिन्दी
(C) स्वावलंबन (D) निष्काम

62. (A) कसक (B) निस्संतान
(C) परिचर (D) स्वकर्म

63. (A) निस्संदेह (B) परिज्ञान
(C) स्वजन (D) ठंडक

64. (A) निखार (B) परिपथ
(C) स्वतंत्र (D) घूसखोर

65. (A) निदेश (B) परिमंडल
(C) स्वधर्म (D) धरती

66. (A) सादगी (B) नितंब
(C) परिमाण (D) स्वभाव

67. (A) प्राप्तव्य (B) परिमार्जन
(C) स्वरूप (D) नियुक्ति

68. (A) परिरक्षण (B) निरूपण
(C) स्वशासन (D) वृहत्तर

69. (A) सुकर्म (B) परिषद्
(C) अमरत्व (D) निर्मूल

70. (A) सुकृत (B) परिष्कार
(C) लाघव (D) बदकार

71. (A) बदचलन (B) श्रवण
(C) सुगठित (D) पर्यवेक्षक

72. (A) स्वप्न (B) पर्याप्त
(C) बदजात (D) सुगम

73. (A) पुनरागमन (B) सुचारु
(C) बदनसीब (D) करणीय

74. (A) बदनीयत (B) घोड़ा
(C) पुररुत्थान (D) सुदर्शन

75. (A) सुनीत (B) पूर्वज
(C) बदमाश (D) कुतिया

76. (A) पुनर्मुद्रण (B) आँख
(C) बदहजमी (D) सुयोग
77. (A) कान (B) पुनरीक्षण
(C) प्रतिपुरुष (D) बेचैन
78. (A) बेदर्द (B) प्रतिमाह
(C) पुनरुक्त (D) नाक
79. (A) पढ़ना (B) बेदाग
(C) प्रतिवर्ष (D) पुनरुत्थान
80. (A) पकड़ (B) प्रकरण
(C) प्रत्येक (D) बेवकूफ
81. (A) बेशरम (B) प्रतिकूल
(C) प्रकल्पित (D) पहुँच
82. (A) प्रख्यात् (B) प्रतियोगिता
(C) बेरोजगारी (D) गढ़ंत
83. (A) बेसमझ (B) प्रतिध्वनि
(C) प्रलाप (D) शिक्षा
84. (A) बहुज्ञ (B) स्वदत्त
(C) मूर्छा (D) विक्रय
85. (A) विघटन (B) सहगान
(C) मिलन (D) बहुमत
86. (A) नंदन (B) विपरीत
(C) बहुरूपिया (D) सहधर्मी
87. (A) कुंदन (B) सहमति
(C) बहुसंख्यक (D) विमुख
88. (A) विलोम (B) बेकसूर
(C) संकर्षण (D) कथनी
89. (A) प्रिया (B) विसंगति
(C) बहुदर्शी (D) संकल्प
90. (A) विलुप्त (B) प्रत्यक्ष
(C) संक्रमण (D) कपट
91. (A) संगम (B) क्रोध
(C) विमोचन (D) प्रत्यर्पण
92. (A) प्रफुल्ल (B) सकुशल
(C) पकड़ (D) व्याकुल

उत्तरमाला

1. (D) 2. (C) 3. (D) 4. (A) 5. (D)
6. (C) 7. (C) 8. (A) 9. (B) 10. (B)
11. (A) 12. (B) 13. (D) 14. (B) 15. (A)
16. (A) 17. (C) 18. (A) 19. (D) 20. (B)
21. (B) 22. (C) 23. (B) 24. (D) 25. (C)
26. (A) 27. (B) 28. (D) 29. (D) 30. (B)
31. (D) 32. (A) 33. (D) 34. (C) 35. (B)
36. (A) 37. (C) 38. (C) 39. (D) 40. (A)
41. (C) 42. (C) 43. (C) 44. (C) 45. (B)
46. (D) 47. (D) 48. (D) 49. (A) 50. (D)
51. (A) 52. (D) 53. (B) 54. (D) 55. (A)
56. (B) 57. (D) 58. (D) 59. (C) 60. (D)
61. (B) 62. (A) 63. (D) 64. (D) 65. (D)
66. (A) 67. (A) 68. (D) 69. (C) 70. (C)
71. (B) 72. (A) 73. (D) 74. (B) 75. (D)
76. (B) 77. (A) 78. (D) 79. (A) 80. (A)
81. (D) 82. (D) 83. (D) 84. (C) 85. (C)
86. (A) 87. (A) 88. (D) 89. (A) 90. (D)
91. (B) 92. (C)

●●●

प्रत्यय

उपसर्ग की भाँति प्रत्यय भी भाषा में स्वतन्त्र रूप से प्रयोग में नहीं आते, किन्तु जब इसे किसी शब्द के अन्त में जोड़ दिया जाता है, तो उस शब्द का अर्थ और स्वरूप बदल जाता है, अर्थात् एक नया शब्द बन जाता है. जैसे—**'लड़का'** शब्द के अन्त में **'ई'** प्रत्यय लगाने से **'लड़की'** बन जाता है. शब्द रचना की दृष्टि से हिन्दी में तीन प्रकार के प्रत्यय हैं—कृत्, तद्धित प्रत्यय और स्त्री प्रत्यय.

'कृत् प्रत्यय'—कृत् प्रत्यय धातुओं (क्रियाओं) के अंत में लगते हैं और उनसे निर्मित शब्दों को **कृदन्त** (कृत् + अन्त) कहा जाता है.

'तद्धित प्रत्यय'—तद्धित प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के अंत में लगते हैं और उनसे निर्मित शब्दों को **तद्धितांत** (तद्धित + अंत) कहा जाता है.

'स्त्री प्रत्यय'—स्त्री प्रत्यय पुल्लिंग शब्दों के अन्त में लगते हैं और उन्हें स्त्रीलिंग बना देते हैं.

ऐतिहासिक आधार पर प्रत्ययों को चार वर्गों में विभक्त किया गया है—तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी.

तत्सम प्रत्यय—अक्, अन्, अना, आ, इत, ई, इमा, इष्ठ, ए, जीवी, तः, ता इत्यादि.

तद्भव प्रत्यय—आइन, आई, आवट, आहट, आलू, एरा, नी इत्यादि.

देशज प्रत्यय—अंक, अक्कड़, अड़, आटा, पन इत्यादि.

विदेशी प्रत्यय—आना, इयत, खाना, खोर, ची, दान, दानी, बंद, बंदी, बाजू, बाजी, वार, साज इत्यादि.

संज्ञा से विशेषण बनाना

प्रत्ययों का उपयोग एक प्रकार के शब्द (संज्ञा, क्रिया आदि) को दूसरे प्रकार के शब्द (विशेषण) में बदलने के लिए भी किया जाता है. यहाँ संज्ञा में प्रत्यय जोड़कर विशेषण शब्दों का निर्माण किया गया है.

संज्ञा शब्द	**प्रत्यय**	**विशेषण शब्द**
अग्नि	एय	आग्नेय
पुरुष	एय	पौरुषेय
ईर्ष्या	आलु	ईर्ष्यालु
दया	आलु	दयालु
कृपा	आलु	कृपालु
धर्म	इक	धार्मिक
अर्थ	इक	आर्थिक
व्यवसाय	इक	व्यावसायिक
व्यवहार	इक	व्यावहारिक
संसार	इक	सांसारिक
पत्थर	ईला	पथरीला
चमक	ईला	चमकीला
नोंक	ईला	नुकीला
आसमान	ई	आसमानी
अनुभव	ई	अनुभवी
किताब	ई	किताबी
इतिहास	इक	ऐतिहासिक
अपेक्षा	इत	अपेक्षित
धन	वान	धनवान
भारत	ईय	भारतीय
आकाश	ईय	आकाशीय

संज्ञा से विशेषण बनाने के लिए तद्धित प्रत्ययों का प्रयोग भी किया जाता है. संज्ञा से बने कुछ विशेषण शब्द जिनमें तद्धित प्रत्यय जुड़े हैं. इस प्रकार हैं—

संज्ञा	**विशेषण**	**संज्ञा**	**विशेषण**
अंचल	आंचलिक	अनुराग	अनुरागी
अनुमोदन	अनुमोदित	उन्नति	उन्नत
ऋषि	आर्ष	दन्त	दन्त्य
ओष्ठ	ओष्ठ्य	कण्ठ	कण्ठ्य
क्रम	क्रमिक	कागज	कागजी
अंकन	अंकित	अनुभव	अनुभवी
अनुशासन	अनुशासित	उपयोग	उपयुक्त
उद्योग	औद्योगिक	कुटुम्ब	कौटुम्बिक
करुणा	करुण	काँटा	कँटीला
कलंक	कलंकित	खून	खूनी
अपराध	अपराधी	काल	कालीन
खर्च	खर्चीला	ऋण	ऋणी
अणु	आणविक	पशु	पाशविक
आसक्ति	आसक्त	अन्तर	आन्तरिक
अलंकार	आलंकारिक	विस्मय	विस्मित
मनु	मानव	मूर्च्छा	मूर्च्छित
भूख	भूखा	भूगोल	भौगोलिक
यज्ञ	याज्ञिक	घात	घातक
गुलाब	गुलाबी	गर्व	गर्वीला
खेल	खिलाड़ी	तत्व	तात्विक
दम्पति	दाम्पत्य	निषेध	निषिद्ध
पाठक	पाठकीय	लोभ	लोभी
वन्दना	वंद्य	विष	विषैला
स्मृति	स्मार्त	स्वर्ग	स्वर्गीय
शरीर	शारीरिक	समय	सामयिक

समाज	सामाजिक	शास्त्र	शास्त्रीय
यश	यशस्वी	मांस	मांसल
माधुर्य	मधुर	मृत्यु	मर्त्य
लाठी	लठैत	विवेक	विवेकी
विषय	विषयी	स्वप्न	स्वप्निल
संदेह	संदिग्ध	सिन्धु	सैन्धव
शौक	शौकीन	श्याम	श्यामल
लोहा	लौह	विष्णु	वैष्णव
शिव	शैव	स्वदेश	स्वदेशी
मुम्बई	मुम्बइया	पहाड़	पहाड़ी
शरद	शारदीय	बिजनौर	बिजनौरी
मुरादाबाद	मुरादाबादी	आगरा	आगरी
अकबर	अकबरी	हृदय	हार्दिक
क्षमा	क्षम्य	विदेश	विदेशी
हिंसा	हिंसक	श्रद्धा	श्रद्धालु
सम्बन्ध	सम्बन्धी	देहात	देहाती
गाँव	गँवार	नगर	नागर
हवा	हवाई		

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं, आपको इनमें से सही विकल्प का चयन करना है.

1. **चालक :**
(A) अ (B) अक
(C) क (D) कोई प्रत्यय नहीं

2. **लेखक :**
(A) क (B) अन्
(C) अ (D) अक

3. **वचन :**
(A) अन् (B) अक
(C) न (D) अ

4. **श्रवण :**
(A) अन् (B) अ
(C) ण् (D) कोई प्रत्यय नहीं

5. **कामना :**
(A) अन् (B) अना
(C) न (D) ना

6. **शिक्षक :**
(A) क (B) अन्
(C) अक (D) कोई प्रत्यय नहीं

7. **पठित :**
(A) त् (B) अ
(C) इत (D) कोई प्रत्यय नहीं

8. **ऊर्ध्वगामी :**
(A) अ (B) इ
(C) मी (D) ई

9. **जागृति :**
(A) इत (B) ईति
(C) ति (D) इ

10. **ख्यात :**
(A) अ (B) यात
(C) त (D) कोई प्रत्यय नहीं

11. **गंतव्य :**
(A) तव्य (B) अ
(C) अय (D) व्य

12. **दृश्यमान :**
(A) आन (B) न
(C) मान (D) अ

13. **रचित :**
(A) इत (B) ईत
(C) त् (D) अ

14. **वक्तव्य :**
(A) तव्य (B) व्य
(C) य (D) अ

15. **कथ्य :**
(A) य (B) अ
(C) अय (D) कोई प्रत्यय नहीं

16. **लालसा :**
(A) आ (B) लसा
(C) स (D) सा

17. **घटना :**
(A) ना (B) अना
(C) अ (D) आ

18. **कामना :**
(A) अ (B) न
(C) ना (D) अना

19. **आगमन :**
(A) अन् (B) न
(C) अ (D) मन

20. **वस्त्र :**
(A) अ (B) त्र
(C) आ (D) तृ

21. **बाह्य :**
(A) अ (B) अय
(C) य (D) कोई प्रत्यय नहीं

22. **लिप्सा :**
(A) सा (B) आ
(C) प्सा (D) कोई प्रत्यय नहीं

23. **घुमक्कड़ :**
(A) अक्कड़ (B) कड़
(C) अ (D) अर्

24. **मिलाप :**
(A) आप (B) अप
(C) अ (D) कोई प्रत्यय नहीं

25. **अड़ियल :**
(A) अ (B) इयल
(C) अल (D) कोई प्रत्यय नहीं

26. **नैतिक :**
(A) क (B) अ
(C) इक (D) कोई प्रत्यय नहीं

27. **पैतृक :**
(A) क (B) रिक
(C) अ (D) इक

28. **चतुराई :**
(A) राई (B) आई
(C) ई (D) कोई प्रत्यय नहीं

29. **पढ़ाई :**
(A) आई (B) ई
(C) ढाई (D) कोई प्रत्यय नहीं

30. **अंकुरित :**
(A) अ (B) रित
(C) इत (D) त

31. **घबराहट :**
(A) आहट (B) ट
(C) हट (D) अट

32. **छिछोरपन :**
(A) अन (B) पन
(C) न (D) अ

33. **गरिमा :**
(A) मा (B) इमा
(C) रिमा (D) आ

34. **बोली :**
(A) ली (B) ई
(C) इ (D) कोई प्रत्यय नहीं

35. **बचत :**
(A) त (B) अत
(C) चत (D) कोई प्रत्यय नहीं

36. **उतारू :**
(A) रू (B) आरू
(C) ऊ (D) कोई प्रत्यय नहीं

37. **मिलनसार :**
(A) आर (B) सार
(C) र (D) अ

38. **हिलोर :**
(A) ओर (B) लोर
(C) र (D) अ

39. **बुझौवल :**
(A) वल (B) अल
(C) औवल (D) अ

40. **ठंडक :**
(A) क (B) अक
(C) डक (D) कोई प्रत्यय नहीं

41. **कामना :**
(A) अना (B) ना
(C) मना (D) कोई प्रत्यय नहीं

42. **महिमा :**
(A) मा (B) अमा
(C) इमा (D) आ

43. **नवीन :**
(A) न (B) ईन
(C) वीन (D) अ

44. **राष्ट्रीय :**
(A) य (B) अ
(C) ईय (D) कोई प्रत्यय नहीं

45. **प्रेममय :**
(A) मय (B) अय
(C) य (D) अ

46. **शेरनी :**
(A) ई (B) नी
(C) रनी (D) कोई प्रत्यय नहीं

47. **दासत्व :**
(A) त्व (B) व
(C) अ (D) अत्व

48. **फलतः :**
(A) तः (B) अह
(C) तह (D) कोई प्रत्यय नहीं

49. **दयामय :**
(A) अ (B) अय
(C) मय (D) य

50. **बहुत्व :**
(A) त्व (B) व
(C) उत्व (D) हुत्व

51. **गायिका :**
(A) इका (B) का
(C) आ (D) कोई प्रत्यय नहीं

52. **बुद्धिमान :**
(A) आन (B) मान
(C) न (D) अ

53. **दयावान :**
(A) आन (B) मान
(C) वान (D) न

54. **पुत्रवत् :**
(A) त् (B) अत
(C) वत् (D) ऋवत्

55. **नशीला :**
(A) ईला (B) ला
(C) शीला (D) कोई प्रत्यय नहीं

56. **छोटकन्नू :**
(A) अन्नू (B) नू
(C) ऊ (D) कन्नू

57. **तैराक :**
(A) क (B) आक
(C) राक (D) कोई प्रत्यय नहीं

58. **करुणामय :**
(A) मय (B) अय
(C) य (D) अ

59. **सेठानी :**
(A) आनी (B) नी
(C) ई (D) कोई प्रत्यय नहीं

60. **छुटपन :**
(A) पन (B) न
(C) अन (D) टपन

61. **गवइया :**
(A) आ (B) इया
(C) या (D) वइया

62. **सुता :**
(A) ता (B) उता
(C) आ (D) कोई प्रत्यय नहीं

63. **खत्रियानी :**
(A) आनी (B) नी
(C) यानी (D) कोई प्रत्यय नहीं

64. **यथावत् :**
(A) वत् (B) त
(C) अत् (D) इत

65. **ठकुराइन :**
(A) इन (B) आइन
(C) न (D) नि

66. **चकबन्दी :**
(A) बंदी (B) दी
(C) अंदी (D) ई

उत्तरमाला

1. (B) 2. (D) 3. (A) 4. (A) 5. (B)
6. (C) 7. (C) 8. (D) 9. (A) 10. (C)
11. (A) 12. (C) 13. (A) 14. (A) 15. (A)
16. (D) 17. (B) 18. (D) 19. (A) 20. (B)
21. (C) 22. (A) 23. (A) 24. (A) 25. (B)
26. (C) 27. (D) 28. (B) 29. (A) 30. (C)
31. (A) 32. (B) 33. (B) 34. (B) 35. (A)
36. (C) 37. (B) 38. (A) 39. (C) 40. (A)
41. (A) 42. (C) 43. (B) 44. (C) 45. (A)
46. (B) 47. (A) 48. (A) 49. (C) 50. (A)
51. (A) 52. (B) 53. (C) 54. (C) 55. (A)
56. (D) 57. (B) 58. (A) 59. (A) 60. (A)
61. (B) 62. (C) 63. (A) 64. (A) 65. (B)
66. (A)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार शब्द दिए गए हैं, इनमें से कोई एक शब्द ऐसा है जिसमें प्रत्यय का योग नहीं है. आपको इस प्रत्यय रहित शब्द का चयन करना है.

1. (A) बोली (B) भाषा
(C) पिपासा (D) पितृ

2. (A) अंकुर (B) फलित
(C) सम्बन्धित (D) रचित

3. (A) सम्बन्ध (B) दृश्यमान
(C) वर्ध (D) पूज्य

4. (A) अध्यापक (B) गायिका
(C) नकलची (D) प्रिया

5. (A) भवदीय (B) पांडित्य
(C) ग्राम्य (D) पुत्र

6. (A) बलिष्ठ (B) गरिष्ठ
(C) प्रेम (D) भारतीय

7. (A) बुढ़िया (B) कमरबन्द
(C) नशा (D) ठंडक

8. (A) गन्तव्य (B) ज्ञातव्य
(C) ध्यातव्य (D) कथ्

9. (A) वच् (B) कथन
(C) चलन (D) गलन

10. (A) सौदाबाजी (B) घड़ीसाज
(C) बाला (D) सुत

11. (A) अँगूठी (B) लाजवन्त
(C) अँगूठा (D) हिरण

12. (A) चतुर (B) दूधवाला
(C) लालसा (D) लिप्सा

13. (A) कथनीय (B) सुंदर
(C) धैर्य (D) राष्ट्रीय

14. (A) गुरु (B) महिमा
(C) योगी (D) अंकुरित

15. (A) पुत्र (B) पुत्री
(C) चतुराई (D) रचित

16. (A) घबराहट (B) तैराक
(C) अलमस्त (D) मिलाप

17. (A) सपूत (B) समझौता
(C) मुखौटा (D) छुटकी

18. (A) तेल (B) तलना
(C) कूटना (D) जाता

19. (A) फलदार (B) दवाखाना
(C) मशाल (D) कुतिया

20. (A) उपहार (B) बाँकपन
(C) छबीला (D) पियक्कड़

21. (A) उड़ान (B) मिलाप
(C) दबाव (D) लेख

22. (A) पड़ाव (B) उठान
(C) सच (D) झगड़ा

23. (A) रसिया (B) लाख
(C) जादूगर (D) छँटनी

24. (A) मशाल (B) छिड़काव
(C) रुकावट (D) झगड़ा

25. (A) गिनती (B) फिरौती
(C) नकल (D) करनी

26. (A) शर्राफ (B) पानदान
(C) लम्बाई (D) चौड़ाई

27. (A) सुन्दरता (B) अच्छाई
(C) मर्दानगी (D) साफ

28. (A) भूख (B) बचपन
(C) लटक (D) भनक

29. (A) कवित्व (B) पांडित्य
(C) कवि (D) हितकर

30. (A) संसद (B) वासुदेव
(C) बाघिन (D) माली

31. (A) ईश्वर (B) उभयचर
(C) चिड़िया (D) ऐश्वर्य

32. (A) मोरनी (B) रस्सी
(C) पाण्डु (D) पांडव

33. (A) कृष्णपक्ष (B) राधा
(C) सुता (D) इन्द्राणी

34. (A) आत्मजा (B) वात्स्य
(C) पयोज (D) अर्कजा

35. (A) खटिया (B) मर्म
(C) दुखड़ा (D) पांडव

36. (A) नटनी (B) शैलजा
(C) विशेष (D) सर्वज्ञ

37. (A) विशेष (B) रुचिकर
(C) पाचक (D) याचक

38. (A) मुंशी (B) अग्रज
(C) लुहारिन (D) गोचर

39. (A) साहित्य (B) कदाचित्
(C) पत्रकार (D) वारिज

40. (A) घोड़ी (B) चिड़िया
(C) रुचि (D) खटिया

41. (A) सँपेरा (B) चित्र
(C) कमेरा (D) लुटेरा

42. (A) गिरिजा (B) पयोज
(C) अर्कजा (D) जल

43. (A) मृदुल (B) उभय
(C) सौन्दर्य (D) चित्रवत्

44. (A) सर्वज्ञ (B) टोकरी
(C) हिरन (D) राधेय

45. (A) बहुज्ञ (B) बंदर
(C) बंदरिया (D) बहनोई

46. (A) रुचिकर (B) दिनकर
(C) हितकर (D) ननद

47. (A) अड़ियल (B) विशेष
(C) मिलनसार (D) गवैया

48. (A) धैर्य (B) प्राधान्य
(C) अंत (D) नवीन

49. (A) विद्वान् (B) विद्या
(C) ज्ञानी (D) त्यागी

50. (A) तपस्वी (B) मंडलीय
(C) आनंद (D) कमनीय

51. (A) उत्तर (B) फलित
(C) अंकुरित (D) सम्बन्धित

52. (A) गरिमा (B) चक्र
(C) महिमा (D) लघिमा

53. (A) छापाखाना (B) मुर्गीखाना
(C) विद्या (D) दवाखाना

54. (A) गिरि (B) योगी
(C) भोगी (D) कामी

55. (A) विराग (B) बुद्धिमान
(C) श्रीमान (D) शक्तिमान

56. (A) गुणवान (B) निरंतर
(C) धनवान (D) बलवान

57. (A) उदार (B) उदारता
(C) औदार्य (D) खपत

58. (A) खाना (B) सुजन
(C) पीना (D) चलना

59. (A) तहखाना (B) ज्ञातव्य
(C) समान (D) लब्ध

60. (A) बेहतरीन (B) बेइन्साफी
(C) बेहतर (D) बेईमानी

उत्तरमाला

1. (D) 2. (A) 3. (C) 4. (A) 5. (D)
6. (C) 7. (C) 8. (D) 9. (A) 10. (D)
11. (D) 12. (A) 13. (B) 14. (A) 15. (A)
16. (C) 17. (A) 18. (A) 19. (C) 20. (A)
21. (D) 22. (C) 23. (B) 24. (A) 25. (C)
26. (A) 27. (D) 28. (A) 29. (C) 30. (D)
31. (A) 32. (C) 33. (B) 34. (B) 35. (B)
36. (C) 37. (A) 38. (A) 39. (A) 40. (C)
41. (B) 42. (D) 43. (B) 44. (C) 45. (B)
46. (D) 47. (B) 48. (C) 49. (B) 50. (C)
51. (A) 52. (B) 53. (C) 54. (A) 55. (A)
56. (B) 57. (A) 58. (B) 59. (C) 60. (C)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ग]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार शब्द दिए गए हैं, इनमें से एक शब्द प्रत्यय-युक्त है. आपको प्रत्यय वाले शब्द का चयन करना है—

1. (A) गम् (B) ज्ञा
(C) वस् (D) श्रोत्र

2. (A) असत्य (B) अहिंसा
(C) रचित (D) अबोध

3. (A) श्रवण (B) अत्युक्ति
(C) अधिकार (D) अधिपति

4. (A) अभिमुख (B) अभिप्राय
(C) अभिमान (D) चिंतक

5. (A) नर्तक (B) अवगत
(C) अवगुण (D) अवतार

6. (A) आजन्म (B) रक्षक
(C) आदान (D) आमरण

7. (A) उत्कर्ष (B) उत्पात
(C) घटना (D) उत्कर्ण

8. (A) कथ् (B) उपदेश
(C) उपचार (D) उपमंत्री

9. (A) दुस्साहस (B) दुर्निवार
(C) दुर्दिन (D) दीनता

10. (A) दुस्वार (B) द्रष्टव्य
(C) दुष्कर्म (D) दुर्जन

11. (A) पराजय (B) परावर्तन
(C) पूजनीय (D) परिपूर्ण

12. (A) प्रवक्ता (B) प्रयोग
(C) परिवाद (D) पिपासा

13. (A) विज्ञान (B) संवाद
(C) वक्तव्य (D) संपूर्ण

14. (A) सुशील (B) समीप
(C) सुयोग्य (D) सहनीय

15. (A) कपूत (B) कुकर्म
(C) कहारिन (D) कुचाल

16. (A) चिरायु (B) चमकीला
(C) चिरकाल (D) चिरंजीव

17. (A) चिरप्रतीक्षित (B) चिरस्थायी
(C) चिरयौवन (D) चिरैया

18. (A) सरस (B) सफल
(C) सपेरा (D) सजीव

19. (A) प्राचार्य (B) प्रवीण
(C) प्रवचन (D) प्राप्तव्य

20. (A) स्वदेश (B) सराहनीय
(C) स्वराज्य (D) स्वभाव

21. (A) स्वावलंबी (B) स्वतन्त्र
(C) स्वधर्म (D) स्वरूप

22. (A) सपूत (B) सेठानी
(C) सुजान (D) सुघड़

23. (A) कूकरी (B) कुटेव
(C) कुठौर (D) कुढंग

24. (A) औगुण (B) आध्यात्मिक
(C) औसर (D) औतार

25. (A) चौमासा (B) चौराहा
(C) चाटुकारिता (D) चौकोर

26. (A) अफीमची (B) अनपढ़
(C) अनदेखा (D) अनसुना

27. (A) अलविदा (B) उभयचर
(C) अलबेला (D) अलमस्त

28. (A) अधखिला (B) अध्यापिका
(C) अधपका (D) अनपढ़

29. (A) कमअक्ल (B) कमनीय
(C) कमनसीब (D) कमबख्त

30. (A) गैरहाजिर (B) गैरआदमी
(C) गैरचीज (D) गायिका

31. (A) बावर्ची (B) बिलावजह
(C) बिलाबात (D) बिलाकसूर

32. (A) भरपूर (B) भर्राहट
(C) भरपेट (D) भरमार

33. (A) हरीतिमा (B) हमदम
(C) हमसफर (D) हमराह

34. (A) ऐनवक्त (B) हर्जाना
(C) ऐनआदमी (D) ऐनइनाइत

35. (A) नाखुश (B) नापाक
(C) नाचीज (D) ननिहाल

36. (A) स्वचालित (B) शालीन
(C) स्वरचित (D) स्वाधीन

37. (A) आरम्भिक (B) अबेर
(C) अटल (D) अमित

38. (A) अनगिनत (B) अक्लमन्द
(C) अनदेखा (D) अनसुना

39. (A) सादर (B) सहानुभूति
(C) सहायक (D) समझदार

40. (A) पुत्रवत् (B) पुराण
(C) पुरातत्त्व (D) पुरावशेष

41. (A) सशक्त (B) साकार
(C) सावधान (D) सपेरा

42. (A) अवैतनिक (B) अनैतिक
(C) अव्यय (D) आस्थावान्

उत्तरमाला

1. (D) 2. (C) 3. (A) 4. (D) 5. (A)
6. (B) 7. (C) 8. (A) 9. (D) 10. (B)
11. (C) 12. (D) 13. (C) 14. (D) 15. (C)
16. (B) 17. (D) 18. (C) 19. (D) 20. (B)
21. (A) 22. (B) 23. (A) 24. (B) 25. (C)
26. (A) 27. (B) 28 (B) 29. (B) 30. (D)
31. (A) 32. (B) 33. (A) 34. (B) 35. (D)
36. (B) 37. (A) 38. (B) 39. (D) 40. (A)
41. (D) 42. (D)

●●●

संधि

दो वर्णों या ध्वनियों के मेल से उत्पन्न होने वाले विकार को संधि कहते हैं. संधि तीन प्रकार की होती है—स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि.

1. **स्वर संधि**—स्वर के साथ स्वर का मेल होने पर जो विकार होता है उसे स्वर संधि कहते हैं. स्वर संधि के पाँच भेद हैं—

(क) दीर्घ संधि, (ख) गुण संधि, (ग) वृद्धि संधि, (घ) यण् संधि, (ङ) अयादि संधि.

(क) दीर्घ संधि—दो सवर्ण स्वर मिलकर दीर्घ हो जाते हैं; जैसे—

(i) अ + अ = आ पुष्प + अवली
= पुष्पावली
अ + आ = आ हिम + आलय
= हिमालय
आ + अ = आ माया + अधीन
= मायाधीन
आ + आ = आ विद्या + आलय
= विद्यालय

(ii) इ + इ = ई–कवि + इच्छा = कवीच्छा
इ + ई = ई–हरि + ईश = हरीश
ई + इ = ई–मही + इंद्र = महीन्द्र
ई + ई = ई–नदी + ईश = नदीश

(iii) उ + उ = ऊ–सु + उक्ति = सूक्ति
उ + ऊ = ऊ–सिन्धु + ऊर्मि = सिन्धूर्मि
ऊ + उ = ऊ–वधू + उत्सव = वधूत्सव
ऊ + ऊ = ऊ–भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व
ऋ + ऋ = ऋ–मातृ + ऋण = मातृण

(ख) गुण संधि—जब 'अ' अथवा 'आ' के आगे 'इ' या 'ई' आता है तो इनके स्थान पर 'ए' हो जाता है. इसी प्रकार 'अ' या 'आ' के आगे 'उ' या 'ऊ' आता है, तो 'ओ' हो जाता है. 'अ' या 'आ' के आगे 'ऋ' आने पर **अर्** हो जाता है. इसे गुण संधि कहते हैं. जैसे—

(i) अ + इ = ए–उप + इन्द्र = उपेन्द्र
अ + ई = ए–देव + ईश = देवेश
आ + इ = ए–महा + इन्द्र = महेन्द्र
आ + ई = ए–रमा + ईश = रमेश

(ii) अ + उ = ओ–चन्द्र+ उदय = चन्द्रोदय
अ + ऊ = ओ–समुद्र + ऊर्मि = समुद्रोर्मि
आ + उ = ओ–विद्या + उन्नति
= विद्योन्नति
आ + ऊ = ओ–गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि
अ + ऋ = अर्–देव + ऋषि = देवर्षि
आ + ऋ = अर्–राजा + ऋषि = राजर्षि

(ग) वृद्धि संधि—जब 'अ' या 'आ' के आगे 'ए' या 'ऐ' आता है, तो दोनों का **'ऐ'** हो जाता है. इसी प्रकार यदि 'अ' या 'आ' के आगे 'ओ' या 'औ' आता है, तो दोनों का **'औ'** हो जाता है. **'ऐ'** तथा **'औ'** स्वर ए और ओ के वृद्धि रूप हैं. अतः इस संधि को वृद्धि संधि कहते हैं; जैसे—

(i) अ + ए = ऐ –हित + एषी = हितैषी
अ + ऐ = ऐ–स्व +ऐच्छिक = स्वैच्छिक
आ + ए = ऐ–सदा + एव = सदैव
आ + ऐ = ऐ–महा + ऐश्वर्य
= महैश्वर्य

(ii) अ + ओ = औ–परम + ओजस्वी
= परमौजस्वी
अ + औ = औ–वन + औषध
= वनौषध
आ + ओ = औ–महा + ओज = महौज
आ + औ = औ–महा + औषध
= महौषध

(घ) यण् संधि—कुछ स्वर आपस में संधि करने पर किसी स्वर में बदलने के बजाय **य् र् व्** में बदल जाते हैं. ऐसी संधियों को **य्** के नाम पर यण् संधि कहा गया है. वस्तुतः **'य्'** का उच्चारण स्थान एवं प्रयत्य **'इ' 'ई'** तथा 'व्' का उच्चारण स्थान एवं उच्चारण प्रयत्न **'उ' 'ऊ'** के बहुत निकट है. इसी प्रकार **'ऋ'** और **'र्'** में बहुत समीपता है. अतएव जब 'इ' 'ई' 'उ' 'ऊ' 'ऋ' के आगे कोई स्वर आता है, तो क्रमशः 'य', 'व', 'र', में परिवर्तन हो जाते हैं. इस परिवर्तन को यण् संधि कहते हैं; जैसे—

इ + अ = य्–यदि + अपि = यद्यपि
ई + आ = य्–नदी + अर्पण = नद्यर्पण
उ + अ = व्–अनु + अय = अन्वय
ऊ + आ = व्–वधू + आगमन = वध्वागमन
ऋ + अ = र्–मातृ + इच्छा = मात्रिच्छा

(ङ) अयादि संधि—जब ए, ऐ, ओ, औ, के बाद कोई (विजातीय) स्वर आए, तो वह क्रमशः अय्, आय, अव, आव हो जाता है. जैसे—

ए + अ = अय–शे + अन = शयन
ए + अ = अय–**ने + अन** = नयन
ऐ + अ = आय–विधै + अक
= विधायक
ऐ + अ = आय–दै + अक = दायक
ऐ + इ = आयि–नै + इका = नायिका
ऐ + इ = आयि–दै + इनी = दायिनी

ओ + अ = अव–भो + अन = भवन
ओ + अ = अव–हो + अन = हवन
ओ + इ = अवि –पो + इत्र = पवित्र
ओ + ई = अवी–गो + ईश = गवीश
औ + अ = आव–पौ + अन = पावन
औ + अ = आव–धौ + अक = धावक
औ + इ = आवि–नौ + इक = नाविक
औ + उ = आउ–भौ + उक = भावुक

2. **व्यंजन संधि**—व्यंजन के साथ व्यंजन या स्वर का मेल होने से जो विकार होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं. व्यंजन संधि के नियम इस प्रकार हैं—

(i) यदि स्पर्श व्यंजनों के प्रथम अक्षर (क्, च् , ट्, त्, प्) के आगे कोई स्वर या किसी वर्ग का तीसरा या चौथा वर्ण (ग, घ, ज, झ, ड, ढ, द, ध, ब, भ) अथवा य्, र्, ल, व् में से कोई वर्ण आए, तो क् च् ट् त् प् के स्थान पर उसी वर्ग का तीसरा अक्षर अर्थात् क् के स्थान पर ग्, च् के स्थान पर ज्, ट के स्थान पर ड, त् के स्थान पर द् और प के स्थान पर ब हो जाता है. जैसे—

दिक् + अम्बर = दिगम्बर
वाक् + ईश = वागीश (बृहस्पति)
अच + अंत = अजन्त
षट् + आनन = षडानन
सत् + आचार = सदाचार
सुप् + अंत = सुबंत
वाक् + दान + वाग्दान
षट् + यंत्र = षड्यंत्र
सत् + गति = सद्गति
उत् + घाटन = **उद्घाटन**

(ii) यदि स्पर्श व्यंजनों के प्रथम अक्षर अर्थात् क् च् ट् त् प् के आगे कोई अनुनासिक व्यंजन आए, तो उसके स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवाँ अक्षर हो जाता है; जैसे—

वाक् + मय = वाङ्मय
षट् + मुख = षण्मुख
जगत् + नाथ = जगन्नाथ
चित् + मय = चिन्मय
अप + मय = अम्मय

(iii) जब किसी ह्रस्व या दीर्घ स्वर के आगे छ् आता है, तो छ् के पहले च् बढ़ जाता है; जैसे—

परि + छेद = परिच्छेद
आ + छादन = आच्छादन
पद + छेद = पदच्छेद

(iv) यदि म के आगे कोई स्पर्श व्यंजन आए, तो म के स्थान पर उसी वर्ग का पाँचवाँ वर्ण हो जाता है; जैसे—

शम् + कर = शङ्कर या शंकर
सम् + चय = सञ्चय या संचय
घम् + टा = घण्टा
स्वयंम् + भू = स्वम्भू

(v) यदि म के आगे कोई अंतस्थ या ऊष्म व्यंजन आए अर्थात् य्, र्, ल्, व्, श, ष, स, ह, आए, तो 'म' अनुस्वार में बदल जाता है; जैसे—

सम् + सार = संसार
सम् + योग = संयोग
स्वयम् + वर = स्वयंवर

(vi) यदि त् और द् के आगे ज् या झ् आए, तो उसका 'ज्' हो जाता है; जैसे—

उत् + ज्वल = उज्ज्वल
विपद् + जाल = विपज्जाल
सत् + जन = सज्जन

(vii) यदि त् द् के आगे श् आए, तो त् द् का 'च्' और श् का 'छ्' हो जाता है. यदि त् द् के आगे अ आए, तो त् द् का द् और ह् का ध् हो जाता है; जैसे—

सत् + चित् = सच्चित्
तत् + शरीर = तच्छशरीर
उत् + हार = उद्धार

(viii) यदि च् या ज् के बाद न् आए, तो न् के स्थान पर 'ज्ञ' या 'ञ्' हो जाता है, जैसे—

यज् + न = यज्ञ
याच् + न = याञ्जा

(ix) यदि अ, आ को छोड़कर किसी भी स्वर के आगे स् आता है, तो बहुधा स् के स्थान पर ष् हो जाता है; जैसे—

अभि + सेक = अभिषेक
वि + सम = विषम
नि + सेध = निषेध

(x) ष के पश्चात् त् या थ् आने पर उनके स्थान पर क्रमशः ट् और ठ् हो जाता है; जैसे—

आकृष + त = आकृष्ट
तुष + त = तुष्ट
पृष + थ = पृष्ठ
षष् + थ = षष्ठ

(xi) यदि ऋ र या ष के आगे न् आए और बीच में चाहे स्वर क वर्ग, प वर्ग अनुस्वार अथवा य, ह आए, तो न के स्थान पर ण हो जाता है; जैसे—

भर + अन् = भरण
भूष + अन = भूषण
राम + अयन = रामायण
परि + मान = परिमाण
ऋ + न = ऋण

3. **विसर्ग संधि**—विसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन के संयोग से जो विकार होता है उसे विसर्ग संधि कहते हैं. इसके प्रमुख नियम इस प्रकार हैं—

(i) यदि विसर्ग के आगे श, ष, स आए, तो वह क्रमशः श् ष् स् में बदल जाता है; जैसे—

निः + स्वार्थ = निस्स्वार्थ
निः + शब्द = निश्शब्द
निः + संदेह = निस्संदेह

(ii) यदि विसर्ग के पहले इ या उ हो और बाद में र आए, तो विसर्ग का लोप हो जाएगा और इ तथा उ दीर्घ ई, ऊ में बदल जाएंगे. जैसे—

निः + रव = नीरव
निः + रोग = नीरोग
निः + रस = नीरस

(iii) यदि विसर्ग के बाद च, छ, ट, ठ तथा त, थ आएं, तो विसर्ग क्रमशः श्, ष्, स् में बदल जाते हैं; जैसे—

निः + तार = निस्तार
धनुः + टंकार = धनुष्टंकार
निः + चय = निश्चय

(iv) विसर्ग के बाद क, ख, प, फ रहने पर विसर्ग में कोई विकार नहीं होता. जैसे—

प्रातः + काल = प्रातःकाल
अंतः + करण = अंतःकरण
पयः + पान = पयःपान

(v) यदि विसर्ग के पहले अ या आ को छोड़कर कोई स्वर हो और बाद में वर्ग के तृतीय, चतुर्थ और पंचम वर्ण अथवा य, र, ल, व में से कोई वर्ण हो, तो विसर्ग 'र्' में बदल जाता है. जैसे—

दुः + बोध = दुर्बोध
दुः + निवार = दुर्निवार
निः + गुण = निर्गुण
निः + आधार = निराधार

(vi) यदि विसर्ग से पहले अ, आ को छोड़कर कोई अन्य स्वर आए और बाद में कोई भी स्वर आए, तो भी विसर्ग 'र्' में बदल जाता है. जैसे—

निः + आशा = निराशा
निः + ईह = निरीह
निः + अर्थक = निरर्थक

(vii) यदि विसर्ग से पहले अ आए और बाद में य, र, ल, व या ह आए, तो विसर्ग का लोप हो जाता है तथा अ 'ओ' में बदल जाता है. जैसे—

मनः + विकार = मनोविकार
मनः + रथ = मनोरथ
पुरः + हित = पुरोहित

(viii) यदि विसर्ग से पहले इ या उ आए और बाद में क, ख, प, फ, में से कोई वर्ण आए, तो विसर्ग 'ष' में बदल जाता है. जैसे—

निः + कर्म = निष्कर्म
निः + करुण = निष्करुण
निः + पाप = निष्पाप

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में एक शब्द दिया गया है. इस शब्द में प्रयुक्त संधि के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं, आपको सही विकल्प का चयन करना है—

1. **नदीश :**
(A) गुण सन्धि (B) यण् संधि
(C) दीर्घ संधि (D) वृद्धि संधि

2. **सूक्ति :**
(A) यण् संधि (B) वृद्धि संधि
(C) गुण संधि (D) दीर्घ संधि

3. **वधूत्सव :**
(A) व्यंजन संधि
(B) स्वर संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

4. **मायाधीन :**
(A) वृद्धि संधि (B) गुण संधि
(C) यण् संधि (D) दीर्घ संधि

5. **वृक्षावली :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

6. **रमेश :**
(A) वृद्धि संधि (B) दीर्घ संधि
(C) गुण संधि (D) यण् संधि

7. **उपेन्द्र :**
(A) दीर्घ संधि (B) वृद्धि संधि
(C) यण् संधि (D) गुण संधि

8. **चन्द्रोदय :**
(A) दीर्घ संधि (B) गुण संधि
(C) वृद्धि संधि (D) यण् संधि

9. **महोत्सव :**
(A) दीर्घ संधि (B) वृद्धि संधि
(C) गुण संधि (D) अयादि संधि

10. **महर्षि :**
(A) वृद्धि संधि (B) यण् संधि
(C) गुण संधि (D) अयादि संधि

11. **पुत्रैषणा :**
(A) दीर्घ संधि (B) गुण संधि
(C) यण् संधि (D) वृद्धि संधि

12. **मतैक्य :**
(A) वृद्धि संधि (B) दीर्घ संधि
(C) गुण संधि (D) अयादि संधि

13. **सदैव :**
(A) दीर्घ संधि (B) वृद्धि संधि
(C) गुण संधि (D) यण् संधि

14. **परमौषध :**
(A) यण् संधि (B) गुण संधि
(C) दीर्घ संधि (D) वृद्धि संधि

15. **महौषधि :**
(A) वृद्धि संधि (B) दीर्घ संधि
(C) यण् संधि (D) गुण संधि

16. **महौदार्य :**
(A) दीर्घ संधि (B) वृद्धि संधि
(C) यण् संधि (D) गुण संधि

17. **देव्यर्पण :**
(A) दीर्घ संधि (B) वृद्धि संधि
(C) गुण संधि (D) यण् संधि

18. **वध्वागमन :**
(A) गुण संधि (B) यण् संधि
(C) वृद्धि संधि (D) अयादि संधि

19. **पवन :**
(A) यण् संधि (B) गुण संधि
(C) अयादि संधि (D) वृद्धि संधि

20. **दिगम्बर :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

21. **उद्घाटन :**
(A) विसर्ग संधि
(B) स्वर संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

22. **उन्मत्त :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

23. **अम्मय :**
(A) विसर्ग संधि
(B) स्वर संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) उपर्युक्त सभी

24. **आच्छादन :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

25. **संतोष :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

26. **उज्ज्वल :**
(A) व्यंजन संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) स्वर संधि
(D) उपर्युक्त सभी

27. **उद्धार :**
(A) विसर्ग संधि
(B) स्वर संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) उपर्युक्त सभी

28. **यज्ञ :**
(A) व्यंजन संधि
(B) स्वर संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

29. **अभिषेक :**
(A) स्वर संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

30. **आकृष्ट :**
(A) व्यंजन संधि
(B) स्वर संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

31. **पृष्ठ :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

32. **रामायण :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

33. **निश्शंक :**
(A) व्यंजन संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) स्वर संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

34. **निस्संदेह :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

35. **निस्संग :**
(A) विसर्ग संधि
(B) स्वर संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) उपर्युक्त सभी

36. **निस्स्वार्थ :**
(A) स्वर संधि

(B) विसर्ग संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) उपर्युक्त सभी

37. **नीरस :**
(A) व्यंजन संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) स्वर संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

38. **दुश्चरित्र :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

39. **निश्चय :**
(A) स्वर संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

40. **प्रातःकाल :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

41. **दुर्निवार :**
(A) स्वर संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

42. **दुर्बोध :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

43. **निर्धन :**
(A) व्यंजन संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) स्वर संधि
(D) उपर्युक्त सभी

44. **निराशा :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

45. **निरर्थक :**
(A) व्यंजन संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) स्वर संधि
(D) उपर्युक्त सभी

46. **मनोविकार :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

47. **मनोरम :**
(A) स्वर संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) व्यंजन संधि
(D) इनमें से कोई नहीं

48. **निष्पाप :**
(A) व्यंजन संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) स्वर संधि
(D) उपर्युक्त सभी

49. **निष्करुण :**
(A) स्वर संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि
(D) उपर्युक्त सभी

50. **संकल्प :**
(A) यण् संधि
(B) व्यंजन संधि
(C) गुण संधि
(D) अयादि संधि

51. **प्रोत्साहन :**
(A) दीर्घ संधि (B) वृद्धि संधि
(C) गुण संधि (D) विसर्ग संधि

52. **लोकोक्ति :**
(A) दीर्घ संधि (B) गुण संधि
(C) यण् संधि (D) अयादि संधि

53. **यथेष्ट :**
(A) गुण संधि (B) यण् संधि
(C) अयादि संधि (D) वृद्धि संधि

54. **उल्लास :**
(A) स्वर संधि (B) व्यंजन संधि
(C) विसर्ग संधि (D) वृद्धि संधि

55. **उच्छिष्ट :**
(A) व्यंजन संधि (B) विसर्ग संधि
(C) स्वर संधि (D) अयादि संधि

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (B) 4. (D) 5. (A)
6. (C) 7. (D) 8. (B) 9. (C) 10. (C)
11. (D) 12. (A) 13. (B) 14. (D) 15. (A)
16. (B) 17. (D) 18. (B) 19. (C) 20. (B)
21. (C) 22. (B) 23. (C) 24. (B) 25. (B)
26. (A) 27. (C) 28. (A) 29. (C) 30. (A)
31. (B) 32. (B) 33. (B) 34. (C) 35. (A)
36. (B) 37. (B) 38. (C) 39. (B) 40. (C)
41. (B) 42. (C) 43. (B) 44. (C) 45. (B)
46. (C) 47. (B) 48. (B) 49. (C) 50. (B)
51. (C) 52. (B) 53. (A) 54. (B) 55. (A)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक शब्द का संधि विच्छेद चार-चार विकल्पों में किया गया है. इनमें से सही संधि विच्छेद वाले विकल्प का चयन कीजिए—

1. **अन्यान्य :**
(A) अनि + आन्य
(B) अन्य + अन्य
(C) अन्य + नय
(D) अन + यान्य

2. **अन्नाभाव :**
(A) अन्या + भाव
(B) अन्ना + भाव
(C) अन्न + अभाव
(D) अन्य + भाव

3. **उपदेशान्तर्गत :**
(A) उपदेश + अंतर्गत
(B) उपदेशा + नर्गत
(C) उपदे + शन्तर्गत
(D) इनमें से कोई नहीं

4. **कपीश :**
(A) कपी + श (B) कप्य + इश
(C) कप + ईश (D) कपि + ईश

5. **कवीन्द्र :**
(A) कवि + इन्द्र (B) कव + ईन्द्र
(C) कवी + नद्र (D) कवी + न्द्र

6. **गीतावली :**
(A) गीत + अवली (B) गीता + वली
(C) गीता + अली (D) गीत + अली

7. **गीतांजलि :**
(A) गीत + अंजलि
(B) गीत + अंजल
(C) गीता + जलि
(D) गीता + जल

8. **गुरुपदेश :**
(A) गुरुप + देश
(B) गुरु + उपदेश
(C) गुरु + पदेश
(D) इनमें से कोई नहीं

9. **चमूत्तम :**
(A) चाम + उत्तम (B) चम + उत्तम
(C) चमू + उत्तम (D) चमू + त्तम

10. **धर्मार्थ :**
(A) धर + मार्थ
(B) धर्म + अर्थ
(C) धर्मा + रथ
(D) धरम + अरथ

11. **नारीन्दु :**
(A) नारी + न्दु (B) नारी + इन्दु
(C) नार + इन्दु (D) ना + रीन्दु

12. **परमार्थ :**
(A) परा + अर्थ (B) पर्य + मार्थ
(C) परम + अर्थ (D) पर + मार्थ

13. **पीताम्बर :**
(A) पीत + अम्बर
(B) पितृ + अम्बर
(C) पत + अंबर
(D) इनमें से कोई नहीं

14. **भानूदय :**
(A) भान + उदय (B) भानु + उदय
(C) मान्य + द्वय (D) भानू + दय

15. **महाशय :**
(A) मह + आशय (B) महा + शय
(C) महा + आशय (D) महाश + य

16. **महीश :**
(A) महि + ईश (B) मही + ईश
(C) महा + ईश (D) महो + ईश

17. **मुनीश्वर :**
(A) मनि + श्वर
(B) मुन्य + ईश्वर
(C) मुनी + ईश्वर
(D) मुनि + ईश्वर

18. **रजनीश :**
(A) रज + अनीश
(B) रजनी + ईश
(C) र + जनीश
(D) रजनी + श

19. **वधूत्सव :**
(A) वध्व + उत्सव
(B) वधुत्स + व
(C) बन्धु + सव
(D) वधू + उत्सव

20. **विद्यालय :**
(A) विद् + आलय
(B) विद्या + आलय
(C) विद्या + लय
(D) विद् + अलय

21. **विद्यार्थी :**
(A) विद् + अयर्थी
(B) विदा + अर्थी
(C) विद्या + अर्थी
(D) विद्या + र्थी

22. **शिक्षालय :**
(A) शिक्षक + अलय
(B) शिक्षा + आलय
(C) शिक्षु + लय
(D) शिक्षा + लय

23. **सूक्ति :**
(A) सूक्ति + त (B) सू + उक्ति
(C) सू + ऊक्ति (D) सु + उक्ति

24. **हिमालय :**
(A) हिम + आलय (B) हिमा + लय
(C) हेमा + लय (D) हिमाल + य

25. **स्नेहाकांक्षी :**
(A) स्नेहा + कंक्षी
(B) स्नेह + कांक्षी
(C) स्नेह + आकांक्षी
(D) स्नेहां + कक्षी

26. **गतानुगतिक :**
(A) गतानु + गतिक
(B) गत्य + गतिक
(C) गति + अनगतिक
(D) गत + अनुगतिक

27. **सौभाग्याकांक्षिणी :**
(A) सौभाग्य + आकांक्षिणी
(B) सु + भाग्य + अक्षिणी
(C) सौभाग्याकां + इक्षिणी
(D) सौभाग्य + इक्षिणी

28. **ब्रह्माण्ड :**
(A) ब्रह्मान + ड
(B) ब्रह + मांड
(C) ब्रह्मा + अंड

(D) ब्रह्मण + अंड

29. **अतीन्द्रिय :**
(A) अ + तीन्द्रिय
(B) अत्य + इन्द्री
(C) अत्व + इन्द्री
(D) अति + इन्द्रिय

30. **स्थानापन्न :**
(A) स्थान + अन्न
(B) स्थान + आपन्न
(C) स्थानप + अन्न
(D) स्था + आपन्न

31. **अंत्येष्टि :**
(A) अंत + इष्ट
(B) अंत्ये + इष्टि
(C) अन्त्य + इष्टि
(D) अति + अनिष्ट

32. **अन्त्योदय :**
(A) अन्त्य + उदय
(B) अंत + ओदय
(C) अंत्यु + दय
(D) अन + त्योदय

33. **अपेक्षा :**
(A) अ + पएक्षा
(B) अप + इच्छा
(C) अपे + क्षा
(D) अप + ईक्षा

34. **अन्योक्ति :**
(A) अन्य + उक्ति
(B) अन्न + क्ति
(C) अन्न + उक्ति
(D) अनु + उक्ति

35. **आत्मोत्सर्ग :**
(A) आत्म + उत्सर्ग
(B) आत्मो + त्सर्ग
(C) आत्मा + सर्ग
(D) आत्मो + ऊत्सर्ग

36. **ईश्वरोपासना :**
(A) ईश + उपासना
(B) ईश्वर + उपासना
(C) ईशो + पासना
(D) ईश्वरो + पासना

37. **अन्योन्योपाय :**
(A) अन्य + उपाय
(B) अन्योन्य + उपाय
(C) अन् + उपाय
(D) अनन्य + उपाय

38. **उपेक्षा :**
(A) उप + इच्छा (B) उपे + क्षा
(C) उप + ईक्षा (D) उपे + इच्छा

39. **कर्मेन्द्रिय :**
(A) कर्म + ऐन्द्रिय
(B) कर्मे + इन्द्रिय
(C) कर्म + इन्द्रिय
(D) कर्मा + ईन्द्रिय

40. **कठोपनिषद् :**
(A) कठ + उपनिषद्
(B) कठोर + उपनिषद्
(C) कठु + उपनिषद्
(D) कंठ्य + उपनिषद्

41. **गुडाकेश (शिव) :**
(A) गुड + केश
(B) गडाके + श
(C) गुडाका + ईश
(D) गुड्या + केश

42. **गंगोर्मि :**
(A) गंगा + ओर्मि
(B) गंगोर + मि
(C) गंग + ओरमि
(D) गंगा + ऊर्मि

43. **जितेन्द्रिय :**
(A) जीता + इन्द्रिय
(B) जित + इन्द्रिय
(C) जीता + इन्द्री
(D) जित्य + इन्द्री

44. **ज्ञानोदय :**
(A) ज्ञानू + दय
(B) ज्ञानो + दय
(C) ज्ञान + उदय
(D) ज्ञान + ओदय

45. **धरेश :**
(A) धर + ईश
(B) धरा + इश
(C) धरे + श
(D) धरा + ईश

46. **धीरोद्धत :**
(A) धीर + उद्धत
(B) धीरो + उद्धत
(C) धीरा + उद्धत
(D) धैर्य + उद्धत

47. **नवोदित :**
(A) नवीन + आदित्य
(B) नव + आदित्य
(C) नव + उदित
(D) नवो + दित

48. **नवोढ़ा :**
(A) नवो + ढ़ा (B) नव + ओढ़ा
(C) नव्य + ओढ़ा (D) नव + ऊढ़ा

49. **प्रश्नोत्तर :**
(A) प्रश्न + वोत्तर (B) प्रश्न + इतर
(C) प्रश्न + उत्तर (D) प्रश्नो + त्तर

50. **पदोन्नति :**
(A) पद + ओन्नत
(B) पद + अवनति
(C) पदो + उन्नति
(D) पद + उन्नति

51. **प्रवेशोत्सव :**
(A) प्रवेश + उत्सव
(B) प्रवेशो + त्सव
(C) प्रवेशोत् + सव
(D) प्रविश + उत्सव

52. **परमोत्साह :**
(A) परम + उछाह
(B) परमु + छाह
(C) परम + उत्साह
(D) परमोत् + साह

53. **प्रश्नोत्तर :**
(A) प्रश्न + इतर (B) प्रश्नो + तर
(C) प्रश् + नोत्तर (D) प्रश्न + उत्तर

54. **पुरुषोत्तम :**
(A) पुरुष + उत्तम
(B) पुरुषो + तम
(C) पुरुष + ओत्तम
(D) पुरुषोत् + तम

55. **मत्स्येन्द्र :**
(A) मत्स + ऐन्द्र (B) मत्स + इन्द्र
(C) मत्स्ये + इन्द्र (D) मत्स्य + इन्द्र

56. **मृगेन्द्र :**
(A) मृग + इन्द्र (B) मृगे + इन्द्र
(C) मृ + गेन्द्र (D) मृगेन् + द्र

57. **मानवेन्द्र :**
(A) मानव + ऐन्द्र
(B) मानव + इन्द्र
(C) मानवे + इन्द्र
(D) मानवेन् + इन्द्र

58. **महेन्द्र :**
(A) महान् + इन्द्र (B) महि + ईन्द्र
(C) मही + इन्द्र (D) महा + इन्द्र

59. **मुखोपाध्याय :**
(A) मुख + उपाध्याय
(B) मुखोप + अध्याय
(C) मुखप + अध्याय
(D) मुख्य + पध्याय

60. **यथेच्छा :**
(A) यथा + इच्छा (B) अथ + इच्छा
(C) एथे + ईक्षा (D) यथे + इच्छा

61. **यथेच्छया :**
(A) यथेच् + छया
(B) यथा + इच्छा
(C) अथ + इच्छया
(D) यथा + इच्छया

62. **यथेप्सित :**
(A) अथ + इप्सित
(B) यथा + ईप्सित
(C) यथा + अप्सित
(D) यथ + प्सित

63. **यमुनोत्तरी :**
(A) यमुन् + उत्तरी
(B) यमन + ओत्तरी
(C) यमुनउ + त्तरी
(D) यमुना + उत्तरी

64. **योगेन्द्र :**
(A) योग्य + इन्द्र
(B) योग + इन्द्र
(C) योगीन् + द्र
(D) योगी + इन्द्र

65. **रमेश :**
(A) रम + ऐश (B) रमा + ईश
(C) रमे + श (D) र + मेश

66. **रसोत्पत्ति :**
(A) रसु + पत्ति
(B) रसोत् + पत्ति
(C) रसो + उत्पत्ति
(D) रस + उत्पत्ति

67. **रामेन्द्र :**
(A) रामे + इन्द्र
(B) रामी + नुद्र
(C) राम + इन्द्र
(D) रमे + अन्द्र

68. **लम्बोदर :**
(A) लम्बा + ओदर (B) लम्बो + दार
(C) लम्बो + दर (D) लम्ब + उदर

69. **लोकोक्ति :**
(A) लोको + क्ति
(B) लोक + उक्ति
(C) लोक + इक्ति
(D) लोक + इति

70. **व्यंग्योक्ति :**
(A) व्यंग्य + इति
(B) व्यंग्य + इक्ति
(C) व्यंग्य + उक्ति
(D) व्यंग्योकि + ति

71. **वनौषध :**
(A) व + नौषध
(B) वन + औषध
(C) वन + ऊषधि
(D) वनु + षध

72. **स्वेच्छा :**
(A) स्वे + इच्छा (B) स्वा + ईक्षा
(C) स्व + इच्छा (D) स्वी + इक्षा

73. **सांगोपांग :**
(A) सांग्य + पांग
(B) सांगो + पांग
(C) स + अंग + उप + अंग
(D) सांग + पांग

74. **सप्तर्षि :**
(A) सप्त + ऋषि (B) सप + र्षि
(C) सप्त + असि (D) सप्तः + षि

75. **स्वातंत्र्योत्तर :**
(A) स्वतन्त्र + उत्तर
(B) स्वातंत्र्यो + इतर
(C) स्वतंत्रता + इतर
(D) स्वातंत्र्य + उत्तर

76. **उत्तमौषध :**
(A) उत्तम + औषध
(B) उत्तमो + औषध
(C) उत्तमे + औषधि
(D) उत्तमौष + अध

77. **सोदाहरण :**
(A) सोदा + हरण
(B) स + उदाहरण
(C) सोद + आहरण
(D) सोद + आहरण

78. **हतोत्साह :**
(A) हत + उत्साह
(B) हतो + उत्साह
(C) हतउ + तुसाह
(D) हतोत्सा + ह

79. **हृषीकेश :**
(A) हृषीक + ईश
(B) हृषी + केश
(C) हर्षे + केश
(D) हृषिक + ऐश

80. **अधुनैव :**
(A) अधु + नैव
(B) आधुनिक + एव
(C) अधुना + एव
(D) अध्य + नैव

81. **एकैक :**
(A) एकम् + एक (B) एके + ऐक
(C) एक + ऐक (D) एक + एक

82. **जलौघ :**
(A) जलौ + घ
(B) जल + ओघ
(C) जल + ऊघ
(D) इनमें से कोई नहीं

83. **तथैव :**
(A) तथा + इव (B) तथ + ईव
(C) तथ्य + ईव (D) तथा + एव

84. **देवौदार्य :**
(A) देव + उदार
(B) देव + औदार्य
(C) देव + दार
(D) देव + दार्य

85. **परमौजस्वी :**
(A) परम + ओजस्वी
(B) परमौ + जस्वी
(C) परमौज + स्वी
(D) परम + ऊर्जस्वी

86. **परमौषध :**
(A) पर + मौषध
(B) परम + औषध
(C) परमौ + षधि
(D) परम + ऊषधि

87. **पुत्रैषणा :**
(A) पुत्री + षणा
(B) पुत्रः + एषण
(C) पुत्रम + षणा
(D) पुत्र + एषणा

88. **प्रौद्योगिकी :**
(A) प्र + औद्योगिकी
(B) प्रो + उद्योगिकी
(C) प्रद्यौ + गिकी
(D) प्रौद्योगिक + ई

89. **भावैक्य :**
(A) भावे + एक
(B) भावै + ऐक्य
(C) भाव + ऐक्य
(D) भाव + ऊक्य

90. **मतैक्य :**
(A) मतः + एक
(B) मते + एक्य
(C) मतै + क्य
(D) मत + ऐक्य

91. **महौषधि :**
(A) महत् + औषध
(B) महा + औषधि
(C) महान् + औषधि
(D) महौ + अषधि

92. **महौजस्वी :**
(A) महा + ऊर्जस्वी
(B) महौ + ऊर्जस्वी
(C) महा + ओजस्वी
(D) महान् + ओजस्वी

93. **मुखौटा :**
(A) मुख + ऊटा
(B) मुख्य + ओटा
(C) मुख + ओटा
(D) मुखा + औटा

94. **वनौषधि :**
(A) वनम् + औषधि
(B) वन + औषधि
(C) वनः + औषधि
(D) वनो + औषधि

95. **वसुधैव :**
(A) वसु + धैव
(B) वसुन्धरा + एव
(C) वसुधे + ऐव
(D) वसुधा + एव

96. **वित्तैषणा :**
(A) वित्त + एषणा
(B) वेतन + ऐषणा
(C) वित्त + ऊषणा
(D) वित्त + अऊष्णा

97. **लोकैषणा :**
(A) लोक्य + षणा
(B) लोकैष + णा
(C) लोक + एषणा
(D) लोके + षणा

98. **सदैव :**
(A) सतम् + एव (B) सत् + एव
(C) सदै + व (D) सदा + एव

99. **स्वैच्छिक :**
(A) सु + वैच्छिक (B) स्वा + छिक
(C) स्व + ऐच्छिक (D) स्वयं + छिक

100. **हितैषी :**
(A) हितम् + ऐषी (B) हित + एषी
(C) हितै + षी (D) हितैष + ई

101. **अग्न्यस्त्र :**
(A) अग्नि + अस्त्र
(B) अग्ने + यस्त्र
(C) अगनी + शस्त्र
(D) अग्नि + शस्त्र

102. **अत्यद्भुत :**
(A) अत्यद् + भुत
(B) अति + अद्भुत
(C) अत्यत् + भुत
(D) अत्यत् + भ्युत

103. **अध्यक्ष :**
(A) अध् + अक्ष (B) अध्य + क्ष
(C) अध् + यक्ष (D) अधि + अक्ष

104. **अभ्यर्थना :**
(A) अभ्य + अर्थना
(B) अभि + अर्थना
(C) अभि + अर्चना
(D) अभ्यर् + अर्थना

105. **अत्याहार :**
(A) अत्य + अहार
(B) अत्यम् + हार
(C) अति + हार
(D) अति + आहार

106. **अत्यावश्यक :**
(A) अत्य + आवश्यक
(B) अति + आवश्यक
(C) अत्याव + श्यक
(D) अतिआ + वश्यक

107 **अभ्यागत :**
(A) अभ्य + आगत
(B) अभि + गत
(C) अभि + आगत
(D) अभ्याग् + अत

108. **अध्यात्म :**
(A) अधि + आत्म
(B) अध्या + आत्म
(C) अधि + तम
(D) अधि + उत्तम

109. **अत्याचार :**
(A) अत्या + अचार
(B) अति + आचार
(C) अत्य + आचार
(D) अति + चार

110. **अत्युत्साह :**
(A) अत्यु + उत्साह
(B) अ + त्युत्साह
(C) अत्य + उत्साह
(D) अति + उत्साह

111. **अध्यूढ़ा :**
(A) अध्य + ऊढ़ा
(B) अधि + ऊढ़ा
(C) अधिः + ढ़ा
(D) अध्यू + उढ़ा

112. **अत्यूष्म :**
(A) अत्य + उष्म
(B) अत्यु + उष्म
(C) अति + ऊष्म
(D) अति + ओष्म

113 **अत्यैश्वर्य :**
(A) अति + ऐश्वर्य
(B) अत्य + ईश्वर्य
(C) अत्ये + ऐश्वर्य
(D) अति + ईश्वर्य

114. **अत्यौदार्य :**
(A) अत्य + उदार्य
(B) अति + ऊदार्य
(C) अति + औदार्य
(D) अत्यो + दार्य

115. **अध्यापक :**
(A) अधि + आपक
(B) अध्य + अपक
(C) अध्या + आपक
(D) अधिः + अपक

116. **अन्वित :**
(A) अनु + इत (B) अन्व + इत
(C) अनु + अत (D) अनु + ऊत

117. **अन्वीक्षण :**
(A) अन्व + इच्छण
(B) अन्व + ईक्षण
(C) अनु + ईक्षण
(D) अन्वी + अक्षण

118. **आण्विक :**
(A) अणु + इक
(B) आण + विक
(C) अणु + विक
(D) अण्व + इक

119. **इत्यादि :**
(A) इत्य + आदि
(B) इति + आदि
(C) इत्यम् + आदि
(D) इत्या + अदि

120. **तन्वंगी :**
(A) तन्व + अंगी
(B) तन्वा + अंगी
(C) तनु + अंगी
(D) तन्या + अंगी

121. **त्र्यंबक (शिव) :**
(A) त्रिया + अंबक
(B) त्रै + अंबक
(C) त्रि + अंबक
(D) त्र + अंबक

122. **देव्यागमन :**
(A) देवी + अनुगमन
(B) दिव्या + अनुगमन
(C) दिव्या + गमन
(D) देवी + आगमन

123. **धात्वीय :**
(A) धातु + ईय
(B) धात्वः + इय
(C) धत्वम् + ईय
(D) धात्वी + अय

124. **नद्यामुख :**
(A) नद्या + मुख
(B) नदी + आमुख
(C) नदी + यामुख
(D) नदी + उन्मुख

125. **पर्यवेक्षण :**
(A) पर्य + वेक्षण
(B) परि + अवेक्षण
(C) परि + ऐक्षण
(D) परि + ऐच्छण

126. **प्रत्युपकार :**
(A) प्रति + उपकार
(B) प्रत्यु + उपकार
(C) प्रत्य + उपकार
(D) प्रत्युप + कार

127. **प्रत्याशी :**
(A) प्रति + याशी
(B) प्रति + आशी
(C) प्रत्यक्ष + शी
(D) प्रत्य + आशी

128. **पित्राज्ञा :**
(A) पित्र + आज्ञा
(B) पितः + आज्ञा
(C) पितृ + आज्ञा
(D) उपर्युक्त सभी

129. **मध्वाचार्य :**
(A) मध्य + आचार्य
(B) मधुवा + चार्य
(C) मध्व + आचार्य
(D) मधु + आचार्य

130. **लघ्वोष्ठ :**
(A) लघ्व + ओष्ठ (B) लघु + ओष्ठ
(C) लघु + होंठ (D) लघ्वो + ष्ठ

131. **वध्वागमन :**
(A) वध्व + आगमन
(B) वध्वा + गमन
(C) वधू + आगमन
(D) वधू + गमन

132. **वध्वर्थ :**
(A) वध्व + अर्थ (B) वधू + व्यर्थ
(C) वधू + वर्थ (D) वधू + अर्थ

उत्तरमाला

1. (B) 2. (C) 3. (A) 4. (D) 5. (A)
6. (A) 7. (A) 8. (B) 9. (C) 10. (B)
11. (B) 12. (C) 13. (A) 14. (B) 15. (C)
16. (B) 17. (D) 18. (B) 19. (D) 20. (B)
21. (C) 22. (B) 23. (D) 24. (A) 25. (C)
26. (D) 27. (A) 28. (C) 29. (D) 30. (B)
31. (C) 32. (A) 33. (D) 34. (A) 35. (A)
36. (B) 37. (B) 38. (C) 39. (C) 40. (A)
41. (C) 42. (D) 43. (B) 44. (C) 45. (D)
46. (A) 47. (C) 48. (D) 49. (C) 50. (D)
51. (A) 52. (C) 53. (D) 54. (A) 55. (D)
56. (A) 57. (B) 58. (D) 59. (A) 60. (A)
61. (D) 62. (B) 63. (D) 64. (B) 65. (B)
66. (B) 67. (C) 68. (D) 69. (B) 70. (C)
71. (B) 72. (C) 73. (C) 74. (A) 75. (D)
76. (A) 77. (B) 78. (A) 79. (A) 80. (C)
81. (D) 82. (B) 83. (D) 84. (B) 85. (A)
86. (B) 87. (D) 88. (A) 89. (C) 90. (D)
91. (B) 92. (C) 93. (C) 94. (B) 95. (D)
96. (A) 97. (C) 98. (D) 99. (C) 100. (B)
101. (A) 102. (B) 103. (D) 104. (B) 105. (D)
106. (B) 107. (C) 108. (A) 109. (B) 110. (D)
111. (B) 112. (C) 113. (A) 114. (C) 115. (A)
116. (A) 117. (C) 118. (A) 119. (B) 120. (C)
121. (C) 122. (D) 123. (A) 124. (B) 125. (B)
126. (A) 127. (B) 128. (C) 129. (D) 130. (B)
131. (C) 132. (D)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ग]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में शब्दों के संधि विच्छेद दिए गए हैं. उनकी सन्धि के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं. आपको सही उत्तर का चयन करना है.

1. **अन्य + अन्य :**
(A) अन्यान्य (B) अनन्न
(C) अन्यन्न (D) अन्यन्य

2. **भानु + उदय :**
(A) भान्यदय (B) भन्नोदय
(C) भानोदय (D) भानूदय

3. **सु + उक्ति :**
(A) सक्ति (B) सेक्ति
(C) सूक्ति (D) सैक्ति

4. **वार्ता + आलाप :**
(A) वार्तालाप (B) वार्त्यालाप
(C) वात्यालाप (D) वतालाप

5. **अंत्य + उदय :**
(A) अत्युदय (B) अंत्युदय
(C) अन्त्योदय (D) अंतिदुय

6. **धीर + उद्धत :**
(A) धैर्यद्धत (B) धीरोद्धत
(C) धीरुधत (D) धीरुद्धत

7. **यथा + ईप्सित :**
(A) यथेप्सित (B) यथ्यप्सित
(C) यथाप्स्ति (D) तथाप्सित

8. **अधुना + एव :**
(A) अध्यैव (B) अधुनव
(C) आधुनिक (D) अधुनैव

9. **तथा + एव :**
(A) तथ्येव (B) तथैव
(C) तथ्यैव (D) तथैय

10. **अधि + अक्ष :**
(A) अधीच्छ (B) अधीक्ष
(C) अद्यच्छ (D) अध्यक्ष

11. **अनु + इत :**
(A) अनित (B) अन्वित
(C) अनित्य (D) अनूत

12. **प्रति + उपकार :**
(A) प्रत्युपकार (B) परोपकार
(C) प्रतिकार (D) परिष्कार

13. **दै + अक :**
(A) दायक (B) देयक
(C) दैयक (D) दैक

14. **शौ + अक :**
(A) शौक (B) शौवक
(C) शौअक (D) शावक

15. **ईश्वर + य :**
(A) ईश्वरीय
(B) ऐश्वर्य
(C) ईश्वर्य
(D) इनमें से कोई नहीं

16. **उत् + अय :**
(A) उत्य (B) उति
(C) ऊति (D) उदय

17. **भवत् + ईय :**
(A) भवती (B) भवदीय
(C) भवत्य (D) भवतीय

18. **सत् + उपयोग :**
(A) सतपयोग (B) सतुपयोग
(C) सत्यप्योग (D) सदुपयोग

19. **उत् + गम :**
(A) उत्गम
(B) उद्गम
(C) उत्तम
(D) इनमें से कोई नहीं

20. **उत + यम :**
(A) उद्यम (B) उत्तम
(C) उत्यम् (D) ऊतम

21. **विपद् + ति :**
(A) विपति (B) विदति
(C) विदित (D) विपत्ति

22. **वाक् + मय :**
(A) वांमय (B) वाक्यमय
(C) वाक्यम् (D) वाङ्मय

23. **चित् + मय :**
(A) चिद्मय (B) चिन्मय
(C) चित्तमय (D) चितम्य

24. **सम + कलन :**
(A) संकलन (B) समकल्न
(C) सकलन (D) समकरन

25. **किम् + चित् :**
(A) क्वचित् (B) कचित्
(C) किमित (D) किंचित

26. **सत् + जन :**
(A) सज्जन (B) सद्जन
(C) सजन (D) सत्यजन

27. **उत् + ज्वल :**
(A) उद्धवल (B) उज्ज्वल
(C) उत्ज्वल (D) उज्वल

28. **नि + स्था :**
(A) निस्था (B) निष्था
(C) निषा (D) निष्ठा

29. **आकृष् + त :**
(A) आकृति (B) आकृष्ट
(C) आकृत (D) अक्राषत्

30. **मनः + दशा :**
(A) मनदशा (B) मन्यश
(C) मनोदशा (D) मंशा

31. **अन्तः + आत्मा :**
(A) अन्तरात्मा
(B) अन्तात्मा
(C) अन्र्तात्मा
(D) इनमें से कोई नहीं

32. **भाः + कर :**
(A) भास्कर (B) भोकर
(C) भवकर (D) भावस्कर

33. **बृहः + पति :**
(A) बृहस्ति
(B) बृहपति
(C) बृहस्पति
(D) उपर्युक्त सभी

34. **वाचः + पति :**
(A) वाच्यति (B) वाचति
(C) वाचपति (D) वाचस्पति

35. **निः + आधार :**
(A) निधार (B) निस्धार
(C) नियोधार (D) निराधार

उत्तरमाला

1. (A) 2. (D) 3. (C) 4. (A) 5. (C)
6. (B) 7. (A) 8. (D) 9. (B) 10. (D)
11. (B) 12. (A) 13. (A) 14. (D) 15. (B)
16. (D) 17. (B) 18. (D) 19. (B) 20. (A)
21. (D) 22. (D) 23. (B) 24. (A) 25. (D)
26. (A) 27. (B) 28. (D) 29. (B) 30. (C)
31. (A) 32. (A) 33. (C) 34. (D) 35. (D)

●●●

UPKAR PRAKASHAN
PRATIYOGITA DARPAN
प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

BETTER PLACED TO SERVE YOU THAN EVER BEFORE
Buy all our books & magazines from our

Patna Branch
Branch Address
Pirmohani Chowk, Kadamkuan,
Patna-800003. Ph. : (0612) 2673340

Hyderabad Branch
Branch Address
1-8-1/B, R.R. Complex,
(Near Sundaraiah Park,
Adjacent to Manasa Enclave Gate)
Bagh Lingampally,
Hyderabad-500 044 (A.P.)
Ph. : (040) 66753330

Delhi Branch
Branch Address
4845, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi-110002
Ph. : (011) 23251844/66

Kolkata Branch
Branch Address
28, Chowdhury Lane, Shyam Bazar
(Near Metro Station)
Kolkata- 700 004 (W.B.) M. : 7439359515

समास

दो या दो से अधिक शब्दों के योग से निर्मित शब्द को समास कहते हैं. समास का अर्थ है—संक्षेप करना. जब दो शब्दों को मिलाते हैं, तो दोनों के बीच का सम्बन्धसूचक शब्द लुप्त हो जाता है. इस प्रकार अनेक पद मिलकर जब एक समस्त पद बन जाता है, तो इसे समास कहते हैं. समस्त पद या समासयुक्त पदों को अलग-अलग करने की रीति को **'विग्रह'** कहते हैं. जैसे—**चारपाई**-चार पाए हैं जिसके, **चिड़ीमार**-चिड़ियों को मारने वाला आदि. समासों के परम्परागत छः भेद हैं—

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. कर्मधारय समास
4. द्विगु समास
5. द्वन्द्व समास
6. बहुव्रीहि समास

(1) **अव्ययीभाव समास**—अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय होता है. यह वाक्य में क्रिया विशेषण का कार्य करता है. जैसे—

यथास्थान = स्थान के अनुसार
यथासम्भव = जितना सम्भव हो
प्रतिदिन = प्रत्येक दिन
आजीवन = जीवन-भर

(2) **तत्पुरुष समास**—जिस समास में पूर्व पद गौण तथा उत्तर पद प्रधान होता है उसे 'तत्पुरुष समास' कहते हैं. दोनों पदों के बीच परसर्ग का लोप होता है. परसर्गों के लोप के आधार पर तत्पुरुष समास के छः भेद होते हैं—

(i) **कर्म तत्पुरुष** (**'को'** का लोप) जैसे—

गगनचुम्बी—गगन को चूमने वाला
चिड़ीमार—चिड़ियों को मारने वाला
जेबकतरा—जेब को कतरने वाला

(ii) **करण तत्पुरुष** (**'से' 'के द्वारा'** का लोप) जैसे—

ईश्वरदत्त—ईश्वर के द्वारा दिया हुआ
कष्टसाध्य—कष्ट से साध्य (साधा जा सके)
जलावृत्त—जल से आवृत्त (घिरा हुआ)

(iii) **सम्प्रदान तत्पुरुष** (**'के लिए'** का लोप) जैसे—

गोशाला—गाय के लिए शाला
घुड़साल—घोड़े के लिए साल
डाकगाड़ी—डाक के लिए गाड़ी

(iv) **अपादान तत्पुरुष** (**'से'** का लोप) जैसे—

गुणरहित—गुण से रहित
जन्मान्ध—जन्म से अन्धा
दोषमुक्त—दोष से मुक्त

(v) **सम्बन्ध तत्पुरुष** (**'का', 'के', 'की'** का लोप) जैसे—

चर्मरोग—चर्म का रोग
जलधारा—जल की धारा
मंत्रिपरिषद्—मंत्रियों की परिषद्

(vi) **अधिकरण तत्पुरुष** (**'में' 'पर'** का लोप) जैसे—

कविपुंगव—कवियों में पुंगव
फलासक्त—फल में आसक्त
वनवास—वन में वास

(3) **कर्मधारय समास**—कर्मधारय समास में भी उत्तर पद प्रधान होता है. इसका पहला पद विशेषण और दूसरा पद विशेष्य होता है. जैसे—

अल्पसंख्यक—जिनकी संख्या अल्प है वे
नीलकमल—नीला है कमल जो
सद्गुण—सद् हैं गुण जो

(4) **द्विगु समास**—जिस समास में पहला पद संख्यावाचक हो और पूरा समास समाहार (समूह) का बोध कराए उसे द्विगु समास कहते हैं. जैसे—

त्रिभुवन—तीनों भुवनों का समूह
नवरत्न—नव रत्नों का समूह
शताब्दी—सौ अब्द (वर्षों) का समूह

(5) **द्वन्द्व समास**—जिस समास में पूर्व पद और उत्तर पद दोनों ही प्रधान हों, अर्थात् अर्थ की दृष्टि से दोनों का स्वतंत्र अस्तित्व हो और उनके मध्य संयोजक शब्द का लोप हो, तो द्वन्द्व समास कहलाता है. जैसे—

आगा-पीछा—आगा और पीछा
पाप-पुण्य—पाप और पुण्य
फल-फूल—फल और फूल

(6) **बहुव्रीहि समास**—जिस समास में दोनों पदों के माध्यम से एक विशेष (तीसरे) अर्थ का बोध होता है, बहुव्रीहि समास कहलाता है. जैसे—

गिरिधर—गिरि को धारण करने वाले अर्थात् श्रीकृष्ण

नीलकंठ—नीला है कंठ जिनका अर्थात् शिवजी

लम्बोदर—लम्बा है उदर जिनका अर्थात् गणेशजी

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में सामासिक शब्द दिया गया है उसके नीचे उसमें प्रयुक्त समास के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं, इनमें सर्वाधिक सही समास का चयन कीजिए—

1. **आमरण** :
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

2. **आजीवन** :
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

3. **निडर** :
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

4. **प्रत्येक** :
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

5. **बेखटके** :
(A) द्विगु (B) अव्ययीभाव
(C) द्वन्द्व (D) बहुव्रीहि

6. **भरपेट** :
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

7. **यथासमय** :
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

8. **हरवर्ष** :
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

9. **निर्विवाद** :
(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

10. **एकाएक** :
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

11. **नित्यप्रति** :
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

12. **गगनचुम्बी** :
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

13. **दिलफेंक** :
(A) कर्म तत्पुरुष
(B) करण तत्पुरुष
(C) कर्त्ता तत्पुरुष
(D) संप्रदान तत्पुरुष

14. **दिलतोड़ :**
(A) करण तत्पुरुष
(B) कर्म तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष
(D) अपादान तत्पुरुष

15. **मरणासन्न :**
(A) करण तत्पुरुष
(B) कर्म तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष
(D) संप्रदान तत्पुरुष

16. **मुँहतोड़ :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

17. **सर्वज्ञ :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

18. **संकटापन्न :**
(A) कर्मधारय
(B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष
(D) अव्ययीभाव

19. **आनन्दमय :**
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय (D) द्वन्द्व

20. **कपड़छन :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

21. **कामचोर :**
(A) कर्मधारय
(B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु
(D) तत्पुरुष

22. **क्रियान्वित :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

23. **गुणयुक्त :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

24. **घृतमिश्रित :**
(A) कर्म तत्पुरुष
(B) करण तत्पुरुष
(C) संप्रदान तत्पुरुष
(D) अपादान तत्पुरुष

25. **मनमाना :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

26. **रससिक्त :**
(A) संप्रदान तत्पुरुष
(B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) करण तत्पुरुष
(D) कर्म तत्पुरुष

27. **लोकसेव्य :**
(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव
(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

28. **विधिनिर्मित :**
(A) कर्त्ता तत्पुरुष
(B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) कर्म तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

29. **कर्णफूल :**
(A) सम्बन्ध तत्पुरुष
(B) अपादान तत्पुरुष
(C) संप्रदान तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

30. **कनफूल :**
(A) सम्बन्ध तत्पुरुष
(B) कर्म तत्पुरुष
(C) अपादान तत्पुरुष
(D) संप्रदान तत्पुरुष

31. **रेलभाड़ा :**
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

32. **रोकड़बही :**
(A) अपादान तत्पुरुष
(B) संप्रदान तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

33. **आशातीत/आकाशपतित :**
(A) अपादान तत्पुरुष
(B) संप्रदान तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

34. **ऋणमुक्त :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

35. **गर्वशून्य :**
(A) कर्म तत्पुरुष
(B) करण तत्पुरुष
(C) संप्रदान तत्पुरुष
(D) अपादान तत्पुरुष

36. **जन्मांध :**
(A) अपादान तत्पुरुष
(B) संप्रदान तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

37 **जलरिक्त :**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

38. **जातिभ्रष्ट :**
(A) अव्ययीभाव (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

39. **कठपुतली :**
(A) सम्बन्ध तत्पुरुष
(B) अधिकरण तत्पुरुष
(C) संप्रदान तत्पुरुष
(D) अपादान तत्पुरुष

40. **कन्यादान :**
(A) संप्रदान तत्पुरुष
(B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) अपादान तत्पुरुष
(D) अधिकरण तत्पुरुष

41. **जलधारा :**
(A) संप्रदान तत्पुरुष
(B) अपादान तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष
(D) अधिकरण तत्पुरुष

42. **दुःखसागर :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

43. **फलाहार :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

44. **फुलवाड़ी :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

45. **मतदाता :**
(A) सम्बन्ध तत्पुरुष
(B) अधिकरण तत्पुरुष
(C) कर्म तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

46. **मातृभाषा :**
(A) अधिकरण तत्पुरुष
(B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) कर्त्ता तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

47. **राजमाता :**
(A) संप्रदान तत्पुरुष
(B) अपादान तत्पुरुष
(C) अधिकरण तत्पुरुष
(D) सम्बन्ध तत्पुरुष

48. **रामचरित/रामचरित्र :**
(A) बहुव्रीहि (B) कर्मधारय
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

49. **शांतिपुत्र :**
(A) अधिकरण तत्पुरुष
(B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) संप्रदान तत्पुरुष
(D) अपादान तत्पुरुष

50. **स्वर्णपात्र :**
(A) कर्म तत्पुरुष
(B) करण तत्पुरुष
(C) सम्बन्ध तत्पुरुष
(D) अधिकरण तत्पुरुष

51. **अकारण :**
(A) अधिकरण तत्पुरुष
(B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) संप्रदान तत्पुरुष
(D) अपादान तत्पुरुष

52. **अनभिज्ञ :**
(A) नञ् तत्पुरुष
(B) अलुक तत्पुरुष
(C) उपपद तत्पुरुष
(D) सम्बन्ध तत्पुरुष

53. **आत्मनिर्भर :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

54. **आपबीती :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

55. **कविपुंगव :**
(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

56. **कविराज :**
(A) अधिकरण तत्पुरुष
(B) सम्बन्ध तत्पुरुष
(C) संप्रदान तत्पुरुष
(D) अपादान तत्पुरुष

57. **घुड़सवार :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

58. **चूहामार :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

59. **जलद :**
(A) अलुक् तत्पुरुष
(B) उपपद तत्पुरुष
(C) नञ् तत्पुरुष
(D) सम्बन्ध तत्पुरुष

60. **जलमग्न :**
(A) कर्मधारय (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) द्वन्द्व

61. **दानवीर :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

62. **दिनकर :**
(A) द्विगु (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) द्वन्द्व

63. **ध्यानमग्न :**
(A) बहुव्रीहि (B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

64. **नरोत्तम :**
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि (D) कर्मधारय

65. **पर्णशाला :**
(A) बहुव्रीहि (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

66. **पवनचक्की :**
(A) द्विगु (B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

67. **मनमौजी :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्वन्द्व

68. **मनसिज :**
(A) नञ् तत्पुरुष
(B) लुप्तपद तत्पुरुष
(C) उपपद तत्पुरुष
(D) अलुक् तत्पुरुष

69. **मुनिश्रेष्ठ :**
(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

70. **रणवीर :**

(A) द्वन्द्व (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) द्विगु

71. **वाचस्पति :**
(A) सम्बन्ध तत्पुरुष
(B) अधिकरण तत्पुरुष
(C) कर्म तत्पुरुष
(D) करण तत्पुरुष

72. **विषयरत :**
(A) संप्रदान तत्पुरुष
(B) अपादान तत्पुरुष
(C) अधिकरण तत्पुरुष
(D) सम्बन्ध तत्पुरुष

73. **उड़नखटोला :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

74. **उड़नतश्तरी :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

75. **कमलाक्ष :**
(A) द्वन्द्व (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

76. **क्रोधाग्नि :**
(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) द्विगु

77. **खड़ीबोली :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) तत्पुरुष

78. **चरणकमल :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

79. **चरमसीमा :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

80. **नराधम :**
(A) अव्ययीभाव (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

81. **नीलोत्पल :**
(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

82. **महापुरुष :**
(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

83. **महात्मा :**
(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) तत्पुरुष

84. **वीरबाला :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) द्वन्द्व

85. **शिष्टाचार :**
(A) बहुव्रीहि (B) कर्मधारय
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

86. **सन्मार्ग :**
(A) बहुव्रीहि (B) कर्मधारय
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

87. **सज्जन :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

88. **हताश :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

89. **अठवारा :**
(A) द्विगु समास
(B) द्वन्द्व समास
(C) कर्मधारय समास
(D) बहुव्रीहि समास

90. **एकांकी :**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) बहुव्रीहि (D) तत्पुरुष

91. **एकतरफा :**
(A) कर्मधारय (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

92. **चौकोर :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

93. **चौपाई :**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

94. **तिकोना :**
(A) कर्मधारय (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

95. **तिगुना :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष (D) कर्मधारय

96. **तिराहा :**
(A) बहुव्रीहि (B) तत्पुरुष
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

97. **त्रिभुवन :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

98. **दुलत्ती :**
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

99. **दुधारी :**
(A) अव्ययीभाव (B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

100. **दोपहर :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

101. **नवग्रह :**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

102. **षड्रस :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

103. **सतसई :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

104. **आगापीछा :**
(A) द्वन्द्व समास
(B) द्विगु समास
(C) कर्मधारय समास
(D) बहुव्रीहि समास

105. **आजकल :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

106. **आनाजाना :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

107. **गरमठंडा :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) तत्पुरुष (D) बहुव्रीहि

108. **घरद्वार :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

109. **चलताफिरता :**
(A) तत्पुरुष (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

110. **चिट्ठीपत्री :**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

111. **झगड़ाझंझट :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) अव्ययीभाव (D) बहुव्रीहि

112. **टूटफूट :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

113. **दालरोटी/दालभात :**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) अव्ययीभाव (D) तत्पुरुष

114. **दिनरात :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

115. **भीतर-बाहर :**
(A) द्वन्द्व (B) द्विगु
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

116. **माता-पिता :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

117. **रामकृष्ण :**
(A) द्वन्द्व समास
(B) बहुव्रीहि समास
(C) नञ् समास
(D) कर्मधारय समास

118. **राग-द्वेष :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

119. **सागपात :**
(A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

120. **सेठसाहूकार :**
(A) कर्मधारय (B) बहुव्रीहि
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

121. **हम-तुम :**
(A) द्विगु (B) द्वन्द्व
(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

122. **अद्वितीय (निराला) :**
(A) बहुव्रीहि
(B) द्विगु
(C) कर्मधारय
(D) अव्ययीभाव

123. **चारपाई (खाट) :**
(A) द्वन्द्व (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) बहुव्रीहि

124. **चौकन्ना (जागरूक) :**
(A) अव्ययीभाव (B) द्वन्द्व
(C) द्विगु (D) बहुव्रीहि

125. **दिगम्बर (जैन मुनि) :**
(A) बहुव्रीहि (B) द्विगु
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

126. **धनंजय (अर्जुन) :**
(A) अव्ययीभाव (B) बहुव्रीहि
(C) द्विगु (D) तत्पुरुष

127. **नवरात्रि (चैत्र और आसोज की विशिष्ट नौ रातें) :**
(A) तत्पुरुष (B) कर्मधारय
(C) बहुव्रीहि (D) अव्ययीभाव

128. **वज्रायुध (इन्द्र) :**
(A) बहुव्रीहि (B) अव्ययीभाव
(C) द्विगु (D) द्वन्द्व

129. **वक्रतुण्ड (गणेश) :**
(A) तत्पुरुष (B) बहुव्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) द्विगु

130. **हरिजन (दलित वर्ग) :**
(A) द्विगु (B) बहुव्रीहि
(C) तत्पुरुष (D) अव्ययीभाव

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (C) 4. (D) 5. (B)
6. (B) 7. (A) 8. (D) 9. (A) 10. (C)
11. (D) 12. (C) 13. (A) 14. (B) 15. (B)
16. (C) 17. (B) 18. (C) 19. (A) 20. (C)
21. (D) 22. (D) 23. (A) 24. (B) 25. (B)
26. (C) 27. (C) 28. (D) 29. (C) 30. (D)
31. (A) 32. (B) 33. (A) 34. (B) 35. (D)
36. (A) 37. (C) 38. (D) 39. (A) 40. (B)
41. (C) 42. (C) 43. (B) 44. (C) 45. (A)
46. (B) 47. (D) 48. (C) 49. (B) 50. (C)
51. (A) 52. (A) 53. (A) 54. (B) 55. (D)
56. (A) 57. (D) 58. (A) 59. (B) 60. (C)
61. (A) 62. (B) 63. (D) 64. (A) 65. (C)
66. (D) 67. (A) 68. (D) 69. (B) 70. (B)
71. (B) 72. (C) 73. (B) 74. (C) 75. (D)
76. (B) 77. (C) 78. (C) 79. (D) 80. (D)
81. (A) 82. (A) 83. (B) 84. (A) 85. (B)
86. (B) 87. (C) 88. (A) 89. (A) 90. (B)
91. (C) 92. (A) 93. (B) 94. (D) 95. (A)
96. (C) 97. (D) 98. (C) 99. (D) 100. (A)
101. (B) 102. (D) 103. (A) 104. (A) 105. (B)
106. (C) 107. (B) 108. (C) 109. (D) 110. (A)
111. (B) 112. (C) 113. (A) 114. (B) 115. (A)
116. (B) 117. (A) 118. (B) 119. (C) 120. (D)
121. (B) 122. (A) 123. (D) 124. (D) 125. (A)
126. (B) 127. (C) 128. (A) 129. (B) 130. (B)

●●●

मुहावरे

मुहावरा एक ऐसा वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराता है. वाक्यांश शब्द से स्पष्ट है कि मुहावरा संक्षिप्त होता है, परन्तु अपने इस संक्षिप्त रूप में ही बड़े विचार या भाव को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करता है. जैसे—**'नौ दो ग्यारह होना'** एक मुहावरा है जिसका अर्थ है—**'भाग जाना'** और यह अर्थ व्यंजना द्वारा ही जाना जा सकता है, क्योंकि इस वाक्यांश का वाच्यार्थ होता है—नौ और दो मिलकर ग्यारह होते हैं. यहाँ वाच्यार्थ नहीं ग्रहण किया जाएगा, यहाँ यह भी जान लेना आवश्यक है कि न तो मुहावरे के शब्द स्थान को परिवर्तित किया जा सकता है और न ही उसके किसी शब्द विशेष के स्थान पर उसका पर्यायवाची शब्द ही रखा जा सकता है. उदाहरणार्थ **'आग बबूला होना'** के स्थान पर 'बबूला आग होना' या 'पावक बबूला होना' कहने से मुहावरा अशुद्ध हो जाएगा और उसकी सौम्यता नष्ट हो जाएगी. 'अरबी' भाषा का 'मुहावर' : शब्द हिन्दी में **'मुहावरा'** और उर्दू में **'मुहाविरा'** नाम से अभिहित किया जाता है. इसका अर्थ है—'अभ्यास' या 'बातचीत'. कुछ लोग मुहावरा को **'रोजमर्रा'** या **'वाग्धारा'** भी कहते हैं. मुहावरों के प्रयोग से भाषा में सजीवता, गतिशीलता, सौन्दर्य और लालित्य आ जाता है.

प्रतियोगी परीक्षाओं में मुहावरे और लोकोक्तियों से सम्बन्धित कई प्रकार के प्रश्न आते हैं. प्रायः देखा गया है कि सामान्य हिन्दी के प्रश्न पत्र में मुहावरे और कहावतों से सम्बन्धित प्रश्न अवश्य पूछे जाते हैं. अतएव अभ्यर्थियों को इस प्रकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए. प्रतियोगी परीक्षाओं में जिस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं इस प्रकरण में प्रस्तुत किए जा रहे हैं.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में मुहावरे दिए गए हैं प्रत्येक मुहावरे का अर्थ बताने के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं इनमें एक अर्थ सही है, आपको सबसे उपयुक्त (सही) विकल्प का चयन करना है.

1. **अंग-अंग ढीला होना :**
(A) बहुत थक जाना
(B) कमजोर होना
(C) अंगों का बीमार होना
(D) भयभीत हो जाना

2. **अँगारे उगलना :**
(A) आग लगाना
(B) क्रोध में कठोर वचन कहना
(C) जले हुए कोयले को इकट्ठा करना
(D) आग बुझाना

3. **अँगूठा दिखाना :**
(A) धोखा देना
(B) इनकार करना
(C) खुशामद करना
(D) आदर प्रकट करना

4. **अन्धे की लकड़ी :**
(A) बहुत कमजोर होना
(B) किसी अन्धे व्यक्ति का बेंत/छड़ी
(C) बिलकुल असमर्थ होना
(D) एकमात्र सहारा

5. **अन्धे के हाथ बटेर लगना :**
(A) अनायास ही मिलना
(B) अन्धा भी अपना लक्ष्य प्राप्त कर सकता है
(C) अयोग्य को पुरस्कार मिलना
(D) अन्धे व्यक्ति को प्रसन्न करना

6. **अक्ल का पुतला :**
(A) अत्यन्त मूर्ख (B) अत्यन्त धूर्त
(C) बहुत चतुर (D) बहुत बुद्धिमान

7. **अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरना :**
(A) मूर्खतापूर्ण कार्य करना
(B) उद्दंड होना
(C) मनमानी करना
(D) झगड़ालू प्रवृत्ति का होना

8. **अपना सा मुँह लेकर रह जाना :**
(A) किसी कार्य में सफल होना
(B) अनुकूल जवाब प्राप्त होना
(C) लज्जित होना
(D) पुरस्कार न मिलना

9. **अपना सिक्का जमाना :**
(A) किसी को धौंस दिखाना
(B) लोगों को आतंकित करना
(C) प्रशासनिक कार्य कुशल होना
(D) अपना प्रभुत्व स्थापित करना

10. **अपनी खिचड़ी अलग पकाना :**
(A) सबसे अलग रहना
(B) अनर्गल बातें करना
(C) अपने ही कार्य में लगे रहना
(D) स्वयंपाकी होना

11. **अपनी माँ का दूध पिए होना :**
(A) तन्दुरुस्त होना
(B) साहसी और शक्तिशाली होना
(C) झगड़ालू होना
(D) वफादार होना

12. **आँख मूँद कर काम करना :**
(A) पूर्ण विश्वास करना
(B) किसी की परवाह न करके अपना काम करना
(C) सोच-समझकर काम करना
(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

13. **आँखों का तारा होना :**
(A) बहुत प्यारा होना
(B) बहुत मूल्यवान वस्तु
(C) गहन आत्मविश्वास होना
(D) क्रोध करना

14. **आड़े हाथों लेना :**
(A) खरी खोटी सुनाना
(B) मारपीट करना
(C) झगड़ा करना
(D) मुसीबत में सहायता करना

15. **आधा तीतर आधा बटेर होना :**
(A) उचित सामंजस्य का अभाव
(B) छोटा बड़ा होना
(C) रंग बिरंगा होना
(D) बेमेल तथा बेढंगा

16. **आसमान पर थूकना :**
(A) प्रतिष्ठित व्यक्ति की निंदा करना
(B) ऊपर की ओर थूकना
(C) किसी की प्रशंसा करना
(D) अधिक लाभ लेकर बेचना

17. **आसमान से बातें करना :**
(A) सबको तुच्छ समझना
(B) अपनी शेखी बघारना/बहुत ऊँचा बनना
(C) विघ्न या बाधा डालना
(D) टाल-मटोल करना

18. **इज्जत उतारना :**
(A) लालची होना
(B) ठंडी साँस खींचना
(C) व्यर्थ बकवास करना
(D) अपमानित करना

19. **इधर-उधर करना :**
(A) चुगली करना/झगड़ा लगाना

(B) हेरा-फेरी करना
(C) वस्तुओं में मिलावट करना
(D) किसी बात को गोपनीय रखना

20. **ईंट से ईंट बजाना :**
(A) दो ईंटों से बाजा बजाना
(B) ईंट तोड़ना
(C) नष्ट कर देना
(D) प्रत्येक ईंट को सँभालकर रखना

21. **उँगली उठना :**
(A) परेशान करना
(B) बदनामी या उपहास का पात्र होना
(C) निष्पक्ष न्याय करना
(D) किसी की निन्दा करना

22. **उँगली करना :**
(A) खर्च न करना
(B) परेशान करना या सताना
(C) छेद में उँगली डालना
(D) किसी चीज को परखना

23. **उड़ती चिड़िया पहचानना :**
(A) पक्षियों का विशेषज्ञ होना
(B) भेद की बात जानना
(C) शिकारी होना
(D) अंतर्यामी होने का प्रदर्शन करना

24. **उधार खाए बैठना :**
(A) ऋणी होना
(B) कंगाल होना
(C) किसी बात पर तुल जाना
(D) आलसी होना

25. **ऋण उतारना :**
(A) टोना करना
(B) झाड़-फूँक करना
(C) किसी से कर्ज लेना
(D) कर्ज अदा करना

26. **एक आँख से सबको देखना :**
(A) काना व्यक्ति
(B) सबसे समान व्यवहार करना
(C) निशाना लगाना
(D) आँख मारना

27. **ऐसा-वैसा समझना :**
(A) अत्यधिक सम्मान देना
(B) असलियत मालूम होना
(C) भेद न जान सकना
(D) साधारण या तुच्छ मानना

28. **ओंठ चबाना :**
(A) क्रोध प्रकट करना
(B) लालच करना
(C) अनावश्यक बोलना
(D) छिपाकर कुछ खाना

29. **ओढ़ना उतारना :**
(A) सिर ढककर रहना
(B) पगड़ी बाँधना
(C) अपमानित करना
(D) मुँह देखना

30. **औंधा गिरना :**
(A) धोखा खाना
(B) पराजित होना
(C) अपमानित करना
(D) बुद्धिहीन व्यक्ति होना

31. **औंधी खोपड़ी का :**
(A) उद्दंड व्यक्ति
(B) मूर्ख व्यक्ति
(C) पागल व्यक्ति
(D) जिद्दी व्यक्ति

32. **कंधे से कंधा छिलना :**
(A) बराबर की टक्कर होना
(B) शत्रु से गले मिलना
(C) भारी भीड़ होना
(D) घनिष्ठ मित्रता होना

33. **कच्ची गोली खेलना :**
(A) अनुभवहीन होना
(B) पराजित हो जाना
(C) किसी को धोखा देना
(D) पराजित होना

34. **कलेजा ठंडा होना :**
(A) बहुत खुश होना
(B) मर जाना
(C) किसी को कष्ट देना
(D) संतोष होना

35. **कलेजा धक से रह जाना :**
(A) किसी को दुःखी देखकर परेशान होना
(B) एकाएक डर जाना
(C) इच्छा पूरी न होना
(D) दुर्घटना में चोट लगना

36. **कहा-सुनी होना :**
(A) झगड़ा होना
(B) परेशान होना
(C) अनसुनी कर देना
(D) ध्यान न देना

37. **काँटा दूर होना :**
(A) असुरक्षित होना
(B) बाधाओं से छुटकारा पाना
(C) सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होना
(D) शत्रु की मृत्यु होना

38. **काठ होना :**
(A) सचेत होना
(B) मूर्ख होना
(C) निश्चेष्ट होना
(D) स्तब्ध होना

39. **कान खोलना :**
(A) सजा देना
(B) सावधान कर देना
(C) दूसरों के विचार जानना
(D) अपना मंतक किसी को न बताना

40. **कान पकड़ना :**
(A) जान-बूझकर गलती करना
(B) कभी गलती न करना
(C) दूसरों की कमियाँ निकालना
(D) गलती मान लेना

41. **कान पर जूँ तक न रेंगना :**
(A) कुछ भी परवाह न करना
(B) स्वच्छ होना
(C) सिर मुड़ा देना
(D) चौकन्ना होना

42. **काफूर होना :**
(A) तीव्र दर्द होना
(B) तेज दौड़ना
(C) गायब हो जाना
(D) गहरी नींद में सोना

43. **काला नाग :**
(A) विषधर सर्प
(B) खोटा या घातक व्यक्ति
(C) तीव्र बुद्धि वाला व्यक्ति
(D) काला धन रखने वाला

44. **कोढ़ में खाज होना :**
(A) किसी बीमार व्यक्ति को अन्य बीमारी होना
(B) समस्या समाधान हेतु साधनों का अभाव
(C) दुःख पर और दुःख होना
(D) उपर्युक्त सभी

45. **खटाई में पड़ना :**
(A) परेशानी में पड़ना
(B) रुक जाना/टल जाना
(C) सफल हो जाना
(D) स्थायित्व होना

46. **खाक छानना :**
(A) अपना रास्ता स्वयं चुनना
(B) विश्लेषण करना
(C) मारा-मारा फिरना
(D) श्रम करना

47. **गंगा नहाना :**
(A) कठिन कार्य पूरा होना
(B) पवित्र होना
(C) सदाचार का प्रदर्शन करना
(D) किसी कार्य को अधूरा छोड़ देना

48. **गाल बजाना :**
(A) डींग हाँकना
(B) शिव की आराधना करना
(C) खुशियाँ बनाना
(D) बहुत गरीबी होना

49. **गिरगिट की तरह रंग बदलना :**
(A) बहुरुपिया होना
(B) यायावर होना
(C) अपना मत/वृत्ति / व्यवहार बदलते रहना
(D) विदूषक होना

50. **गुड़ गोबर कर देना :**
(A) गुड़ में गोबर मिलाना
(B) अच्छे बुरे का ज्ञान न होना
(C) सभी को एक साथ करना
(D) बना-बनाया काम बिगाड़ देना

51. **गूलर का फूल होना :**
(A) व्यर्थ की बात कहना
(B) कभी भी दिखाई न देना
(C) स्पष्ट दिखाई देना
(D) कभी-कभी दिखाई देना

52. **गेहूँ के साथ घुन पिस जाना :**
(A) सभी को चोट लगना
(B) दोषी के साथ निर्दोष का भी अहित हो जाना
(C) आटा अशुद्ध हो जाना
(D) अच्छे लोगों के मध्य बुरा आदमी

53. **घड़ियाँ गिनना :**
(A) बेचैनी से प्रतीक्षा करना
(B) अधिक बीमार होना
(C) बहुत कमजोर होना
(D) मृत्यु का समय निकट होना

54. **घर फूँक तमाशा देखना :**
(A) किसी की झोंपड़ी जलना
(B) होली तापना
(C) अपनी हानि करके मौज उड़ाना
(D) अधिक कर्ज लेने की प्रवृत्ति

55. **घी-खिचड़ी होना :**
(A) खूब घुलना-मिलना/घनिष्ठता
(B) स्वाद बढ़ना
(C) पौष्टिकता की वृद्धि होना
(D) मकर संक्रांति पर्व मनाना

56. **चलती गाड़ी में रोड़ा अटकाना :**
(A) गाड़ी को पंचर कर देना
(B) गाड़ी में अचानक ब्रेक लगाना
(C) बनते हुए काम में विघ्न डालना
(D) इनमें से कोई नहीं

57. **चाँद पर थूकना :**
(A) नास्तिक होना
(B) गुरुजनों की आज्ञा न मानना
(C) चाँदी का पीकदान रखना
(D) अच्छे आदमी पर कलंक लगाना

58. **चार दिन की चाँदनी :**
(A) मौज ही मौज होना
(B) अत्यधिक आमदनी होना
(C) दुकानदारी में लाभ ही लाभ होना
(D) थोड़े दिनों का सुख

59. **चिकना घड़ा :**
(A) बेशर्म (B) खूबसूरत
(C) बदसूरत (D) चरित्रहीन

60. **चिराग तले अंधेरा होना :**
(A) अत्यंत निर्धनता
(B) अपने पास का वातावरण ठीक न होना
(C) उजाला कम होना
(D) दीपक बुझ जाना

61. **चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना :**
(A) डर से घबराना
(B) स्वास्थ्य ठीक न होना
(C) अत्यधिक सुंदर होना
(D) कुरुप होना

62. **चोटी का पसीना एड़ी तक आना :**
(A) प्रतिदिन कसरत करना
(B) कड़ा परिश्रम करना
(C) दौड़ना
(D) कूदना

63. **छक्के छुड़ाना :**
(A) क्रिकेट के खेल का एक नियम
(B) घायल करना
(C) हराना
(D) परेशान करना

64. **छक्के छूटना :**
(A) पराजित होना
(B) बुद्धि चकरा जाना
(C) जीत जाना
(D) संघर्ष करना

65. **छाती पर मूँग दलना :**
(A) मूँग की दाल बनाना
(B) पास रहकर बहुत दुःख देना
(C) दूर रहकर दुःख देना
(D) कठिन परिश्रम करना

66. **जमीन पर पैर न पड़ना :**
(A) अभिमानी होना
(B) थक जाना
(C) नाजुक होना
(D) कल्पनाशील होना

67. **जलती आग में घी डालना :**
(A) क्रोध भड़काना
(B) यज्ञ करना
(C) मूल्यवान वस्तु को नष्ट करना
(D) घी की शुद्धता की परीक्षा करना

68. **जली-कटी सुनाना :**
(A) सत्य बोलना
(B) बुरा-भला कहना
(C) आप्त वचन बोलना
(D) शास्त्र-सम्मत कहना

69. **जी का जंजाल :**
(A) समीप (पड़ोस) रहने वाला शत्रु
(B) गरीबी में गृहस्थी चलाना
(C) व्यर्थ का झंझट
(D) अत्यधिक और आवश्यक कार्य

70. **टका सा जवाब देना :**
(A) बेइज्जत करना
(B) अशोभनीय कार्य करना
(C) गाली देना
(D) साफ इनकार करना

71. **टका सा मुँह लेकर रह जाना :**
(A) लज्जित हो जाना
(B) कुछ भी प्राप्त न कर सकना
(C) प्रतियोगिता में असफल हो जाना
(D) इनमें से कोई नहीं

72. **टिप्पस लगाना :**
(A) रिश्वत देना
(B) निशाना लगाना
(C) शिफारिश करवाना
(D) झूठी बातें मिलाना

73. **ठन-ठन गोपाल :**
(A) बना-ठना नवयुवक
(B) खोखला
(C) धनवान
(D) शक्तिशाली

74. **ठीकरा फोड़ना :**
(A) चाय पीकर कुल्हड़ फोड़ देना
(B) माखन चोरी करना
(C) दोषारोपण करना
(D) रास-लीला करना

75. **डंका बजाना :**
(A) सूचना जन-जन तक पहुँचाना
(B) आतंक मचाना
(C) लोगों का शोषण करना
(D) ख्याति प्राप्त करना

76. **डोरे डालना :**
(A) धोखा देना
(B) मछली पकड़ने का उपाय करना
(C) प्रेम में फँसाना
(D) सिलाई का काम करना

77. **तीर मारना :**
(A) शिकार करना
(B) बड़ा काम करना
(C) तीर चलाना
(D) तीर चलाने में निपुण होना

78. **तेली का बैल होना :**
(A) तेली के साथ बैल की तरह काम करना
(B) काम न करने हेतु बहाना बनाना
(C) मन लगाकर काम नहीं करना
(D) हर समय काम में लगे रहना

79. **तोते की तरह आँखें फेर लेना :**
(A) पुराने सम्बन्धों को एकदम भुला देना
(B) किसी रोग से बुरी तरह ग्रस्त होना
(C) दोस्त के साथ विश्वासघात करना
(D) बिना सोचे समझे निर्णय लेना

80. **दमड़ी के तीन होना :**
(A) अति उपयोगी वस्तु
(B) अधिक मूल्यवान वस्तु
(C) सस्ता होना
(D) अनायास ही प्राप्त होना

81. **दमड़ी के लिए चमड़ी उधेड़ना :**
(A) निकम्मे व्यक्ति को पीटना
(B) अपराधी को दंडित करना
(C) दमदार व्यक्ति पर हाथ चलाना
(D) मामूली-सी बात के लिए भारी दंड देना

82. **दाँतों तले उँगली दबाना :**
(A) पीड़ा को दूर करना
(B) आश्चर्यचकित होना
(C) सोच-विचार करना
(D) कुछ न बोलना

83. **दाम लगाना :**
(A) मूल्य आँकना
(B) पूरी कीमत देना
(C) लागत मात्र देना
(D) मोल-भाव करना

84. **दाल में काला होना :**
(A) दाल का स्वच्छ न होना
(B) दाल में मिलावट
(C) शक-शुबह होना
(D) दाल में नमक अधिक होना

85. **दिनों का फेर होना :**
(A) भाग्य का चक्कर
(B) समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता
(C) निरन्तर लाभ होना
(D) निरंतर हानि होना

86. **दिमाग आसमान पर चढ़ना :**
(A) उच्च विचारों में खोया हुआ व्यक्ति
(B) बहुत घमंड होना
(C) अधिक दहेज माँगना
(D) तरक्की करना

87. **धज्जियाँ उड़ाना :**
(A) दुर्गति करना
(B) सफाई करना
(C) गंदगी को जला देना
(D) इनमें से कोई नहीं

88. **धूप में बाल सफेद करना :**
(A) अनुभवहीन जीवन व्यतीत करना
(B) अनुभवी जीवन व्यतीत करना
(C) अधिक उम्र का व्यक्ति
(D) बचपन में ही बाल सफेद होना

89. **नकेल हाथ में होना :**
(A) बस में होना
(B) अधिक पूँजी होना
(C) किसी से कोई सम्बन्ध न होना
(D) मन में अच्छी तरह बैठ जाना

90. **नहले पर दहला मारना :**
(A) करारा जवाब देना
(B) ताश खेलना
(C) दूरदर्शन का एक कार्यक्रम
(D) अधिक बलवान होना

91. **नाक का बाल होना :**
(A) बहुत प्यारा होना
(B) अपमानित होना
(C) अनुनय-विनय करना
(D) किसी बात को छिपा लेना

92. **निन्यानबे के फेर में पड़ना :**
(A) धन संग्रह में लगे रहना
(B) अपने व्यवसाय को बढ़ाना
(C) कमी न होने देना
(D) लालच में दोस्ती करना

93. **नौ-दो ग्यारह होना :**
(A) योग सही होना
(B) भाग जाना
(C) गणित में तेज होना
(D) पैदल चलना

94. **पटरी बैठना :**
(A) रेलवे की लाइन धँस जाना
(B) तख्त या दरवाजों की मरम्मत करवाना
(C) मन मिलना या अच्छे सम्बन्ध होना
(D) दो लोगों में वैमनस्य होना

95. **पत्थर की लकीर होना :**
(A) बात पर अटल होना
(B) पत्थर तोड़ना
(C) पत्थर पर रेखा खींचना
(D) पत्थर जोड़ना

96. **पलक पाँवड़े बिछाना :**
(A) आराम के लिए बिस्तर बिछाना
(B) किसी के मार्ग में अवरोध उत्पन्न करना
(C) स्वार्थवश मित्रता करना
(D) आदर से स्वागत करना

97. **पानी पीकर पर पूछना :**
(A) विपरीत काम करना
(B) अनोखा काम करना
(C) आराम से विचार करना
(D) काम निकलने के बाद सोचना

98. **पासंग भी न होना :**
(A) अत्यधिक समान होना
(B) अत्यन्त लघु होना
(C) तुलना में बहुत कम होना
(D) तुलना में बड़ा होना

99. **फूलकर कुप्पा होना :**
(A) बहुत अधिक खाना
(B) पेट फूल जाना
(C) बहुत खुश या बहुत नाराज होना
(D) बदहजमी होना

100. **बखिया उधेड़ना :**
(A) किसी की गुप्त बातों को प्रकट करना
(B) खेत की मेड़ तोड़ देना
(C) किसी के कपड़े फाड़ना
(D) अशिष्ट ढंग से हँसना

101. **बच्चों का खेल :**
(A) अनाड़ीपन का प्रदर्शन करना
(B) सरल काम
(C) कार्य बिगाड़ना
(D) बात-बात में झगड़ना

102. **बाछें खिल जाना :**
(A) हरी-भरी फसल देखकर खुश होना
(B) निरन्तर तरक्की होना
(C) अत्यन्त प्रसन्न हो जाना
(D) इनमें से कोई नहीं

103. **बात का धनी होना :**
(A) वचन का पक्का होना
(B) परोपकारी व्यक्ति
(C) तुरन्त प्रसन्न होने वाला
(D) बहुत पैसे वाला व्यक्ति

104. **बेपेंदी का लोटा :**
(A) ढुलमुल व्यक्ति
(B) तुच्छ व्यक्ति
(C) निर्धन व्यक्ति
(D) चुगलखोर व्यक्ति

105. **बेसिर-पैर की हाँकना :**
(A) सार्थक बात करना

(B) निरर्थक बातें करना
(C) नपी-तुली बात करना
(D) निष्पक्ष बात करना

106. **भीगी बिल्ली बनना :**
(A) किसी बिल्ली का भीग जाना
(B) सहम जाना
(C) अत्यन्त आक्रामक होना
(D) किसी पर हमला करना

107. **भेड़िया धसान :**
(A) कपटपूर्ण व्यवहार
(B) धूर्तता
(C) अंधानुकरण
(D) चालाकी

108. **मक्खियाँ मारना :**
(A) बेकार रहना
(B) मच्छरमार दवा का छिड़काव करना
(C) कमजोर व्यक्ति को परेशान करना
(D) अनाचारण में लिप्त होना

109. **मजा किरकिरा होना :**
(A) किए हुए अपराध का दंड पाना
(B) आनन्द में विघ्न पड़ना
(C) किए हुए अपराध का दंड देना
(D) हँसी/उपहास करना

110. **मन के लड्डू खाना :**
(A) इच्छा पूरी होना
(B) मन स्थिर न रहना
(C) कल्पना करके प्रसन्न होना
(D) किसी से प्रेम होना

111. **मुट्ठी में करना :**
(A) भ्रम में रखना
(B) मनमानी करना
(C) वश में न रहना
(D) वश में करना

112. **मैदान मारना :**
(A) जीतना
(B) षड्यंत्र सफल होना
(C) युद्ध करना
(D) जमीन पर कब्जा करना

113. **रंग में भंग होना :**
(A) कई रंग आपस में मिल जाना
(B) आनन्द या हँसी-खुशी में विघ्न पड़ना
(C) पेंटिंग खराब हो जाना
(D) पेय पदार्थ में भाँग घुली होना

114. **रंग लाना :**
(A) प्रभाव जमाना
(B) चेहरे का रंग उड़ जाना
(C) नवीन प्रभाव या गुण दिखाना
(D) खुशियाँ मनाना

115. **लल्लो-चप्पो करना :**
(A) छोटे से बच्चे को प्यार करना
(B) रूठे मित्र को मनाना
(C) चिकनी-चुपड़ी बातें करना
(D) मूर्ख बनाना

116. **लहू के आँसू पीना :**
(A) लोहे के व्यवसाय में घाटा होना
(B) किसी को मानसिक पीड़ा देना
(C) अपमान का बदला लेना
(D) दुःख सह लेना

117. **लाल-पीला होना :**
(A) रंग बदलना
(B) बहुत गुस्सा आना
(C) तेवर बदलना
(D) मुद्राएं बनाना

118. **लुटिया डुबोना :**
(A) कुएं से पानी निकालना
(B) लोटे से जल पीना
(C) हानि करना
(D) प्यास बुझाना

119. **लोहा लेना :**
(A) लोहे का सामान खरीदना
(B) सामना/लड़ाई करना
(C) लौह तत्त्व युक्त खाद्य पदार्थ ग्रहण करना
(D) पीलिया रोग का उपचार करना

120. **वाहवाही लूटना :**
(A) लोगों को खुश कर देना
(B) उपकार करना
(C) प्रशंसा प्राप्त करना
(D) कृतज्ञता ज्ञापित करना

121. **विष उगलना :**
(A) अपमान सहन कर लेना
(B) उल्टी होना
(C) मीठी-मीठी बातें करके स्वार्थ निकालना
(D) दुर्वचन कहना

122. **शैतान की आँत :**
(A) अत्यंत लम्बी रस्सी
(B) अनिश्चित आकृति वाला व्यक्ति
(C) बहुत लम्बी बात या वस्तु
(D) इनमें से कोई नहीं

123. **श्रीगणेश करना :**
(A) आरम्भ करना
(B) पूजा करना
(C) प्रतिष्ठा करना
(D) शुभ कार्यों में लगे रहना

124. **संसार से उठना या विदा होना :**
(A) किसी को जान से मार देना
(B) मर जाना
(C) संन्यासी होना
(D) अपमानित होना

125. **सफेद झूठ :**
(A) ऐसा झूठ बोलना जो सत्य प्रतीत हो
(B) अधिकांश सत्य और कुछ झूठ होना
(C) बिलकुल असत्य
(D) बिलकुल सत्य

126. **साँप को दूध पिलाना :**
(A) बुरे के साथ नेकी करना
(B) नाग-पूजा करना
(C) धूर्त व्यक्ति को पहचानना
(D) प्रत्युपकार करना

127. **सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाना :**
(A) अमंगल की भावना दूर होना
(B) भयभीत हो जाना
(C) उत्साहित होना
(D) व्यापार में लाभ होना

128. **सींग काटकर बछड़ों में मिलना :**
(A) नाना प्रकार के वेष धारण करना
(B) बूढ़े होकर भी बच्चों जैसा काम करना
(C) कोई विशेषता होना
(D) आराम से सोना

129. **सीधे मुँह बात न करना :**
(A) बातें न करना
(B) बात-बात में झगड़ना
(C) नाराजगी प्रकट करना
(D) सीधे बात करने को तैयार न होना

130. **सूरज को दीपक दिखाना :**
(A) आरती करना
(B) व्रत और पूजन करना
(C) जो स्वयं श्रेष्ठ हो उसके विषय में कुछ कहना
(D) रास्ता बताना

131. **हथेली पर जान लिए फिरना :**
(A) मरने की परवाह न करना
(B) संकटग्रस्त मित्र की सहायता करना
(C) कोई काम कराने के लिए जल्दी करना
(D) अस्त्र-शस्त्र से सज्जित होना

132. **हथेली पर सरसों उगाना/जमाना :**
(A) संभव को असंभव कर देना
(B) विलंब से काम करने की आदत
(C) असंभव को संभव कर देना
(D) हद से जल्दी काम करने की इच्छा

133. **हाथ पसारना :**
(A) विस्तार करना (B) माँगना
(C) देना (D) लेना

134. **हाथ-पाँव फूल जाना :**
(A) बीमार होना
(B) कमजोर होना
(C) भयभीत होना
(D) हाथ-पाँव का सूज जाना

135. **हालत पतली होना :**
(A) दयनीय दशा होना
(B) मानसिक पीड़ा सह लेना
(C) अत्यधिक थक जाना
(D) हालत में धीरे-धीरे सुधार होना

136. **हुलिया तंग होना :**
(A) रास्ते की चौड़ाई कम होना
(B) परेशान होना
(C) बहुत क्रोधित होना
(D) आर्थिक तंगी होना

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (B) 4. (D) 5. (A)
6. (D) 7. (A) 8. (C) 9. (D) 10. (A)
11. (B) 12. (B) 13. (A) 14. (A) 15. (D)
16. (A) 17. (B) 18. (D) 19. (A) 20. (C)
21. (B) 22. (B) 23. (B) 24. (C) 25. (D)
26. (B) 27. (D) 28. (A) 29. (C) 30. (A)
31. (B) 32. (C) 33. (A) 34. (A) 35. (B)
36. (A) 37. (B) 38. (C) 39. (B) 40. (D)
41. (A) 42. (C) 43. (B) 44. (C) 45. (B)
46. (C) 47. (A) 48. (A) 49. (C) 50. (D)
51. (C) 52. (B) 53. (A) 54. (C) 55. (A)
56. (C) 57. (D) 58. (D) 59. (A) 60. (B)
61. (A) 62. (B) 63. (C) 64. (A) 65. (B)
66. (A) 67. (A) 68. (B) 69. (C) 70. (D)
71. (A) 72. (C) 73. (B) 74. (C) 75. (D)
76. (C) 77. (B) 78. (D) 79. (A) 80. (C)
81. (D) 82. (B) 83. (A) 84. (C) 85. (A)
86. (B) 87. (A) 88. (A) 89. (A) 90. (A)
91. (A) 92. (A) 93. (B) 94. (C) 95. (A)
96. (D) 97. (D) 98. (C) 99. (C) 100. (A)
101. (B) 102. (C) 103. (A) 104. (A) 105. (B)
106. (B) 107. (C) 108. (A) 109. (B) 110. (C)
111. (D) 112. (A) 113. (B) 114. (C) 115. (C)
116. (D) 117. (B) 118. (C) 119. (B) 120. (C)
121. (D) 122. (C) 123. (A) 124. (B) 125. (C)
126. (A) 127. (B) 128. (B) 129. (B) 130. (C)
131. (A) 132. (C) 133. (B) 134. (C) 135. (A)
136. (B)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में एक भाव दिया गया है, जिसे व्यक्त करने के लिए चार-चार मुहावरे दिए गए हैं. आपको इनमें से सर्वाधिक उपयुक्त (सही) मुहावरे का चयन करना है.

1. **अत्यन्त प्रसन्न हो जाना :**
(A) अंग में अंग न समाना
(B) अंक में भरना
(C) अंग-अंग ढीला होना
(D) अपनी बीती सुनाना

2. **दीन या अपाहिज का सहारा :**
(A) आँचल फैलाना
(B) अंधे के हाथ बटेर लगना
(C) चोली-दामन का साथ होना
(D) अंधे की लाठी/लकड़ी

3. **बहुत बुद्धिमान व्यक्ति :**
(A) अक्ल का पुतला
(B) अक्ल पर परदा पड़ना
(C) अक्ल के पीछे लट्ठ लिए फिरना
(D) अक्ल का दुश्मन

4. **मर्यादा का उल्लंघन करना :**
(A) तेली का बैल होना
(B) अठखेलियाँ सूझना
(C) अथ और इति करना
(D) अति करना

5. **स्वार्थ सिद्ध करना :**
(A) अपना उल्लू सीधा करना
(B) अपना-अपना राग अलापना
(C) अरमान निकालना
(D) अपना घर समझना

6. **निर्लज्ज हो जाना :**
(A) उधार खाना
(B) आँख का पानी मर जाना
(C) आँखों के आगे अँधेरा छा जाना
(D) खीस निपोरना

7. **वास्तविकता का ज्ञान होना :**
(A) आँख खोलना
(B) ढोल में पोल होना
(C) आँख खुलना
(D) आँखें फेरना

8. **'ऐन मौके पर विपत्ति निवारण का प्रयास करना' :**
(A) तुरन्त दान महाकल्याण
(B) आग लगाकर पानी को दौड़ना
(C) आग से पानी हो जाना
(D) आग लगने पर कुआ खोदना

9. **'कहीं का कहीं कर देना' :**
(A) इधर-उधर करना
(B) इधर की उधर लगाना
(C) इज्जत से खेलना
(D) इधर की दुनिया उधर हो जाना

10. **'किसी बात को अत्यन्त गोपनीय रखना':**
(A) इधर की दुनिया उधर हो जाना
(B) इस कान की बात उस कान तक न जाने देना
(C) इस कान सुनना उस कान उड़ा देना
(D) इधर-उधर झाँकना

11. **'दुष्ट के साथ दुष्टता करना' :**
(A) ईमान का सौदा
(B) ईंट से ईंट बजाना
(C) ईंट का जवाब पत्थर से देना
(D) इनमें से कोई नहीं

12. **'दोषारोपण करना' :**
(A) उड़ती खबर
(B) उँगली उठाना
(C) उखड़ी-उखड़ी बातें करना
(D) उगल देना

13. **'झूठी शिकायत करना' :**
(A) उल्टी-सीधी जड़ना
(B) उल्टी साँस लेना
(C) उबल पड़ना
(D) उल्टी माला फेरना

14. **'अधिक आवश्यकता के लिए थोड़ा सामान' :**
(A) ऊँचे-नीचे पैर पड़ना
(B) ऊँच-नीच समझना
(C) ऊँट के मुँह में जीरा
(D) ऊँट के गले में बिल्ली बाँधना

15. **'निष्फल काम करना' :**
(A) ऊसर में बीज बोना
(B) ऊपरी मन से कुछ करना
(C) ऊसर-मूसर होना
(D) ऊल-जलूल बकना

16. **'तनिक भी अच्छा न लगना :**
(A) एक ही आवे के बर्तन होना
(B) एक आँख न भाना
(C) एक आँख से सबको देखना
(D) एक-एक साँस गिनना

17. **'सबके साथ एक समान व्यवहार करना' :**
(A) एक सूत्र में बाँधना
(B) एक से इक्कीस होना
(C) एक स्वर से कहना
(D) एक लकड़ी/लाठी से हाँकना

18. **'तुच्छ या मामूली आदमी जिसकी कोई हैसियत न हो' :**
(A) काठ का उल्लू
(B) आस्तीन का साँप
(C) ऐरा-गैरा नत्थू खैरा
(D) जिस थाली में खाना उसी में छेद करना

19. **सबसे निराला होना :**
(A) और का और होना
(B) और तो क्या

(C) और ही कुछ होना
(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

20. **'ऐसा काम करना जिससे विफलता हाथ लगे' :**
(A) कच्ची-पक्की समझना
(B) कच्ची गोली खेलना
(C) कच्ची पक्की बात कहना
(D) कच्ची नींद जगाना

21. **'अलग-थलग रहना :**
(A) कभी हाँ कभी ना करना
(B) कतरब्योंत करना
(C) कटा-कटा रहना
(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

22. **'ध्यानपूर्वक या सावधानी से सुनना' :**
(A) कान काटना
(B) कान चौकन्ने करना
(C) कान भरना
(D) कान खोलकर सुनना

23. **'यथाशक्ति सब उपायों से काम लेना' :**
(A) कोई न कोई
(B) कोई उपाय उठा न रखना
(C) कैफियत तलब करना
(D) कुछ कहते न बनना

24. **'संकट पर संकट होना' :**
(A) कोठी बैठना
(B) कोदों दलना
(C) कोढ़ में खाज
(D) कोई-कसर न रखना

25. **'खूब धन कमाना' :**
(A) खड़िया में कोयला मिलाना
(B) खड्गसिंह बनना
(C) खजाना भरना
(D) इनमें से कोई नहीं

26. **'प्रश्न करके परेशान करना' :**
(A) खोपड़ी मानना
(B) खोपड़ी गंजी करना
(C) खोपड़ी खुजलाना
(D) खोपड़ी खाना

27. **'अव्यावहारिक कल्पनाएं करना' :**
(A) ख्याल पर चढ़ना
(B) ख्याली पुलाव पकाना
(C) ख्याल न रहना
(D) इनमें से कोई नहीं

28. **जल से भरा पात्र लेकर कोई बात शपथपूर्वक कहना :**
(A) गंगाजली उठाना
(B) गंगा नहाना
(C) गंगा लाभ लेना
(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

29. **'किसी को भारी हानि पहुँचाना' :**
(A) गरदन पर छुरी फेरना
(B) गरदन दबाना
(C) गरदन उड़ाना
(D) गरदन पर जुआ रखना

30. **'आवेदक या याचक को कोई वस्तु न देना' :**
(A) घंट के नीचे जाना
(B) घंटा दिखाना
(C) घंटा हिलाना
(D) घड़ियाँ गिनना

31. **'परिवार का यश तथा धन वैभव बढ़ाने वाला' :**
(A) घर का उजाला
(B) घर आबाद करना
(C) घर का सपूत
(D) घर का न घाट का

32. **'घनिष्ठ सम्बन्ध प्रकट करने वाला' :**
(A) एक शरीर दो जान
(B) दूध शक्कर सा मिलना
(C) एक ही थैली के चट्टे-बट्टे
(D) चोली दामन का साथ होना

33. **'सब सुख भूल जाना' :**
(A) छठी का दूध याद आना
(B) छठी का राजा
(C) छत्तीस का सम्बन्ध होना
(D) छप्पर न रखना

34. **'निर्जन स्थान में आनन्द करना' :**
(A) जंगल जाना
(B) जंतर-मंतर करना
(C) जंगल में शिकार करना
(D) जंगल में मंगल करना

35. **'ऐसा काम करना जिससे प्राण जाने का डर हो' :**
(A) जान छुड़ाना
(B) जान न्योछावर करना
(C) जान जोखिम में डालना
(D) जान से हाथ धो बैठना

36. **'जान-बूझकर झगड़े में पड़ना' :**
(A) झंडी दिखाना
(B) झंडा खड़ा करना
(C) झंडे तले आना
(D) झंझट मोल लेना

37. **'बिलकुल नष्ट कर देना' :**
(A) झाड़ू फेरना
(B) झाड़-फूँक करना
(C) झाड़ू मारना
(D) झाड़-झंकाड़ होना

38. **'साफ इनकार कर देना' :**
(A) टका सा मुँह लेकर रह जाना
(B) टका सा जवाब देना
(C) टके का आदमी
(D) टका सीधा करना

39. **'क्रूर या शत्रुतापूर्ण दृष्टि' :**
(A) टेढ़े-टेढ़े जाना
(B) टेढ़ी-सीधी सुनना
(C) टेढ़ी खीर
(D) टेढ़ी आँख से देखना

40. **'किसी का क्रोध शांत हो जाना':**
(A) ठंडा हो जाना
(B) ठंडा करना
(C) ठंडी आहें भरना
(D) ठंडे-ठंडे चलना

41. **'नियन्त्रण या देख-रेख कम करना :**
(A) डोरा डालना
(B) डोरी पर चढ़ना
(C) डोरी खींचना
(D) डोरी ढीली करना

42. **'किसी नियम के अनुसार काम करना' :**
(A) ढंग पकड़ना
(B) ढर्रा निकालना
(C) ढंग पर लाना
(D) ढल जाना

43. **'कोई भयंकर खतरा बराबर बना रहना :**
(A) तलवार म्यान से बाहर रहना
(B) तलवार सिर पर लटकती रहना
(C) तलवार खींचना
(D) तलवार के घाट उतारना

44. **'बात-बात में आपत्ति करना' :**
(A) तीन में न तेरह में
(B) तीन-तेरह होना
(C) तीन-पाँच करना
(D) तीन लोक से न्यारा

45. **'ऐसा आदमी जिसका कोई सिद्धान्त न हो' :**
(A) थूककर चाटना
(B) थुक्का फजीहत होना
(C) थाली का बैंगन
(D) थाह मिलना

46. **'डरते-डरते कोई बात कहना' :**
(A) दबे-दबाए पड़े रहना
(B) दम घुटना
(C) दबदबा मानना
(D) दबी जबान से कहना

47. **किसी के घर पर बार-बार तकाजे के लिए जाना :**
(A) दरवाजे की मिट्टी खोद डालना
(B) दरवाजे पर पड़ा रहना
(C) दरवाजे पर हाथी घूमना
(D) दरवाजा दिखाना

48. **'तिरस्कारपूर्वक निकाल बाहर करना' :**
(A) धक्कम-धुक्की करना
(B) धक्का खाते फिरना
(C) धक्के देकर निकालना
(D) धज्जियाँ उड़ाना

49. **'अनुनय-विनय करना' :**
(A) नाक-भौं चढ़ाना
(B) नाक रगड़ना
(C) नाक पर मक्खी न बैठने देना
(D) नाक पर सुपाड़ी तोड़ना

50. **'घृणित या तुच्छ समझना' :**
(A) नीचा देखना
(B) नीचा दिखाना
(C) नीची दृष्टि से देखना
(D) नींद हराम होना

51. **'बुरे रास्ते पर जाने के लक्षण दिखाई देना' :**
(A) पंख लगना
(B) पंजे में फँसना
(C) पंथ पर लाना
(D) पहुँचे हुए औलिया

52. **'असंभव कार्य करने का प्रयास करना' :**
(A) पत्थर पर धान जामना
(B) पत्थर पर दूब जमाना
(C) पत्थर तले से निकल जाना
(D) पत्थर तले हाथ आना

53. **'पाप की पराकाष्ठा में पहुँच जाना' :**
(A) पाप उदय होना
(B) पाप कमाना
(C) पाप का घड़ा भरना
(D) पाप मोल लेना

54. **'हिम्मत बढ़ाना' :**
(A) पीठ दिखाना
(B) पीठ पर होना
(C) पीठ फेरना
(D) पीठ पर हाथ फेरना

55. **'निन्दनीय आचरण वाला' :**
(A) बगुला भगत
(B) बगल गरम करना
(C) बछिया का ताऊ
(D) बड़ी बात होना

56. **'साफ या यथार्थ बात करना' :**
(A) बैर मोल लेना
(B) बेतुकी हाँकना
(C) बे सिर-पैर की बातें करना
(D) बेलाग बात करना

57. **रहस्य या भेद प्रकट करना :**
(A) भंडाफोड़ करना
(B) भगदड़ मचना
(C) भट्टी में जाना
(D) भरी थाली में लात मारना

58. **'युक्ति सफल होना' :**
(A) मंजिल दिखाना
(B) मंत्र मारना
(C) मंत्र चलना
(D) मंत्र देना

59. **'कोई ऐसा अनुचित काम करना जिसके कारण पीछे हानि हो' :**
(A) मक्कर करना
(B) मक्खन लगाना
(C) मक्खी की तरह निकाल देना
(D) मक्खी निगलना

60. **'भय या लज्जा से चेहरे की रौनक समाप्त हो जाना' :**
(A) रंग उड़ना
(B) रंग में भंग होना
(C) रंग आना
(D) रंग खिलना

61. **'जरा सी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर कहना' :**
(A) राई-नोन उतारना
(B) राई का पर्वत होना
(C) राई का पर्वत बनाना
(D) राई-काई करना

62. **'खूब धन प्राप्त करना' :**
(A) लम्बे हाथ मारना
(B) लम्बी-चौड़ी हाँकना
(C) लम्बा होना
(D) लम्बी साँस लेना

63. **'किसी के मन में विश्वास उत्पन्न करना':**
(A) विश्वास जमाना
(B) विश्वास उठ जाना
(C) विपत्ति मोल लेना
(D) विधि बैठना

64. **'किसी निरर्थक वस्तु को सँभालकर रखना' :**
(A) शान में फर्क आना
(B) शामत आना
(C) शान बघारना
(D) शहद लगाकर चाटना

65. **'कोई ऐसा आदमी वश में होना जिससे बहुत लाभ हो' :**
(A) शिकार फँसना
(B) शिकार खेलना
(C) शिकार बन जाना
(D) शिकार होना

66. **'भय और आश्चर्य के कारण स्तब्धता होना' :**
(A) सनसनी फैलना
(B) सनक सवार होना
(C) सनीचर सवार होना
(D) सन्नाटा खींचना

67. **'कोई बुरा काम करने के लिए गुप्त योजना बनाना' :**
(A) सराय का कुत्ता होना
(B) साँठ-गाँठ करना
(C) साँस लेने की फुर्सत न होना
(D) साँड़ की तरह घूमना

68. **'कोई गुप्त योजना बनाना' :**
(A) हत्थे पर चढ़ना
(B) हथकंडा रचना
(C) हथियार उठाना
(D) हथेली लगाना

उत्तस्माला

1. (A) 2. (D) 3. (A) 4. (D) 5. (A)
6. (B) 7. (C) 8. (D) 9. (A) 10. (B)
11. (C) 12. (B) 13. (A) 14. (C) 15. (A)
16. (B) 17. (D) 18. (C) 19. (C) 20. (B)
21. (C) 22. (D) 23. (B) 24. (C) 25. (C)
26. (D) 27. (B) 28. (A) 29. (A) 30. (B)
31. (A) 32. (D) 33. (A) 34. (D) 35. (C)
36. (D) 37. (A) 38. (B) 39. (D) 40. (A)
41. (D) 42. (A) 43. (B) 44. (C) 45. (C)
46. (D) 47. (A) 48. (C) 49. (B) 50. (C)
51. (A) 52. (B) 53. (C) 54. (D) 55. (A)
56. (D) 57. (A) 58. (C) 59. (D) 60. (A)
61. (C) 62. (A) 63. (A) 64. (D) 65. (A)
66. (A) 67. (B) 68. (B)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ग]

निर्देश—नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में मुहावरायुक्त कथन दिया गया है। कथन में प्रयुक्त मुहावरे के अर्थ स्वरूप चार-चार विकल्प दिए गए हैं आपको सही अर्थ वाला विकल्प चुनना है—

1. कहि पठई जिय भावती, पिय आवन की बात।
फूली आँगन में फिरै, अंग न अंग समात॥ —बिहारी
(A) अत्यन्त प्रसन्न होना
(B) मोटापा आ जाना
(C) भारी हो जाना
(D) अन्यमनस्क हो जाना

2. कहाँ ऐसी चतुराई पढ़ी आय यदुराई,
अँगुरी पकरि पहुँचो को पकरत हैं। —सेनापति
(A) हानिप्रद कार्य करना
(B) थोड़ा आश्रय पाकर विस्तृत अधिकार करने का उपाय करना
(C) चरित्र या ईमानदारी पर संदेह व्यक्त करना
(D) आलिंगन करना

3. "जो रसातल जाति को हैं भेजते,
क्यों न उनकी **आँख की पट्टी खुली**।"
—अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(A) जातिवादी भावना प्रबल होना
(B) जातिवाद से दूर रहना
(C) अज्ञान या भ्रम दूर होना
(D) आँखों का ऑपरेशन होना

4. इन खुशामदी मित्रों ही ने मेरा करवाया है नाश।
अब आँखें खुल गई विश्व में, नहीं किसी का है विश्वास।। **—गुरुभक्त सिंह**
(A) आँखें स्वस्थ होना
(B) किसी पर विश्वास न करना
(C) चापलूस मित्र घातक होते हैं
(D) वास्तविकता का ज्ञान होना

5. ऐसी बानी बोलिए, मन का **आपा खोय**।
औरन को शीतल करै, आपहु शीतल होय।। **—कबीर**
(A) लोगों को प्रसन्न करना
(B) स्वयं प्रसन्न होना
(C) अभिमान का त्याग करना
(D) इनमें से कोई नहीं

6. कलजुग नहीं करजुग है यह, यहाँ दिन को दे और रात को ले।
क्या खूब सौदा नकद है, **इस हाथ से दे उस हाथ से ले**।। **—नजीर**
(A) खरीददारी करना
(B) कलयुग का प्रभाव
(C) बहुत परिश्रम करना
(D) तत्काल फल मिलना

7. सूर स्याम **चित से नहिं उतरत** वह वन कुंज भली। **—सूरदास**
(A) स्मरण शक्ति की तीव्रता
(B) गोपिकाओं की शिकायत
(C) विस्मृत न होना
(D) उलाहना देना

8. हम बनेंगे क्यों, बनो तो तुम बनो।
हम भरेंगे दाम, तुम्हीं **चुटकी भरो**।।
—अयोध्या सिंह 'उपाध्याय'
(A) चुटकी बजाना
(B) चुटकी काटना
(C) शरारत करना
(D) चुभती हुई बात कहना

9. वह भी तुझको ताक रहा है, लखने को उत्फुल्ल वदन।
तुझे देखकर भूल गए हैं, **भरना भी चौकड़ी** हिरन।। **—गुरुभक्त सिंह**
(A) तेज भागना/उछलना-कूदना
(B) सतर्क होना
(C) घास चरना
(D) इनमें से कोई नहीं

10. तो न कैसे जाय **जी पर खेल** वह
है अगर जी पर किसी के आ बनी।
—अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(A) खिलवाड़ करना
(B) प्राणों की बाजी लगा देना
(C) प्राण संकट में होना
(D) शोषण करना

11. किया हो कहीं किसी ने दोष
कि जिसके कारण है यह रोष,
बता दो तुम उसका नाम
दैव है निश्चय उस पर वाम।
—मैथिलीशरण गुप्त
(A) भाग्य अनुकूल होना
(B) भाग्य प्रतिकूल होना
(C) भाग्य चमकना
(D) भाग्य बनाना

12. साईं इस संसार में भाँति-भाँति के लोग।
सबसे मिल के बैठिए, **नदी नाव संयोग**।।
(A) उत्तरदायित्व सँभालना
(B) पारस्परिक वैमनस्यता
(C) संयोग या इत्तिफाक का साथ
(D) भार ढोना

13. रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरै मोती मानुष चून।।
(A) प्रतिष्ठा नष्ट होना

(B) प्रतिष्ठा में वृद्धि होना
(C) चमक आना
(D) बहुत सस्ता होना

14. जो कहिए सो कीजिए, पहले कर निरधार।
पानी पी घर पूछनो, नाहिन भलो विचार।। **—वृंद**
(A) रास्ता पूछना
(B) किसी कार्य को करने के बाद उसके औचित्य पर विचार करना
(C) घर का कुशलक्षेम पूछना
(D) पानी पिलाने वाले की सहायता करना

15. "भारत के राजनीतिक दल राजनीति के विविध तत्त्वों और विचारधाराओं का मिला-जुला समझौता अथवा **भानमती का पिटारा** है। कांग्रेस भी भानमती का पिटारा थी, जनता तो है ही।" **—अज्ञेय**
(A) जादूगरनी की गृहस्थी
(B) अनावश्यक वस्तुएँ
(C) आश्चर्यजनक वस्तुओं का संग्रह
(D) जालसाजी के उपकरण

16. "काम करके ही जगह से जो हटा,
वह सका है टाल, **माथे का लिखा**।"
(A) हस्तरेखा ज्ञान
(B) भाग्य की बात
(C) असंभव होना
(D) इनमें से कोई नहीं

17. "कोई दूसरा होता, तो अवसर पाते ही सबलसिंह और कंचन सिंह के प्राण ले लेता। पर इन्होंने उन्हें **मौत के मुँह से निकाल लिया**।" **—प्रेमचन्द**
(A) घोर संकट या मृत्यु से बचा लेना
(B) शत्रु से रक्षा करना
(C) मुक्त कर देना
(D) इनमें से कोई नहीं

18. "सोहनपाल और धीर संतुष्ट हुए, परन्तु इस तरह की इन सब प्रतिज्ञाओं में दिवाकर को किसी विशेष कर्कशता की गंध न आती थी। इसलिए उसका मन **येन-केन प्रकारेण** वैर शोध की बात को स्वीकृत नहीं करता था।"
—वृन्दावनलाल वर्मा
(A) सरल रूप में
(B) किसी प्रकार/जैसे-तैसे
(C) इसी प्रकार
(D) ऐसा वैसा

19. **लीक-लीक गाड़ी चलै लीकहि चलै** कपूत।
लीक छोड़ तीनहिं चलैं, सायर सिंह सपूत।। **—कबीर**
(A) पुरानी प्रथा या परिपाटी का अनुसरण करना
(B) पंक्तिबद्ध चलना
(C) सीधे सरल मार्ग पर चलना
(D) नवीन रास्ता अपनाना

20. तेग बहादुर जो किया, किया कौन मुरशीद।
सिर दीन्हों सार न दिया, सांचा अमर शहीद।।
(A) स्वाभिमान देना
(B) प्राण न्यौछावर करना
(C) सम्मान देना
(D) कुछ भी न देना

21. कितनी बरसातें देखी हैं, हूँ, हीर नहीं कच्ची लकड़ी।
मैं गाकर **सेंध लगाती** हूँ, फिर भी न गई अब तक पकड़ी।। **—गुरुभक्त सिंह**
(A) हाथ की सफाई दिखाना
(B) जेब काटना
(C) खोखला करना
(D) चोरी के लिए दीवार में छेद करना

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (C) 4. (D) 5. (C)
6. (D) 7. (C) 8. (D) 9. (A) 10. (B)
11. (B) 12. (C) 13. (A) 14. (B) 15. (C)
16. (B) 17. (A) 18. (B) 19. (A) 20. (B)
21. (D)

●●●

लोकोक्तियाँ या कहावतें

कहावत का अर्थ है—'ऐसी कही हुई बात जिसमें जीवन के अनुभवों को संक्षिप्त एवं विलक्षण ढंग से व्यक्त किया गया हो और वह समय की कसौटी पर खरी उतरती हों.' कहावत को सूक्ति, सुभाषित और लोकोक्ति भी कहते हैं. कहावतें हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं. ये इतिहास में किन्हीं विशिष्ट घटनाओं एवं परिस्थितियों से उपज कर भाषा के माध्यम से देश और काल में छा जाती हैं. कहावतें समाज का भाषाई इतिहास होती हैं अतएव इनका प्रयोग प्रयोक्ता की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक सजगता का द्योतक होता है. कहावतें ढली-ढलाई वक्रताएं हैं जो अपने स्थिर अर्थ के बावजूद भी वक्ता के मनोभाव को चमक के साथ प्रस्तुत करती हैं.

प्रतियोगी परीक्षाओं में कहावतों या लोकोक्तियों से सम्बन्धित प्रश्न प्रायः अवश्य पूछे जाते हैं. अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे किसी अच्छे लोकोक्ति कोश का अध्ययन करें। प्रतियोगी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इससे सम्बन्धित बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर दिए जा रहे हैं—

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश : नीचे दिए गए प्रत्येक प्रश्न में एक कहावत दी गई है, जिसके चार-चार संभावित अर्थ दिए गए हैं. इनमें से एक ही अर्थ (विकल्प) सही है. आपको सही अर्थ वाले विकल्प का चयन करना है.

1. **अंधा क्या चाहे दो आँखें :**
   (A) इच्छित वस्तु का अनायास ही मिल जाना
   (B) ईश्वर सर्वशक्तिमान है
   (C) असंभव कामना करना
   (D) सबसे मूल्यवान वस्तु प्राप्त करके प्रसन्न होना
2. **अंधा गाए बहरा बजाए :**
   (A) अंधे गाने-बजाने में उस्ताद होते हैं
   (B) दो मूर्खों का एक साथ मिलकर कोई कार्य करना
   (C) अंधे संगीतप्रिय होते हैं
   (D) अंधे और बहरे सुर-ताल मिलाकर गाते हैं
3. **अंधी पीसे कुत्ता खाय :**
   (A) अंधी आटा पीसती तो है, लेकिन उसे मजदूरी नहीं मिलती
   (B) अंधी नहीं देख सकती अतः कुत्ता खा लेता है
   (C) अंधे लोगों को कुत्ता नहीं पालना चाहिए
   (D) किसी के परिश्रम का लाभ कोई अन्य ले
4. **अपनी गली में कुत्ता भी शेर होता है' :**
   (A) कुत्तों की सामान्य प्रवृत्ति
   (B) अपने क्षेत्र में सभी सशक्त होते हैं
   (C) अपनी गली में कुत्ता दूसरे कुत्तों को नहीं आने देता है
   (D) कुत्ता अपने क्षेत्र में वफादार होता है
5. **'अपनी-अपनी ढफली अपना-अपना राग':**
   (A) अपने काम से काम
   (B) सभी अपनी-अपनी व्यथा से पीड़ित हैं
   (C) मनमानी करना
   (D) निरंतर अपने कार्य में लगे रहना
6. **'अपनी पगड़ी अपने हाथ' :**
   (A) पगड़ी स्वयं बाँधना चाहिए
   (B) दूसरे की पगड़ी में हाथ नहीं लगाना चाहिए
   (C) अपनी पगड़ी स्वयं उतारनी चाहिए
   (D) अपने सम्मान को बनाए रखना स्वयं से संभव है
7. **अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गईं खेत :**
   (A) कार्य बिगड़ जाने के बाद पछताना व्यर्थ है
   (B) चिड़ियों को खेत के निकट नहीं आने देना चाहिए
   (C) चिड़ियों को तुरंत उड़ा देना चाहिए
   (D) पछताने से पाप कटता है
8. **'आँख का अंधा गाँठ का पूरा :**
   (A) मूर्ख किंतु धनी
   (B) एकदम मूर्ख
   (C) जो व्यक्ति अपना हित अनहित न समझे
   (D) हठी व्यक्ति किसी का कहना नहीं मानता
9. **आए थे हरिभजन को ओटन लगे कपासः**
   (A) कार्यस्थल पर पहुँचकर अन्य काम की याद आना
   (B) अच्छे कार्य के लिए जाना और बुरे काम में फँस जाना
   (C) भक्ति छोड़कर माया मोह में फँसना
   (D) प्रेम में आसक्त होकर सब कुछ भूल जाना
10. **'आगे नाथ न पीछे पगहा, सबसे भला कुम्हार का गदहा' :**
   (A) जेल से फरार कैदी
   (B) पालतू पशु द्वारा रस्सी तुड़ाकर भाग जाना
   (C) बिल्कुल स्वतन्त्र
   (D) इनमें से कोई नहीं
11. **आया कुत्ता खा गया तू बैठी ढोल बजा :**
   (A) दुर्व्यसनी व्यक्ति की स्थिति
   (B) लापरवाह व्यक्ति की स्थिति
   (C) आलसी व्यक्ति की स्थित
   (D) देखते ही देखते सब कुछ लुट जाने की स्थिति
12. **उतर गई लोई तो क्या करेगा कोई :**
   (A) प्रतिष्ठा चली जाने पर व्यक्ति निर्लज्ज और निर्भीक हो जाता है
   (B) साधन हीन व्यक्ति विवश होता है
   (C) बदनाम व्यक्ति को बुराई से क्या डर
   (D) सब नष्ट हो जाने के बाद सहायता का क्या लाभ
13. **उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे :**
   (A) कोतवाल द्वारा चोर को डाँटना
   (B) दोषी होने पर धौंस जमाना
   (C) कोतवाल भय द्वारा अपराध का पता लगाता है
   (D) इनमें से कोई नहीं
14. **ऊधो का लेना न माधो का देना :**
   (A) भक्ति भाव से दूर रहना
   (B) अपने काम से काम रखना, किसी के झगड़े में न पड़ना
   (C) देश छोड़कर चला जाना
   (D) हिसाब साफ रखना उधार खाता न करना
15. **'ऊसर बरसे तृन नहिं जामें' :**
   (A) ऊसर भूमि में घास नहीं उगती
   (B) ऊसर भूमि में सुधार संभव है
   (C) मूर्ख को उपदेश देना व्यर्थ है
   (D) उपदेश देने से मूर्ख भी विद्वान् बन जाते हैं
16. **'एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा' :**
   (A) दोहरा कटुत्व/दुर्गुण
   (B) करेला का पौधा नीम के वृक्ष पर नहीं चढ़ता

(C) नीम के सहारे करेला में औषधीय गुण आ जाते हैं

(D) करेले का उपयोग औषधि-निर्माण में होता है

17. **एक पंथ दो काज/एक ढेले से दो शिकार :**

(A) बहुत से लाभ उठाना

(B) एक उपाय से दो कार्यों का होना

(C) अलग-अलग मार्ग पर चलना

(D) अत्यंत लोभी होना

18. **ऐब को भी हुनर चाहिए :**

(A) गलत कार्य करने के लिए अक्ल चाहिए

(B) शरारती लोग हुनरमंद होते हैं

(C) आजकल हुनर/तकनीकी ज्ञान का विशेष महत्व है

(D) यदि तकनीकी ज्ञान/हुनर है, तो शरारती भी रोजगार पा जाते हैं

19. **ऐसी करनी ना करे जो करके पछताय :**

(A) समय पर भूल हो जाए, तो पछताना व्यर्थ है

(B) ऐसा कार्य न करें जिससे बाद में पछताना पड़े

(C) प्रायश्चित से पाप कटता है

(D) उपर्युक्त सभी सही हैं

20. **ओखली में सिर दिया तो मूसलों से क्या डरना :**

(A) जीवन में विपत्तियाँ तो आती रहती हैं

(B) जानबूझ कर गलत कार्य न करें

(C) पाप का फल भोगना पड़ेगा

(D) जब कार्य करना ही है, तो आने वाली विपत्तियों से नहीं डरना चाहिए

21. **और बात खोटी, सही बात रोटी :**

(A) परिश्रम से ही रोटी मिलेगी

(B) भूख भोजन से ही मिटती है

(C) भोजन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है

(D) उपदेश रोटी से अधिक महत्वपूर्ण है

22. **कबीरदास की उल्टी बानी बरसै कम्बल भीगे पानी :**

(A) वर्षा में कम्बल भींगना

(B) अस्वभाविक बातें करना

(C) बाह्य आडम्बर का विरोध

(D) उपर्युक्त सभी

23. **करे दाढ़ी वाला पकड़ा जाय मूछों वाला :**

(A) निरपराध व्यक्ति का दंडित होना

(B) गलती मुसलमान की पकड़ा जाए हिन्दू

(C) बड़े की गलती पर छोटे का दंडित होना

(D) चालाक अपराधी पकड़ा नहीं जाता

24. **काला अक्षर भैंस बराबर :**

(A) निरक्षर व्यक्ति के लिए पुस्तकें व्यर्थ हैं

(B) भैंस की आकृति का अक्षर

(C) लेखन कार्य में काली स्याही का प्रयोग

(D) काली स्याही से लिखावट सुंदर लगती है

25. **कोई ईर घाट तो कोई बीर घाट :**

(A) घरों में भीड़ होना

(B) एक घाट से दूसरे घाट दौड़ना

(C) तालमेल न होना

(D) घाटों पर वीरता दिखाना

26. **'खाली बनिया क्या करे इस कोठी का धान उस कोठी में धरे' :**

(A) निरंतर काम में लगे रहने की प्रवृत्ति

(B) अनाज में मिलावट करना

(C) व्यावसायिक लाभ के लिए परिश्रम करना

(D) बेकार आदमी उल्टे-सीधे ही काम करता है

27. **खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे :**

(A) कायरतापूर्ण व्यवहार करना

(B) व्यर्थ में झुझलाना

(C) किसी बात पर शर्मिन्दा होकर क्रोध प्रकट करना

(D) अपने से बड़ों पर क्रोध करना

28. **गंगा गए गंगादास जमुना गए जमुनादास :**

(A) सिद्धान्तहीन व्यक्ति की आदत

(B) अवसरवादी व्यक्ति की आदत

(C) चरित्रहीन व्यक्ति की आदत

(D) जो व्यक्ति सामने आए उसकी प्रशंसा करना

29. **गरीब तेरे तीन नाम झूठा पाजी बेईमान :**

(A) गरीबों को लोग अपमानित करते हैं

(B) गरीब झूठ बोलते हैं

(C) गरीब बेईमान नहीं होते हैं

(D) गरीब लोग प्रायः झूठे, पाजी और बेईमान होते हैं

30. **घर का जोगी जोगना आन गाँव का सिद्धः**

(A) घर में सुख परदेश में दुःख

(B) अपने घर में योगी बनना

(C) अपने गाँव-घर की अपेक्षा अन्यत्र अधिक सम्मान मिलता है

(D) बाहर (दूर) से आए हुए महात्मा को सभी सम्मान देते हैं

31. **घर की खाँड़ किरकिरी लागै पड़ोसी का गुड़ मीठा :**

(A) अपनी अच्छी वस्तु से दूसरों की साधारण सी वस्तु अधिक अच्छी लगती है

(B) पड़ोसी की सभी वस्तुएं अच्छी होना

(C) अपने घर की खाँड़ अच्छी नहीं होती

(D) गुड़ स्वास्थ्यवर्द्धक होता है

32. **चंदन की चुटकी भली गाड़ी भरा न काठ :**

(A) उत्तम वस्तु थोड़ी भी अच्छी है

(B) थोड़े चंदन की अपेक्षा गाड़ी भर लकड़ी उपयुक्त है

(C) एक गाड़ी लकड़ी महीनों ईंधन के काम आएगी

(D) गाड़ी भर लकड़ी से एक चुटकी चंदन अधिक कीमती है

33. **'चमड़ी जाय पर दमड़ी न जाय' :**

(A) बहुत कंजूस होना

(B) सस्ता सामान खरीदना

(C) चापलूस होना

(D) मर जाए पर पैसा न जाए

34. **चार दिन की चाँदनी फिर अंधेरी रात :**

(A) चाँदनी रात अच्छी लगती है

(B) अल्प समय में ही लाभ/सुख होना

(C) आसमान में चाँद खिला है

(D) तारे रात में टिमटिमाते हैं

35. **चिराग गुल पगड़ी गायब :**

(A) नाटक आरम्भ होते ही बिजली गायब होना

(B) अंधेरे में जेब कतरे प्रसन्न होते हैं

(C) मौका मिलते ही चीज गायब कर देना

(D) इनमें से कोई नहीं

36. **चुका वायदा दिखाया कायदा :**

(A) नीति के अनुसार आचरण करना चाहिए

(B) कायदे से काम करना अच्छा होता है

(C) वायदा निभाना ही चाहिए

(D) स्वार्थ सिद्ध होते ही नजर बदल देना

37. **छछूँदर के सिर में चमेली का तेल :**

(A) कुरूप के लिए सौन्दर्य प्रसाधन

(B) सौन्दर्य प्रसाधन का दुरुपयोग करना

(C) अयोग्य को उच्च अधिकार मिलना

(D) इनमें से कोई सही नहीं

38. **छप्पर पर फूस नहीं ड्योढ़ी पर नाच :**

(A) गरीब लोग नाच के शौकीन होते हैं

(B) गरीब व्यक्ति द्वारा अमीरी का प्रदर्शन

(C) शादी में राजसी प्रदर्शन करना

(D) इनमें से कोई नहीं

39. **जहाँ न जाए रवि वहाँ जाए कवि :**

(A) कवि की कल्पना अनन्त होती है

(B) कवि निरंकुश होता है

(C) कवि भावप्राण होता है

(D) कवि के लिए कुछ भी अगम्य नहीं

40. **जाके पाँव न फटी बिवाई, सो क्या जाने पीर पराई :**

(A) जिसने स्वयं कष्ट नहीं सहा है वह दूसरों की सहायता नहीं करता

(B) दूसरों के दुःख दर्द को समझकर मदद करना चाहिए

(C) जिसने कष्ट नहीं भोगा वह दूसरों के दुःख दर्द को नहीं समझता है

(D) इनमें से कोई नहीं

41. **जिसकी लाठी उसकी भैंस :**

(A) भैंस को नियंत्रित करने के लिए लाठी आवश्यक है

(B) जबरदस्त का बोलबाला

(C) बिना बल प्रयोग के काम नहीं चलता

(D) लड़ाई झगड़ा करके किसी की भैंस ले लेना

42. **जैसे नाग नाथ वैसे साँप नाथ :**

(A) सभी एक समान दुष्ट प्रकृति वाले हैं

(B) सभी एक समान हैं

(C) सबके साथ समान व्यवहार करना चाहिए

(D) सबको समान समझना चाहिए

43. **झटपट की घानी आधा तेल आधा पानी :**

(A) खाद्य पदार्थों में मिलावट करना

(B) बिना देखे जल्दी में खरीददारी न करें

(C) बनिया मिलावट करने में देर नहीं करता

(D) जल्दी का काम अच्छा नहीं होता

44. **टके की मुर्गी नौ टके महसूल :**

(A) आय से कर (Tax) अधिक होना

(B) कर-दाताओं का सामान्य कथन

(C) विवशता यदि रिश्वत देनी पड़े तब यह कहावत कही जाती है

(D) कम मूल्य की वस्तु के रख-रखाव पर अधिक व्यय

45. **ठंडा लोहा गरम लोहे को काट देता है :**

(A) तप्त लोहे पर ठंडा लोहा चोट करता है

(B) क्रोध पर शांति की विजय होती है

(C) तप्त लोहा कोमल हो जाता है

(D) इनमें से कोई नहीं

46. **डरें लोमड़ी से नाम शेर खाँ :**

(A) भूमिहीन व्यक्ति का नाम पृथ्वीपाल

(B) कुरूप व्यक्ति का नाम सुंदर लाल

(C) नाम के विपरीत गुण होना

(D) इनमें से कोई नहीं

47. **डायन को भी दामाद प्यारा :**

(A) कर्कशा भी दामाद का आदर करती है

(B) सभी महिलाओं को दामाद प्रिय होता है

(C) दामाद की विशेष सेवा करना

(D) दुष्ट भी सम्बन्धों का ख्याल रखते हैं

48. **ढाक तले की फूहड़, महुए तले की सुघड़ :**

(A) फूहड़ औरत को ढाक की छाया प्रिय होती है

(B) गरीब को मूर्ख और धनवान को गुणवान माना जाता है

(C) मूर्ख को ढाक के फूल अच्छे लगते हैं

(D) सुन्दर औरतें महुआ पसंद करती हैं

49. **तलवार मारे एक बार एहसान मारे बार-बार :**

(A) तलवार से एक ही बार में मनुष्य मरता है

(B) उपकार करना श्रेष्ठ है

(C) किसी का किया हुआ उपकार बार-बार याद आता है

(D) तलवार से कलम की जीत अच्छी होती है

50. **तिरिया तेल हमीर हठ चढ़े न दूजी बार :**

(A) महिलाएं प्रायः जिद्दी होती हैं

(B) स्त्रियों के तेल एक बार ही चढ़ता है

(C) राजा और साधु की जिद खराब होती है

(D) दृढ़ प्रतिज्ञ लोग अपनी बात पर डटे रहते हैं

51. **थोथा चना बाजे घना :**

(A) खाद्य पदार्थों में मिलावट

(B) चने में घुन लगना

(C) अल्पज्ञ सदैव डींग हाँकता है

(D) घुना हुआ चना भी मूल्यवान होता है

52. **थोड़ा खाना बनारस में रहना :**

(A) नगर का जीवन सुखमय होता है

(B) नगर में सुविधाएं अधिक होती हैं

(C) बनारस में रहकर भक्ति करना उत्तम है

(D) सज्जनों के साथ रहने को मिले, तो थोड़ी आमदनी पर भी संतोष कर लेना चाहिए

53. **दगा किसी का सगा नहीं :**

(A) धोखेबाज व्यक्ति हर-एक को धोखा दे सकता है

(B) बुरे कर्मों का नतीजा भी बुरा होता है

(C) अपराधियों के मित्र वफादार नहीं होते

(D) वफादार साथी धोखा नहीं देगा

54. **दबा बनिया पूरा तौले :**

(A) कम तौलने की आदत होना

(B) दबाव या अधिकार में रहकर व्यक्ति ईमानदारी करता है

(C) सही तौलने वाला विश्वसनीय होता है

(D) कम तौलना पाप है

55. **'धन दे जी को राखिए' जी दे राखे लाज':**

(A) धन खर्च करके प्राणों की रक्षा और प्राण देकर इज्जत की रक्षा करनी चाहिए

(B) जहाँ तक हो हर-एक की इज्जत का ख्याल रखना चाहिए

(C) यदि कुछ खर्च/हानि हो, तब भी दूसरों की लाज बचाना चाहिए

(D) इनमें से कोई नहीं

56. **नंग बड़ा परमेश्वर से :**

(A) दुष्ट व्यक्ति नास्तिक होता है

(B) मूर्ति चोरों के लिए प्रचलित कहावत है

(C) पागल व्यक्ति पर किसी अदृश्य शक्ति की साया होती है

(D) निर्लज्ज और उद्दंड से बचना चाहिए

57. **न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी :**

(A) काम न करने के लिए असंभव बहाने बनाना

(B) अच्छी व्यवस्था न हो पाना

(C) प्रकाश के अभाव में नृत्य न होना

(D) नौ मन तेल का दीपक जलाने पर ही राधा नाचती है

58. **पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं :**

(A) दूसरों को दुःख देने वाला सुखी नहीं रह सकता

(B) पराधीनता सदैव दुःखदाई है

(C) दूसरों को कष्ट पहुँचाने वाला अशांत रहता है

(D) स्वतन्त्रता ही सुखदाई है

59. **पहले घर में फिर मस्जिद में/पहले आत्मा फिर परमात्मा :**
   - (A) पहले अपनी गरीबी दूर करें फिर दान दें
   - (B) पहले परिवार के साथ फिर अन्य के साथ त्यौहार मनाएं
   - (C) पहले अपने आपको फिर दूसरों को देखा जाता है
   - (D) पहले अपना मन शुद्ध करें फिर दूसरों को सुधारें

60. **फकीर की सूरत ही सवाल है :**
   - (A) साधु-संन्यासी प्रश्न अवश्य पूछते हैं
   - (B) यदि भिखारी सामने आए, तो समझ लो कुछ माँगने ही आया है
   - (C) फकीर आध्यात्मिक बातें करते हैं
   - (D) इनमें से कोई नहीं

61. **बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद :**
   - (A) बंदर अदरक नहीं खाता
   - (B) अदरक बंदर के लिए विष है
   - (C) बंदर को जुकाम नहीं होता
   - (D) मूर्ख व्यक्ति गुणों का आदर नहीं करता

62. **बंदा जोड़े घड़ी-घड़ी, राम लुटाए एक घड़ी :**
   - (A) माँ-बाप द्वारा अर्जित धन को बच्चे खर्च करते हैं
   - (B) बच्चे अधिक खर्चीले होते हैं
   - (C) यत्नपूर्वक एकत्र की गई वस्तु का नष्ट होना
   - (D) इनमें से कोई नहीं

63. **भई गति साँप छछूँदर केरी :**
   - (A) साँप और छछूँदर की लड़ाई होना
   - (B) छछूँदर के काटने से साँप मर जाता है
   - (C) असमंजस की स्थिति
   - (D) इनमें से कोई नहीं

64. **भागते भूत की लँगोटी भली :**
   - (A) नष्ट होते सामान को जितना बचा लो वही बहुत है
   - (B) जितना मिल गया उतना ही बहुत है
   - (C) चोर को चाहे जैसे भी पकड़ो वही सही है
   - (D) जिससे कोई उम्मीद न हो, उससे कुछ मिल जाना

65. **मान न मान मैं तेरा मेहमान :**
   - (A) मान-सम्मान सहित किसी का आतिथ्य स्वीकार करना
   - (B) किसी व्यक्ति पर अनावश्यक बोझ बनना
   - (C) दूसरों के घर भोजन करने की प्रवृत्ति
   - (D) इनमें से कोई नहीं

66. **माया तेरे तीन नाम, परसू परसा परशुराम :**
   - (A) अमीर को सम्मान मिलता है
   - (B) मध्यम को सम्मान नहीं मिलता है
   - (C) धनवृद्धि के साथ ही सम्मान बढ़ता जाता है
   - (D) गरीब अपमानित होता है

67. **यह मुँह और मसूर की दाल :**
   - (A) मसूर की दाल स्वास्थ्यवर्धक होती है
   - (B) अपनी योग्यता से अधिक पाने की अभिलाषा
   - (C) किसी का उपहास करना
   - (D) इनमें से कोई नहीं

68. **या खाय रोड़ा, या खाय घोड़ा :**
   - (A) व्यवधान आने पर अधिक व्यय होता है
   - (B) घुड़सवारी का शौक महँगा होता है
   - (C) मकान बनवाने और घोड़ा पालने में बहुत खर्च होता है
   - (D) इनमें से कोई नहीं

69. **रवि हू की एक दिवस में होत अवस्था तीनि :**
   - (A) सबका समय एक सा नहीं रहता
   - (B) सुबह, दोपहर और शाम होना
   - (C) दिन के बाद रात्रि का आगमन
   - (D) रात्रि के बाद दिन का आगमन

70. **लड़कों में लड़का, बूढ़ों में बूढ़ा :**
   - (A) सर्वप्रिय होना
   - (B) सभी के साथ खेलना
   - (C) कुशल खिलाड़ी होना
   - (D) बहुरुपिया होना

71. **वक्त पड़े पर जानिए को बैरी को मीत :**
   - (A) बुरे वक्त में मित्र काम आते हैं
   - (B) समय पर शत्रु-मित्र की पहचान होती है
   - (C) बुरे वक्त में मित्र भी साथ छोड़ते हैं
   - (D) अच्छे वक्त में शत्रु भी मित्र बन जाते हैं

72. **वक्त पड़े बाँका, तो गधे से कहिए काका :**
   - (A) मूर्ख को काका कहने से लाभ होता है
   - (B) मूर्ख को सम्मान नहीं देना चाहिए
   - (C) आवश्यकता पड़ने पर तुच्छ व्यक्ति की भी खुशामद करनी चाहिए
   - (D) इनमें से कोई नहीं

73. **शेर भूखा रह जाए, पर घास नहीं खाता :**
   - (A) शेर मांसाहारी होता है
   - (B) श्रेष्ठ व्यक्ति संकट में भी मर्यादा नहीं तोड़ता
   - (C) शेर स्वयं शिकार करता है
   - (D) शेर शाकाहारी नहीं होता

74. **शौकीन बुढ़िया चटाई का लहँगा :**
   - (A) पागल वृद्धा की स्थिति
   - (B) अमीर व्यक्ति का निर्धन हो जाना
   - (C) विचित्र शौक करने वालों पर व्यंग्य
   - (D) इनमें से कोई नहीं

75. **सूरदास खल कारी कामरि चढ़े न दूजौ रंग :**
   - (A) दुष्ट अपनी दुष्टता नहीं छोड़ता
   - (B) काले रंग पर दूसरा रंग नहीं चढ़ता
   - (C) भक्त अपनी भक्ति नहीं छोड़ते
   - (D) सज्जन अपनी सज्जनता नहीं छोड़ते

76. **सौ गज पानी में रहे, मिटे न चकमक आग :**
   - (A) चकमक पत्थर में अग्नि होती है
   - (B) जन्मजात गुण-दोष मिटते नहीं हैं
   - (C) पानी में रहने के बावजूद पत्थर में आग होती है
   - (D) इनमें से कोई नहीं

77. **हरड़ लगे न फिटकरी रंग चोखा ही आवे :**
   - (A) बिना कुछ किए ही काम ठीक तरह हो जाना
   - (B) एलोपैथिक दवाओं का सेवन उत्तम है
   - (C) होम्योपैथी में हरड़-फिटकरी का उपयोग नहीं होता है
   - (D) साधारण मेहनत से अच्छा कार्य कर लेना

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (D) 4. (B) 5. (C)
6. (D) 7. (A) 8. (A) 9. (B) 10. (C)
11. (D) 12. (A) 13. (B) 14. (B) 15. (C)
16. (A) 17. (B) 18. (A) 19. (B) 20. (D)
21. (C) 22. (B) 23. (C) 24. (A) 25. (C)
26. (D) 27. (C) 28. (D) 29. (A) 30. (C)
31. (A) 32. (A) 33. (A) 34. (B) 35. (C)
36. (D) 37. (C) 38. (B) 39. (A) 40. (C)
41. (B) 42. (A) 43. (D) 44. (D) 45. (B)
46. (C) 47. (D) 48. (B) 49. (C) 50. (D)
51. (C) 52. (D) 53. (A) 54. (B) 55. (A)
56. (D) 57. (A) 58. (B) 59. (C) 60. (B)
61. (D) 62. (C) 63. (C) 64. (D) 65. (B)

66. (C) 67. (B) 68. (C) 69. (A) 70. (A) 71. (B) 72. (C) 73. (B) 74. (C) 75. (A) 76. (B) 77. (A)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक कहावत के चार-चार रूप दिए गए हैं, आपको कहावत के प्रचलित रूप का चयन करना है.

1. (A) अंधा पीसे कुत्ता खाए
   (B) अंधी पीसे कुत्ता खाय
   (C) अँधरा पीसे कूकुर खाए
   (D) अँधरी करे कुत्ते मौज उड़ाएँ
2. (A) अंधी चाहे दो आँखें
   (B) अंधी क्या चाहे दो नैना
   (C) अंधा क्या चाहे दो आँखें
   (D) अंधा चाहे आँखें चार
3. (A) आँखें न दीदा, कजरौटा दस दस
   (B) आँख एक नहीं, कजरौटा दस दस
   (C) काजल खतम कजरौटा दस दस
   (D) आँख एक नहीं सुरमेदानी अनेक
4. (A) आँख न अंधा नाम नयनसुख
   (B) अंधे का नाम नयनसुख
   (C) आँख का अंधा नाम सूरदास
   (D) आँख का अंधा नाम नयनसुख
5. (A) इन तिलों में कुछ भी नहीं
   (B) इन तिलों में पानी नहीं
   (C) इन तिलों में तेल नहीं
   (D) इन तिलों में माल नहीं
6. (A) ईंट की देवी, सीमेंट का प्रसाद
   (B) ईंट की देवी महँगा प्रसाद
   (C) ईंट की देवी, कमल के फूल
   (D) ईंट की देवी माँगे का प्रसाद
7. (A) उगले तो अंधा खाए तो बहरा
   (B) उगले तो अंधा खाए तो कोढ़ी
   (C) उगले तो बहरा खाए तो अंधा
   (D) निगलले तो कोढ़ी खा ले तो अंधा
8. (A) ऊँची दुकान व्यर्थ का पकवान
   (B) ऊँची दुकान फीका पकवान
   (C) बड़ी दुकान बेकार पकवान
   (D) बड़ी दुकान फीका पकवान
9. (A) एक तंदुरुस्ती एक नियामत
   (B) एक तंदुरुस्ती हजार नियामत
   (C) सौ तंदुरुस्ती एक नियामत
   (D) एक तंदुरुस्ती हजार नियामतें
10. (A) एक हाथ की रोटी क्या छोटी क्या मोटी
    (B) एक तवे की रोटी, क्या छोटी क्या मोटी
    (C) एक तवे की रोटी क्या मोटी क्या पतली
    (D) एक चूल्हे की रोटी, सेंकी मोटी-मोटी
11. (A) ऐसे बूढ़े शेर को कौन बाँध भुस देय
    (B) ऐसे दुबले बैल को कौन बाँध भुस देय
    (C) ऐसे बूढ़े बैल को कौन बाँध भुस देय
    (D) हट्टे कट्टे साँड़ को कौन बाँध भुस देय
12. (A) कंगाली में आटा गीला
    (B) कंगाली में चावल गीला
    (C) कंगाली में समस्या ही समस्या
    (D) कंगाली में कर्ज नहीं मिलता है
13. (A) ककड़ी के चोर को कटार से मारो
    (B) ककड़ी के चोर को कटार से नहीं मारा जाता
    (C) ककड़ी के चोर को डंडे से मारा जाता है
    (D) ककड़ी के चोर को दंड नहीं दिया जाता
14. (A) खग-खग की जाने भाषा
    (B) खग जाने खग ही की बोली
    (C) खग पहचाने खग की भाषा
    (D) खग जाने खग ही की भाषा
15. (A) गरीब की जोरू सबकी चाची
    (B) गरीब की जोरू सबकी मौसी
    (C) गरीब की भाभी सबकी भाभी
    (D) गरीब की जोरू सबकी भाभी
16. (A) घर का जोगी जोगना आन गाँव का सिद्ध
    (B) घर का जोगी आन गाँव का सिद्ध
    (C) घर का सिद्ध आन गाँव का जोगी
    (D) घर का महात्मा आन गाँव का ढोंगी
17. (A) चंदन की चौकी भली गाड़ी भरा न काठ
    (B) चंदन का टुकड़ा भला गाड़ी भरा न फूस
    (C) चंदन की चुटकी भली गाड़ी भरा न काठ
    (D) चंदन की सुगंध भली, गाड़ी भरी न फूल
18. (A) छछूँदर के सिर में सरसों का तेल
    (B) छछूँदर के सिर में मिट्टी का तेल
    (C) छछूँदर के सिर में चमेली का तेल
    (D) छछूँदर के सिर में सुगंधित तेल
19. (A) जंगल में मोर नाचा सबने देखा
    (B) जंगल में मोर नाचे देखे सब कोय
    (C) जंगल में मोर नाचा जाने न कोय
    (D) जंगल में मोर नाचा किसने देखा
20. (A) झोंपड़ी में रहना गरीबी का सपना देखना
    (B) झोंपड़ी में रहना अमीरी का सपना देखना
    (C) झोंपड़ी में रहना महल का सपना देखना
    (D) झोंपड़ी में रहना मीठे स्वप्न देखना
21. (A) टके की मुर्गी बावन टका महसूल
    (B) टके की मुर्गी टके का महसूल
    (C) टके की मुर्गी सेर भर दाना
    (D) टके की मुर्गी नौ टके महसूल
22. (A) डरें शेर से नाम शेर खाँ
    (B) डरें लोमड़ी से नाम शेर खाँ
    (C) डरें न लोमड़ी से नाम शेर खाँ
    (D) डरें बिलकुल नहीं नाम शेर खाँ
23. (A) ढाक के पाँच पात
    (B) ढाक के चार पात
    (C) ढाक के तीन पात
    (D) ढाक के दो पात
24. (A) तलवार का खेत हरा नहीं होता
    (B) तलवार का खेत लाल-पीला
    (C) तलवार का खेत हरा ही हरा
    (D) तलवार का खेत बेकार
25. (A) दीपक की रवि बात न पूछे कोय
    (B) दीपक रवि की बात न पूछे कोय
    (C) दीपक की रवि के उदय जात न पूछे कोय
    (D) दीपक की रवि के उदय बात न पूछे कोय
26. (A) धनवंती को कांटा लगा दौड़े लोग हजार
    (B) धनवंती को बुखार दौड़े लोग हजार
    (C) धनवंती को देखने दौड़े लोग हजार
    (D) धनवंती को कांटा लगा भागे लोग हजार
27. (A) नंग बराबर परमेश्वर के
    (B) नंग बड़ा परमेश्वर से
    (C) नंग छोटा परमेश्वर से
    (D) नंग जपे परमेश्वर को
28. (A) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी
    (B) न रहेगा बाँस कैसे बजेगी बाँसुरी
    (C) बाँस न रहेगा तो कैसे बजेगी बाँसुरी
    (D) रहेगा न बाँस न बजेगी बाँसुरी
29. (A) नाम न जाने आँगन टेढ़ा
    (B) काम न जाने आँगन टेढ़ा

(C) नाच न जाने आँगन टेढ़ा
(D) नाच न जाने वादन भोंड़ा

30. (A) पूत सपूत हो चाहे कपूत धन न संचै
(B) पूत सपूत कपूत क्यों धन संचै
(C) पूत कपूत सपूत अवसि धन संचै
(D) पूत सपूत तो क्यों धन संचै, पूत कपूत तो क्यों धन संचै

31. (A) पैसा गाँठ का, जोरू साथ की
(B) पैसा जोरू गाँठ की
(C) पैसा जोरू साथ की
(D) पैसा लक्ष्मी टेंट की

32. (A) बाप बड़ा न भइया सबसे बड़ा स्वार्थ
(B) बाप बड़ा न भइया सबकी लैऊँ बलैया
(C) बाप बड़ा न भइया सबसे भला हँसैया
(D) बाप बड़ा न भइया सबसे बड़ा रुपैया

33. (A) बिन माँगे मोती मिलै, माँगे मिले न भीख
(B) बिन माँगे मोती मिलैं माँगे मिले न दाम
(C) बिन माँगे न मोती मिले माँगे मिले भीख
(D) बिन माँगे भीख मिलै माँगे मिलैं न मोती

34. (A) भौंकते कुत्ते को डंडा
(B) भौंकते कुत्ते को रोटी का टुकड़ा
(C) भोंकते कुत्ते को लाठी
(D) न भौंकते कुत्ते को सजा

35. (A) मन चंगा हो तो सब जगह तीर्थ
(B) मन न चंगा तो कठौती में गंगा
(C) मन चंगा तो कठौती में गंगा
(D) मन चंगा तो पतीली में गंगा

36. (A) यह मुँह और मूँग की दाल
(B) यह मुँह और शीरे का शर्बत
(C) यह मुँह और मसूर की दाल
(D) यह मुँह और उड़द की दाल

37. (A) रस्सी जल गई पर राख रह गई
(B) रस्सी नहीं जली ऐंठन रह गई
(C) रस्सी अधजली ऐंठन न गई
(D) रस्सी जल गई पर ऐंठन न गई

38. (A) लेना एक देना अनेक
(B) लेना न एक देना एक
(C) लेना एक न देना दो
(D) न देना दो न लेना एक

39. (A) वही मियां दरबार, में, वही मेरे साथ
(B) वही मियां घर में वही खड़े दरबार
(C) वही मियां दरबार में वही बने दरबान
(D) वही मियां दरबार में वही चूल्हे के पास

40. (A) शंका डायन मनसा भूत
(B) शंका डायन मनसा प्रेत
(C) शंका बेढब मनसा भूत
(D) शंकटा डायन मनसा भूत

41. (A) सइयां भए सरदार डर काहे का
(B) सइयां भए कोतवाल अब डर काहे का
(C) सइयां भए लाचार अब डर काहे का
(D) सइयां गए परदेश अब डर काहे का

42. (A) हंस उड़ गए कौओं की मौज
(B) हंसा थे सो उड़ गए कागा भए दीवान
(C) हंस एक भी न उड़ा, कागा भए फरार
(D) हंसा थे सो उड़ गए काग करें अभिमान

उत्तरमाला

1. (B) 2. (C) 3. (B) 4. (D) 5. (C)
6. (D) 7. (B) 8. (B) 9. (B) 10. (B)
11. (C) 12. (A) 13. (B) 14. (D) 15. (D)
16. (A) 17. (C) 18. (C) 19. (D) 20. (C)
21. (D) 22. (B) 23. (C) 24. (A) 25. (D)
26. (A) 27. (B) 28. (A) 29. (C) 30. (D)
31. (A) 32. (D) 33. (A) 34. (B) 35. (C)
36. (C) 37. (D) 38. (C) 39. (D) 40. (A)
41. (B) 42. (B)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ग]

निर्देश—निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में लोकोक्ति का कोई एक शब्द छूट गया है, उसे पूरा करने के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं आपको सही विकल्प का चयन करना है.

1. **अंडा······बच्चे को चीं चीं मतकर :**
(A) पढ़ावे (B) बतावे
(C) डाँटे (D) सिखावे

2. **अंधा क्या जाने······बहार :**
(A) वर्षा (B) धूप
(C) वसंत (D) हरियाली

3. **आँख एक नहीं ······दस दस :**
(A) मुखौटा (B) कपड़े
(C) चश्मा (D) कजरौटा

4. **इधर कुआं उधर······ :**
(A) समतल (B) नहर
(C) खाई (D) गड्ढा

5. **ईंट की लेनी······की देनी :**
(A) बनिया (B) कारीगर
(C) सीमेंट (D) पत्थर

6. **उतर गई······तो क्या करेगा कोई :**
(A) लोई (B) कमीज
(C) गाड़ी (D) घोड़ी

7. **ऊँची दुकान फीका······ :**
(A) पकवान (B) मेजवान
(C) जलपान (D) सामान

8. **ऊधो का······न माधो का देना :**
(A) सपना (B) कहना
(C) लेना (D) देना

9. **एक अनार······बीमार :**
(A) अनेक (B) सौ
(C) कई (D) कुछ

10. **ऐसे बूढ़े ······को कौन बाँध भुस देय :**
(A) शेर (B) बैल
(C) बाप (D) यार

11. **······में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर? :**
(A) मुसीबत (B) संकट
(C) ओखली (D) चूल्हे

12. **कर······तो हो भला :**
(A) बला (B) बुरा
(C) भला (D) सेवा

13. **काला······भैंस बराबर :**
(A) घोड़ा (B) हाथी
(C) अक्षर (D) अच्छत

14. **खग······खग ही की भाषा :**
(A) समझे (B) जाने
(C) माने (D) सुने

15. **······तेरे तीन नाम झूठा पाजी बेईमान :**
(A) धूर्त (B) मूर्ख
(C) चोर (D) गरीब

16. **घर की······दाल बराबर :**
(A) सब्जी (B) खीर
(C) चीज (D) मुर्गी

17. **चमड़ी जाए पर······न जाए :**
(A) मर्यादा (B) पानी
(C) पगड़ी (D) दमड़ी

18. **छोटा······बड़ी बात :**
(A) मुँह (B) बालक
(C) सिक्का (D) साथी

19. **जने जने की लकड़ी एक जने का······ :**
(A) गट्ठर (B) गठरी
(C) भार (D) बोझ

20. **जहाँ फूल, वहाँ…… :**
(A) मूल (B) धूल
(C) कांटा (D) भूल

21. **……में रहें, महलों के ख्वाब देखें :**
(A) झोंपड़ी (B) मस्ती
(C) मौज (D) नशे

22. **तन को कपड़ा न……को रोटी :**
(A) खाने (B) पेट
(C) भूख (D) मन

23. **……बिन तो नर है ऐसा राह बटाऊ होवे जैसा :**
(A) पैसा (B) धन
(C) ज्ञान (D) तिरिया

24. **दबी बिल्ली……कान कटवाती है :**
(A) कुत्तों (B) चूहों
(C) अपनों (D) मुर्गों

25. **……की बछिया के दाँत नहीं देखे जाते:**
(A) दाम (B) दहेज
(C) दान (D) मुफ्त

26. **धनवंती को कांटा लगे दौड़े लोग…… :**
(A) हजार
(B) नहीं
(C) तुरंत
(D) अस्पताल

27. **न नौ मन तेल होगा न राधा…… :**
(A) कूदेगी (B) हँसेगी
(C) पढ़ेगी (D) नाचेगी

28. **पंच कहें बिल्ली तो……सही :**
(A) एकदम
(B) बिलकुल
(C) बिल्ली
(D) नहीं

29. **पहले घर में फिर……में :**
(A) मंदिर (B) आपस
(C) समाज (D) लोगों

30. **बंदर क्या जाने अदरक का …… :**
(A) भेद (B) मूल्य
(C) रंग (D) स्वाद

31. **बकरी की जान गई……वाले को मजा न आया :**
(A) बकरी (B) मारने
(C) खाने (D) पैसे

32. **भगवान के घर……है, अंधेर नहीं :**
(A) प्रसाद (B) दीपक
(C) मूर्ति (D) देर

33. **मजनू को लैला का……भी प्यारा :**
(A) कुत्ता (B) जूता
(C) कम्बल (D) बिल्ली

34. **……चंगा तो कठौती में गंगा :**
(A) तन (B) मन
(C) दिल (D) विचार

35. **यह मुँह और……की दाल :**
(A) उड़द (B) चने
(C) मसूर (D) अरहर

36. **……की एक दिवस में तीन अवस्था होय :**
(A) रविहू (B) कविहू
(C) कबही (D) जबही

37. **रस्सी जल गई पर……न गई :**
(A) आदत (B) गैया
(C) सिकुड़न (D) ऐंठन

38. **लंका में सब बावन……के होते हैं :**
(A) इंच (B) फुट
(C) रूप (D) हाथ

39. **……बुरी बला है :**
(A) लड़ाई (B) अज्ञानता
(C) लालच (D) मूर्खता

40. **……की दवा हकीम लुकमान के पास भी नहीं है :**
(A) रोग (B) दर्द
(C) वहम (D) विश्वास

41. **……भए कोतवाल अब डर काहे का :**
(A) सइयां (B) भइया
(C) लड़के (D) चाचा

42. **समय चूकि पुनि का…… :**
(A) हर्षाने (B) गुस्साने
(C) पछताने (D) अनुमानें

43. **हिन्दी न फारसी लाला जी…… :**
(A) बनारसी
(B) आलसी
(C) हुलासी
(D) मशालची

44. **……फिरती नहीं होवे बिस्वे बीस :**
(A) होनहार
(B) अनहोनी
(C) मुसीबत
(D) बीमारी

उत्तरमाला

1. (D) 2. (C) 3. (D) 4. (C) 5. (D)
6. (A) 7. (A) 8. (C) 9. (B) 10. (B)
11. (C) 12. (C) 13. (C) 14. (B) 15. (D)
16. (D) 17. (D) 18. (A) 19. (D) 20. (C)
21. (A) 22. (B) 23. (D) 24. (B) 25. (C)
26. (A) 27. (D) 28. (C) 29. (A) 30. (D)
31. (C) 32. (D) 33. (A) 34. (B) 35. (C)
36. (A) 37. (D) 38. (D) 39. (C) 40. (C)
41. (A) 42. (C) 43. (A) 44. (A)

●●●

रेलवे
भर्ती बोर्ड परीक्षा
उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें
(पिछले वर्षों के हल प्रश्न-पत्र सहित)

गैर-तकनीकी ट्रेड
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स (टिकट कलेक्टर) 130/-
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स (सहायक स्टेशन मास्टर) 130/-
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स (गुड्स गार्ड) 135/-
उपकार रेलवे मनोवैज्ञानिक परीक्षण (IInd Stage) 110/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क-बुक रेलवे मनोवैज्ञानिक परीक्षण 125/-
उपकार भारतीय रेल : सामान्य ज्ञान (प्रश्नोत्तर रूप में) 60/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड सम्मिलित प्रा. परीक्षा (गैर-तकनीकी संवर्ग) (सम्पादक मण्डल : प्रतियोगिता दर्पण) 240/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड सम्मिलित प्रा. परीक्षा (गैर-तकनीकी संवर्ग) (डॉ. लाल एवं जैन) 145/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड टिकट कलेक्टर/ कॉमर्शियल क्लर्क (सम्पादक मण्डल : सामान्य ज्ञान दर्पण) 190/-
उपकार रेलवे गैंगमैन/ट्रैकमैन, खलासी, हैल्पर-II परीक्षा 165/-
उपकार रेलवे गैंगमैन/ट्रैकमैन, खलासी, हैल्पर-II परीक्षा (लेखकद्वय : डॉ. लाल एवं शर्मा) 140/-

तकनीकी ट्रेड
उपकार रेलवे असिस्टेंट लोको पायलट परीक्षा 215/-
उपकार रेलवे प्रैक्टिस सेट असिस्टेंट लोको पायलट 75/-
उपकार रेलवे सॉल्वड् पेपर्स असिस्टेंट लोको पायलट 120/-
उपकार प्रैक्टिस वर्क बुक रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा (तकनीकी ट्रेड) 120/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड (तकनीकी केडर) (सिविल/विद्युत/यांत्रिक इंजीनियरिंग) 315/-
उपकार रेलवे भर्ती बोर्ड सुपरवाइजर (पी.वे)/ इलेक्ट्रिकल सिगनल मेन्टेनर ग्रेड-II भर्ती परीक्षा 260/-
उपकार दिल्ली मेट्रो रेल (स्टेशन कन्ट्रोलर/ट्रेन ऑपरेटर) भर्ती परीक्षा 325/-

ENGLISH EDITIONS ARE ALSO AVAILABLE

रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा के लिए विशेषत:
उपयोगी अध्ययन सामग्री
हर महीने पढ़िए
सामान्य ज्ञान दर्पण
मूल्य : ₹ 45/-

उपकार प्रकाशन
2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
Phone : 4053333, 2530966, 2531101
Website : www.upkar.in

वाक्य के भेद

वाक्यों का वर्गीकरण दो आधारों पर किया जाता है—(1) रचना के आधार पर (2) अर्थ के आधार पर

(1) **रचना के आधार पर**—रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं—(i) सरल वाक्य (ii) मिश्र वाक्य (iii) संयुक्त वाक्य.

(i) **सरल वाक्य**—इसे साधारण वाक्य भी कहते हैं. जिन वाक्यों में एक उद्देश्य तथा एक विधेय हो,[1] उन्हें सरल या साधारण वाक्य कहते हैं. जैसे—**'कृष्णा गाती है'** वाक्य में एक ही कर्त्ता (उद्देश्य) तथा एक ही क्रिया (विधेय) है; अतः यह सरल (साधारण) वाक्य है.

(ii) **मिश्र वाक्य**—जिस वाक्य में एक सरल वाक्य हो और उसके अधीन या आश्रित दूसरा उपवाक्य हो, उसे 'मिश्र वाक्य' कहते हैं. जैसे—**'वह इस योग्य नहीं है कि सेना में भर्ती हो सके'.** वाक्य में वह इस योग्य नहीं है—प्रधान उपवाक्य सेना में भर्ती हो सके—आश्रित उपवाक्य है तथा दोनों समुच्चयबोधक अव्यय **'कि'** से जुड़े हैं.

(iii) **संयुक्त वाक्य**—जिस वाक्य में एक से अधिक प्रधान उपवाक्य हों और वे संयोजक अव्ययों द्वारा जुड़े हों; 'संयुक्त वाक्य' कहलाते हैं. जैसे—**'मैंने पुकारा परन्तु वह चुप रह गया'.** इस वाक्य में दोनों ही प्रधान उपवाक्य हैं तथा 'परंतु' संयोजक द्वारा जुड़े हैं.

(2) **अर्थ के आधार पर**—अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं—

(i) **विधिवाचक वाक्य**—जिन वाक्यों से किसी कार्य या बात होने का बोध होता है उन्हें विधिवाचक वाक्य कहते हैं जैसे—

अंकुर खेलता है.
अंशुल पढ़ती है.

(ii) **निषेधवाचक**—जिन वाक्यों से किसी कार्य या बात के न होने अथवा इनकार किए जाने का बोध होता है उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं. जैसे—

तुम अपना काम नहीं करते.
कमला झूठ नहीं बोलती.

(iii) **आज्ञावाचक वाक्य**—जिन वाक्यों से किसी प्रकार की आज्ञा का बोध होता है, आज्ञावाचक वाक्य कहलाते हैं; जैसे—

अपना पाठ याद करो.
नए संस्करण की पुस्तक लाओ आदि.

(iv) **प्रश्नवाचक वाक्य**—जिन वाक्यों से किसी प्रश्न के पूछे जाने का बोध होता है और किसी उत्तर की अपेक्षा होती है, उन्हें प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं. जैसे—

आपका क्या नाम है?
क्या आप परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं? आदि.

(v) **विस्मयवाचक वाक्य**—जिन वाक्यों से किसी प्रकार का विस्मय, हर्ष, दुःख आश्चर्य आदि का बोध होता है, उन्हें विस्मयवाचक वाक्य कहते हैं जैसे—

अरे ! आप चुनाव हार गए.
अहा ! कितना सुंदर दृश्य है आदि.

(vi) **संदेहवाचक वाक्य**—जिन वाक्यों से किसी प्रकार के संदेह या भ्रम का बोध होता है, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं. जैसे—

गाड़ी छूट चुकी होगी.
मदन पढ़ा-लिखा है या नहीं आदि.

(vii) **इच्छावाचक वाक्य**—जिन वाक्यों से किसी इच्छा या कामना का बोध होता है, इच्छावाचक वाक्य कहलाते हैं. जैसे—

ईश्वर आपकी कामना पूरी करे.
आप परीक्षा में सफल हों आदि.

(viii) **संकेतवाचक वाक्य**—जिन वाक्यों से किसी प्रकार के संकेत का बोध होता है उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं. जैसे—

जो परिश्रम करेगा वह सफल होगा.
जैसी करनी वैसा फल आदि.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में वाक्य दिया गया है, उसके प्रकार के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं. सही विकल्प को चिह्नित कीजिए—

1. **डाकगाड़ी आने पर सवारी गाड़ी छूटेगी :**
(A) संयुक्त वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

2. **इतना कहने पर भी वह नहीं आया :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

3. **उसे पुरस्कार पाने के लिए परिश्रम करना पड़ेगा :**
(A) मिश्र वाक्य
(B) सरल वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

4. **उसे अपनी कमी पूरी करने के लिए परिश्रम करना पड़ेगा :**
(A) संयुक्त वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

5. **दुर्भाग्यवश वह परीक्षा में न बैठ सका :**
(A) मिश्र वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

6. **दंड से बचने के लिए वह भाग गया :**
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

7. **जो गरीबों की सहायता करते हैं वे धर्मात्मा होते हैं :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

8. **यह वही बच्चा है जो बहुत बीमार हो गया था :**
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

9. **मेरा विचार है कि आज शाम उससे मिला जाए :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

10. **मैं चाहता हूँ कि तुम्हारे साथ खेलूँ :**
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

---

[1] जिसके विषय में कुछ कहा जाए वह उद्देश्य है तथा जो कहा जाता है वह विधेय है, जैसे—**राम** (उद्देश्य) **पढ़ता है** (विधेय) है.

11. **मैंने एक पक्षी देखा जो घायल था :**
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

12. **आशा है कि मुझे पुरस्कार मिलेगा :**
(A) मिश्र वाक्य
(B) सरल वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

13. **ज्योतिषी कहता है कि मैं सबका भविष्य जानता हूँ :**
(A) मिश्र वाक्य
(B) सरल वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

14. **वे दिन लौटे नहीं, जो बीत गए :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

15. **वह आई, काम कर गई; किन्तु फिर कभी नहीं दिखाई दी :**
(A) संयुक्त वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

16. **वह छात्रावास में रहता था और चाहता था कि उसे प्रथम श्रेणी प्राप्त हो :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

17. **वह बाजार गया और सामान खरीदा, परन्तु भूलवश कुछ वस्तुएं वहीं छूट गईं :**
(A) मिश्र वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) सरल वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

18. **पृथ्वी गोल है और हम इसे प्रमाणित कर सकते हैं :**
(A) मिश्र वाक्य
(B) सरल वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

19. **काम पूरा कर डालो नहीं तो जुर्माना होगा :**
(A) संयुक्त वाक्य
(B) सरल वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

20. **दोष तुम्हारा है, और इसका मुझे विश्वास है :**
(A) सरल वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

21. **जो जैसा बोएगा वैसा ही काटेगा :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) उपर्युक्त सभी

22. **जो सहृदय हैं; वे दूसरों का दुःख देखकर स्वयं भी रो पड़ते हैं :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

23. **उसने अनेक अपराध किए हैं, किन्तु वह कानून से बचता रहा है :**
(A) सरल वाक्य
(B) मिश्र वाक्य
(C) संयुक्त वाक्य
(D) इनमें से कोई नहीं

24. **मुझे कहाँ ले जा रहे हो? :**
(A) संदेहवाचक (B) विस्मयवाचक
(C) विधिवाचक (D) प्रश्नवाचक

25. **उसने सब उपाय किए :**
(A) विधिवाचक (B) प्रश्नवाचक
(C) निषेधवाचक (D) इच्छावाचक

26. **मुगल बादशाहों में अकबर श्रेष्ठ था :**
(A) इच्छावाचक (B) संदेहवाचक
(C) विधिवाचक (D) विस्मयवाचक

27. **मुगल बादशाहों में अकबर से बढ़कर कोई नहीं था :**
(A) विधिवाचक (B) प्रश्नवाचक
(C) आज्ञावाचक (D) निषेधवाचक

28. **बाजार से ताजी सब्जी लाओ :**
(A) इच्छावाचक (B) आज्ञावाचक
(C) संकेतवाचक (D) विधिवाचक

29. **हैं ! तुम हार गए :**
(A) संदेहवाचक (B) संकेतवाचक
(C) विस्मयवाचक (D) विधिवाचक

30. **आपका पथ प्रशस्त हो :**
(A) इच्छावाचक (B) आज्ञावाचक
(C) विधिवाचक (D) विस्मयवाचक

31. **तुम्हारा कल्याण हो :**
(A) आज्ञावाचक (B) इच्छावाचक
(C) विधिवाचक (D) संकेतवाचक

32. **उसे नौकरी मिल गई होगी :**
(A) विधिवाचक
(B) संकेतवाचक
(C) संदेहवाचक
(D) निषेधवाचक

33. **वह अब जा चुका होगा :**
(A) इच्छावाचक
(B) आज्ञावाचक
(C) संकेतवाचक
(D) संदेहवाचक

34. **आप दिल्ली जाएंगे तो मैं भी साथ चलूँगी:**
(A) संकेतवाचक
(B) संदेहवाचक
(C) इच्छावाचक
(D) विधिवाचक

35. **गाड़ी के विलम्ब से आने की संभावना नहीं है :**
(A) संदेहवाचक
(B) संकेतवाचक
(C) निषेधवाचक
(D) विधिवाचक

36. **आपके अवकाश का क्या हुआ? :**
(A) इच्छावाचक
(B) संकेतवाचक
(C) प्रश्नवाचक
(D) संदेहवाचक

37. **आप कहें तो मैं जाऊँ :**
(A) संदेहवाचक (B) विधिवाचक
(C) इच्छावाचक (D) संकेतवाचक

38. **यह काम शिवपाल ने किया होगा :**
(A) संकेतवाचक (B) संदेहवाचक
(C) विधिवाचक (D) आज्ञावाचक

39. **तुलसीदास ने कहा है कि ''विनाशकाल में मनुष्य की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है :**
(A) साधारण वाक्य
(B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य
(D) सरल वाक्य

उत्तरमाला

1. (C) 2. (A) 3. (B) 4. (C) 5. (C)
6. (A) 7. (B) 8. (C) 9. (B) 10. (C)
11. (C) 12. (A) 13. (A) 14. (B) 15. (A)
16. (C) 17. (B) 18. (C) 19. (A) 20. (B)
21. (C) 22. (B) 23. (C) 24. (D) 25. (A)
26. (C) 27. (D) 28. (B) 29. (C) 30. (A)
31. (B) 32. (C) 33. (D) 34. (A) 35. (C)
36. (C) 37. (D) 38. (B) 39. (C)

●●●

वाक्य-शोधन

प्रतियोगी परीक्षाओं में हिन्दी के प्रश्न-पत्र में 'वाक्य-संशोधन' पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं. इन प्रश्नों द्वारा परीक्षार्थी के हिन्दी भाषा ज्ञान का परीक्षण किया जाता है. ये प्रश्न वाक्य संरचना, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, वचन, लिंग एवं विभक्तियों के महत्वपूर्ण नियमों पर आधारित होते हैं. अतएव इन प्रश्नों को हल करने के लिए इनके नियमों की स्पष्ट जानकारी अनिवार्य है. यहाँ हम उन महत्वपूर्ण नियमों का उल्लेख कर रहे हैं जिनके आधार पर **'वाक्य की अशुद्धियों'** से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं.

वाक्य रचना के नियम—

वाक्य भाषा की सार्थक इकाई है. भाषा में ध्वनि से शब्द, शब्द से पद, पद से वाक्यांश और वाक्यांश से पूर्ण वाक्य की रचना होती है. पं. कामता प्रसाद गुरु के अनुसार—''एक पूर्ण विचार व्यक्त करने वाला शब्द समूह वाक्य कहलाता है.'' साधारण मनुष्य अपनी सुविधानुसार शब्दों को संयोजित कर वाक्य निर्माण करके अपना काम चलाता है, परन्तु व्याकरण में वाक्य रचना का अपना विधान है उसे सजाने सँवारने के अपने नियम हैं. सुव्यवस्थित, संयत व शुद्ध वाक्य में निम्नलिखित बातें आवश्यक हैं—

(1) सार्थकता, (2) क्रम, (3) योग्यता, (4) आकांक्षा, (5) आसक्ति, (6) अन्वय.

(1) **सार्थकता**—सार्थकता वाक्य का प्रमुख गुण है. इसके लिए आवश्यक है कि वाक्य में सार्थक शब्दों का ही प्रयोग हो, तभी वह भावाभिव्यक्ति के लिए सक्षम होगा.

(2) **क्रम** (Order)—हिन्दी भाषा में वाक्य के अंतर्गत सबसे पहले **'कर्त्ता'** मध्य में **'कर्म'** और अंत में **'क्रिया'** होती है; जैसे—**'राम पुस्तक पढ़ता है'** में 'राम' **कर्त्ता** 'पुस्तक' **कर्म** और 'पढ़ता है' **क्रिया** है. प्रत्येक भाषा की व्यवस्थापरकता अपनी होती है जो दूसरी भाषाओं पर लागू नहीं होती'. हिन्दी में कर्म क्रिया से पूर्व आता है, जबकि अंगेजी में 'कर्म' क्रिया के बाद आता है; जैसे—'Ram reads the book.', में Ram कर्त्ता 'Reads' **क्रिया** और the book' कर्म है. हिन्दी में विशेषण सदैव संज्ञा से पूर्व आता है, जैसे **काला** घोड़ा, **सफेद** गाय, **शरीफ** आदमी आदि.

क्रिया-विशेषण सदैव क्रिया से पूर्व आता है; जैसे—हिरन **तेज** दौड़ता है. सम्बोधन सदैव वाक्य के आरम्भ में होता है; जैसे—हे राम ! दया करो.

(3) **योग्यता**—प्रसंग के अनुकूल वाक्य में भावों का बोध कराने वाली योग्यता या क्षमता होनी चाहिए. योग्यता के अभाव में वाक्य सही अभिव्यक्ति नहीं दे सकता; जैसे—ग्वाला चींटी का दूध दुहता है; हिरन उड़ता है आदि में वाक्य की सब इकाइयाँ होते हुए भी सही अर्थ देने की योग्यता नहीं है.

(4) **आकांक्षा**—आकांक्षा का अर्थ है—'श्रोता की जिज्ञासा' वाक्य भाव की दृष्टि से इतना पूर्ण होना चाहिए कि भाव को समझने के लिए कुछ जानने की इच्छा या आवश्यकता न रहे; अर्थात् किसी ऐसे शब्द या शब्द समूह की कमी न हो जिसके बिना अर्थ स्पष्ट न होता हो. जैसे—हम किसी से केवल 'आप' कहें तो वह कुछ भी नहीं समझ पाएगा. यदि कहें कि **'आप अमुक कार्य करें'** तो वह पूरी बात समझ जाएगा; अतएव वाक्य में आकांक्षा तत्व अनिवार्य है.

(5) **आसक्ति**—आसक्ति का अर्थ है समीपता. यदि किसी वाक्य का एक शब्द आज कहा जाए एक कल और एक परसों तो बात समझ में नहीं आएगी; इसलिए वाक्य के अन्तर्गत पदों में आसक्ति (समीपता) होना आवश्यक है.

(6) **अन्वय**—अन्वय के अन्तर्गत वाक्य के विभिन्न शब्दों का लिंग, वचन, पुरुष और काल की दृष्टि से सम्बन्ध या मेल है. यह सम्बन्ध कर्त्ता और क्रिया तथा संज्ञा और सर्वनाम का होता है.

कर्त्ता और क्रिया का अन्वय

1. यदि किसी वाक्य में कर्त्ता विभक्ति रहित है, तो उसकी क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्त्ता के लिंग वचन और पुरुष के अनुरूप होंगे; जैसे—

   श्याम खेलता है.

   गुड़िया पत्र लिखती है.
2. यदि वाक्य में एक ही लिंग, वचन, एवं पुरुष के अनेक विभक्ति रहित कर्त्ता हैं और अंतिम कर्त्ता से पहले 'और' लगा हो, तो ऐसे वाक्य में क्रिया कर्त्ता के लिंग के बहुवचन में होगी; जैसे—राम, माधुरी और रमेश हँसते हैं.
3. यदि वाक्य में दो विभक्ति लिंगों के कर्त्ता द्वन्द्व समास से युक्त हों, तो उनकी क्रिया पुल्लिंग बहुवचन में होगी; जैसे—पति और पत्नी टहलने जाते हैं. शेर और बकरी एक घाट पर पानी पीते हैं.
4. यदि वाक्य में दोनों लिंगों के अनेक कर्त्ता हों, तो क्रिया बहुवचन में होगी और उसका लिंग अंतिम कर्त्ता के अनुसार होगा; जैसे—पाँच लड़के और पाँच लड़कियाँ गाती हैं. दो महिलाएं तीन लड़कियाँ और दो पुरुष आते हैं.

कर्म और क्रिया का अन्वय

1. यदि वाक्य में कर्त्ता 'ने' विभक्ति से युक्त है और कर्म में विभक्ति न लगी हो, तो क्रिया कर्म में लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होगी; जैसे—रीतेश ने पत्र लिखा. अध्यापक ने कॉपी जाँची.
2. यदि कर्त्ता और कर्म दोनों विभक्ति चिह्नों से युक्त हों, तो क्रिया सदैव एकवचन पुल्लिंग एवं अन्य पुरुष में होगी; जैसे—अध्यापक ने विद्यार्थी को समझाया. महिलाओं ने पुरुषों को सचेत किया.
3. यदि एक ही लिंग, वचन के अनेक प्राणिवाचक विभक्ति रहित कर्म एक साथ आएं, तो क्रिया कर्म के लिंग में बहुवचन में होगी; जैसे—किसान ने बकरी और मुर्गी खरीदी. व्यापारी ने बिल्ली और कुत्ता बेचा.
4. यदि वाक्य में विभिन्न लिंगों के अनेक कर्म आएं तथा वे **'और'** से जुड़े हों, तो क्रिया अंतिम कर्म के लिंग और वचन में होगी; जैसे—किसान ने एक घोड़ा एक गाय और एक भैंस खरीदी. किसान ने एक गाय, एक भैंस, एक बकरी और एक घोड़ा खरीदा.

संज्ञा और सर्वनाम का अन्वय

सर्वनाम का प्रयोग संज्ञा के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार ही होता है. यदि वाक्य में अनेक संज्ञाओं के लिए एक ही सर्वनाम आए, तो वह पुल्लिंग और बहुवचन में होगा; जैसे—

कमला, विमला एवं निर्मला पढ़ रही हैं. वे दो घण्टे बाद सो जाएंगी.

विशेष्य और विशेषण का अन्वय

विशेष्य के लिंग और वचन के अनुरूप ही विशेषण का भी लिंग और वचन होता है; जैसे—छोटा भाई, बड़ी बहन, पीले कपड़े, नीली साइकिल, अच्छे लोग इत्यादि.

कुछ इसके अपवाद भी हैं; जैसे—सुंदर लड़की, सफेद बिल्ली.

विशेष्य के साथ अनेक विशेषण होने पर भी यही नियम लागू होता है; जैसे—हल्के पीले रंग की साड़ी.

वाक्य सम्बन्धी कुछ अन्य महत्वपूर्ण अनुदेश

1. वाक्य में व्याकरण सम्बन्धी नियमों का पालन होना चाहिए.
2. वाक्य रचना में शैली सम्बन्धी शिष्टता होनी चाहिए. जैसे—'पिताजी आ रहा है' यहाँ 'पिताजी आ रहे हैं' होना चाहिए.
3. **वाक्य में ध्वनि और अर्थ की संगति होनी चाहिए.** जैसे—अंकुर ने उससे गेंद वापस कर दी. यहाँ 'उससे' के स्थान पर 'उसको' होना चाहिए.
4. **वाक्य की क्रिया विषय के अनुरूप होनी चाहिए.** यदि विषय एक वचन में हो, तो उसकी क्रिया भी एक वचन में होनी चाहिए, इसी प्रकार यदि विषय बहुवचन में हो, तो क्रिया भी इसी अनुरूप होनी चाहिए.
5. **वाक्य का काल** (Tense) **प्रसंग और अर्थ अनुसार होना चाहिए.** जैसे—वह गाता था, तो मैं सुनूँगा. यहाँ सुनूँगा के स्थान पर सुनता था, होना चाहिए.
6. **तुलना के लिए उपयुक्त विशेषण का प्रयोग होना चाहिए.** जैसे—वह कक्षा का श्रेष्ठतम विद्यार्थी है. यहाँ श्रेष्ठतम के स्थान में **'सर्वश्रेष्ठ'** शब्द का प्रयोग अधिक उपयुक्त है.
7. **वाक्य में अनावश्यक एवं अनुपयुक्त शब्दों से बचना चाहिए.** जैसे—वे परस्पर एक-दूसरे से विचार-विमर्श कर रहे हैं. यहाँ 'परस्पर और एक-दूसरे से' समानार्थी हैं अतः इनमें से किसी एक को हटा दें.
8. **वाक्य से एक ही भाव व्यक्त होना चाहिए.** जैसे—गरम गाय का दूध लाओ. यहाँ 'गाय का गरम दूध लाओ' होना चाहिए.
9. **वाक्य में पुनरुक्ति दोष नहीं होना चाहिए.** जैसे—'वह विद्यालय का सबसे सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी है'. यहाँ सबसे सर्वश्रेष्ठ के स्थान पर **'सबसे श्रेष्ठ'** अथवा 'सर्वश्रेष्ठ' का प्रयोग होना चाहिए.
10. परोक्ष कथन हिन्दी भाषा की प्रकृति के अनुकूल नहीं है अतः यथासम्भव वाक्य रचना प्रत्यक्ष कथन में होनी चाहिए.
11. वाक्य में मुहावरे/लोकोक्तियों का उचित रूप में ही प्रयोग होना चाहिए.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[क]

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार वाक्य दिए गए हैं इनमें से एक वाक्य सही है. आपको सही वाक्य का चयन करना है—

1. (A) सेनापति एक अक्षैहिणी सैनिकों के साथ युद्धक्षेत्र में पहुँचा
   (B) सेनापति एक अक्ष्यौणी सैनिक के साथ रणक्षेत्र में पहुँचा
   (C) सेनापति एक अक्षुण्णी सैनिकों के साथ रणक्षेत्र में पहुँचा
   (D) सेनापति एक अक्षौहिणी सैनिकों के साथ रणक्षेत्र में पहुँचा
2. (A) आपको आर्शीवाद की आवश्यकता है
   (B) आपका आशीर्वाद अवश्यकीय है
   (C) आपके आर्शीबाद अवश्यक हैं
   (D) आपका आशीर्वाद आवश्यक है
3. (A) उसे देखकर मेरे होश उड़ गए
   (B) उसे देखकर मेरी होश उड़ गए
   (C) उसे देखकर मेरी होश उड़ गई
   (D) उसे देखकर मेरा होश उड़ गईं
4. (A) राम और सीता वन गईं
   (B) राम और सीता बन गए
   (C) राम और सीता वन गयीं
   (D) उपर्युक्त सभी सही हैं
5. (A) उन्हें एक पुत्र है
   (B) उनको एक पुत्र है
   (C) उनका एक पुत्र है
   (D) उनके एक पुत्र है
6. (A) वे बड़े विद्वान् व्यक्ति हैं
   (B) वह बड़े विद्वान् व्यक्ति हैं
   (C) वो बड़ी विद्वान् व्यक्ति हैं.
   (D) उन बड़े विद्वान् व्यक्ति है
7. (A) संदूक में कौन-कौन वस्तुएं हैं?
   (B) संदूक में कौन वस्तुएं हैं?
   (C) संदूक में क्यों-क्यों वस्तुएं हैं?
   (D) संदूक में क्या-क्या वस्तुएं हैं
8. (A) हम अपने संस्थान जाएंगे
   (B) हम हमारे संस्थान जाएंगे
   (C) हम हमें संस्थान जाएंगे
   (D) हम मेरे संस्थान जाएंगे
9. (A) अपने सामान को सँभालकर रखिए
   (B) अपने सामानों को सँभालकर रखिए
   (C) अपने सभी सामानों को सँभालकर रखिए
   (D) अपनी सामानों को सँभालकर रखिए
10. (A) उनका प्राण पखेरू उड़ गया
    (B) उनके प्राण-पखेरू उड़ गए
    (C) उसका प्राण-पखेरू उड़ गई
    (D) उसकी प्राण-पखेरू उड़ गई
11. (A) उन्होंने इस विषय पर विशाल अध्ययन किया है
    (B) उन्होंने इस विषय पर भारी अध्ययन किया है
    (C) उन्होंने इस विषय का गहन अध्ययन किया है
    (D) उन्होंने इस विषय का विकराल अध्ययन किया है
12. (A) आपसे मिलकर बड़ी प्रसन्नता हुई
    (B) आपसे मिलकर भयंकर प्रसन्नता हुई
    (C) आपसे मिलकर विकट प्रसन्नता हुई
    (D) आपसे मिलकर तीव्र प्रसन्नता हुई
13. (A) तुमने अति निकृष्ट भूल की
    (B) तुमने विकट भूल की
    (C) तुमने बहुत लम्बी भूल की
    (D) तुमने भारी भूल की
14. (A) जीवन और साहित्य का घोर सम्बन्ध है
    (B) जीवन और साहित्य का अपार सम्बन्ध है
    (C) जीवन और साहित्य का घनिष्ठ सम्बन्ध है
    (D) जीवन और साहित्य का गंभीर सम्बन्ध है
15. (A) आकाशवाणी से यह समाचर कहा गया
    (B) आकाशवाणी से यह समाचार प्रसारित किया गया
    (C) आकाशवाणी से यह समाचार बताया गया
    (D) आकाशवाणी से यह समाचार सुनाया गया
16. (A) अंकुर कल सुबह के समय लखनऊ गया

(B) अंकुर कल सुबह लखनऊ गया

(C) अंकुर कल सुबह समय लखनऊ गया

(D) अंकुर कल सुबह को लखनऊ गया

17. (A) छत दीवाल में टिकी है

(B) छत दीवाल से टिकी है

(C) छत दीवालों पर टिकी है

(D) छत दीवालों में टिकी है

18. (A) चिड़ियाँ दाना खाती हैं

(B) चिड़ियाँ दाना भोजन करती हैं

(C) चिड़ियाँ दाना चखती हैं

(D) चिड़ियाँ दाना चुगती हैं

19. (A) विद्वान् की शोभा वस्त्रों से होती है

(B) विद्वान् की शोभा बहुमूल्य आभूषणों से होती है

(C) विद्वान् की शोभा सुगंधित इत्र लगाने से होती है

(D) विद्वान् की शोभा शुद्ध भाषा का प्रयोग से होती है

20. (A) बहुत-सी पत्र व पत्रिकाओं का प्रकाशन बन्द हो गया है

(B) बहुत-से पत्र और पत्रिकाओं का प्रकाशन बन्द हो गया है

(C) बहुत से पत्र अथवा पत्रिकाओं का प्रकाशन बन्द हो गया है

(D) बहुत-से पत्रों और पत्रिकाओं का प्रकाशन बंद हो गया है

21. (A) मोहन पढ़ा, परन्तु कृष्ण ने लेख लिखा

(B) मोहन ने पढ़ा, परन्तु कृष्ण ने लेख लिखा

(C) मोहन ने पढ़ा, किन्तु कृष्ण ने लेख लिखा

(D) मोहन पढ़ा और कृष्ण ने लेख लिखा

22. (A) कई सौ वर्षों तक भारत के गले में पराधीनता की बेड़ियाँ पड़ रहीं

(B) कई सौ वर्षों तक भारत के गले में पराधीनता की जंजीरें पड़ी रहीं

(C) कई सौ वर्षों तक भारत के गले में पराधीनता की हथकड़ी पड़ी रहीं

(D) कई सौ वर्षों तक भारत के गले में पराधीनता की चूड़ियाँ पड़ी रहीं

23. (A) ऐसी एकाध बातें और देखने में आती हैं

(B) ऐसी एकाध बातें और सुनने में आती हैं

(C) ऐसी एकाध बात और सुनने में आती है

(D) ऐसी एकाध बातें और जानकारी में आती हैं

24. (A) आप किधर को जा रहे हैं?

(B) आप कहाँ जा रहे हैं?

(C) आप कहाँ को जा रहे हैं?

(D) आप कहाँ जा रहे हो?

25. (A) कुमारी विजय लक्ष्मी कल अपने पति के साथ नैनीताल जाएंगी

(B) कुमारी विजय लक्ष्मी कल ही अपने पति सहित नैनीताल जाएंगी

(C) कुमारी विजय लक्ष्मी कल अपने पति के साथ नैनीताल जाना चाहती हैं

(D) श्रीमती विजय लक्ष्मी कल अपने पति के साथ नैनीताल जाएंगी

26. (A) क्या निगरानी और रक्षा की शक्ति ताले में है?

(B) क्या निगरानी, देखभाल और रक्षा की शक्ति ताले में है?

(C) क्या निगरानी और देखभाल और रक्षा की शक्ति ताले में है?

(D) क्या निगरानी एवं देखभाल और रक्षा की शक्ति ताले में है?

27. (A) पाकिस्तान की टीम विजित हुई

(B) पकिस्तानी टीम विजित हुई

(C) पाकिस्तान की टीम विजयी हुई

(D) पाकिस्तान की टीमें विजित हुई

28. (A) इस बात को कहने में किसी को संकोच न होगा

(B) इस बात को बताने में किसी को शक नहीं होगा

(C) इस बात को सार्वजनिक करने में किसी को संकोच नहीं होगा

(D) यह बात कहने में किसी को कोई संकोच न होगा

29. (A) तीन नगर के नाम बताइए

(B) तीन नगर का नाम बताइए

(C) तीन नगरों का नाम बताइए

(D) तीन नगरों के नाम बताइए

30. (A) भारत में अनेक जातियाँ हैं

(B) भारत में अनेकों जातियाँ हैं

(C) भारत में अनेकों जाति हैं

(D) भारत में अनेकानेक जाति है

31. (A) जहाँ तक हमारा विचार तो यही है

(B) जैसाकि हमारा विचार तो यही है

(C) जैसा भी हमारा विचार तो यही है

(D) हमारा विचार तो यही है

32. (A) उसे रोको मत जाने दो?

(B) उसे ! रोको मत जाने दो !

(C) उसे, रोको, मत, जाने दो

(D) उसे रोको, मत जाने दो

33. (A) वह रोते रोते थक गई?

(B) वह, रोते रोते थक, गई

(C) वह ! रोते रोते, थक गई

(D) वह रोते-रोते थक गई

34. (A) चोर दुम दबाकर चला गया

(B) चोर दुम दबाकर भाग गया

(C) चोर दुम दबाकर दौड़ गया

(D) चोर दुम दबाकर कूद गया

35. (A) वह बिलकुल यह कार्य नहीं जानता

(B) वह बिलकुल भी यह कार्य नहीं जानता

(C) यह कार्य बिलकुल भी वह नहीं जानता

(D) यह कार्य वह बिलकुल भी नही जानता

36. (A) रमेश का सदाचार अच्छा है

(B) रमेश का आचरण अच्छा है

(C) रमेश का सदाचरण अच्छा आचरण है

(D) सदाचारी रमेश का सदाचरण अच्छा है

37. (A) जोकि निकट भविष्य में अपेक्षित है

(B) जोकि शीघ्र ही अपेक्षित है

(C) जो निकट भविष्य में अपेक्षित है

(D) जोकि निकट भविष्य में है

38. (A) आप रात्रिभोज के लिए आमंत्रित हैं

(B) आप रात्रिभोज पर आमंत्रित हैं

(C) आप ही रात्रिभोज पर आमंत्रित हैं

(D) आप स्वयं रात्रिभोज पर आमंत्रित हैं

39. (A) यह औजार कौनसी धातु का है?

(B) यह औजार कौनसे धातु का है?

(C) यह यंत्र कौन-कौनसे धातु का है?

(D) यह औजार कौनसे पदार्थों का है?

40. (A) इसका लक्ष्य विद्याप्राप्ति ही होगी

(B) इसका लक्ष्य विद्याप्राप्ति ही होगा

(C) इसका लक्ष्य विद्याप्राप्ति होगी

(D) इसके लक्ष्य विद्या-अध्ययन होगा

41. (A) मेरी घड़ी में चार बजा है

(B) हमारी घड़ी में चार बजा है

(C) मेरी घड़ी में चार बजे हैं

(D) मेरी ही घड़ी में चार बजा है

42. (A) प्रयोगवाद की कविता में समाज की अपेक्षा शिल्प को और कथ्य की अपेक्षा व्यक्ति को अधिक महत्व दिया जाता है

(B) प्रयोगवाद की कविता में समाज की अपेक्षा कथ्य को और कथ्य की अपेक्षा व्यक्ति को अधिक महत्व दिया जाता है

(C) प्रयोगवाद की कविता में समाज और कथ्य की अपेक्षा शिल्प और व्यक्ति को अधिक महत्व दिया जाता है

(D) प्रयोगवाद की कविता में समाज की व्यक्ति को और कथ्य की अपेक्षा शिल्प को अधिक महत्व दिया जाता है

43 (A) तुलसी और सूर ब्रजभाषा के और अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं

(B) तुलसी और सूर क्रमशः अवधी और ब्रज के श्रेष्ठ कवि हैं

(C) तुलसी अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं और ब्रजभाषा के सूर हैं

(D) तुलसी और सूर अवधी के श्रेष्ठ कवि हैं

44. (A) भाषावार राज्य बन जाने से उपभाषाएं विकास नहीं हो पाईं

(B) भाषावार राज्य बन जाने के कारण उपभाषाओं की विकसित नहीं हो पाईं

(C) भाषावार राज्य बन जाने से उपभाषाएं विकसित नहीं हो पाईं

(D) भाषावार राज्य बन जाने से उपभाषाएं का विकास नहीं हो पाया

45. (A) नेताओं का हित इसमें है कि लोग आपस में लड़ाते रहें

(B) नेताओं का हित इसमें है कि लोग आपसी लड़ाई से दूर उलझे रहें

(C) नेता का हित इसमें है कि लोग आपस में लड़ते रहें

(D) नेताओं का हित इसमें है कि लोग उनसे लड़ते रहें

निर्देश—नीचे दिए गए प्रश्न संख्या 46 से 47 तक प्रत्येक प्रश्न में एक ऐसा वाक्य दिया गया है जिसके कुछ अंश को गहरा छपा कर दिया गया है. हो सकता है कि वाक्य के गहरे छपे भाग में व्याकरण या भाषा की कोई त्रुटि हो. वाक्य के नीचे चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से कोई एक वाक्य के गहरे छपे स्थान पर रख देने से वह उस त्रुटि को दूर कर उस वाक्य को दिए गए संदर्भ में एक सार्थक वाक्य बना सकता है. वह विकल्प ही आपका उत्तर है. यदि गहरे छपे अंश में कोई त्रुटि नहीं है और उसे बदलने की आवश्यकता नहीं है, तो उत्तर (E) अर्थात् 'संशोधन आवश्यक नहीं' दीजिए—

46. उसे गाड़ी पर चढ़ाकर राजू और शुभा **घर पे लौटे**—

(A) घर लौटने के लिए चले गए

(B) घर की ओर मुड़ पड़े

(C) घरों की तरफ जाने लगे

(D) अपने घर लौट आए

(E) संशोधन आवश्यक नहीं

47. याद आया कि आज कार्यक्रम उल्टा-पुल्टा हो जाने से **रामायण तो छूट गयी,** वरना रोज वह एक जरूरी काम होता है—

(A) रामायण का पाठ नहीं हो पाया

(B) रामायण कहीं भूल आया

(C) रामायण ले जाना ही भूल गया

(D) रामायण का पाठ न सुन सका, न किया

(E) संशोधन आवश्यक नहीं

उत्तरमाला

1. (D) 2. (D) 3. (A) 4. (B) 5. (D)
6. (A) 7. (D) 8. (A) 9. (A) 10. (B)
11. (C) 12. (A) 13. (D) 14. (C) 15. (B)
16. (B) 17. (C) 18. (D) 19. (D) 20. (B)
21. (D) 22. (B) 23. (C) 24. (B) 25. (D)
26. (A) 27. (C) 28. (D) 29. (D) 30. (A)
31. (D) 32. (D) 33. (D) 34. (B) 35. (A)
36. (B) 37. (B) 38. (A) 39. (A) 40. (B)
41. (C) 42. (C) 43. (B) 44. (C) 45. (C)
46. (D) 47. (A)

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ख]

प्रतियोगी परीक्षाओं में वाक्य शोधन सम्बन्धी कुछ प्रश्न ऐसे आते हैं, जिनमें विकल्पों के रूप में चार भिन्न-भिन्न वाक्य दिए जाते हैं, इनमें से एक वाक्य शुद्ध होता है. परीक्षार्थी को शुद्ध विकल्प वाले वाक्य का चयन करना होता है; जैसे—

(A) मैं तेरे से बात नहीं करूँगा

(B) तुम्हारे साथ उचित न्याय किया जाएगा

(C) वह नदी में पानी भरने गई है

(D) मैंने एक उपन्यास का अनुवाद किया है

हल : (A) **'तेरे से'** के स्थान पर **'तुम से'** होना चाहिए

(B) न्याय के साथ **'उचित'** शब्द अनावश्यक है

(C) नदी **'में'** के स्थान पर **'से'** होना चाहिए.

(D) वाक्य शुद्ध हैं अतः उत्तर है 'D'.

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में चार-चार वाक्य दिए गए हैं; उनमें से कौन-सा वाक्य वैयाकरणिक दृष्टि से शुद्ध है—

1. (A) मैं आज प्रातःकाल के समय घूमने गया था

(B) उसे एक मोतियों की माला दे दो

(C) मैं रात भर जागता रहा

(D) खरगोश को काटकर गाजर खिलाओ

2. (A) वह महिला वास्तव में विद्वान् है

(B) उपर्युक्त कथन सत्य है

(C) आज वार्षिकोत्सव समारोह है

(D) यहाँ गाय का शुद्ध दूध मिलता है

3. (A) युद्ध के कारण लोग बरबाद हो गए

(B) उसने कुछ देर से उत्तर दिया

(C) राम और सीता वन को गईं

(D) उसने धीमी स्वर में बताया

4. (A) नाव में पानी के भर जाने पर खतरा होता है

(B) उसने अपनी पत्नी को गला घोंट कर मार डाला

(C) इस रोग के लिए कोई उपचार नहीं है

(D) यह एक प्रकार की मोतियों की माला है

5. (A) वह स्वयं आएगा

(B) दूध में कौन पड़ गया?

(C) वाक्य और वाक्य के भेदों पर प्रकाश डालिए

(D) वह सुंदर शोभा धारण कर रहा था

6. (A) रीता गरम आग में आलू भूनती है

(B) यह पुस्तक बहुत अच्छी है

(C) यह लम्बा वाला आदमी दुष्ट लगता है

(D) वह कभी-कभी समुद्र में सैर करने जाता है

7. (A) वे हमारे गाँव से पशु हाँक ले गए

(B) दौड़ने से पहले पैंट निकाल देनी चाहिए

(C) उसने आगे बढ़ सकने का प्रयत्न किया

(D) कोलम्बस ने अमेरिका का आविष्कार किया

8. (A) काश ! अगर मैं उड़ पाता

(B) उसके बाद क्या हुआ?

(C) वह प्रायः करके झूठ बोलता है

(D) यह संसार नश्वर और नाशवान है

9. (A) बैठे-बैठे गाल चलाना ठीक नहीं

(B) मैंने भी घाट-घाट का पानी पी रखा है

(C) दर-दर नाक घिसना अच्छी बात नहीं

(D) देने वाला जब देता है, तो छप्पर तोड़कर देता है

10. (A) मोहन पढ़ा, परंतु कृष्ण ने लेख लिखा

(B) राम और राम का पुत्र मंदिर को जाता है

(C) उसका आचरण बुरा है

(D) पढ़ना एक आवश्यकीय कार्य है

11. (A) बंदूक एक बहुत ही उपयोगी शस्त्र है

(B) एक-एक करके सभी मर गए

(C) शिवाजी की खूब धाक जमीं

(D) जीवन और साहित्य का घनिष्ठ सम्बन्ध है

12. (A) यदि हमें जीवन में सब कुछ प्राप्त करना है, तो पुरुषार्थ को अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए

(B) विश्वनाथ अपने परिवारियों के साथ किसी महानगर में एक छोटे तंग मकान में रहता है

(C) गर्मी की उमस के बाद वर्षा हुई

(D) कई साल से निर्मला के मन में तीर्थयात्राओं की बड़ी लालसा थी

13. (A) उसकी जैसी शिष्या कहाँ मिलेगी?

(B) मैं केवल इतना चाहता हूँ

(C) सभा में उन भाइयों सम्बन्धी चर्चा हो रही थी

(D) द्विवेदीजी का व्यक्तित्व एक महान् व्यक्तित्व है

14. (A) वे इस भाषा को नहीं समझ सकते हैं न बोल सकते हैं

(B) क्या विश्वविद्यालय सामाजिक नेतृत्व देने में सफल रहे हैं?

(C) शराब विष से भयंकर है

(D) ट्रेन से जाना है, तो रेल का समय पूछ लीजिए

15. (A) यह नहीं वांछनीय है

(B) चार काशी विश्वविद्यालय के लड़के पकड़े गए

(C) मेले में विद्यार्थियों की कई टोलियाँ थीं

(D) यह काम पचास-सौ रुपए में नहीं होगा

16. (A) वह पुत्रवत् प्रजा का पालन करता था

(B) उसने तरह-तरह के चमड़े के जूते खरीदे

(C) मुझे एक चाय का प्याला दे दो

(D) यह गाय का असली घी है

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्न सं. 17 से 19 तक प्रत्येक प्रश्न में चार वाक्य दिए गए हैं, जिनमें से केवल एक वाक्य गलत है. गलत वाक्य ही आपका उत्तर होगा—

17. (A) हवा बहती है

(B) पवन दौड़ती है

(C) नदी बहती है

(D) बयार चलती है

18. (A) हाथी चलती है

(B) गाड़ी चलती है

(C) शान्ती गाती है

(D) रमा पढ़ती है

19. (A) हम लिख रहा हूँ

(B) हम फल खा चुके थे

(C) वे आज आए

(D) हिमालय हमारा सन्तरी है

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (A) 4. (B) 5. (A)
6. (B) 7. (A) 8. (B) 9. (B) 10. (C)
11. (D) 12. (C) 13. (B) 14. (C) 15. (C)
16. (D) 17. (B) 18. (A) 19. (A)

●●●

उपकार
यू.जी.सी.
नेट/जे.आर.एफ./सेट
शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता
(जनरल पेपर-I)
गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र सहित
नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण
लेखक : डॉ. मिथिलेश पाण्डेय Code No. 271 मूल्य : ₹ 380/-
प्रमुख आकर्षण
- शिक्षण अभिक्षमता
- अनुसंधान अभिक्षमता
- अध्ययन बोध
- संचार
- तर्क (गणितीय तर्क सहित)
- युक्तिसंगत तर्क
- सूचनाओं का विवेचन
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
- जन एवं पर्यावरण
- उच्च शिक्षा प्रणाली
- शासन, राजनीति एवं प्रशासन
- प्रायिकता एवं प्रतिचयन
उपकार प्रकाशन, आगरा-2
E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

[ग]

वाक्य के अशुद्ध भाग का चयन करना

इस प्रकार के प्रश्न में एक वाक्य को (A), (B), (C) और (D) खण्डों में विभक्त कर देते हैं. परीक्षार्थी उस वाक्य को पढ़कर देखता है कि उसके किस खण्ड में व्याकरण अथवा भाषा ज्ञान के नियमों के अनुसार त्रुटि है. त्रुटिपूर्ण खण्ड का चयन कर चिह्नित करना होता है. यदि वाक्य त्रुटि रहित है, तो '**कोई त्रुटि नहीं**' को उत्तर के रूप में चिह्नित करना होता है.

उदाहरण 1.

अब वह पौधा/ बड़ा विशाल वृक्ष/ बन गया है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

हल : इस वाक्य में 'पुनरुक्ति दोष' है इसमें प्रयुक्त 'बड़ा' और 'विशाल' शब्द समानार्थी हैं अतः '**बड़ा**' के साथ '**विशाल**' शब्द का प्रयोग अनावश्यक है; अतः (B) त्रुटिपूर्ण है, अर्थात् इसका उत्तर (B) है.

उदाहरण 2.

पुलिस द्वारा चोरी/ का माल बरामद/ हो गया है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

हल : इस वाक्य में 'शब्द विपर्यय' दोष है अर्थात् शब्दों का क्रम त्रुटिपूर्ण है इस वाक्य का शुद्ध रूप है—'चोरी का माल पुलिस द्वारा बरामद हो गया'. अतएव 'पुलिस द्वारा चोरी' खण्ड (A) त्रुटिपूर्ण है अर्थात् इसका उत्तर (A) है.

उदाहरण 3.

द्विवेदी जी का/ व्यक्तित्व महान/ व्यक्तित्व है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

हल : इस वाक्य में 'पुनरुक्ति दोष' है अर्थात् 'व्यक्तित्व' शब्द दो बार आया हुआ है, इस वाक्य का शुद्ध रूप है—'द्विवेदी जी का व्यक्तित्व महान् है. अतएव (C) खण्ड त्रुटिपूर्ण है.

उदाहरण 4.

उसकी अलौकिक योग्यता/ के कारण सभी लोग/ उसे मानते हैं/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

हल : इस वाक्य में 'अनुपयुक्त शब्द प्रयोग' सम्बन्धी अशुद्धि है. योग्यता के साथ अलौकिक शब्द अनुपयुक्त है. यहाँ 'अलौकिक योग्यता' के स्थान पर '**असाधारण योग्यता**' होना चाहिए. अतः इस वाक्य में खंड (A) त्रुटिपूर्ण है.

उदाहरण 5.

यद्यपि आप विद्वान हैं/ तथापि आपको/ पढ़ते रहना चाहिए/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

हल : यह वाक्य शुद्ध है अतः इसका उत्तर (D) कोई त्रुटि नहीं होगा.

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्यों में से कुछ में त्रुटि है और कुछ ठीक हैं. त्रुटि वाले वाक्य के जिस भाग में त्रुटि हो उत्तर पत्रक में उसके अनुरूप (A) या (B) या (C) को चिह्नित करें. यदि वाक्य में कोई त्रुटि न हो, तो (D) को चिह्नित करें.

1. विधार्थियों को/ इस पुस्तक का/ अध्ययन उपयोगी होगा/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

2. हमारे देश / का ऊत्थान/ कब होगा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

3. मुझे इस / आदमी का पता/ मालुम नहीं है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

4. राम ने / दस कुन्तल / कोयला खरीदा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

5. इसके लिए एक/प्रमाणिक कथा/ प्रचलित है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

6. अभी वह कोई/ काम-धंदा/ नहीं करता है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

7. जीवन और मरन/ विधाता के हाथ/ में है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

8. सींचने से/ बनष्पतियाँ हरी-भरी/ हो जाती हैं/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

9. हमें सरल मार्ग/ का अनुसरन/ करना चाहिये/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

10. अब प्रश्न यह है/ कि देश का/ पुर्नुत्थान कैसे होगा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

11. छात्राओं ने/ रंगारंग कार्यक्रम में/ भाग लिया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

12. तुम जो कहते हो/ कि करोड़ों लोग थे/ यह भी अत्योक्ति है/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

13. वे इस जिले के/ लब्ध प्रतिष्ठित/ व्यक्ति हैं/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

14. इस ग्रंथ की/ इतिहासिकता/ संदिग्ध है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

15. वे किसी पहाड़ पर/ स्वास्थ्यता लाभ/ कर रहे हैं/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

16. क्या आप जानते हैं कि/ बृहत्तर भारत का/ क्या अर्थ है/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

17. टैगोर की कृतियों का/ देवनागरी भाषा में/ अनुवाद किया गया/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

18. सरकार ने/ लेखक को पुरस्कार/ अर्पित किया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

19. वह/ डर के मारे/ दौड़ गया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

20. मंत्राणी जी/ प्रदर्शनी का उद्घाटन/ करने आई थीं/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

21. मुझे उसके/ प्रतिकूल कुछ/ कहना ही पड़ा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

22. इस पुस्तक का/ छपित मूल्य/ कितना है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

23. अंशुल/ चित्रकला का/ व्यायाम कर रही है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

24. आप लोगों का/ परस्पर में सहयोग/ होना चाहिये/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

25. वे लोग धन्य हैं कि जिन्हें/ आप जैसे महात्मा के/ दर्शन होते हैं/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

26. यह पुस्तक/ मेरी कृतियों में/ सबसे सर्वश्रेष्ठ है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

27. समाज में/ अराजकता की समस्या/ बढ़ रही है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

28. रेडियो की/ उत्पत्ति/ किसने की/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

29. विद्वानों के बीच/ बोलने का/ उत्साह कौन करेगा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

30. उन्नति के मार्ग में/ संकट भी/ आती हैं/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

31. आज हम दोनों/ की मुलाकात/ अनन्तकाल के बाद/
(A) (B) (C)
सम्भव हो पा रही है
(D)

32. आपने/ जिसकी लाठी उसकी भैंस/ वाली कथा सुनी है/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

33. यह वही लड़का है/ उसको तुमने/ पीटा था/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

34. यह सूटकेस/ बहुत वजन है/ उसमें क्या है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

35. मैं दो घंटे से/ आपकी प्रतीक्षा/ देख रहा था/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

36. मैं अपना काम/ स्वयं कर/ देता हूँ/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

37. जब बैंक से रुपया लें/ तो अच्छी तरह/ देख लीजिए/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

38. हम वहाँ/ जाने नहीं/ सकेंगे/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

39. सोहन के/ गए पर/ वह उठ बैठा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

40. हमारा कर्त्तव्य है/ कि दीन- दुखियों की/ सहायता की जाए/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

41. वह अपना/ वेतन नहीं/ पा पाया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

42. मुझे उसकी/ आँख का आँसू/ देखे नहीं जाते/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

43. गौतम बुद्ध ने/ पालि भाषा में/ उपदेश दिए/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

44. मैं उससे सारा काम/ अपने हित में/ करा दूँगा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

45. मैं इस काम में/ किसी भी प्रकार का सहयोग/ प्रदान नहीं कर सकता/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

46. उस पर/ चोरी का अभियोग/ चलाया गया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

47. उसने अपना/ सारा धन गरीबों को/ बाँट दिया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

48. अच्छा हुआ/ आप इसी बहाने से/ आए तो सही/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

49. इस काम के/ करने में/ आपको कष्ट नहीं होगा/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

50. थानेदार की जेब में/ एक छोटी सी/ पिस्तौल है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

51. हमें अपने माता-पिता ने/ आज्ञानुसार/ चलना चाहिए /
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

52. आपके लिए/ गाड़ी मँगवा/ लिया है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

53. परशुराम के क्रोधाग्नि/ ने क्षत्रियों को/ जला दिया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

54. लोग इस फूल की/ माला बनाकर/ पहनते हैं/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

55. शत्रु पर/ गोले और तोपों से/ आक्रमण कर दिया गया/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

56. राजपूत केवल एकमात्र तलवार की भाषा/ बोलने और समझने
(A) (B)
वाला होता है/, प्रेम की भाषा से वह अनभिज्ञ होता है/
(C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

57. सह-शिक्षा वाली कक्षा को यदि पुरुष पढ़ाता है/ तो वह लड़कियों
(A)
की आवश्यकता को नहीं समझ सकेगा/ और स्त्री अध्यापिका
(B)
लड़कों के साथ पूर्ण न्याय नहीं कर सकेगी/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

58. प्राकृतिक सौन्दर्यता/ अपने अद्भुत आकर्षण से/ सभी को मुग्ध कर
(A) (B) (C)
लेता है/ कोई त्रुटि नहीं
(D)

59. कल परीक्षा है/ और आज पुस्तक खरीदकर/ तुम पावक लगने पर
(A) (B)
कुआं खोदने का काम कर रहे हो/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

60. भारतीय किसान आजीवन जीवन भर/ पूरी मेहनत करता है/ पर
(A) (B)
साहूकारों के चंगुल से नहीं निकल पाता है/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

61. विवाह तभी/ सफल होते हैं/ जब पति-पत्नी सहयोग करती है/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

62. मैंने अपने मित्र के/ नाम क्लर्क को/ एक पत्र लिखवाया/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

63. आधा घंटा/ नहाने-धोने के अंदर/ निकल गया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

64. उसने शत्रु पर/ भी मित्रता का/ व्यवहार किया/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

65. द्विवेदी जी की/ मृत्यु से/ हमें बड़ा खेद हुआ/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

66. मैं उसे अपने/ झोंपड़े में ले आया और/ अपनी राम कहानी कह
(A) (B) C
सुनाया/ कोई त्रुटि नहीं
(D)

67. खिलाड़ियों के/ अनेक गिरोह/ हाकी खेल रहे हैं/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

68. मुझे आशा है कि आप/ मेरे सुझावों पर विचार करेंगे और/
(A) (B)
कार्यक्रम को रोचकपूर्ण बनायेंगे/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

69. अपने सेवानिवृत्त साथी/ की विदाई के अवसर पर दफ्तर के
(A) (B)
लोगों ने/ भरे दिल से भाषण दिए/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

70. तुम कक्षा में/ आते हो तो तुम्हारी/ किताब साथ/ क्यों नहीं लाते
(A) (B) (C) (D)

71. फूल में सुगन्ध/ होती है और/ तितली के पास/ सुंदर पंख
(A) (B) (C) (D)

72. हम निम्नलिखित/ राज नगर के/ निवासी आपसे/ मिलना चाहते हैं
(A) (B) (C) (D)

73. कुमारी विजय लक्ष्मी/ कल अपने पति के साथ/ नैनीताल जायेंगी/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

74. क्या निगरानी/ देखभाल/ और रक्षा की शक्ति ताले में है/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

75. जीवन में धर्म का विशेष महत्व है/ धर्म की रक्षा यदि असत्य से
(A) (B)
होती है/ तो असत्य सत्य से भी कई गुना बड़ा है/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

निर्देश—(प्रश्न 76 से 78 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्यों में से कुछ में त्रुटियाँ हैं और कुछ ठीक हैं. त्रुटि वाले वाक्य के जिस भाग में त्रुटि हो उसके अनुरूप अक्षर (A), (B), (C) वाले भाग को उत्तर-पत्र में चिह्नित करें. यदि वाक्य में कोई त्रुटि न हो, तो (D) वाले भाग को चिह्नित करें.

76. संस्मरण लेखक अपने संस्मरणों में/ विस्मरणीय क्षणों एवं घटनाओं
(A) (B)
का/ लेखा-जोखा अंकित करता है/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

77. इच्छा, ज्ञान और क्रिया की समरसता से ही/ मनुष्य आनन्दोपलब्धि
(A) (B)
कर सकता है/ यह कामायनी कर संदेश है/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

78. वनों की एक बहुत बड़ी उपयोगिता यह भी है कि/उनके वातावरण
(A) (B)
में/आवश्यक आर्द्रता बनी रहती है/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

निर्देश—(प्रश्न 79 से 85 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्यों में से कुछ में त्रुटियाँ हैं और कुछ ठीक हैं. त्रुटि वाले वाक्य के जिस भाग में त्रुटि हो, उत्तर पत्रक में उसके अनुरूप (A), (B), या (C), वाले भाग को चिह्नित करें. यदि वाक्य में कोई त्रुटि न हो, तो (D) वाले भाग को चिह्नित करें.

79. किसानों का जीवन/ प्रायः कृषि पर ही/ निर्भर रहता है/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

80. पूरी रात भर वर्षा होती रही/ सुबह उठकर देखा तो/ चारों ओर जल
(A) (B)
ही जल दिखाई पड़ा/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

81. कई साल से निर्मला के मन में/ तीर्थ यात्राओं की/ बड़ी लालसा थी/
(A) (B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

82. विश्वनाथ अपने परिवारियों के साथ/ किसी महानगर में एक छोटे
(A) (B)
तंग/मकान में रहता है/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

83. मनुष्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि/ वह अखिल विश्व में
(A)
अनजाने-जाने रहस्यों/ के जानने को सदैव उत्सुक रहा है/
(B) (C)
कोई त्रुटि नहीं
(D)

84. गर्मी की तीव्र/ उमस के बाद/ शीतल वर्षा हुई/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

85. जनता को कुसंस्कारों से मुक्त करने के लिये/ संतों ने रूढ़िवादों
(A)
और अंधविश्वासों पर/ कठोर प्रहार किए/ कोई त्रुटि नहीं
(B) (C) (D)

निर्देश—(प्रश्न 86 से 88 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्यों में से कुछ में त्रुटि है और कुछ ठीक हैं. त्रुटि वाले वाक्य के जिस भाग में त्रुटि हो, उत्तर पत्रक में उसके अनुरूप (A) या (B) या (C) वाले भाग को चिह्नित करें. यदि वाक्य में कोई त्रुटि न हो, तो (D) वाले भाग को चिह्नित करें.

86. स्वतन्त्रता संग्राम में मार्ग दर्शन के लिये/ महात्मा गांधी का देश/
(A) (B)
सर्वदा आभारी रहेगा/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

87. गर्मी की उस दोपहरी में/ भीषण अग्निकांड को देखकर/
(A) (B)
मेरा तो प्राण निकल गया/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

88. बुरा-से-बुरा आदमी भी/ अपने पारिवारिक सदस्यों के प्रति/
(A) (B)
सद्भाव रखता है/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

निर्देश—(प्रश्न 89 से 90 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्यों में से कुछ में त्रुटि है और कुछ ठीक हैं. त्रुटि वाले वाक्य के जिस भाग में त्रुटि हो, उस भाग का अक्षरांक (A) या (B) या (C) वाले भाग को चिह्नित करें. यदि वाक्य में कोई त्रुटि न हो, तो (D) वाले भाग को चिह्नित करें.

89. गुणी मनुष्य कहता है कि/ मैं विविध प्रकार के दुःखों को/सहन
(A) (B)
करके भी दुःखी नहीं हूँ/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

90. प्रत्येक देशवासियों को/ देश की सेवा में/तन-मन-धन अर्पण करना
(A) (B) (C)
चाहिये/ कोई त्रुटि नहीं
(D)

निर्देश—(प्रश्न 91 से 92 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्यों के जिन भागों में त्रुटि हो उस भाग का अक्षरांक (A) या (B) या (C) या (D) वाले भाग को चिह्नित करें.

91. वे ही क्षण/ जीवित हैं/ जिनकी विकास / साहस से हुआ है
(A) (B) (C) (D)

92. शक्ति शरीर को/आज्ञा देती है/तो उसके सामने/इसे कूदनी पड़ता है
(A) (B) (C) (D)

निर्देश—(प्रश्न 93 से 96 तक) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न में चार खण्डों (A, B, C, D) में विभाजित वाक्य दिया गया है. प्रत्येक वाक्य के जिस भाग में त्रुटि है उसे उत्तर-पत्र चिह्नित कीजिए.

93. अध्यापक ने/ आज हमारे को/ नया पाठ/ पढ़ाया
(A) (B) (C) (D)

94. आपकी/ बात/ सुनकर/ मैं विस्मय हूँ
(A) (B) (C) (D)

95. वहाँ/ अनेकों/ लोग आए/ हुए थे.
(A) (B) (C) (D)

96. झगड़ों के कारण/ नगर की अधिकतर/ दुकानें आज भी/ बंद रहीं
(A) (B) (C) (D)

निर्देश—(प्रश्न 97 से 100 तक) निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए वाक्यों में से कुछ में त्रुटियाँ हैं और कुछ ठीक हैं. त्रुटि वाले वाक्य के जिस भाग में त्रुटि हो उसके अनुरूप अक्षर (A) या (B) या (C) वाले भाग को उत्तर-पत्र में चिह्नित करें. यदि त्रुटि न हो तो (D) वाले भाग को चिह्नित करें.

97. साहित्यकार का दायित्व/बल्कि उनके कारणों का विवेचन करते
(A) (B)
हुए श्रेयस मार्ग की ओर ले जाना है/, वस्तुस्थिति का यथा तथ्य
चित्रण प्रस्तुत कर देना ही नहीं/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

98. जनसंख्या में/ हम अपने जीवन को सुखी और संतुष्ट नहीं बना
(A) (B)
सके/ असाधारण बुद्धि के कारण/ कोई त्रुटि नहीं
(C) (D)

99. उसको/ शराब की/ आदत पड़ गई है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

100. यह भोजन/ मेरे स्वास्थ्य के / अनुरूप नहीं है/ कोई त्रुटि नहीं
(A) (B) (C) (D)

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) 'बिधार्थियों को' के स्थान पर '**विद्यार्थियों के लिए**' होना चाहिए.
2. (B) 'ऊत्थान' के स्थान पर '**उत्थान**' होना चाहिए.
3. (C) 'मालुम' के स्थान पर '**मालूम**' होना चाहिए.
4. (D). कोई त्रुटि नहीं है.
5. (B) 'प्रमाणिक' के स्थान पर '**प्रामाणिक**' होना चाहिए.
6. (B) 'काम-धंदा' के स्थान पर '**काम-धंधा**' होना चाहिए.
7. (A) 'मरन' के स्थान पर '**मरण**' होना चाहिए.
8. (B) 'बनष्पतियाँ' के स्थान पर '**वनस्पतियाँ**' होना चाहिए.
9. (B) 'अनुसरन' के स्थान पर '**अनुसरण**' होना चाहिए.
10. (C) पुर्नुत्थान' के स्थान पर '**पुनरुत्थान**' होना चाहिए.
11. (D) कोई त्रुटि नहीं है.
12. (C) 'अत्योक्ति' के स्थान पर '**अत्युक्ति**' होना चाहिए.
13. (B) 'लब्ध प्रतिष्ठित' के स्थान पर '**लब्ध प्रतिष्ठ**' होना चाहिए.
14. (B) 'इतिहासिकता' के स्थान पर '**ऐतिहासिकता**' होना चाहिए.
15. (B) 'स्वस्थ्यता' के स्थान पर '**स्वास्थ्य**' होना चाहिए.
16. (B) बृहत्तर' के स्थान पर '**बृहत्तर**' होना चाहिए.
17. (B) देवनागरी' के स्थान पर '**हिन्दी**' होना चाहिए.
18. (C) 'अर्पित' के स्थान पर '**प्रदान**' होना चाहिए.
19. (C) 'दौड़' के स्थान पर '**भाग**' होना चाहिए.
20. (A) 'मंत्राणी' के स्थान पर '**मंत्री**' होना चाहिए.
21. (B) 'प्रतिकूल' के स्थान पर '**विरुद्ध**' होना चाहिए.

22. (B) 'छपित' के स्थान पर **'मुद्रित'** होना चाहिए.
23. (C) 'व्यायाम' के स्थान पर **'अभ्यास'** होना चाहिए.
24. (B) 'में' का प्रयोग नहीं होना चाहिए.
25. (A) 'कि' का प्रयोग अनावश्यक है.
26. (C) 'सबसे' का प्रयोग अनावश्यक है.
27. (B) 'की समस्या' अनावश्यक है.
28. (B) 'उत्पत्ति' के स्थान पर **'आविष्कार'** होना चाहिए.
29. (C) 'उत्साह' के स्थान पर **'साहस'** होना चाहिए.
30. (B) 'संकट' के स्थान पर **'बाधाएं'** होना चाहिए.
31. (C) 'अनंतकाल' के स्थान पर **'लम्बे समय'** होना चाहिए.
32. (C) 'कथा' के स्थान पर **'कहावत'** होनी चाहिए.
33. (B) 'उसको' के स्थान पर **'जिसको'** होना चाहिए.
34. (C) 'उसमें' के स्थान पर **'इसमें'** होना चाहिए.
35. (C) 'देख रहा था' के स्थान पर **'कर रहा हूँ'** होना चाहिए.
36. (C) 'देता' के स्थान पर **'लेता'** होना चाहिए.
37. (C) 'लीजिए' के स्थान पर **'लें'** होना चाहिए.
38. (B) 'जाने नहीं' के स्थान पर **'जा नहीं'** होना चाहिए.
39. (B) 'गए पर' के स्थान पर **'जाने पर'** होना चाहिए.
40. (C) 'की जाए' के स्थान पर **'करें'** होना चाहिए.
41. (C) 'पा पाया' के स्थान पर **'ले पाया'** होना चाहिए.
42. (B) 'आँख का आँसू' के स्थान पर **'आँखों के आँसू'** होना चाहिए.
43. (C) 'उपदेश दिए' के स्थान पर **'उपदेश दिया'** होना चाहिए.

44. (C) 'दूँगा' के स्थान पर **'लूँगा'** होना चाहिए.
45. (C) 'प्रदान' शब्द हटा दें.
46. (C) 'चलाया' के स्थान पर **'लगाया'** होना चाहिए.
47. (B) 'गरीबों को' के स्थान पर **'गरीबों में'** होना चाहिए.
48. (B) 'से' का प्रयोग अनावश्यक है.
49. (A) 'इस काम के' के स्थान पर **'यह काम'** होना चाहिए.
50. (B) 'छोटी-सी' के स्थान पर **'छोटा सा'** होना चाहिए.
51. (A) 'की' के स्थान पर **'के'** होना चाहिए.
52. (C) 'लिया है' के स्थान पर **'ली है'** होना चाहिए.
53. (A) 'के' की जगह **'की'** होना चाहिए.
54. (A) 'इस फूल की' के स्थान पर **'इन फूलों की'** होना चाहिए
55. (B) 'गोले' के स्थान पर **'गोलों'** होना चाहिए.
56. (A) 'केवल' या 'एकमात्र' में से कोई एक हटा दें, क्योंकि ये दोनों समानार्थी हैं.
57. (C) 'लड़कों के साथ' की जगह **'लड़कों की आवश्यकता के साथ'** कर दें.
58. (A) 'सौन्दर्यता' के स्थान पर **'सौन्दर्य'** होना चाहिए.
59. (C) 'पावक' के स्थान पर **'प्यास'** होना चाहिए.
60. (A) 'आजीवन' या 'जीवन भर' में से कोई एक होना चाहिए.
61. (C) 'करती' के स्थान पर **'करते'** होना चाहिए.
62. (B) 'को, के स्थान पर **'से'** होना चाहिए.
63. (B) 'अंदर' के स्थान पर **'में'** होना चाहिए.
64. (A) 'पर' के स्थान पर **'से'** होना चाहिए.
65. (C) 'खेद' के स्थान पर **'शोक'** होना चाहिए.
66. (C) 'सुनाया' के स्थान पर **'सुनाई'** होना चाहिए.
67. (B) 'गिरोह' के स्थान पर **'दल'** होना चाहिए.
68. (C) 'रुचिपूर्ण' या 'रोचक' होना चाहिए.
69. (C) 'भरे दिल से' के स्थान पर **'भावपूर्ण'** होना चाहिए.
70. (B) 'तुम्हारी' के स्थान पर **'अपनी'** होना चाहिए.
71. (C) 'पास' शब्द का प्रयोग अनावश्यक है.
72. (A) 'निम्नलिखित' शब्द का प्रयोग अनावश्यक है.
73. (A) 'कुमारी' के स्थान पर **'श्रीमती'** होना चाहिए.
74. (B) 'देखभाल' शब्द अनावश्यक है अतः इसे हटा दें.
75. (C) 'भी' का प्रयोग अनावश्यक है अतः इसे हटा दें.
76. (B) 'विस्मरणीय' के स्थान पर **'स्मरणीय'** होना चाहिए.
77. (A) समरसता ज्ञान और क्रिया के मध्य होती है अतः 'इच्छा' का प्रयोग अनावश्यक है.
78. (B) 'उनके' के स्थान पर **'उनसे'** होना चाहिए.
79. (C) 'रहता' शब्द का प्रयोग अनावश्यक है.
80. (A) 'पूरी-रात' शब्द पर्याप्त है अतः **'भर'** का प्रयोग अनावश्यक है.
81. (B) 'तीर्थयात्राओं' के स्थान पर **'तीर्थयात्रा'** होना चाहिए.
82. (A) 'परिवारियों' के स्थान पर **'परिवार'** होना चाहिए.
83. (B) 'अनजाने-जाने' का प्रयोग अनावश्यक है.
84. (A) 'तीव्र' शब्द का प्रयोग अनावश्यक है.
85. (B) रूढ़िवादों के स्थान पर **'रूढ़ियों'** होना चाहिए.
86. (B) 'महात्मा गांधी का देश' के स्थान पर **'देश महात्मा गांधी का'** का होना चाहिए.
87. (C) 'मेरा तो प्राण निकल गया' के स्थान पर **'मेरे तो प्राण निकल गए'** होना चाहिए.
88. (A) 'बुरा-से-बुरा' के स्थान पर **'बुरे-से-बुरा'** होना चाहिए.
89. (A) 'गुणी' शब्द के स्थान पर **'साहसी'** या **'धैर्यवान'** शब्द का प्रयोग होना चाहिए.
90. (A) 'देशवासियों के स्थान पर **'देशवासी'** होना चाहिए.
91. (C) 'जिनकी' के स्थान पर **'जिनका'** होना चाहिए.
92. (D) 'कूदनी' के स्थान पर **'कूदना'** होना चाहिए.
93. (B) 'हमारे को' के स्थान पर **'हमको'** होना चाहिए.
94. (D) 'विस्मय' के स्थान पर **'विस्मित'** होना चाहिए.
95. (B) 'अनेकों' के स्थान पर **'अनेक'** होना चाहिए.
96. (B) 'अधिकतर' के स्थान पर **'अधिकांश'** होना चाहिए.
97. (C) (C) खण्ड का प्रयोग (A) खण्ड के बाद और (B) से पहले होना चाहिए.
98. (C) (C) खण्ड का प्रयोग (A) खण्ड के बाद और (B) से पहले होना चाहिए.
99. (C) 'आदत' के स्थान पर **'लत'** होना चाहिए.
100. (C) 'अनुरूप' के स्थान पर **'अनुकूल'** होना चाहिए.

●●●

वाक्य में रिक्त स्थानों की पूर्ति

प्रतियोगी परीक्षाओं में कुछ प्रश्न "वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति" सम्बन्धी आते हैं. इन प्रश्नों को हल करते समय वाक्य रचना, शब्दों के उचित प्रयोग, समोच्चारित शब्दों के अर्थ-भेद, समानार्थी शब्दों के प्रयोग में भिन्नता, शब्दों के विलोम आदि की उचित जानकारी से सही विकल्प का चयन करने में सहायता मिलती है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश—नीचे दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए चार-चार विकल्प प्रस्तावित हैं, उचित विकल्प का चयन कीजिए.

01. खानों में नीचे उतरने के पहले यह······ करना अत्यन्त आवश्यक है कि वे सुरक्षित तो हैं.
(A) व्यवस्था (B) प्रबन्ध
(C) नियन्त्रित (D) सुनिश्चित

02. वर्तमान·········में भी महात्मा गांधी के विचारों का महत्व कम नहीं होता.
(A) क्षेत्र (B) संदर्भ
(C) घटनाओं (D) परम्पराओं

03. मुझे······है कि आप मेरा मनोभाव न समझ सके.
(A) खेद (B) शोक
(C) दर्द (D) दुःख

4. आदरपूर्वक जीने का तरीका यह है कि जैसा अपने को दिखाना चाहते हैं, वस्तुतः·········से भी वैसा ही बनें.
(A) अन्तर (B) भीतर
(C) बाहर (D) घर

5. जब तुम संकल्पवान होओगे, तब महाकाल स्वयं तुम्हारा·········होगा.
(A) अनुचर (B) परिचर
(C) सर्वस्व (D) सहचर

6. वैदिक कर्मकाण्डों की अनेक विधाओं ने भी पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा का·········निभाया है.
(A) मार्ग (B) संदेश
(C) दायित्व (D) निर्देश

7. भारत में भौगोलिक स्थिति, जलवायु, आहार, फसल, पहनावा, धर्म, भाषा, रीति-रिवाजों इत्यादि में महत्वपूर्ण·········पाई जाती हैं.
(A) विचित्रताएं (B) विशेषताएं
(C) उपलब्धियाँ (D) विविधताएं

8. कश्मीर की समस्या अब शीघ्र········· योग्य हो गई है.
(A) विचारने (B) समाधान
(C) सुधारने (D) हटाने

9. ·········बुरी बला है.
(A) लड़ाई (B) अज्ञानता
(C) लालच (D) मूर्खता

10. 'संघाराम' मूलतः बौद्ध······के निवास स्थान थे.
(A) अनुयायियों (B) भक्तों
(C) भिक्षुओं (D) संतों

11. मणिपुरी वैष्णव धर्म की विषयवस्तु का ······लेकर शास्त्रीय नृत्य में रंग गया.
(A) रूप (B) भाव
(C) कथानक (D) अवलम्बन

12. वह जिधर·········जीवन लहरा उठा, वह जिधर झुका प्रेम बरस पड़ा.
(A) मुड़ा (B) गया
(C) रुका (D) बहा

13. छत्रपति शिवाजी के जन्म दिन की स्मृति 7 मई को प्रतिवर्ष महाराष्ट्र में एक नवीन·········के रूप में मनाई जाती है.
(A) उत्सव (B) आदर्श
(C) परम्परा (D) त्यौहार

14. न जाने आज गाय का·········दूध क्यों फट गया?
(A) कुछ (B) बहुत
(C) सारा (D) थोड़ा

15. वह काम करो जिससे सबका······हो.
(A) ह्रास (B) लाभ
(C) अपकार (D) अपमान

16. जीवन की छोटी-छोटी चीजों में जो आनन्द का अनुभव कर सकेगा उसे कोई बड़े·········दुनिया में उपलब्ध नहीं होंगे.
(A) आनन्द (B) अनुभव
(C) ज्ञान (D) प्रज्ञा

17. मनुष्य को अपने भाग्य का निर्माता एवं भविष्य का·········भी कहा जाता है.
(A) अधिष्ठाता (B) नियामक
(C) विधाता (D) सुधारक

18. ·········सम्पन्न शीतल समीर मंदगति से प्रकृति के कोने-कोने में उन्माद भर देता है.
(A) रसाल (B) मकरंद
(C) सौरभ (D) सीकर

19. खजुराहो मन्दिर वास्तुकला की नागर शैली के·········उदाहरण हैं.
(A) जीवंत (B) उत्कृष्ट
(C) श्रेष्ठ (D) अनुपम

20. बुलन्द दरवाजा मुगल सम्राट् अकबर द्वारा बनवाई गई सम्पूर्ण कृतियों में श्रेष्ठतम·········है.
(A) भवन (B) कृति
(C) इमारत (D) किला

21. उसने कोशिश तो काफी की······ सफल न हुआ.
(A) किन्तु (B) बल्कि
(C) यदि (D) एवं

22. मन्दिरों में पुजारी केवल······ही देखते हैं.
(A) चढ़ौती (B) फूलमाला
(C) भक्ति (D) कपड़े

23. मधुर वचन है औषधि·········वचन है तीर.
(A) कठोर (B) कटुक
(C) असत् (D) कछुक

24. आत्म-विश्वास, सतत् परिश्रम एवं दृढ़ निश्चय के ·········कुछ भी असम्भव नहीं है.
(A) तुल्य (B) समान
(C) समक्ष (D) समकक्ष

25. शालीनता बिना मोल मिलती है······ उससे सब कुछ खरीदा जा सकता है.
(A) यद्यपि (B) तथापि
(C) अस्तु (D) परन्तु

26. आचरण की श्रेष्ठता, विचारों में उत्कृष्टता एवं भावनाओं की·········ही धर्म का व्यावहारिक लक्ष्य है.
(A) विद्रूपता
(B) उत्तमता
(C) आत्मीयता
(D) विद्वता

27. वर्षा होगी तो फसल·········होगी.
(A) सूखी (B) अच्छी
(C) नहीं (D) नष्ट

28. महात्मा बुद्ध करुणा के साक्षात्······ थे.
(A) विग्रह (B) अनुग्रह
(C) परिग्रह (D) अपरिग्रह

29. जाति का आधार·········है और वर्ण का गुण कर्म.
(A) कर्म (B) धर्म
(C) सम्प्रदाय (D) जन्म

30. अनुजों के दोषों पर·········ध्यान नहीं देते.
(A) दनुज (B) सनुज
(C) अग्रज (D) प्रियजन

31. सर्वप्रथम यह प्रश्न·········है कि लेखक अपनी कृति के माध्यम से पाठक को क्या संदेश देता है?
(A) स्मरणीय
(B) विचारणीय
(C) माननीय
(D) शोचनीय

32. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को हिन्दी साहित्य में आधुनिकता का प्रवर्तक······माना जाता है.
(A) कवि
(B) साहित्यकार
(C) नाटककार
(D) कथाकार

33. दीये पर पतंगा आया उससे मैंने······सीखा.
(A) जीना
(B) रहना
(C) जलना
(D) प्रेम

34. आधुनिककाल में गद्य का महत्व सहसा बहुत ········· गया.
(A) बढ़
(B) घट
(C) कम हो
(D) समान हो

35. 'नयी कविता' में सभी वादों से मुक्ति और 'लघु मानव' के महत्व की·········की गई है.
(A) आलोचना
(B) प्रतिष्ठा
(C) समानता
(D) विषमता

36. सागर ने स्वतन्त्रतापूर्वक राम के चरणों की पूजा कर उनकी·········ग्रहण की.
(A) दासता
(B) धन्यता
(C) मान्यता
(D) भव्यता

37. विश्व में·········की ही प्रधानता है.
(A) वाणी
(B) कर्म
(C) धर्म
(D) ज्ञान

38. यह·········सदियों से चली आ रही है.
(A) समाटी
(B) परिपाटी
(C) उपपाटी
(D) घरपाटी

39. नासिक·········के तट पर स्थित है.
(A) कृष्णा
(B) कावेरी
(C) गोदावरी
(D) नर्मदा

40. कपिला·········अनिला दोनों बहनें हैं.
(A) की
(B) और
(C) से
(D) का

41. परिवार की·········से ही समाज स्वस्थ रह सकता है.
(A) आध्यात्मिकता
(B) आत्मीयता
(C) समरसता
(D) साक्षरता

42. दिल्ली की······एशिया में विशेष स्थान रखती है.
(A) गलियाँ
(B) धोखाधड़ी
(C) कुतुबमीनार
(D) नफासत

43. सुरभित वातावरण बनाने का सही और सीधा तरीका यह है कि प्रसन्नता, सन्तोष, उत्साह, उल्लास की ········· बनाए रखने का पूर्ण प्रयत्न किया जाए.
(A) मनःस्थिति
(B) स्थिति
(C) परिस्थिति
(D) अव्यवस्थित

44. ·········एक योग रूढ़ शब्द है.
(A) प्रभाकर
(B) पंकज
(C) विद्यालय
(D) राजपुत्र

45. ईश्वर से डरना, भाग्यशाली बनने का ········· है.
(A) लक्षण
(B) कारण
(C) उद्देश्य
(D) हेतु

46. धर्मवीर भारती ने कविताओं, लेखों और अनेक साहित्यिक प्रयोगों के साथ एक·········भी लिखा था.
(A) कहानी
(B) उपन्यास
(C) निबन्ध
(D) काव्य संग्रह

47. भारत में संसदीय शासन प्रणाली है, जिसमें वास्तविक कार्यपालिका प्रधानमन्त्री तथा·········में निहित है.
(A) मन्त्रिमण्डल
(B) जनता
(C) राज्यसभा
(D) राष्ट्रपति

48. मुंशी प्रेमचन्द जी का·········देर तक गूँजता रहा.
(A) धमाका
(B) ठहाका
(C) चटाका
(D) लिफाफा

49. राजन की बात सुनकर माँ को क्रोध आ गया और बोली कि, "तुम सब लड़कों की नजर सिर्फ बूढ़ी विधवा के पैसों पर है, उसके·········बारे में तो कोई कुछ सोचता भी नहीं है.
(A) आचरण
(B) खान-पान
(C) भरण-पोषण
(D) लालन-पालन

50. ताजमहल·········का अद्भुत नमूना है.
(A) शिल्पकला
(B) स्थापत्यकला
(C) चित्रकला
(D) मूर्तिकला

51. चुनाव क्षेत्रों का पुनः······किया जाना चाहिए.
(A) परीक्षण
(B) परिगणन
(C) परिसीमन
(D) परिक्षालन

52. ·········हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है.
(A) स्वच्छन्दता
(B) मुक्ति
(C) स्वामित्व
(D) स्वतन्त्रता

53. मनुष्य का·········बड़ा ममत्व प्रेमी है.
(A) तन
(B) मन
(C) धन
(D) हृदय

54. आशा है प्रगति के मार्ग में आई सभी ·········दूर हो जाएँगी.
(A) योजनाएँ
(B) उम्मीदें
(C) घटनाएँ
(D) बाधाएँ

55. धौलागिरी पर्वत······अनेक जड़ी-बूटियाँ मिलती हैं.
(A) पर
(B) के ऊपर
(C) में
(D) के मध्य

56. मैया मोहि·········बहुत खिजायो.
(A) सखा
(B) श्रीदामा
(C) दाऊ
(D) राधा

57. साधना का अर्थ है असन्तुलित को सन्तुलित एवं अनगढ़ को ······बनाना.
(A) गढ़
(B) प्रगाढ़
(C) बेगढ़
(D) सुगढ़

58. ·········की तलाश में भटकती हुई महिला जैसे नियति के चक्रव्यूह में फँस गई है.
(A) स्मिता
(B) विस्मिता
(C) अस्मिता
(D) सुस्मिता

59. रहिमन देखि बड़ेन को·········न दीजिए डारि.
(A) रंक
(B) दीर्घ
(C) तुच्छ
(D) लघु

60. हमारे समाज के मृतक होने का कारण ·········है.
(A) कुपोषण
(B) रोषण
(C) दूषण
(D) शोषण

61. कबीर का युग·········युग कहा जा सकता है.
(A) प्रचारक
(B) सुधारक
(C) विचारक
(D) गायक

62. समय की शिला पर मधुर चित्र कितने किसी ने बनाए किसी ने·········.
(A) सजाए
(B) मिटाए
(C) जगाए
(D) उतारे

63. पुरुषार्थ·········का निर्धारण करता है.
(A) उन्नति
(B) प्रगति
(C) भाग्य
(D) प्रसन्नता

64. किसी व्यक्ति के मन की सुन्दरता ही उसकी प्रतिष्ठा तथा सम्मान को······पर पहुँचाती है.
(A) बुलन्दियों
(B) अनुयायियों
(C) आदमियों
(D) लक्ष्य

65. बन्धु-बान्धवों ने शोक-संतप्तता नारी को समझाया और कुछ देर बाद वह······हो गई.
(A) अस्वस्थ (B) प्रकृतिस्थ
(C) व्यस्त (D) विन्यस्त

66. जो मनुष्य अपना स्वामी है और इन्द्रियों को इच्छानुसार चलाता है, वासना से नहीं हारता, वह अर्थिक दृष्टि से सुखी रहता है, सदैव·········बना रहता है.
(A) खुशदिल
(B) मसखरा
(C) असन्तुष्ट
(D) सन्तुष्ट

67. नामदेव, नानक, कबीर, सूर, तुलसी, मीराबाई आदि ने······में रचना की है.
(A) गेय पदों (B) दोहों
(C) चौपाइयों (D) बरवै

68. भक्तिकालीन हिन्दी काव्य की प्रमुख भाषा·········है.
(A) मैथिली (B) ब्रजभाषा
(C) छत्तीसगढ़ी (D) खड़ी बोली

69. सभी धर्मों में·········प्रवणता को महत्त्व दिया गया है.
(A) आचार (B) विचार
(C) सत्कार (D) व्यवहार

70. छोटा भाई जितना अक्खड़ है, बड़ा भाई उतना ही ·········.
(A) भद्र (B) मन्द्र
(C) मंदिर (D) मन्थर

71. किया योग्य उसने·········को यौगिक शक्ति जगाके.
(A) अयोग्य (B) सुयोग्य
(C) विनियोग्य (D) समयोग्य

72. बौद्ध धार्मिक साहित्य·········में लिखा गया.
(A) पाली (B) प्राकृत
(C) संस्कृत (D) अर्धमागधी

73. आप ठग्या सुख ऊपजै और ठग्यां·········होई.
(A) जस (B) दुःख
(C) रिस (D) रोष

74. ईश कृपा से मूक भी······बन जाता है.
(A) श्रोता (B) पंगु
(C) बधिर (D) वाचाल

75. व्यक्ति का गौरव तथा राष्ट्र की एकता·········द्वारा सुनिश्चित होता है.
(A) समानता
(B) स्वतन्त्रता
(C) बन्धुत्व
(D) शिक्षा

76. ·········प्रयास की अपेक्षा सामूहिक प्रयास का बल अधिक होता है.
(A) एकांगी
(B) वैयक्तिक
(C) आरम्भिक
(D) सामाजिक

77. सशक्त की विजय होती है······तो पराजित ही होता है.
(A) आसक्त (B) अशक्त
(C) अनासक्त (D) दुर्बल

78. आविर्भाव के बाद·········अवश्यम्भावी है.
(A) अनुभाव (B) अभिभाव
(C) तिरोभाव (D) प्रभाव

79. जातीय भेद-भाव·········के सिद्धान्त के विरुद्ध है.
(A) स्वतन्त्रता
(B) विधि
(C) नैतिकता
(D) समानता तथा सामाजिक न्याय

80. गगन जिसका ऊपर फैलाव········· जिसका नीचे विस्तार.
(A) वनस्पति (B) चमन
(C) अवनि (D) मगन

81. आदर्श बहुत गम्भीर लड़का है, किन्तु उसका भाई लतेश·········है.

(A) मुखर (B) अविचारी
(C) अचल (D) चपल

82. साँच बराबर तप नहीं······बराबर पाप.
(A) कठोरता (B) मिथ्या
(C) झूठ (D) छल

83. अपरा प्रकृति क्षर तथा परा प्रकृति·········होती है.
(A) साक्षर (B) निरक्षर
(C) प्रक्षर (D) अक्षर

84. महापुरुषों की गुण-गुरुता उनकी दोष·········को छिपा लेती है.
(A) कृशता (B) दीर्घता
(C) लघुता (D) क्षुद्रता

85. सहज और·········जीवन जीने वाला व्यक्ति ही सुखी रह सकता है.
(A) आदर्श (B) परिश्रमी
(C) नैसर्गिक (D) अनैसर्गिक

86. हिन्दी देश की एकता की एक ऐसी·········है, जिसे मजबूत करना प्रत्येक भारतीय का कर्त्तव्य है.
(A) धारा (B) दिशा
(C) गति (D) कड़ी

87. दिल्ली विकास प्राधिकरण के मुख्य·········तक को पुल निर्माण की प्रगति के सम्बन्ध में निश्चित जानकारी नहीं है.
(A) अभियन्ता
(B) नियंता
(C) अभिकर्त्ता
(D) अधिवक्ता

88. बच्चों की कभी······नहीं करनी चाहिए.
(A) वर्जना (B) उपेक्षा
(C) अवज्ञा (D) अपेक्षा

89. सत्य और अहिंसा का······सम्बन्ध है.
(A) घनिष्ठ (B) भीषण
(C) निकट (D) विकट

निर्देश—निम्नलिखित प्रश्नों में वाक्यों में एक शब्द के लिए स्थान रिक्त है, प्रत्येक वाक्य से नीचे पाँच-पाँच विकल्प दिए गए हैं; दिए गए विकल्पों में से उस शब्द का चयन कीजिए, जो वाक्य के बीच में छोड़े गए रिक्त स्थान को अर्थपूर्ण ढंग से पूरा कर दे.

90. दरवाजे के सामने लोगों की भीड़ देखकर मुझे ········· हुई कि आखिर हुआ क्या है?
(A) उदासी (B) चेतना
(C) घृणा (D) जिज्ञासा
(E) कल्पना

91. जीवन के सभी उपादानों और तत्वों की भाँति भाषा एवं साहित्य भी········· तत्व हैं और इनका स्वरूप समय के साथ बदलता रहता है.
(A) स्थिर (B) गतिमान
(C) निरन्तर (D) आकर्षक
(E) चिन्तनीय

उत्तरमाला

1. (D) 2. (B) 3. (A) 4. (B) 5. (D)
6. (C) 7. (D) 8. (B) 9. (C) 10. (C)
11. (D) 12. (C) 13. (A) 14. (C) 15. (B)
16. (A) 17. (A) 18. (C) 19. (A) 20. (B)
21. (A) 22. (A) 23. (B) 24. (C) 25. (D)
26. (A) 27. (B) 28. (A) 29. (D) 30. (C)
31. (B) 32. (B) 33. (D) 34. (A) 35. (B)
36. (A) 37. (B) 38. (B) 39. (C) 40. (B)
41. (C) 42. (C) 43. (A) 44. (B) 45. (A)
46. (B) 47. (A) 48. (A) 49. (B) 50. (B)
51. (C) 52. (D) 53. (D) 54. (D) 55. (A)
56. (C) 57. (D) 58. (D) 59. (D) 60. (D)
61. (B) 62. (B) 63. (C) 64. (A) 65. (B)
66. (D) 67. (A) 68. (B) 69. (D) 70. (A)
71. (A) 72. (A) 73. (B) 74. (D) 75. (C)
76. (B) 77. (B) 78. (C) 79. (D) 80. (C)
81. (A) 82. (C) 83. (D) 84. (C) 85. (C)
86. (D) 87. (A) 88. (B) 89. (A) 90. (D)
91. (B)

●●●

अनुच्छेद में रिक्त स्थानों की पूर्ति

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रायः कुछ प्रश्न अनुच्छेद में रिक्त स्थानों की पूर्ति सम्बन्धी होते हैं. इसके लिए एक गद्यांश या अवतरण होता है, जिसमें कई वाक्यों के शब्द लुप्त होते हैं और उसके स्थान पर प्रश्न संख्या अंकित होती है. अवतरण के नीचे प्रश्न संख्या के साथ ही चार-चार 'शब्द' विकल्प रूप में दिए रहते हैं. इन विकल्पों में से कोई एक शब्द सही होता है. परीक्षार्थियों को उपयुक्त विकल्प का चयन करके चिह्नित करना होता है. इस प्रकार के प्रश्न हल करते समय विषयवस्तु, वाक्य रचना, शब्दों के उचित प्रयोग, समोच्चरित शब्दों के अर्थ-भेद, समानार्थी शब्दों के प्रयोग में सतर्कता, शब्दों के विलोम और मुहावरे, कहावतों आदि का ज्ञान उचित विकल्प ढूँढ़ने में सहायक होता है.

निर्देश—प्रश्न संख्या 1 से 60 तक में संबद्ध वाक्यों के अनुच्छेद में से कतिपय शब्द निकाल दिए गए हैं. ये शब्द प्रत्येक रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए प्रस्तावित विकल्पों में सम्मिलित हैं. अनुच्छेद के विषय को समझने के लिए इसे ध्यान से पढ़िए. अब प्रस्तावित विकल्पों में से समुचित विकल्प चुनिए और उसे उत्तर-पत्र में अंकित कीजिए.

(1)

परमार्थ की उच्चतम भावना के साथ भी नागरिक जीवन में प्रवेश करने पर व्यक्ति को अविश्वास और संदेह के अनेक पैने तीरों का लक्ष्य बनना पड़ता है. नागरिक जीवन का अकारण संदेह कर्म निष्ठा को...1...और उसका लक्ष्यहीन दुराव जीवन दर्शन को...2...कर देता है. इसके विपरीत ग्रामीण...3...की पुस्तक खुली ही मिलती है. कुछ...4...परिस्थितियाँ इस मान्यता और विचारधारा की...5...हो सकती हैं. पर जहाँ जीवन कुछ...6...है, वहाँ एक ग्रामीण का सहयोग...7...दैन्यरहित होने के कारण सहज है. सहायता का...8...गर्वशून्य एवं अहंकारी वृत्ति से रहित होने के कारण...9...और परस्पर किया जाने वाला विचार विनिमय...10...होने के कारण जीवन के अध्ययन का पूरक है.

विकल्प :

1. (A) निष्क्रिय (B) मूक
(C) पंगु (D) मुखर

2. (A) अभ्रांत (B) भ्रांत
(C) निर्भ्रान्त (D) विभ्रांत

3. (A) परिवेश (B) मानस
(C) समाज (D) जीवन

4. (A) विषम (B) विशिष्ट
(C) असम (D) असाधारण

5. (A) विवाद (B) संवाद
(C) प्रवाद (D) अपवाद

6. (A) अस्वस्थ (B) स्वस्थ
(C) आश्वस्त (D) प्रशस्त

7. (A) आदान (B) अवदान
(C) प्रदान (D) मान

8. (A) अवदान (B) आदान
(C) दान (D) मान

9. (A) व्यावहारिक
(B) अव्यावहारिक
(C) स्वाभाविक
(D) अस्वाभाविक

10. (A) कृत्रिम (B) अकृत्रिम
(C) अशिष्ट (D) विशिष्ट

(2)

यह बात...11...में ही नहीं, अन्य मनोविकारों में भी बराबर पाई जाती है. यदि हम किसी बात पर...12...बैठे हैं और इसी बीच में कोई दूसरा आकर हम पर कोई बात सीधी तरह भी पूछता है, तो भी हम उस पर झुँझला उठते हैं. इस झुँझलाहट का न तो कोई ...13...कारण होता है, न उद्देश्य. यह केवल क्रोध की स्थिति के...14...को रोकने की क्रिया है, क्रोध की रक्षा का प्रयत्न है. इस झुँझलाहट के द्वारा हम यह प्रकट करते हैं कि हम क्रोध में हैं और क्रोध में ही रहना चाहते हैं. क्रोध को बनाए रखने के लिए हम उन बातों से क्रोध...15...करते हैं, जिनसे दूसरी अवस्था में हम विपरीत भाव प्राप्त करते. इसी प्रकार यदि हमारा...16...किसी विषय में उत्साहित रहता है, तो हम अन्य विषयों में भी अपना उत्साह दिखा देते हैं. यदि हमारा मन...17...हुआ रहता है, तो हम बहुत से काम प्रसन्नतापूर्वक करने के लिए तैयार हो जाते हैं. इसी बात का विचार करके सलोभ साधक लोग हकीमों से...18...करने के पहले...19...से उनका...20...पूछ लिया करते हैं.

विकल्प :

11. (A) उमंग (B) जोश
(C) क्रोध (D) उत्साह

12. (A) चुप (B) क्रुद्ध
(C) सुस्त (D) संतप्त

13. (A) विशिष्ट (B) सभीष्ट
(C) निर्दिष्ट (D) समष्टि

14. (A) व्याघात (B) वज्रापात
(C) निष्पात (D) उत्पात

15. (A) संकुचित (B) किंचित
(C) संचित (D) निश्चित

16. (A) मित्त (B) पित्त
(C) चित्त (D) नित्त

17. (A) चढ़ा (B) बढ़ा
(C) पढ़ा (D) कढ़ा

18. (A) मुलाकात (B) शिकायत
(C) कबायत (D) नसीहत

19. (A) सम्बन्धियों (B) अर्दलियों
(C) जनाबों (D) रहीसों

20. (A) मिजाज (B) आदत
(C) चेहरा (D) सेहरा

(3)

वीरता की अभिव्यक्ति...21...प्रकार से होती है. कभी उसकी अभिव्यक्ति लड़ने-मरने में, खून बहाने में, तलवार-तोप के सामने जान गँवाने में होती है, तो कभी जीवन के...22...तत्व और सत्य की...23...में बुद्ध जैसे राजा...24...होकर वीर हो जाते हैं. वीरता एक प्रकार की अंतःप्रेरणा है. जब कभी इसका विकास हुआ, तभी एक नया ...25...नजर आया. एक नई रौनक, एक नया रंग, एक नई बहार, एक नई ...26... संसार में छा गई. वीरता हमेशा नई और निराली होती है. नयापन भी वीरता का खास रंग है. वीरता देशकाल के अनुसार संसार में जब कभी...27...हुई, तभी एक नया स्वरूप लेकर आई, जिसके...28...करते ही सब लोग चकित हो गए. वीरों को बनाने के कारखाने कायम नहीं हो सकते. वे तो देवदार के वृक्ष की तरह जीवन के...29...में खुद-बखुद पैदा होते हैं और बिना किसी के पानी दिए, बिना किसी के दूध पिलाए, बिना किसी के हाथ लगाए तैयार होते हैं और दुनिया के मैदान में...30...ही सामने आकर खड़े हो जाते हैं.

विकल्प :

21. (A) कुछ (B) कभी
(C) कई (D) कोई

22. (A) गूढ़ (B) सूँढ़
(C) मूढ़ (D) हूण

23. (A) पलास (B) तलाश
(C) निकास (D) मशाल

24. (A) अनुरक्त (B) सशक्त
(C) विरक्त (D) सम्पृक्त

25. (A) कमाल (B) धमाल
(C) रूमाल (D) तमाल
26. (A) चपलता (B) चंचलता
(C) शिथिलता (D) प्रभुता
27. (A) प्रगट (B) स्पष्ट
(C) प्रकट (D) कपट
28. (A) मिलन (B) दर्शन
(C) बहन (D) दहन
29. (A) अरण्य (B) कर्मण्य
(C) वरण (D) चरण
30. (A) भयानक (B) अचानक
(C) खतरनाक (D) प्रशासक

(4)

वीरों को बनाने के कारखाने...31... नहीं हो सकते. वे तो देवदार के वृक्षों की तरह जीवन के अरण्य में खुद-ब-खुद पैदा होते हैं और बिना किसी के दूध पिलाए, बिना किसी के हाथ लगाए तैयार होते हैं और...32...के मैदान में अचानक ही आकर सामने खड़े हो जाते हैं. हर बार...33...और नाम के लिए छाती...34...आगे बढ़ना और फिर पीछे हटना पहले दर्जे की बुजदिली है, वीर तो यह समझता है कि मनुष्य का जीवन जरा-सी चीज है. वह सिर्फ एक बार के लिए काफी है. मानो...35...में एक गोली है, उसे एक ही बार प्रयोग किया जा सकता है. हाँ कायर पुरुष इसको बड़ा...36...और कभी न टूटने वाला हथियार समझते हैं. हर-घड़ी आगे बढ़कर और यह दिखाकर कि हम बड़े हैं वे फिर पीछे इसलिए ...37... जाते हैं कि उनका...38...जीवन किसी और बड़े काम के लिए बच जाए. गरजने वाले...39...ऐसे ही चले जाते हैं, परन्तु ...40...वाले जरा-सी देर में मूसलाधार वर्षा कर जाते हैं.

विकल्प :

31. (A) कायम (B) आयाम
(C) समान (D) सतत्
32. (A) दुनिया (B) भारत
(C) मानव (D) लड़ाई
33. (A) भुलावा (B) दिखावा
(C) बुलावा (D) मिलावा
34. (A) खोलकर (B) ठोंककर
(C) पीटकर (D) चीरकर
35. (A) सन्दूक (B) बन्दूक
(C) मंडूक (D) कारतूस
36. (A) कीमती (B) सीमित
(C) सम्पत्ति (D) विपत्ति
37. (A) चट (B) हट
(C) झट (D) पट
38. (A) अद्भुत (B) अनोखा
(C) अनदेखा (D) अनमोल
39. (A) आसमान (B) बादल
(C) अम्बर (D) वसुन्धरा
40. (A) तरसने (B) चमकने
(C) बरसने (D) कसकने

(5)

भारत माता की कोख में जो अमूल्य ...41...भरी हैं जिनके कारण वह...42... कहलाती है, उससे कौन परिचित न होना चाहेगा? लाखों-करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है. दिन-रात बहने वाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीसकर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है. हमारे...43... आर्थिक...44...के लिए उन सबकी जाँच-पड़ताल अत्यन्त आवश्यक है. पृथ्वी की गोद में जन्म लेने वाले खड़े पत्थर कुशल...45... से सँवारे जाने पर अत्यन्त...46...का प्रतीक बन जाते हैं. नाना भाँति के...47...नग विंध्य की नदियों के प्रवाह में सूर्य की धूप से चिलकते रहते हैं, उन चीलवटों को जब ...48...कारीगर पहलदार कटाव पर लाते हैं, तब उनके प्रत्येक घाट से नई शोभा और सुन्दरता फूट पड़ती है, वे...49...हो जाते हैं. देश के नर-नारियों के रूप मंडन और सौन्दर्य प्रसाधन में इन छोटे पत्थरों का भी सदा से कितना भाग रहा है? अतएव हमें उनका ...50...होना भी आवश्यक है.

विकल्प :

41. (A) वृत्तियाँ (B) मूर्तियाँ
(C) कृतियाँ (D) निधियाँ
42. (A) श्वेताम्बरा (B) नीलाम्बरा
(C) वसुन्धरा (D) कंदरा
43. (A) भूतकालिक
(B) तात्कालिक
(C) भावी
(D) वर्तमानकालिक
44. (A) निर्माण (B) उत्साह
(C) पतन (D) उत्थान
45. (A) शिक्षितों (B) युवकों
(C) शिल्पियों (D) प्रशिक्षितों
46. (A) सौन्दर्य (B) गौरव
(C) समृद्धि (D) विशालता
47. (A) विशाल (B) आकर्षित
(C) अनगढ़ (D) भौतिक
48. (A) पुष्ट (B) चुस्त
(C) दुरुस्त (D) चतुर
49. (A) चिकने (B) पतले
(C) अनमोल (D) विशाल
50. (A) भाव (B) बोध
(C) ज्ञान (D) अभिज्ञान

(6)

यदि विचार-सामग्री निबन्ध की आत्मा है, तो भाषा-शैली निबन्ध का शरीर है. एक अच्छे निबन्ध में...51...स्पष्ट तथा सुबोध भाषा का...52...करना चाहिए. इसके साथ ही उसका...53...होना भी अपेक्षित है. वास्तव में एक...54...निबन्ध की भाषा का सबसे बड़ा गुण यही है कि वह इतनी सशक्त हो कि पाठक का मन...55...ही अपनी ओर आकर्षित कर ले. भाषा को सशक्त बनाने के लिए...56...मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग किया जा सकता है, लक्षणा तथा ...57... नामक शक्तियों का विभिन्न अलंकारों के द्वारा भी भाषा में...58...का समावेश किया जा सकता है, लेकिन...59... में अलंकारों, मुहावरों, लोकोक्तियों आदि की...60...भी नहीं होनी चाहिए. ऐसा करने से निबन्ध में अस्वाभाविकता का समावेश हो जाता है और उसका सारा लालित्य नष्ट हो जाता है.

विकल्प :

51. (A) क्लिष्ट (B) कृत्रिम
(C) शुद्ध (D) अपरिमार्जित
52. (A) आयोग (B) प्रयोग
(C) उपयोग (D) योग
53. (A) अशक्त (B) सशक्त
(C) निकृष्ट (D) आसक्त
54. (A) श्रेष्ठ (B) वरिष्ठ
(C) गरिष्ठ (D) विशिष्ट
55. (A) सायास (B) अभ्यास
(C) अनायास (D) विपर्यास
56. (A) यथाशक्ति (B) यथास्थान
(C) यथावत् (D) यथापूर्व
57. (A) व्यंजना (B) अभिव्यंजना
(C) रंजना (D) अतिरंजना
58. (A) औदार्य (B) व्यवहार्य
(C) सौजन्य (D) सौन्दर्य
59. (A) प्रबन्ध (B) निबन्ध
(C) पदबन्ध (D) अनुबन्ध
60. (A) अतिशयता (B) प्रगाढ़ता
(C) सघनता (D) प्रबलता

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (D) 4. (A) 5. (D)
6. (C) 7. (A) 8. (C) 9. (C) 10. (B)
11. (C) 12. (B) 13. (A) 14. (A) 15. (C)
16. (C) 17. (B) 18. (A) 19. (A) 20. (A)
21. (C) 22. (A) 23. (B) 24. (C) 25. (A)
26. (A) 27. (C) 28. (C) 29. (A) 30. (B)
31. (A) 32. (D) 33. (B) 34. (A) 35. (B)
36. (A) 37. (B) 38. (D) 39. (B) 40. (C)
41. (D) 42. (C) 43. (C) 44. (A) 45. (C)
46. (C) 47. (C) 48. (D) 49. (C) 50. (C)
51. (C) 52. (B) 53. (B) 54. (A) 55. (C)
56. (C) 57. (A) 58. (D) 59. (B) 60. (A)

●●●

पल्लवन (विशदीकरण)

जब दी गई सूक्ति (या काव्य पंक्ति) का इस प्रकार विस्तार किया जाए जिससे उसमें कही गई बात पूर्णतः स्पष्ट हो जाए, तब उसे विशदीकरण, विस्तारण या पल्लवन कहते हैं. यह संक्षेपीकरण की विपरीत क्रिया है. यहाँ पल्लवन या विशदीकरण के कुछ उदाहरण प्रस्तुत हैं—

(1) **स्वतन्त्रता और मर्यादा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं.**

पल्लवन—स्वतन्त्रता और मर्यादा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं. स्वतन्त्रता का अर्थ उच्छृंखलता या अराजकता नहीं है, अपितु आत्मानुशासन एवं आत्म-नियन्त्रण है. परतन्त्रता में हम दूसरे के बनाए नियमों का पालन करते हैं अर्थात् दूसरे के अधीन रहते हैं, जबकि स्वतन्त्रता में अपने बनाए नियमों का पालन करते हैं अर्थात् अपने अधीन रहते हैं. इस प्रकार स्वतन्त्रता हमें अमर्यादित आचरण का अधिकार नहीं देती. हमारा आचार-विचार पूर्णतः शिष्ट एवं मर्यादित हो, परस्पर सौजन्य एवं संयम का व्यवहार हो तभी हमारी स्वतन्त्रता सार्थक है. स्पष्ट है कि मर्यादा स्वतन्त्रता का ही दूसरा पक्ष है. मर्यादाविहीन स्वतन्त्रता उच्छृंखलता कही जाती है, जो किसी प्रकार भी ग्राह्य नहीं है. निष्कर्ष यह कि मर्यादा और स्वतन्त्रता अन्योन्याश्रित हैं, अतः इन्हें एक सिक्के के दो पहलू कहा जा सकता है.

(2) **बैर क्रोध का अचार या मुरब्बा है.**

पल्लवन—क्रोध जब हृदय में स्थायी रूप से घर कर लेता है, तब बैर बन जाता है. जैसे अचार या मुरब्बा बनाने के लिए आम या आँवले को अन्य पदार्थों से मिलाकर कुछ दिनों के लिए बर्तन में रखा रहने दिया जाता है और कालान्तर में वह अचार या मुरब्बे में बदल जाता है और जब आवश्यकता होती है, तब उसे निकालकर प्रयोग में लाया जाता है. यही स्थिति क्रोध की है. यदि वह तुरन्त निकल जाए, तो बैर नहीं बन पाता, किन्तु जब हृदय में किसी के प्रति क्रोध स्थायी रूप से घर कर लेता है, तब वह उसके प्रति बैर बन जाता है.

(3) **संस्कृति खण्डित नहीं होती.**

पल्लवन—वह संस्कृति जो समग्र होती है, प्राणवान होती है और प्रक्रियाशील होती है, कभी खण्डित नहीं होती. वह अपने समग्र रूप में अखण्ड होती है. लेखक का मन्तव्य है कि धर्म, दर्शन, कला, साहित्य आदि संस्कृति के ऐसे तत्व हैं जो एक-दूसरे के पूरक हैं, एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं. इनमें परस्पर ऐसा सम्बन्ध होता है, जिसे अलग नहीं किया जा सकता. उदाहरण के लिए खजुराहो में कन्दरिया महादेव मन्दिर की स्थापत्य कला को लिया जा सकता है, जो कहीं अद्वैत दर्शन की भंगिमा को प्रस्तुत करती है, तो कहीं योग साधना की किसी मुद्रा से जुड़ी दिखती है. ये कलाकृतियाँ जिस संस्कृति की ओर इंगित करती हैं, वह भारतीय संस्कृति है और अपने में समग्र और अखण्ड है, अतः यह कहना सत्य है कि संस्कृति खण्डित नहीं होती.

(4) **आचरण सज्जनता की कसौटी है.**

पल्लवन—व्यक्ति का आचरण ही वह कसौटी है जिस पर उसकी सज्जनता या दुर्जनता की परीक्षा की जा सकती है. व्यक्ति की वेशभूषा चाहे कितनी ही सुन्दर क्यों न हो, पर यदि उसका आचरण ठीक नहीं है, तो वह सदाचारी एवं सज्जन नहीं कहा जा सकता. परोपकार, सौहार्द, सरलता, मधुर वाणी, निष्कपटता जैसे गुण व्यक्ति के सदाचरण के प्रतीक हैं और प्रकारान्तर से उसकी सज्जनता का उद्‌घोष करते हैं. दूसरी ओर स्वार्थ, छल-कपट, कटुता, निन्दा, द्वेष, ईर्ष्या जैसे भावों को अपने हृदय में स्थान देने वाले व्यक्ति अपने दुराचरण से दुर्जन की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं.

(5) **श्रद्धा का मूल तत्व है दूसरे का महत्व स्वीकार.**

पल्लवन—श्रद्धा उस व्यक्ति के प्रति उत्पन्न होती है, जिसमें कोई विशेष गुण या शक्ति का विकास दिखाई देता है. उस गुण या शक्ति के कारण हम उसके महत्व को स्वीकार करते हैं और महत्व की यह आनन्दपूर्ण स्वीकृति ही श्रद्धा के नाम से जानी जाती है. स्पष्ट है कि जब तक कोई व्यक्ति दूसरे के महत्व को स्वीकार नहीं करेगा, तब तक वह श्रद्धा जैसे पवित्र भाव को धारण नहीं कर सकता. दूसरे के महत्व को स्वीकार करने का प्रकारान्तर से अभिप्राय है, अपने को उससे हीन मानना. अतः जो अहंकारी होते हैं. वे दूसरे के महत्व को कभी स्वीकार नहीं कर सकते, परिणामतः वे किसी के प्रति श्रद्धा भी नहीं रख सकते. स्वार्थियों एवं अभिमानियों के हृदय में श्रद्धा टिक नहीं सकती, क्योंकि उनका अन्तःकरण इतना संकुचित होता है कि वे दूसरों के गुण एवं महत्व की परख नहीं कर सकते. दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि श्रद्धा अहं विसर्जन है. 'अहं' को छोड़े बिना दूसरे के महत्व को स्वीकार नहीं किया जा सकता है और महत्व की स्वीकृति के अभाव में श्रद्धा नहीं की जा सकती है.

(6) **दुःख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात.**

पल्लवन—यह संसार निरन्तर परिवर्तनशील है. दुःख और सुख का चक्र यहाँ निरन्तर उसी प्रकार चलता रहता है जिस प्रकार रात के बाद दिन और दिन के बाद रात. कवि का कथन है कि दुःख रूपी रात्रि की अन्तिम घड़ियाँ बीत जाने के बाद सुख का नया सबेरा विकसित होता है. रात हमेशा के लिए नहीं होती उसका समापन प्रभात की किरणों के साथ हो जाता है. उसी प्रकार दुःख हमेशा के लिए नहीं आता, उसका समापन सुख के साथ होता है. दुःख आने पर व्यक्ति को घबराना नहीं चाहिए, अपितु धैर्य के साथ दुःख की घड़ियों को व्यतीत करना चाहिए. कोई भी दुःख स्थायी नहीं है, उसका पर्यवसान निश्चित रूप से सुख में होना ही है, यह ध्रुव सत्य है. दुःख भोगने के बाद ही सुख अच्छा लगता है अतः दुःख के क्षणों में भावी सुख की कल्पना मन में आशा, उत्साह, उमंग जाग्रत कर देती है.

(7) **नारी तुम केवल श्रद्धा हो.**

पल्लवन—भारतीय समाज में नारी की स्थिति मध्यकाल में अत्यन्त दयनीय रही है. उसे अवगुणों की खान कहकर तिरस्कृत किया गया और नरक का द्वार बताया गया, किन्तु आधुनिककाल में समाज में पुनः नारी को सम्माननीय एवं प्रतिष्ठित स्थान दिया गया. हिन्दी काव्य में छायावाद नारी के पुनरुत्थान का युग है. कविवर जयशंकर प्रसाद ने कामायनी नामक महाकाव्य में नारी के विषय में जो कुछ कहा है उसका सार उन्हीं के शब्दों में केवल एक पंक्ति "नारी तुम केवल श्रद्धा हो" से व्यक्त होता है. यह पंक्ति नारी के व्यक्तित्व को समग्रतः व्यक्त करने में समर्थ है. नारी पुरुष की प्रेरक शक्ति है. उसका सम्पूर्ण व्यक्तित्व श्रद्धामय है. वह ऐसे गुणों से विभूषित है, जो उसके प्रति श्रद्धा उत्पन्न करने वाले हैं. उसका हृदय अमूल्यभाव रत्नों से भरा हुआ है. इस रत्नकोष में दया, क्षमा, करुणा, प्रेम, सहानुभूति, परोपकार जैसे अगणित रत्न भरे हुए हैं. नारी जीवन के विविध पक्ष पुरुष को अपने स्नेह से आप्लावित करते रहते हैं. माता, बहन, पत्नी, प्रेयसी के रूप में वह पुरुष को स्नेहामृत का पान कराती रही है. विधाता की सबसे सुकुमार कल्पना नारी ही है अतः अब उसकी महत्ता को मुक्तकण्ठ से स्वीकार किया जा रहा है.

(8) **मन के हारे हार है, मन के जीते जीत.**

पल्लवन—मानव जीवन आशा-निराशा, सफलता-असफलता एवं सुख-दुःख की कहानी है. जीवन में एक जैसी स्थिति सदैव नहीं रहती, अतः सभी स्थितियों को स्वीकार करते हुए निर्विकार रहने से ही आनन्द मिल सकता है. प्रतिकूल परिस्थितियों में भी जो हार नहीं मानते और निरन्तर मिलने वाली असफलताएं जिसे निराश नहीं करतीं, वही

जीवन-संग्राम में विजय प्राप्त करते हैं. पराजित तथा असफल होने पर भी जो दूने उत्साह से काम करता है जीत उसी की होती है और सफलता भी वही प्राप्त करता है. इस संग्राम में वास्तविक पराजय, तो मन की है. यदि मन हार गया, तो हम पराजित हो गए और यदि मन ने हार नहीं मानी, तो हम पराजित नहीं हो सकते.

(9) **बीती ताहि बिसारि दे आगे की सुधि लेय.**

पल्लवन—जो बीत गया है, उसे भूलकर भविष्य की ओर दृष्टि केन्द्रित करनी चाहिए. 'भूत' का बोझ जो दिमाग पर लादे रहते हैं, उनका वर्तमान एवं भविष्य दोनों बिगड़ने की आशंका रहती है. बुद्धिमान वही है जो बीती बात को भुलाकर आने वाले समय पर ध्यान देता है. प्रत्येक व्यक्ति से कुछ भूलें एवं गलतियाँ होती हैं, परन्तु ये भी उसे बहुत कुछ सिखा जाती हैं. यदि कोई भूल हो जाए या कोई कार्य बिगड़ जाए, तो निराश होने की अपेक्षा उससे सबक लेकर भावी जीवन में सफलता प्राप्त करने एवं उन गलतियों को न दुहराने का संकल्प करना चाहिए. एक बार असफल होने पर निरन्तर उसी के विषय में सोचना, हताश हो जाना अव्वल दर्जे की मूर्खता है. बुद्धिमान का कर्त्तव्य है गिरकर उठे और सँभलकर लक्ष्य की ओर सधे हुए कदमों से अग्रसर हो जाए. भूतकाल का बोझ जो अपनी पीठ पर लादे रहते हैं, उनकी कमर टूटने की आशंका रहती है. अतः बेहतर यही है कि उस बोझ को झटककर सुनहरे भविष्य की ओर बढ़ें.

(10) **करम प्रधान विश्व करि राखा.**

पल्लवन—संसार में बहुत लम्बे समय से यह विवाद चलता आया है कि कर्म प्रधान है या भाग्य. गोस्वामी तुलसीदास ने इस सम्बन्ध में अपना मत व्यक्त करते हुए लिखा है— "करम प्रधान विश्व करि राखा. जो जस करइ सौ तस फल चाखा." अर्थात् संसार में कर्म ही प्रधान है, जो जैसा करता है, वैसा फल पाता है. जिसे हम भाग्य कहते हैं, वस्तुतः उसकी निर्मिति भी पूर्व कर्मों से ही होती है. प्रत्येक प्राणी इस संसार में पूर्व कर्मों का भोग भाग्य के रूप में करता है और भावी जीवन के लिए कर्म करता है. इस प्रकार कर्म और भाग्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं. अच्छे कर्मों का अच्छा फल और बुरे कर्मों का बुरा फल—एक सामान्यतः एवं स्वीकृत सिद्धान्त है, अतः कर्म की प्रधानता से इनकार नहीं किया जा सकता. बबूल बोने पर आम खाने को नहीं मिल सकते, फिर भला बुरे कर्मों से अच्छे फल की आशा कैसे की जा सकती है? कर्म की प्रधानता इस दृष्टि से भी है कि जीवन में सफलता उद्योग, अध्यवसाय एवं परिश्रम से ही प्राप्त होती है. जो व्यक्ति भाग्य-भरोसे बैठे रहते हैं, उन्हें कुछ भी उपलब्ध नहीं होता. "कर्म की प्रधानता का यह सिद्धान्त मानव जीवन के लिए उपयोगी एवं कल्याणकारी है.

पाठ बोधन

किसी अनुच्छेद अवतरण या पाठ को पढ़कर परीक्षार्थी ने उसे कितना समझा है, यह जानने के लिए जो परीक्षण किया जाता है, उसे **'पाठ बोधन'** कहते हैं. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में 'सामान्य-हिन्दी' के अन्तर्गत 'पाठ बोधन' सम्बन्धी प्रश्न प्रायः पूछे जाते हैं. ऐसे प्रश्नों में एक अवतरण होता है, अवतरण के नीचे उससे सम्बन्धित प्रश्न दिए जाते हैं. आरम्भिक परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ प्रश्न होते हैं और मुख्य परीक्षा में व्याख्यात्मक प्रश्न होते हैं. पाठ बोधन सम्बन्धी जो प्रश्न पूछे जाते हैं उनके उत्तर मूल अवतरण में ही विद्यमान रहते हैं. कभी-कभी अवतरण के केन्द्रीय भाव या लेखक के उद्देश्य पर प्रश्न पूछ लिए जाते हैं; ऐसे प्रश्न गहन अध्ययन से सम्बन्धित होते हैं और इनका उत्तर खोजने में तर्कबुद्धि का सहारा लेना पड़ता है. ऐसे प्रश्नों को हल करने के लिए पठन-पाठन में एकाग्रता, सूझबूझ और अभिव्यक्ति क्षमता का होना आवश्यक है.

पाठ बोधन के लिए सामान्य अनुदेश :

1. सर्वप्रथम मूल अवतरण को कम-से-कम तीन बार एकाग्रतापूर्वक पढ़कर उसके मूलभाव को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए.
2. अवतरण के मूलभावों, महत्वपूर्ण विचारों और विशिष्ट शब्दों को रेखांकित कर लेना चाहिए इससे सही उत्तर खोजने में सुगमता रहेगी.
3. ध्यातव्य है कि प्रश्नों के उत्तर मूल अवतरण में ही विद्यमान हैं, अतएव उनके उत्तर अवतरण में ही खोजें, बाहर नहीं.
4. सामान्यतः प्रश्नों के क्रम में ही अवतरण में उनके उत्तर विद्यमान रहते हैं, अतः प्रश्नों के क्रम से ही उत्तर खोजना सुविधाजनक रहेगा.
5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर के लिए चार-चार विकल्प दिए होते हैं, इनमें एक ही विकल्प सही होता है, शेष विकल्प उत्तर के निकट अथवा भ्रमात्मक होते हैं. प्रत्येक विकल्प पर विचार करके देखें कि उनमें से किसके अर्थ की संगति सम्बन्धित प्रश्न के साथ बैठती है? इस प्रकार सही विकल्प ही आपका सही उत्तर होगा. ध्यान रहे कि आपका चयनित उत्तर अवतरण पर ही आधारित होना चाहिए.
6. किसी भी प्रश्न के उत्तर में अपनी ओर से कुछ भी न जोड़ें.
7. शीर्षक सदैव केन्द्रीयभाव के आधार पर निर्धारित करना चाहिए. शीर्षक यथा-सम्भव सरल, संक्षिप्त और मूलभाव को व्यक्त करने वाला होना चाहिए.

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पाठ-बोधन के उदाहरण प्रस्तुत हैं—

उदाहरण

इस संसार में धन ही सब कुछ नहीं है, धन की पूजा सदैव नहीं होती. इतिहास साक्षी है कि उन व्यक्तियों की कीर्ति अक्षय है जिन्होंने केवल धनोपार्जन में ही अपना जीवन नहीं बिताया, वरन् ऐसे कार्य भी किए जिनसे मानव समाज का कल्याण हुआ. जिन लोगों का उद्देश्य केवल धन बटोरना रहा है, उनकी प्रतिष्ठा स्थायी नहीं रही है. पूजा उन्हीं की की गई है जिन्होंने मानव-समाज की भलाई की और उसके कल्याण के क्षेत्र में योग दिया. जिन्होंने धन को ही सब कुछ समझा किसी ने जाना तक नहीं, वे कौन थे और कहाँ गए? मानव समाज स्वार्थ की पूजा नहीं करता.

प्रश्न

1. किसकी पूजा सदैव नहीं होती?
   (A) जमीन की (B) धन की
   (C) मकान की (D) पद की
2. उनकी कीर्ति अक्षय है जिन्होंने—
   (A) धनोपार्जन किया
   (B) अनेक ग्रंथ लिखे
   (C) मानव समाज का कल्याण किया
   (D) अनेक चुनाव जीते
3. उनकी प्रतिष्ठा स्थायी नहीं रही जिन्होंने—
   (A) धन बटोरा
   (B) बड़े-बड़े पद प्राप्त किए
   (C) जमीन खरीदी
   (D) अनेक युद्ध जीते
4. पूजा उन्हीं की की गई है, जिन्होंने—
   (A) रक्तदान किया
   (B) विद्वानों का सम्मान किया
   (C) मानव समाज की भलाई की
   (D) श्रेष्ठ साहित्य की रचना की
5. मानव समाज किसकी उपासना नहीं करता?
   (A) धन की (B) ज्ञान की
   (C) वैभव की (D) स्वार्थ की

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश सरल सुबोध है, इसकी पंक्तियों में ही उत्तर स्पष्ट है. अतः सही उत्तर हैं—

1. (B) 2. (C) 3. (A) 4. (C) 5. (D)

परीक्षार्थियों के अभ्यासार्थ बहुविकल्पीय प्रश्नों सहित विभिन्न प्रकार के अवतरण प्रस्तुत हैं—

निर्देश—(प्रश्न संख्या 1 से 44 तक) गद्यांश/अनुच्छेद दिए गए हैं, इन पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं; प्रत्येक प्रश्न के चार संभावित उत्तर दिए गए हैं, जिनमें से केवल एक उत्तर सही है. गद्यांश/अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उस पर आधारित प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर चुनिए और उत्तर-पत्रक में अंकित कीजिए.

(1)

यदि तुम भविष्य को अपनी मुट्ठी में बन्द करना चाहते हो, तो समय के प्रत्येक क्षण का उपयोग करो. प्रत्येक क्षण तुम्हारी प्रगति का क्षण है. जीवन की दौड़ वास्तव में विद्यार्थी-जीवन में आरम्भ होती है. जिन विद्यार्थियों की दृष्टि दूर भविष्य के क्षितिज में अपने लक्ष्य को ढूँढ़ने में लगी होती है, वे विश्राम नहीं किया करते.

प्रश्न

1. इस गद्यांश में संज्ञा शब्द कुल कितनी बार प्रयुक्त हुए हैं?
   (A) 15 (B) 14
   (C) 27 (D) 18
2. गद्यांश में विशेषण शब्द कुल कितनी बार प्रयुक्त हुए हैं?
   (A) शून्य (B) 1
   (C) 3 (D) 2
3. गद्यांश में स्पष्ट रूप से कारक के शब्द कुल कितनी बार प्रयुक्त हुए हैं?
   (A) 13 (B) 12
   (C) 11 (D) 14
4. गद्यांश में सर्वनाम शब्द 'वे' निम्नलिखित के लिए प्रयुक्त हुआ है?
   (A) लक्ष्य
   (B) विद्यार्थी जीवन
   (C) विद्यार्थियों
   (D) क्षितिज
5. गद्यांश में निम्नलिखित में किसको मुट्ठी में बन्द करने का संकेत किया गया है?
   (A) लक्ष्य
   (B) क्षण
   (C) प्रगति
   (D) भविष्य

(2)

भाषा का प्रश्न अत्यन्त संवेदनशील है; अतएव इस पर बड़ी समझ-बूझ, सहानुभूति और धैर्य से विचार करना आवश्यक है. इस सम्बन्ध में जो भी समाधान ढूँढ़ा जाय उससे यह आभास नहीं होना चाहिए कि एक भाषाई गुट की विजय हुई है और दूसरे की पराजय. कोई भी सर्वमान्य हल निश्चय ही उस भारतीय राष्ट्रीयता की विजय का द्योतक होगा जिसने अतीत में समय-समय पर अपनी शक्ति प्रदर्शित की है. हमने राष्ट्रीयता तो प्राप्त कर ली है, एक राष्ट्रीय पताका भी अपना ली है, परन्तु हम देश के लिए एक संपर्क भाषा संघ की राजभाषा अपनाने के अपने अभीष्ट लक्ष्य पर अभी तक नहीं पहुँच पाए हैं. इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की जी-तोड़ कोशिश करनी होगी. ऐसे मामलों में जल्दबाजी आत्मघाती है, क्योंकि उससे अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं, खास-तौर पर लोगों के मन में संदेह और अविश्वास उत्पन्न हो जाता है और ये दोनों ही राष्ट्रीय एकता के कट्टर दुश्मन हैं.

प्रश्न

6. उपर्युक्त गद्यांश का मूल कथ्य क्या है?
   (A) भाषा विवाद एक गम्भीर समस्या है
   (B) भारतीय राष्ट्रीयता क्षेत्रीय स्वार्थों पर विजय प्राप्त कर लेने के कारण विशिष्ट है
   (C) राजभाषा के सर्वसम्मत हल के बिना राष्ट्रीय एकता सम्भव नहीं
   (D) भाषा के प्रश्न को राष्ट्रीय एकता के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए

7. भाषा विवाद को हल करने में जल्दबाजी से क्या हानि है?
   (A) प्रशासनिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं
   (B) राजनीतिक विवाद बढ़ जाता है
   (C) जनता में संदेह और अविश्वास उत्पन्न होता है
   (D) साम्प्रदायिक सद्भाव समाप्त होता है
8. भाषा के प्रश्न को हल करने के लिए किस गुण की सर्वाधिक आवश्यकता है?
   (A) साम्प्रदायिक सद्भाव
   (B) राजनीतिक चातुर्य
   (C) प्रशासनिक दक्षता
   (D) विवेक धैर्य और सहानुभूति
9. इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक क्या है?
   (A) हिन्दी का महत्व
   (B) राष्ट्रभाषा हिन्दी
   (C) भाषा विवाद और राष्ट्रीय एकता
   (D) राष्ट्रभाषा की तलाश

(3)

संसार में प्रत्येक वस्तु उसी सीमा तक सुन्दर है जिस सीमा तक वह जीवन की विविधता के साथ सामंजस्य की स्थिति बनाए हुए है और प्रत्येक विरूप वस्तु उसी सीमा तक विरूप है जिस सीमा तक वह जीवन-व्यापी सामंजस्य को छिन्न-भिन्न करती है. अतः यथार्थ का दृष्टा जीवन की विविधता में व्याप्त सामंजस्य को बिना जाने अपना निर्णय उपस्थित नहीं कर पाता और करे भी तो उसे जीवन की स्वीकृति नहीं मिलती और जीवन के सजीव स्पर्श के बिना केवल सुन्दर को एकत्र कर देने का वही परिणाम अवश्यंभावी है, जो नरक-स्वर्ग की सृष्टि का हुआ.

संसार में सबसे अधिक दण्डनीय वह व्यक्ति है जिसने यथार्थ के कुत्सित पक्ष को एकत्र कर नरक का आविष्कार कर डाला, क्योंकि इस चित्र ने मनुष्य की सारी बर्बरता को चुन-चुनकर ऐसे ब्यौरेवार प्रदर्शित किया कि जीवन के कोने-कोने में नरक गढ़ा जाने लगा. इसके उपरान्त उसे यथार्थ के अकेले सुख पक्ष को पूँजीभूत कर इस तरह सजाना पड़ा कि मनुष्य उसे खोजने के लिए जीवन को छिन्न-भिन्न करने लगा.

प्रश्न

10. सुन्दर वस्तु वह है जो............करती है—
    (A) विच्छिन्न (B) सामंजस्य
    (C) समन्वय (D) व्यवस्थित
11. सौन्दर्य उपयोगी तभी होता है जब उसे.........
    (A) जीवन का स्पर्श मिलता है
    (B) भावना का स्पर्श मिलता है
    (C) बुद्धि का स्पर्श मिलता है
    (D) कल्पना का स्पर्श मिलता है
12. सबसे अधिक दण्डनीय व्यक्ति कौन है?
    (A) सौन्दर्य का वीभत्स रूप प्रस्तुत करने वाला
    (B) वीभत्स का सौन्दर्यीकरण करने वाला
    (C) यथार्थ का घिनौना रूप प्रस्तुत करने वाला
    (D) कल्पना को यथार्थ में प्रस्तुत करने वाला
13. 'नरक गढ़ा जाने लगा' का अभिप्राय क्या है?
    (A) दुःखमय बनाया जाने लगा

(B) लोगों को यातनाएं दी जाने लगीं
(C) समस्त सुख नष्ट होने लगे
(D) जीवन वीभत्स बनने लगा

14. उपर्युक्त गद्यांश में किस बात के प्रति सतर्क किया गया है?
(A) कल्पना के अतिरेक के प्रति
(B) यथार्थ के एकांगी अभिव्यक्ति के प्रति
(C) सौन्दर्य के अतिरेक के प्रति
(D) बुद्धि के अतिरेक के प्रति

(4)

संसार की दो अचूक शक्तियाँ हैं—वाणी और कर्म; कुछ लोग वचन से संसार को राह दिखाते हैं और कुछ लोग कर्म से. शब्द और आचार दोनों ही शक्तियाँ हैं, शब्द की महिमा अपार है. विश्व में साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र शब्द-शक्ति के प्रतीक प्रमाण हैं; पर कोरे शब्द व्यर्थ होते हैं जिनका आचरण न हो. कर्म के बिना वचन, व्यवहार के बिना सिद्धान्त की कोई सार्थकता नहीं है. निःसंदेह शब्द-शक्ति महान् है, पर चिरस्थाई और सनातनी शक्ति तो व्यवहार ही है. महात्मा गांधी ने इन दोनों की कठिन और अद्भुत साधना की थी. महात्मा जी का सम्पूर्ण जीवन उन्हीं दोनों से युक्त था. वे वाणी और व्यवहार में एक थे. जो कहते थे वही करते थे. यही उनकी महानता का रहस्य है. कस्तूरबा ने शब्द की अपेक्षा कृति की उपासना की थी, क्योंकि कृति का उत्तम व चिरस्थायी प्रभाव होता है. 'बा' ने कोरी शाब्दिक, शास्त्रीय, सैद्धान्तिक शब्दावली नहीं सीखी थी. वे तो कर्म की उपासिका थीं. उनका विश्वास शब्दों की अपेक्षा कर्मों में था. वे जो कहा करती थीं, उसे पूरा करती थीं. वे रचनात्मक कर्मों को प्रधानता देती थीं. इसी के बल पर उन्होंने अपने जीवन में सार्थकता और सफलता प्राप्त की थी.

प्रश्न

15. प्रायः सज्जन व्यक्ति संसार को राह दिखाते हैं—
(A) अपनी कार्यकुशलता से
(B) अपने कर्म एवं वाणी से
(C) अपनी सेवा भावना से
(D) प्रत्येक व्यक्ति की मदद करने की भावना से

16. जगत् में साहित्य, कला विज्ञान और शास्त्र—
(A) शब्द शक्ति के रूप हैं
(B) शब्द शक्ति का ज्ञान कराते हैं
(C) शब्द शक्ति के प्रामाणिक रूप हैं
(D) शब्द शक्ति से अलग नहीं हैं

17. शब्द शक्ति के महान् होते हुए भी—
(A) व्यवहार की सनातनी शक्ति है
(B) व्यवहार भी शक्तिशाली है
(C) व्यवहार भी एक शक्ति के रूप में है
(D) शब्द शक्ति एवं व्यवहार दोनों महान् हैं

18. गांधीजी की महानता यह थी कि वे—
(A) सदैव सत्य का सहारा लेते थे
(B) सदैव हिंसा से अपने-आपको दूर रखते थे
(C) सदैव गरीबों की मदद करते थे
(D) जो कहते थे वही करते थे

19. उपर्युक्त अनुच्छेद का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है—
(A) कस्तूरबा और गांधी
(B) महात्मा गांधी
(C) निष्ठामूर्ति कस्तूरबा
(D) वाणी और कर्म

(5)

संस्कृति ऐसी चीज नहीं जिसकी रचना दस-बीस या सौ-पचास वर्षों में की जा सकती हो. हम जो कुछ भी करते हैं उसमें हमारी संस्कृति की झलक होती है; यहाँ तक कि हमारे उठने-बैठने, पहनने-ओढ़ने, घूमने-फिरने और रोने-हँसने में भी हमारी संस्कृति की पहचान होती है. यद्यपि हमारा कोई भी एक काम हमारी संस्कृति का पर्याय नहीं बन सकता. असल में **संस्कृति जिंदगी का एक तरीका** है और यह तरीका सदियों जमा होकर उस समाज में छाया रहता है जिसमें हम जन्म लेते हैं. इसलिए जिस समाज में हम पैदा हुए हैं अथवा जिस समाज से मिलकर हम जी रहे हैं, उसकी संस्कृति हमारी संस्कृति है. "यद्यपि अपने जीवन में हम जो संस्कार जमा करते हैं वह भी हमारी संस्कृति का अंग बन जाते हैं और मरने के बाद हम अन्य वस्तुओं के साथ अपनी संस्कृति की विरासत भी अपनी संतानों के लिए छोड़ जाते हैं." इसलिए संस्कृति वह चीज मानी जाती है जो हमारे सारे जीवन को व्यापे हुए है तथा जिसकी रचना और विकास में अनेक सदियों के अनुभवों का हाथ है. यही नहीं, बल्कि संस्कृति हमारा पीछा जन्म जन्मांतर तक करती है. अपने यहाँ एक साधारण कहावत है कि, "जिसका जैसा संस्कार है, उसका वैसा ही पुनर्जन्म भी होता है." जब हम किसी बालक या बालिका को बहुत तेज पाते हैं, तब अचानक कह देते हैं कि यह पुनर्जन्म का संस्कार है. संस्कार या संस्कृति असल में शरीर का नहीं, आत्मा का गुण है और जबकि सभ्यता की सामग्रियों से हमारा सम्बन्ध शरीर के साथ ही छूट जाता है, तब भी संस्कृति का प्रभाव हमारी आत्मा के साथ जन्म जन्मांतर तक चलता रहता है.

प्रश्न

20. इस अवतरण का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है—
(A) संस्कृति और उसकी व्यापकता
(B) संस्कृति की व्यावहारिकता
(C) सभ्यता और संस्कृति
(D) संस्कृति : आत्मा का गुण

21. काली मोटी छपी पंक्ति से लेखक का आशय है कि संस्कृति—
(A) मानव के किसी एक काम का पर्याय नहीं हो सकती
(B) जीवन-भर मानव की सोच को प्रभावित करती है
(C) मानव को इस जीवन तथा भावी जीवन के लिए तैयार करती है
(D) मानव के सभी कार्यों तथा व्यवहार को प्रभावित अथवा नियन्त्रित करती है

22. संस्कृति की व्याप्ति है—
(A) शरीर और आत्मा में
(B) पूर्वजन्म और अगले जन्म में
(C) जीवन के सभी क्रिया-कलापों में
(D) मानव के उठने-बैठने, हँसने रोने में

23. संस्कृति निरंतर प्रवाहमान है, क्योंकि?
(A) संस्कृति जिंदगी को जीने की एक विशेष पद्धति है
(B) हमारे जीवन के संस्कार भावी पीढ़ी को संस्कृति के अंग रूप में मिलते हैं
(C) काल कभी विश्राम नहीं लेता और संस्कृति देशकालातीत होती है
(D) मनुष्य कभी अपनी संस्कृति को भूल नहीं पाता और उसके विकास के लिए सदैव प्रयास करता रहता है

24. सभ्यता और संस्कृति में मूल अन्तर यह है कि सभ्यता—
(A) सीमित है, संस्कृति असीमित
(B) अनित्य है, संस्कृति नित्य
(C) का प्रभाव परिमित है, संस्कृति का अपरिमित
(D) का सम्बन्ध इहलोक से है, संस्कृति का परलोक से

(6)

स्थूल एवं बाह्य पदार्थ सूक्ष्म एवं मानसिक पदार्थों एवं भावों की अपेक्षा अधिक आधिपत्य का विषय है. जो मनुष्य भोजन का एक कवल खाता है, वह दूसरे को वह ग्रास खाने से रोकता है उससे कौर छीनने के लिए भी तैयार हो जाता है, किन्तु जो मनुष्य कविता-पाठ का आनन्द लेता है अथवा कविता लिखता है, वह किसी दूसरे को कविता के आनन्द लेने या कविता लिखने में बाधा नहीं डालता. यही कारण है कि स्थूल वस्तुओं के विषय में न्याय आवश्यक है और मानसिक वस्तुओं के विषय में ऐसे अवसर अथवा परिनिवेश की आवश्यकता है, जोकि उनकी प्राप्त्याशा को युक्ति संगत बनाता है. जो व्यक्ति सिसृक्षा से आकुल है, रचनात्मक कार्य करने में समर्थ है, उसे भौतिक स्थूल लाभ अथवा प्रलोभन न लुब्ध करते हैं और न प्रोत्साहित. विश्व में विचारक, दार्शनिक, कवि या वैज्ञानिक कम ही धनाढ्य देखे गए हैं; वित्तैषणा उनमें अत्यल्प होती है. **पूँजी का रचयिता कार्ल मार्क्स जीवन-भर निर्धनता से जूझता रहा.** राज्याधिकारियों ने सुकरात को मरवा डाला, वह जीवन के अन्तिम क्षणों में भी शान्त रहा, क्योंकि वह अपने जीवन के लक्ष्य का भली-भाँति निर्वाह कर चुका था; अपने जीवन का कार्य समाप्त कर चुका था, किंतु यदि उसे पुरस्कृत किया जाता, प्रतिष्ठा के अंबारों से लाद दिया जाता, परन्तु उसे अपना काम न करने दिया जाता, तो वह अनुभव करता कि उसे कठोर रूप से दंडित किया गया है.

प्रश्न

25. मानसिक पोषण हेतु वस्तुओं की उपलब्धि के लिए आवश्यकता है—
    (A) उपयुक्त न्याय की
    (B) उपयुक्त परिस्थितियों की
    (C) युक्ति संगत पर्यावरण की
    (D) युक्ति संगत अवधारणाओं की
26. सुकरात निम्नलिखित स्थिति में स्वयं को अधिक दंडित अनुभव करते यदि—
    (A) उन्हें मृत्यु या कारावास का दण्ड दिया जाता
    (B) उनका जीवन-कार्य अपरिसमाप्त रह जाता
    (C) उन्हें अलंकरणों से अलंकृत किया जाता
    (D) उन्हें पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता
27. एक मनुष्य दूसरे मनुष्य से भोजन का ग्रास इसलिए छीनने को उद्यत रहता है, क्योंकि यह पदार्थ अधिकार का विषय है—
    (A) अत्यंत सूक्ष्म होने से
    (B) अत्यधिक वायवी होने से
    (C) बुभुक्षा-शांति का साधन होने से
    (D) भौतिक एवं स्थूल होने से
28. धन-लिप्सा ऐसे महापुरुषों को अनुप्रेरित नहीं करती जो सक्षम हैं—
    (A) सर्जनात्मक कार्य करने में
    (B) अनुकरणात्मक कार्य करने में
    (C) सुधारात्मक कार्य करने में
    (D) प्रचारात्मक कार्य करने में
29. स्थूलांकित वाक्य निम्नलिखित का ज्वलंत उदाहरण कहा जा सकता है कि सामान्यतः—
    (A) वैज्ञानिक पूँजीपति नहीं होते
    (B) साहित्यकार धनपति नहीं होते
    (C) विचारक धन-सम्पन्न नहीं होते
    (D) राजनीतिज्ञ दरिद्र नहीं होते

(7)

कवि के सम्बन्ध में यह कथन अक्षरशः सत्य प्रतीत होता है कि कवि प्रकृति का पुरोहित होता है. जिस प्रकार पुरोहित अपने यजमान के समस्त कुलाचारों एवं रीति परम्पराओं से अभिज्ञ होता है, उसी प्रकार कवि को प्रकृति के समस्त रहस्यों एवं क्रिया प्रतिक्रियाओं का मर्मज्ञ होना चाहिए. इसके बिना कवि को 'कवि' की संज्ञा से विभूषित करना भी उचित प्रतीत नहीं होता. कवि ही अपनी सूक्ष्म निरीक्षण शक्ति द्वारा प्रकृति के प्रांगण में ऐसे तथ्यों एवं पदार्थों को देख लेता है, जहाँ सामान्य व्यक्तियों की दृष्टि नहीं जाती और यदि जाती भी है, तो तत्व तक नहीं पहुँचती. तह तक पहुँचे बिना कोई ऐसी बात नहीं निकलती, जो साधारण होने पर भी असाधारण हो, लौकिक होने पर भी अलौकिक आनन्दोत्पादक हो, सबकी देखी होने पर भी नवीन चमत्कार दिखाने वाली हो. प्रकृति के गुप्त एवं मुक्त रहस्यों को सर्वसाधारण के दृष्टिपथ में लाना कवि का काम है. अज्ञेय की मीमांसा करते रहना **आकाश-कुसुमों की सृष्टि करना** या आकाश के तारे तोड़ना कवि का काम नहीं है. यह दार्शनिक काम है, कवि का काम इससे भी गहन है. व्याकरण एवं पिंगल के नियमानुसार वर्णों की नपी-तुली पद्य-रचना का नाम भी कवित्व नहीं है, जैसाकि प्रायः समझा जाता है. सूक्ष्म दृष्टि से प्रकृति पर्यवेक्षण की असाधारण शक्ति के साथ-साथ कवि के पास उसे विविध कलाओं एवं शास्त्रों का भी ज्ञाता होना चाहिए.

प्रश्न

30. काले छपे वाक्यांश का आशय है—
    (A) सुन्दर कल्पनाएं करना
    (B) मौलिक उद्भावनाएं करना
    (C) अनहोनी बातें करना
    (D) असंभव को संभव करना
31. उपर्युक्त अवतरण का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक हो सकता है—
    (A) कवि और दार्शनिक
    (B) प्रकृति और कविता
    (C) प्रकृति का पुरोधा : कवि
    (D) कवि और कविता
32. कवि को प्रकृति का पुरोधा कहा गया है, क्योंकि वह प्राकृतिक—
    (A) परम्पराओं से अभिज्ञ होता है
    (B) कुलाचारों का विशेषज्ञ होता है
    (C) रहस्यों से अभिज्ञ होता है
    (D) सौन्दर्य का चितेरा होता है
33. 'कवि' संज्ञा तभी सार्थकता पा सकती है जब कवि—
    (A) अद्भुत कल्पना शक्ति का परिचय देता है
    (B) आकाश-कुसुमों की सृष्टि नहीं करता है
    (C) दार्शनिक की सी गम्भीर एवं मननशील दृष्टि रखता है
    (D) सर्वसाधारण को प्रकृति के रहस्यों से अवगत कराता है
34. दार्शनिक का प्रमुख कार्य है—
    (A) परोक्ष की मीमांसा
    (B) ज्ञेय की मीमांसा
    (C) अपरोक्ष की मीमांसा
    (D) मौलिक साहित्य-सर्जना

(8)

प्रेमचन्द की जो सबसे बड़ी शक्ति है, वह अधिकांश आलोचकों ने पहचानी ही नहीं है. वह है–आचरण की भूमि. प्रेमचन्द के जीवन चित्रण और आचरण में पूर्ण साम्य है. उनका समस्त साहित्य उनकी आत्माभिव्यक्ति है, असंख्य पात्रों में उनकी अपनी सात्त्विकता चरितार्थ ही है. अपने ही नैतिक, राष्ट्रीय और भावुक व्यक्तित्व को अनेकानेक कल्पित नर-नारियों के चरित्र में बाँटकर वे अपने साहित्य-जगत् पर छा गए हैं. उनके लिए साहित्य आचरण से स्वतन्त्र कला-कर्म मात्र नहीं है. उनके पात्रों की दया, क्षमा, ममता, ओजस्विता और बलिदानशीलता प्रेमचन्द की अपनी अनुभूति है. सामग्रिक संपृक्ति का ऐसा उदाहरण विरले ही मिलेगा. प्रेमचन्द्र के प्रत्येक पात्र पर उनके व्यक्तित्व तथा आचरण की

छाप है. वह अपने पात्रों का जीवन जिए हैं और उन्होंने अपने आचरण की सम्यकता और पवित्रता का झीना आवरण अपनी कला सृष्टि पर डाल दिया है. इसलिए वे तटस्थ कलाकार नहीं कहे जा सकते. वे प्रसिद्धि हैं. अपने युग-मानव से क्षण-प्रतिक्षण संपृक्त हैं. प्रेमचन्द के चरित्र की पवित्रता ही उनके पात्रों को पवित्रतावादी बना देती है. आचरण के द्वारा ही हम जीवन से संपृक्त हैं और जिस कलाकार के पास आचरण का बल नहीं है, वह पाठकों के अन्तर्मन में प्रवेश प्राप्त करने का अधिकारी नहीं होता. जिस कलाकार की कलम से एक भी अनैतिक वाक्य नहीं निकला, दैहिक आवेश का एक भी स्पंदन नहीं उभरा, वासना, कटुता और घृणा से जिसका कोई पात्र विषाक्त नहीं हुआ, उस कलाकार की जीवन-चेतना हमारी उदात्त नैतिक चेतना का पर्याय ही होगी. प्रेमचन्द नीति के कलाकार हैं, अनीति के कलाकार नहीं हैं, क्योंकि वे जीवन के शिल्पी हैं.

प्रश्न

35. आलोचकों द्वारा प्रेमचन्द्र की कौनसी शक्ति अनचीह्नी रह गई है?
    (A) जीवन चित्रण की
    (B) जीवन संपृक्ति की
    (C) लेखकीय तटस्थता की
    (D) आचरण की

36. प्रेमचन्द के उपन्यासों में उनकी आत्माभिव्यक्ति दृष्टिगत होती है, क्योंकि—
    (A) प्रेमचन्द उपन्यास को जीवन-चित्रण मानते हैं
    (B) वे सात्विक जीवन जीने के पक्षधर हैं
    (C) उनके पात्र उनके व्यक्तित्व को वहन करते हैं
    (D) उनके पात्र वर्गगत न होकर व्यक्तिगत हैं

37. प्रेमचन्द का कला विषयक सिद्धान्त था—
    (A) कला कला के लिए
    (B) कला मनोरंजन के लिए
    (C) कला तटस्थता के लिए
    (D) कला नैतिकता के लिए

38. प्रेमचन्द्र अपने साहित्य में 'स्व' की अभिव्यक्ति करते हैं—
    (A) पात्रों के माध्यम से
    (B) कथानक के माध्यम से
    (C) संवादों के माध्यम से
    (D) भाषा-शैली के माध्यम से

39. प्रेमचन्द्र को नीति का कलाकार माना जा सकता है, क्योंकि वे—
    (A) साहित्य में आत्माभिव्यक्ति पर बल देते हैं
    (B) उदात्त नैतिक चेतना के उपन्यासकार हैं
    (C) जीवन में सात्विकता को महत्व देते हैं
    (D) आचरण की सभ्यता के अनुसर्त्ता हैं

(9)

आवश्यकता इस बात की है कि हमारी शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा हो, जिसमें राष्ट्र के हृदय-मन-प्राण के सूक्ष्मतम और गम्भीरतम संवेदन मुखरित हों और हमारा पाठ्यक्रम यूरोप तथा अमरीका के पाठ्यक्रम पर आधारित न होकर अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं एवं आवश्यकताओं का प्रतिनिधित्व करे. भारतीय भाषाओं, भारतीय इतिहास, भारतीय दर्शन, भारतीय धर्म और भारतीय समाजशास्त्र को हम सर्वोपरि स्थान दें. उन्हें अपने शिक्षाक्रम में गौण स्थान देकर हम शिक्षित जन को उनसे वंचित रखकर हमने राष्ट्रीय संस्कृति में एक महान् रिक्ति को जन्म दिया है, जो नई पीढ़ी को भीतर से खोखला कर रहा है. हम राष्ट्रीय परम्परा से ही नहीं, सामयिक जीवन प्रवाह से भी दूर जा पड़े हैं. विदेशी पश्चिमी चश्मों के भीतर से देखने पर अपने घर के प्राणी भी बे-पहचाने और अजीब से लगने लगे हैं. शिक्षित जन और सामान्य जनता के बीच की खाई बढ़ती गई है और विश्व संस्कृति के दावेदार होने का दंभ करते हुए भी हम अपने घर में वामन ही बने रह गए हैं. इस स्थिति को हास्यास्पद ही कहा जा सकता है.

प्रश्न

40. हमारी शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा इसलिए होना चाहिए, क्योंकि उसमें—
    (A) भारतीय इतिहास और भारतीय दर्शन का ज्ञान निहित होता है
    (B) सामयिक जीवन निरन्तर प्रवाहित होता रहता है
    (C) विदेशी पाठ्यक्रम का अभाव होता है
    (D) भारतीय मानस का स्पन्दन ध्वनित होता है

41. हमारी शिक्षा में ऐसे पाठ्यक्रम की आवश्यकता है जिसमें—
    (A) आधुनिक वैज्ञानिक विचारधाराओं का सन्निवेश हो
    (B) पाश्चात्य संस्कृति का पूर्ण ज्ञान कराने की क्षमता हो
    (C) भारतीय सांस्कृतिक परम्परा का प्रतिनिधित्व हो
    (D) सामयिक जन-संस्कृति का समावेश हो

42. शिक्षितजन और सामान्य जनता में निरन्तर अन्तर बढ़ने का कारण है कि हम—
    (A) भारतीय भाषाओं का अध्ययन नहीं करते
    (B) विदेशी चश्में लगाकर अपने लोगों को देखते हैं
    (C) भारतीय समाजशास्त्र को सर्वोपरि स्थान नहीं देते
    (D) नई पीढ़ी को भीतर से खोखला कर रहे हैं

43. उपर्युक्त गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक है—
    (A) शिक्षा का माध्यम
    (B) हमारी सांस्कृतिक परम्परा
    (C) शिक्षित जन और सामान्य जनता
    (D) हमारी शिक्षा : माध्यम और पाठ्यक्रम

44. हमें राष्ट्रीय सांस्कृतिक परम्परा के साथ जुड़ना चाहिए—
    (A) सामयिक जीवन प्रवाह से
    (B) समसामयिक वैज्ञानिक विचारधारा से
    (C) अद्यतन साहित्यिक परम्परा से
    (D) भारतीय नव्य समाजशास्त्र से

उत्तरमाला

1. (D) 2. (C) 3. (A) 4. (C) 5. (D)
6. (A) 7. (C) 8. (D) 9. (C) 10. (B)
11. (A) 12. (B) 13. (A) 14. (B) 15. (B)
16. (A) 17. (A) 18. (D) 19. (D) 20. (A)
21. (D) 22. (C) 23. (B) 24. (C) 25. (C)
26. (B) 27. (D) 28. (A) 29. (C) 30. (D)
31. (C) 32. (C) 33. (D) 34. (A) 35. (D)
36. (C) 37. (D) 38. (A) 39. (B) 40. (D)
41. (C) 42. (B) 43. (D) 44. (D)

●●●

अपठित पद्यांश

(1)

चाह नहीं है सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊं ।
चाह नहीं प्रेमी माला में विंध प्यारी को ललचाऊं ॥
चाह नहीं देवों के सर पर चढ़ूं भाग्य पर इठलाऊं ।
चाह नहीं सम्राटों के शव पर हे हरि डाला जाऊं ॥
मुझे तोड़ लेना वनमाली उस पथ पर देना तुम फेंक ।
मातृभूमि पर सीस चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक ॥

प्रश्न

1. कविता का उपयुक्त शीर्षक है–
   (A) पुष्प की अभिलाषा (B) देशभक्ति
   (C) राष्ट्रीयता (D) अभिलाषा
2. सुरबाला का अर्थ है–
   (A) सुन्दर कन्या (B) अप्सरा
   (C) नागकन्या (D) सुन्दरी
3. पुष्प की अभिलाषा क्या है ?
   (A) सुरबाला के गहनों में गूँथे जाने की
   (B) देवता के शीश पर चढ़ने की
   (C) उस रास्ते पर फेंक दिया जाऊँ जिस पर बलिदानी वीर अपना बलिदान देने जा रहे हों
   (D) सम्राटों के शव पर चढ़ाया जाऊँ
4. कविता से क्या प्रेरणा मिलती है ?
   (A) देश भक्ति की
   (B) देश के लिए त्याग करने की
   (C) देश के आर्थिक विकास की
   (D) सबको शिक्षित करने की
5. इठलाऊँ का अर्थ है–
   (A) अहंकार करना (B) गर्व करना
   (C) लालच करना (D) ईमानदार बनना

(2)

मिट्टी तन है, मिट्टी मन है, मिट्टी दाना-पानी है ।
मिट्टी ही तन-बदन हमारा, सो सब ठीक कहानी है ।
पर जो उल्टा समझ इसे ही बने आप ही ज्ञानी है ।
मिट्टी करता है जीवन को और बड़ा अज्ञानी है ।
समझ सदा अपना तन मिट्टी, मिट्टी जोकि रमाता है ।
मिट्टी करके सरबस अपना मिट्टी में मिल जाता है ।
जगत् है सच्चा तनिक न कच्चा समझो बच्चा इसका भेद ।
खाओ पीओ कर्म करो नित कभी न लाओ मन में खेद ।
रचा उसी का है यह जग तो निश्चय उसको प्यारा है ।
इसमें दोष लगाना अपने लिए दोष का द्वारा है ।
ध्यान लगाकर जो देखो तुम सृष्टि की इस सुघराई को,
बात-बात में पाओगे उस सृष्टा की चतुराई को ।
चलोगे सच्चे दिल से जो तुम निर्मल नियमों के अनुसार
तो अवश्य प्यारे जानोगे, सारा जगत् सच्चाई-सार ॥

प्रश्न

6. उक्त कविता का उपयुक्त शीर्षक क्या है ?
   (A) मिट्टी का तन (B) मिट्टी का मन
   (C) मिट्टी की महिमा (D) सब कुछ मिट्टी है
7. अज्ञानी शब्द का निर्माण किस प्रक्रिया से हुआ है ?
   (A) उपसर्ग द्वारा (B) प्रत्यय द्वारा
   (C) संधि द्वारा (D) समास द्वारा
8. दोष का विपरीतार्थक शब्द है–
   (A) अपमार्जन (B) गुण
   (C) गुणी (D) गुणवान
9. तन-बदन में कौनसा समास है ?
   (A) अव्ययीभाव (B) तत्पुरुष
   (C) द्विगु (D) द्वन्द्व
10. स्रष्टा का अर्थ क्या है ?
   (A) विष्णु (B) शंकर
   (C) ब्रह्मा (D) गणेश

(3)

युद्ध को तुम निंद्य कहते हो मगर
जब तलक हैं उठ रही हैं चिनगारियाँ,
भिन्न स्वार्थों के कुलिश संघर्ष की,
युद्ध तब-तक विश्व में अनिवार्य है ।
और जो अनिवार्य है उसके लिए,
खिन्न या परितप्त होना व्यर्थ है ।
तू नहीं लड़ता, न लड़ता, आग यह,
फूटती निश्चय किसी भी ब्याज से ॥

प्रश्न

11. युद्ध का विपरीतार्थक शब्द है–
   (A) शांति (B) लड़ाई
   (C) उत्कर्ष (D) अपकर्ष
12. युद्ध कब तक अनिवार्य है ?
   (A) जब तक संसार में स्वार्थ है
   (B) जब तक लोभ लालच है
   (C) जब तक अशांति है
   (D) इनमें से कोई नहीं
13. 'परितप्त' का अर्थ है–
   (A) दु:खी (B) ईर्ष्यालु
   (C) दोषी (D) इनमें से कोई नहीं
14. 'ब्याज' का अर्थ यहाँ पर क्या है ?
   (A) लाभांश (B) बहाना
   (C) मूलधन (D) इनमें से कोई नहीं
15. उक्त पंक्तियाँ 'दिनकर' रचित कुरुक्षेत्र से ली गई हैं. कुरुक्षेत्र काव्य का मूल विषय क्या है ?
   (A) युद्ध और शांति की समस्या पर विचार करना
   (B) युद्ध को निन्दनीय कार्य बताना
   (C) महाभारत कथा का पुनराख्यान करना
   (D) इनमें से कोई नहीं

(4)

कहो तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार?
भिन्न-भिन्न यदि देश हमारे, तो किसका संसार ?
धरती को हम काटे-छाँटें,
तो उस अम्बर को भी बाँटें ?
एक अनल है, एक सलिल है, एक अनिल संसार।
अलग-अलग है सभी अधूरे,
सब मिलकर ही तो हम पूरे।
एक-दूसरे का पूरक है एक मनुज परिवार।
परित्राण का एक मन्त्र है,
विश्वराज्य जो लोकतन्त्र है।
सब वर्गों का सब धर्मों का जहाँ एक अधिकार।
कहो तुम्हारी जन्मभूमि का है कितना विस्तार ?

प्रश्न

16. जन्मभूमि में कौनसा समास है ?
(A) बहुव्रीहि (B) तत्पुरुष
(C) कर्मधारय (D) अव्ययीभाव

17. अम्बर का पर्यायवाची नहीं है—
(A) आकाश (B) मेघ
(C) गगन (D) नभ

18. अनल का अर्थ क्या है ?
(A) हवा (B) अग्नि
(C) जल (D) आकाश

19. 'परित्राण' का तात्पर्य है—
(A) रक्षा करना (B) शरण देना
(C) त्याग करना (D) ग्रहण करना

20. अधिकार में कौनसा उपसर्ग प्रयुक्त है ?
(A) अ (B) अधि
(C) कार (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (C) 4. (A) 5. (B) 6. (C) 7. (A) 8. (B) 9. (D) 10. (C) 11. (A) 12. (A) 13. (A) 14. (B) 15. (A) 16. (B) 17. (B) 18. (B) 19. (A) 20. (B)

रस

किसी कविता, कहानी, उपन्यास आदि पढ़कर, सुनकर या किसी अभिनय को देखकर जब चित्त विविध भावों के संयोग से आनन्द में तन्मय हो जाता है, तो उस परिणति को रस कहते हैं. **'रस्यते आस्वाद्यते इति रसः'** अर्थात् जिसका आस्वादन होता हो उसे रस कहते हैं. **आचार्य विश्वनाथ** ने **'साहित्य दर्पण'** में लिखा है—**'वाक्यं रसात्मकं काव्यं'** अर्थात् रसात्मक वाक्य काव्य है. काव्यानन्द को लक्ष्य करके सर्वप्रथम रस का विवेचन **'भरतमुनि'** के **'नाट्यशास्त्र'** में प्राप्त होता है. नाट्यशास्त्र का समय ईसवी सन् की प्रथम शताब्दी माना जाता है. रस की निष्पत्ति के सम्बन्ध में भरत मुनि ने लिखा है—**'विभावानुभावव्यभिचारि संयोगाद्रसनिष्पत्तिः'** अर्थात् विभाव, अनुभाव और व्यभिचारी भावों के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है.

किसी विशेष स्थिति में प्रभावित मन की असाधारण दशा भाव कहलाती है. भाव ही रस का आधार है. भाव चार प्रकार के होते हैं—स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भाव.

स्थायी भाव

ऐसे भाव जो हृदय में संस्कार रूप में स्थित होते हैं, जो चिरकाल तक रहने वाले अर्थात् अक्षय, स्थिर और प्रबल होते हैं तथा जो रसरूप में परिवर्तित या परिणत होते हैं, स्थायी भाव कहलाते हैं.

सभी स्थायी भावों तथा इनसे सम्बन्धित रसों का विवरण निम्नलिखित है—

स्थायी भाव	**रस**
1. रति	शृंगार
2. हास	हास्य
3. शोक	करुण
4. क्रोध	रौद्र
5. उत्साह	वीर
6. भय	भयानक
7. जुगुप्सा	वीभत्स
8. विस्मय	अद्भुत
9. निर्वेद	शांत
10. भगवद्विषयक अनुराग	भक्ति
11. वत्सलता	वात्सल्य

चूँकि वात्सल्य के मूल में अपत्य स्नेह है, अतः वह शृंगार का ही अंग है. इसी प्रकार भक्ति रस स्वतन्त्र रस न होकर पूज्य भाव समन्वित रति होने के कारण शृंगार रस का ही भाव सिद्ध होता है. इस प्रकार रसों की सही संख्या 9 ही है. क्योंकि स्थायी भावों की संख्या भी 9 ही मानी गई है.

विभाव

जो व्यक्ति, वस्तु परिस्थितियाँ आदि स्थायी भावों को उद्दीप्त या जाग्रत करती हैं उन्हें **'विभाव'** कहते हैं. विभाव दो प्रकार के होते हैं—'आलम्बन' विभाव और 'उद्दीपन' विभाव.

अनुभाव

आलम्बन तथा उद्दीपन के द्वारा आश्रय के हृदय में स्थायी भाव के जाग्रत तथा उद्दीप्त होने पर आश्रय में जो चेष्टाएं होती हैं, उन्हें अनुभाव कहते हैं. अनुभाव चार प्रकार के माने गए हैं—कायिक, मानसिक, आहार्य और सात्त्विक. इनमें से सात्विक भावों की संख्या 8 मानी गई है–कम्प, स्वेद, रोमांच, अश्रु, स्तम्भ, स्वरभंग, वैवर्ण्य, प्रलय.

संचारी भाव

आश्रय के चित्त में उत्पन्न होने वाले अस्थिर मनोविकारों को 'संचारी भाव' कहते हैं. इसके द्वारा स्थायी भाव और भी तीव्र हो जाता है. जैसे—शकुंतला से प्रीतिबद्ध दुष्यंत के चित्त में उल्लास, चपलता, व्याकुलता आदि संचारी भाव हैं. इन्हें व्यभिचारी भाव भी कहते हैं. इनकी संख्या 33 मानी गई है.

(1) शृंगार रस

जहाँ काव्य में 'रति' नामक स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भावों से पुष्ट होकर रस में परिणत होता है वहाँ शृंगार रस होता है. शृंगार रस के दो भेद हैं— (i) संयोग शृंगार (ii) वियोग शृंगार

(i) **संयोग शृंगार**—संयोग का अर्थ है—सुख या आनन्द की प्राप्ति या अनुभव करना. काव्य में जहाँ नायक और नायिका के मिलन का वर्णन हो वहाँ संयोग शृंगार होता है जैसे—

बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाय।
सौंह करें भौंहनु हँसे, देन कहें नटि जाय।।
—**विहारी**

(ii) **वियोग या विप्रलम्भ शृंगार**—जहाँ परस्पर अनुरक्त नायक और नायिका के वियोग, मिलन में अवरोध अथवा पूर्व मिलन का स्मरण हो वहाँ वियोग या विप्रलम्भ शृंगार होता है, जैसे—

सुनि-सुनि ऊधव की अकह कहानी कान,
कोऊ थहरानी, कोऊ थानहिं थिरानी हैं।
× × × × × ×
कोऊ स्याम-स्याम कै बहकि बिललानी कोऊ
कोमल करेजो थामि सहमि सुखानी हैं।

(2) हास्य रस

काव्य में किसी की विचित्र वेशभूषा, चेष्टा, कथन आदि हँसी उत्पन्न करने वाले कार्यों का वर्णन 'हास्य रस' कहलाता है. जैसे—

काहू न लखा सो चरित बिसेखा।
जो सरूप नृप-कन्या देखा॥
मरकट बदन भयंकर देही।
देखत हृदय क्रोध भा तेही॥
जेहि दिसि नारद बैठे फूली।
सो दिसि तेहि न बिलोकी भूली॥
पुनि-पुनि मुनि उकसहिं अकुलाहीं।
देखि दसा हरि-गन मुसकाहीं॥
—**तुलसी**

(3) करुण रस

किसी प्रिय वस्तु अथवा व्यक्ति आदि के अनिष्ट की आशंका या इनके विनाश से हृदय में उत्पन्न क्षोभ या दुःख को 'करुण रस' कहते हैं. इसका स्थायी भाव 'शोक' है. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव के संयोग से पूर्णता प्राप्त होने पर 'शोक' नामक स्थायी भाव से 'करुण रस' की निष्पत्ति होती है. जैसे—

शोक विकल सब रोवहिं रानी।
रूप सील बल तेज बखानी॥
करहिं विलाप अनेक प्रकारा।
परहिं भूमि-तल बारहिं बारा॥

(4) रौद्र रस

शत्रु या किसी दुष्ट अत्याचारी द्वारा किए गए अत्याचारों को देखकर अथवा गुरुजनों/आत्मीयजनों की निंदा सुनकर चित्त में एक प्रकार का क्षोभ उत्पन्न होता है जिसे 'क्रोध' कहते हैं. यही 'क्रोध' नामक स्थायी भाव जब विभाव, अनुभाव और संचारी भावों के संयोग से रस रूप में परिणत होता है तब 'रौद्र रस' कहलाता है. जैसे—

माखे लखन कुटिल भई भौंहें।
रद-पट फरकत नयन रिसौंहें॥
रघुबंसिन्ह में जहँ कोऊ होई।
तेहि समाज अस कहइ न कोई॥

(5) वीर रस

शत्रु का उत्कर्ष, दीनों की दुर्दशा, धर्म की हानि आदि को देखकर इनको मिटाने के लिए हृदय में 'उत्साह' जाग्रत होता है वह विभाव, अनुभाव और संचारी भावों के संयोग से 'वीर रस' में परिणत हो जाता है. उत्साह चार प्रकार का होता है—

(i) शत्रु के उत्कर्ष को मिटाकर आत्मोद्धार का उत्साह

(ii) दीन के दुःख को दूर करने का उत्साह

(iii) अधर्म को मिटाकर धर्म का उद्धार करने का उत्साह

(iv) सुपात्र को दान देकर उसके कष्ट दूर करने का उत्साह

उपर्युक्त उत्साह के भेद के आधार पर **'वीर रस'** के भी चार भेद हैं—'युद्धवीर', 'दयावीर', 'दानवीर' और 'धर्मवीर'.

उदाहरण—

"जब दहक उठा सीमांत,
पुकारा माँ ने शीश चढ़ाने को।
नौजवाँ लहू तब तड़प उठा,
हँसते-हँसते बलि जाने को।
गरजे थे लाखों कंठ,
आज दुश्मन को मजा चखाएंगे।
भारत धरणी के पानी का,
जौहर जग को दिखलाएंगे॥"

(6) भयानक रस

जब किसी भयानक वस्तु या जीवन को देखकर भावी दुःख की आशंका से हृदय में जो भाव उत्पन्न होता है उसे 'भय' कहते हैं. जब भय नामक स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव और संचारी भावों के संयोग से जो रस निष्पत्ति होती है, उसे 'भयानक रस' कहते हैं. जैसे—

लंका की सेना तो कपि के गर्जन रव से
काँप गई।
हनूमान के भीषण दर्शन से विनाश ही
भाँप गई।

(7) वीभत्स रस

सड़ी हुई लाशें दुर्गन्ध आदि देखकर या अनुभव करके हृदय में घृणा या जुगुप्सा उत्पन्न होती है. यही 'जुगुप्सा' स्थायी भाव जब जाग्रत होकर विभाव, अनुभाव और संचारी भावों के संयोग से रस रूप में परिणत होता है, तो उसे 'वीभत्स रस' कहते हैं. जैसे—

घर में लाशें, बाहर लाशें, जनपथ पर सड़ती
लाशें।
आँखें नृशंस यह दृश्य देख मुँद जाती,
घुटती है श्वाँसें॥

(8) अद्‌भुत रस

किसी असाधारण वस्तु या घटना को देखकर हृदय में कुतूहल विशेष तथा आश्चर्य भाव उत्पन्न होता है, जिसे 'विस्मय' कहते हैं. यही स्थायी भाव 'विस्मय' जब विभाव, अनुभाव और संचारी भावों के संयोग से रस रूप में परिणत हो जाता है, तब उसे 'अद्‌भुत रस' कहते हैं. जैसे—

इहाँ उहाँ दुइ बालक देखा।
मति भ्रम मोरि कि आन बिसेखा॥

(9) शांत रस

संसार की नश्वरता और ईश्वर की सत्ता का ज्ञान हो जाने पर सांसारिक माया-मोह के प्रति ग्लानि या वैराग्य सा हो जाता है. इस वैराग्य भावना को ही 'निर्वेद' कहते हैं. यही 'निर्वेद' स्थायी भाव; विभाव, अनुभाव तथा संचारी भावों से संयुक्त होकर रस रूप में परिणत हो जाता है, तब 'शांत रस' कहलाता है. जैसे—

अब लौ नसानी अब न नसैंहौं।
राम कृपा भव निशा सिरानी आगे फिर न
डसैहौं।

भरत मुनि नाटक को शांत रस नहीं मानते, क्योंकि 'निर्वेद' का अभिनय सम्भव नहीं है.

(10) भक्ति रस

भगवद् गुण सुनकर जब चित्त उसमें निमग्न हो जाता है, तब 'भगवद्विषयक अनुराग' नामक स्थायी भाव उत्पन्न होता है; यह विभाव, अनुभाव तथा संचारी भाव से संयुक्त होकर **'भक्ति रस'** में परिणत हो जाता है. जैसे—

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई।

(11) वात्सल्य रस

माता-पिता का संतान के प्रति जो स्नेह होता है, उसे 'वात्सल्य' कहते हैं. यही 'वात्सल्य' स्थायी भाव जब विभाव, अनुभाव और संचारी भावों से संयुक्त होकर रस रूप में परिणत हो जाता है, तब 'वात्सल्य रस' कहलाता है. जैसे—

किलकत कान्ह घुटुरुवन आवत।
मनिमय कनक नंद के आँगन निज प्रतिबिम्ब
पकरिवे धावत।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **'वाक्यं रसात्मकं काव्यं'** कथन किसका है?
   (A) विश्वनाथ (B) मम्मट
   (C) भरत (D) धनंजय
2. निम्नलिखित में से कौनसा विद्वान् रस विरोधी है?
   (A) आनन्द वर्धन
   (B) भामह
   (C) भट्ट लोल्लट
   (D) पंडितराज जगन्नाथ
3. रसों की सही संख्या है—
   (A) आठ (B) दस
   (C) नौ (D) ग्यारह
4. **'साधारणीकरण का आलम्बत्व धर्म का होता है'** किसका कथन है?
   (A) केशव प्रसाद मिश्र

(B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(D) डॉ. नगेन्द्र

5. रस में पुष्ट या परिणत होने वाले तथा सम्पूर्ण प्रसंग में व्याप्त रहने वाले भाव को कहते हैं—
(A) स्थायी भाव (B) अनुभाव
(C) विभाव (D) संचारी भाव

6. भरत मुनि के अनुसार, स्थायी भावों की संख्या है—
(A) नौ (B) आठ
(C) दस (D) ग्यारह

7. स्थायी भावों की सही संख्या है—
(A) सात (B) आठ
(C) नौ (D) दस

8. भरतमुनि के स्थायी भावों में कौनसा भाव सम्मिलित नहीं है?
(A) हास (B) जुगुप्सा
(C) विस्मय (D) निर्वेद

9. संचारी भावों की संख्या है—
(A) 33 (B) 34
(C) 35 (D) 36

10. निम्नलिखित में से 'सात्त्विक अनुभाव' है—
(A) शारीरिक अंगों की चेष्टाएं
(B) मानसिक चेष्टाएं
(C) वेशभूषा द्वारा चेष्टाएं
(D) बिना आश्रय और बिना प्रयास होने वाले लक्षण

11. निम्नलिखित में से '**अपस्मार**' क्या है?
(A) एक प्रकार का उपमान जिसमें उपमेय की हेयता सिद्ध की जाती है
(B) संचारी भाव का एक प्रकार
(C) आधुनिक रसाचार्यों द्वारा खोजा गया एक 'रस'
(D) काव्य का एक प्रकार का दोष

12. भय, लज्जा आदि के कारण उत्पन्न भावों को छिपाने की प्रवृत्ति को क्या कहते हैं?
(A) व्याधि (B) वितर्क
(C) अवहित्था (D) असूया

13. निम्नलिखित में से 'असूया' क्या है?
(A) एक काव्य-दोष
(B) एक काव्य-गुण
(C) एक अलंकार
(D) एक संचारी भाव

14. निम्नलिखित में कौन रसाचार्य नहीं है?
(A) केशव (B) विश्वनाथ
(C) नागार्जुन (D) मम्मट

15. निम्नलिखित में से किस ग्रन्थ में रस सम्बन्धी व्याख्या नहीं है?
(A) अग्निपुराण (B) कविप्रिया
(C) साहित्य दर्पण (D) कवितावली

16. 'हास्य रस' का स्थायी भाव है—
(A) हास (B) परिहास
(C) उपहास (D) विलास

17. हिन्दी काव्य साहित्य में 'रस' के कितने अंग हैं?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) छः

18. 'वीर रस' का स्थायी भाव कौनसा है?
(A) क्रोध (B) भय
(C) शोक (D) उत्साह

19. 'भय' किस रस का स्थायी भाव है?
(A) भयानक (B) अद्‌भुत
(C) रौद्र (D) वीभत्स

20. 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है?
(A) भयानक (B) वीभत्स
(C) शांत (D) वीर

21. 'अद्‌भुत रस' का स्थायी भाव है—
(A) जुगुप्सा (B) निर्वेद
(C) विस्मय (D) उत्साह

22. 'शांत रस' का स्थायी भाव है—
(A) उत्साह (B) क्रोध
(C) वात्सल्य (D) निर्वेद

23. 'वत्सल रस' का स्थायी भाव है—
(A) वात्सल्य (B) हास
(C) उत्साह (D) विस्मय

निर्देश—प्रश्न संख्या 24 से 40 तक के लिए पद्यांश दिए गए हैं. प्रत्येक पद्यांश में प्रयुक्त 'रस' के लिए चार-चार विकल्प दिए गए हैं. इनमें एक ही विकल्प सही है. आपको सही विकल्प का चयन करना है. यही आपका उत्तर होगा.

24. "कौन हो तुम वसंत के दूत,
विरस पतझड़ में अति सुकुमार;
घन तिमिर में चपलता की रेख,
तपन में शीतल मंद बयार।"
(A) शांत (B) करुण
(C) वियोग शृंगार (D) संयोग शृंगार

25. 'दूध दुहत अति ही रति बाढ़ी।
एक धार दोहनी पहुँचावति एक धार जहँ प्यारी ठाढ़ी।"
(A) संयोग वात्सल्य
(B) संयोग शृंगार
(C) वियोग शृंगार
(D) वियोग वात्सल्य

26. "देखि रूप लोचन ललचाने।
हरषे जनु निज निधि पहचाने।।
लोचन मग रामहिं उर आनी।
दीन्हें पलक कपाट सयानी।।"
(A) वात्सल्य (B) भक्ति
(C) संयोग शृंगार (D) वियोग शृंगार

27. राम को रूप निहारति जानकी,
कंकन के नग की परछाहीं।
जातै सबै सुधि भूलि रही,
कर टेकि रही पल टारत नाहीं।।"
(A) वियोग शृंगार
(B) वियोग वात्सल्य
(C) संयोग वात्सल्य
(D) संयोग शृंगार

28. "कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात।
भरे भवन में करत हैं नैंनन ही सों बात।।"
(A) संयोग शृंगार (B) वियोग शृंगार
(C) रौद्र (D) वीभत्स

29. निसिदिन बरसत नयन हमारे'
(A) करुण (B) भयानक
(C) विप्रलम्भ (D) अद्‌भुत

30. पिउ सों कहेउ संदेसड़ा, हे भौंरा हे काग।
सो धनि बिरही जरि मुई, तेहिक धुवां मोहि लाग।।
(A) करुण (B) भयानक
(C) संभोग (D) विप्रलंभ

31. कै बिरहिन कूँ मीचु दै, कै आपा दिखराय।
आठ पहर का दाझड़ा, मो पै सह्या न जाय।।
(A) संयोग (B) वियोग
(C) शांत (D) भक्ति

32. बरसैं मेघ चुवहिं नैगाहा। छपर छपर होय रहि बिनु नाहा।।
कोरौं कहा ठाठ नव साजा। तुम बिनु कंत न छाजनि छाजा।।
(A) अद्‌भुत (B) भयानक
(C) वियोग (D) संयोग

33. हा जग एक वीर रघुराया।
केहि अपराध बिसारेव दाया।।
(A) भक्ति (B) संयोग
(C) विप्रलम्भ (D) करुण

34. मेरे प्यारे नव जलद से कंज से नेत्र वाले।
जाके आए न मधुबन से औ न भेजा संदेशा।
मैं रो-रो के प्रिय विरह से बावली हो रही हूँ।
जाके मेरी सब दुःख कथा श्याम को तू सुना दे।।
(A) करुण (B) रौद्र
(C) संयोग (D) विप्रलंभ

35. मातहिं पितहिं उरनि भए नीके।
गुरु ऋण रहा सोच बड़ जी के।।
(A) हास (B) रौद्र
(C) शृंगार (D) शांत

36. सिर घोट मोट पर चुटिया थी लहराती।
थी तोंद लटककर घुटनों को छू जाती।।
जब मटक-मटक कर चले, हँसी थी भारी।।
हो गए देखकर, लोट-पोट नर-नारी।।
(A) अद्‌भुत (B) करुण
(C) हास्य (D) इनमें से कोई नहीं

37. खद्दर कुरता भकभको, नेता जैसी चाल।
येहि बानक मों मन बसीं सदा बिहारी लाल।।
(A) शृंगार रस (B) शांत रस
(C) अद्‌भुत रस (D) हास्य रस

38. लोक तिहुँ जारीं सातीं सागर सुखाय डारीं,
गिरिन ढहाय डारीं भूमि उलटाऊँ मैं।
रंच में बिदारि डारीं दसों दिगपालन को,
खगन समेत शशि सूरहिं गिराऊँ मैं।।
(A) वीर (B) रौद्र
(C) भयानक (D) इनमें से कोई नहीं

39. जब दहक उठा सीमांत,
पुकारा माँ ने शीश चढ़ाने को।
नौजवाँ लहू तब तड़प उठा,
हँसते-हँसते बलि जाने को।
गरजे थे लाखों कंठ,
आज दुश्मन को मजा चखाएंगे।
भारत धरणी के पानी का,
जौहर जग को दिखलाएंगे।।
(A) रौद्र (B) भयानक
(C) वीर (D) हाय

40. सौमित्र से घननाद का रव,
अल्प भी न सहा गया।
निज शत्रु को देखे बिना,
उनसे तनिक न रहा गया।
रघुबीर के आदेश ले,
युद्धार्थ वे सजने लगे।
रणवाद्य भी निर्घोष करके,
धूम से बजने लगे।।
(A) वीर (B) रौद्र
(C) भयानक (D) करुण

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (C) 4. (B) 5. (A)
6. (B) 7. (C) 8. (D) 9. (A) 10. (D)
11. (B) 12. (C) 13. (D) 14. (C) 15. (D)
16. (A) 17. (B) 18. (D) 19. (A) 20. (B)
21. (C) 22. (D) 23. (A) 24. (D) 25. (B)
26. (C) 27. (D) 28. (A) 29. (C) 30. (D)
31. (B) 32. (C) 33. (C) 34. (D) 35. (A)
36. (C) 37. (D) 38. (B) 39. (C) 40. (A)

●●●

छन्द

साहित्य में पद्य लयबद्ध रचना है. वर्णों या मात्राओं की गणना, क्रम, गति, लय, तुक आदि के विशेष नियमों से आबद्ध रचना छंद कहलाती है. कुछ विद्वान् संस्कृत छंदों का आदि जन्मदाता महर्षि वाल्मीकि को मानते हैं. पिंगलाचार्य महर्षि वाल्मीकि के बाद हुए; फिर भी पिंगलाचार्य के **'छन्दसूत्र'** में छंद का सुसंबद्ध वर्णन होने के कारण इसे छंदशास्त्र का आदिग्रंथ माना जाता है. इसीलिए **'पिंगल'** के नाम पर छंदशास्त्र को पिंगलशास्त्र भी कहते हैं.

छंद के प्रकार

वर्ण और मात्रा के आधार पर छंद मुख्यतया दो प्रकार के होते हैं—1. वर्णिक या वर्णवृत्त छंद. 2. मात्रिक छंद. इन दोनों (वर्णिक और मात्रिक) छंदों के तीन-तीन उपभेद हैं—सम, अर्द्धसम और विषम.

सम—जिन छंदों के चारों चरणों की मात्राएं या वर्ण समान हों वे **'सम'** कहलाते हैं. जैसे—चौपाई, इन्द्रवज्रा आदि.

अर्द्धसम—जिन छंदों में पहले और तीसरे तथा दूसरे और चौथे चरणों की मात्राओं या वर्णों में समानता हो, वे **'अर्द्धसम'** कहलाते हैं. जैसे दोहा, सोरठा आदि.

विषम—जिन छंदों में चार से अधिक (छ:) चरण हों और वे एक से न हों, 'विषम' कहलाते हैं. जैसे—छप्पय कुण्डलिया आदि.

1. वर्णिक या वर्णवृत्त छंद

जिन छंदों की रचना वर्णों की गणना के आधार पर की जाती है, उन्हें **'वर्णिक' या 'वर्णवृत्त छंद'** कहते हैं. वर्णिक छन्दों के प्रचलित रूप हैं—(1) समानिका (2) मल्लिका (समानी) (3) स्वागता (4) इन्दिरा (कनक मंजरी) (5) शालिनी (6) दीपक (7) भुजंगी (8) **इन्द्रवज्रा** (9) **उपेन्द्रवज्रा** (10) **उपजाति** (11) मोतियदाम (मौक्तिकदाम) (12) तोटक नंदिनी (13) स्रग्विणी (14) वंशस्थ (15) भुजंगप्रयात (16) तारक (17) **वसंततिलका** (18) **मालिनी (मंजुमालिनी)** (19) चामर (तूण, सोमवल्लरी) (20) नाराच (नागराज, पंचचामर) (21) चंचला (22) **मंदाक्रांता** (23) **शिखरिणी** (24) **शार्दुलविक्रीडति** (25) **गीतिका** (26) स्रग्धरा (27) **सवैया** (28) मदिरा (29) चकोर (30) मालती (मत्तगयंद) (31) मल्लिका (सुमुखी, मानिनि) (32) लक्षी (गंगोदक, गंगाधर, खंजन) (33) वाम (मकरंद, माधवी, मंजरी) (34) किरीट (35) मुक्तहरा (36) अरसात (37) दुर्मिल (दुर्मिला, चंद्रकला) (38) अरविंद (39) **सुन्दरी** (40) कुंदकला (41) मत्तमातंगलीलाकर (42) कुसुमस्तवक (43) उदीची (44) **कवित्त (मनहर)** (45) घनाक्षरी (46) आपीड (47) सौरभक.

प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से अति-महत्वपूर्ण वर्णिक छंदों का विवरण निम्नलिखित है—

इन्द्रवज्रा

यह सम वर्णवृत्त छंद है. इसके प्रत्येक चरण में 11 वर्ण होते हैं तथा पाँचवे या छठे वर्ण पर 'यति' होती है. इसका सूत्र **'ताता जागोगो शुभ इन्द्रवज्रा** अर्थात् दो तगण (ऽऽ।, ऽऽ।), एक जगण (।ऽ।), और दो गुरु (ऽऽ) हैं,

उपेन्द्रवज्रा

उपेन्द्रज्रा छंद में 11 वर्ण होते हैं तथा पाँचवें वर्ण पर 'यति' होती है. इसमें जगण (।ऽ।), तगण (ऽऽ।) तथा दो गुरु (ऽऽ) होते हैं. इसका सूत्र है—**'जतजगागा उपेन्द्रवज्रा'**.

वसंततिलका

वसंततिलका छंद में 14 वर्ण होते हैं वर्णों का क्रम तगण (ऽऽ।) भगण (ऽ।।), दो जगण (।ऽ।, ।ऽ।) तथा दो गुरु होते हैं. इसका सूत्र है–**'गाओ वसंततिलका तभजज गागा'**।

मालिनी (मंजुमालिनी)

मालिनी (मंजुमालिनी) छंद में 15 वर्ण होते हैं तथा 8, 7 वर्णों पर 'यति' होती है. वर्णों का क्रम दो नगण (। । ।, । । ।), मगण (ऽऽऽ), दो यगण (।ऽऽ, ।ऽऽ) रहता है.

मंदाक्रांता

मंदाक्रांता छन्द में 17 वर्ण होते हैं. इसमें मगण (ऽऽऽ), भगण (ऽ। ।), नगण (। । ।), दो तगण (ऽऽ।, ऽऽ।) तथा दो गुरु (ऽऽ) होते हैं और इसमें चार, छः तथा सातवें वर्णों पर 'यति' होती है.

शिखरिणी

शिखरिणी छंद में सत्रह वर्ण होते हैं तथा छः वर्णों पर 'यति' होती है. इसमें यगण (।ऽऽ), मगण (ऽऽऽ), नगण (।।।), सगण (।। ऽ), भगण (ऽ। ।) तथा लघु (।) एवं दीर्घ (ऽ) होता है।

सुन्दरी

सुन्दरी छंद में आठ सगण (।। ऽ, ।। ऽ, ।। ऽ, ।। ऽ, ।। ऽ, ।। ऽ, ।। ऽ, ।। ऽ)

तथा एक गुरु (ऽ), इस प्रकार पच्चीस वर्ण होते हैं. इसमें बारह व पच्चीस वर्णों पर 'यति' होती है. इसी का नाम सुन्दरि सवैया या द्रुतविलंबित वर्णिक वृत्त भी होता है.

मत्तगयंद

मत्तगयंद छंद में तेईस वर्ण होते हैं तथा बारह और ग्यारह वर्णों 'यति' होती है। इसमें सात भगण और दो गुरु होते हैं।

कवित्त (मनहर)

कवित्त में 31 वर्ण होते हैं इसके सोलहवें वर्ण पर 'यति' होती है और अन्त में गुरु होता है. अन्य वर्णों में लघु-गुरु का कोई नियम नहीं है।

2. मात्रिक छंद

जिन छन्दों में रचना मात्राओं की गणना के आधार पर की जाती है उन्हें 'मात्रिक' छन्द कहते हैं. इनमें प्रत्येक चरण की मात्राओं की संख्या ही समान होती है. न तो इसमें वर्ण समान होते हैं और न गण। मात्रिक छंदों के प्रचलित रूप निम्नलिखित हैं; **सम**–(1) आमीर (2) तोमर (3) उल्लाला (चन्द्रमणि) (4) सखी आँसू (5) प्रतिभा (6) **चौपाई** (7) पद्धरि (8) पीयूष वर्ष (9) अरिल (10) राधिका (11) **रोला** (12) दिग्पाल (13) मदन (रूपमाला) (14) गीतिका (15) सरसी (16) ललित पद (17) **हरिगीतिका** (18) **चौपैया (चतुष्पदी)** (19) ताटंक (20) आल्हा (21) त्रिभंगी (22) सनाई (समान सवैया) (23) विजया।

अर्द्धसम—(24) **बरवै (ध्रुव, कुरंग)** (25) **दोहा** (26) **सोरठा** (27) **उल्लाल**[*]

विषम—

(28) छप्पय (29) कुंडलिया.

चौपाई

यह सम मात्रिक छंद है. चौपाई का अर्थ ही—चार चरण है, अतः इसमें चार चरण होते हैं, इसके प्रत्येक चरण में 16 मात्राएं होती हैं, इसके अन्त में दो गुरु (ऽऽ) या दो लघु (।।) रहते हैं. अन्त में जगण व तगण का प्रयोग निषेध है.

रोला (काव्य)

रोला भी चार चरण वाला मात्रिक छंद है. इसके प्रत्येक चरण में 24 मात्राएं होती हैं तथा 11 व 13 मात्राओं पर 'यति' होती है. इसके चारों चरणों की ग्यारहवीं मात्रा लघु रहने पर इसको 'काव्य' छंद भी कहते हैं.

हरिगीतिका

हरिगीतिका भी चार चरण वाला सम मात्रिका छंद है. इसके प्रत्येक चरण में अट्ठाईस मात्राएं होती हैं और इसमें सोलह तथा बारह मात्राओं पर यति होती है.

चौपैया (चतुष्पदी)

चौपैया (चतुष्पदी) में तीस मात्राएं होती हैं और अंत में दो गुरु होते हैं. इसमें दस, आठ तथा बारह मात्राओं पर 'यति' होती है.

बरवै (ध्रुव, कुरंग)

बरवै अर्द्धसम मात्रिक छन्द है. इसके विषम चरण (प्रथम व तृतीय) में बारह-बारह तथा समचरण (द्वितीय एवं चतुर्थ) में सात-सात मात्राएं होती हैं. सम चरणों के अन्त में जगण (। ऽ ।) इसकी सुन्दरता को बढ़ा देते हैं.

दोहा

'दोहा अर्द्धसम मात्रिक छंद है. इसमें चौबीस मात्राएं होती हैं. इसके विषम चरण (प्रथम व तृतीय) में तेरह तथा समचरण (द्वितीय व चतुर्थ) में ग्यारह मात्राएं होती हैं. इसके विषम चरणों के आदि में जगण (।ऽ।) नहीं होना चाहिए तथा सम चरणों के अन्त में गुरु व लघु होते हैं.

सोरठा

सोरठा भी अर्द्धसम मात्रिक छंद है. यह दोहा का विलोम (उल्टा) होता है. अर्थात् इसके विषम-चरण (प्रथम व तृतीय) में ग्यारह-ग्यारह और सम चरण (द्वितीय व चतुर्थ) में तेरह-तेरह मात्राएं होती हैं. विषम चरण के अन्त में गुरु लघु आते हैं. इसके सम चरण में 'तुक' मिलना अनिवार्य नहीं है.

छप्पय

छप्पय छः चरण वाला विषम मात्रिक छंद है. इसके प्रथम चार चरण 'रोला' छंद के और अन्तिम दो 'उल्लाल' छंद के होते हैं.

कुण्डलिया

कुण्डलिया भी छः चरण वाला विषम मात्रिक छंद है. इसके प्रत्येक चरण में चौबीस मात्राएं होती हैं. कुंडलिया के प्रथम दो चरण **'दोहा'** के और बाद के चार चरण **'रोला'** के होते हैं. ये दोनों छंद कुंडली के रूप में एक-दूसरे से गुँथे रहते हैं, अतएव इसे **'कुण्डलिया'** छन्द कहते हैं. प्रायः 'दोहा' का आदि शब्द ही 'रोला' का अंतिम शब्द होता है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित में से छंदशास्त्र का आदि आचार्य कौन है?
(A) पिंगलाचार्य (B) मम्मट
(C) भरत (D) विश्वनाथ

2. छः चरण वाला छंद है—
(A) कवित्त (B) छप्पय
(C) सवैया (D) रोला

3. छंदशास्त्र में 'ह्रस्व और दीर्घ' को कहते हैं—
(A) कम और अधिक
(B) अल्प और बहु
(C) लघु और दीर्घ
(D) अशक्त और सशक्त

4. छंद के प्रवाह को कहते हैं—
(A) क्रम (B) गण
(C) यति (D) गति

5. 'चौपाई' और 'इन्द्रवज्रा छंद हैं—
(A) सम (B) अर्द्धसम
(C) विषम (D) इनमें से कोई नहीं

6. निम्नलिखित में से छंद का जीवन किसे कहा जाता है?
(A) गण (B) तुक
(C) गति (D) यति

7. छंद मुख्यतया कितने प्रकार के होते हैं?
(A) पाँच (B) चार
(C) तीन (D) दो

8. लौकिक संस्कृत के छन्दों का जन्मदाता कौन है?
(A) केशव (B) मम्मट
(C) कालिदास (D) बाल्मीकि

9. किस छंद में छः चरण होते हैं?
(A) बरवै (B) चौपाई
(C) सोरठा (D) छप्पय

10. चौपैया (चतुष्पदी) में कितनी मात्राएं होती हैं?
(A) 30 (B) 28
(C) 26 (D) 24

11. 'हरिगीतिका छंद है—
(A) विषम मात्रिक (B) सम मात्रिक
(C) विषम वर्णिक (D) सम वर्णिक

12. 'रोला' के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएं हैं?
(A) 14 (B) 21
(C) 24 (D) 34

13. निम्नलिखित में से किस छंद में 23 वर्ण, सात भगण और दो गुरु तथा 12 और 11 वर्णों पर यति होती है—
(A) सुंदरी (B) मत्तगयंद
(C) मनहर (D) शिखरिणी

14. 'वसंततिलका' छंद में कितने वर्ण होते हैं?
(A) 10 (B) 12
(C) 14 (D) 16

15. 'आधार कोई जिनका नहीं है.'
(A) इन्द्रवज्रा (B) उपेन्द्रवज्रा
(C) रोला (D) उपजाति

---

[*] उल्लाल अर्द्धसम मात्रिक छंद है, इसी से मिलता-जुलता नाम **उल्लाला** (चन्द्रमणि) छंद है जो सम मात्रिक छंद है.

16. मैं जो नया ग्रंथ विलोकता हूँ,
भाता मुझे सो नव मित्र सा है।
(A) उपेन्द्रवज्रा (B) वंशस्थ
(C) इन्द्रवज्रा (D) तोटक

17. 'कहो कहाँ हैं अब वे धनेश।'
(A) मंदाक्रांता (B) शिखरिणी
(C) इन्द्रवज्रा (D) उपेन्द्रवज्रा

18. फूले हुए कुमुद देख सरोवरों में,
माधो की सु उक्ति यह थे सबको सुनाते।
(A) आपीड (B) अरसात
(C) वसंततिलका (D) मुक्तहारा

19. भस्मावशेष नर के तनु को बनाया।
(A) स्रग्धरा (B) शालिनी
(C) उपेन्द्रवज्रा (D) वसंततिलका

20. प्रियपति वह मेरा प्राण प्यारा कहाँ हैं?
दु:ख जलधि में डूबी, का सहारा कहाँ है?
(A) मालिनी (B) मल्लिका
(C) वंशस्थ (D) तारक

21. 'को नहिं जानत है जगमें कपि संकट मोचन नाम तिहारो।'
(A) शालिनी (B) मत्तगयंद
(C) त्रिभंगी (D) कुण्डली

22. शोभित मंचन की अवली गजदंतमयी छवि उज्ज्वलु छाई।
(A) किरीट
(B) छप्पय
(C) मत्तगयंद सवैया
(D) हरिगीतिका

23. मरते-मरते अरि के दल में
वह भीषण मार मचा निकली थी।
झरते झरते कल कुंज कली
जिन गंध वहाँ बिखरा मचली थी।
(A) कुंदकला (B) सुंदरी
(C) माधवी (D) तारक

24. धीरज अधीर के हरैया पर पीर के,
बताओ बलवीर के इहाँ धाम कौन हैं।
(A) मनहर (B) सुमुखी
(C) छप्पय (D) मत्तगयंद

25. **'सुनी सुनाई मत बात को कहो।'**
(A) भुजंगी (B) इन्दवज्रा
(C) वंशस्थ (D) मालिनी

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (C) 4. (D) 5. (A)
6. (C) 7. (D) 8. (D) 9. (D) 10. (A)
11. (B) 12. (C) 13. (B) 14. (C) 15. (A)
16. (C) 17. (D) 18. (C) 19. (D) 20. (A)
21. (B) 22. (C) 23. (B) 24. (A) 25. (C)

●●●

अलंकार

काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्त्वों को 'अलंकार' कहते हैं. अलंकार का अर्थ है—'आभूषण' या 'गहना'. जिस प्रकार आभूषण पहनने से व्यक्ति का शारीरिक सौन्दर्य और आकर्षण बढ़ जाता है, उसी प्रकार काव्य में अलंकारों के प्रयोग से उसके सौन्दर्य और आकर्षण में वृद्धि होती है.

अलंकार के मुख्य दो भेद हैं—(1) शब्दालंकार (2) अर्थालंकार.

जहाँ शब्दों के कारण कविता में सौन्दर्य या चमत्कार आ जाता है वहाँ **'शब्दालंकार'** और जहाँ अर्थ के कारण रमणीयता आ जाती है, वहाँ **'अर्थालंकार'** होता है.

विशेष—जहाँ शब्द और अर्थ दोनों में ही विशेषता आ जाने से सौन्दर्य या चमत्कार आ गया हो, तो वहाँ **'उभयालंकार'** होता है.

शब्दालंकार

शब्दालंकार के तीन भेद हैं—(i) अनुप्रास (ii) यमक (iii) श्लेष.

(i) अनुप्रास

जहाँ व्यंजनों की आवृत्ति बार-बार हो, चाहे उनके स्वर मिलें या न मिलें वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है. जैसे—

"कलहंस कलानिधि खंजन कंज,
कछू दिन केशव देखि जिये।"

(ii) यमक

जहाँ एक शब्द की आवृत्ति अनेक बार हो और उनके अर्थ भिन्न-भिन्न हों वहाँ 'यमक' अलंकार होता है. जैसे—

"कनक कनक ते सौ गुनी, मादकता अधिकाय।
वा खाए बौरात नर, या पाए बौराय॥"

इस उदाहरण में 'कनक' शब्द दो बार आया है, दोनों में स्वर और व्यंजन समान हैं, परन्तु दोनों के अर्थ अलग-अलग हैं. प्रथम 'कनक' का अर्थ **'सोना'** है और दूसरे 'कनक' का अर्थ **'धतूरा'**, अतः यह 'यमक' अलंकार है.

यमक अलंकार के मुख्य दो भेद हैं—अभंग पद यमक और सभंग पद यमक।

अभंग पद यमक—जहाँ दो शब्दों में पूर्ण समानता हो और उनके अर्थ अलग-अलग हों, वहाँ अभंग पद यमक होता है. जैसे—

'**मतवारे** सब है रहे **मतवारे** मनमाँहि।'

सभंग पद यमक—जहाँ दो शब्दों को भंग करके (तोड़कर) शब्दों में समानता बनती है, वहाँ 'सभंग' यमक अलंकार होता है. जैसे—

"बल अरि **का ले काले** कुंतल, बिकराल **ढाल ढाले** निकले।
बैरी-**बर छीने बरछीने**, बैरी **भाले भा ले** निकले।।"

(iii) श्लेष

जहाँ एक शब्द एक ही बार प्रयुक्त होकर अनेक अर्थ व्यक्त करता है वहाँ श्लेष अलंकार होता है. जैसे—

"जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत की सोय।
बारे उजियारे करे, **बढ़े** अंधेरो होय।।"

अर्थालंकार

अर्थालंकार को सामान्यतः निम्नलिखित वर्गों में विभाजित किया जा सकता है—

(1) **साम्यमूलक**—जहाँ दो वस्तुओं में समानता की भावना को लेकर किसी उक्ति से सौन्दर्य या चमत्कार उत्पन्न किया जाता है वहाँ साम्यमूलक अलंकार होते हैं. अधिकांश अलंकार इसी वर्ग के अन्तर्गत आते हैं; जैसे—**उपमा**, **रूपक**, उल्लेख **संदेह**, **भ्रांति**, **उत्प्रेक्षा**, अपह्नुति, परिणाम, **प्रतीप**, व्यतिरेक, **दृष्टांत**, निदर्शना, प्रतिवस्तु-वस्तुपमा, तुल्ययोगिता, दीपक, सहोक्ति, विनोक्ति, दीपकावृत्ति, **अनन्वय**, स्मरण, **अतिशयोक्ति**, अप्रस्तुत-प्रशंसा, ब्याज-स्तुति, ब्याज निंदा, आक्षेप, पर्यायोक्ति, समासोक्ति, परिकर, परिकरांकुर और श्लेष.

(2) **विरोधमूलक**—जहाँ दो वस्तुओं के कार्य और कारण में विच्छेद होने से आपस में विरोध प्रकट होता है वहाँ 'विरोधमूलक' अलंकार होते हैं. जैसे—**विरोधाभास, विभावना,** असंगति विषम, विचित्र, अन्योन्य, व्याघात और विशेषोक्ति.

(3) **शृंखलामूलक**—जहाँ दो या दो से अधिक वस्तुओं या पदार्थों का क्रम से वर्णन होता है और वे एक-दूसरे से शृंखला की भाँति आबद्ध रहते हैं, वहाँ 'शृंखलामूलक' अलंकार होते हैं; जैसे—मालादीपक, एकावली, कारणमाला, और सार-ए-अलंकार.

(4) **न्यायमूलक**—जहाँ लोक प्रमाण, दृष्टांत अथवा तर्कयुक्त वाक्यों से रोचकता

उत्पन्न होती है वहाँ न्यायमूलक अलंकार होते हैं.

न्यायमूलक अलंकार के तीन भेद हैं—

(अ) **तर्क न्यायमूलक**—इस अलंकार में कारण, प्रमाण आदि देकर तर्क द्वारा कुछ विशेषता उत्पन्न की जाती है. इसमें काव्यलिंग, विकस्वर, प्रौढ़ोक्ति, छेकोक्ति, प्रतिबंध, विधि, हेतु, निरुक्ति और अनुमान अलंकार आते हैं.

(ब) **लोकन्यायमूलक**—इस अलंकार में लोक-व्यवहार के प्रयोग से विशेषता प्रतिपादित की जाती है. इसके अन्तर्गत समाधि, प्रत्यनीक, सम, तद्‌गुण अनुगुण अतद्‌गुण पूर्वरूप उन्मोलित, मौलिक, सामान्य विशेष अलंकार आते हैं.

(स) **वाक्य न्यायमूलक**—इस प्रकार के अलंकारों में दो वाक्यों में विशेष प्रकार से स्थापित सम्बन्ध के कारण रमणीयता आती है. इसके अन्तर्गत यथासंख्य, पर्याय, परिसंख्या, समुच्चय, विकल्प, संभावना, काव्यार्थापत्ति, कारक दीपक ललित, चित्र और मिथ्याध्यवसिति अलंकार आते हैं.

(5) **'वस्तुमूलक' या गूढ़ार्थ प्रतीतिमूलक**—इस प्रकार के अलंकारों में व्यंग्यात्मक शैली में परोक्ष या गूढ़ बातें कही जाती हैं. इसके अन्तर्गत मुद्रा गूखेत्तर, व्याजोक्ति, सूक्ष्म, विहित, वक्रोक्ति, स्वभावोक्ति उदात्त, अत्युक्ति आदि अलंकार आते हैं.

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष प्रचलित या अति-महत्वपूर्ण अलंकारों का परिचय दिया जा रहा है. विस्तार-भयवश यहाँ सभी अलंकारों का परिचय नहीं दिया जा रहा है.

उपमा

उपमा शब्द उप + मा से मिलकर बना है. यहाँ उप का अर्थ है—समीपता और मा का अर्थ मापन या तुलना है. इस प्रकार जहाँ रूप, रंग, गुण आदि की समानता के आधार पर एक वस्तु की तुलना या समानता किसी दूसरी श्रेष्ठ अथवा प्रसिद्धि वस्तु से की जाती है वहाँ उपमा अलंकार होता है.

यथा–

मुख मयंक सम मंजु मनोहर ।

अर्थात् मुख चन्द्रमा के समान सुन्दर एवं मनोहर है. यहाँ मुख उपमेय (जिसकी उपमा दी जाए), चन्द्रमा उपमान (जिससे उपमा दी जाए), सम वाचक (समता बतलाने वाला शब्द) और मंजु मनोहर धर्म (गुण जो मुख एवं चन्द्रमा में एकसमान) है.

यह पूर्णोपमा का उदाहरण है. जहाँ इनमें से कोई एक या अधिक लुप्त होता है, वहाँ लुप्तोपमा मानी जाती है.

उपमा अलंकार के चार अंग हैं—उपमेय, उपमान, साधारण धर्म और वाचक.

उपमा के तीन भेद हैं—(i) पूर्णोपमा (ii) लुप्तोपमा (iii) मालोपमा.

रूपक

जहाँ उपमेय और उपमान दोनों को एक रूप में (भेद रहित) व्यक्त किया जाता है, वहाँ रूपक अलंकार होता है. इसके निम्नलिखित तीन भेद हैं—

(1) **सांग रूपक**—जहाँ उपमेय पर उपमान का सर्वांग आरोप हो वहाँ 'सांग रूपक' होता है; जैसे—

प्रेम अमिय मंदर बिरहु, भरत पयोधि गंभीर ।
मथि प्रगटेउ सुर साधुहित कृपा सिंधु रघुबीर ॥

(2) **निरंग रूपक**—जहाँ उपमेय पर उपमान का आरोप सर्वांग न हो वहाँ 'निरंगरूपक' होता है; जैसे—

अवसि चलिय वन राम पहुँ,
भरत मंत्र भल कीन्ह ।
सोक सिन्धु डूबत सबहिं,
तुम अवलंबन दीन्ह ॥

(3) **परंपरित रूपक**—जहाँ मुख्य रूपक किसी दूसरे रूपक पर अवलंबित हो या जहाँ एक आरोप दूसरे का कारण बनता हुआ दिखाया जाए वहाँ परंपरित रूपक होता है; जैसे—

"बंदौ पवन कुमार खल वन पावक ज्ञान घन ।
जासु हृदय आगार, बसहिं राम सर चाप धरि ॥"

संदेह

जहाँ किसी वस्तु की समानता किसी अन्य वस्तु से दिखाई पड़ने से यह निश्चित न हो सके कि यह वस्तु वही है या अन्य, वहाँ संदेह अलंकार होता है; जैसे—

"नारी बीच सारी है
कि सारी बीच नारी है ।
कि सारी की ही नारी है
कि नारी की ही सारी है ॥"

भ्रान्तिमान

जहाँ उपमेय में उपमान का भ्रमपूर्ण निश्चय व्यक्त किया जाए वहाँ 'भ्रान्तिमान' अलंकार होता है. संदेह में तो संदेह बना रहता है, निश्चय नहीं हो पाता, परन्तु 'भ्रांतिमान' में भ्रम के कारण अन्य वस्तु की कल्पना कर ली जाती है; जैसे—

"बिल विचारि प्रविसन लग्यौ
नाग शुंड में व्याल ।
ताहू कारी ऊख भ्रम
लियो उठाय उत्ताल ॥"

यहाँ सर्प को हाथी की सूँड़ में बिल होने का भ्रम हुआ और वह उसमें घुसने लगा तथा हाथी को भी सर्प में काले गन्ने की भ्रान्ति हुई और उसने तत्काल उसे उठा लिया।

उत्प्रेक्षा

जहाँ उपमेय में उपमान की चमत्कारपूर्ण सम्भावना व्यक्त की जाए वहाँ 'उत्प्रेक्षा' अलंकार होता है. इसके तीन भेद हैं—

(1) **वस्तूत्प्रेक्षा**—जहाँ किसी वस्तु में किसी वस्तु की सम्भावना व्यक्त की जाए वहाँ 'वस्तूत्प्रेक्षा' होती है; जैसे—

"लट लटकनि मनु मत्त
मधुपगन माधुरी मधुर पिए।"

(2) **हेतूत्प्रेक्षा**—जहाँ अहेतु में अर्थात् जो कारण न हो, उसमें हेतु की सम्भावना व्यक्ति की जाए वहाँ 'हेतूत्प्रेक्षा' होती है. जैसे—

"अरुन भए कोमल चरन,
भुवि चलबे ते मानु ।"

(3) **फलोत्प्रेक्षा**—जहाँ अफल में फल की सम्भावना व्यक्त की जाए वहाँ 'फलोत्प्रेक्षा' होती है; जैसे—

"तव पद समता को कमल,
जन सेवत इक पाँय ।"

प्रतीप

प्रतीप का अर्थ है—उल्टा; जहाँ प्रसिद्ध उपमान को उपमेय बना दिया जाए अथवा उसकी व्यर्थता प्रदर्शित कर दी जाए वहाँ प्रतीप अलंकार होता है; जैसे—

"उसी तपस्वी से लम्बे
थे देवदारु दो चार खड़े ।"

दृष्टांत

जहाँ उपमेय-वाक्य और उपमान वाक्य के साधारण धर्मों में बिम्ब-प्रतिबिम्ब भाव प्रस्तुत किया जाता है वहाँ दृष्टांत अलंकार होता है. इसमें एक तथ्य का उल्लेख करके अन्य प्रसिद्ध तथ्य से उसका समर्थन किया जाता है; जैसे—

"करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत जात ते, सिल पर होत निसान।।"

—**देव**

अनन्वय

जब किसी वर्ण्य वस्तु को बहुत ही उत्कृष्ट दिखाना होता है. तब उसे इस प्रकार व्यक्त किया जाता है कि उसके समान कोई अन्य है ही नहीं अर्थात् जहाँ उपमेय को ही उपमान भी बना दिया जाता है, वहाँ 'अनन्वय' अलंकार होता है;

जैसे—

देखा नहीं हमने कहीं तुम सा सुतीक्ष्ण प्रताप है।
हे देव इस संसार में, बस आपके सम आप हैं।।

अतिशयोक्ति

जहाँ किसी वस्तु की इतनी प्रशंसा की जाए कि लोक मर्यादा का अतिक्रमण हो जाय, वहाँ 'अतिशयोक्ति' अलंकार होता है; जैसे—

**"अब जीवन की है कपि न कोय।
कनगुरिया की मुँदरी कँगना होय॥"**

विरोधाभास

जहाँ कारण के विरुद्ध कार्य का वर्णन किया जाता है वहाँ 'विरोधाभास' अलंकार होता है; जैसे—

**"नर की अरु नल-नीर की, गति एकै करि जोइ।
जेतो नीचे ह्वै चलै, तेतौ ऊँचो होइ॥"**

विभावना

जहाँ कारण के बिना ही कार्य सम्पन्न हो जाता है वहाँ 'विभावना' अलंकार होता है; जैसे—

**"बिनु पद चलइ सुनइ बिनु काना।
कर बिनु कर्म करै विधि नाना॥
आनन रहित सकल रस भोगी।
बिनु बानी वक्ता बड़ जोगी॥"**

—तुलसीदास

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. **'भूषन बिनु न बिराजई कविता वनिता मित्त।'**
उपर्युक्त कथन किसका है?
(A) केशव (B) बिहारी
(C) रहीम (D) जायसी

2. भरतमुनि कृत 'नाट्यशास्त्र' में निम्नलिखित में से किस अलंकार का उल्लेख नहीं किया है?
(A) अनुप्रास (B) श्लेष
(C) उपमा (D) दीपक

3. 'नाट्यशास्त्र' में कुल कितने अलंकारों का उल्लेख मिलता है?
(A) सात (B) नौ
(C) चार (D) इक्कीस

4. निम्नलिखित में से किसने अलंकारों का प्रामाणिक विवेचन करके उन्हें वैज्ञानिकता प्रदान की?
(A) केशव तथा बिहारी
(B) भामाह तथा देव
(C) आलम तथा रसलीन
(D) उद्भट तथा मम्मट

5. शब्दालंकार के अन्तर्गत कौनसा अलंकार आता है?
(A) चित्र (B) सार
(C) विनोक्ति (D) आक्षेप

6. जहाँ एक शब्द अनेक बार आए और उसके अर्थ अलग-अलग हों वहाँ कौनसा अलंकार होता है?
(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) श्लेष (D) वक्रोक्ति

7. जहाँ एक ही शब्द के अनेक अर्थ व्यक्त किए हों, तो वह कौन-सा अलंकार होता है?
(A) रूपक (B) यमक
(C) श्लेष (D) उत्प्रेक्षा

8. जहाँ अनेक वर्णों की आवृत्ति केवल एक बार होती है वहाँ होता है—
(A) श्लेष (B) यमक
(C) छेकानुप्रास (D) वक्रोक्ति

9. जहाँ अनेक वर्णों की आवृत्ति अनेक बार होती है, वहाँ होता है—
(A) श्रुत्यानुप्रास (B) लाटानुप्रास
(C) छेकानुप्रास (D) वृत्यानुप्रास

10. जहाँ एक ही स्थान से उच्चरित होने वाले वर्णों की आवृत्ति होती है वहाँ कौन-सा अलंकार होता है?
(A) श्रुत्यानुप्रास (B) वृत्यानुप्रास
(C) लाटानुप्रास (D) छेकानुप्रास

11. निम्नलिखित में से कौनसा अलंकार **'तुक'** से सम्बन्धित है?
(A) श्लेष
(B) यमक
(C) अंत्यानुप्रास
(D) काकु वक्रोक्ति

12. 'काकु' का अर्थ है—
(A) कौआ (B) कटु
(C) चाचा (D) व्यंग्य

13. जहाँ 'उपमेय' में 'उपमान' की 'चमत्कारपूर्ण' संभावना व्यक्त की जाए वहाँ कौनसा अलंकार होता है?
(A) उपमा (B) रूपक
(C) उत्प्रेक्षा (D) विभावना

14. जहाँ 'उपमेय' और 'उपमान' को एक रूप में व्यक्त किया जाता है वहाँ होता है—
(A) उपमा (B) प्रतीत
(C) संदेह (D) रूपक

15. जहाँ कारण के बिना ही कार्य सम्पन्न होता है वहाँ कौनसा अलंकार होता है?
(A) विभावना (B) विषम
(C) भ्रांति (D) संदेह

निर्देश—प्रश्न संख्या 16 से 45 तक दिए गए पद्यांशों के नीचे अलंकारों के चार-चार नाम दिए गए हैं, इनमें से एक ही सही है. पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसमें प्रयुक्त सही अलंकार का चयन कीजिए.

16. **'राम रमापति कर धनु लेहू'**
(A) वक्रोक्ति (B) अनुप्रास
(C) यमक (D) श्लेष

17. "मंद-मंद चढ़ि चल्यो चैत्र निसि चंद्र चारु,
मंद-मंद चाँदनी पसारत लतन तें।"
(A) यमक (B) वीप्सा
(C) अनुप्रास (D) वक्रोक्ति

18. 'बाल-बेलि सूखी-सुखद इहि रूखे-रुख धाम'—
(A) अंत्यानुप्रास
(B) लाटानुप्रास
(C) छेकानुप्रास
(D) वृत्यानुप्रास

19. 'कालिका सी किलकि कलेऊ देत काल को।'
(A) श्रुत्यानुप्रास (B) अंत्यानुप्रास
(C) छेकानुप्रास (D) वृत्यानुप्रास

20. 'तुलसीदास सीदत निसिदिन देखत तुम्हार निठुराई।'
(A) श्रुत्यानुप्रास (B) अंत्यानुप्रास
(C) वृत्यानुप्रास (D) लाटानुप्रास

21. "जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीश तिहुँ लोक उजागर॥"
(A) श्रुत्यानुप्रास (B) अंत्यानुप्रास
(C) वृत्यानुप्रास (D) छेकानुप्रास

22. 'सेस महेश गनेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरंतर गावैं।'
(A) यमक (B) अंत्यानुप्रास
(C) छेकानुप्रास (D) वृत्यानुप्रास

23. **'लोक में फैला सूर्यालोक'**
(A) अनुप्रास
(B) पुनरुक्ति प्रकाश
(C) श्लेष
(D) यमक

24. "रावन सिर सरोज-वनचारी।
चल रघुबीर सिलीमुख धारी॥"
(A) श्लेष (B) अुनप्रास
(C) यमक (D) वीप्सा

25. **'ठौर-ठौर विहार करती सुन्दर नर नारियाँ'**
(A) यमक
(B) पुनरुक्ति प्रकाश
(C) श्लेष
(D) अनुप्रास

26. 'मैं सुकुमारी नाथ वन जोगू।'
(A) वीप्सा
(B) अनुप्रास
(C) काकु वक्रोक्ति
(D) श्लेष वक्रोक्ति

27. 'सुनि सुरसरि सम सीतल बानी।'
(A) उपमा (B) श्लेष
(C) रूपक (D) दृष्टांत

28. **'वैधव्य तुषारावृता यथा विधुलेखा''**
(A) रूपक (B) मालोपमा
(C) पूर्णोपमा (D) लुप्तोपमा

29. मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै।
जैसे उड़ि जहाज को पंछी फिरि जहाज पै आवै।
(A) उपमा (B) रूपक
(C) विभावना (D) यमक

30. मेखलाकार पर्वत अपार
अपने सहस्र दृग सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निजमहाकार।
(A) उपमा (B) संदेह
(C) रूपक (D) भ्रांतिमान

31. संतो भाई आई ज्ञान की आँधी।
भ्रम की टाटी सबै उड़ानी माया रहे न बाँधी।
(A) उपमा
(B) निरंग रूपक
(C) सांग रूपक
(D) परम्परित रूपक

32. सम्पत्ति चकई भरत चक, मुनि आयसु खेलवार।
तेहि निसि आश्रम पींजरा, राखे भा भनुसार।।
(A) उपमा (B) अतिश्योक्ति
(C) रूपक (D) दृष्टांत

33. "सुनकर जयद्रथ का कथन हरि को हँसी कुछ आ गई।
गंभीर स्यामल मेघ में विद्युच्छटा सी छा गई।।"
(A) निरंग रूपक
(B) सम रूपक
(C) न्यून रूपक
(D) परम्परित रूपक

34. **'बंदहु गुरु पद कंज'**
(A) सांग रूपक
(B) निरंग रूपक
(C) समरूपक
(D) परम्परित रूपक

35. **'चरण कमल बंदौ हरि राई'**
(A) परम्परित रूपक
(B) सांग रूपक
(C) निरंग रूपक
(D) न्यून रूपक

36. अवसि चलिय वन राम पहुँ भरत मंत्र भल कीन्ह।
सोक सिंधु बूड़त सबहि तुम अवलंबन दीन्ह।।
(A) अनुप्रास (B) यमक
(C) उपमा (D) रूपक

37. किधौं मुकुर में लखत उझकि सब निज निज शोभा।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा।।
(A) संदेह (B) भ्रांतिमान
(C) प्रतीप (D) श्लेष

38. अभी हलाहल मद भरे,
स्वेत, स्याम, रतनार।
जियत, मरत, झुकि-झुकि परत
जेहि चितवत इकबार।।
(A) श्लेष वक्रोक्ति
(B) काकु वक्रोक्ति
(C) श्लेष
(D) यथासांख्य

39. लखत कनखियन चखत नीर मृग बाघ परस्पर।
भाजत झपटत बनत पैन तजि नीर सुखद वर।।
(A) यथासंख्य (B) असंगति
(C) तद्गुण (D) मीलित

40. पावस ही में धनुष अब, सरित तीर ही तीर।
रोदन ही में लाल दृग, नौरस ही में वीर।।
(A) विभावना (B) परिसंख्या
(C) विषम (D) विरोधाभास

41. "कहाँ राम के कोमल कर हैं,
कहाँ कठोर शरासन शिव का।"
(A) विषम (B) भ्रांतिमान
(C) उपमा (D) संदेह

42. जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं लपटे रहत भुजंग।।
(A) तद्गुण (B) अर्थान्तरन्यास
(C) अनुप्रास (D) उपमा

43. सघन कुंज छाया सुखद, शीतल मंद समीर।
मन ह्वै जात अजौ व है वा जमुना के तीर।।
(A) स्मरण (B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक (D) श्लेष

44. मैं जो कहा रघुवीर कृपाला ।
बंधु न होइ मोर यह काला ।।
(A) रूपक (B) अपह्नुति
(C) उत्प्रेक्षा (D) उपमा

45. हैं गरजते घन नहीं, बजते नगाड़े।
विद्युल्लता चमकी न कृपाण जाल ये।।
(A) उत्प्रेक्षा (B) रूपक
(C) अपह्नुति (D) उपमा

उत्तरमाला

1. (A) 2. (B) 3. (C) 4. (D) 5. (B)
6. (B) 7. (C) 8. (C) 9. (D) 10. (A)
11. (C) 12. (D) 13. (C) 14. (D) 15. (A)
16. (B) 17. (C) 18. (C) 19. (D) 20. (A)
21. (B) 22. (D) 23. (D) 24. (A) 25. (B)
26. (C) 27. (A) 28. (D) 29. (A) 30. (C)
31. (C) 32. (C) 33. (A) 34. (B) 35. (C)
36. (D) 37. (A) 38. (D) 39. (A) 40. (B)
41. (A) 42. (B) 43. (A) 44. (B) 45. (C)

●●●

नवीन प्रस्तुति
राजस्थान परीक्षोपयोगी सीरीज-1
प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक
सामान्य अध्ययन
राजपूताना
इतिहास एवं स्वतंत्रता आन्दोलन
(राजपूताने के रोचक व स्मरणीय तथ्यों के साथ)
टॉपिक वाइज वस्तुनिष्ठ
प्रश्नोत्तर सहित
लेखक एवं संकलनकर्ता
कबीर शरण
Code No. 831
मूल्य ₹ 110/-

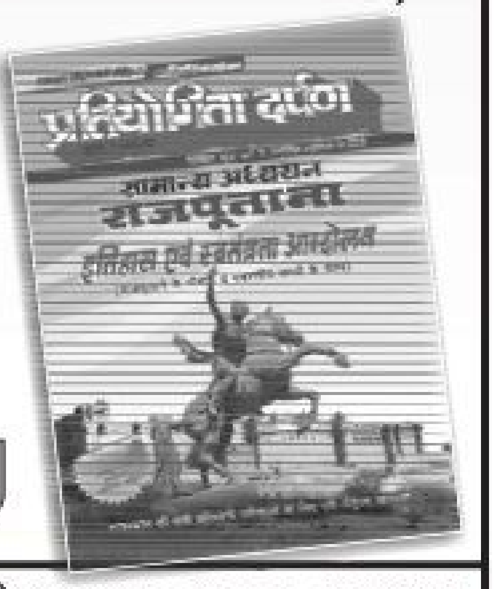

प्रतियोगिता दर्पण 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-282 002
फोन : 4053333, 2531101, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
● E-mail : care@pdgroup.in ● Website : www.pdgroup.in

हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी भाषा का विकास 1000 ई. के आस-पास हुआ. तब से लेकर अब तक लिखा गया समग्र हिन्दी साहित्य 'हिन्दी साहित्य के इतिहास' के अन्तर्गत आता है.

हिन्दी साहित्य के इतिहास के प्रमुख ग्रंथ

कृति का नाम	लेखक	रचनाकाल	विशेष टिप्पणी
1. इस्त्वार द ला लितरेत्यूर ऐंदुई ऐंदुस्तानी	गार्सा-द-तासी	1839 ई.	1. हिन्दी साहित्य का पहला इतिहास ग्रंथ 2. फ्रेंच भाषा में लिखित
2. शिवसिंह सरोज	शिवसिंह	1883 ई.	1. 1000 कवियों का विवरण
3. द मार्डर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान	जॉर्ज ग्रियर्सन	1888 ई.	1. 11 अध्यायों में विभक्त 2. प्रत्येक अध्याय एक काल को व्यंगित करता है. 3. कवियों का कालक्रमानुसार स्तर वर्गीकरण किया गया.
4. मिश्रबंधु विनोद	मिश्र बंधु (श्याम बिहारी, शुकदेव बिहारी, गणेश बिहारी मिश्र)	1913 ई.	1. 5000 कवियों का स्थान. 2. काल विभाजन का सार
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल	1929 ई.	1. काल विभाजन 2. कालों के नामकरण का सुस्पष्ट आधार.
6. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	डॉ. रामकुमार वर्मा	1938 ई.	1. केवल आदिकाल, भक्तिकाल का विवरण प्रथम भाग में है. 2. द्वितीय भाग प्रकाशित नहीं हो सका.
7. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त	1965 ई.	1. काल विभाजन का नवीन प्रयास 2. शुक्लजी की अनेक मान्यताओं से असहमत
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा		
9. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास	सूर्यकांत शास्त्री		
10. हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास	सम्पादित ग्रंथ		1. इसके एक खण्ड रीतिकाल का सम्पादन डॉ. नगेन्द्र ने किया है. 2. 18 खण्डों में प्रकाशित
11. हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारी प्रसाद द्विवेदी		
12. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	हजारी प्रसाद द्विवेदी		
13. रीतिकाल की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र		
14. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ. बच्चन सिंह		
15. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी		
16. हिन्दी साहित्य -युग और प्रवृत्तियाँ	डॉ. शिवकुमार शर्मा		
17. हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास	बाबू गुलाबराय		

काल विभाजन

हिन्दी साहित्य के इतिहास का सुविधापूर्वक अध्ययन करने के लिए उसे चार कालखण्डों में विभक्त किया गया है. सर्वाधिक प्रसिद्ध काल विभाजन आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का है–

1. वीरगाथाकाल (संवत् 1050–1375 वि.)
2. भक्तिकाल (संवत् 1375–1700 वि.)
3. रीतिकाल (संवत् 1700–1900 वि.)
4. गद्यकाल (संवत् 1900 से 1984 वि. तक)

शुक्लाजी के इस काल विभाजन और कालों के नामकरण के दो आधार हैं–

(1) प्रधान प्रवृत्ति,

(2) ग्रंथों की प्रसिद्धि

किसी काल में जिस प्रवृत्ति की प्रधानता है, उसी के आधार पर काल का नामकरण किया गया है. प्रवृत्ति की प्रधानता का निर्धारण प्रसिद्ध ग्रंथों के आधार पर किया गया है.

जनता की चित्तवृत्ति तत्कालीन परिस्थितियों के आधार पर बदलती है.

शुक्लजी के इस काल विभाजन में सर्वाधिक आपत्ति वीरगाथाकाल नाम पर है, क्योंकि जिन रचनाओं के आधार पर इस काल की प्रधान प्रवृत्ति का निर्धारण किया गया है, वे अप्रामाणिक, परवर्तीकाल की हैं. अतः इस काल विभाजन में संशोधन की आवश्यकता है. इसी प्रकार गद्यकाल रहने से ऐसा लगता है कि इसमें पद्य रचना हुई ही नहीं, जबकि तथ्य इसके विपरीत हैं.

संशोधित काल विभाजन इस प्रकार प्रस्तुत कर सकते हैं–

1. आदिकाल (1000 ई.–1350 ई.)
2. भक्तिकाल (1350 ई.–1650 ई.)
3. रीतिकाल (1650 ई.–1850 ई.)
4. आधुनिककाल (1850 से अब तक)

आदिकाल के विभिन्न नामकरण

1. आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. वीरगाथाकाल – रामचंद्र शुक्ल
3. चारणकाल – डॉ. रामकुमार वर्मा
4. सिद्ध-सामंत युग – राहुल सांकृत्यायन
5. बीजवपनकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. आरम्भिककाल – मिश्र बंधु
7. प्रारम्भिककाल – डॉ. गणपति चंद्र गुप्त

भक्तिकाल नाम पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है. इस काल में भक्ति भावना की प्रधानता रही है. इसे पूर्वमध्यकाल भी कहा जाता है.

रीतिकाल के अन्य नाम

1. रीतिकाल – रामचंद्र शुक्ल
2. शृंगारकाल – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. अलंकृतकाल – मिश्र बंधु
4. उत्तर मध्यकाल – गणपतिचंद्र गुप्त

भक्तिकाल और रीतिकाल को मिलाकर मध्यकाल भी कहा जाता है. मध्यकाल को दो भागों में विभक्त किया गया है–पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) और उत्तर (मध्यकाल) (रीतिकाल)

आधुनिककाल में गद्य की प्रधानता को लक्ष्य कर शुक्ल जी ने इसे गद्यकाल नाम दिया है. यद्यपि इस काल में पद्य रचना भी प्रचुरता से की गई तथापि गद्य इसी काल में मिलती है. साहित्य के इतिहास लेखकों ने आधुनिककाल को दो भागों में विभक्त किया है– पद्य भाग और गद्य भाग. आधुनिककाल के विभिन्न नाम इस प्रकार हैं–

1. गद्यकाल – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. वर्तमानकाल – मिश्र बंधु
3. आधुनिककाल – गणपतिचंद्र गुप्त, रामकुमार वर्मा

आदिकाल (1000–1350 ई.)

आदिकाल में वीरता प्रधान रचनाएं लिखी गईं युद्धों का वर्णन, कल्पना की प्रचुरता, ऐतिहासिकता का अभाव, डिंगल-पिंगल भाषा का प्रयोग इस काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ हैं.

आदिकाल के प्रमुख ग्रंथ

पृथ्वीराज रासो – चंदबरदाई
वीसलदेव रासो – नरपतिनाल्ह
परमाल रासो – जगनिक
खुमान रासो – दलपति विजय
विद्यापति पदावली – विद्यापति
खुसरो की पहेलियाँ – अमीर खुसरो
कीर्तिलता – विद्यापति
कीर्तिपताका – विद्यापति
विजयपाल रासो – नल्लसिंह
हम्मीर रासो – शार्ङ्गधर
संदेश रासक – अब्दुर्रहमान
पउमचरिउ – स्वयंभू
भविसययत्तकहा – धनपाल
महापुराण – पुष्पदंत

राहुल सांकृत्यायन ने 7वीं शती के कवि सरहपाद (सिद्ध सरहपा) को हिन्दी का पहला कवि माना है, जबकि उन्होंने ही अपने इतिहास हिन्दी काव्य धारा में देवसेन कृत श्रावकाचार को हिन्दी की पहली रचना माना है, क्योंकि सरहपाद की कोई स्वतंत्र रचना उपलब्ध नहीं होती.

भक्तिकाल (1350–1650 ई.)

भक्तिकाल की दो काव्यधाराएं हैं–निर्गुण काव्यधारा, सगुण काव्यधारा, जो कवि ईश्वर के निर्गुण निराकार रूप को मान्यता देते हैं. वे निर्गुणधारा के कवि हैं और जिन कवियों ने ईश्वर के सगुण साकार रूप (राम, कृष्ण) को अपना आराध्य बनाया, वे सगुणधारा के कवि हैं.

निर्गुणधारा को पुनः दो शाखाओं में विभक्त किया गया–संतकाव्य, सूफीकाव्य. कबीर संतकाव्य के और जायसी सूफीकाव्य के प्रतिनिधि कवि हैं.

सगुण काव्यधारा को भी दो शाखाओं में विभक्त किया गया– कृष्ण काव्यधारा, राम काव्यधारा. सूरदास कृष्ण काव्यधारा के और तुलसी राम काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं.

प्रमुख संत कवि और उनकी रचनाएं

1. **रैदास** (1398–1448 ई.)–रविदास की बानी, गुरु ग्रंथ साहब में 40 पद
2. **कबीरदास** (1398–1518 ई.)–साखी, सबद, रमैनी, बीजक (सम्पादक-धर्म दास
3. **नानक** (1469–1538 ई.)–जपुजी, असादीवाद, रहिरास, सोहिला, गुरु ग्रंथ साहब में पद
4. **दादूदयाल** (1544–1603 ई.)–हरडेवाकी, अंगवधू.
5. **मलूकदास** (1574–1682 ई.)–रतनखान, ज्ञानबोध, भक्तिविवेक, ध्रुवचरित, राम अवतार लीला
6. **सुन्दरदास** (1596–1689 ई.)–ज्ञान समुद्र, सुन्दर विलास
7. **संत रज्जब** (1567–1689 ई.)–सबंगी-रज्जबबानी
8. **गुरु अर्जुनदेव** (1563–1606 ई.)–सुखमनी, बावन अक्षरी

प्रमुख सूफी कवि और उनकी रचनाएं

1.	**मुल्ला दाउद**	चंदायन
2.	**कुतुबन**	मृगावती
3.	**जायसी**	पद्मावत, अखरावट, आखिरी कलाम
4.	**मंझन**	मधुमालती
5.	**उसमान**	चित्रावली
6.	**शेखनबी**	ज्ञानदीप
7.	**नूर मोहम्मद**	अनुराग बाँसुरी, इन्द्रावती
8.	**जान कवि**	कथरूपमंजरी
9.	**आलम**	माधवानल कामकदला

अन्य उल्लेखनीय तथ्य

1. सूफी कवि, संत कवि–दोनों ही रहस्यवादी कवि हैं. निर्गुण परमात्मा से जब भावात्मक सम्बन्ध जोड़ा जाता है, तब रहस्यवादी प्रवृत्ति का समावेश हो जाता है.
2. सूफी कवियों ने जीवात्मा को पुरुष (यथा–रत्नसेन) और परमात्मा को स्त्री (यथा–पद्मावती) माना है.
3. सूफी काव्य को प्रेमाख्यानक काव्य, प्रेमगाथा काव्य परम्परा या प्रेममार्गी काव्य भी कहा जाता है.
4. सूफी कवियों ने हिन्दू घरों में प्रचलित प्रेम गाथाओं को अपने काव्य में प्रस्तुत किया.
5. जायसी का पद्मावत अवधी भाषा में लिखा महाकाव्य है. इसमें नागमती का वियोग वर्णन बारहमासे के माध्यम से किया है. बारहमासे का प्रारम्भ आषाढ़ मास से हुआ है.

कृष्णभक्ति काव्यधारा

सगुणधारा की एक शाखा कृष्णभक्ति शाखा है जिसका प्रतिनिधित्व सूरदास करते हैं. कृष्णभक्ति के विविध सम्प्रदाय और उनके प्रवर्तक आचार्य इस प्रकार हैं–

सम्प्रदाय का नाम	**प्रवर्तक आचार्य**
वल्लभ सम्प्रदाय	वल्लभाचार्य
निम्बार्क सम्प्रदाय	निम्बार्काचार्य
राधावल्लभ सम्प्रदाय	हितहरिवंश
हरिदासी (सखी) सम्प्रदाय	स्वामी हरिदास
गौड़ीय (चैतन्य) सम्प्रदाय	चैतन्य महाप्रभु

वल्लभाचार्य का दार्शनिक मत शुद्ध द्वैतवाद है. इनकी भक्ति पुष्टिमार्गीय है. पुष्टि का अर्थ है– पोषण अर्थात् (ईश्वर की कृपा) कहा गया है– **'पोषणं तदनुग्रहं'** पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक विष्णुस्वामी माने जाते हैं.

अष्टछाप

वल्लभाचार्य के चार शिष्यों–कुंभनदास, सूरदास, परमानंददास, कृष्णदास और विट्ठलनाथ के चार शिष्यों–नंददास, गोविंद स्वामी, छीत स्वामी, चतुर्भुजदास इन आठ लोगों पर विट्ठलनाथ ने अपने आशीर्वाद की छाप लगाकर **'अष्टछाप'** की स्थापना 1565 ई. में की.

कृष्णभक्ति परम्परा के कवि और उनकी रचनाएं

1. **सूरदास** (1478–1583 ई.)–सूरसागर, साहित्य लहरी, सूरसारावली
2. **परमानंददास** (1493 ई.)–परमानन्द सागर
3. **कृष्णदास** (1496–1578 ई.)–जुगल-मान चरित, भ्रमरगीत, प्रेमतत्व निरूपम
4. **नन्ददास** (1533–83 ई.)– रूपमंजरी, रसमंजरी, अनेकर्थ मंजरी, मान मंजरी, विरह मंजरी, रास पंचाध्यायी, नन्ददास पदावली, भंवर गीत.
5. **श्रीभट्ट**–युगल शतक
6. **हितहरिवंश**–हित चौरासी
7. **ध्रुवदास**–ब्रजलीला, हित शृंगार लीला, दान लीला, मान लीला, रहस्य मंजरी लीला, सुखमंजरी लीला.
8. **स्वामी हरिदास** (1478–1573 ई.)–केलिमाल, सिद्धान्त के पद
9. **मीराबाई** (1504–63 ई.)–नरसी जी का मायरा, गीत गोविन्द टीका, राम सोरठ के पद, स्फुट पद.
10. **रसखान** (1533–1628 ई.)–सुजान रसखान, प्रेम वाटिका, दान लीला, अष्टयाम.

भ्रमरगीत परम्परा

जिस काव्य में उद्धव-गोपी संवाद हो और प्रतीक रूप में उद्धव को भ्रमर कहकर सम्बोधित किया गया हो उसे भ्रमरगीत कहा जाता है. भ्रमरगीत परम्परा के कुछ उल्लेखनीय ग्रंथ हैं–

सूरदास का भ्रमरगीत, नंददास का भंवरगीत, जगन्नाथ दास रत्नाकर का उद्धव शतक, अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का प्रियप्रवास, सत्यनारायण कविरत्न का भ्रमरदूत. सूरदास ने श्रीमद्‌भागवत पुराण के दशम स्कंध के आधार पर भ्रमरगीत की योजना की है. उनका उद्देश्य निर्गुण निराकार व योग साधना का खण्डन तथा सगुण साकार एवं भक्ति भावना का मण्डन करना है. सत्यनारायण कविरत्न के भ्रमरदूत में कृष्ण द्वारिका गए हैं. यह वात्सल्य वियोग का काव्य है तथा इसमें यशोदा भारतमाता का प्रतीक है. नारी शिक्षा, प्रतिभा पलायन, स्वदेश प्रेम, राष्ट्रीयता एवं अपनी संस्कृति से जुड़ाव जैसी अनेक समस्याएं इसमें वर्णित हैं जो इस काव्य ग्रंथ को प्रासंगिक बना देती हैं.

कृष्ण भक्त कवियों ने अपनी काव्य रचना **ब्रजभाषा** में की है.

रामभक्ति शाखा

रामभक्ति शाखा के प्रतिनिधि कवि तुलसीदास हैं. इस काव्यधारा के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं इस प्रकार हैं–

1. **रामानन्द** (1400–70 ई.)–रामरक्षा-स्त्रोत.
2. **अग्रदास**–ध्यान मंजरी, रामभजन मंजरी, अष्टयाम, हितोपदेश भाषा.
3. **ईश्वरदास** (1480–1550ई.)–भरत मिलाप, अंगद पैज, सत्यवती कथा
4. **तुलसीदास** (1532–1623 ई.)–रामचरितमानस, कवितावली, गीतावली, विनय पत्रिका, दोहावली, जानकी मंगल, पार्वती मंगल, कृष्ण गीतावली, बरवैरामायण, वैराग्य संदीपनी, रामाज्ञा प्रश्नावली, रामलला नहछू.
5. **नाभादास** (1570–1650ई.)–अष्टयाम, भक्तमाल
6. **केशवदास** (1555–1617 ई.)–रामचंद्रिका, कविप्रिया, रसिकप्रिया, विज्ञान गीता, जहाँगीर जनचंद्रिका, वीरसिंह देव चरित.
7. **हृदयराम**–हनुमन्नाटक
8. **नरपति बापट**–पौरुषेय रामायण
9. **कपूरचंद त्रिखा**–रामायण
10. **माधवदास चारण**–रामरासो, अध्यात्म रामायण

तुलसीदास ने रामचरितमानस नामक महाकाव्य अवधी भाषा में लिखा, जबकि विनयपत्रिका, कवितावली, दोहावली ब्रजभाषा में रचित हैं. रामचरितमानस रामकथा पर आधृत महाकाव्य है जिसमें सात काण्ड हैं–बालकाण्ड, अयोध्यायकाण्ड, अरण्यकाण्ड, किष्किन्धाकाण्ड, सुन्दरकाण्ड, लंकाकाण्ड और उत्तरकाण्ड.

विनय पत्रिका मुक्तक शैली में लिखी गई है. इसमें ब्रजभाषा का प्रयोग है. विनय पत्रिका में 279 पद हैं. तुलसी की भक्ति दास्य भाव की है. वे राम को स्वामी और स्वयं को सेवक मानते हैं.

रीतिकाल (1650–1850 ई.)

रीतिकाल में 'रीति' की प्रमुखता है अर्थात् इस काल के कवियों ने काव्यांग निरूपक लक्षण ग्रंथ (रीति ग्रंथ) लिखे जिनमें रस, छंद, अलंकार, नायिका भेद आदि काव्यांगों का लक्षण (परिभाषा) स्वरचित उदाहरण देकर प्रस्तुत किए जाते थे, रीतिकाल में सैकड़ों लक्षण ग्रंथ लिखे गए. संस्कृत में कवि और आचार्य अलग-अलग थे, परन्तु हिन्दी के रीतिकालीन कवियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने हेतु आचार्य कर्म का निर्वाह करते हुए लक्षण ग्रंथ लिखने का काम भी किया इनमें से अधिकांश लक्षण ग्रंथ अधकचरी एवं अधूरी जानकारी प्रस्तुत करते हैं. इसलिए उन्हें आचार्य कर्म में उतनी सफलता नहीं मिल सकी इसी कारण आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने इन रीतिकालीन कवियों के बारे में यह टिप्पणी की है–"हिन्दी में लक्षण ग्रंथों की परिपाटी पर रचना करने वाले जो सैकड़ों कवि हुए हैं, वे कवि ही थे, आचार्य नहीं."

रीतिकाल का वर्गीकरण

1. **रीतिबद्ध कवि**–जिन्होंने रीतिग्रंथ (लक्षण ग्रंथ) लिखे, जैसे–मतिराम, देव.
2. **रीतिसिद्ध कवि**–जिन्हें रीति की जानकारी थी जिसका उपयोग उन्होंने अपनी काव्य रचना में किया, किन्तु कोई लक्षण ग्रंथ नहीं लिखा; जैसे–बिहारी.
3. **रीतिमुक्त कवि**–जिन्होंने न तो लक्षण ग्रंथ लिखे, न रीति की जानकारी का उपयोग किया, अपितु हृदय की स्वतंत्र वृत्तियों पर आधृत काव्य रचना की; जैसे–घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर.

रीतिकाल के प्रमुख कवि उनकी कृतियाँ

1. **चिंतामणि**–कविकुल कल्पतरु, शृंगार लहरी, काव्य विवेक, रस विलास.
2. **भूषण**–शिवराज भूषण, शिवाबावनी, छत्रसाल दशक, छन्दोहृदय प्रकाश.
3. **मतिराम**–ललित ललाम, मतिराम सतसई, वृत्तकौमुदी, अलंकार पंचशिका.
4. **बिहारी**–सतसई.
5. **जसवंत सिंह**–भाषा भूषण, अनुभव प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, आनन्द विलास.
6. **कुलपति मिश्र**–रस रहस्य, नखशिख, दुर्गाभक्तितरंगिनी, संग्राम सार.
7. **आलम**–आलमकेलि.
8. **देव**–भाव विलास, भवानी विलास, कुशल विलास, रस विलास, जाति विलास, प्रेम तरंग, काव्य रसायन, देव शतक, राधिका विलास.
9. **घनानन्द**–वियोगवेलि, पदावली, सुजान हित प्रबंध, कृपाकन्द निबंध, प्रीति पावस, यमुना यश.
10. **रसलीन**–अंगदर्पण, रस प्रबोध, स्फुटछंद.
11. **सोमनाथ**–रसपीयूषनिधि, शृंगार विलास, प्रेम पचीसी.
12. **भिखारीदास**–काव्य निर्णय, शृंगार निर्णय, रस सारांश, छन्द प्रकाश, छन्दार्णव.
13. **दूलह**–कवि कुल कंठाभरण.
14. **पद्माकर**–जगद्विनोद, पद्माभरण, गंगालहरी, प्रबोध पचासा, प्रतापसिंह विरुदावली.

15. **सेनापति**–कवित्त रत्नाकर
16. **केशव**–कविप्रिया, रसिकप्रिया, छंदमाला, रामचन्द्रिका, विज्ञानगीता, जहाँगीर जस चंद्रिका
17. **ग्वाल कवि**–रसिकानन्द, यमुनालहरी, रसरंग, राधाष्टक, कविहृदय विनोद, कृष्णाष्टक, अलंकार भ्रममंजन, रसरूप, दृगशतक.

अन्य उल्लेखनीय तथ्य

1. रीतिकालीन काव्य दरबारी काव्य है. अधिकांश कवि किसी-न-किसी राजा के आश्रय में रहते थे.
2. बिहारी ने केवल एक ग्रंथ 'सतसई' लिखा जिसमें 719 दोहे हैं. जगन्नाथ दास रत्नाकर ने इसका सम्पादन 'बिहारी रत्नाकर' नाम से किया है.
3. बिहारी ने दोहे जैसे छोटे छंद में अनेक भाव भर दिए हैं इसलिए उनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने **गागर में सागर** भर दिया है.
4. बिहारी ने यह कार्य भाषा की समास शक्ति और कल्पना की समाहार शक्ति के बल पर किया है.
5. बिहारी दूरारूढ़ कल्पना के कवि हैं.
6. बिहारी की कविता में चमत्कार प्रदर्शन, आलंकारिकता एवं बहुज्ञता (विविध जानकारी) का भी समावेश है वे रीतिकाल के सर्वाधिक लोकप्रिय कवि हैं.
7. सेनापति अपने प्रकृति चित्रण के लिए विख्यात हैं.
8. केशव का काव्य भक्तिकाल और रीतिकाल दोनों की प्रवृत्तियों से युक्त है. कुछ विद्वान् उन्हें रीतिकाल का प्रवर्तक मानते हैं.
9. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने केशव को रीतिकाल का प्रथम कवि तो माना है, पर रीतिकाल के प्रवर्तन का श्रेय वे चिंतामणि त्रिपाठी को देते हैं, क्योंकि रीति परम्परा की निरन्तरता चिंतामणि से प्रारम्भ हुई. केशव से नहीं.
10. केशव को कठिन काव्य का प्रेत कहा जाता है, क्योंकि उनकी कविता में क्लिष्टता है.
11. केशव को सर्वाधिक सफलता रामचन्द्रिका महाकाव्य में संवाद योजना के क्षेत्र में मिली है.
12. घनानंद रीतिमुक्तधारा के कवि हैं. वे सुजान से प्रेम करते थे. घनानंद को सुजान से बेवफाई मिली. वे अपने वियोग वर्णन के लिए प्रसिद्ध हैं. उनकी भाषा में लक्षणा-व्यंजना का सौन्दर्य है.
13. रीतिकालीन कवियों ने अपने काव्य में ब्रज भाषा का प्रयोग किया.
14. रीतिकाल में अधिकतर मुक्तक काव्य ही लिखे गए.

आधुनिककाल (1850 ई. के उपरान्त)

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने आधुनिककाल में गद्य रचना की प्रवृत्ति की प्रधानता देखकर इसका नाम गद्यकाल किया, किन्तु यह नाम लोगों को अधिक स्वीकार नहीं हुआ, क्योंकि इससे ऐसा व्यंजित होता है मानों इस काल में केवल गद्य लिखा गया, जबकि वास्तविकता यह है कि पद्य रचना की दृष्टि से भी यह काल पर्याप्त समृद्ध है.

आधुनिककाल के साहित्य को दो भागों में बाँटा जा सकता है–

(1) पद्य भाग

(2) गद्य भाग

आधुनिककाल के जनक के रूप में भारतेंदु बाबू हरिश्चन्द्र (1850–1885 ई.) का नाम लिया जा सकता है. वे हिन्दी गद्य के भी जनक कहे जाते हैं, क्योंकि उन्होंने हिन्दी भाषा का व्यावहारिक स्वरूप निश्चित किया.

भारतेंदु से पूर्व जिन गद्यकारों का नाम लिया जाता है वे हैं फोर्ट विलियम कॉलेज के भाषा मुंशी–**लल्लूलाल** और **सदल मिश्र** थे. इनके अतिरिक्त मुंशी सदासुखलाल नियाज और इंशाअल्ला खाँ का नाम भी उल्लेखनीय है.

भारतेंदु से पूर्व जो गद्यकृतियाँ मिलती हैं, उनमें उल्लेखनीय हैं–

1. भाषा योगवाशिष्ठ–रामप्रसाद निरंजनी
2. चंद छंद बरनन की महिमा–गंग कवि
3. चौरासी वैष्णवन की वार्ता–गोकुलनाथ
4. दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता–गोकुलनाथ
5. प्रेमसागर–लल्लूलाल
6. नासिकेतोपाख्यान–सदल मिश्र
7. सुखसागर–सदासुखलाल नियाज
8. रानी केतकी की कहानी–मुंशी इंशा अल्ला खाँ
9. राजा भोज का सपना, वैताल पचीसी–शिव प्रसाद, सितारे हिन्द
10. इतिहास तिमिरनाशक–शिव प्रसाद सितारे हिन्द
11. मानव धर्मसार–शिवप्रसाद सितारे हिन्द
12. अभिज्ञान शाकुंतल का अनुवाद–राजा लक्ष्मण सिंह

भारतेंदु जी हिन्दी गद्य के जनक इसलिए कहे जाते हैं, क्योंकि उनसे पूर्व हिन्दी का कोई स्वरूप स्थिर नहीं था. राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द की भाषा में अरबी-फारसी के शब्दों की बहुलता होती थी, जबकि राजा लक्ष्मण सिंह संस्कृतनिष्ठ हिन्दी में लिखते थे. भारतेंदु जी ने बीच का रास्ता पकड़कर उस हिन्दी को अपनी रचनाओं में स्थान दिया जो बोलचाल की व्यावहारिक हिन्दी थी. इसके साथ-साथ उन्होंने गद्य की अनेक विधाओं का सूत्रपात भी किया.

भारतेंदु युग के लेखक पत्रकार भी थे. इस काल में प्रमाणित होने वाले प्रमुख समाचार-पत्र और उनके सम्पादक इस प्रकार हैं–

प्रजा हितैषी	– राजा लक्ष्मण सिंह
बनारस अखबार	– शिवप्रसाद सितारे हिन्द
कविवचन सुधा	– भारतेंदु हरिश्चन्द्र
हरिश्चन्द चंद्रिका	– भारतेंदु हरिश्चन्द्र
बालाबोधिनी	– भारतेंदु हरिश्चन्द्र
आनंद कादम्बिनी	– बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन
ब्राह्मण	– प्रताप नारायण मिश्र
हिन्दी प्रदीप	– बालकृष्ण भट्ट
भारतमित्र	– बाबू बालमुकुंद गुप्त
भारतेंदु	– राधाचरण गोस्वामी

भारतेंदु के नाटक

भारतेंदु ने मौलिक और अनूदित दोनों प्रकार की नाट्य रचनाएं कीं. उनके मौलिक नाटकों के नाम इस प्रकार हैं–वैदिकी हिंसा, हिंसा न भवति, सत्य हरिश्चन्द्र, श्री चंद्रावली, विषस्य विषमौषधय, भारत दुर्दशा, नील देवी, अन्धेर नगरी, सती प्रताप, प्रेम जोगिनी, भारतजननी.

प्रसाद के नाटक

जयशंकर प्रसाद के नाटकों के नाम हैं– राज्यश्री, विशाख, अजातशत्रु, कामना, जनमेजय का नागयज्ञ, स्कन्दगुप्त, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी.

मोहन राकेश का नाम भी हिन्दी नाटककारों में अग्रगण्य है. उनके नाटक हैं–आषाढ़ का एक दिन, लहरों के राजहंस, आधे अधूरे.

हिन्दी उपन्यासों में प्रमुख हैं

परीक्षा गुरु	– लाल श्रीनिवास दास
चंद्रकांता, चंद्रकांता संतति	– देवकीनंदन खत्री
वरदान, सेवासदन, प्रेमाश्रय, रंगभूमि कर्मभूमि, निर्मला, गबन, कायाकल्प, गोदान,	– प्रेमचंद
तितली, इरावती, कंकाल	– जयशंकर प्रसाद

मैला आंचल — फणीश्वरनाथ रेणु
राग दरबारी — श्रीलाल शुक्ल
हुजूर दरबार — गोविन्द मिश्र
कुरुकुरु स्वाहा — मनोहर श्याम जोशी
मुझे चांद चाहिए — सुरेन्द्र वर्मा
कितने पाकिस्तान — कपलेश्वर

कहानी निबन्ध, आलोचना, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी, एकांकी आदि विभिन्न गद्य विधाओं का विकास आधुनिककाल में हुआ.

आधुनिककालीन हिन्दी में पद्य रचना

आधुनिककाल के पद्य को निम्नलिखित भागों में विभक्त किया जा सकता है—

1. भारतेंदु युग (1850–1900 ई.)
2. द्विवेदी युग (1900–1920 ई.)
3. छायावाद (1920–1936 ई.)
4. प्रगतिवाद (1936–1943 ई.)
5. प्रयोगवाद (1943–1953 ई.)
6. नई कविता (1953–1960 ई.)
7. साठोत्तरी कविता (1960–1985 ई.)
8. नवगीत (1985 ई. से अब तक)

भारतेंदु युग के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएं

भारतेंदु—प्रेमसरोवर, प्रेम मालिका, वर्षा विनोद, विनय प्रेमपचासा, प्रेम फुलवारी.

बदरीनारायण चौधरी प्रेमघन—जीर्णजनपद, आनन्द अरुणोदय, वर्षाबिन्दु, लालित्य लहरी, वेणु गीत, मयंक महिमा.

प्रतापनारायण मिश्र—प्रेम पुष्पावली, मन की लहर, लोकोक्ति शतक, तृप्यन्ताम, शृंगार विलास.

अम्बिकादत्त व्यास—पावस पचासा, सुकविसतसई, होहोहोरी, बिहारी विहार.

राधाकृष्ण दास—भारत बारहमासा, देशदशा, रहीम के दोहों पर कुण्डलियाँ.

द्विवेदी युग (1900–1920 ई.)

द्विवेदी युग का नामकरण आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के नाम पर किया गया है. उन्होंने सरस्वती पत्रिका का सम्पादन 1903 से 1920 ई तक किया और इस कालावधि में हिन्दी साहित्य को बहुत प्रभावित किया. भारतेंदु युग तक हिन्दी काव्य की भाषा ब्रजभाषा थी तथा हिन्दी गद्य खड़ी बोली में लिखा जाता था. द्विवेदी जी ने सरस्वती पत्रिका के माध्यम से हिन्दी काव्य की भाषा खड़ीबोली को बनाया. वे ब्रजभाषा की रचनाओं को अपनी पत्रिका में छापते ही नहीं थे. यही नहीं उन्होंने गद्य की भाषा को परिमार्जित करने में अपना योगदान दिया. गद्य में विराम चिह्नों का प्रयोग, भाषा की शुद्धता, वाक्य गठन में शुद्धता, व्याकरणिक नियमों का पालन करने-करवाने में उन्होंने अथक परिश्रम किया.

द्विवेदी युग के प्रमुख कवि एवं उनकी कृतियाँ

1. **अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'** (1865–1947 ई.)—प्रियप्रवास (1914 ई.) वैदेही वनवास (1940 ई.), चोखे चौपदे, चुभते चौपदे, पद्य प्रसून.
2. **मैथिलीशरण गुप्त** (1886–1964 ई.)—जयद्रथ वध, भारत-भारती, पंचवटी, साकेत (1931 ई.) यशोधरा, द्वापर, जयभारत, विष्णुप्रिया.
3. **गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'**—कृषक क्रन्दन, प्रेमपचीसी, त्रिशूलतरंग, करुणा कादम्बिनी.
4. **रामनरेश त्रिपाठी**—मिलन, पथिक, मानसी, स्वप्न.
5. **रामचरित उपाध्याय**—राष्ट्र भारती, देवदूत, देवसभा, विचित्र विवाह, सूक्तिमुक्तावली, रामचरित चिन्तामणि.
6. **श्रीधर पाठक**—कश्मीर सुषमा, देहरादून, भारतगीत.

उल्लेखनीय तथ्य

1. प्रियप्रवास कृष्ण कथा पर आधारित 'हरिऔध' का महाकाव्य है. इसे खड़ी बोली में लिखा गया है तथा इसमें संस्कृत वणवृत्तों का प्रयोग किया गया है. यह खड़ी बोली हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है.
2. साकेत की रचना मैथिलीशरण गुप्त ने द्विवेदी जी के एक निबन्ध 'कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता' से प्रेरित होकर की. यह रामकथा पर आधृत खड़ी बोली में रचित महाकाव्य है जिसमें 12 सर्ग हैं. इसके नवम् सर्ग में उर्मिला के विरह का वर्णन है कथा के केन्द्र में उर्मिला रही है.

छायावाद (1920–1936 ई.)

प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी को छायावादी कवि चतुष्ट्य के नाम से जाना जाता है. मुकुटधर पाण्डेय को कुछ आलोचक छायावाद का प्रवर्तक स्वीकार करते हैं. प्रमुख छायावादी कवि और उनकी कृतियाँ इस प्रकार हैं—

जयशंकर प्रसाद—झरना, आँसू, लहर, कामायनी (1935 ई.)

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'—अनामिका, परिमल, गीतिका, तुलसीदास, अपरा, कुकुरमुत्ता, सरोजस्मृति, आराधना, गीतगुंज.

सुमित्रानंदन पंत—ग्रंथि, वीणा, पल्लव, गुंजन, ग्राम्या, युगांत, युगवाणी, स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि, लोकायतन, चिदम्बरा.

महादेवी वर्मा—नीहार, रश्मि, नीरजा, सांध्यगीत, दीपशिखा, यामा.

टिप्पणी

1. कामायनी छायावादी महाकाव्य है, जिसमें 15 सर्ग हैं. इसके सर्गों के नाम हैं—चिन्ता, आशा, श्रद्धा, काम, वासना, लज्जा, कर्म, ईर्ष्या, इड़ा, स्वप्न, संघर्ष, निर्वेद, दर्शन, रहस्य, आनन्द.
2. कामायनी के तीन प्रमुख पात्र हैं—श्रद्धा, मनु, इड़ा. ये तीनों क्रमशः हृदय, मन, बुद्धि के प्रतीक हैं.
3. पंत कोमल कल्पना के कवि हैं. उन्होंने पल्लव में 38 पृष्ठों की भूमिका भी दी है, इस भूमिका में छायावादी काव्य भाषा का विवेचन है. इसे छायावादी का मेनीफेस्टो भी कहा जाता है.
4. पंत काव्य का क्रमिक विकास हुआ है. प्रारम्भ में वे छायावादी रहे बाद में प्रगतिवादी. कालान्तर में वे अन्तश्चेतनावादी और फिर नवमानवतावादी कवि हो गए. उनकी अन्तश्चेतना-वादी रचनाओं पर अरविंद दर्शन का प्रभाव है.
5. महादेवी वर्मा वेदना और पीड़ा की कवयित्री हैं. उन्हें 'यामा' पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है.
6. महादेवी जी को आधुनिक मीरा कहा जाता है. उनके काव्य में रहस्यवादी प्रवृत्ति की प्रधानता है.
7. पंत जी अपने सुकुमार प्रकृति चित्रण के लिए भी विख्यात रहे हैं, जबकि निराला ओज और औदात्य के कवि हैं.
8. 'नारी तुम केवल श्रद्धा हो' कहकर कामायनी में प्रसाद ने नारी के गौरव को पुनर्स्थापित किया है.
9. 'राम की शक्ति पूजा' निराला की रचना है, जो मूलतः अनामिका में संकलित है.
10. निराला में भी प्रगतिवादी एवं क्रान्तिकारी चेतना उपलब्ध होती है.

प्रगतिवादी काव्य (1936–1943 ई.)

मार्क्सवादी चेतना से अनुप्राणित वे कविताएं जिनमें शोषण का विरोध किया गया है. प्रगतिवादी कविताएं हैं. हिन्दी के प्रमुख प्रगतिवादी कवि और उनकी रचनाएं इस प्रकार हैं—

1. **नागार्जुन**—युगधारा, सतरंगे पंखोंवाली, प्यासी पथराई आँखें, भस्मांकुर, तुमने कहा था.

2. **केदारनाथ अग्रवाल**–युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं, नींद के बादल, आग का आइना, समय-समय पर, अपूर्वा.
3. **शिवमंगल सिंह 'सुमन'**–हिल्लोल, जीवन के गान, प्रलय सृजन, विंध्य हिमालय, एशिया जाग उठा, मिट्टी की बारात, वाणी की व्यथा.
4. **त्रिलोचन शास्त्री**–धरती, मिट्टी की बारात, मैं उस जनपद का कवि हूँ.
5. **रामधारी सिंह 'दिनकर'**–रेणुका, प्रणभंग, हुँकार, रसवंती, परशुराम की प्रतीक्षा, कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी, उर्वशी, नीलकुसुम, मृत्ति तिलक, हरि को हरिनाम.

   दिनकर को सांस्कृतिक चेतना का राष्ट्रवादी कवि भी कहा जाता है.

हिन्दी के स्वच्छंदतावादी कवियों में प्रमुख हैं

बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'–कुंकुम, अपलक, रश्मिरेखा, क्वासि, हम विषपायी जनम के, बिनोवा स्तवन.

माखनलाल चतुर्वेदी–हिम किरीटिनी, हिम तरंगिनी, युगचारण, समर्पण, माता.

हरिवंश राय 'बच्चन'–मधुशाला, मधुकलश, मधुयामिनी, निशा नियंत्रण, मिलन यामिनी, बंगाल का अकाल.

प्रयोगवाद (1943–1953 ई.)

प्रयोगवाद के प्रवर्तन का श्रेय 'अज्ञेय' को है. उन्होंने 'तार सप्तक' में ऐसे सात कवियों की रचनाएं संकलित कीं, जो प्रयोग करने में विश्वास करते हैं. भाषा, शिल्प, उपमान, विषयवस्तु सब कुछ पुरानी कविता से अलग. फिर भी वे कहते हैं कि प्रयोग अपने आप में इष्ट नहीं है, अपितु वह साधन है. प्रयोगवाद और नई कविता दोनों ही 'अस्तित्ववाद' से प्रभावित है. 1943 से 1953 तक कविता में जो नवीन प्रयोग हुए, नई कविता उन्हीं का परिणाम है. प्रयोगवाद उस काव्यधारा का पहला चरण है और नई कविता दूसरा चरण.

सप्तकों का प्रकाशन अज्ञेय के सम्पादकत्व में क्रमशः 1943, 1951, 1959 में हुआ. इनमें संकलित कवि इस प्रकार हैं–

1. **तार सप्तक** (1943 ई, सम्पादक अज्ञेय)–इस सप्तक में निम्नलिखित कवियों की कविताएं हैं– (1) नेमिचंद जैन, (2) गजानन माधव मुक्तिबोध, (3) भारत भूषण अग्रवाल, (4) प्रभाकर माचवे, (5) गिरिजा कुमार माथुर, (6) रामविलास शर्मा, (7) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'.
2. **दूसरा सप्तक** (1951 ई)–इस सप्तक के कवि हैं–(1) भवानी प्रसाद मिश्र, (2) शकुन्तला माथुर, (3) हरिनारायण व्यास, (4) शमशेर बहादुर सिंह, (5) नरेश मेहता, (6) रघुवीर सहाय, (7) धर्मवीर भारती.
3. **तीसरा सप्तक** (1959 ई.)–इस सप्तक में निम्नलिखित कवियों की रचनाएं संकलित हैं–(1) प्रयाग नारायण त्रिपाठी, (2) कुँवर नारायण, (3) कीर्ति चौधरी, (4) केदारनाथ सिंह, (5) मदन वात्स्यायन, (6) विजयदेव नारायण साही, (7) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना.

चौथे सप्तक का प्रकाशन 1979 ई में हुआ. इसका सम्पादन भी अज्ञेय ने ही किया.

नई कविता नामक पत्रिका डॉ. जगदीश गुप्त के सम्पादन में 1954 ई. में प्रारम्भ हुई. बौद्धिकता, नवीनता, वैयक्तिकता, क्षणवादिता, आधुनिक युग बोध, यथार्थवादिता, भोगवाद एवं वासना, नवीन शिल्प विधान नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ हैं.

प्रयोगवाद और नई कविता के प्रमुख कवि एवं कृतियाँ

अज्ञेय (1911–1987 ई.)–हरीघास पर क्षण भर, इन्द्रधनु रौंदे हुए थे, अरी ओ करुणाप्रभामय, बावरा अहेरी, चिन्ता, इत्यलम, सागर मुद्रा, असाध्य वीणा, महावृक्ष के नीचे.

मुक्तिबोध (1917–1964 ई.)–चाँद का मुँह टेढ़ा है, भूरी-भूरी खाक धूल, प्रसिद्ध कविताएं हैं– ब्रह्मराक्षस, अँधेरे में.

गिरिजा कुमार माथुर–मंजीर, नाश और निर्माण, धूप के धान, भीतरी नदी की यात्रा, शिलापंख चमकीले, छायामत छूना, कल्पान्तर.

भवानी प्रसाद मिश्र–कमल के फूल, वाणी की दीनता, टूटने का सुख, बुनी हुई रस्सी, चकित है दुःख, सन्नाटा, गीत फरोश, गांधी पंचशती.

धर्मवीर भारती–अंधा युग, कनुप्रिया, सातगीत वर्ष, ठण्डा लोहा.

नरेश मेहता–वनपांखी सुनो, बोलने दो चीड़ को, पिछले दिनों नंगे पैरों, प्रार्थना पुरुष, महाप्रस्थान, संशय की एक रात, अरण्या.

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना–काठ की घण्टियाँ, बाँस का पुल, एक सूनी नाव, गर्म हवाएं, कुआनो नदी, जंगल का दर्द, खूँटियों पर टँगे लोग.

कुँवर नारायण–चक्रव्यूह, आत्मजयी, आमने सामने, परिवेश हम-तुम, कोई दूसरा.

शमशेर बहादुर सिंह–चुका भी नहीं हूँ मैं, इतने पास अपने, काल तुझसे होड़ मेरी, बात बोलेगी हमने.

जगदीश गुप्ता–नाव के पाँव, शब्द देश, हिम विद्ध, छन्दशती, गोपा गौतम, बोधिवृक्ष शम्बूक.

दुष्यन्त कुमार–सूर्य का स्वागत, आवाजों के घेरे, साये में धूप, एक कंठ विष पायी.

रघुवीर सहाय–सीढ़ियों पर धूप में, आत्म हत्या के विरुद्ध, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, लोग भूल गए हैं.

श्रीकान्त वर्मा–दिनारम्भ, भटका मेघ, मायादर्पण, जलसाघर, मगध.

कीर्ति चौधरी–कविताएं.

लीलाधर (जंगूड़)–नाटक जारी है. रात आदमी मौजूद है, बची हुई पृथ्वी.

केदारनाथ सिंह–अकाल में सारस.

कैलाश वाजपेयी–महास्वप्न का मध्यान्तर.

कुमार विकल–एक छोटी सी लड़ाई.

दिविक रमेश–खुली आँखों का आकाश.

नवगीत

नई कविता और नवगीत एक-दूसरे के पूरक हैं, जो कविता से छूट गया उसे गीत ने व्यक्त किया. गीत में गेयता, संगीतात्मकता, लय, वैयक्तिकता, भाषा की सुकुमारता जैसे तत्व होने आवश्यक हैं.

कुछ प्रमुख गीतकार और उनके काव्य संग्रह इस प्रकार हैं–

वीरेन्द्र मिश्र–झुलसा है छायावट धूप में, वाणी के कलाकार, अविराम चल मधुवंती.

ठाकुर प्रसाद सिंह–वंशी और मादल.

उमाकांत मालवीय–मेहंदी और महावर, एक चावल नेह रॉधा, सुबह रक्त पलाश की.

बालस्वरूप राही–जो नितांत मेरी है.

शम्भूनाथ सिंह–नवगीत दशक–1, 2, 3, नवगीत अर्द्धशती (सम्पादन).

सोमठाकुर–एक ऋचा पाटल की.

चंद्रसेन विराट–पलकों में आकाश, पीले चावल द्वार पर.

चंद्रदेव सिंह–पाँच जोड़ बाँसुरी.

देवेन्द्र शर्मा 'इन्द्र'–पथरीले शोर में, पंखकटी मेहरावें, यात्रा में साथ-साथ (सम्पादित)

महेश्वर तिवारी–हरसिंगार कोई तो हो.

आधुनिक हिन्दी काव्य निरन्तर विकास पथ पर अग्रसर है तथा उसकी यात्रा निरन्तर जारी है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास का पहला ग्रंथ है–
(A) हिन्दी साहित्य का इतिहास
(B) मिश्रबंधु विनोद
(C) इस्त्वार दला लितरेत्यूर ऐंदुई ऐंदुस्तानी
(D) शिव सिंह सरोज

2. रामचन्द्र शुक्ल का हिन्दी साहित्य का इतिहास पहली बार कब प्रकाशित हुआ था?
(A) 1932 ई. (B) 1929 ई.
(C) 1950 ई. (D) 1945 ई.

3. मिश्र बंधु विनोद की रचना में शामिल नहीं थे–
(A) शुकदेव बिहारी मिश्र
(B) गणेश बिहारी मिश्र
(C) कृष्ण बिहारी मिश्र
(D) श्याम बिहारी मिश्र

4. हिन्दी साहित्य की भूमिका के लेखक हैं–
(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(B) डॉ. नगेन्द्र
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) नंददुलारे वाजपेयी

5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास किसकी कृति है?
(A) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(B) डॉ. बच्चन सिंह
(C) सूर्यकान्त शास्त्री
(D) गणपतिचंद्र गुप्त

6. डॉ. गणपति चंद्र गुप्त ने हिन्दी साहित्य का इतिहास किस शीर्षक से लिखा?
(A) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
(B) हिन्दी साहित्य–युग और प्रवृत्तियाँ
(C) हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास
(D) हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास

7. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास दर्शन' किस विद्वान् की कृति है?
(A) डॉ. नगेन्द्र
(B) डॉ. बच्चन सिंह
(C) नलिन विलोचन शर्मा
(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

8. 'हिन्दी साहित्य का वृहत् इतिहास' कितने खण्डों में प्रकाशित हुआ है?
(A) 16 (B) 18
(C) 10 (D) 12

9. हिन्दी साहित्येतिहास के पहले लेखक हैं–
(A) जॉर्ज ग्रियर्सन
(B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) गार्सा द तासी
(D) डॉ. नगेन्द्र

10. रीति काव्य की भूमिका के लेखक हैं–
(A) डॉ. नगेन्द्र
(B) शांतिप्रिय द्विवेदी
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) रामस्वरूप चतुर्वेदी

11. आदिकाल को रामचन्द्र शुक्ल जी ने क्या नाम दिया है?
(A) वीरगाथाकाल
(B) प्रारम्भिककाल
(C) बीजवपनकाल
(D) आरम्भिककाल

12. आदिकाल की समय सीमा रामचन्द्र शुक्ल के अनुसार क्या है?
(A) 700 वि. – 1300 वि.
(B) 1050 वि. – 1375 वि.
(C) 1000 वि. – 1350 वि.
(D) इनमें से कोई नहीं

13. संदेश रासक के रचयिता हैं–
(A) अमीर खुसरो (B) स्वंभू
(C) अब्दुर्रहमान (D) चंदबरदाई

14. इनमें से किस रासो काव्य के रचयिता नरपतिनाल्ह हैं?
(A) पृथ्वीराज रासो
(B) बीसलदेव रासो
(C) परमाल रासो
(D) खुमान रासो

15. पृथ्वीराज रासो के रचयिता हैं–
(A) जगनिक (B) चंदवरदाई
(C) पृथ्वीराज (D) जयानक

16. राहुल सांकृत्यायन ने हिन्दी का पहला कवि किसे माना है?
(A) सरहपाद
(B) देवसेन
(C) चंदवरदाई
(D) इनमें से कोई नहीं

17. हिन्दी की पहली रचना राहुल सांकृत्यायन के अनुसार है–
(A) पृथ्वीराज रासो
(B) श्रावकाचार
(C) पउमचरिउ
(D) परमाल रासो

18. आदिकाल में रचित महाकाव्य कौनसा है?
(A) पउमचरिउ
(B) पृथ्वीराज रासो
(C) परमाल रासो
(D) कीर्तिलता

19. इनमें से कौनसा कवि आदिकाल का नहीं है?
(A) जगनिक (B) चंदवरदाई
(C) अमीर खुसरो (D) नाभादास

20. आल्हखण्ड किस रचना का दूसरा नाम है?
(A) परमाल रासो
(B) बीसलदेव रासो
(C) पृथ्वीराज रासो
(D) खुमान रासो

21. कौनसा कवि भक्तिकाल का नहीं है?
(A) तुलसीदास (B) नंददास
(C) हितहरिवंश (D) नरोत्तमदास

22. राधावल्लभ सम्प्रदाय का सम्बन्ध है–
(A) संत काव्य से
(B) सूफी काव्य से
(C) कृष्ण काव्य से
(D) राम काव्य से

23. लाल दास किस काव्यधारा से सम्बन्धित कवि हैं?
(A) सखी सम्प्रदाय
(B) रामभक्ति शाखा
(C) सूफी काव्य
(D) संत काव्य

24. 'अष्टछाप' के रचयिता हैं–
(A) नाभादास (B) केशवदास
(C) रहीमदास (D) गंग कवि

25. रामचरितमानस किस भाषा में लिखा गया है?
(A) अवधी
(B) संस्कृत
(C) ब्रजभाषा
(D) खड़ी बोली हिन्दी

26. विनय पत्रिका की काव्य शैली है–
(A) मुक्तक शैली
(B) प्रबंध शैली
(C) प्रबंधात्मक मुक्तक शैली
(D) चम्पू काव्य

27. कौनसा ग्रन्थ सूरदास का नहीं है?
(A) सूरसागर
(B) कृष्ण गीतावली
(C) साहित्यलहरी
(D) सूरसारावली

28. सखी सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे–
(A) ध्रुव दास
(B) हित वृंदावनदास

(C) स्वामी हरिदास
(D) चैतन्य महाप्रभु

29. इनमें से अष्टछाप का कवि कौन नहीं है?
(A) कुंभनदास (B) नन्ददास
(C) नरोत्तमदास (D) चतुर्भुजदास

30. रामचरितमानस में कुल कितने काण्ड हैं?
(A) 7 (B) 8
(C) 9 (D) 6

31. सूफी काव्यधारा की प्रथम कृति कौनसी है?
(A) पद्मावत
(B) चंद्रायन
(C) मृगावती
(D) अनुराग बाँसुरी

32. अष्टछाप की स्थापना किसने की?
(A) सूरदास ने
(B) वल्लभाचार्य ने
(C) विट्ठलनाथ ने
(D) गोकुलनाथ ने

33. विनय पत्रिका किस भाषा में रचित है?
(A) खड़ी बोली (B) ब्रजभाषा
(C) अवधी (D) भोजपुरी

34. तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य का क्या नाम है?
(A) कवितावली
(B) गीतावली
(C) विनय पत्रिका
(D) रामचरितमानस

35. इनमें से कौनसा कवि रहस्यवादी है?
(A) रसखान (B) मीरा
(C) जायसी (D) तुलसीदास

36. रासपंचाध्यायी के रचयिता हैं—
(A) सूरदास
(B) नन्ददास
(C) परमानन्ददास
(D) कृष्णदास

37. रसखान का सम्बन्ध किस काव्यधारा से है?
(A) रामभक्ति शाखा
(B) कृष्णभक्ति काव्य
(C) रीतिकाव्य
(D) सूफीकाव्य

38. कौनसी रचना रसखान की नहीं है?
(A) प्रेम वाटिका
(B) सुजान रसखान
(C) दान लीला
(D) अनेकार्थ मंजरी

39. युगल शतक के रचनाकार हैं—
(A) नन्ददास (B) श्रीभट्ट
(C) ध्रुवदास (D) सूरदास

40. सूरदास के किस ग्रंथ में रीति विवेचन है?
(A) सूरसागर
(B) साहित्य लहरी
(C) सूर सारावली
(D) उपर्युक्त सभी में

41. कौनसा ग्रंथ भ्रमरगीत परम्परा का है?
(A) भँवरगीत (B) उद्धव शतक
(C) भ्रमरदूत (D) ये सभी

42. रीतिकाल में किस प्रवृत्ति की प्रमुखता शुक्ल जी ने मानी है?
(A) आलंकारिकता
(B) चमत्कार प्रदर्शन
(C) रीति निरूपण
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

43. घनानंद किससे प्रेम करते थे?
(A) सुजान (B) जान
(C) मालिनी (D) माधुरी

44. इनमें से रीतिसिद्ध कवि कौनसा है?
(A) बिहारी (B) केशव
(C) घनानंद (D) देव

45. काव्यांग निरूपण करने वाले कवि कहे जाते हैं—
(A) रीतिबद्ध
(B) रीतिसिद्ध
(C) रीतिमुक्त
(D) इनमें से कोई नहीं

46. इनमें से कौनसा ग्रंथ केशवदास का है?
(A) रामचन्द्रिका
(B) जहाँगीर जस चंद्रिका
(C) कविप्रिया
(D) उपर्युक्त सभी

47. रीतिकाल का सर्वाधिक लोकप्रिय कवि कौनसा माना जाता है?
(A) केशव (B) बिहारी
(C) देव (D) घनानंद

48. बिहारी सतसई में दोहों की संख्या है—
(A) 700 (B) 710
(C) 719 (D) 738

49. केशव द्वारा रचित महाकाव्य का नाम है—
(A) कविप्रिया
(B) रसिक प्रिया
(C) रामचंद्रिका
(D) जहाँगीर जस चन्द्रिका

50. इनमें से भिखारीदास का ग्रंथ कौनसा है?
(A) काव्य निर्णय
(B) कविकुल कल्पतरु
(C) कवि प्रिया
(D) रसपीयूष निधि

51. सेनापति के ग्रंथ का नाम है—
(A) पद्माभरण
(B) कवित्त रत्नाकर
(C) रसिका नन्द
(D) शृंगार विलास

52. कवि वचन सुधा के सम्पादक थे—
(A) शिवपूजन सहाय
(B) भारतेंदु हरिश्चन्द्र
(C) बदरीनारायण चौधरी
(D) माखनलाल चतुर्वेदी

53. कौनसी कहानी चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' की है?
(A) पंच परमेश्वर
(B) उसने कहा था
(C) ताई
(D) कानों में कंगना

54. इनमें से भारतेंदु का नाटक कौनसा है?
(A) सत्य हरिश्चन्द्र
(B) अंधेर नगरी
(C) भारत दुर्दशा
(D) उपर्युक्त सभी

55. 'अंधा युग' किसका गीति नाट्य है?
(A) मोहन राकेश
(B) धर्मवीर भारती
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

56. 'आधे-अधूरे' के रचयिता का नाम बताइए—
(A) मोहन राकेश
(B) सुरेन्द्र वर्मा
(C) कमलेश्वर
(D) जयशंकर प्रसाद

57. कौनसा नाटक जयशंकर प्रसाद का है?
(A) ध्रुवस्वामिनी
(B) चंद्रगुप्त
(C) जनमेजय का नागयज्ञ
(D) उपर्युक्त सभी

58. प्रेमचंद के किस उपन्यास को कृषक जीवन का महाकाव्य कहा गया है?
(A) निर्मला (B) कर्मभूमि
(C) गोदान (D) रंगभूमि

59. 'कफन' कहानी के लेखक हैं–
(A) प्रेमचंद
(B) जयशंकर प्रसाद
(C) कमलेश्वर
(D) राजेन्द्र यादव

60. हिन्दी का पहला समाचार-पत्र माना जाता है–
(A) भारत मित्र
(B) उदन्त मार्तण्ड
(C) बनारस अखबार
(D) हिन्दी प्रदीप

61. सरस्वती पत्रिका के सम्पादन से नहीं जुड़े थे–
(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(B) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
(C) श्रीनारायण चतुर्वेदी
(D) प्रताप नारायण मिश्र

62. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती पत्रिका का सम्पादन कब-से-कब तक किया?
(A) 1900–18 ई.
(B) 1903–20 ई.
(C) 1905–25 ई.
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

63. द्विवेदी युग में रचित प्रथम महाकाव्य है–
(A) साकेत
(B) प्रियप्रवास
(C) वैदेही वनवास
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

64. द्विवेदीयुगीन काव्य की भाषा है–
(A) ब्रजभाषा (B) खड़ी बोली
(C) अवधी (D) भोजपुरी

65. कौनसा समाचार-पत्र बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित है?
(A) ब्राह्मण
(B) हिन्दी प्रदीप
(C) कविवचन सुधा
(D) भारत मित्र

66. 'शिव शंभू के चिट्ठे' में किसको व्यंग्य का निशाना बनाया गया है?
(A) लॉर्ड कर्जन को
(B) वारेन हेस्टिंग्स को
(C) जनरल डायर को
(D) लॉर्ड माउंटबेटन को

67. 'कर्मनाशा की हार' किस विधा की कृति है?
(A) आत्मकथा (B) जीवनी
(C) कहानी (D) उपन्यास

68. 'कलम का सिपाही' के लेखक हैं–
(A) प्रेमचंद (B) अमृतराय
(C) विष्णुप्रभाकर (D) जैनेन्द्र

69. इनमें से शरतचंद्र की जीवनी का क्या नाम है?
(A) कलम का सिपाही
(B) आवारा मसीहा
(C) बंगाल का शेर
(D) चण्डी मण्डप

70. 'नीड़ का निर्माण फिर' किसकी आत्मकथा है?
(A) हरिवंशराय बच्चन की
(B) बाबू गुलाब राय की
(C) बाबू राजेन्द्र प्रसाद की
(D) महात्मा गांधी की

71. इनमें से छायावादी महाकाव्य है–
(A) प्रियप्रवास
(B) साकेत
(C) कामायनी
(D) रामचरितमानस

72. कामायनी में कुल कितने सर्ग हैं?
(A) 12 (B) 14
(C) 15 (D) 18

73. कामायनी का प्रकाशन कब हुआ?
(A) 1935 ई. (B) 1936 ई.
(C) 1937 ई. (D) 1930 ई.

74. 'साकेत' का अर्थ क्या है?
(A) स्वर्ग (B) विष्णुलोक
(C) अयोध्या (D) काशी

75. साकेत में कुल कितने सर्ग हैं?
(A) 9 (B) 10
(C) 8 (D) 12

76. साकेत के किस सर्ग में उर्मिला का विरह वर्णन किया गया है?
(A) आठवें सर्ग में
(B) नवम् सर्ग में
(C) छठे सर्ग में
(D) तृतीय सर्ग में

77. कौनसी रचना पर महादेवी जी को भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला?
(A) पथ के साथी
(B) अतीत के चलचित्र
(C) यामा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

78. इनमें से प्रगतिवाद का कवि कौन नहीं है?
(A) त्रिलोचन
(B) नागार्जुन
(C) केदारनाथ सिंह
(D) केदारनाथ अग्रवाल

79. 'अकाल में सारस' किस कवि की रचना है?
(A) धूमिल
(B) रघुवीर सहाय
(C) जगदीश गुप्त
(D) केदारनाथ सिंह

80. काशीनाथ सिंह का उपन्यास है–
(A) कसम
(B) आधा गाँव
(C) रेहन पर रग्घू
(D) मुझे चाँद चाहिए

81. 'मुझे चाँद चाहिए' उपन्यास की नायिका है–
(A) मालती (B) वर्षा वशिष्ठ
(C) साधना (D) देवयानी

82. इनमें से कौनसी कृति धूमिल की है?
(A) आत्मजयी
(B) संसद से सड़क तक
(C) इतने पास अपने
(D) छन्दशती

83. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना किस सप्तक के कवि हैं?
(A) तार सप्तक
(B) दूसरा सप्तक
(C) तीसरा सप्तक
(D) चौथा सप्तक

84. 'तार सप्तक' का प्रकाशन हुआ था–
(A) 1943 ई. (B) 1951 ई.
(C) 1953 ई. (D) 1948 ई.

85. इनमें से दूसरा सप्तक का कवि कौन नहीं है?
(A) भवानी प्रसाद मिश्र
(B) प्रयागनारायण त्रिपाठी
(C) नरेश मेहता
(D) धर्मवीर भारती

86. 'नई कविता' का प्रारम्भ कब से हुआ?
(A) 1953 ई. (B) 1960 ई.
(C) 1948 ई. (D) 1970 ई.

87. 'आत्मजयी' के रचयिता कवि का नाम बताइए–
(A) कुँवर बेचैन
(B) कुँवर बहादुर
(C) कुँवर नारायण
(D) कुँवर पास सिंह

88. कुँवर नारायण की कविताएं किस सप्तक में संकलित हैं?
- (A) दूसरा सप्तक
- (B) तीसरा सप्तक
- (C) तार सप्तक
- (D) चौथा सप्तक

89. 'काठ की घंटियाँ' किस कवि की काव्य कृति है?
- (A) सर्वेश्वर
- (B) शमशेर
- (C) धर्मवीर भारती
- (D) नरेश मेहता

90. इनमें से ज्ञानपीठ पुरस्कार किसे नहीं मिला?
- (A) जयशंकर प्रसाद
- (B) अज्ञेय
- (C) सुमित्रानंदन पंत
- (D) रामधारी सिंह दिनकर

91. परिन्दे कहानी के लेखक का नाम बताइए–
- (A) नामवर सिंह
- (B) नरेन्द्र कोहली
- (C) निर्मल वर्मा
- (D) कमलेश्वर

92. 'नवगीत अर्द्धशती' के सम्पादक हैं–
- (A) देवेन्द्र शर्मा इन्द्र
- (B) बालस्वरूप राही
- (C) शम्भूनाथ सिंह
- (D) रवीन्द्र भ्रमर

93. 'नाटक जारी है' इनमें से किसकी कृति है?
- (A) अजित कुमार
- (B) लीलाधर जंगूड़ी
- (C) रामदरश मिश्र
- (D) चन्द्रकान्त देवताले

94. 'बकरी' नामक नाटक इनमें से किसने लिखा है?
- (A) राम कुमार वर्मा
- (B) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
- (C) मोहन राकेश
- (D) जगदीश चंद्र माथुर

95. 'अतीत के चलचित्र' किस विधा की कृति है?
- (A) रेखाचित्र
- (B) संस्मरण
- (C) आत्मकथा
- (D) जीवनी

96. इनमें से महादेवी की कृति है–
- (A) शृंखला की कड़ियाँ
- (B) पथ के साथी
- (C) दीपशिखा
- (D) उपर्युक्त सभी

97. 'कितने पाकिस्तान' के लेखक हैं–
- (A) कमलेश्वर
- (B) यशपाल
- (C) नरेन्द्र मोहन
- (D) मोहन राकेश

98. 'महाप्रस्थान' किस कवि की कृति है?
- (A) नरेन्द्र शर्मा
- (B) नरेश मेहता
- (C) शमशेर
- (D) दुष्यंत कुमार

99. 'साये में धूप' के रचयिता कवि हैं–
- (A) चन्द्रकान्त देवताले
- (B) श्रीकान्त वर्मा
- (C) कीर्ति चौधरी
- (D) दुष्यंत कुमार

100. 'पहाड़ पर लालटेन' के कृतिकार हैं–
- (A) शिवानन्द नौटियाल
- (B) मनोहर श्याम जोशी
- (C) मंगलेश डबराल
- (D) महीप सिंह

उत्तरमाला

1. (C) 2. (B) 3. (C) 4. (A) 5. (B)
6. (D) 7. (C) 8. (B) 9. (C) 10. (A)
11. (A) 12. (B) 13. (C) 14. (B) 15. (B)
16. (A) 17. (B) 18. (B) 19. (D) 20. (A)
21. (D) 22. (C) 23. (B) 24. (A) 25. (A)
26. (A) 27. (B) 28. (C) 29. (C) 30. (A)
31. (B) 32. (C) 33. (B) 34. (D) 35. (C)
36. (B) 37. (B) 38. (D) 39. (B) 40. (B)
41. (D) 42. (C) 43. (A) 44. (A) 45. (A)
46. (D) 47. (B) 48. (C) 49. (C) 50. (A)
51. (B) 52. (B) 53. (B) 54. (D) 55. (B)
56. (A) 57. (D) 58. (C) 59. (A) 60. (B)
61. (D) 62. (B) 63. (B) 64. (B) 65. (B)
66. (A) 67. (C) 68. (B) 69. (B) 70. (A)
71. (C) 72. (C) 73. (A) 74. (C) 75. (D)
76. (B) 77. (C) 78. (C) 79. (D) 80. (C)
81. (B) 82. (B) 83. (C) 84. (A) 85. (B)
86. (A) 87. (C) 88. (B) 89. (A) 90. (A)
91. (C) 92. (C) 93. (B) 94. (B) 95. (A)
96. (D) 97. (A) 98. (B) 99. (D) 100. (C)

●●●

Read Upkar's
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Hindi Medium)
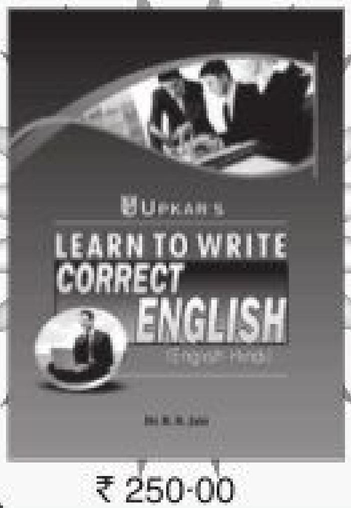
₹ 250·00
CORRECT ENGLISH : HOW TO WRITE IT
(English Medium)
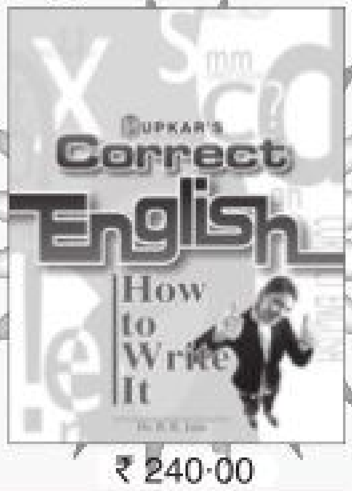
₹ 240·00
LEARN TO WRITE CORRECT ENGLISH
(English-Bangla)
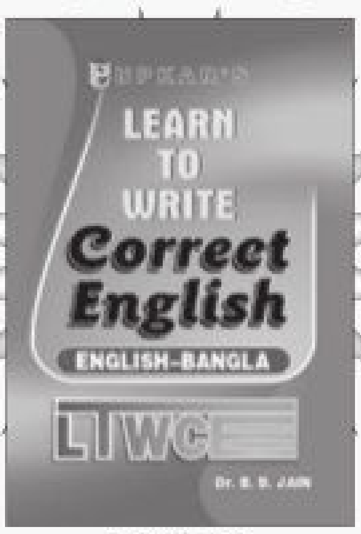
₹ 260·00
By : Dr. B.B. Jain
As the Latest and All Comprehensive Books for All Competitive Examinations.
Purchase from nearest bookseller or get the copy by V.P.P. sending M. O. of ₹ 100/- on the following address
UPKAR PRAKASHAN, AGRA–2

साहित्यिक (पद्य) रचनाएं और उनके रचयिता

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, साक्षात्कार आदि में प्रमुख साहित्यिक कृतियों और उनके कृतिकारों के नाम सम्बन्धी प्रश्न प्रायः पूछे जाते हैं. ऐसे प्रश्नों से परीक्षार्थी की साहित्यिक अभिरुचि और अध्ययनशीलता का पता चलता है. इन प्रश्नों की तैयारी के लिए परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' भली-भाँति पढ़ें. नवीनतम साहित्यिक ज्ञान के लिए विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं को पढ़ते रहना चाहिए.

हिन्दी साहित्य के प्रमुख ग्रंथ

(अ) आदिकाल

रचना का नाम	रचयिता का नाम
संदेश रासक	अब्दुर्रहमान
पउमचरिउ	स्वयंभू
नागकुमार चरिउ	स्वयंभू
महापुराण	पुष्पदंत
भविसयत्तकहा	धनपाल
उपदेशरसायन रास	जिनिदत्तसूरि
परमात्म प्रकाश	जोइन्दु
पाहुड़ दोहा	रामसिंह
ढोला मारु-रा-दूहा	कुशल लाभ
भरतेश्वर बाहुबलीरास	मुनिशालिभद्र सूरि
चंदन बालारास	आसगु
रेवंत गिरिरास	विजयसेन सूरि
गौतमस्वामी रास	उदयवंत
श्रावकाचार	देवसेन
विजयपाल रासो	नल्लसिंह
हम्मीर रासो	शार्ङ्गधर
पृथ्वीराज रासो	चंदबरदाई
बीसलदेव रासो	नरपतिनाल्ह
परमाल रासो (आल्ह खण्ड)	जगनिक
खुमान रासो	दलपति विजय
कीर्तिलता	विद्यापति
कीर्तिपताका	विद्यापति
विद्यापति पदावली	विद्यापति
खालिक बारी	अमीर खुसरो
मुकरियाँ	अमीर खुसरो
पहेलियाँ	अमीर खुसरो
जयमयंक जसचंद्रिका	मधुकर कवि
जयचंद्र प्रकाश	भट्टकेदार
पंचपाण्डव रास	शालिभद्र सूरि
नेमिनाथ रास	सुमति गुणि
जीव दयारास	आसगु
राउलवेल	रोडा
वर्ण रत्नाकर	ज्योतिरीश्वर ठाकुर

(ब) भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

रचना का नाम	रचयिता का नाम
बीजक	कबीर (सम्पादक–धर्मदास)
साखी, सबद, रमैनी	कबीर
जपुजी	नानकदेव
असा-दी-वार	नानकदेव
रहिरास	नानकदेव
सोहिला	नानकदेव
अष्टपदी	हरिदास निरंजनी
हंस प्रबोध	हरिदास निरंजनी
हरडेवाणी	दादूदयाल
अंगवधू	दादूदयाल
ज्ञानबोध, रतनखान	मलूकदास
ध्रुवचरित, ब्रजलीला	मलूकदास
ज्ञानसमुद	सुन्दरदास
सुन्दर विलास	सुन्दरदास
सबंगी	सन्त रज्जब
सुखमनी	गुरु अर्जुनदेव
चंदायन	मुल्ला दाउद
मृगावती	कुतुबन
पद्मावत	जायसी
मधुमालती	मंझन
माधवानल कामकंदला	आलम
चित्रावली	उसमान
ज्ञानदीप	शेखनबी
अनुराग बाँसुरी	नूर मोहम्मद
कथा रूपमंजरी	जानकवि
अणुभाष्य	बल्लभाचार्य
पूर्वमीमांसा भाष्य	बल्लभाचार्य
सूरसागर	सूरदास
साहित्यलहरी	सूरदास
सूरसारावली	सूरदास
जुगलमान चरित्र	कृष्णदास
युगल शतक	श्रीभट्ट
हित चौरासी	हितहरिवंश
व्यासवाणी	हरीराम व्यास
कलिपाल सिद्धान्त के पद	स्वामी हरिदास
गीत गोविन्द टीका	
नरसीजी का मायरा	मीराबाई
सुजान रसखान, प्रेमवाटिका, दानलीला	रसखान
अनेकार्थ मंजरी, रूपमंजरी	नंददास
रसमंजरी, मान मंजरी विरह मंजरी	नंददास
भँवरगीत, रास पंचाध्यायी	नंददास
सिद्धान्त पंचाध्यायी, नंददास पदावली	नंददास
रामरक्षा स्तोत्र	रामानंद
भरत मिलाप, अंगदपैज	ईश्वरदास
ध्यान मंजरी, पदावली	अग्रदास
अवध विलास	लालदास
रामचरितमानस	तुलसीदास
विनय पत्रिका	तुलसीदास
कवितावली	तुलसीदास
गीतावली, दोहावली	तुलसीदास
पार्वती मंगल	तुलसीदास
जानकी मंगल	तुलसीदास
बरवै रामायण	तुलसीदास
वैराग्य संदीपनी	तुलसीदास
कृष्ण गीतावली	तुलसीदास
रामाज्ञा प्रश्नावली	तुलसीदास
रामलला नहछू	तुलसीदास
रामायण महानाटक	प्राणचंद चौहान

रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

रचना का नाम	रचयिता का नाम
रामचंद्रिका	केशवदास
कविप्रिया, रसिकप्रिया	केशवदास
छंदमाला, रतनबावनी	केशवदास
जहाँगीर जसचंद्रिका	केशवदास
कविकुलकल्पतरु, काव्यविवेक	चिंतामणि
शिवराज भूषण	भूषण
शिवाबावनी	भूषण
ललित ललाम	मतिराम
रसराज	मतिराम
सतसई	बिहारी
रस रहस्य	कुलपति मिश्र
कवित्त रत्नाकर	सेनापति
पद्माभरण	पद्माकर
गंगालहरी	पद्माकर
जगद्विनोद	पद्माकर
अलंकार भ्रपभंजन	ग्वालकवि
नवरासतरंग	बेनी प्रवीन

शृंगार लतिका	द्विजदेव
काव्य निर्णय	भिखारीदास
कविकुल कंठाभरण	दूलह
सुजानहित प्रबंध	घनानंद
कृपाकंद निबंध	घनानंद
रस प्रबोध	रसलीन
छत्र प्रकाश	लाल कवि
नैषध चरित	गुमान मिश्र
हिम्मत बहादुर विरुदावली	पद्माकर
हम्मीर हठ	ग्वाल कवि
विज्ञान गीता	केशवदास

आधुनिककाल (पद्य)

रचना का नाम	**रचयिता का नाम**
प्रेममालिका	भारतेंदु
प्रेम सरोवर	भारतेंदु
वर्षा विनोद	भारतेंदु
प्रेम फुलवारी	भारतेंदु
वेणुगीत	भारतेंदु
जीर्ण जनपद	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
लालित्य लहरी	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
मयंक महिमा	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
प्रेम पुष्पावली	प्रताप नारायण मिश्र
मन की लहर	प्रताप नारायण मिश्र
प्रेम सम्पत्ति लता	जगमोहन सिंह
श्यामा सरोजिनी	जगमोहन सिंह
पावस पचासा	अम्बिका दत्त व्यास
सुकवि सतसई	अम्बिका दत्त व्यास
भारत बारहमासा	राधाकृष्ण दास
देशदशा	राधाकृष्ण दास
कुब्जा पच्चीसी	नवनीत चतुर्वेदी
शृंगार सरोजिनी	गोविंद गिल्लाभाई
प्रियप्रवास	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
चोखे चौपदे	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
चुभते चौपदे	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
रस कलश	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
वैदेही वनवास	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
साकेत	मैथिलीशरण गुप्त
भारतभारती	मैथिलीशरण गुप्त
पंचवटी	मैथिलीशरण गुप्त
यशोधरा	मैथिलीशरण गुप्त
जयद्रथ वध	मैथिलीशरण गुप्त
विष्णुप्रिया	मैथिलीशरण गुप्त
राष्ट्रभारती	रामचरित उपाध्याय
स्वदेशी कुण्डल	रामदेवी प्रसाद 'पूर्व'
प्रेम पचीसी	गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
कृषक क्रन्दन	गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
मिलन, पथिक, मानसी	रामनरेश त्रिपाठी
हिमतरंगिनी	माखनलाल चतुर्वेदी
हिम किरीटिनी	माखनलाल चतुर्वेदी
दूवीदल	सियाराम शरण गुप्त
कुंकुम	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
क्वासि	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
विनोवा स्तवन	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
रेणुका, प्रणभंग, हुँकार	रामधारी सिंह 'दिनकर'
कुरुक्षेत्र, रश्मिरथी	रामधारी सिंह 'दिनकर'
परशुराम की प्रतीक्षा	रामधारी सिंह 'दिनकर'
उर्वशी	रामधारी सिंह 'दिनकर'
हारे को हरिनाम	रामधारी सिंह 'दिनकर'
भैरवी	सोहनलाल द्विवेदी
हल्दीघाटी	श्यामनारायण पाण्डेय
जौहर	श्यामनारायण पाण्डेय
कश्मीर सुषमा	श्रीधर पाठक
भारतगीत	श्रीधर पाठक
प्रेमबंधन	मुकुटधर पाण्डेय
उद्धवशतक	जगन्नाथदास रत्नाकर
गंगावतरण	जगन्नाथदास रत्नाकर
बिहारी रत्नाकर	संपादक–रत्नाकर
हृदय तरंग	सत्यनारायण 'कविरत्न'
आँसू, झरना, लहर	जयशंकर प्रसाद
कामायनी	जयशंकर प्रसाद
अनामिका, परिमल	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
गीतिका, तुलसीदास	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
राम की शक्ति पूजा	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
सरोज स्मृति	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
ग्रंथि, वीणा, पल्लव, गुंजन	सुमित्रानंदन पंत
ग्राम्या, युगान्त, युगवाणी	सुमित्रानंदन पंत
स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि	सुमित्रानंदन पंत
उत्तरा, लोकायतन	सुमित्रानंदन पंत
रजत शिखा, चिदम्बरा	सुमित्रानंदन पंत
नीहार, रश्मि, नीरजा, दीपशिखा	महादेवी वर्मा
सांध्यगीत, यामा	महादेवी वर्मा
युगधारा, सतरंगे पंखों वाली	नागार्जुन
युग की गंगा, नींद के बादल	केदारनाथ अग्रवाल
फूल नहीं रंग बोलते हैं, आग का आइना	केदारनाथ अग्रवाल
हिल्लोल	शिवमंगल सिंह 'सुमन'
प्रलय सृजन	शिवमंगल सिंह 'सुमन'
विंध्य हिमालय	शिवमंगल सिंह 'सुमन'
धरती, मिट्टी की बारात	त्रिलोचन
हरी घास पर क्षणभर	अज्ञेय
बावरा अहेरी	अज्ञेय
चिन्ता, इत्यलय, असाध्य वीणा	अज्ञेय
इन्द्र रौंदे हुए ये, आँगन के पार द्वार	अज्ञेय
अरी ओ करुणा, प्रभामय	अज्ञेय
सदानीरा	अज्ञेय
चाँद का मुँह टेढ़ा है	गजानन माधव 'मुक्तिबोध'
ब्रह्मराक्षस, अँधेरे में	गजनान माधव 'मुक्तिबोध'
मंजीर, नाश और निर्माण	गिरिजा कुमार माथुर
टूटने का सुख	भवानी प्रसाद मिश्र
अंधा युग	धर्मवीर भारती
कनुप्रिया	धर्मवीर भारती
सात गीत वर्ष	धर्मवीर भारती
ठण्डा लोहा	धर्मवीर भारती
वनपाँखी सुनो	नरेश मेहता
संशय की एक रात	नरेश मेहता
महाप्रस्थान	नरेश मेहता
प्रार्थना पुरुष	नरेश मेहता
बोलने दो चीड़ को	नरेश मेहता
काठ की घंटियाँ	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
बाँस का पुल	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
गर्म हवाएं	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

कुआनो नदी	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
खूँटियों पर टँगे लोग	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
चक्रव्यूह	कुँवर नारायण
आत्मजयी	कुँवर नारायण
कोई दूसरा नहीं	कुँवर नारायण
चुका भी नहीं हूँ मैं	शमशेर बहादुर सिंह
इतने पास अपने	शमशेर बहादुर सिंह
काल तुझसे होड़मंरी	शमशेर बहादुर सिंह
बात बोलेगी हम नहीं	शमशेर बहादुर सिंह
छन्दशती	जगदीश गुप्त
नाव के पाँव	जगदीश गुप्त
शब्ददंश	जगदीश गुप्त
हित विद्ध	जगदीश गुप्त
गोपा गौतम	जगदीश गुप्त
बोधि वृक्ष	जगदीश गुप्त
शम्बूक	जगदीश गुप्त
मधुशाला	हरिवंश राय बच्चन
मधुबाला	हरिवंश राय बच्चन
मधुकलश	हरिवंश राय बच्चन
निशा निमंत्रण	हरिवंश राय बच्चन
बंगाल का अकाल	हरिवंश राय बच्चन
मिलन यामिनी	हरिवंश राय बच्चन
सूर्य का स्वागत	दुष्यन्त कुमार
एक कण्ठ विषपायी	दुष्यंत कुमार
आवाजों के घेरे	दुष्यंत कुमार
साये में धूप	दुष्यंत कुमार
सीढ़ियों पर धूप में	रघुवीर सहाय
आत्महत्या के विरुद्ध	रघुवीर सहाय
हँसो-हँसो जल्दी हँसो	रघुवीर सहाय
लोग भूल गए हैं	रघुवीर सहाय
बेरंग बेनाम चिट्ठियाँ	रामदरश मिश्र
अंगीरस	ऋतुराज
नाटक जारी है	लीलाधर जंगूड़ी
मुक्ति प्रसंग	राजकमल चौधरी
अतुकान्त	लक्ष्मीकान्त वर्मा
भूरी-भूरी खाक धूल	मुक्तिबोध
आमने-सामने	कुँवर नारायण
ताप के ताए हुए दिन	त्रिलोचन
छाया मत छूना मन	गिरिजा कुमार माथुर
साखी	विजय देवनारायण साही
महास्वप्न का मध्यांतर	कैलाश वाजपेयी
खुली आँखों का आकाश	दिविक रमेश
बलराम के हजारों हाथ	मणिमधुकर
अकाल और उसके बाद	नागार्जुन
प्रेत का बयान	नागार्जुन
नए इलाके में	अरुणकमल
उत्तरायण	रामकुमार वर्मा
प्रवासी के गीत	नरेन्द्र शर्मा
द्रोपदी	नरेन्द्र शर्मा
सीपी और शंख	रामधारी सिंह 'दिनकर'
नील कुसुम	रामधारी सिंह 'दिनकर'
रसवंती	रामधारी सिंह 'दिनकर'
सामधेनी	रामधारी सिंह 'दिनकर'
अपरा	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
कुकुरमुत्ता	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
झाँसी की रानी	सुभद्रा कुमारी चौहान
अकाल में सारस	केदारनाथ सिंह
त्रिकोण पर सूर्योदय	हरिनारायण व्यास
लकड़बग्घा हँस रहा है	चन्द्रकान्त देवताले
वंशी और मादल	ठाकुर प्रसाद सिंह
एक ऋचा पाटल की	सोम ठाकुर
अविराम चल मधुवंती	वीरेन्द्र मिश्र
मेंहदी और महावर	उमाकांत मालवीय
झुलसा है छाया नट धूप में	वीरेन्द्र मिश्र
लौट आएंगे सगुन पक्षी	अनूप अशेष
पाँच जोड़ बाँसरी	चन्द्रदेव सिंह
पलकों में आकाश	चन्द्रसेन विराट
मन पलाशवन और दहकती संध्या	रामसनेही लाल 'यायावर'
कल्पवृक्ष गमले में	असीम शुक्ल
जो नितांत मेरी है	बालस्वरूप राही
नवगीत दशक (1,2,3)	शंभूनाथ सिंह (संपादक)
नवगीत (अर्द्धशती)	शंभूनाथ सिंह (संपादक)
गीत मेरे गीत	ओमप्रकाश सिंह
हरापन नहीं टूटेगा	रमेश शंकर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश—प्रश्न संख्या 1 से 94 तक प्रत्येक प्रश्न में किसी एक साहित्यिक कृति का नाम दिया गया है और उसके नीचे चार रचनाकारों के नाम दिए गए हैं; इनमें से कोई एक ही नाम उक्त पुस्तक का रचयिता है. आपको प्रत्येक प्रश्न के पुस्तक के सही रचनाकार का नाम चयन करना है.

आदिकाल

(अपभ्रंश काव्य)

1. **'प्राकृत व्याकरण'** :
(A) गोरक्षनाथ (B) हेमचन्द्र
(C) सोमप्रभ सूरि (D) धनपाल

2. **'पउमचरिउ'** :
(A) मेरुतुंग (B) धनपाल
(C) स्वयंभू (D) राउरवेल

3. **'महापुराण'** :
(A) जोइंद (B) रामसिंह
(C) हेमचन्द (D) पुष्पदंत

4. **'बीसलदेव रासो'** :
(A) गोरक्षनाथ (B) नरपति नाल्ह
(C) जगनिक (D) चंदवरदायी

5. **'परमाल रासो'** :
(A) चंदवरदायी
(B) नरपति नाल्ह
(C) जगनिक
(D) देवसेन

6. **'जयमयंक जस चंद्रिका'** :
(A) स्वयंभू (B) मधुकर कवि
(C) धनपाल (D) हेमचंद्र

7. **'पृथ्वीराज रासो'** :
(A) चंदवरदायी (B) कल्हण
(C) विल्हण (D) जगनिक

पूर्वमध्यकाल

(भक्तिकाल)

(ज्ञानाश्रयी शाखा)

8. **'बीजक'** :
(A) कबीर (B) नानक
(C) दादू (D) धरमदास

9. **'ज्ञानबोध'** :
(A) कबीर (B) मलूकदास
(C) मीरा (D) दादू

10. **'जपुजी'** :
(A) रैदास (B) दादू
(C) नानक (D) मलूकदास

11. **'चंदायन** :
(A) जायसी (B) कुतुबन
(C) मुल्ला दाऊद (D) मंझन

12. **'मृगावती'** :
(A) जायसी
(B) कबीर
(C) इंशा अल्ला खाँ
(D) कुतुबन

13. **'मधुमालती'** :
(A) मंझन (B) जायसी
(C) रैदास (D) मीराबाई

14. **‘हंसजवाहिर’ :**
(A) शेख नबी (B) उसमान
(C) कासिम शाह (D) नूरमोहम्मद

15. **‘अनुराग बाँसुरी’ :**
(A) रसखान (B) नूरमोहम्मद
(C) सूरदास (D) नाभादास

16. **‘इंद्रावती’ :**
(A) कासिम शाह (B) उस्मान
(C) फाजिल शाह (D) नूरमोहम्मद

17. **‘प्रेमरतन’ :**
(A) फाजिलशाह (B) सूरदास
(C) रसखान (D) रहीम

18. **‘रामचरितमानस’ :**
(A) वाल्मीकि (B) तुलसीदास
(C) रविदास (D) सूरदास

19. **‘दोहावली’ :**
(A) बिहारी (B) कबीर
(C) तुलसी (D) जायसी

20. **‘हनुमान बाहुक’ :**
(A) आचार्य तुलसी (B) तुलसीदास
(C) रामानंद (D) हृदयराम

21. **‘रामायण महानाटक’ :**
(A) तुलसीदास
(B) गिरधर
(C) प्राणचंद चौहान
(D) भारतेन्दु

22. **‘हितोपदेश उपखाणाँ बावनी’ :**
(A) प्राण चंद्र चौहान
(B) तुलसीदास
(C) सूरदास
(D) स्वामी अग्रदास

23. **‘गीत गोविंद टीका’ :**
(A) जयदेव (B) कबीर
(C) मीराँ (D) तुलसी

24. **‘राग गोविंद’ :**
(A) सूर (B) तुलसी
(C) कृष्ण (D) मीरा

25. **‘राग सोरठ के पद’ :**
(A) मीराबाई (B) तुलसी
(C) रसखान (D) आलम

26. **‘प्रेम वाटिका’ :**
(A) बिहारी (B) सूरदास
(C) रसखान (D) कबीर

27. **‘सुजान रसखान’ :**
(A) सेनापति (B) देव
(C) मतिराम (D) रसखान

28. **‘युगल शतक’ :**
(A) सुंदर (B) श्री भट्ट
(C) बनारसीदास (D) नाभा जी

29. **‘आदिबानी’ :**
(A) बनारसीदास (B) अग्रदास
(C) श्री भट्ट (D) सुंदर

उत्तर मध्यकाल

30. **‘काव्यविवेक’ :**
(A) चिंतामणि त्रिपाठी
(B) आलम
(C) भिखारीदास
(D) सुंदर

31. **‘कविकुल कल्पतरु’ :**
(A) मीराबाई (B) रहीम
(C) जायसी (D) चिंतामणि

32. **‘वीरसिंह चरित’ :**
(A) हृदय राम
(B) केशव
(C) प्राण चंद चौहान
(D) सुभद्रा कुमारी चौहान

33. **‘विज्ञान गीता’ :**
(A) तुलसीदास (B) सूरदास
(C) केशवदास (D) नारायणदास

34. **‘रतन बावनी’ :**
(A) बिहारी (B) रत्नाकर
(C) मतिराम (D) केशव

35. **‘फाजिल अली प्रकाश’ :**

(A) रज्जब
(B) यारी साहब
(C) बुल्ला साहब
(D) सुखदेव मिश्र

36. **‘अध्यात्म प्रकाश’ :**
(A) सुखदेव मिश्र
(B) रज्जब
(C) कबीर
(D) मलूकदास

37. **‘शृंगारलता’ :**
(A) मतिराम
(B) सुखदेव मिश्र
(C) घनानंद
(D) आचार्य तुलसी

38. **वारवधू विनोद’ :**
(A) केशवदास
(B) विद्यापति
(C) कालिदास त्रिवेदी
(D) अमीर खुसरो

39. **‘सुजान विनोद’ :**
(A) देव (B) विनोद चंद्र
(C) सुजान कवि (D) रतन कवि

40. **‘प्रेम तरंग’ :**
(A) बिहारी (B) देव
(C) सेनापति (D) मतिराम

41. **‘राग रत्नाकर’ :**
(A) आचार्य तुलसी (B) रत्नाकर
(C) देव (D) बिहारी

42. **‘राधिका विलास’ :**
(A) देव
(B) भिखारीदास
(C) प्रभाकर माचवे
(D) घनानंद

43. **‘नीतिशतक’ :**
(A) बिहारी (B) देव
(C) रहीम (D) कबीर

44. **‘नख-शिख-प्रेम दर्शन’ :**
(A) मलिक मोहम्मद जायसी
(B) कुतुबन
(C) देव
(D) मंझन

45. **‘जंगनामा’ :**
(A) श्यामनारायण पांडेय
(B) सुभद्राकुमारी चौहान
(C) गंग कवि
(D) श्रीधर

46. **‘अलंकार माला’ :**
(A) सूरति मिश्र (B) मम्मट
(C) केशवदास (D) भरत मुनि

47. **‘राम रसायन’ :**
(A) भूपति (B) पद्माकर
(C) दत्त (D) चंद

48. **‘गंगा लहरी’ :**
(A) बैरीसाल (B) चंद
(C) पद्माकर (D) रतन कवि

49. **‘टिकैतराय प्रकाश’ :**
(A) हरनारायण
(B) भूषण
(C) सिया रामशरण गुप्त
(D) बेनी बंदीजन

50. **‘रसबिलास’ :**
(A) निराला (B) वृंद
(C) बेनी (D) रसलीन

51. **‘सुजान सागर’ :**
(A) गंग कवि (B) रतन कवि
(C) थान कवि (D) घनानंद

52. **‘कृपाकांड’ :**
(A) बोधा (B) ठाकुर
(C) नाथ (D) घनानंद

53. **‘आलम केलि’ :**
(A) आलम (B) बोधा
(C) ठाकुर (D) बैसीसाल

54. **‘विरह बारीश’ :**
(A) दास (B) बोधा
(C) दत्त (D) चंदन

55. **'प्रेम फुलवारी'** :
(A) रसखान (B) भारतेन्दु
(C) रसलीन (D) रसनिधि

56. **'प्रेम प्रलाप'** :
(A) रसनिधि (B) रसलीन
(C) भारतेन्दु (D) रसखान

57. **'पारिजात'** :
(A) हरिऔध (B) धरमदास
(C) अज्ञेय (D) रत्नाकर

58. **'चुभते चौपदे'** :
(A) मैथिलीशरण गुप्त
(B) हरिऔध
(C) तुलसीदास
(D) नाभादास

59. **'चोखे चौपदे'** :
(A) सूरदास
(B) तुलसीदास
(C) हरिऔध
(D) कबीरदास

60. **'रस कलश'** :
(A) महादेवी वर्मा
(B) आशापूर्णा देवी
(C) घनानंद
(D) हरिऔध

61. **'साकेत'** :
(A) मैथिलीशरण गुप्त
(B) जयशंकर प्रसाद
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) हरिऔध

62. **'भारत भारती'** :
(A) धर्मवीर भारती
(B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) अज्ञेय
(D) रामविलास शर्मा

63. **'आँसू'** :
(A) दिनकर
(B) जयशंकर प्रसाद
(C) निराला
(D) अज्ञेय

64. **'कामायनी'** :
(A) प्रेमचन्द
(B) निराला
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) महादेवी वर्मा

65. **'रवीन्द्र कविता कानन'** :
(A) अज्ञेय
(B) निराला
(C) प्रेमचन्द
(D) जयशंकर प्रसाद

66. **'जूही की कली'** :
(A) जयशंकर प्रसाद
(B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(D) हरिऔध

67. **'अनामिका'** :
(A) निराला (B) रत्नावली
(C) मुक्तिबोध (D) नागार्जुन

68. **'अपरा'** :
(A) रामचन्द्र शुक्ल
(B) निराला
(C) भारतेन्दु
(D) राहुल सांकृत्यायन

69. **'कुकरमुत्ता'** :
(A) मुक्तिबोध
(B) धर्मवीर भारती
(C) निराला
(D) रामविलास शर्मा

70. **'युगांत' (नौका विहार कविता)** :
(A) महादेवी वर्मा
(B) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) सुमित्रानंदन पंत

71. **'रसवंती'** :
(A) देव (B) वृंद
(C) दिनकर (D) भूषण

72. **'सामधेनी'** :
(A) 'नवीन'
(B) 'रत्नाकर'
(C) पद्माकर
(D) 'दिनकर'

73. **'अर्द्धनारीश्वर'** :
(A) सोहन लाल द्विवेदी
(B) 'दिनकर'
(C) श्रीधर पाठक
(D) 'नवीन'

74. **'नील कुसुम'** :
(A) बाल कृष्ण शर्मा 'नवीन'
(B) सुमित्रानंदन पंत
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(D) नागार्जुन

75. **'सीपी और शंख'** :
(A) धर्मवीर भारती
(B) हरिवंशराय बच्चन
(C) अज्ञेय
(D) रामधारी सिंह 'दिनकर'

76. **'प्रवासी के गीत'** :
(A) रामविलास शर्मा
(B) नीरज
(C) माखनलाल चतुर्वेदी
(D) नरेन्द्र शर्मा

77. **'पुष्प की अभिलाषा'** :
(A) सुभद्रा कुमारी चौहान
(B) माखनलाल चतुर्वेदी
(C) सोहनलाल चतुर्वेदी
(D) सियाराम शरण गुप्त

78. **'आँगन के पार द्वार'** :
(A) 'अज्ञेय'
(B) सीता कांत महापात्र
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) गोपाल दास नीरज

79. **'इन्द्रधनुष रौंदे हुए ये'** :
(A) 'नवीन' (B) 'अज्ञेय'
(C) 'दिनकर' (D) 'हरिऔध'

80. **'उत्तरायण'** :
(A) 'रत्नाकर'
(B) रामकुमार वर्मा
(C) बिहारी
(D) गोपालदास नीरज

81. **'चित्ररेखा'** :
(A) सुभद्रा कुमारी चौहान
(B) महादेवी वर्मा
(C) रामकुमार वर्मा
(D) रामनरेश त्रिपाठी

82. **'रत्नराशि'** :
(A) हरिऔध
(B) रतन कवि
(C) वियोगी हरि
(D) रामकुमार वर्मा

83. **'मधुशाला'** :
(A) हरिवंशराय बच्चन
(B) अज्ञेय
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) भारतेन्दु

84. **'मधुकलश'** :
(A) हरबंश राय बच्चन
(B) जया बच्चन
(C) अमिताभ बच्चन
(D) अभिषेक बच्चन

85. **'झाँसी की रानी'** :
(A) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(B) सुभद्रा कुमारी चौहान
(C) महादेवी वर्मा
(D) मैथिलीशरण गुप्त

86. **'गीत फरोश' :**
(A) धर्मवीर भारती
(B) मैथिलीशरण गुप्त
(C) भवानी प्रसाद मिश्र
(D) 'अज्ञेय'

87. **'अंधायुग' :**
(A) जगन्नाथ दास रत्नाकर
(B) धर्मवीर भारती
(C) नागार्जुन
(D) भवानी प्रसाद मिश्र

88. **'कनुप्रिया' :**
(A) धर्मवीर भारती
(B) नागार्जुन
(C) अरुण कमल
(D) 'अज्ञेय'

89. **'नए इलाके में' :**
(A) अरुण कमल
(B) जयदेव
(C) शांरगधर
(D) दिनकर

90. **'अपनी केवल धार' :**
(A) सर्वेश्वर दयाल
(B) अरुण कमल
(C) आशापूर्णा देवी
(D) 'निर्भय'

91. **'सबूत के लिए' :**
(A) मतिराम (B) केशव
(C) अरुण कमल (D) बिहारी

92. **'अकाल और उसके बाद' :**
(A) प्रतापनारायण मिश्र
(B) नागार्जुन
(C) वियोगी हरि
(D) पूर्ण सिंह

93. **'शासन की बंदूक' :**
(A) काका हाथरसी
(B) प्रेमचन्द
(C) नागार्जुन
(D) भगवती चरण वर्मा

94. **'मंत्र कविता' :**
(A) प्रेमचन्द (B) निराला
(C) जयशंकर प्रसाद (D) नागार्जुन

95. कीर्तिलता के रचयिता कवि हैं–
(A) अमीर खुसरो (B) विद्यापति
(C) नूर मोहम्मद (D) पुष्पदंत

96. विद्यापति इनमें से किस भाषा के कवि हैं?
(A) बंगला (B) ओडिया
(C) मैथिली (D) भोजपुरी

97. इनमें से तुलसी के उस ग्रंथ का नाम छाँटिए, जो ब्रजभाषा में लिखा गया है–
(A) विनय पत्रिका
(B) रामचरितमानस
(C) जानकी मंगल
(D) बरवै रामायण

98. कौनसी रचना सूरदास की नहीं है ?
(A) सूरसागर
(B) कृष्ण गीतावली
(C) साहित्य लहरी
(D) सूर सारावली

99. युगल शतक के रचनाकार हैं–
(A) नन्ददास
(B) श्रीभट्ट
(C) हरिदास निरंजनी
(D) स्वामी हरिदास

100. रास पंचाध्यायी के रचनाकार हैं–
(A) नन्ददास (B) देव कवि
(C) सूरदास (D) कृष्णदास

101. 'एक कंठ विषपायी' इनमें से किसकी कृति है ?
(A) धर्मवीर भारती
(B) दुष्यंत कुमार
(C) रघुवीर सहाय
(D) केदारनाथ सिंह

102. 'अकाल में सारस' किस कवि की कृति है?
(A) केदारनाथ अग्रवाल
(B) नागार्जुन
(C) केदारनाथ सिंह
(D) नरेन्द्र शर्मा

103. 'लकड़बग्घा हँस रहा है' के रचयिता हैं–
(A) चन्द्रकान्त देवताले
(B) हरिनारायण व्यास
(C) केदारनाथ सारस
(D) शंभूनाथ सिंह

104. 'नवगीत दशक' के संपादक हैं–
(A) रामसनेही लाल यायावर
(B) अज्ञेय
(C) शंभूनाथ सिंह
(D) वीरेन्द्र मिश्र

105. 'झुलसा है छायानट धूप में' किसकी कृति है ?
(A) वीरेन्द्र मिश्र
(B) बालस्वरूप राही
(C) उमाकांत मालवीय
(D) असीम शुक्ल

उत्तस्माला

1. (B) 2. (C) 3. (D) 4. (B) 5. (C)
6. (B) 7. (A) 8. (A) 9. (B) 10. (C)
11. (C) 12. (D) 13. (A) 14. (C) 15. (B)
16. (D) 17. (A) 18. (B) 19. (C) 20. (B)
21. (C) 22. (D) 23. (C) 24. (D) 25. (A)
26. (C) 27. (D) 28. (B) 29. (C) 30. (A)
31. (D) 32. (B) 33. (C) 34. (D) 35. (D)
36. (A) 37. (B) 38. (C) 39. (A) 40. (B)
41. (C) 42. (A) 43. (B) 44. (C) 45. (D)
46. (A) 47. (B) 48. (C) 49. (D) 50. (C)
51. (D) 52. (D) 53. (A) 54. (B) 55. (B)
56. (C) 57. (A) 58. (B) 59. (C) 60. (D)
61. (A) 62. (B) 63. (B) 64. (C) 65. (B)
66. (C) 67. (A) 68. (B) 69. (C) 70. (D)
71. (C) 72. (D) 73. (B) 74. (C) 75. (D)
76. (D) 77. (B) 78. (A) 79. (B) 80. (B)
81. (C) 82. (D) 83. (A) 84. (A) 85. (B)
86. (C) 87. (B) 88. (A) 89. (A) 90. (B)
91. (C) 92. (D) 93. (C) 94. (D) 95. (B)
96. (C) 97. (A) 98. (B) 99. (B) 100. (A)
101. (B) 102. (C) 103. (A) 104. (C) 105. (A)

●●●

नवीन संशोधित संस्करण
उपकार
मध्य प्रदेश
समग्र अध्ययन
नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित
लेखक
युवराज पाटीदार
कोड 2115
₹ 90/-
उपकार प्रकाशन, आगरा-2
E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

हिन्दी (गद्य साहित्य) पुस्तकें और उनके लेखक

हिन्दी गद्य की प्रमुख रचनाएं

रचना का नाम	**रचयिता**
रानी केतकी की कहानी	इंशा अल्ला खाँ
प्रेम सागर	लल्लूलाल
नासिकेतोपाख्यान	सदल मिश्र
सुखसागर	सदासुखलाल
दो सौ बावन वैष्णवन की वार्ता	गोकुलनाथ
चौरासी वैष्णवन की वार्ता	गोकुलनाथ
भक्तमाल	नाभादास
भाषा योगवाशिष्ठ	रामप्रसाद निरंजनी
चंद छंद बरनन की महिमा	गंग कवि
राजा भोज का सपना	शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द'
इतिहास तिमिर नाशक	शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द'
भूगोल हस्तामलक	शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द'
मानव धर्म सार	शिव प्रसाद 'सितारे हिन्द'
अभिज्ञान शाकुंतलम्	राजा लक्ष्मण सिंह

उपन्यास

परीक्षा गुरु	लाला श्रीनिवासदास
निस्सहाय हिन्दू	राधाकृष्णदास
नूतन ब्रह्मचारी	बालकृष्ण भट्ट
सौ अजान एक सुजान	बालकृष्ण भट्ट
भाग्यवती	श्रद्धाराम फुल्लौरी
श्यामा स्वप्न	जगमोहन सिंह
धूर्त रसिकलाल	लज्जाराम मेहता
आदर्श हिन्दू	लज्जाराम मेहता
चन्द्रकान्ता	देवकी नंदन खत्री
चन्द्रकान्ता सन्तति	देवकी नंदन खत्री
काजर की कोठरी	देवकी नंदन खत्री
भूतनाथ	देवकी नंदन खत्री
सरकटी लाश	गोपालराय गहमरी
जासूस की भूल	गोपालराय गहमरी
तिलस्मी शीशमहल	किशोरीलाल गोस्वामी
ठेठ हिन्दी का ठाठ	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
अधखिला फूल	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
वरदान	प्रेमचन्द
कर्मभूमि, सेवासदन, प्रेमाश्रम	प्रेमचन्द
रंगभूमि, कायाकल्प, निर्मला, गबन	प्रेमचन्द
गोदान	प्रेमचन्द
कंकाल, तितली, इरावती (अपूर्ण)	जयशंकर प्रसाद
माँ, भिखारिणी	विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'
वैशाली की नगरवधू	चतुरसेन शास्त्री
वयं रक्षामः	चतुरसेन शास्त्री
सोना और खून	चतुरसेन शास्त्री
सोमनाथ, आलमगीर	चतुरसेन शास्त्री
चंद हसीनों के खतूत	पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
दिल्ली का दलाल	पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
बुधुआ की बेटी	पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
देहाती दुनिया	शिवपूजन सहाय
गढ़ कुण्डार, विराटा की पद्मिनी	वृंदावन लाल वर्मा
मृगनयनी, माधव जी सिंधिया	वृंदावन लाल वर्मा
झाँसी की रानी, टूटे काँटे	वृंदावन लाल वर्मा
अप्सरा, अलका, निरुपमा	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
प्रभावती, कुल्लीभाट	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
चित्रलेखा	भगवती चरण वर्मा
सोना माटी	विवेकी राय
भूले विसरे चित्र	भगवती चरण वर्मा
टेढ़ मेढ़े रास्ते	भगवती चरण वर्मा
मानस का हंस, खंजन नयन	अमृतलाल नागर
सेठ बाँकेमल, सुहाग के नूपुर	अमृतलाल नागर
अमृत और विष, बूँद और समुद्र	अमृतलाल नागर
परख, सुनीता, त्यागपत्र	जैनेन्द्र
कल्याणी, सुखदा, विवर्त	जैनेन्द्र
पर्दे की रानी, संन्यासी	इलाचन्द्र जोशी
जहाज का पक्षी, निर्वासित	इलाचन्द्र जोशी
जिप्सी, प्रेत और छाया	इलाचन्द्र जोशी
शेखर एक जीवनी (2 भाग)	अज्ञेय
नदी के द्वीप, अपने अपने अजनबी	अज्ञेय
दादा कामरेड, झूठा सच	यशपाल
अमिता, देशद्रोही, दिव्या	यशपाल
पार्टी कामरेड, मनुष्य के रूप	यशपाल
वाणभट्ट की आत्मकथा	हजारी प्रसाद द्विवेदी
चारुचन्द्र लेख, पुर्नवा	हजारी प्रसाद द्विवेदी
अनामदास का पोथा	हजारी प्रसाद द्विवेदी
सिंह सेनापति, जय यौधेय	राहुल सांकृत्यायन
रतिनाथ की चाची	नागार्जुन
बाबा बटेसरनाथ	नागार्जुन
बलचनमा, दुःखमोचन	नागार्जुन
मैला आँचल	फणीश्वर नाथ 'रेणु'
सारा आकाश	राजेन्द्र यादव
आपका बंटी, महाभोज	मन्नू भण्डारी
लाल टीन की छत	निर्मल वर्मा
एक चिथड़ा सुख	निर्मल वर्मा
यह पथ बंधु था	नरेश मेहता
डूबते मस्तूल	नरेश मेहता
रुकोगी नहीं राधिका	उषा प्रियंवदा
पचपन खम्भे लाल दीवारें	उषा प्रियंवदा
शेष प्रश्न	उषा प्रियंवदा
कुरु कुरु स्वाहा	मनोहर श्याम जोशी
हमजाद, कसप, क्याप	मनोहर श्याम जोशी
हरिया हरक्यूलिस की कहानी	मनोहर श्याम जोशी

टाटा प्रोफेसर	मनोहर श्याम जोशी
अँधेरे बन्द कमरे	मोहन राकेश
गुनाहों का देवता	धर्मवीर भारती
सूरज का सातवाँ घोड़ा	धर्मवीर भारती
अजय की डायरी	देवराज
एक चूहे की मौत	बदी उज्जमा
पहाड़ पर लालटेन	मंगलेश डबराल
रागदरबारी	श्रीलाल शुक्ल
आधा गाँव	राही मासूम रजा
टोपी शुक्ला	राही मासूम रजा
मुझे चाँद चाहिए	सुरेन्द्र वर्मा
काशी का असी	काशीनाथ सिंह
बोरी बिली से बोरी बंदर	शैलेश मटियानी
चितकोबरा	मृदुला गर्ग
सूरजमुखी अँधेरे के	कृष्णा सोबती
मित्रो मरजानी	कृष्णा सोबती
डार से बिछुड़ी	कृष्णा सोबती
पण्डरपुर पुराण	मृणाल पाण्डे
पहला गिरमिटिया	गिरिराज किशोर
अपना मोर्चा	काशीनाथ सिंह
रेहन पर रघु	काशीनाथ सिंह
हुजूर दरबार	गोविंद मिश्र
अर्द्धनारीश्वर	विष्णु प्रभाकर
लेडी क्लब, अनारो	मंजुल भगत
सफेद मेमने	मणि मधुकर
काला जल	शानी
लाल पसीना	अभिमन्यु अनत
चाक	मैत्रेयी पुष्पा
टपरेवाले	कृष्णा अग्निहोत्री
तमस	भीष्म साहनी
सुबह दोपहर शाम	कमलेश्वर
कितने पाकिस्तान	कमलेश्वर
विश्रामपुर का संत	श्रीलाल शुक्ल
परती परिकथा	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
दीर्घतपा	फणीश्वरनाथ 'रेणु'

कहानियाँ

पंच परमेश्वर	प्रेमचन्द
इन्दुमती	किशोरीलाल गोस्वामी
दुलाईवाली	बंग महिला
ग्यारह वर्ष का समय	रामचन्द्र शुक्ल
ताई	विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'
बूढ़ी काकी	प्रेमचन्द
शतरंज के खिलाड़ी	प्रेमचन्द
बड़े भाई साहब	प्रेमचन्द
ईदगाह	प्रेमचन्द
कफन	प्रेमचन्द
पूस की रात	प्रेमचन्द
सवा सेर गेहूँ	प्रेमचन्द
रक्षाबन्धन	कौशिक
हार की जीत	सुदर्शन
कवि की स्त्री	सुदर्शन
पत्नी	जैनेन्द्र
पाजेब	जैनेन्द्र
अहंब्रह्मास्मि	भीष्म साहनी
चीफ की दावत	भीष्म साहनी
पुरस्कार	जयशंकर प्रसाद
आकाशदीप	जयशंकर प्रसाद
मधुआ	जयशंकर प्रसाद
देवरथ	जयशंकर प्रसाद
रोज	अज्ञेय
खितीन बाबू	अज्ञेय
गेंग्रीन	अज्ञेय
कोठरी की बात	अज्ञेय
परदा	यशपाल
छोटा डॉक्टर	द्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण'
चौथे विवाह की पत्नी	इलाचन्द्र जोशी
राजा निरबंसिया	कमलेश्वर
वापसी	उषा प्रियंवदा
यही सच है	मन्नू भण्डारी
तलाश	कमलेश्वर
सिक्का बदल गया	कृष्णा सोबती
लाल पान की बेगम	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
तीसरी कसम	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
टूटना	राजेन्द्र यादव
दोपहर का भोजन	अमरकान्त
हंसा जाइ अकेला	मार्कण्डेय
रसप्रिया, पंचलाइट	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
जिन्दगी और जोंक	अमरकान्त
कर्मनाशा की हार	शिव प्रसाद सिंह
वसीयत	भगवतीचरण वर्मा
मलवे का आदमी	मोहन राकेश
लंदन की एक रात	निर्मल वर्मा
परिन्दे	निर्मल वर्मा
बहादुर	अमरकान्त
जंगल गाथा	नमिता सिंह
प्यार की बातें	सुरेन्द्र वर्मा
पिता	ज्ञानरंजन
रहिमन धागा प्रेम का	मालती जोशी
धर्म क्षेत्रे कुरुक्षेत्रे	दूधनाथ सिंह
रैन बसेरा	अब्दुल विसमिल्लाह
सफेद कौआ	मंजुल भगत
अंधकूप	शिव प्रसाद सिंह
पेपरवेट	गिरिराज किशोर
पाल गोमरा का स्कूटर	उदय प्रकाश
तिरिछ	उदय प्रकाश
बंद दराजों का साथ	मन्नू भण्डारी
तीन निगाहों की तस्वीर	मन्नू भण्डारी
पराया सुख	शीतांशु भारद्वाज
नीलगाय की आँखें	नमिता सिंह
पच्चीस चौका डेढ़ सौ	ओम प्रकाश बाल्मीकि

नाटक

नहुष	गोपाल चन्द्र गिरधरदास
वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति	भारतेन्दु
सत्य हरिश्चन्द्र	भारतेन्दु
श्री चन्द्रावली	भारतेन्दु
अंधेर नगरी	भारतेन्दु
नील देवी	भारतेन्दु
भारत दुर्दशा	भारतेन्दु
सती प्रताप	भारतेन्दु
प्रेमजोगिनी	भारतेन्दु
भारत जननी	भारतेन्दु
विषस्य विषमौषधम	भारतेन्दु
तप्ता संवरण	लाला श्रीनिवास दास
रणधीर प्रेममोहिनी	लाला श्रीनिवास दास
महारानी पद्मावती	राधाकृष्ण दास
महाराणा प्रताप	राधाकृष्ण दास
दु:खिनी बाला	राधाकृष्ण दास
दमयंती स्वयंवर	बालकृष्ण भट्ट
रेल का विकट खेल	बालकृष्ण भट्ट
बाल विवाह	बालकृष्ण भट्ट
बूढ़े मुँह मुँहासे लोग देखें तमासे	राधाचरण गोस्वामी
देशदशा	गोपालराय गहमरी
उजबक	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
न घर का न घाट का	जी. पी. श्रीवास्तव
राज्यश्री	जयशंकर प्रसाद
विशाख, अजातशत्रु	जयशंकर प्रसाद

कामना, जनमेजय का नागयज्ञ	जयशंकर प्रसाद
स्कंदगुप्त, चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी	जयशंकर प्रसाद
रक्षाबंधन, प्रतिशोध, आहुति	हरिकृष्ण प्रेमी
कीर्तिस्तम्भ, आन का मान, शपथ	हरिकृष्ण प्रेमी
संन्यासी, कल्पतरु, सिंदूर की होली	लक्ष्मी नारायण मिश्र
मुक्ति का रहस्य, राजयोग, आधीरात	लक्ष्मी नारायण मिश्र
गरुड़ध्वज, वत्सराज, वितस्ता की लहरें	लक्ष्मी नारायण मिश्र
प्रकाश, त्याग और ग्रहण, सुख किसमें	सेठ गोविंद दास
हर्ष, कुलीनता, शेरशाह	सेठ गोविंद दास
सिंदूर की बिन्दी	गोविंद बल्लभ पंत
राजमुकुट, अन्तःपुर का छिद्र	गोविंद बल्लभ पंत
स्वर्ग की झलक, अंजो दीदी	उपेन्द्रनाथ अश्क
डाहर, शक विजय, मुक्तिपथ	उदयशंकर भट्ट
फूलों की डोली, बीरबल	वृंदावनलाल वर्मा
ललित विक्रम	वृंदावनलाल वर्मा
डॉक्टर, युगे युगे क्रान्ति	विष्णु प्रभाकर
टूटते परिवेश	विष्णु प्रभाकर
कोणार्क, शरदीया	जगदीश चन्द्र माथुर
पहला राजा, दशरथनंदन	जगदीश चन्द्र माथुर
आषाढ़ का एक दिन	मोहन राकेश
लहरों के राजहंस	मोहन राकेश
आधे-अधूरे	मोहन राकेश
नए हाथ, बर्फ की दीवार	विनोद रस्तोगी
अन्धा कुँआ, मादा कैक्टस	लक्ष्मीनारायण लाल
मिस्टर अभिमन्यु, कर्फ्यू, सवरंग मोहभंग	लक्ष्मीनारायण लाल
सेतुबंध, द्रोपदी, आठवाँ सर्ग	सुरेन्द्र वर्मा
रस गंधव	मणि मधुकर
तिलचट्टा, तेंदुआ	मुद्राराक्षस
प्रजा ही रहने दो, नरमेघ	गिरिराज किशोर
पेपर वेट	रमेश उपाध्याय
कबिरा खड़ा बजार में	भीष्म साहनी
बकरी	सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
रोशनी एक नदी है	लक्ष्मीकांत वर्मा

एकांकी

एक घूँट	जयशंकर प्रसाद
बादल की मृत्यु, रेशमी टाई	रामकुमार वर्मा
भोर का तारा, घोंसले	जगदीश चन्द्र माथुर
कारवां, स्ट्राइक	भुवनेश्वर प्रसाद मिश्र
समस्या का अंत, अंधकार और प्रकाश	उदयशंकर भट्ट
कंगाल नहीं, सप्तरश्मि	सेठ गोविंद दास
चरवाहे, परदा उठाओ परदा गिराओ	उपेन्द्रनाथ अश्क
अंधी गली, लक्ष्मी का स्वागत	उपेन्द्रनाथ अश्क
प्रकाश और परछाइयाँ	विष्णु प्रभाकर
नीली झील, नदी प्यासी थी	धर्मवीर भारती
बहू की विदा, काले कौए गोरेहंस	विनोद रस्तोगी
उमर कैद	गिरिजा कुमार माथुर
चार बेचारे	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
मातृ मन्दिर, राष्ट्र मन्दिर	हरिकृष्ण प्रेमी
न्याय मन्दिर, वाणी मन्दिर	हरिकृष्ण प्रेमी
शोहदा, प्रतिशोध	सत्येन्द्र शरत
नया जन्म, चक्रव्यूह	चिरंजीत
मुझे जीने दो	रेवतीशरण शर्मा
टूटे हुए दिल	आरसी प्रसाद सिंह
अण्डे के छिलके	मोहन राकेश

निबंध

शिवशम्भू के चिट्ठे और खत	बालमुकुन्द गुप्त
यमपुर की यात्रा	राधाचरण गोस्वामी
भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है?	भारतेन्दु
बेकन विचार रत्नावली (अनूदित)	महावीर प्रसाद द्विवेदी
रसज्ञ रंजन	महावीर प्रसाद द्विवेदी
पद्म पराग	पद्म सिंह शर्मा
सुलोचना	भारतेन्दु
परिहास वंचक	भारतेन्दु
दिल्ली दरबार दर्पण	भारतेन्दु
साहित्य सुमन	बालकृष्ण भट्ट
साहित्य सीकर	महावीर प्रसाद द्विवेदी
कौटिल्य कुठार	महावीर प्रसाद द्विवेदी
वनिता विलास	महावीर प्रसाद द्विवेदी
सच्ची वीरता, पवित्रता	सरदार पूर्णसिंह
आचरण की सभ्यता, कन्यादान	सरदार पूर्णसिंह
मजदूरी और प्रेम, अमरीका का मस्तजोगी–वाल्ट ह्विटमैन	सरदार पूर्णसिंह
गद्य कुसुमावली	श्यामसुन्दर दास
रूपक रहस्य	श्यामसुन्दर दास
चिंतामणि (भाग–1, 2)	रामचन्द्र शुक्ल
रस मीमांसा	रामचन्द्र शुक्ल
चिद्विलास, जीवन और दर्शन	सम्पूर्णानन्द
अशोक के फूल, कुटज	हजारी प्रसाद द्विवेदी
कल्पलता, विचार और वितर्क	हजारी प्रसाद द्विवेदी
विचार प्रवाह, आलोक पर्व	हजारी प्रसाद द्विवेदी
पूर्वोदय, मंथन, गांधी नीति	जैनेन्द्र
शृंखला की कड़ियाँ	महादेवी वर्मा
साहित्यकार की आस्था और अन्य निबन्ध	महादेवी वर्मा
प्रगति और परम्परा	रामविलास शर्मा
भाषा और समाज	रामविलास शर्मा
प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं	रामविलास शर्मा
आस्था के चरण	डॉ. नगेन्द्र
विचार और अनुभूति	डॉ. नगेन्द्र

विचार और विवेचन	डॉ. नगेन्द्र
अनुसंधान और आलोचना	डॉ. नगेन्द्र
चेतना के बिम्ब	डॉ. नगेन्द्र
तुम चन्दन हम पानी	विद्यानिवास मिश्र
मैंनें सिल पहुँचाई	विद्यानिवास मिश्र
छितवन की छाँह	विद्यानिवास मिश्र
कदम की फूलीडाल	विद्यानिवास मिश्र
हल्दी-दूब	विद्यानिवास मिश्र
कौन तू फुलवा बीन न हारी	विद्यानिवास मिश्र
मेरे राम का मुकुट भींग रहा है	विद्यानिवास मिश्र
रस आखेटक	कुबेरनाथ राय
प्रिया नीलकण्ठी	कुबेरनाथ राय
लौह मृदंग, पर्णमुकुट	कुबेरनाथ राय
महाकवि की तर्जनी	कुबेरनाथ राय
गंदमादन, विषादयोग	कुबेरनाथ राय
पगडण्डियों का जमाना	हरिशंकर परसाई
निठल्ले की डायरी	हरिशंकर परसाई
शिकायत मुझे भी है	हरिशंकर परसाई
सदाचार का तावीज	हरिशंकर परसाई
तब की बात और भी	हरिशंकर परसाई
जीप पर सवार इल्लियाँ	शरद जोशी
ठलुआ क्लब	बाबू गुलाबराय
फिर निराशा क्यों	बाबू गुलाबराय
मेरी असफलताएं	बाबू गुलाबराय
ठेले पर हिमालय	धर्मवीर भारती
पृथ्वी पुत्र	वासुदेव शरण अग्रवाल
त्रिशंकु, आत्मनेपद	अज्ञेय
पश्यन्ती	अज्ञेय
गेहूँ और गुलाब	रामवृक्ष बेनीपुरी
बंदे वाणी विनायकौ	रामवृक्ष बेनीपुरी
संस्कृति के चार अध्याय	रामधारी सिंह दिनकर
पंचपात्र	पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
वृत्त और विकास	शान्तिप्रिय द्विवेदी
सामयिकी, आधान	शान्तिप्रिय द्विवेदी
साकल्य, प्रतिष्ठान	शान्तिप्रिय द्विवेदी
धरती गाती है	देवेन्द्र सत्यार्थी
अर्द्धनारीश्वर	रामधारी सिंह 'दिनकर'
हमारी सांस्कृतिक एकता	रामधारी सिंह दिनकर
फिर वैतलवा डार पर	विवेकी राय

आलोचना

त्रिवेणी	रामचन्द्र शुक्ल
नाटक	भारतेन्दु
उपन्यास	प्रेमचन्द
रस सिद्धान्त	डॉ. नगेन्द्र
रीति काव्य की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त
हिन्दी साहित्य-बीसवीं सदी	नन्ददुलारे वाजपेयी
आधुनिक साहित्य, प्रेमचंद्र	नंददुलारे वाजपेयी
नया साहित्य-नए प्रश्न, राष्ट्रभाषा की समस्या	नन्ददुलारे वाजपेयी
जयशंकर प्रसाद, महाकवि सूरदास	नन्ददुलारे वाजपेयी
भारतीय सौन्दर्य शास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
नई समीक्षा-नए संदर्भ	डॉ. नगेन्द्र
भाषा और समाज	रामविलास शर्मा
निराला की साहित्य साधना (3 भाग)	रामविलास शर्मा
नयी कविता और अस्तित्ववाद	रामविलास शर्मा
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	रामविलास शर्मा
दूसरी परम्परा की खोज	नामवर सिंह

अन्य गद्य विधाएँ

माटी की मूरतें	रामवृक्ष बेनीपुरी
मेरा परिवार, अतीत के चलचित्र	महादेवी वर्मा
स्मृति की रेखाएं पथ के साथी	महादेवी वर्मा
क्या भूलूँ क्या याद करूँ	हरिवंशराय बच्चन
नीड़ का निर्माण फिर	हरिवंशराय बच्चन
बसेरे से दूर	हरिवंशराय बच्चन
प्रवास की डायरी	हरिवंशराय बच्चन
दशद्वार से सोपान तक	हरिवंशराय बच्चन
जंगल के जीव	श्रीराम शर्मा
संस्मरण, हमारे आराध्य	बनारसीदास चतुर्वेदी
रेखाचित्र, सेतु बंध	बनारसीदास चतुर्वेदी
बोलती प्रतिमा	श्रीराम शर्मा
क्या गोरी क्या साँवरी	देवेन्द्र सत्यार्थी
सिंहावलोकन	यशपाल
मेरी जीवन यात्रा	राहुल सांकृत्यायन
अर्द्ध कथानक	बनारसीदास जैन
कुछ आपबीती कुछ जगबीती	भारतेन्दु
अपनी खबर	पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'
कलम का सिपाही	अमृतराय
आवारा मसीहा	विष्णु प्रभाकर
मनीषी की लोक यात्रा	भगवती प्रसाद सिंह
एक बूँद सहसा उछली	अज्ञेय
अरे यायावर रहेगा याद	अज्ञेय
चीड़ों पर चाँदनी	निर्मल वर्मा
हिमालय की यात्रा	काका कालेलकर
ज्योति पुंज हिमालय	विष्णु प्रभाकर

पत्र-पत्रिकाएं

नाम	**सम्पादक**
उदन्त मार्तण्ड	जुगल किशोर
प्रजा हितैषी	राजा लक्ष्मण सिंह
बनारस अखबार	शिवप्रसाद सितारे हिन्द
भारत मित्र	बाबूबाल मुकुन्द गुप्त
कविवचन सुधा	भारतेन्दु
हरिश्चन्द्र चन्द्रिका	भारतेन्दु
हिन्दी प्रदीप	बालकृष्ण भट्ट
ब्राह्मण	प्रताप नारायण मिश्र
प्रताप	गणेश शंकर विद्यार्थी
कर्मवीर	माखनलाल चतुर्वेदी
आनन्द कादम्बिनी	बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
कादम्बिनी	राजेन्द्र अवस्थी
हंस (बनारस)	प्रेमचन्द

सरस्वती	महावीर प्रसाद द्विवेदी
विशाल भारत	बनारसीदास चतुर्वेदी
मतवाला	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला
अभ्युदय	मदनमोहन मालवीय
आज	बाबूराव विष्णुराव मराड़कर
धर्मयुग (साप्ताहिक)	धर्मवीर भारती
हिन्दुस्तान	मनोहरश्याम जोशी
आलोचना	नामवर सिंह
साहित्य सन्दर्भ	गुलाब राय
संचेतना	महीप सिंह
वर्तमान साहित्य	नमिता सिंह
तद्भव	अखिलेश
साहित्य अमृत	टी. एन. चतुर्वेदी
दस्तावेज	विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
पूर्वग्रह	प्रभाकर श्रोत्रिय
वाक्	सुधीश पचौरी
हंस (दिल्ली)	राजेन्द्र यादव
पहल	ज्ञान रंजन

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश—प्रश्न संख्या 1 से 75 तक प्रत्येक प्रश्न में किसी एक पुस्तक का नाम दिया गया है और उसके नीचे चार लेखकों के नाम दिए गए हैं; इनमें से कोई एक नाम उक्त पुस्तक के लेखक का है. आपको प्रत्येक प्रश्न के पुस्तक के लेखक का सही नाम चिह्नित करना है, यही आपका उत्तर होगा.

आरम्भ और भारतेन्दु युग

1. **प्रेमसागर** :
(A) सदल मिश्र (B) प्रेमचन्द
(C) लल्लूलाल (D) राम सागर

2. **‘नाचिकेतोपाख्यान’** :
(A) लल्लूलाल
(B) इंशा अल्ला खाँ
(C) पं. वंशीधर
(D) सदल मिश्र

3. **‘जगत वृतांत’** :
(A) सदल मिश्र
(B) सदासुख लाल
(C) पं. वंशीधर
(D) लल्लूलाल

4. **पुष्पवाटिका** :
(A) सदासुख लाल
(B) इंशा अल्ला खाँ
(C) सदल मिश्र
(D) पं. वंशीधर

5. **‘सत्यामृत प्रवाह’** :
(A) पं. श्रद्धाराम फुल्लौरी
(B) पं. तोताराम
(C) लल्लूलाल
(D) सदल मिश्र

6. **‘रणधीर प्रेम मोहिनी’ (नाटक)** :
(A) भारतेन्दु
(B) लाला श्रीनिवासदास
(C) सदासुखलाल
(D) महावीर प्रसाद द्विवेदी

7. **‘परीक्षागुरु’ (उपन्यास)** :
(A) सदासुख लाल
(B) देवकीनंदन खत्री
(C) लाला श्रीनिवासदास
(D) लल्लूलाल

8. **‘नूतन ब्रह्मचारी’ (उपन्यास)** :
(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) बालकृष्ण भट्ट
(D) श्रीनिवास दास

9. **‘कर्पूरी मंजरी’ (नाटक)** :
(A) प्रेमघन (B) भारतेन्दु
(C) तुलसीदास (D) हरिऔध

10. **‘मुद्राराक्षस’ (नाटक)** :
(A) सुभद्राकुमारी चौहान
(B) महादेवी वर्मा
(C) भारतेन्दु
(D) आशापूर्णा देवी

11. **‘सत्य हरिश्चन्द्र’ (नाटक)** :
(A) बालकृष्ण भट्ट
(B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) धर्मवीर भारती
(D) भारतेन्दु

12. **‘वैदिक हिंसा हिंसा न भवति’ (नाटक)** :
(A) भारतेन्दु
(B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) प्रेमचन्द

13. **‘हठी हमीर’ (नाटक)** :
(A) प्रतापनारायण मिश्र
(B) यशपाल
(C) अमृतलाल नागर
(D) वियोगी हरि

14. **‘शो संकट’ (नाटक)** :
(A) भीष्म साहनी
(B) प्रतापनारायण मिश्र
(C) कमलेश्वर
(D) के. के. श्रीवास्तव

15. **‘प्रयाग रामागमन’ (नाटक)** :
(A) बदरीनारायण प्रेमघन
(B) रामानंद
(C) रामकुमार वर्मा
(D) अमृतलाल नागर

16. **वृद्ध विलाप (नाटक)** :
(A) धूमिल
(B) बदरीनारायण प्रेमघन
(C) यशपाल
(D) अमृतलाल नागर

17. **‘नरेन्द्र मोहिनी’ (उपन्यास)** :
(A) नरेन्द्र मोहन
(B) मोहनदास
(C) यशपाल
(D) देवकीनंदन खत्री

18. **‘चंद्रकांता संतति’ (उपन्यास)** :
(A) देवकीनंदन खत्री
(B) चन्द्रकांत
(C) बंकिम चन्द्र
(D) इनमें से कोई नहीं

19. **‘स्वतन्त्र रमा और परतंत्र लक्ष्मी’ (उपन्यास)** :
(A) आचार्य चतुरसेन
(B) यज्ञदत्त
(C) अमृतलाल नागर
(D) मेहता लज्जाराम शर्मा

20. **‘आदर्श दम्पत्ति’ (उपन्यास)** :
(A) मेहता लज्जाराम शर्मा
(B) विमल मित्र
(C) इलाचन्द जोशी
(D) चतुरसेन

21. **‘मयंक मंजरी महानाटक’ (नाटक)** :
(A) जगदीश चन्द्रमाथुर
(B) राम कुमार वर्मा
(C) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(D) किशोरीलाल गोस्वामी

द्विवेदी युग

22. **‘सम्पत्तिशास्त्र’**
(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(B) रामचन्द्र शुक्ल

(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) पूर्णसिंह

23. **'समालोचना समुच्चय' (समालोचना)** :
(A) धर्मवीर भारती
(B) यज्ञदत्त
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(D) अमृतलाल नागर

24. **'एकांतवासी योगी'** (अनुवाद) :
(A) जवाहरलाल नेहरू
(B) चौ. चरण सिंह
(C) महात्मा गांधी
(D) श्रीधर पाठक

25. **'श्रांत पथिक'** (अनुवाद) :
(A) डॉ. नगेन्द्र
(B) श्रीधर पाठक
(C) भारतेन्दु
(D) श्रीलाल शुक्ल

26. **'तुलसी और उनकी कविता' (आलोचना)**:
(A) जयशंकर प्रसाद
(B) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(C) रामनरेश त्रिपाठी
(D) रामचन्द्र शुक्ल

27. **'मेरी आत्म कहानी' (आत्मकथा)** :
(A) रामविलास शर्मा
(B) विद्यानिवास मिश्र
(C) श्यामसुन्दर दास
(D) राजा राधिकारमण

28. **'हिन्दी शब्द सागर' (संपादन)** :
(A) गोपालराम गहमरी
(B) किशोरीलाल गोस्वामी
(C) वियोगी हरि
(D) श्यामसुन्दर दास

29. **'पृथ्वीराज रासो' (संपादन)** :
(A) श्यामसुन्दर दास
(B) चंदवरदायी
(C) जगनिक
(D) रामविलास शर्मा

30. **'अप्सरा' (उपन्यास)** :
(A) देवकीनंदन खत्री
(B) लाला श्रीनिवास
(C) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(D) प्रेमचन्द

31. **'अलका' (उपन्यास)** :
(A) प्रेमचन्द
(B) पं. कृष्णबिहारी
(C) कृष्ण सोबती
(D) निराला

32. **'प्रभावती' (उपन्यास)** :
(A) निराला
(B) लाला सीताराम
(C) शिवानी
(D) प्रेमचन्द

33. **'कुल्ली भाट' (संस्मरण)** :
(A) भगवतशरण उपाध्याय
(B) महादेवी वर्मा
(C) निराला
(D) प्रेमचन्द

34. **'बिल्लेसुर बकरिहा' (संस्मरण)** :
(A) लाला सीताराम
(B) महादेवी वर्मा
(C) डॉ. नामवर सिंह
(D) निराला

35. **'रवीन्द्र कविता कानन' (समीक्षा)** :
(A) निराला (B) नागार्जुन
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) मुक्तिबोध

36. **'कायाकल्प' (उपन्यास)** :
(A) चतुरसेन शास्त्री
(B) विमल मित्र
(C) यज्ञदत्त
(D) प्रेमचन्द

37. **'निर्मला' (उपन्यास)** :
(A) प्रेमचन्द
(B) शिवानी
(C) कृष्णा सोबती
(D) आशापूर्णा देवी

38. **'प्रतिज्ञा' (उपन्यास)** :
(A) यशपाल
(B) प्रेमचन्द
(C) यज्ञदत्त
(D) अमृतलाल नागर

39. **'ग्यारह वर्ष का समय' (कहानी)** :
(A) महादेवी वर्मा
(B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) कृश्नचंदर
(D) जयशंकर प्रसाद

40. **'गोस्वामी तुलसीदास' (आलोचना)** :
(A) धर्मवीर भारती
(B) पद्मसिंह शर्मा
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) पं. कृष्णबिहारी मिश्र

41. **चित्रलेखा (उपन्यास)** :
(A) प्रेमचन्द
(B) भगवतीचरण वर्मा
(C) कृष्णा सोबती
(D) अरुण कमल

42. **'तीन वर्ष' (उपन्यास)** :
(A) भगीरथ मिश्र
(B) डॉ. नामवर सिंह
(C) भगवतीचरण वर्मा
(D) अमृता प्रीतम

43. **'टेढ़े-मेढ़े रास्ते' (उपन्यास)** :
(A) प्रेमचन्द
(B) अमृता प्रीतम
(C) नंददुलारे बाजपेयी
(D) भगवतीचरण वर्मा

44. **'रेशमी टाई' (एकांकी संग्रह)** :
(A) वेदप्रताप वैदिक
(B) रामकुमार वर्मा
(C) अमृता प्रीतम
(D) रमाशंकर शर्मा रसाल

45. **'चारुमित्रा' (एकांकी संग्रह)** :
(A) जगदीश चन्द्र माथुर
(B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(C) रामकुमार वर्मा
(D) सुमित्रानंदन पंत

46. **'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' (आत्मकथा)** :
(A) महादेवी वर्मा
(B) अमृता प्रीतम
(C) आशापूर्णा देवी
(D) हरिवंशराय बच्चन

47. **'शेखर : एक जीवनी' (दो भागों में, उपन्यास)** :
(A) चंद्रशेखर
(B) शेखर सुमन
(C) 'अनाम' लेखक
(D) स. ही. वात्स्यायन 'अज्ञेय'

48. **'नदी के द्वीप' (उपन्यास)** :
(A) सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
(B) गोपालदास 'नीरज'
(C) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(D) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

49. **'अपने अपने अजनबी' (उपन्यास)** :
(A) कन्हैयालाल 'नंदन'
(B) अज्ञेय
(C) सचिन तेंदुलकर
(D) अमृता प्रीतम

50. **'जयदोल' (कहानी)** :
(A) निराला
(B) हरिऔध
(C) अज्ञेय
(D) नीरज

51. **'अमरवल्लरी' (कहानी)** :
(A) बेचन शर्मा 'उग्र'

(B) धर्मवीर भारती
(C) भीष्म साहनी
(D) अज्ञेय

52. **'ये तेरे प्रतिरूप' :**
(A) अज्ञेय
(B) भीष्म साहनी
(C) कृश्नचंदर
(D) हरिशंकर परसाई

53. **'अरे यायावर रहेगा याद?' (यात्रावृत्त) :**
(A) हरिशंकर परसाई
(B) अज्ञेय
(C) विष्णु प्रभाकर
(D) मैथिलीशरण गुप्त

54. **'कामायनी : एक पुनर्विचार' (आलोचना):**
(A) रामचन्द्र शुक्ल
(B) धर्मवीर भारती
(C) डॉ. नामवर सिंह
(D) गजानन माधव 'मुक्तिबोध

55. **'एक साहित्यिक की डायरी' (आलोचना) :**
(A) गजानन माधव मुक्तिबोध
(B) कृश्नचंदर
(C) राहुल सांकृत्यायन
(D) हरिशंकर परसाई

56. **'बाणभट्ट की आत्मकथा' (उपन्यास) :**
(A) मम्मट
(B) भरत मुनि
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) हरिशंकर परसाई

57. **'चारु चन्द्रलेख' :**
(A) सीताराम चतुर्वेदी
(B) रामचन्द्र शुक्ल
(C) यशपाल
(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी

58. **'पुनर्नवा' (उपन्यास) :**
(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(B) यशपाल
(C) श्रीलाल शुक्ल
(D) अमृतलाल नागर

59. **'महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण' :**
(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(B) रामविलास शर्मा
(C) डॉ. नगेन्द्र
(D) राहुल सांकृत्यायन

60. **'निराला की साहित्य साधना' :**
(A) विष्णु प्रभाकर
(B) महादेवी वर्मा
(C) रामविलास शर्मा
(D) हरिशंकर परसाई

61. **'भाषा और समाज' :**
(A) रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
(B) राहुल सांकृत्यायन
(C) उदयनाथ तिवारी
(D) रामविलास शर्मा

नयी कविता नव लेखन युग
1954-1972

62 **'मैला आँचल' (उपन्यास) :**
(A) मुन्नू भण्डारी
(B) फणीश्वरनाथ रेणु
(C) भीष्म साहनी
(D) शिवानी

63. **'परती परिकथा' (उपन्यास) :**
(A) प्रेमचन्द
(B) नागार्जुन
(C) फणीश्वरनाथ रेणु
(D) श्यामसुंदर दास

64. **'दीर्घतपा' (उपन्यास) :**
(A) नागार्जुन
(B) विष्णु प्रभाकर
(C) सोहनलाल द्विवेदी
(D) फणीश्वरनाथ रेणु

65. **'जलूस' (उनन्यास) :**
(A) फणीश्वरनाथ रेणु
(B) प्रेमचन्द
(C) यशपाल
(D) अमृतलाल नागर

66. **'ठुमरी' (कहानी) :**
(A) प्रेमचन्द
(B) फणीश्वरनाथ रेणु
(C) बेचन शर्मा उग्र
(D) गोविन्द बल्लभ पंत

67. **'विश्रामपुर का संत' (उपन्यास) :**
(A) आशापूर्णा देवी
(B) डॉ. नामवर सिंह
(C) श्रीलाल शुक्ल
(D) गोविन्द मिश्र

68. **'राग दरबारी' (उपन्यास) :**
(A) रांगेय राघव
(B) भीष्म साहनी
(C) मुन्नू भण्डारी
(D) श्रीलाल शुक्ल

69. **'मानस का हंस' :**
(A) प्रेमचन्द
(B) जयशंकर प्रसाद
(C) अमृतलाल नागर
(D) महादेवी वर्मा

70. **झाँसी की रानी (उपन्यास) :**
(A) वृंदावनलाल वर्मा
(B) सुनीता चौहान
(C) महादेवी वर्मा
(D) रामधारीसिंह दिनकर

71. **'मृगनयनी' (उपन्यास) :**
(A) कृष्ण सोबती
(B) वृंदावनलाल वर्मा
(C) महाश्वेता देवी
(D) अमृता प्रीतम

72. **'मेरी चीन यात्रा' (यात्रा वृतांत) :**
(A) डॉ. हरदेव बाहरी
(B) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(C) सुमित्रानंदन पंत
(D) राहुल सांकृत्यायन

73. **'न खत्म होने वाली कहानी' :**
(A) टी. एन. शेषन
(B) अमिताभ बच्चन
(C) सोनिया गांधी
(D) वी. पी. सिंह

74. **राजपथ से लोकपथ पर' (आत्मकथा) :**
(A) राजकुमारी अमृत कौर
(B) विजयराजे सिंधिया
(C) राजकुमारी डायना
(D) इनमें से कोई नहीं

75. **देहाती दुनिया उपन्यास के लेखक हैं :**
(A) शिवपूजन सहाय
(B) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(C) आशापूर्णा देवी
(D) हरिशंकर परसाई

76. **कौनसी कहानी प्रेमचन्द द्वारा रचित नहीं है?**
(A) शतरंज के खिलाड़ी
(B) देवरथ
(C) कफन
(D) सवा सेर गेहूँ

77. **इनमें से कौनसा उपन्यास जैनेन्द्र का नहीं है ?**
(A) सुनीता
(B) सुखदा
(C) त्यागपत्र
(D) पुनर्नवा

78. **हजारी प्रसाद द्विवेदी का पहला उपन्यास कौनसा है ?**
(A) पुनर्नवा
(B) वाणभट्ट की आत्मकथा
(C) चारुचन्द्र लेख
(D) अनामदास का पोथा

79. **'शेखर एक जीवनी' के लेखक हैं :**
(A) विधुशेखर भट्टाचार्य
(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) अज्ञेय
(D) जैनेन्द्र

80. **'नया साहित्य–नए प्रश्न' किसकी आलोचना कृति है ?**
(A) नंददुलारे वाजपेयी
(B) शांतिप्रिय द्विवेदी
(C) रामविलास शर्मा
(D) डॉ. नगेन्द्र

81. **'दूसरी परम्परा की खोज' के लेखक हैं :**
(A) रामविलास शर्मा
(B) नामवर सिंह
(C) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(D) रामस्वरूप चतुर्वेदी

82. **'हंसा जाइ अकेला' किस विधा की रचना है ?**
(A) कहानी (B) उपन्यास
(C) रेखाचित्र (D) निबन्ध

83. **इनमें से अमरकांत की कहानी कौनसी है ?**
(A) पाजेब
(B) दोपहर का भोजन
(C) कर्मनाशा की हार
(D) टूटना

84. **इनमें से राजेन्द्र यादव की कहानी बताइए–**
(A) परिन्दे
(B) चीफ की दावत
(C) टूटना
(D) रोज

85. **निर्मल वर्मा की कहानी है :**
(A) परिन्दे
(B) यही सच है
(C) वापसी
(D) तलाश

86. **'आवारा मसीहा' के लेखक हैं :**
(A) शरतचन्द्र
(B) विष्णु प्रभाकर
(C) अमृतराय
(D) विष्णुकांत शास्त्री

87. **'ठेले पर हिमालय' किसकी रचना है ?**
(A) रामचन्द्र शुक्ल
(B) अज्ञेय
(C) धर्मवीर भारती
(D) दुष्यंत कुमार

88. **'घुमक्कड़शास्त्र' के रचनाकार हैं :**
(A) अज्ञेय
(B) राहुल सांकृत्यायन
(C) रांगेय राघव
(D) प्रेमचन्द

89. **'मेरी असफलताएं' किस लेखक की कृति है ?**
(A) प्रेमचन्द
(B) रामविलास शर्मा
(C) गुलाबराय
(D) निराला

90. **कौनसा नाटक मोहन राकेश का है ?**
(A) आषाढ़ का एक दिन
(B) आधे-अधूरे
(C) लहरों के राजहंस
(D) उपर्युक्त सभी

91. **मुझे चाँद चाहिए किसका लिखा उपन्यास है ?**
(A) वर्षा वशिष्ठ
(B) सुरेन्द्र वर्मा
(C) भगवतीचरण वर्मा
(D) अमृतलाल नागर

92. **तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम किसकी लिखी कहानी है ?**
(A) फणीश्वरनाथ रेणु
(B) महीप सिंह
(C) कमलेश्वर
(D) उषा प्रियंवदा

93. **लाटी कहानी की लेखिका हैं :**
(A) मृणाल पाण्डे
(B) शिवानी
(C) उषा प्रियंवदा
(D) कृष्णा सोबती

94. **'फिर निराशा क्यों' के लेखक हैं :**
(A) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
(B) वासुदेव शरण अग्रवाल
(C) जैनेन्द्र
(D) बाबू गुलाबराय

95. **'हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास' के लेखक हैं :**
(A) गुलाबराय
(B) जयशंकर प्रसाद
(C) गणपतिचन्द्र गुप्त
(D) रामचन्द्र शुक्ल

96. **'कलम का सिपाही' किसकी रचना है ?**
(A) प्रेमचन्द की
(B) अमृतराय की
(C) हरिवंशराय बच्चन की
(D) नामवर सिंह की

97. **'नीड़ का निर्माण फिर' किसकी आत्मकथा का एक भाग है ?**
(A) अमिताभ बच्चन
(B) हरिवंशराय बच्चन
(C) अज्ञेय
(D) राहुल सांकृत्यायन

98. **जीप पर सवार इल्लियाँ किस विधा की कृति है ?**
(A) निबंध (B) हास्य व्यंग्य
(C) कविता (D) उपन्यास

99. **भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की भूमिका के रचनाकार हैं :**
(A) डॉ. नगेन्द्र
(B) विद्यानिवास मिश्र
(C) कुबेरनाथ राय
(D) सुरेश अवस्थी

100. **'नयी कविता और अस्तित्ववाद' इनमें से किसकी आलोचनात्मक कृति है ?**
(A) नंददुलारे वाजपेयी
(B) रामविलास शर्मा
(C) रामस्वरूप चतुर्वेदी
(D) नामवर सिंह

101. **मेरी जीवन यात्रा के लेखक हैं :**
(A) गुलाबराय
(B) रामविलास शर्मा
(C) राहुल सांकृत्यायन
(D) यशपाल

102. **'एक बूँद सहसा उछली' किस विधा की कृति है ?**
(A) कविता
(B) निबंध
(C) यात्रावृत
(D) आलोचना

103. **'चीड़ों पर चाँदनी' के रचनाकार हैं :**
(A) अज्ञेय
(B) निर्मल वर्मा
(C) रामविलास शर्मा
(D) नासिरा शर्मा

104. **हिन्दी का पहला समाचार-पत्र माना जाता है :**
(A) बनारस अखबार
(B) प्रजा हितैषी

शेष पृष्ठ 178 पर

भारतीय काव्यशास्त्र और आलोचना

भारतीय काव्यशास्त्र के अन्तर्गत संस्कृत काव्यशास्त्र और हिन्दी काव्यशास्त्र दोनों समाहित हैं अतः हम दोनों पर विचार करेंगे.

संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास—भारतीय काव्यशास्त्र को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है—संस्कृत काव्यशास्त्र एवं हिन्दी काव्यशास्त्र. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास भरतमुनि (200 ई.पू.) से प्रारम्भ होता है जिन्होंने अपने ग्रंथ 'नाट्यशास्त्र' में काव्यशास्त्र का विवेचन नाटक के संदर्भ में किया है. ये रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक माने जाते हैं तथा रस सूत्र 'विभावानुभाव व्यभिचारी संयोगाद्रस निष्पत्तिः' के प्रणेता हैं. इसका अर्थ है—विभाव, अनुभाव, व्यभिचारी भाव का (स्थायी भाव के साथ) संयोग होने पर रस की निष्पत्ति होती है. कालान्तर में इस रस सूत्र की व्याख्या चार आचार्यों ने की. इन व्याख्याता आचार्यों के नाम हैं—भट्ट लोल्लट, आचार्य शंकुक, भट्ट नायक और आचार्य अभिनव गुप्त.

संस्कृत काव्यशास्त्र के प्रमुख आचार्य और उनकी काव्यशास्त्रीय रचना का विवरण निम्नलिखित सूची में दिया गया है—

संस्कृत काव्यशास्त्र के आचार्य एवं उनकी प्रमुख कृतियाँ

क्रम सं.	आचार्य का नाम	ग्रंथ का नाम	टिप्पणी
1.	भरतमुनि	नाट्यशास्त्र	1. समय 200 ई.पू. 2. रससूत्र के प्रणेता 3. रस सम्प्रदाय के प्रवर्तक
2.	भामह	काव्यालंकार	1. समय–6वीं शती 2. अलंकार सम्प्रदाय के प्रवर्तक
3.	दण्डी	काव्यादर्श	1. समय–7वीं शती 2. अलंकारवादी आचार्य 3. अलंकार को काव्य का शोभाकारक धर्म मानते हैं.
4.	उद्भट	काव्यालंकार सारसंग्रह	1. समय–7वीं शती के आचार्य
5.	वामन	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति	1. रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक 2. रीति सम्प्रदाय को गुण सम्प्रदाय भी कहा गया है. 3. गुणों की संख्या 20 मानी है.
6.	रुद्रट	काव्यालंकार	1. अलंकारवादी आचार्य
7.	आनन्दवर्धन	ध्वन्यालोक	1. ध्वनिवादी आचार्य 2. ध्वनि को काव्य की आत्मा मानते हैं. 3. ध्वनि सम्प्रदाय के प्रवर्तक
8.	अभिनवगुप्त	1. ध्वन्यालोकलोचन 2. अभिनव भारती	1. ध्वनिवादी आचार्य 2. रससूत्र के चौथे व्याख्याता 3. इनका मत अभि-व्यक्तिवाद कहा जाता है. 4. रस-ध्वनि को काव्य की आत्मा मानते हैं.
9.	राजशेखर	काव्यमीमांसा	1. 18 अभिकरणों में विभक्त ग्रंथ 2. केवल एक अभिकरण कवि रहस्य ही प्राप्त होता है.
10.	धनंजय	दशरूपक	1. दृश्यकाव्य (नाटक) के विवेचक 2. रूपक के दस भेद माने हैं.
11.	भट्टनायक	हृदय दर्पण (अप्राप्य)	1. रस सूत्र के तीसरे व्याख्याता 2. साधारणीकरण सिद्धांत के आविष्कारक 3. इनका मत भुक्तिवाद कहा जाता है.
12.	कुन्तक	वक्रोक्ति जीवित	1. वक्रोक्ति सिद्धान्त के प्रवर्तक.
13.	महिम भट्ट	व्यक्ति विवेक	1. काव्य दोषों के निरूपक आचार्य.
14.	क्षेमेन्द्र	औचित्य विचार चर्चा	1. औचित्य सम्प्रदाय के प्रवर्तक
15.	भोजराज	सरस्वती कंठाभरण	1. अलंकारवादी आचार्य
16.	मम्मट	काव्य प्रकाश	1. सर्वाधिक प्रतिभाशाली आचार्य 2. रस एवं ध्वनि के समर्थक 3. ध्वनि संस्थापक परमाचार्य ध्वनि सिद्धान्त के भी समर्थक.
17.	रुय्यक	अलंकार सर्वस्व	1. अलंकारवादी आचार्य
18.	जयदेव	चन्द्रालोक	1. 12वीं शती के आचार्य 2. गीत गोविन्द के रचयिता कवि 3. अलंकारवादी आचार्य
19.	हेमचन्द्र	शब्दानुशासन	अपभ्रंश के व्याकरणाचार्य
20.	आचार्य विश्वनाथ	साहित्य दर्पण	1. रसवादी आचार्य 2. साधारणीकरण के व्याख्याता 3. महाकाव्य के लक्षणकार
21.	पण्डितराज जगन्नाथ	रस गंगाधर	1. 17वीं शती के आचार्य 2. अलंकारों एवं रसों के विवेचक
22.	अप्पयदीक्षित	कुवलयानन्द	1. अलंकारों के विवेचक

काव्य लक्षण

काव्य लक्षण का अर्थ है—काव्य की परिभाषा.

1. **भामह** (6वीं शती)—शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्.

2. **दण्डी** (7वीं शती)—शरीरं तावदिष्टार्थ व्यवच्छिन्ना पदावली अर्थात् शब्दार्थ तो काव्य का शरीर मात्र है, आत्मा नहीं काव्य की आत्मा तो अलंकार है. वे अलंकारवादी आचार्य थे अतः इष्ट अर्थ से युक्त अलंकार सम्पन्न पदावली को ही काव्य मानते थे.

3. **वामन** (8वीं शती)—'गुणालंकृतयो शब्दार्थयो काव्य शब्दो विद्यते'.

अर्थात् गुण और अलंकारों से युक्त शब्दार्थ ही काव्य है.

वामन गुण (रीति) को काव्य का अनिवार्य तत्व मानते हैं.

4. **मम्मट** (12वीं शती)—तद्दोषौ शब्दार्थौ सगुणावन- लंकृती पुनः क्वापि अर्थात् काव्य वह शब्दार्थ है जो दोष रहित, गुण सम्पन्न और कभी-कभी अलंकारों से रहित भी हो सकता है. मम्मट अलंकार को काव्य का अनिवार्य तत्व नहीं मानते. वे रसवादी आचार्य थे.

5. **आचार्य विश्वनाथ** (14वीं शती)—इन्होंने अपने ग्रंथ 'साहित्य दर्पण' में काव्य की निम्नलिखित परिभाषा दी—

वाक्यं रसात्मकं काव्यम् ।

अर्थात् रसपूर्ण वाक्य ही काव्य है. ये रसवादी आचार्य हैं.

हिन्दी काव्यशास्त्र के रीतिकालीन आचार्य एवं ग्रंथ

1. आचार्य केशवदास	कवि प्रिया, रसिक प्रिया	1. रीतिकाल के प्रथम कवि 2. राजा इन्द्रजीत सिंह के दरबारी कवि 3. कठिन काव्य के प्रेत 4. अलंकारवादी आचार्य
2. चिंतामणि	कवि कुल कल्पतरू, काव्य विवेक, रस विलास	1. रीतिकाल के प्रवर्तक (शुक्लजी के अनुसार) 2. अलंकारवादी, गुण, दोष शब्द शक्ति के विवेचक
3. मतिराम	रसराज, ललित ललाम, अलंकार पंचाशिका	1. कवि भी थे 2. अलंकारवादी आचार्य
4. कुलपति मिश्र	रस रहस्य	कवि और आचार्य कर्म दोनों में सफल
5. भिखारीदास	काव्य निर्णय, रस सारांश, शृंगार निर्णय	रस, अलंकार, नायिका भेद तीनों का विवेचन किया.
6. सोमनाथ	रस पीयूष निधि, शृंगार विलास	शृंगार रस एवं नायिका भेद का विवेचन किया.
7. देव	भाव विलास, भवानी विलास, काव्य रसायन, रस विलास, शब्द रसायन	रस, नायिका भेद एवं अलंकार का विवेचन किया
8. पद्माकर	पद्माभरण, जगद्विनोद	अलंकार, रस का विवेचन किया
9. ग्वाल कवि	रसिकानन्द, कवि दर्पण, साहित्यानन्द	विशालकाय ग्रंथों के रचयिता
10. जसवन्त सिंह	भाषा भूषण	अलंकारवादी आचार्य

हिन्दी के आधुनिककाल के काव्यशास्त्रीय ग्रंथ

लेखक	ग्रंथ का नाम
1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	नाटक
2. कन्हैयालाल पोद्दार	रस मंजरी, अलंकार मंजरी
3. लाला भगवानदीन	अलंकार मंजूषा
4. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'	अलंकार पीयूष
5. 'हरिऔध'	रस कलश
6. श्यामसुन्दर दास	साहित्यालोचन
7. रामचन्द्र शुक्ल	चिंतामणि, रसमीमांसा
8. लक्ष्मीनारायण सुधांशु	काव्य में अभिव्यंजनवाद
9. बाबू गुलाबराय	नवरस, सिद्धान्त और अध्ययन, काव्य के रूप
10. रामदहिन मिश्र	काव्य दर्पण
11. डॉ. नगेन्द्र	रस सिद्धान्त, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका
12. राममूर्ति त्रिपाठी	रस विमर्श
13. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	वाङ्मय विमर्श
14. आनन्द प्रकाश दीक्षित	रस सिद्धान्तस्वरूप विश्लेषण
15. सत्यदेव चौधरी	भारतीय काव्यशास्त्र
16. भागीरथ मिश्र	काव्यशास्त्र
17. गोविन्द त्रिगुणायत	शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धान्त

6. **पण्डितराज जगन्नाथ**—(17वीं शती)

इन्होंने अपने ग्रंथ 'रस गंगाधर' में काव्य की परिभाषा देते हुए कहा है—

रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्ः

अर्थात् रमणीय अर्थ का प्रतिपादन करने वाला शब्द ही काव्य है.

उक्त परिभाषाओं में से मम्मट की काव्य परिभाषा सटीक है तथा यह व्यापक भी है.

7. **चिंतामणि**—सगुन अलंकारन सहित
दोष रहित जो होई।
शब्द अर्थ वीरो कवित विवुध कहत सब कोई ॥

8. **कुलपति मिश्र**—

दोष रहित अरु गुन सहित कछुक अल्प अलंकार ।
सबद अरथ सो कवित है, ताको करो विचार ॥

9. **मैथ्यू अर्नल्ड**—Poetry at bottom is the criticise अर्थात् कविता मूलतः जीवन की आलोचना है.

10. **कालरिज**—Poetry is the best word in best order अर्थात् सर्वोत्तम शब्दों की सर्वोत्तम व्यवस्था ही कविता है.

काव्य हेतु

काव्य हेतु का अर्थ है—काव्य की उत्पत्ति का कारण. किसी व्यक्ति में काव्य रचना की सामर्थ्य उत्पन्न कर देने वाले कारण **काव्य हेतु** कहलाते हैं. काव्य हेतु का तात्पर्य उन साधनों से है जो किसी व्यक्ति में काव्य रचना की सामर्थ्य उत्पन्न करते हैं.

काव्य प्रयोजन-काव्य रचना से प्राप्त होने वाले लाभ हैं, जिन्हें ध्यान में रखकर कोई व्यक्ति काव्य रचना करता है, जबकि काव्य हेतु की स्थिति काव्य रचना से पहले की है. काव्य हेतु कवि को काव्य रचना में सक्षम बनाने वाले तत्व हैं.

काव्य के तीन हेतु हैं—(1) प्रतिभा, (2) अभ्यास, (3) व्युत्पत्ति.

दण्डी—नैसर्गिकी च प्रतिभा श्रुतं च
बहुनिर्मलम् ।
आनन्दाश्चभियोगो अस्माः कारणं काव्य सम्पदा ॥

अर्थात् नैसर्गिक प्रतिभा (ईश्वरदत्त प्रतिभा), निर्मलशास्त्र ज्ञान और पर्याप्त अभ्यास काव्य सम्पत्ति में कारण (हेतु) होते हैं.

वामन्—कवित्व बीज प्रतिभानं कवित्वस्य बीजम्

कविता का बीज (मूल हेतु) प्रतिभा है.

मम्मट—शक्ति र्निपुणता लोकशास्त्र
काव्याद्यवेक्षणात् ।
काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुस्तदुभवे ॥

शक्ति (प्रतिभा), लोकशास्त्र का अवेक्षण तथा अभ्यास काव्य के हेतु हैं.

केशव मिश्र—'प्रतिभा कारणं तस्य व्युत्पत्ति विभूषणं

अर्थात् प्रतिभा काव्य का कारण है और व्युत्पत्ति उसे विभूषित करती है.

हेमचन्द्र—प्रतिभाअस्य हेतुः प्रतिभानवनवोन्मेषशालिनी प्रज्ञा ।

नव नवोन्मेषशालिनी प्रज्ञा को प्रतिभा कहते हैं जो काव्य का हेतु है.

जगन्नाथ—तस्य च कारणं कविगता केवलं प्रतिभा.

काव्य हेतुओं का स्वरूप

प्रतिभा—शक्तिः कवित्व बीज रूपः संस्कार विशेषः । अर्थात् प्रतिभा (शक्ति) कवित्व का बीज रूप संस्कार विशेष है.

प्रतिभा काव्य का मूल हेतु है. वह ईश्वर प्रदत्त शक्ति है. कवि इसके बल पर ही नए-नए शब्दों, उपमानों, प्रतीकों, बिम्बों की योजना करता है. राजशेखर ने प्रतिभा के दो भेद किए हैं—कारयित्री (जो कवि में होती है), भावयित्री (जो भावक या पाठक में होती है).

व्युत्पत्ति—व्युत्पत्ति का अर्थ है—निपुणता या पाण्डित्य. यह शास्त्रों के अध्ययन और व्यवहार के अवेक्षण से प्राप्त होती है. छन्द, व्याकरण, कला, पद और पदार्थ के उचित-अनुचित विवेक को रुद्रट ने व्युत्पत्ति कहा है. राजशेखर के अनुसार—'उचितानुचित विवेको व्युत्पत्तिः अर्थात् उचित अनुचित का विवेक ही व्युत्पत्ति है. व्युत्पत्ति के दो भेद हैं—शास्त्रीय, तार्किक. लोक और शास्त्र का अध्ययन करने से कवि त्रुटियों से बचता है. वर्ण्य विषय का ज्ञान, ऋतु ज्ञान, देश ज्ञान, भौगोलिक जानकारी के बिना यदि कविता रची जाएगी, तो त्रुटिपूर्ण होने की सम्भावना है.

अभ्यास—'अभ्यासेहि कर्मसु कौशलम्' अर्थात् अभ्यास के द्वारा ही कवि कर्म में कुशलता आती है. कहा गया है—

करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।
रसरी आवत जात ते सिल पर परत निसान ॥

निष्कर्ष यह है कि ईश्वर प्रदत्त प्रतिभा काव्य का मूल हेतु है जो व्युत्पत्ति और अभ्यास से और भी निखरती है तथा श्रेष्ठ काव्य रचना का हेतु बनती है.

काव्य प्रयोजन

काव्य प्रयोजन का अर्थ है काव्य का उद्देश्य अर्थात् कविता किस प्रयोजन से कवि लिखता है और पाठक किस प्रयोजन से पढ़ता है ?

भामह—धर्मार्थ काममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च ।
करोति कीर्ति प्रीतिञ्च साधु काव्य निबंधनम ॥

अर्थात् धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति, कलाओं में निपुणता के साथ उत्तम काव्य से कीर्ति (यश) और प्रीति (आनन्द) की प्राप्ति होती है.

वामन्—काव्यं सद्द्रष्टा द्रष्टार्थ प्रीति कीर्ति हेतुत्वात् ।

प्रीति अर्थात् आनन्द प्राप्ति और कीर्ति अर्थात् यश प्राप्ति काव्य के प्रयोजन हैं.

मम्मट—

काव्यं यशसे अर्थकृते व्यवहारविदे शिवेतर क्षतये ।
सद्यः परिनिर्वृत्तये कान्तासम्मित तयोपदेशयुजे ।

काव्य के छः प्रयोजन हैं—

1. यश प्राप्ति, 2. अर्थ (धन) प्राप्ति, 3. व्यवहार ज्ञान, 4. शिवेतर क्षतये (अर्थात् अमंगल की शांति), 5. रसानुभूति द्वारा परमशांति (आनन्द), 6. कान्ता सम्मित उपदेश.

इनमें से चार प्रयोजन कवि के हैं—यश प्राप्ति, अर्थ प्राप्ति, अमंगल शांति, आनन्द प्राप्ति और चार प्रयोजन पाठक के हैं—1. व्यवहार ज्ञान, 2. अमंगल शांति, 3. रसानुभूति द्वारा आनन्द प्राप्ति और 4. कान्ता सम्मित उपदेश.

मम्मट के काव्य प्रयोजन व्यापक हैं.

तुलसी का काव्य प्रयोजन

(i) स्वान्तः सुखाय तुलसी रघुनाथ गाथा
(ii) कीरति भनिति भूतिभल सोई ।
सुरसरि सम सब कहँ हित होई ॥

अर्थात् 'वही यश, कविता और ऐश्वर्य अच्छा होता है जो गंगा के समान सबके लिए हितकारी हो.'

स्वान्तः सुख और लोकमंगल का विधान-तुलसी के ये दो काव्य प्रयोजन हैं.

रस निष्पत्ति

रस सिद्धान्त के प्रवर्तक भरतमुनि माने जाते हैं. उन्होंने अपने ग्रंथ नाट्यशास्त्र में रस सूत्र दिया—

विभावानुभाव व्यभिचारि संयोगाद्रस निष्पत्तिः

अर्थात् विभाव अनुभाव तथा व्यभिचारी भाव के (स्थायी भाव से) संयोग होने पर रस की निष्पत्ति होती है.

विभाव—भाव के उद्‌बोधक कारण विभाव कहे जाते हैं. ये दो प्रकार के होते हैं. आलम्बन विभाव, उद्दीपन विभाव.

अनुभाव—भाव का बोध कराने वाले कारण अनुभाव कहलाते हैं. ये चार प्रकार के होते हैं—1. कायिक, 2. वाचिक, 3. सात्विक, 4. आहार्य.

व्याभिचारी भाव—इन्हें संचारी भाव भी कहते हैं क्योंकि ये सभी रसों में संचरण करते हैं. इनकी संख्या 33 होती है.

स्थायी भाव—जो भाव हृदय में स्थायी रूप से सोई हुई अवस्था में रहते हैं और अनुकूल कारण पाकर उदबुद्ध हो जाते हैं वे स्थायी भाव कहे जाते हैं. इनकी संख्या 9 मानी गई है.

रस का नाम		**स्थायी भाव**
1. शृंगार	—	रति
2. वीर	—	उत्साह
3. रौद्र	—	क्रोध
4. वीभत्स	—	जुगुप्सा (घृणा)
5. अद्‌भुत	—	विस्मय
6. हास्य	—	हास
7. भयानक	—	भय
8. शान्त	—	निर्वेद
9. करुण	—	शोक

सन्तान विषयक रति से **वात्सल्य रस** और भगवद् विषयक रति से **भक्ति रस** की निष्पत्ति होती है, परन्तु रसों की संख्या 9 ही मानी गई है. भरत ने रसों की संख्या 8 मानी है. उनके अनुसार नाटक में 'निर्वेद' का अभिनय नहीं हो सकता अतः शान्त रस को वे रसों में नहीं गिनते.

रस सूत्र के व्याख्याता—रस सूत्र में आए दो शब्द-संयोग और निष्पत्ति की व्याख्या चार आचार्यों ने की है—

1. भट्टलोल्लट
2. आचार्य शंकुक
3. भट्ट नायक
4. आचार्य अभिनव गुप्त

भट्टलोल्लट—ये रस सूत्र के प्रथम व्याख्याता आचार्य हैं. इनका मत **आरोपवाद** या **उत्पत्तिवाद** कहलाता है. ये निष्पत्ति का अर्थ उत्पत्ति मानते हैं. यहाँ उत्पत्ति से तात्पर्य निर्मिति से है और संयोग का अर्थ संश्लिष्टि मानते हैं.

आचार्य शंकुक—ये रस सूत्र के द्वितीय व्याख्याता आचार्य हैं इन्होंने चित्र तुरंग न्याय की परिकल्पना की है. इनका मत **अनुमितिवाद** कहा जाता है. जैसे घोड़े के चित्र को देखकर हम कहते हैं कि यह घोड़ा है इसी प्रकार अभिनेता को देखकर हम कहते हैं कि ये राम हैं. अर्थात् अभिनेता (जो राम का रूप धारण किए है) में हम राम का अनुमान कर लेते हैं. इनके अनुसार—

संयोग का अर्थ है—अनुमाप्य-अनुमापक सम्बन्ध अर्थात् स्थायी भाव अनुमाप्य (अनुमान किए जाने योग्य) हैं और विभावादि अनुमापक (अर्थात् अनुमान कराने वाले कारण) हैं.

निष्पत्ति का अर्थ है—अनुमिति या अनुमान. रस की सत्ता ये भी लोल्लट के समान वस्तुगत मानते हैं.

भट्ट नायक का मत—रस सूत्र के तीसरे व्याख्याता भट्ट नायक हैं. इनका मत **'भुक्तिवाद'** कहलाता है, क्योंकि वे न तो रस की उत्पत्ति मानते हैं, न अनुमिति अपितु उनके अनुसार रस की भुक्ति होती है अर्थात् सामाजिक रस रूप में परिणत अपने ही स्थायी भाव का भोग करता है. रस निष्पत्ति की व्याख्या करते समय इन्होंने साधारणीकरण सिद्धान्त का आविष्कार किया. इनके अनुसार—

भावकत्वं साधारणीकरणं तेन हि व्यापारेण
विभावादय स्थायी च साधारणी क्रियन्ते ।

अर्थात् भावकत्व साधारणीकरण है जिससे विभावादि और स्थायी भाव आदि का साधारणीकरण हो जाता है.

उत्पत्ति और संयोग का अर्थ

भट्ट नायक ने **निष्पत्ति** का अर्थ **भुक्ति** और **संयोग** का अर्थ **भोज्य-भोजक** सम्बन्ध माना है.

अभिनव गुप्त का मत

अभिनव गुप्त रस सूत्र के चौथे व्याख्याता आचार्य हैं. इनका मत **अभिव्यक्तिवाद** कहलाता है. चित्त में वासना रूप से स्थित स्थायी भाव विभावादि के प्रभाव से रस रूप में उसी प्रकार व्यक्त हो जाते हैं जैसे–जल के छींटे देने पर मिट्टी में व्याप्त गंध व्यक्त हो उठती है.

अभिनव गुप्त ने रस को चर्वणा आनन्द रूप कहा है. उनकी व्याख्या से रस की वस्तुपरक सत्ता का सर्वथा लोप हो गया और रस की सत्ता **आत्मपरक** हो गई. विभावादि के प्रभाव से सहृदय के चित्त के रति आदि स्थायी भाव व्यक्त होकर व्यंजना के अलौकिक व्यापार से आस्वाद्य बन जाते हैं. उनका **आस्वाद** ही रस है. अभिनव गुप्त ध्वनिवादी आचार्य थे अतः उन्होंने रस को व्यंग्य माना है. वह व्यंजना व्यापार है. अभिनव गुप्त के अनुसार—

निष्पत्ति का अर्थ है—अभिव्यक्ति और **संयोग** का अर्थ है—व्यंग्य-व्यंजक सम्बन्ध.

इस सूत्र के व्याख्याता आचार्यों के मत को सारणी रूप में इस प्रकार व्यक्त कर सकते हैं—

क्र. स.	व्याख्याता आचार्य	मत	निष्पत्ति का अर्थ	संयोग का अर्थ
1.	भट्ट लोल्लट	उत्पत्तिवाद, आरोपवाद	उत्पत्ति	उत्पाद्य-उत्पादक सम्बन्ध
2.	आचार्य शंकुक	अनुमितिवाद	अनुमिति	अनुमाप्य-अनुमापक सम्बन्ध
3.	भट्ट नायक	भुक्तिवाद	भुक्ति	भोज्य-भोजक सम्बन्ध
4.	अभिनव गुप्त	अभिव्यक्तिवाद	अभिव्यक्ति	व्यंग्य-व्यंजक सम्बन्ध

साधारणीकरण

रस निष्पत्ति के तीसरे व्याख्याता आचार्य भट्टनायक साधारणीकरण सिद्धान्त के आविष्कर्ता हैं. साधारणीकरण का अर्थ है—सामान्यीकरण (Generalisation) काव्य का विषय जब विशिष्ट न रहकर सामान्य बन जाता है तब उसे साधारणीकरण कहते हैं. विभावादि का विशेषत्व समाप्त हो जाता है और वे सामान्य प्रतीत होने लगते हैं—यही साधारणीकरण है—

भट्ट नायक—भावकत्वं साधारणीकरणं तेन हि व्यापारेण विभावादयः स्थायी च साधारणी क्रियन्ते.

अर्थात् भावकत्व ही साधारणीकरण है. इस व्यापार से विभावादि और स्थायी भाव का साधारणीकरण हो जाता है. सीता आदि पात्रों का कामिनी आदि साधारण या सामान्य पात्र प्रतीत होना ही साधारणीकरण है.

अभिनव गुप्त—विभावादि के साथ ही स्थायी भाव का भी साधारणीकरण मानते हैं. साथ ही सहृदय सामाजिक की अनुभूति का भी साधारणीकरण हो जाता है.

आचार्य विश्वनाथ—

परस्य न परस्येति ममेति न ममेति च ।
तदास्वादे विभावादे परिच्छेदो न विद्यते ।

अर्थात् विभावादि का अपने-पराए की भावना से मुक्त हो जाना ही साधारणीकरण है. सहृदय सामाजिक का तादात्म्य काव्य में वर्णित आश्रय के साथ हो जाता है.

यदि यशोदा (आश्रय) कृष्ण के प्रति वात्सल्य का अनुभव करती है, तो दर्शक (सहृदय सामाजिक) का तादात्म्य भी उस दृश्य (लीला, नाटक, अभिनय) को देखकर यशोदा के साथ हो जाएगा और वह भी वात्सल्य का अनुभव करेगा. यही साधारणीकरण है.

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल—साधारणीकरण और व्यक्ति वैचित्र्यवाद (चिंतामणि भाग-1) नामक निबन्ध में शुक्लजी ने "आलम्बनत्व धर्म" का साधारणीकरण माना है.

श्यामसुन्दर दास—साधारणीकरण की व्याख्या में इन्होंने मधुमती भूमिका का सहारा लिया है. चित्त की दो दशाएं होती हैं—**वितर्क दशा** जिसमें वस्तु, वस्तु के सम्बन्ध, वस्तु के सम्बन्धी की अलग-अलग प्रतीति होती है, जबकि **निर्वितर्क दशा** में वस्तु की प्रतीति होती है, उसके सम्बन्ध और सम्बन्धी की नहीं. साधारणीकरण की तुलना चित्त की निर्वितर्क दशा से की जा सकती है. चित्त जब निर्वितर्क दशा (साधारणीकरण की दशा) में पहुँच जाता है, तब उसे कृष्ण की प्रतीति पुत्र के रूप में होगी. यह किसका पुत्र है, उससे इसका क्या सम्बन्ध है? इसकी प्रतीति नहीं होगी.

डॉ. नगेन्द्र—डॉ. नगेन्द्र कवि की अनुभूति का साधारणीकरण मानते हैं. रस निष्पत्ति में साधारणीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है.

भारतीय काव्य सिद्धान्त अथवा विभिन्न काव्य सम्प्रदाय

'काव्य की आत्मा' पर विचार करते हुए भारतीय आचार्यों ने जो सिद्धान्त प्रस्तुत किए वे काव्य सिद्धान्त या काव्य सम्प्रदाय कहलाए. काव्य सिद्धान्त के अनुयायी हो भी सकते हैं और नहीं भी, किन्तु काव्य सम्प्रदाय के लिए अनुयायी होने अनिवार्य हैं. प्रमुख सिद्धान्त, प्रवर्तक आचार्य और उनके प्रमुख ग्रंथों का विवरण इस प्रकार है—

	काव्य सिद्धान्त (सम्प्रदाय)	प्रवर्तक का नाम	प्रमुख ग्रंथ का नाम
1.	अलंकार सम्प्रदाय	भामह	काव्यालंकार
2.	रस सम्प्रदाय	भरतमुनि	नाट्यशास्त्र
3.	रीति सम्प्रदाय	वामन	काव्यालंकार सूत्रवृत्ति
4.	वक्रोक्ति सम्प्रदाय	कुन्तक	वक्रोक्ति जीवित
5.	ध्वनि सम्प्रदाय	आनन्दवर्द्धन	ध्वन्यालोक
6.	औचित्य सम्प्रदाय	क्षेमेन्द्र	औचित्य विचार चर्चा

रस और ध्वनि काव्य के आन्तरिक तत्व हैं, जबकि अलंकार आदि उसके आभूषण मात्र हैं जो उसे सजाने का काम करते हैं इसलिए बाह्य तत्व हैं. अतः रस को ही काव्य की आत्मा कहा गया है.

(1) अलंकार सम्प्रदाय

परिभाषा—अलम् करोति इति अलंकारः

भामह—'वक्राभिधेय शब्दोक्तिरिष्टा वाचामलंकृतिः'

दण्डी—'काव्यशोभाकरान् धर्मान् अलंकारान् प्रचक्षते ।'

वामन—'सौन्दर्यम् अलंकारः'

रुद्रट—'अभिधान प्रकार विशेष एवं चालंकारः'

विश्वनाथ—शब्दार्थ योरस्थिरा ये धर्माः शोभातिशयिनः

केशव—जदपि सुजाति सुलच्छनी सुवरन
सरस सुवृत्त ।
भूषन बिनु न बिराजई कविता बनिता मित्त ॥

(2) रीति सम्प्रदाय

1. **परिभाषा**—विशिष्ट पद रचना रीतिः

2. रीति सम्प्रदाय को गुण सम्प्रदाय भी कहते हैं.

3. वामन ने तीन रीतियों का उल्लेख किया—वैदर्भी, गौड़ी, पांचाली.

4. गुणों की संख्या 20 मानी गई है जिनमें दस अर्थगत हैं और दस ही शब्दगत. ये हैं—श्लेष, समता, प्रसाद, माधुर्य, समाधि, ओज, सौकुमार्य, अर्थव्यक्ति, उदारता, कान्ति. मम्मट तीन गुण ही मानते हैं—ओज, प्रसाद, माधुर्य.

5. कुन्तक ने रीति को मार्ग कहा—

(i) विचित्र मार्ग (गौड़ी रीति)

(ii) सुकुमार मार्ग (वैदर्भी रीति)

(iii) मध्यम मार्ग (पांचाली रीति).

6. मम्मट ने रीति को 'वृत्ति' कहा है. नियत वर्णों का रस विषयक व्यापार वृत्ति कहा जाता है. ये तीन वृत्तियाँ हैं—उपनागरिका वृत्ति, परुषा वृत्ति, कोमला वृत्ति.

7. विश्वनाथ ने रीति को 'पद संघटना' कहा है.

8. आनन्दवर्द्धन ने भी रीति को 'पद संघटना' कहा है.

9. रीति को गुण कहा जाता है—'काव्य शोभायाः कर्तारी धर्माः गुणाः'. काव्य के शोभाकारक धर्म गुण कहे जाते हैं.

10. ओजगुण का सम्बन्ध वीर रस से है.

11. माधुर्य गुण का सम्बन्ध शृंगार, करुण, शान्त रस से है.

12. प्रसाद गुण का सम्बन्ध सभी रसों से है.

13. पाश्चात्य काव्यशास्त्र में रीति को शैली तत्व (Style) कहा गया है.

14. वामन ने 'रीतिरात्मा काव्यस्य' कहकर रीति ने काव्य की आत्मा कहा है.

(3) वक्रोक्ति सम्प्रदाय

1. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक कुन्तक हैं. उनके ग्रंथ का नाम है—वक्रोक्ति जीवित.

2. **परिभाषा**—

भामह—'सैषा सर्वत्र वक्रोक्तिः'

वामन—सादृश्यात् लक्षणा वक्रोक्तिः

कुन्तक—'वक्रोक्तिः काव्य जीवितम्'

3. **भेद**—वक्रोक्ति के छः भेद हैं—वर्ण विन्यास वक्रता, पद पूर्वार्द्ध वक्रता, पद परार्द्धवक्रता, वाक्य वक्रता, प्रकरण वक्रता, प्रबन्ध वक्रता.

4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने पाश्चात्य **अभिव्यंजनावाद** को भारतीय **वक्रोक्ति सिद्धान्त** का विलायती उत्थान कहा है.

(4) ध्वनि सम्प्रदाय

1. ध्वनि सिद्धान्त के प्रवर्तक **आनन्दवर्द्धन** हैं. उन्होंने अपने ग्रंथ ध्वन्यालोक में लिखा है—"काव्यस्य आत्मा ध्वनिरितिः"

2. काव्य की तीन शब्द शक्तियाँ हैं—अभिधा, लक्षणा, व्यंजना. इनमें से व्यंजना का सम्बन्ध ध्वनि से है.

3. व्यंग्यार्थ को प्रतीयमान अर्थ भी कहते हैं. इसी का सम्बन्ध ध्वनि से है.

4. आनन्दवर्द्धन ने काव्य के तीन भेद किए—(i) ध्वनि काव्य, (ii)गुणीभूत व्यंग्य, (iii) चित्र काव्य.

5. जहाँ व्यंग्यार्थ वाच्यार्थ की तुलना में प्रमुख हो वहाँ ध्वनिकाव्य जहाँ वाच्यार्थ व्यंग्यार्थ की तुलना में प्रमुख हो वहाँ गुणीभूत व्यंग्य और जहाँ केवल वाच्यार्थ ही हो, व्यंग्यार्थ न हो वहाँ चित्रकाव्य माना जाता है.

6. आनन्दवर्द्धन, अभिनव गुप्त, मम्मट ध्वनिवादी आचार्य माने जाते हैं.

(5) रस सम्प्रदाय

1. रस सिद्धान्त के प्रवर्तक भरतमुनि हैं. उनके ग्रंथ का नाम नाट्यशास्त्र है.

2. भरतमुनि ने केवल 8 रस ही स्वीकार किए हैं. वे शान्त रस को रसों में नहीं मानते क्योंकि 'निर्वेद' (शान्त रस का स्थायी भाव) का अभिनय नहीं किया जा सकता.

3. भरतमुनि का रस सूत्र है—

"विभावानुभाव व्यभिचारी संयोगात् रस निष्पत्तिः"

4. नौ स्थायी भाव हैं और नौ ही रस हैं, किन्तु भरतमुनि ने आठ रस माने हैं.

5. रस सूत्र के चार व्याख्याता आचार्य हैं—भट्ट लोल्लट, आचार्य शंकुक, भट्ट नायक, अभिनव गुप्त.

6. भट्ट लोल्लट का मत उत्पत्तिवाद या आरोपवाद, आचार्य शंकुक का मत अनुमितिवाद, भट्ट नायक का मत भुक्तिवाद और अभिनव गुप्त का मत अभिव्यक्तिवाद कहा जाता है.

7. चित्रतुरंग न्याय आचार्य शंकुक ने दिया. घोड़े के चित्र को देखकर यह कहना कि यह घोड़ा है चित्रतुरंग न्याय है. उसी प्रकार रंगमंच पर अभिनय करने वाले अभिनेता को देखकर यह कहना कि यह 'राम' है चित्रतुरंग न्याय है.

8. भट्ट नायक ने साधारणीकरण सिद्धान्त दिया. साधारणीकरण के बिना रस निष्पत्ति नहीं हो सकती.

9. काव्य का आस्वाद ही रस है.

10. रस काव्य का आन्तरिक तत्व होने से काव्य की आत्मा है.

11. रस को ब्रह्मानन्द सहोदर कहा गया है.

12. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल दो प्रकार की रसानुभूति मानते हैं—उत्तम कोटि की रसानुभूति, मध्यम कोटि की रसानुभूति.

(6) औचित्य सम्प्रदाय

1. इसके प्रवर्तक आचार्य **क्षेमेन्द्र** हैं. औचित्य विचार चर्चा नामक ग्रंथ में वे लिखते हैं—औचित्य रस सिद्धस्य स्थिर काव्यस्य जीवितम्.

2. **औचित्य का अर्थ है**—सामंजस्य. रस इस सामंजस्य का नियामक है.

3. अनौचित्य ही रस भंग का मूल कारण है.

4. औचित्य के 28 भेद किए गए हैं.

5. क्षेमेन्द्र ने औचित्य को काव्य की आत्मा कहा है.

काव्य की आत्मा

काव्य का मूल तत्व (प्राण) क्या है? जिसके न होने पर काव्यत्व ही समाप्त हो जाएगा—इसका संधान करते हुए आचार्यों ने **काव्यात्मा** पर विचार किया. संस्कृत काव्यशास्त्र में विभिन्न काव्य सम्प्रदायों (काव्य सिद्धान्तों) का विकास काव्यात्मा की खोज करने से ही हुआ.

रसवादी आचार्य रस को, अलंकारवादी आचार्य अलंकार को, रीतिवादी रीति को, वक्रोक्तिवादी वक्रोक्ति को, ध्वनिवादी ध्वनि को और औचित्यवादी 'औचित्य' को काव्य की आत्मा मानते हैं.

वास्तविकता यह है कि 'काव्यात्मा' काव्य का आन्तरिक तत्व होता है. अलंकार, रीति, वक्रोक्ति आदि काव्य के बाह्य तत्व हैं, क्योंकि ये काव्य पुरुष की शोभा में वृद्धि करते हैं. औचित्य अपने में कोई तत्व नहीं है. वह तो सभी तत्वों के उचित सामंजस्य पर बल देता है. रस और ध्वनि ही काव्य के आन्तरिक तत्व हैं अतः इन्हें ही 'काव्य की आत्मा' के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए. रस की सत्ता 'व्यंजना' या व्यंग्य पर आधृत है. व्यंजना ध्वनि का व्यापार है अतः कुछ आचार्य 'रस-ध्वनि' को काव्य की आत्मा मानते हैं. अधिकांश विद्वानों का मत है कि कविता का प्राण तत्व **रस** है अतः रस ही काव्य की आत्मा है. कविता को पढ़ने या सुनने से जो आनन्द प्राप्त होता है उसे ही **'रस'** कहा जाता है.

ऐसी स्थिति में काव्य का प्राण तत्व रस को ही स्वीकार किया जाएगा.

इस सम्बन्ध में जो मत हैं उनमें निम्नलिखित महत्वपूर्ण हैं—

1. **'रीतिरात्मा काव्यस्य'**—वामन—काव्यालंकार सूत्रवृत्ति 'काव्य की आत्मा' का प्रश्न इन्होंने ही सर्वप्रथम उठाया.

2. **'वक्रोक्ति काव्य जीवितम'**—कुन्तक—वक्रोक्ति जीवित नामक ग्रंथ में यह कथन कुन्तक ने किया है.

3. **काव्यस्य आत्मा ध्वनिरितिः**—आनन्दवर्द्धन ने यह कथन ध्वन्यालोक में किया है.

हिन्दी आलोचना

आलोचना का अर्थ—आलोचना को समालोचना, समीक्षा भी कहा जाता है. आलोचना का अर्थ है—कृति के गुण-दोष को उजागर करना. किसी साहित्यिक रचना की सम्यक परीक्षा करना ही समीक्षा या आलोचना है.

आलोचना वह कसौटी है जिसकी सहायता से रचना का मूल्यांकन किया जाता है. कृति की विशेषताओं को आलोचना ही उजागर करती है. आलोचना रचना की व्याख्या भी करती है और कृतिकार के उद्देश्य को स्पष्ट करती है.

आलोचना के भेद—

(i) शास्त्रीय आलोचना
(ii) निर्णयात्मक आलोचना
(iii) ऐतिहासिक आलोचना
(iv) सैद्धान्तिक आलोचना
(v) मनोवैज्ञानिक आलोचना
(vi) प्रभाववादी आलोचना
(vii) प्रगतिवादी आलोचना
(viii) व्याख्यात्मक आलोचना
(ix) तुलनात्मक आलोचना

हिन्दी के प्रमुख आलोचक

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना सम्बन्धी दृष्टि उनके निबन्ध संकलनों चिंतामणि, रस मीमांसा के साथ-साथ सूर, तुलसी और जायसी पर लिखी आलोचनात्मक भूमिकाओं एवं हिन्दी साहित्य के इतिहास में उपलब्ध होती है. महत्वपूर्ण तथ्य इस प्रकार हैं—

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल रसवादी आलोचक हैं और कविता में रस को सर्वाधिक महत्व देते हैं.

(2) मुक्तक काव्य एक ऐसा चुना हुआ गुलदस्ता है जिसके प्रत्येक छंद में रस वर्षण की क्षमता होती है. भाषा की समास शक्ति एवं कल्पना की समाहार शक्ति के बल पर ही बिहारी मुक्तक रचना में सफल हुए हैं.

(3) शुक्लजी 'लोकमंगल' को अपनी आलोचना का केन्द्र मानते हैं. कविता हमें स्वार्थ के संकुचित घेरे से मुक्त कर उस भाव भूमि पर प्रतिष्ठित करती है जिसे लोक सामान्य भाव भूमि कहा जाता है.

(4) शुक्लजी तुलसी को पैमाना बनाकर अन्य कवियों को मापने का प्रयास करते हैं, क्योंकि तुलसी का सम्पूर्ण काव्य लोकमंगल की भावना से ओतप्रोत है.

(5) शुक्लजी नैतिक मूल्यों एवं मानव मूल्यों के पक्षधर समालोचक हैं. जिस रीतिकालीन काव्य का लोकमंगल से कोई सरोकार न था उसे वे उच्च कोटि की कविता नहीं मानते.

(6) शुक्लजी की मान्यता है कि कविता केवल अर्थ ग्रहण नहीं कराती बिम्ब ग्रहण कराती है.

(7) शुक्लजी की आलोचना पद्धति में रस दृष्टि एवं लोकमंगल का अद्‌भुत समन्वय है.

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी (1906–68 ई.)

आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी सौष्ठववादी आलोचक हैं. वे छायावाद को प्रतिष्ठित करने वाले आलोचक थे और सरस्वती, सुधा एवं प्रभा में छपी छायावादी कवियों की आलोचना का सटीक उत्तर देने के लिए प्रसिद्ध रहे. उन्होंने 1931 ई. में प्रसाद, पंत और निराला के काव्य की विशेषताओं का उद्‌घाटन करते हुए उन्हें 'छायावादी वृहत्रयी' के रूप में प्रतिष्ठित किया.

नन्ददुलारे वाजपेयी की कृतियाँ हैं—1. हिन्दी साहित्य– बीसवीं सदी, 2. आधुनिक साहित्य, 3. नया साहित्य–नए प्रश्न, 4. जयशंकर प्रसाद, 5. कवि निराला.

वाजपेयीजी ने शुद्ध सौन्दर्यवादी दृष्टि से छायावादी काव्य की समीक्षा की इसलिए वे सौष्ठववादी आलोचक कहे जाने लगे. उन्होंने छायावादी काव्य में सौन्दर्य के विविध उपादानों का संघान किया तथा भावों और भाषा की एकरूपता को उद्‌घाटित किया.

वाजपेयीजी की समीक्षा पद्धति शुक्लजी की समीक्षा पद्धति से भिन्न है. उनकी आलोचना पद्धति की प्रमुख विशेषताएं हैं—

1. छायावादी काव्य के सौन्दर्य का उद्‌घाटन करना.

2. छायावादी काव्य का समर्थन तथा उसके विरोधियों का तर्कपूर्ण खण्डन.

3. रसवादी समीक्षक हैं.

4. आत्मानुभव एवं आत्माभिव्यक्ति को काव्य के लिए महत्वपूर्ण मानते हैं.

5. उनकी समीक्षा के दो प्रतिमान हैं—भावात्मक निष्पत्ति और रूपात्मक सौन्दर्य का विश्लेषण.

6. संवेदनाएं जीवन से जुड़ी होती हैं, इसलिए वे महत्वपूर्ण होती हैं—यही उनका मत है.

7. नवीन संवेदनाएं, नवीन भाव नवीन भाषा की माँग करते हैं.

8. छायावादी सौन्दर्य को उद्‌घाटित करने वाले समीक्षक होने से उन्हें सौष्ठववादी समीक्षक कहा गया है.

डॉ. रामविलास शर्मा

1. डॉ. रामविलास शर्मा मार्क्सवादी अर्थात् प्रगतिवादी समीक्षक हैं.

2. डॉ. रामविलास शर्मा की प्रमुख आलोचनात्मक कृतियाँ हैं—निराला की साहित्य साधना, प्रगति और परम्परा, प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं, आस्था और सौन्दर्य, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण, भाषा और समाज, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, मार्क्सवाद और प्राचीन साहित्य का मूल्यांकन, मार्क्स और पिछड़े हुए समाज, नई कविता और अस्तित्ववाद.

3. प्रेमचन्द, भारतेन्दु पर भी उन्होंने समीक्षात्मक कृतियाँ लिखी हैं.

4. भाषा एक हथियार है जिससे हम प्रतिगामी शक्ति पर प्रहार कर सकते हैं.

5. उनकी प्रारम्भिक आलोचनाओं में युवा आक्रोश और अक्खड़पन दिखाई देता है.

6. उनकी परवर्ती आलोचनात्मक कृतियाँ संतुलित, संयत एवं विवेकपूर्ण हैं.

7. निराला को कवि रूप में स्थापित करने का श्रेय रामविलास शर्मा की आलोचना को है.

8. वर्ग संघर्ष को उन्होंने अपनी आलोचना में स्थान दिया है.

हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी कृतियाँ

1. **रामचन्द्र शुक्ल**—चिंतामणि (दो भाग), रस मीमांसा, त्रिवेदी हिन्दी साहित्य का इतिहास.

2. **नन्ददुलारे वाजपेयी**—हिन्दी साहित्य—बीसवीं सदी, आधुनिक साहित्य, प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, महाकवि सूरदास, नया साहित्य नए प्रश्न, राष्ट्रभाषा की समस्या.

3. **हजारी प्रसाद द्विवेदी**—हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी साहित्य का आदिकाल नाथ सम्प्रदाय, कबीर, सूर साहित्य, हिन्दी साहित्य, मध्यकालीन बोध का स्वरूप.

4. **डॉ. नगेन्द्र**—रस सिद्धान्त, रीति काव्य की भूमिका, देव और उनकी कविता,

आधुनिक हिन्दी नाटक, विचार और अनुभूति, नई समीक्षा—नए सन्दर्भ, भारतीय सौन्दर्य-शास्त्र की भूमिका, पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, शैली विज्ञान.

5. **डॉ. रामविलास शर्मा**—प्रगतिशील साहित्य की समस्याएं, प्रगति और परम्परा, प्रेमचन्द और उनका युग, भाषा और समाज, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना, नई कविता और अस्तित्ववाद मार्क्स और पिछड़े हुए समाज, भाषा साहित्य और संस्कृति, आस्था और सौन्दर्य.

6. **डॉ. नामवर सिंह**—कहानी और नई कहानी, छायावाद, कविता के नए प्रतिमान, दूसरी परम्परा की खोज, इतिहास और आलोचना, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ.

7. **लक्ष्मीनारायण सुधांशु**—काव्य में अभिव्यंजनावाद, जीवन के तत्व और काव्य सिद्धान्त.

8. **डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी**—नवलेखन, भाषा और संवेदना.

9. **रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव**—शैली विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका.

10. **लक्ष्मीकान्त वर्मा**—नई कविता के प्रतिमान, नए प्रतिमान-पुराने निकष.

हिन्दी की आधुनिक समीक्षा विविध प्रकार से समृद्ध हो रही है जिसमें पत्रिकाओं का विशेष योगदान है.

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. रस सूत्र के प्रणेता हैं—
(A) भरत मुनि (B) मम्मट
(C) अभिनव गुप्त (D) डॉ. नगेन्द्र

2. इनमें से रस सूत्र कौनसा है ?
(A) रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यं
(B) वाक्यं रसात्मकं काव्यम्
(C) विभावानुभाव व्यभिचारी संयोगाद्रस निष्पत्तिः
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. भरत मुनि के ग्रंथ का नाम है—
(A) काव्य प्रकाश
(B) नाट्यशास्त्र
(C) काव्य मीमांसा
(D) अलंकार भ्रम भंजन

4. दण्डी को आप कैसा आचार्य मानते हैं ?
(A) अलंकारवादी
(B) रसवादी
(C) रीतिवादी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. चंद्रालोक के रचयिता का नाम है—
(A) मम्मट
(B) जयदेव
(C) अभिनव गुप्त
(D) पण्डित राज जगन्नाथ

6. ध्वन्यालोक किसकी कृति है ?
(A) धनंजय (B) अभिनव गुप्त
(C) आनन्दवर्द्धन (D) राजशेखर

7. इनमें से धनंजय की कृति है—
(A) काव्यदर्पण (B) दशावतार
(C) दशरूपक (D) काव्यालंकार

8. रीति सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य हैं—
(A) वामन (B) कुन्तक
(C) धनंजय (D) मम्मट

9. अलंकार सम्प्रदाय का प्रवर्तन किस आचार्य ने किया ?
(A) भामह (B) दण्डी
(C) मम्मट (D) अभिनव गुप्त

10. मम्मट के ग्रंथ का क्या नाम है ?
(A) नाट्यशास्त्र
(B) काव्यालंकार
(C) काव्यालंकार सूत्रवृत्ति
(D) रस गंगाधर

11. काल के आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
(A) मम्मट, दण्डी, भामह, भरत मुनि
(B) भरत मुनि, भामह, दण्डी, मम्मट
(C) दण्डी, भामह, मम्मट, भरत मुनि
(D) भामह, दण्डी, भरत मुनि, मम्मट

12. इनमें से कौन रसवादी आचार्य हैं ?
(A) भरत मुनि (B) वामन
(C) कुन्तक (D) आनन्दवर्द्धन

13. इनमें रस निष्पत्ति का व्याख्याता आचार्य कौन नहीं है ?
(A) भट्ट नायक (B) महिम भट्ट
(C) भट्ट लोल्लट (D) आचार्य शंकुक

14. अलंकार सम्प्रदाय का प्रवर्तक किसे माना जाता है ?
(A) भरत मुनि को (B) भामह को
(C) दण्डी को (D) मम्मट को

15. 'शरीरंतावादिष्टार्थ व्यवच्छिन्ना पदावली' काव्य की यह परिभाषा किस आचार्य ने दी है ?
(A) भामह ने (B) वामन ने
(C) दण्डी ने (D) रुद्रट ने

16. 'तददोषौ शब्दार्थो सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि' काव्य की यह परिभाषा किस आचार्य ने दी है ?
(A) मम्मट ने
(B) विश्वनाथ ने
(C) पण्डितराज जगन्नाथ ने
(D) दण्डी ने

17. 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' काव्य की यह परिभाषा दी है—
(A) दण्डी ने
(B) विश्वनाथ ने
(C) पण्डितराज जगन्नाथ ने
(D) अभिनव गुप्त ने

18. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' यह कथन किस आचार्य का है ?
(A) दण्डी का (B) वामन का
(C) कुन्तक का (D) मम्मट का

19. रीति को 'वृत्ति' किस आचार्य ने कहा है?
(A) वामन ने (B) कुन्तक ने
(C) मम्मट ने (D) आनन्दवर्द्धन ने

20. इनमें से कौनसा तत्व काव्य हेतु नहीं है?
(A) प्रतिभा (B) अभ्यास
(C) व्युत्पत्ति (D) अलंकार

21. आचार्य दण्डी ने मूल काव्य हेतु माना है—
(A) प्रतिभा
(B) अभ्यास
(C) व्युत्पत्ति
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. प्रतिभा को शक्ति कहा है—
(A) दण्डी ने (B) मम्मट ने
(C) राजशेखर ने (D) विश्वनाथ ने

23. वह कौनसा काव्य हेतु है जिसके अभाव में काव्य रचना सम्भव नहीं है ?
(A) प्रतिभा
(B) अभ्यास
(C) व्युत्पत्ति
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. आचार्य मम्मट ने कितने काव्य प्रयोजन बताए हैं ?
(A) चार (B) पाँच
(C) छह (D) सात

25. सकलमौलिभूत प्रयोजन कौनसा है ?
(A) कान्तासम्मित उपदेश
(B) शिवेतरक्षतये
(C) सद्यः परिनिर्वृत्तए
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

26. रस सूत्र में निष्पत्ति की व्याख्या भुक्तिवाद के रूप में किसने की है ?
(A) शंकुक (B) भट्ट नायक
(C) अभिनव गुप्त (D) भट्ट लोल्लट

27. साधारणीकरण सिद्धान्त का उल्लेख सर्वप्रथम किस आचार्य ने किया ?
(A) भट्ट नायक
(B) आचार्य विश्वनाथ
(C) अभिनव गुप्त
(D) रामचन्द्र शुक्ल

28. 'ध्वन्यालोक' के रचयिता हैं—
(A) आनन्दवर्द्धन (B) दण्डी
(C) राजशेखर (D) मम्मट

29. 'ध्वन्यालोकलोचन' के रचयिता हैं—
(A) आनन्दवर्द्धन (B) अभिनव गुप्त
(C) कुन्तक (D) वामन

30. इन ग्रंथों को रचनाकाल के आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
(A) काव्य प्रकाश, नाट्यशास्त्र, रस गंगाधर, काव्यादर्श
(B) रस गंगाधर, नाट्यशास्त्र, काव्य प्रकाश, काव्यादर्श
(C) नाट्यशास्त्र, काव्यादर्श, काव्य प्रकाश, रस गंगाधर
(D) काव्यादर्श, नाट्यशास्त्र, काव्य प्रकाश, रस गंगाधर

31. तुलसीदास का प्रमुख काव्य प्रयोजन है—
(A) यश प्राप्ति
(B) धन प्राप्ति
(C) लोक मंगल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

32. रीति को 'पद संघटना' इनमें से किसने कहा है ?
(A) वामन ने
(B) मम्मट ने
(C) आनन्दवर्द्धन ने
(D) रुद्रट ने

33. रस ध्वनि को काव्य की आत्मा माना है—
(A) मम्मट ने
(B) आनन्दवर्द्धन ने
(C) अभिनव गुप्त ने
(D) भामह ने

34. 'विशिष्ट पद रचना रीतिः' किस आचार्य का कथन है ?
(A) मम्मट (B) अभिनव गुप्त
(C) धनंजय (D) वामन

35. 'सैषा सर्वत्र वक्रोक्तिः' यह किस आचार्य का कथन है?
(A) भामह का (B) दण्डी का
(C) वामन का (D) कुन्तक का

36. दण्डी किस सम्प्रदाय के आचार्य हैं ?
(A) रीति (B) अलंकार
(C) रस (D) ध्वनि

37. आचार्य जयदेव किस सम्प्रदाय के समर्थक आचार्य हैं ?
(A) वक्रोक्ति (B) रस
(C) ध्वनि (D) अलंकार

38. 'काव्यस्य आत्मा ध्वनिरितिः' किस आचार्य का कथन है ?
(A) आनन्दवर्द्धन (B) अभिनव गुप्त
(C) कुन्तक (D) मम्मट

39. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्' यह कथन किस आचार्य का है ?
(A) मम्मट
(B) दण्डी
(C) आचार्य विश्वनाथ
(D) पण्डितराज जगन्नाथ

40. 'रमणीयार्थ प्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' यह कथन किसका है ?
(A) भामह
(B) दण्डी
(C) विश्वनाथ
(D) पण्डितराज जगन्नाथ

41. 'रस गंगाधर' किसकी कृति है ?
(A) आचार्य विश्वनाथ
(B) पण्डितराज जगन्नाथ
(C) मम्मट
(D) भामह

42. इनमें से अलंकार सम्प्रदाय का प्रवर्तन किस आचार्य ने किया ?
(A) भरत मुनि (B) भामह
(C) दण्डी (D) केशव दास

43. पण्डितराज जगन्नाथ के ग्रंथ का नाम है–
(A) साहित्य दर्पण (B) रस गंगाधर
(C) काव्यादर्श (D) नाट्यशास्त्र

44. वक्रोक्ति सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य है–
(A) मम्मट (B) आनंदवर्द्धन
(C) कुन्तक (D) वामन

45. मधुमती भूमिका का उल्लेख किस आलोचक ने साधारणीकरण की व्याख्या करते समय किया ?
(A) रामचन्द्र शुक्ल ने
(B) श्यामसुन्दर दास ने
(C) डॉ. नगेन्द्र ने
(D) भट्ट नायक ने

46. उत्तम कोटि की रसानुभूति में सामाजिक का तादात्म्य होता है—
(A) आश्रय के साथ
(B) अनुकार्य के साथ
(C) कवि की अनुभूति के साथ
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

47. नाट्यशास्त्र को क्या संज्ञा दी गई है ?
(A) पंचम वेद
(B) साहित्यकोश
(C) नाट्यकोश
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

48. रस का अर्थ क्या है ?
(A) स्वाद
(B) काव्यानन्द
(C) आस्वाद
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

49. रस रूप में क्या परिणित होता है ?
(A) स्थायी भाव (B) विभाव
(C) अनुभाव (D) संचारी भाव

50. स्थायी भावों की संख्या कितनी है ?
(A) 10 (B) 11
(C) 9 (D) 8

51. सौन्दर्यमलंकारः किस कवि का कथन है ?
(A) भामह (B) रुद्रट
(C) वामन (D) दण्डी

52. आचार्य कुन्तक ने रीति को क्या नाम दिया है ?
(A) वृत्ति (B) मार्ग
(C) पद संघटना (D) शैली

53. वीर रस प्रधान रचना में होता है—
(A) ओज गुण
(B) माधुर्य गुण
(C) प्रसाद गुण
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

54. पांचाली रीति को मम्मट ने कहा है—
(A) उपनागरिका वृत्ति
(B) परुषा वृत्ति
(C) कोमला वृत्ति
(D) सौकुमार्य

55. आचार्य आनन्दवर्द्धन ने काव्य के कितने भेद किए हैं ?
(A) तीन (B) चार
(C) दो (D) पाँच

56. रस निष्पत्ति के सम्बन्ध में साधारणीकरण की स्थापना सर्वप्रथम किस आचार्य ने की ?
(A) डॉ. नगेन्द्र (B) भट्ट नायक
(C) रामचन्द्र शुक्ल (D) अभिनव गुप्त

57. इनमें से 'व्युत्पत्ति' नामक काव्य हेतु का क्या अर्थ है ?
(A) शास्त्र ज्ञान (B) निपुणता
(C) पाण्डित्य (D) ये सभी

58. 'चित्रतुरंग न्याय' का उल्लेख किस आचार्य ने किया है ?
(A) भट्ट लोल्लट (B) भरत मुनि
(C) आचार्य शंकुक (D) भट्ट नायक

59. केशव दास को आप किस वर्ग में रखेंगे ?
(A) अलंकारवादी (B) रीतिवादी
(C) ध्वनिवादी (D) रसवादी

60. इनमें से केशव का काव्यशास्त्रीय ग्रंथ कौनसा है ?
(A) कविप्रिया (B) रसिकप्रिया
(C) छन्दमाला (D) ये सभी

61. 'भावविलास' के रचयिता हैं—
(A) नन्ददास (B) ग्वाल कवि
(C) देव (D) केशव

62. कविप्रिया के रचयिता हैं–
(A) बलदेव उपाध्याय
(B) मतिराम
(C) केशव
(D) देवकवि

63. इन रचनाओं को काल के आरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
(A) चिन्तामणि, कविप्रिया, पद्माभरण, रस सिद्धान्त
(B) कविप्रिया, पद्माभरण, चिन्तामणि, रस सिद्धान्त
(C) रस सिद्धान्त, कविप्रिया, चिन्तामणि, पद्माभरण
(D) पद्माभरण, कविप्रिया, रस सिद्धान्त, चिन्तामणि

64. 'रस विमर्श' नामक हिन्दी काव्य शास्त्रीय ग्रंथ के रचयिता हैं—
(A) रामचन्द्र शुक्ल
(B) राममूर्ति त्रिपाठी
(C) सत्यदेव चौधरी
(D) बलदेव उपाध्याय

65. 'रस कलश' किस हिन्दी कवि का लिखा काव्य शास्त्रीय ग्रंथ है ?
(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(B) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
(C) सुमित्रानन्दन पंत
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

66. साधारणीकरण की तुलना मधुमती भूमिका में पहुँचे चित्त की निर्वितर्क दशा से किसने की है ?
(A) डॉ. नगेन्द्र ने
(B) बाबू श्यामसुन्दर दास ने
(C) गोविन्द त्रिगुणायत ने
(D) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने

67. 'रस राज' नामक रीतिकालीन लक्षण ग्रंथ लिखा है—
(A) चिन्तामणि त्रिपाठी ने
(B) जसवंतसिंह ने
(C) मतिराम ने
(D) ग्वाल कवि ने

68. ग्वाल कवि का काव्यशास्त्रीय ग्रंथ है—
(A) रसिकानंद
(B) अलंकार भ्रम निवारण
(C) भाव विलास
(D) साहित्य दर्पण

69. सूरदास के किस ग्रंथ में 'रीति' विवेचन है ?
(A) सूरसागर
(B) भ्रमर गीतसार
(C) साहित्य लहरी
(D) सूरसारावली

70. 'सिद्धान्त और अध्ययन' के रचयिता हैं—
(A) गोविन्द त्रिगुणायत
(B) बाबू गुलाबराय
(C) कन्हैयालाल पोद्दार
(D) लाला भगवानदीन

71. इनमें से काव्य हेतु कौनसा तत्व नहीं है ?
(A) प्रतिमा (B) अभ्यास
(C) शिवेतर क्षतये (D) व्युत्पत्ति

72. अलंकार को 'काव्य' का अनिवार्य तत्व नहीं जाना है—
(A) मम्मट ने (B) भामह ने
(C) दण्डी ने (D) केशव ने

73. सौष्ठववादी आलोचक हैं—
(A) रामविलास शर्मा
(B) नन्ददुलारे वाजपेयी
(C) रामचन्द्र शुक्ल
(D) डॉ. नामवर सिंह

74. 'दूसरी परम्परा की खोज' नामक आलोचनात्मक कृति के लेखक हैं—
(A) डॉ. नामवर सिंह
(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(C) परमानंद श्रीवास्तव
(D) सत्यदेव मिश्र

75. वीर रस का स्थायी भाव क्या है ?
(A) रति (B) जुगुप्सा
(C) उत्साह (D) भय

76. रस निष्पत्ति की व्याख्या में 'भुक्तिवाद' किस आचार्य का मत कहा जाता है ?
(A) भट्ट नायक
(B) अभिनव गुप्त
(C) आचार्य शंकुक
(D) भट्ट लोल्लट

77. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल किस प्रकार के आलोचक हैं ?
(A) सौष्ठववादी
(B) रसवादी
(C) अलंकारवादी
(D) ये सभी

78. "हृदय की इसी मुक्ति साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द विधान करती आई है, उसे कविता कहते हैं." यह परिभाषा दी है—
(A) रामचन्द्र शुक्ल ने
(B) नन्ददुलारे वाजपेयी ने
(C) डॉ. नगेन्द्र ने
(D) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने

79. इनमें से प्रगतिवादी समीक्षक हैं—
(A) शिवदान सिंह चौहान
(B) रामविलास शर्मा
(C) डॉ. नामवर सिंह
(D) उपर्युक्त सभी

80. 'आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण' किसकी आलोचनात्मक कृति है ?
(A) रामचन्द्र शुक्ल की
(B) मैथिलीशरण गुप्त की
(C) डॉ. रामविलास शर्मा की
(D) प्रेमचन्द की

81. ध्वनि किस शब्द शक्ति पर आधृत है ?
(A) अभिधा (B) लक्षणा
(C) व्यंजना (D) तात्पर्य

82. प्रतीयमान अर्थ की सत्ता आधृत है—
(A) व्यंग्यार्थ पर
(B) लक्ष्यार्थ पर
(C) वाच्यार्थ पर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

83. 'अनुमितिवाद' का सम्बन्ध है—
(A) भट्ट लोल्लट से
(B) आचार्य शंकुक से
(C) मम्मट से
(D) आचार्य विश्वनाथ से

84. काव्य की सत्ता शब्द में मानने वाले कौनसे आचार्य हैं ?
(A) मम्मट
(B) भामह
(C) विश्वनाथ
(D) पण्डितराज जगन्नाथ

85. 'रस निष्पत्ति' में निष्पत्ति का अर्थ उत्पत्ति किस आचार्य ने माना है ?
(A) लोल्लट (B) शंकुक
(C) भट्ट नायक (D) अभिनव गुप्त

86. 'रस निष्पत्ति' में निष्पत्ति का अर्थ अभिव्यक्ति किस आचार्य ने माना है ?
(A) भट्ट लोल्लट (B) अभिनव गुप्त
(C) शंकुक (D) भट्ट नायक

87. 'दशरूपक' के रचयिता कौन हैं ?
(A) धनंजय (B) आनन्द वर्द्धन
(C) क्षेमेन्द्र (D) अभिनव गुप्त

88. आलोचना का अर्थ है—
(A) कृति के दोष दर्शन
(B) गुण-दोषों का विवेचन
(C) रचना का मूल्यांकन
(D) रचना के सम्बन्ध में निर्णय देना

89. इनमें से कौनसा आलोचना का भेद है ?
(A) सैद्धांतिक आलोचना
(B) निर्णयात्मक आलोचना
(C) प्रगतिवादी आलोचना
(D) उपर्युक्त सभी

90. "मुक्तक काव्य ऐसा चुना हुआ गुलदस्ता है जिसके प्रत्येक छंद में रसवर्षण की क्षमता होती है" यह कथन है —
(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का
(B) हजारी प्रसाद द्विवेदी का
(C) रामविलास शर्मा का
(D) लाला भगवानदीन का

91. 'स्वान्तः सुखाय' को किसने काव्य प्रयोजन स्वीकार किया है ?
(A) सूरदास ने (B) कबीरदास ने
(C) जायसी ने (D) तुलसीदास ने

92. लोकमंगल को काव्य प्रयोजन मानने वाले कवि हैं—
(A) तुलसी (B) बिहारी
(C) केशव (D) मतिराम

93. 'व्यक्ति विवेक' की रचना किसने की है ?
(A) क्षेमेन्द्र (B) महिम भट्ट
(C) धनंजय (D) आनन्दवर्द्धन

94. आचार्य आनन्दवर्द्धन ने किस लक्षण ग्रंथ की रचना की है ?
(A) ध्वन्यालोक
(B) दशरूपक
(C) कुवलयानन्द
(D) चन्द्रालोक

95. इनमें से किसे रीति सम्प्रदाय का प्रवर्तक माना गया है ?
(A) कुन्तक (B) वामन
(C) जगन्नाथ (D) विश्वनाथ

96. साधारणीकरण सिद्धान्त के जन्मदाता हैं–
(A) दण्डी
(B) भट्ट लोल्लट
(C) भट्ट नायक
(D) आचार्य विश्वनाथ

97. संचारी भावों की संख्या मानी जाती है–
(A) 33 (B) 36
(C) 30 (D) 32

98. इनमें से कौनसा सात्विक अनुभाव नहीं है ?
(A) कम्प (B) स्वेद
(C) हर्ष (D) रोमांच

99. व्यक्ति विवेक के रचयिता आचार्य हैं–
(A) क्षेमेन्द्र (B) दण्डी
(C) महिम भट्ट (D) अप्पय दीक्षित

100. औचित्य सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य हैं–
(A) क्षेमेन्द्र (B) अप्पय दीक्षित
(C) राजशेखर (D) महिम भट्ट

उत्तरमाला

1. (A) 2. (C) 3. (B) 4. (A) 5. (B)
6. (C) 7. (C) 8. (A) 9. (A) 10. (B)
11. (B) 12. (A) 13. (B) 14. (B) 15. (C)
16. (A) 17. (C) 18. (B) 19. (C) 20. (D)
21. (A) 22. (B) 23. (A) 24. (C) 25. (C)
26. (B) 27. (A) 28. (A) 29. (B) 30. (C)
31. (C) 32. (C) 33. (C) 34. (D) 35. (D)
36. (B) 37. (D) 38. (A) 39. (C) 40. (D)
41. (B) 42. (B) 43. (A) 44. (C) 45. (B)
46. (A) 47. (A) 48. (B) 49. (A) 50. (C)
51. (B) 52. (B) 53. (A) 54. (A) 55. (A)
56. (B) 57. (D) 58. (C) 59. (A) 60. (D)
61. (C) 62. (C) 63. (B) 64. (B) 65. (A)
66. (B) 67. (C) 68. (A) 69. (C) 70. (B)
71. (C) 72. (A) 73. (B) 74. (A) 75. (C)
76. (A) 77. (B) 78. (A) 79. (D) 80. (C)
81. (C) 82. (A) 83. (B) 84. (D) 85. (A)
86. (B) 87. (A) 88. (B) 89. (D) 90. (A)
91. (D) 92. (A) 93. (B) 94. (A) 95. (B)
96. (C) 97. (A) 98. (C) 99. (C) 100. (A)

●●●

कार्यालयी-पत्र

सामान्यतः पत्र दो प्रकार के होते हैं– वैयक्तिक-पत्र, निर्वैयक्तिक-पत्र. निर्वैयक्तिक-पत्र औपचारिक (Formal) होते हैं और एक निश्चित प्रारूप में लिखे जाते हैं, जबकि वैयक्तिक-पत्र अनौपचारिक (Informal) होते हैं.

निर्वैयक्तिक पत्रों के अन्तर्गत निम्न-लिखित प्रकार के पत्र आते हैं–

1. कार्यालयी-पत्र
2. वाणिज्यिक या व्यावसायिक-पत्र
3. सम्पादक के नाम पत्र
4. शिकायती-पत्र

कार्यालयी-पत्र

सरकारी कामकाज के लिए लिखे जाने वाले वे पत्र जो अपने निश्चित प्रारूप (Form) में लिखे जाते हैं कार्यालयी-पत्र कहे जाते हैं. ये प्रायः एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय को सरकारी कामकाज के सिलसिले में लिखे जाते हैं. विषयवस्तु एवं प्रारूप की भिन्नता को दृष्टिगत रखकर कार्यालयी-पत्रों के अनेक भेद बताए गए हैं. यथा–

(1) शासकीय-पत्र (Official Letter)

(2) अर्द्धशासकीय-पत्र (Demi-Official Letter),

(3) कार्यालय आदेश (Office Order)

(4) कार्यालय ज्ञापन (Office Memorandum)

(5) अधिसूचना (Notification),

(6) संकल्प (Resolution),

(7) अनुस्मारक (Reminder),

(8) प्रेस विज्ञप्ति (Press Communique),

(9) पृष्ठांकन (Endorsement),

(10) परिपत्र (Circular),

(11) निविदा (Tender).

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. शासकीय-पत्र होते हैं–
(A) औपचारिक
(B) अनौपचारिक
(C) वैयक्तिक
(D) इनमें से कोई नहीं

2. शासकीय-पत्र में पत्रांक कहाँ लिखा जाता है ?
(A) सबसे नीचे दायीं ओर
(B) सबसे नीचे बायीं ओर
(C) सबसे ऊपर दायीं ओर
(D) सबसे ऊपर बायीं ओर

3. शासकीय-पत्र में पहले क्या होता है ?
(A) प्रेषक (B) प्रापक
(C) भवदीय (D) संलग्नक

4. अर्द्धशासकीय-पत्र को कहा जाता है–
(A) सी.ओ. (B) एम.ओ.
(C) डी.ओ. (D) इनमें से कोई नहीं

5. अर्द्धशासकीय-पत्र में भवदीय के स्थान पर क्या लिखा जाता है ?
(A) आपका
(B) भवनिष्ठ
(C) (A) और (B) दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. एक कार्यालय के सभी कर्मचारियों को आदेश, सूचनाएं, अनुदेश देने के लिए प्रयुक्त कार्यालयी-पत्र का नाम है–
(A) मीमो
(B) कार्यालय ज्ञापन
(C) कार्यालय आदेश
(D) निविदा

7. Office Memorandum को हिन्दी में कहा जाता है–
(A) कार्यालय आदेश
(B) कार्यालय ज्ञापन
(C) निविदा सूचना
(D) परिपत्र

8. जब एक कार्यालय अपने अधीनस्थ कार्यालयों को एक जैसा पत्र भेजता है, तो किस कार्यालयी-पत्र का उपयोग करता है ?
(A) परिपत्र
(B) कार्यालय ज्ञापन
(C) निविदा सूचना
(D) अधिसूचना

9. अधिसूचना किसमें प्रकाशित की जाती है ?
(A) केन्द्रीय अथवा प्रान्तीय गजट में
(B) देशव्यापी समाचार-पत्रों में
(C) स्थानीय समाचार-पत्रों में
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10. Tender Notice के लिए हिन्दी पर्याय है–
(A) निविदा
(B) निविदा-प्रपत्र
(C) निविदा सूचना
(D) कार्यालय ज्ञापन

उत्तरमाला

1. (A) 2. (D) 3. (A) 4. (C) 5. (C)
6. (C) 7. (B) 8. (A) 9. (A) 10. (C)

●●●

शेष पृष्ठ 167 का

(C) उदन्त मार्तण्ड
(D) कर्मवीर

105. **कौनसी पत्रिका के सम्पादक महावीर प्रसाद द्विवेदी थे ?**
(A) विशाल भारत (B) सरस्वती
(C) ब्राह्मण (D) हिन्दी प्रदीप

106. **इनमें से बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्रिका थी :**
(A) हंस
(B) हिन्दी प्रदीप
(C) कविवचन सुधा
(D) ब्राह्मण

107. **वाक् पत्रिका के सम्पादन से जुड़े रहे हैं :**
(A) सुधीश पचौरी
(B) प्रभाकर श्रोत्रिय
(C) टी.एन. चतुर्वेदी
(D) अज्ञेय

108. **नमिता सिंह द्वारा सम्पादित पत्रिका का नाम है :**
(A) हिन्दी प्रदीप
(B) पूर्व ग्रह
(C) वर्तमान साहित्य
(D) सारिका

109. **सारिका पत्रिका का सम्पादक इनमें से कौन रहा है ?**
(A) कमलेश्वर
(B) धर्मवीर भारती
(C) महादेवी वर्मा
(D) राजेन्द्र यादव

110. **पहल पत्रिका के सम्पादक रहे हैं :**
(A) ज्ञान रंजन
(B) मनोहरश्याम जोशी
(C) महावीर प्रसाद द्विवेदी
(D) दुलारेलाल भार्गव

111. **'सिंहावलोकन' किसकी कृति है ?**
(A) अज्ञेय
(B) यशपाल
(C) अमृतलाल नागर
(D) भगवतीचरण वर्मा

112. **'अपनी खबर' किसकी आत्मकथा है ?**
(A) अज्ञेय की (B) उग्रजी की
(C) बच्चन की (D) निराला की

113. **मनीषी की लोक यात्रा के रचयिता हैं :**
(A) भगवती प्रसाद सिंह
(B) राजेन्द्र बाबू
(C) भगवतीचरण वर्मा
(D) श्रीराम शर्मा

114. **कौनसी रचना विद्या निवास मिश्र की नहीं है ?**
(A) हल्दी दूब
(B) पर्ण मुकुट
(C) कौन तू फुलवा बीननहारी
(D) मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

115. **कौनसी रचना कुबेरनाथ राय की है ?**
(A) प्रिया नीलकण्ठी
(B) गंधमादन
(C) विषाद योग
(D) उपर्युक्त सभी

116. **'शिकायत मुझे भी है' किसकी कृति है ?**
(A) हरिशंकर परसाई
(B) विद्यानिवास मिश्र
(C) शरद जोशी
(D) गोपाल प्रसाद व्यास

117. **अतीत के चलचित्र किसकी कृति है ?**
(A) महादेवी वर्मा
(B) बनारसी दास चतुर्वेदी
(C) श्रीराम शर्मा
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तरमाला

1. (C) 2. (D) 3. (C) 4. (D) 5. (A)
6. (B) 7. (C) 8. (C) 9. (B) 10. (C)
11. (D) 12. (A) 13. (A) 14. (B) 15. (A)
16. (B) 17. (D) 18. (A) 19. (D) 20. (A)
21. (D) 22. (A) 23. (C) 24. (D) 25. (B)
26. (C) 27. (C) 28. (D) 29. (A) 30. (C)
31. (D) 32. (A) 33. (C) 34. (D) 35. (A)
36. (D) 37. (C) 38. (B) 39. (B) 40. (C)
41. (B) 42. (D) 43. (D) 44. (B) 45. (C)
46. (D) 47. (A) 48. (A) 49. (B) 50. (C)
51. (D) 52. (A) 53. (B) 54. (D) 55. (A)
56. (C) 57. (D) 58. (A) 59. (B) 60. (C)
61. (D) 62. (B) 63. (C) 64. (D) 65. (A)
66. (B) 67. (C) 68. (D) 69. (C) 70. (A)
71. (B) 72. (D) 73. (D) 74. (B) 75. (A)
76. (B) 77. (D) 78. (B) 79. (C) 80. (A)
81. (B) 82. (A) 83. (B) 84. (C) 85. (A)
86. (B) 87. (C) 88. (B) 89. (C) 90. (D)
91. (B) 92. (A) 93. (B) 94. (D) 95. (C)
96. (B) 97. (B) 98. (B) 99. (A) 100. (B)
101. (C) 102. (C) 103. (B) 104. (C) 105. (B)
106. (B) 107. (A) 108. (C) 109. (A) 110. (A)
111. (B) 112. (B) 113. (A) 114. (B) 115. (D)
116. (A) 117. (A)

●●●

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक महेन्द्र जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा प्रतियोगिता दर्पण (प्रिंटिंग यूनिट) 5 एवं 6 बाई पास रोड, आगरा से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2 से प्रकाशित

बिक्री के लिए उपलब्ध

बी. एड. प्रवेश परीक्षाओं में सफलता सुनिश्चित करें

उपकार
उत्तर प्रदेश
बी. एड.
संयुक्त प्रवेश परीक्षा
(कला वर्ग)

उपकार की पुस्तकों में दिया गया प्रत्येक प्रश्न आपके आधारभूत ज्ञान को बरकरार रखते हुए विषय पर पूरा नियन्त्रण दिलाने में आपकी मदद करेगा

मौलिक, तर्कयुक्त, प्रामाणिक एवं वैज्ञानिक विवेचन पर आधारित विषय विशेषज्ञों द्वारा लिखित पुस्तकें

उपकार
बिहार
बी. एड.
प्रवेश परीक्षा
(सामाजिक विज्ञान वर्ग)
B.Ed.
BIHAR

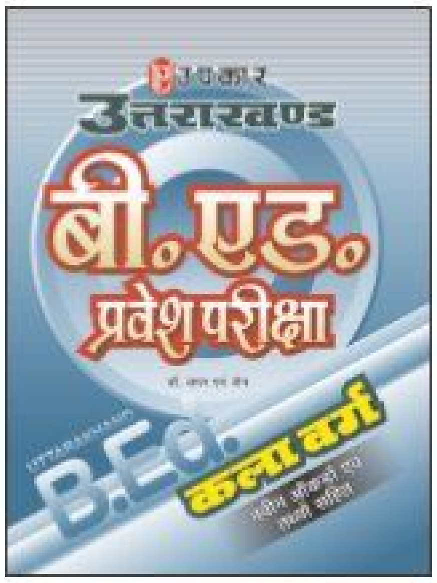
उपकार
उत्तराखण्ड
बी. एड.
प्रवेश परीक्षा
B.Ed.
कला वर्ग

उपयोगी पुस्तकें	Code No.	Price
उपकार उ.प्र. बी. एड. प्रवेश परीक्षा (कला)*	158	320.00
उपकार उ.प्र. बी. एड. प्रवेश परीक्षा (विज्ञान)*	159	320.00
उपकार उ.प्र. बी. एड. प्रवेश परीक्षा (वाणिज्य)*	160	270.00
उपकार उत्तराखण्ड बी. एड. प्रवेश परीक्षा (कला)*	1015	345.00
उपकार उत्तराखण्ड बी. एड. प्रवेश परीक्षा (विज्ञान)*	1016	365.00
उपकार उत्तराखण्ड बी. एड. प्रवेश परीक्षा (वाणिज्य)*	1017	299.00
उपकार उ.प्र. / उत्तराखण्ड बी. एड. सॉल्वड् पेपर्स*	1235	130.00
उपकार राजस्थान बी. एड. प्रवेश परीक्षा*	61	295.00
उपकार राजस्थान शिक्षक अभिवृत्ति एवं अभिरुचि	23	50.00
उपकार दिल्ली बी. एड. प्रवेश परीक्षा*	1035	260.00
उपकार इग्नू बी. एड. प्रवेश परीक्षा*	1119	320.00
उपकार मध्य प्रदेश प्री.-बी. एड. परीक्षा	66	315.00
उपकार छत्तीसगढ़ प्री.-बी. एड. प्रवेश परीक्षा	1267	250.00
उपकार बिहार बी. एड. प्रवेश परीक्षा (सामाजिक विज्ञान)	1153	290.00
उपकार बिहार बी. एड. प्रवेश परीक्षा (विज्ञान)	1162	315.00
उपकार बिहार बी. एड. प्रवेश परीक्षा (वाणिज्य)	1163	210.00
उपकार बी. एड. प्रवेश परीक्षा हिन्दी	1103	99.00
उपकार शिक्षक अभिवृत्ति एवं अभिरुचि परीक्षण	22	110.00
Upkar's Teacher's Attitude & Aptitude	970	60.00

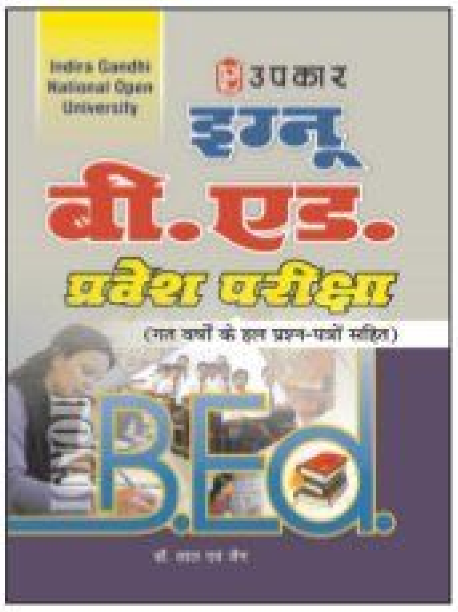
Indira Gandhi National Open University
उपकार
इग्नू
बी. एड.
प्रवेश परीक्षा
(गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्रों सहित)
IGNOU
B.Ed.

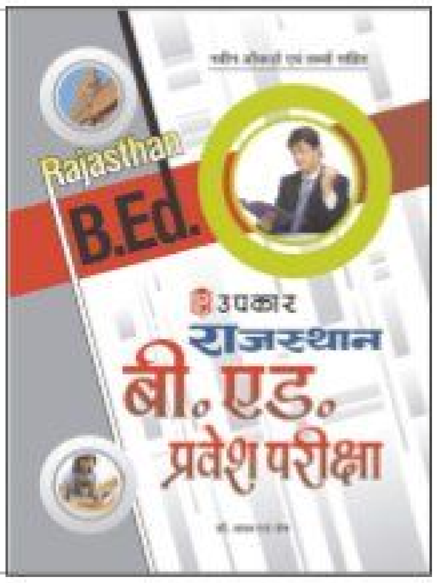
Rajasthan
B.Ed.
उपकार
राजस्थान
बी. एड.
प्रवेश परीक्षा

* ENGLISH EDITIONS ARE ALSO AVAILABLE

उपकार प्रकाशन

2/11 ए.स वदेशीब ेमान गर, **आगरा**-282 002फ ेनः (0562) 4053333, 2530966;फ ैक्सः (0562) 4053330
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
ब्रांचअ ॅफिसः • **नई दिल्ली**फ ेनः (011) 23251844/66 • **हैदराबाद**फ ेनः (040) 66753330
• **पटना**फ ेनः (0612) 2673340 • **कोलकाता**फ ेनः (033) 25551510 • **लखनऊ**फ ेनः (0522) 4109080

हिन्दी हमारी
शान है
इसे सीखना
और भी
आसान है

यदि आप प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, तो इन पुस्तकों के माध्यम से हम आपको बतायेंगे कि आप कहाँ गलती करते हैं.

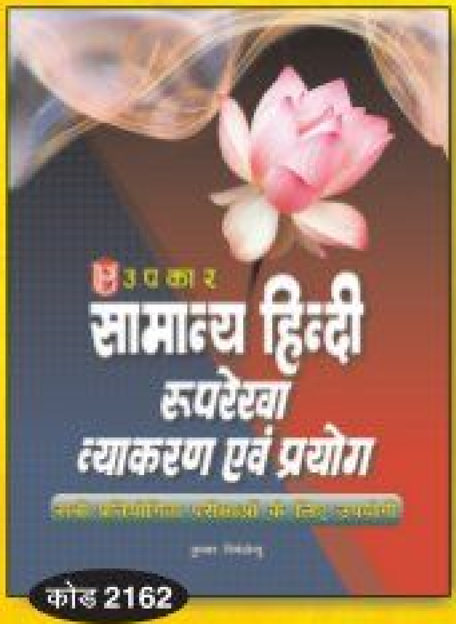
उपकार
सामान्य हिन्दी
रूपरेखा
व्याकरण एवं प्रयोग
कोड 2162

उपकार
हिन्दी
व्याकरण
कोड 225

उपकार
वस्तुनिष्ठ
सामान्य
हिन्दी
कोड 116

उपकार
वस्तुनिष्ठ
सामान्य हिन्दी
दिग्दर्शन
कोड 19

उपकार
हिन्दी साहित्य का
तथ्यपरक अध्ययन
कोड 2129

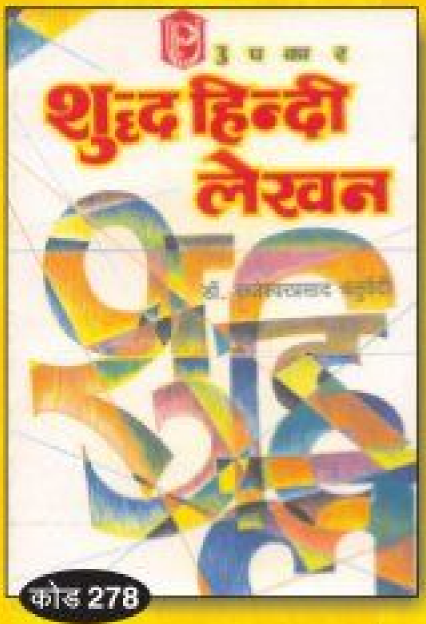
उपकार
शुद्ध हिन्दी
लेखन
कोड 278

उपकार
व्यावहारिक
सामान्य हिन्दी
कोड 1412

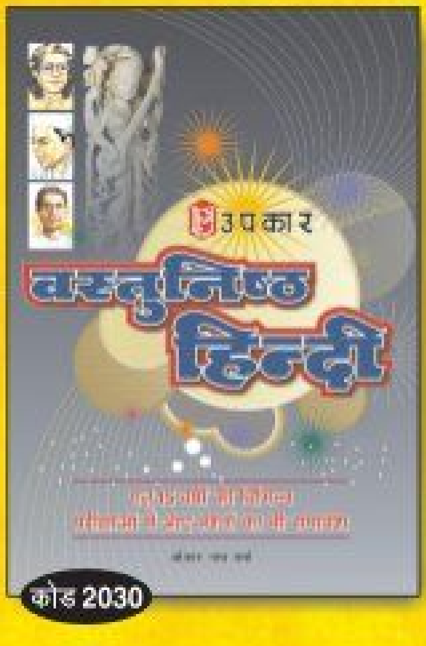
उपकार
वस्तुनिष्ठ
हिन्दी
कोड 2030

उपयोगी पुस्तकें	Code No.	Price
• सामान्य हिन्दी-रूपरेखा, व्याकरण एवं प्रयोग	2162	120.00
• हिन्दी साहित्य का तथ्यपरक अध्ययन	2129	165.00
• वस्तुनिष्ठ सामान्य हिन्दी दिग्दर्शन	19	240.00
• हिन्दी व्याकरण	225	155.00
• सामान्य हिन्दी	113	155.00
• वस्तुनिष्ठ हिन्दी (ओंकार नाथ वर्मा)	2030	115.00
• व्यावहारिक सामान्य हिन्दी	1412	65.00
• वस्तुनिष्ठ सामान्य हिन्दी	116	99.00
• वस्तुनिष्ठ सामान्य हिन्दी	196	90.00
• हिन्दी भाषा और व्याकरण	532	60.00
• पत्र लेखन एवं प्रारूप	114	90.00
• पत्र आलेखन	527	40.00
• संक्षेपण, पाठबोधन और विस्तारण	1029	75.00

उपकार की पुस्तकें सफल कैरियर की आधारशिला

उपकार प्रकाशन 2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, **आगरा** – 282 002 **फोन** : 4053333, 2531101, 2530966, **फैक्स** : (0562) 4053330
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in
ब्रॉंच ऑफिस : • नई दिल्ली फोन : 011-23251844/66 • हैदराबाद फोन : 040-66753330 • पटना फोन : 0612-2673340 • कोलकाता फोन : 033-25551510